पुरातत्व परिभाषा कोश



वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग,
केंद्रीय हिंदी निदेशालय,
शिक्षा तथा समाज कल्याण मंत्रालय,
भारत सरकार
1979

विषय-सूची

1—387 CHD (ND)/77

वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग के सदस्य

अध्यक्ष

प्रो० हरवंश लाल शर्मा

सदस्य

प्रो० जयकृष्ण,
कुलपति, रुड़की विश्वविद्यालय, रुड़की ।

डा० आर० सी० मेहरोत्रा,
कुलपति, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली ।

डा० पी० एन० वाही,
भूतपूर्व महानिदेशक, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद्,
नई दिल्ली ।

प्रो० एस० के० मुखर्जी,
सहायक महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्,
नई दिल्ली ।

परामर्शदाता

डा० नगेंद्र,
प्रोफेसर, हिंदी विभाग,
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली ।

संपादन परामर्श मंडल के सदस्य

प्रो० हरवंश लाल शर्मा,
अध्यक्ष, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग।

प्रो० कृष्णदत्त वाजपेयी,
टैगोर प्रोफेसर तथा अध्यक्ष, प्राचीन भारतीय इतिहास तथा पुरातत्त्व विभाग, सागर विश्वविद्यालय, सागर

डा० बृजवासी लाल,
प्रोफेसर, उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला।

श्री मुनीश चन्द्र जोशी,
अधीक्षण पुरातत्त्वज्ञ, भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण, नई दिल्ली।

डा० श्याम कुमार पांडे,
सहायक प्रोफेसर, प्राचीन भारतीय इतिहास तथा पुरातत्त्व विभाग सागर विश्वविद्यालय, सागर।

श्री जीवन नायक,
प्रधान संपादक, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग।

संपादक

हरिबाबू वाशिष्ठ,
प्रधान, इतिहास-पुरातत्त्व और राजनीति एकक, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग।

लेखन

राजेंद्र प्रसाद तिवारी,
पुरातत्त्व एकक, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग।

प्रकाशन

श्री रामेश्वर प्रसाद मालवीय	*अपर निदेशक*
डा० वल्लभ दत्त	सहायक निदेशक
श्रीमती निर्मल चोपड़ा	तकनीकी सहायक
श्री वेदव्रत गुप्त	प्रूफ वाचक
श्री नानक चंद	प्रूफ वाचक

प्रस्तावना

मानविकी और समाज विज्ञान विषयों की 1970 तक अनुमोदित शब्दावली का समेकित शब्द-संग्रह प्रकाशित करने के बाद यह आवश्यक समझा गया कि उसमें समाविष्ट संकल्पनाओं की परिभाषाएं तैयार करने का काम हाथ में लिया जाए। तदनुसार पुरातत्व विषयक आधारभूत परिभाषाओं का प्रस्तुत कोश तैयार किया गया।

इस कोश में, पुरातत्व की लगभग 1,600 परिभाषाएं दी गई हैं। इन्हें तैयार करते समय पुरातत्व संबंधी संदर्भ-सामग्री के अतिरिक्त प्रामाणिक पुस्तकों, रिपोर्टों और विभिन्न कोशों से सहायता ली गई है। हमारा उद्देश्य पारिभाषेय शब्दों की ऐसी संक्षिप्त परिभाषाएं प्रस्तुत करना है, जिनमें यथा-साध्य सरल भाषा में विवेच्य संकल्पनाओं के सभी आवश्यक तत्वों का समावेश हो, किंतु व्याख्यात्मक टिप्पणियों का सहारा न लिया जाए।

परिभाषाओं पर विचार-विमर्श कर उन्हें अंतिम रूप देने में जिन विशेषज्ञों ने सहयोग दिया है, हम उनके प्रति आभार प्रकट करते हैं।

शिक्षा के प्रसार के साथ पुरातात्विक महत्व के स्थलों में रुचि बढ़ रही है। अतएव आशा है कि प्रस्तुत कोश प्राचीन इतिहास, संस्कृति तथा पुरातत्व के विद्यार्थियों और प्राध्यापकों के सिवा सामान्य पाठकों के लिए भी उपयोगी होगा।

हरबंशलाल शर्मा
अध्यक्ष

वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग,
केन्द्रीय हिंदी निदेशालय, नई दिल्ली

भूमिका

मानव अतीत से जुड़ा है और मनुष्य का अतीत पुरातत्व से। पुरातत्व से जुड़ी है, मानव के अभ्युदय, विकास और सभ्यता की गाथा। कालातीत अनवरत परिवर्तन, सौर विकिरण, अपक्षय, निरावरण जैसी परिवर्तनकारी प्रक्रियाओं और विस्मृति की घुमावदार और गहरी परतों से आवृत्त धरती के गर्भ में छिपे अतीत के लोक को यत्किंचित मात्रा में ही सही, पुरातत्व का आलोक ही उजागर करता है। पुरातत्वीय अध्ययन, अनुसंधान, अन्वेषण और विश्लेषण के आलोक में ही हम विकास की टूटी श्रृंखलाओं की कड़ियों को खोज और जोड़ पाते हैं।

पुरातत्व के माध्यम से हम जिस विपुल, विशाल, विस्तीर्ण और विस्मृत प्राचीन संसार की खोज करते आ रहे हैं, उसकी इयत्ता आज भी अपरिसीम और अज्ञात है। इस संदर्भ में पुरातत्व का महत्त्व इसी एक तथ्य से स्वतः सिद्ध है कि इतिहासकारों ने अब तक जिस प्राचीन संसार का व्यवस्थित ज्ञान हमें सुलभ कराया है, वह तो काल, मात्रा और परिमाण की दृष्टि से अज्ञात, अतीत या कहिए प्रागितिहास का शतांश भी नहीं है।

प्रशंसनीय और पर्याप्त उपलब्धियों के होते हुए भी पुरातत्व के क्षेत्र में अब भी बहुत अधिक कार्य किया जाना बाकी है। जो कुछ कार्य किया गया है, वह भी अत्यधिक मंथर गति और अव्यवस्थित रीति से हुआ है। निःसंदेह ज्ञात प्राचीन इतिहास स्वल्प है और अज्ञात प्रागितिहास का क्षेत्र विस्तृत और कदाचित निस्सीम भी है। इस दृष्टि से 'अंधकार से प्रकाश की ओर' (तमसो मा ज्योतिर्गमय) और 'मृत्यु से अमरत्व की ओर' (मृत्योर्मा अमृतम् गमय) के प्रशस्त पथ पर ले जाने का सही, सार्थक और सुनिश्चित मार्ग पुरातत्व का है।

पुरातत्व के संदर्भ में, सर्वाधिक विचित्र, किंतु सत्य एक तथ्य यह है कि इसका अभ्युदय और विकास, मानव की संग्रही प्रवृत्ति, विशेषकर प्राचीन, दुर्लभ और विचित्र वस्तुओं के संग्रह से हुआ। 'पुराकालीन' वस्तुओं और पदार्थों की खोज का मार्ग प्रशस्त करने में मानवीय 'अदम्य जिज्ञासा और औत्सुक्य' ने योगदान किया और इस प्रकार जाने-अनजाने में पुरातत्व का

अनायास जन्म हुआ । उपलब्धि की दृष्टि से सीमित और रंग-रूप तथा रचना की दृष्टि से विचित्र, वस्तुओं और पदार्थों के प्रति आकर्षण, उनकी प्राप्ति की ललक और लालसा ने, मनुष्य की अन्वेषण प्रवृत्ति को सहज और स्वाभाविक रूप से बढ़ाया ।

सतत वर्धमान रुचि और आकर्षण ने, मानवीय अन्वेषण का क्षेत्र वृहत्तर बना दिया । क्षेत्र-चयन, अन्वेषण, उत्खनन और पुरातात्त्विक उपलब्धि के बाद यह स्वाभाविक ही था कि प्राप्त वस्तुओं, तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर तत्युगीन स्थितियों को ऐतिहासिक रंग-रूप दिया जाता । इस प्रकार पुरावस्तुओं की प्राप्ति की ललक ने, खोज कार्यों को, खोज कार्यो ने, उत्खनन प्रविधियों और विश्लेषण प्रक्रियाओं को प्रोत्साहित कर पुरातत्त्व को व्यवस्थित रूप दिया और किसी सीमा तक इसे वैज्ञानिक जामा पहनाया । पुरातत्त्व, अब पुरावस्तुओं की खोज या उपलब्धियों का शास्त्र ही नही, अपितु पुराकालीन वस्तुओं, स्थितियों आदि के व्यावहारिक अन्वेषण, तकनीकी अध्ययन, वैज्ञानिक विश्लेषण और अद्यतन अनुसधान का विषय बन गया ।

इसमें कोई संदेह नही कि पुरातत्त्वज्ञ, पुरावस्तुओ और पुराकालीन महत्त्व के स्थलों की खोज करता है, पुराकाल की गहन कंदराओ और अंधी गुफाओं में येन-केन-प्रकारेण प्रवेश कर, जो कुछ तथ्य, सत्य, सामग्री, साक्ष्य आदि खोज निकालता है, उसके आधार पर तत्कालीन रीति-नीति, व्यवस्था, पद्धति, इतिवृत्त आदि का व्यवस्थित ढंग से पुर्ननिर्माण करता है । काल के कराल गाल में समा कर भी, जो विनष्ट नही हुआ, उसकी खोज कर अपनी लगन, साधना, बौद्धिक क्षमता और वैज्ञानिक सामर्थ्य से उसे यथासाध्य मूल रूप में प्रस्तुत करता है । इस कार्य में उसकी कार्यपद्धति, दिशान्वेशी दृष्टि, सांस्कृतिक महत्त्व की वस्तुओं की परख, चयन-क्षमता आदि का योगदान कुछ कम नही होता ।

इतिहास से दूर, प्रागितिहास की कंदराओं में, जब पुरातत्त्वविद की पहुँच हो जाती है, तब भौतिकी, रसायन विज्ञान, भूगर्भ विज्ञान, जीवविज्ञान, जलवायु विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, नृविज्ञान, समाज विज्ञान आदि विविध विज्ञानों में पूर्वप्रतिष्ठित उपलब्धियों, प्रयोगों, वैज्ञानिक प्रविधियों आदि की सहायता वह पुरातत्वीय कार्यों में लेता है । आरंभ में, वह स्थलीय निरीक्षण के लिए अपेक्षित आलेख तैयार करता है। तदुपरांत स्थलचयन, उत्खनन

और अन्वेषण संबंधी क्रियाकलापों में जुट जाता है। फिर परीक्षणगर्त, समानांतर उत्खनन, समकोण खुदाई जैसी विभिन्न प्रविधियों से, अप्रयुक्त धरती की तह में स्थित वस्तुओं, ध्वंसावशेषों आदि की खोज करता है और उत्खनित स्थल से प्राप्त वस्तुओं, सामग्रियों और साक्ष्यों के आधार पर तद्विषयक काल-निर्धारण करने का प्रयत्न करता है। वस्तुतः इस प्रक्रिया में, उसे विभिन्न विज्ञानों में सुस्थापित प्रविधियों और संश्लेषण-प्रक्रियायों से बड़ी सहायता मिलती है। कुछ पुरातत्त्वज्ञ कदाचित् इसी आधार पर पुरातत्त्व को 'विज्ञान' की संज्ञा देते हैं। इसमें कोई संदेह नही कि शिव के अर्धनारीश्वर रूप के समान पुरातत्त्व को 'विज्ञान' भी कहा जा सकता है और कला या शास्त्र भी। विज्ञान के रूप में, कदाचित् यह सबसे नया विज्ञान है और शास्त्र के रूप में इसके सूत्रपात की कथा कदाचित् सबसे पुरानी है।

पुरातत्त्वशास्त्र की अनेक शाखा-प्रशाखाएं हैं, जिनमें से महत्त्वपूर्ण कुछ इस प्रकार हैं:–

1. प्रागैतिहासिक पुरातत्त्व
2. क्षेत्र-पुरातत्त्व
3. मृद्भांड कला
4. मूर्त्ति कला
5. चित्र कला
6. मुद्राशास्त्र
7. पुरालिपि शास्त्र या पुरालेख विज्ञान

जैसा कि उपर्युक्त विषयों से स्पष्ट है, यह शाखाएं पुरातत्त्व संबंधी गवेषणाओं और विश्लेषणात्मक कार्यो को मूर्त्त रूप प्रदान करती हैं और इन विषयों का अध्ययन तथा तद्विषयक वैज्ञानिक अन्वेषण शैक्षणिक दृष्टि से बहुत अधिक महत्त्वपूर्ण है।

पुरातत्त्वशास्त्र विभिन्न विश्वविद्यालयों में स्नातकोत्तर स्तरीय अध्ययन का विषय है। भारत सरकार का पुरातत्त्व विभाग भी 'डिप्लोमा इन आर्कियालॉजी' के अंतर्गत पुरातत्त्व विषयक प्रशिक्षण प्रदान करता है। पुरातत्त्व

जैसे महत्त्वपूर्ण विषय में, अंग्रेजी शब्दावली के समकक्ष हिन्दी पारिभाषिक शब्दावली का नितान्त अभाव रहा है। पुरातत्त्व विषय की संकल्पनाओं को समझने-समझाने में, यह अभाव एक बहुत बड़ी बाधा रहा है। भारत सरकार के शिक्षा तथा समाज कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत कार्य कर रहे केंद्रीय हिंदी निदेशालय और वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग के तत्त्वावधान में पारिभाषिक शब्दावली के चयन और हिन्दी समानक निर्धारित करने का कार्य पूरा किया जा चुका है। इसी दिशा में, एक अग्रगामी कदम के रूप में पुरातत्त्व-शास्त्रीय आधारभूत शब्दों को पारिभाषित कर, यह परिभाषाकोश तैयार किया गया है, जिससे इस विषय की संकल्पनाओं को हृदयगम करने में सहायता मिल सके। इस राष्ट्रीय महत्त्व के महान कार्य में, देश के मर्धन्य पुरातत्त्ववेत्ताओं, पुराशास्त्रविदों तथा इतिहासविदों का सहयोग हमें प्राप्त हुआ है, जिसके लिए हम सबके अत्यधिक ऋणी हैं। सागर विश्वविद्यालय के पुरातत्त्व विभाग के अध्यक्ष और टैगोर प्रोफेसर तथा मूर्धन्य पुरातत्त्वविद् डा० कृष्ण दत्त वाजपेयी, सागर विश्वविद्यालय में पुरातत्त्व के प्राध्यापक डा० श्यामकुमार पांडे, भारत सरकार के पुरातत्त्व विभाग के अधीक्षण-पुरातत्त्वज्ञ श्री मुनीश जोशी और भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण के भूतपूर्व महानिदेशक और उच्चतर अध्ययन के भारतीय संस्थान के प्रोफेसर डा० बृजवासी लाल के हम विशेष ऋणी हैं, जिन्होंने राष्ट्रीय महत्त्व के इस प्रयत्न में, हमें अपने सत्सुझाव दे कर इस कार्य को श्रेष्ठतर बनाने में हार्दिक सहयोग और प्रशसनीय मार्गदर्शन प्रदान किया।

1.1.1979

हरि बाबू वाशिष्ठ
संपादक

निर्देश

1. यदि किसी अंग्रेजी पारिभाषिक शब्द का हिंदी समानक एक है और उसकी परिभाषाएं एक से अधिक तो सभी परिभाषाएं अकारादि (अ, आ, इ, ई) क्रम से दी गई हैं।

2. यदि हिंदी समानक एक से अधिक हैं और उनमें यत्किंचित अर्थभेद या संकल्पनात्मक अंतर है तो उन्हें अर्ध विराम (;) देकर प्रस्तुत किया गया है।

3. समानार्थक शब्द अल्पविराम (,) सहित दिए गए हैं, यथा–polychrome बहुवर्णी, बहुरंगी

4. जहां हिंदी समानक एक से अधिक संकल्पनाओं या अर्थच्छवियों से युक्त हैं, वहां उन्हें 1, 2, 3 संख्या क्रमानुसार प्रस्तुत किया गया है जैसे—

pommel 1. मूठ की घुंडी ——————
2. कलश की घुंडी ——————

5. मूल संकल्पना को पारिभाषित करते समय यथासाध्य ऐसे शब्दों का प्रयोग नहीं किया गया, जो स्वयं परिभाषेय हैं। जहां ऐसे शब्दों का प्रयोग अपरिहार्य है, केवल वहीं उनका प्रयोग किया गया है।

6. वर्गीय अथवा प्रधान संकल्पनाओं (generic concepts) को पारिभाषित करते समय, अंत में तत्संबंधी उन उपप्रविष्टियों का निर्देश कर दिया गया है, जो कोश में स्वतंत्र प्रविष्टियों के रूप में अन्यत्र परिभाषित है।

7. समानार्थक संकल्पनाओं के संबंध में पाठकों की सुविधा के लिए प्रति-निदश (cross-referencing) किया गया है और मूल परिभाषा केवल एक ही जगह दी गई है। उदाहरण के लिए :—
abrader (=abraser)

8. परस्पर संवद्ध संकल्पनाएं भी यथासाध्य प्रति-निर्देशित हैं, जैसे mace की परिभाषा के अंत में दिया गया है ; अन्यत्र दे० mace-head

9. इस कोश में पहला स्थान मूल अंग्रेजी शब्द को दिया गया है, फिर उसके हिंदी समानक को और उसके बाद हिंदी समानक की परिभाषा दी गई है, जो यथासाध्य मूल संकल्पना और विद्यमान अर्थ का प्रतिनिधित्व करती है। यह हमारे इस संक्रमण-काल की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर किया गया है, लेकिन उन पाठकों की सुविधा के लिए, जो किसी हिंदी समानक के संदर्भ से उसकी परिभाषा ढूंढना चाहते हैं, कोश के अंत में हिंदी शब्दानुक्रमाणिका दे दी गई है, जिससे यह मालूम किया जा सकता है कि किस हिंदी समानक को किस अंग्रेजी शब्द के समानक के रूप में पारिभाषित किया गया है।

10. कोश में व्यवहृत संक्षिप्तियों के पूरे रूप इस प्रकार हैं :—

दे० देखिए

वि० विशेषण

सं० संज्ञा

अ० अन्यत्र

पुरातत्व परिभाषा कोश

A

Abbevillian — अबेवीली

अबेवील, उत्तरी फ्रांस का वह स्थान, जिससे पुरापाषाणकालीन अबेवीली संस्कृति का नामकरण हुआ। इस संस्कृति के प्रमुख उपकरण, द्विपृष्ठीय प्रस्तर हस्तकुठार आदि हैं, जिनका सिरा नुकीला तथा निचला हिस्सा भारी होता है। इस संस्कृति का उद्भव अफ्रीका से माना जाता है, पर तथ्य यह है कि सर्वप्रथम अबेवीली उपकरण फ्रांस में मिले।

Abkhasian people — अबखासी जन

कृष्ण सागर के पूर्वी तटवर्ती जार्जिया के निवासी; काकेशस में स्थित जार्जिया प्रदेश का निवासी या मूल निवासी।

abrader (=abraser) — अपघर्षक, अपघर्षित्र

एक प्रकार का प्रागैतिहासिक उपकरण, जो किसी दूसरी वस्तु या उपकरण को घिसने के काम म लाया जाता था। इससे रगड़ कर उपकरणों या वस्तुओं में धार बनाई जाती थी या उन्हें चिकना बनाया जाता था।

absolute chronology — निरपेक्ष कालानुक्रम

निरपेक्ष कालानुक्रम काल-निर्धारण का वह प्रकार है, जिसमें किसी स्थल या उसमें प्राप्त वस्तुओं का, ऐसी प्रविधियों से अध्ययन किया जाता है, जो उसकी निश्चित तिथि बताती हैं। यह निर्धारित तिथि ठोस वैज्ञानिक निष्कर्षों पर आधारित होती है। निरपेक्ष कालानुक्रम में मुख्यतः निम्नलिखित प्रविधियों का आश्रय लिया जाता है :—कार्बन 14 तिथि-निर्धारण, वृक्ष

कालानुक्रमिकी, तापसंदीप्ति काल-निर्धारण (thermoluminiscent chronology), पोटेशियम आर्गन काल-निर्धारण एवं पुराचुंवकत्व प्रविधि। प्रागितिहास में किसी घटना की निश्चित तिथि निर्धारित नहीं की जा सकती। निरपेक्ष तिथि को भी सौ-सौ वर्षों के कोष्ठकों में दिया जाता है।

Abu Simbel **अबू सिम्बल**

मिस्र के अठारहवें शासक फराहो रेमजे द्वितीय (लगभग 1250 ई०पू०) के द्वारा बनाए गए दो मंदिरों का वह स्थान, जो नूबिया में स्थित है। अबू सिम्बल के प्रवेश द्वार के दोनों ओर चार महाकाय तक्षित मूर्तियां हैं, जो 18 मीटर से भी अधिक ऊंची हैं।

आस्वान बांध के वनने पर, जलमग्न होने से वचाने के लिए इन दोनों मंदिरों को पार्श्ववर्ती पर्वत से उभार कर उठाया गया है। मंदिर तथा इनकी मूर्तियों की गणना विश्व की महत्त्वपूर्ण पुरातात्त्विक निधियों में की जाती है।

acerra **1. धूपदान**

वह पात्र जिसमें धूप या लोवान रखा जाता हो।

2. वहनीय वेदी

चिता के सामने रखी जानेवाली लघु वेदी, जिसे सरलता से लाया-ले जाया जा सके।

achech **ईहामृग, सिंहपक्षी**

मिस्री पुरातत्व के अंतर्गत वह काल्पनिक पक्षी, जिसके शरीर का आधा भाग सिंह तथा आधा पक्षी का माना जाता है।

Acheulean (Culture) **ऐश्यूली (संस्कृति)**

फ्रांस की सोम घाटी में स्थित सेंट ऐश्यूल की निम्न पुरापाषाण कालीन संस्कृति, जो अवेवीली संस्कृति से वाद की है। इस काल में पाषाण उपकरण निर्माण की प्रक्रिया में कुछ तकनीकी खोजों का विकास हुआ था।

लीके के मतानुसार, ऐश्यूली उद्योग का विकास यूरोप के वाहर मिंडेल हिमावर्तन-काल तथा यूरोप में मिंडेल-रिस हिम-प्रत्यावर्तन काल में हुआ था। इन उपकरणों में नियंत्रित शल्कीकरण प्रविधि का प्रयोग होता था। इनके शल्क-चिह्न छिछले, क्रमिक तथा छोटे होते थे। उपकरणों का शल्कीकरण काफी व्यवस्थित था। भारतीय प्रागितिहास में, ऐश्यूली शब्द का प्रयोग केवल सांस्कृतिक अर्थ में होता है। इन उपकरणों की प्रमुख विशेषता सव

तरफ की धारवाले द्विपृष्ठीय उपकरण हैं। हस्तकुठारों में प्रमुख अंडाकार और हृदयाकार कुठार मिले हैं।

हस्तकुठारों के अतिरिक्त विदारणी का भी प्रयोग कहीं-कहीं मिलता है।

acrolith — **काष्ठ-अश्म मूर्ति, ऐक्रोलिथ**

ऐसी प्रतिमा, जिसका मस्तक और हाथपैर पत्थर के हों।

यूनानी कला में, यह एक प्रकार की मूर्ति होती है, जिसके ऊपरी तथा किनारे के भाग पाषाण के बने होते हैं और कबंध सामान्यतः काष्ठ-निर्मित होता है। ऐसी मूर्ति का धड़ चारों ओर से वस्त्रों से ढका होता है।

acropolis — **एक्रोपोलिस**

नगर का ऊपरी अथवा मुख्य भाग; प्राचीन यूनानी नगर-राज्यों का ऊपरी आरक्षित भाग। सबसे प्रसिद्ध एक्रोपोलिस एथेंस में बना था, जो प्राचीरों से घिरा नौ द्वारों से युक्त था। इस स्थान का प्रयोग संकट-काल में शरण-स्थल के रूप में भी किया जाता था। प्राचीन रोम (केपिटाल) तथा जेरूसलम (एंटोनिया) में भी इस प्रकार की संरचनाओं के अवशेष मिले हैं।

adobe — **कच्ची ईंट**

धूप में सुखाई गई मिट्टी की बनी ईंट, जिसमें पुष्टता प्रदान करने के लिए, भूसा या पुआल मिलाया जाता है; इसे भट्टे में पकाया नहीं जाता। ये ईंटे, भट्टी में तपी पकी ईंटों की अपेक्षा कम मजबूत होती हैं, इसीलिए इन्हें कच्ची ईंट कहा जाता है। 'adobe' शब्द का प्रयोग मुख्यतः मेक्सिको तथा दक्षिण-पश्चिम अमरीका के पुरातात्त्विक साहित्य के संदर्भ में किया जाता है।

adytum — **गुप्त गर्भ-गृह, गर्भ-गृह**

प्राचीन मंदिरों का गुप्त या आभ्यंतरिक भाग, जहां केवल मंदिर के पुरोहित लोग ही प्रवेश कर सकते हैं।

adze — **बसूला**

प्रस्तर या धातु का बना चपटा तथा भारी उपकरण। इसके एक ओर मूंठ की लकड़ी फंसाने के लिए कहीं-कहीं छिद्र भी बना होता है, जिससे उपकरण को पकड़ा जाता है। इसका प्रयोग कुल्हाड़ी के प्रयोग से भिन्न होता

है। कुल्हाड़ी की धार मूंठ के समानांतर होती है और बसूले की धार समकोणाकार होती है। प्रागैतिहासिक पाषाण के बने बसूले में यह आवश्यक नहीं कि दंड को फसाने के लिए उसमें छिद्र बना हो। इसे कांट-छांट या कर्त्तन (trimming) करने के लिए काम में लाया जाता है।

aedes — **पूजागृह, पूजा-घर**

रोमन पुरातत्व के अनुसार उपासनागृह से भिन्न एक प्रकार का भवन, जो आराधना के लिए बनाया जाता था। उपासनागृह की प्रतिष्ठापना के समय शकुनियों द्वारा उसका औपचारिक पवित्रीकरण नहीं किया जाता था।

Aegean culture — **ईजियन संस्कृति**

यूनानी संस्कृति की पूर्ववर्ती संस्कृति, जिसे मिनोअन एवं माईसीनी संस्कृति भी कहा जाता है। ईजियन सभ्यता के प्रमुख नगर थे—एशिया-माइनर में ट्राय, यूनान में माईसीनी और टाइरिरन्स (Tiryrns) और क्रीट में नोसस व फेस्टस। इस संस्कृति के अवशेष 1500 ई० पूर्व तक भी मिलते हैं। यह कांस्ययुगीन संस्कृति थी, जिसका उद्भव क्रीट में लगभग 3000 ई० पू० में हुआ था। 2000 ई० पू० में यह संस्कृति अपने चरम उत्कर्ष पर थी।

Aegean vase — **ईजियन कलश**

ईसा पूर्व तीसरी सहस्राब्दी से दूसरी सहस्राब्दी तक विद्यमान ईजियन सभ्यता अपने कलात्मक कलशों के लिए विख्यात थी। उस काल में इनका पर्याप्त निर्यात हुआ करता था। कभी-कभी ये कलश 'अंडे के खोल' की तरह पतले होते थे। पत्थर के ये नक्काशीदार कलश निम्न उद्भृत कला के अति सुंदर नमूने माने जाते हैं। इस काल का 'हारवेस्टर कलश', जिसमें खेती की कटाई करनेवालों का दृश्य बना है, कला का एक भव्य नमूना है।

Aegis — **ईजिस**

ज्यूस (Zeus) और अथेना द्वारा धारण की गयी रक्षात्मक ढाल।

aeneolithic period — **ताम्र प्रस्तर युग**

उत्तर पाषाण युग का वह अंतिम चरण, जिसमें पत्थर के अतिरिक्त तांबे के औजारों का प्रयोग भी आरंभ हो गया था।

Age of Pyramids **पिरामिड-युग**

प्रारंभिक मिस्री राजवंशीय इतिहास का वह क ल, जिसमें पिरामिडों का निर्माण किया गया था। प्राचीनतम ज्ञात पिरामिड का निर्माण सक्करा (Saqqara) में तृतीय राजवंश के प्रथम राजा जोसर ने लगभग 2800 ई० पू० में किया था। लगभग 1700 ई० पू० में मिस्र के 'मध्य राज' (middle kingdom) के अवसान के साथ ही पिरामिड युग भी वस्तुतः समाप्त हो गया। किओप्स का पिरामिड उस युग की सर्वश्रेष्ठ कृति है।

agger **वप्र**

1. प्राचीन रोमन वास्तुकला के अंतर्गत मिट्टी का परकोटा, घेरा, परिखा या बांध, जिसका भीतरी भाग प्रस्तर-निर्मित हो।

2. वह सैनिक-मार्ग या जन-पथ, जो धरातल से पर्याप्त ऊपर उठा हो और जिसके किनारों पर जल-निकास के लिए ढलवां पुश्ते बने हों।

agiasterium **देवालय**

प्राचीन रोम के महामंदिर के अन्दर बना हुआ वह पूजा-स्थल, जिसे देवायतन कहा जाता है।

agricultural community ***कृषिजीवी समुदाय, कृषक समुदाय***

मानव जाति द्वारा कृषि कर्म सीख लेने के पश्चात्, विकसित खेती या कृषि कर्म करनेवाले लोगों की बिरादरी। विद्वानों का मत है कि मनुष्य ने, सर्वप्रथम उत्तर पाषाण युग के प्रारंभ में खेती करना सीखा। कृषि कर्म पर आधारित सामाजिक संगठन को आधुनिक सभ्यता की प्रथम प्रावस्था कहा जाता है। इस प्रावस्था में, मनुष्य समुदाय ने कृषि योग्य भूमि पर निवास कर, झोंपड़ी तथा घरेलु वस्तुएं बनाना प्रारंभ किया।

agricultural stage **कृषि-अवस्था**

मानव सभ्यता के विकास-क्रम की वह अवस्था, जिसमें मनुष्य ने खेती करना सीख लिया था और उसे जीविका का आधार बनाया। कृषि-अवस्था वस्तुत: मानव सभ्यता की विकास श्रृंखला की प्रथम महत्त्वपूर्ण कड़ी है। इस अवस्था का आरंभ उत्तर पाषाण युग के प्रथम चरण में माना जाता है।

Ahar Culture **अहाड़ संस्कृति**

लगभग 1800-1200 ई० पू० तक विद्यमान रही राजस्थानी प्राचीन संस्कृति जो बनास संस्कृति के नाम से भी विख्यात है।

बनास राजस्थान की एक नदी है, जिसके समीपवर्ती अहाड़ नामक स्थान पर इस संस्कृति के अवशेष मिले हैं। उत्खनन में प्राय: काले और लाल वर्ण वाले मृदभांडों में प्राय: सफेद रंग की चित्रकारी मिलती है। इस संस्कृति के लोग खेतीबारी करते थे और व्यावहारिक जीवन में ताम्र और लोहे का प्रयोग पत्थर की अपेक्षा अधिक करते थे। भवन-निर्माण में पत्थर और गारा काम में लाया जाता था।

Ahrensburg Culture **अहरेंसबर्ग संस्कृति**

उत्तरी जर्मनी के हिमनदीय काल की एक परवर्ती संस्कृति। उत्तरी जर्मनी में हेम्बर्ग स्थित अहरेंसबर्ग में पुरातत्ववेत्ता, अल्फ्रेड रस्ट को एक संपन्न संस्कृति के अवशेष मिले, जिन्हें उसने आरंभिक मध्यपाषाण कालीन अवशेष बताया। इनके पाषाण उपकरणों में, अनेक छोटे, चूलदार बाणाग्र, खुरचनी, ब्यूरिन, द्विशंक्वाकार हारपून तथा अनेक बड़े अस्त्र मिले हैं। स्टेलमूर में प्राप्त अवशेषों के आधार पर कहा जाता है कि ये लोग रेनडियर का शिकार करते थे।

Ainu people **आइनू जन**

जापान की वह मूल प्रजाति, जो प्राचीन काल में संपूर्ण द्वीपसमूह में फैली हुई थी। अब इस प्रजाति के लोग होकेडो और कराफुतो क्षेत्रों तक सीमित रह गए हैं। इनका क़द छोटा और शरीर गठीला है। इनकी हल्की-पीली त्वचा पर बाल बहुतायत में होते हैं। इनका रहन-सहन आज भी आदिवासियों की तरह है। ये जीववाद में विश्वास रखते हैं।

air photography **वायवी फोटोग्राफी**

प्रथम महायुद्ध-काल में, पुरातत्व के क्षेत्र में प्रयुक्त विशिष्ट प्रविधि, जिसके माध्यम से हवाई चित्रों द्वारा ज्ञात और अज्ञात पुरातात्त्विक स्थलों के छाया-चिह्न, मृदा-चिह्न तथा वनस्पति-चिह्नों के रूप में महत्वपूर्ण सूचना मिलती है। उसके आधार पर पुरातत्त्ववेत्ता उत्खनन करते हैं। इस प्रविधि के अंतर्गत छाया-चित्रांकन,खड़ा और वक्र दोनों प्रकार का हो सकता है।

खड़े चित्रांकन से वनस्पति का पता चलता है। टीलों पर घास या वनस्पति कम जमने से यह ज्ञात होता है कि भूगर्भ में कोई इमारत दबी है। इस प्रविधि के जनक प्रो० डी० एस० कोफोर्ड तथा मेजर ऐलेन थे।

akimbo **कटिहस्त मुद्रा**

कटि-प्रदेश पर हाथ को इस प्रकार रखना कि कोहनी कोण बनाती हुई बाहर की ओर निकली हो। इसे कट्यवलंबित मुद्रा भी कहते हैं।

Akkadian **अक्कादी**

(1) अक्काद का, अक्काद-संबंधी; बेबिलोनिया के उत्तर में सिप्पर के निकटवर्ती अगोदा को प्राय: विद्वानों ने अक्काद माना है।

(2) (1) सुमेरी (वि०) (11) ईसा पूर्व 2000 तक विद्यमान, मेसोपोतामिया के सामी (सेमेटिक) निवासियों का या उनसे संबंधित।

(3) अक्कादी भाषा; कोलाक्षरों में साहित्य की विभिन्न विधाओं में प्रयुक्त मेसोपोतामिया की प्राचीन सामी भाषा।

(4) प्राचीन अक्कादी भाषा; अक्कादी लोगों द्वारा प्रयुक्त भाषा का प्राचीनतम स्वरूप।

Akkadian people **अक्कादी जन**

दो हजार ई० पू० तक, मध्य मेसोपोतामिया के सामी निवासी।

Akkadian sculpture **अक्कादी मूर्तिकला**

बेबीलोन का निकटवर्ती स्थान, जिसकी पहचान पश्चिम एशिया में अगोदा (सिप्पर के निकट) से की गई है। कहा जाता है कि राजधानी के रूप में अक्काद नगर की स्थापना लगभग 2370 ई० पू० में सरगन ने की थी। अक्काद का शिल्प प्राचीन विश्व की भव्य कलात्मक निधि माना जाता है।

Akka tribe **अक्का जन**

बेल्जियन कांगो की उइले (uele) घाटी में निवास करनेवाली अफ्रीकी पिग्मी प्रजाति।

alabaster **सेलखड़ी, ऐलाबास्टर**

प्राचीन काल में इत्रदानी तथा अन्य लघु कलाकृतियों के निर्माण में प्रयुक्त चिकना पत्थर, इसे खरिया मिट्टी या खड़िया मिट्टी भी कहा जाता है।

alabastrum **इत्रदानी, सुगंधिकूपी**

(1) छोटी सुराहीनुमा इत्रदानी।

(2) प्राचीन यूनान में प्रचलित चपटे मुंहवाली, छोटी अंडाकार इत्रदानी।

albronze **मिश्र कांस्य**

तांबा तथा ऐलुमिनियम के मिश्रण से बनी धातु।

alignment — **पंक्तिबंधन**

खड़े पत्थरों की या वास्तु अवशेषों की पंक्ति या पंक्तियों का क्रम ।

alipterion — **अभ्यंग कक्ष, तैलाभ्यंग कक्ष**

प्राचीन रोमन स्थापत्य के अन्तर्गत स्नानार्थियों के निमित्त तैलादि-द्रव्यों की मालिश के लिए बना कक्ष ।

alloy — **मिश्र धातु**

दो या अधिक धातुओं के मिश्रण से बनी हुई धातु ।

Almeria — **अलमेरिया (अल-गारसल)**

दक्षिण-पश्चिम स्पेन का तटवर्ती प्रांत अलमेरिया, जो नवपाषाणकालीन संस्कृति के लिए विशेष रूप से प्रसिद्ध है । अलमेरी लोगों ने पहाड़ियों पर अपनी बस्तियां बसाई थीं; जैसे—अलगार्सलक्षेत्र, जहां खाद्योत्पादन का विकास हुआ । अलमेरी कृषक खुले गांवों में झोंपड़ियों में रहते थे । वे शवों को गोलाकार चबूतरों के नीचे ताबूतों में रखकर दफनाते थे । वे मृद्भांडों तथा समलंबी चकमक बाणाग्रों का प्रयोग करते थे ।

almond shaped handaxe — **बादामनुमा हस्तकुठार**

प्रागैतिहासिक पाषाणयुगीन हस्तकुठार का एक प्रकार । ये हस्तकुठार बादाम जैसे आकार के सुडौल बने होते हैं । इन उपकरणों के चारों ओर शल्क, एकांतर शल्कन-विधि से उभारे जाते हैं । ये हस्तकुठार मुख्यतः क्लाक्टोनी शल्कों में प्राप्त होते हैं । ये उपकरण तेज धारदार होते हैं ।

alphabet — **वर्णमाला**

किसी लिपि के समस्त शब्द-रूपों की यथाक्रम सूची । किसी वर्णमाला में कुल मिलाकर कितने अक्षर होते हैं, यह उसका प्रयोग-व्यवहार करनेवालों की आवश्यकताओं और उनके विकास पर निर्भर करता है । यह उल्लेख्य है कि चित्र-लिपि या कीलाक्षर लिपि में कई सौ चिह्न होते हैं । चीनी लिपि में तो कई हजार चित्राक्षर मिलते हैं ।

Alpine man — **ऐल्पीय मानव**

यूरोप में प्राप्त साक्ष्य के आधार पर काकेशियायी प्रजाति के लोग जिनकी प्रमुख शारीरिक विशेषताएँ, लघुशिरस्कता (brachycephaly), घने बालयुक्त पुष्ट शरीर हैं ।

Alpine race — एल्पाइन नस्ल, एल्पाइन प्रजाति

यूरोप की प्रमुख तीन प्रजातियां (नार्डिक, एल्पाइन तथा भूमध्यसागरीय) में स कोई भी एक, जिसका आदि स्थान यूरोपीय महाद्वीप का केंद्रीय पार्वत्य प्रदेश बताया गया है। डब्ल्यू०जेड० रिपले ने, इस जाति के मानवों की विशेषताओं में, उनकी लघुशिरस्कता (brachycephalic), मझोला कद तथा बादामी रंग का उल्लेख किया है ।

Altamira — अल्तामिरा

उत्तर-पूर्व स्पेन में सेन्टेंडर के दक्षिण में प्राप्त प्रसिद्ध पुरापाषाणकालीन गुफा, जिसका अन्वेषण सन् 1879 ई० में हुआ था। इस गुफा में हरिण, गौर (बाइसन) और जंगली भालू के रंगीन चित्र बने हुए हैं। इन रंगों में लाल, काले और मटमैले अनेक रंगों का प्रयोग किया गया है । इस गुफा की गणना सर्वोत्तम रंगीन चित्रयुक्त गुफाओं में की जाती ह। यह गुफा मग्दाली सभ्यता के विकास की चरम अभिव्यक्ति थी ।

altar — 1. वेदी, स्थण्डिल, पीठ

भारत मे यज्ञ स्थल (पूजा स्थान) पर बना वह ऊंचा चबूतरा या स्थण्डिल, जिसमें हवन के लिए ऊंची सपाट पीठ बनी होती है।

2. यज्ञ कुंड, हवन-कुंड

यज्ञ-स्थल पर बना ज्यामितिक आकार का गर्त्त या हवन-कुंड, जिसकी हुताग्नि में हविष्य (घी, जौ, तिल, शर्करा, काष्ठ-खंड आदि हव्य द्रव्यों) की आहुति दी जाती ह। यह क्रिया प्रायः घृताहुति निमित्त लकड़ी की बनी करछी द्वारा संपन्न की जाती है ।

alternate flaking — एकांतर शल्कन

(अ) एक-एक खंड बारी-बारी से विलग करने की क्रिया ।

(आ) वृक्ष की छाल, वल्कल या ऊपरी परत को बारी-बारी से एक के बाद एक उतारने की क्रिया ।

alternative flaking technique (= S' Twist) — एकांतर शल्कन-प्रविधि

इस प्रविधि के अंतर्गत उपकरण के किनारे अवग्रहाकार बनते हैं । इस कारण इसे अंग्रेजी में 'S' ट्विस्ट कहते हैं । इस प्रविधि का प्रयोग उपकरण के बाहरी किनारे एवं कार्यांगों के निर्माण में किया जाता ह । केंद्रोन्मुख भाग के

दोनों ओर से शल्क क्रमशः निकाले जाते हैं। उपकरण-निर्माण की यह अधिक विकसित तकनीक थी, जिसका प्रयोग ऐश्यूली उपकरणों में मिलता है ।

Al Ubaid folk **अल-उबेद जन**

अल-उबेद के लोग; अल-उबेद—बसरा से लगभग 160 कि०मी० दूर, उर नामक स्थान से 6 कि०मी० दूर स्थित एक छोटा टीला, जिसकी खुदाई हाल ने सन् 1919 में तथा वूली ने सन् 1923-24 ई० में कराई थी। यह माना जाता है कि इस प्रागैतिहासिक संस्कृति के जनक 4000 ई० पू० से पहले हुए थे और दक्षिण मेसोपोतामिया में फैल गए। इनकी संस्कृति की विशिष्टता पके हुए पीले मृद्भांड थे, जो काले और मटमैले रंग में चित्रित थे।

alure **गलियारा, वीथी**

भवन में आने-जाने के लिए बना लंबा और ऊपर से ढका या छायादार छोटा रास्ता।

लता-गुल्मादि से आवृत लघु मार्ग।

amber **ऐंबर, तृणमणि**

पीले या बादामी रंग का पारभासी जीवाश्म रेजिन, जो जलोढ मृत्तिका और समुद्र में मिलता है। पुराकाल से यह अपनी सुगंध के कारण लोकप्रिय रहा है। इसके संबंध में यह विश्वास था कि इसमें कुछ जादुई तत्त्व समाहित थे। यूरोप में, बाल्टिक सागर के दक्षिण-पूर्व में, यह बहुतायत से पाया जाता है। प्राचीन यूरोप के पुरातात्त्विक उत्खननों से ज्ञात हुआ है कि ऐंबर का व्यापार किया जाता था। यह व्यापार प्रारंभिक कांस्य-युग में प्रारंभ हुआ और माइसिनिया के लोगों ने इसका बहुल विस्तार किया। गवेषणाओं ने यह सिद्ध कर दिया है कि इटली में, लौह-युग में भी इसका प्रचलन था।

amber bead **तृणमणि मनका, कहरुवा मनका**

तृणमणि की माला का दाना।

American Indian (=Amerindian) **अमरीकी इंडियन, अमेरिंडियन**

अमरीका के आदिम निवासी, जो जातीय दृष्टि से मंगोलसम वर्ग के हैं। इनकी विशेषताओं में, बादामी त्वचा, चौड़ा चेहरा, ऊर्ध्व केश, अल्प रोम और कुछ आगे की ओर निकला हुआ जबड़ा आदि प्रमुख हैं।

Amorites एमोरित जन

प्राचीन फिलस्तीन एवं सीरिया के लोग, जो मुख्यत: उत्तरी एवं पूर्वी पर्वतीय क्षेत्रों में रहते थे । कीलाक्षरी साहित्य में, अमुरू (Amurru) शब्द का उल्लेख तृतीय सहस्राब्दि ई०पू०के मध्य मिलता है। मिस्री स्मारकों में इन लोगों का रंग हल्का श्वेत, नेत्र नीलवर्णी तथा केश काले दिखाए गए हैं।

इन लोगों ने, लगभग 2000 ई०पू० में सुमेरी सभ्यता का उन्मूलन किया और मेसोपोतामिया प्रदेश में, इन्होंने सीरिया एवं फिलस्तीन के आरंभिक कांस्य युगीन नगरों को जीता था ।

amphitheatre रंगवाट, रंगभूमि, अखाड़ा

गोलाकार, वृत्तीय या अर्धवृत्तीय रंगशाला या अखाड़ा, जिसमें दर्शकों के बैठने के लिए चारों ओर सोपानाकार आसन बने होते हैं, रंगशाला का मध्य भाग खुला होता है तथा जहां दर्शकों को प्रतियोगी अपने करतब दिखाते हैं । प्राचीन रोम में इन रंगशालाओं में अनेक प्रकार की प्रतियोगिताएं होती थीं । भारत की प्राचीन रंगशालाओं में अंबिकापुर जिले में स्थित रामगढ़ गुफा की रंगशाला तथा नागार्जुनकोंडा में अनावृत्त रंगवाट उल्लेखनीय है ।

amphora दुहत्थी सुराही, एंफोरा

सुरा, तैल, अनाज इत्यादि को रखने का दो हत्थेवाला बना यूनानी मृद्भांड । प्राचीन यूनान के प्रारंभिक ज्ञात मृद्भांडों में यह दुहत्थे मर्तबान के रूप में मिलता है । इसका प्रचलन संपूर्ण यूनान और रोम में था । भारत के अनेक पुरातात्त्विक स्थलों में इस प्रकार के आयातित मृद्भांड मिले हैं । इस प्रकार के बर्तनों में एथेंस के डाइफिलोन भांड अपने ज्यामितिक अलंकरण के लिए विश्वप्रसिद्ध है। ये आकार में विशाल अंडे की तरह होते थे। इनकी गरदन सकरी होती थी । गरदन तथा मुख भाग के ठीक नीचे, दाहिने ओर बाएं भाग में कान की तरह दो हत्थे होते थे । भांड को खड़ा करने के लिए आधार बना होता था ।

हत्थेदार मर्तबान दो प्रकार के होते थे: (1) अनलंकृत; सामान्यत: सुरा, तैल, धान्य इत्यादि रखने के लिए । (2) अलंकृत; इन पर अनेक सुंदर अभिकल्प और चित्र बने होते थे। इनको पेनाथिनी उत्सव में पुरस्कार रूप में भी प्रदान किया जाता था ।

ampulla — 1. तुंबिका

लगभग गोलाकार (फ्लास्कनुमा) कांच या मिट्टी का बना वह पात्र, जिसे पकड़ने के लिए उसकी ग्रीवा में दो हत्थे बने होते हैं। ऐसे पात्रों का प्रयोग प्राचीन रोम में मदिरा, इत्र या उबटनादि द्रव्यों को रखने के लिए प्रायः किया जाता था।

2. कलशिका

(अ) ईसाई धर्म में पवित्र तेल को रखने के लिए बनी वह कलशिका, जिसका आकार छोटे कलश या घड़े सदृश होता है।

(आ) अनुष्ठानों में प्रयुक्त वह कूपिका, जिसमें मदिरा या जल रखा जाता है।

Amratian figurine — अमराती लघुमूर्त्ति

ऊपरी मिस्र की नवाश्मोत्तरकालीन वह संस्कृति अमराती कही जाती थी, जिसके आवास-स्थल अर्ध भूगर्भित हुआ करते थे। तत्कालीन लघु मूर्तियां मूर्तिकला का सुंदर नमूना हैं। इस संस्कृति का काल लगभग 3800-3600 ई०पू० माना जाता है।

Amratian people — अमराती जन

मिस्र के राजवंशीय काल की संस्कृति, जिसका काल लगभग 3800-3600 ई० पू० माना जाता है। अमराती नामकरण 'अल-अमरा' नामक स्थल के आधार पर पड़ा, जहां इस संस्कृति के अवशेष बहुत बड़ी मात्रा में मिले हैं। इन अवशेषों में तत्कालीन लोगों द्वारा प्रयुक्त पाषाण उपकरण भी हैं। प्राप्त साक्ष्य के आधार पर कहा जा सकता है कि तांबे के प्रयोग से भी ये लोग परिचित थे और इनका प्रमुख व्यवसाय कृषि और पशुपालन रहा होगा। इन लोगों द्वारा निर्मित विभिन्न आकार-प्रकार के मिट्टी के बर्तन भी मिले हैं। अनावृत कब्रों से प्राप्त अवशेषों से सिद्ध हुआ है कि ये लोग शवों के साथ दैनंदिन प्रयोग में आनेवाली वस्तुओं को भी दफनाया करते थे।

Amri Nal Culture — आमरी-नाल संस्कृति

पाकिस्तान के सिंध प्रांत का आमरी नगर तथा बलूचिस्तान का नाल नगर अपने मृद्भांडों के लिए प्रसिद्ध है। धूसर वर्ण के प्राप्त, इन मृद्भांडों में ज्यामितीय चित्र बने हैं। नाल शैली के मृद्भांडों में पशुओं एवं वनस्पतियों के आलंकारिक चित्र मिले हैं। इन संस्कृतियों का सिंधु सभ्यता से सम्पर्क था, इस तथ्य की पुष्टि प्राप्त पुरातात्त्विक अवशेषों से हुई है।

इस संस्कृति का काल 3000 ई० पू० आंका गया है । उत्खनन कार्य 1929 ई० में ननीगोपाल मजूमदार तथा सन् 1959-62 तक कज़ाल ने करवाया था। प्राचीन नाल के निवासी, उपकरणों के लिए तांबे का प्रयोग करते थे । गृह-निर्माण के लिए ये लोग कच्ची ईंटों का इस्तेमाल करते थे । ये लोग अपने मृतकों का आंशिक शवाधान करते थे ।

Amudian **अमूदी**

पश्चिम एशिया की ऐदयूली संस्कृति के बाद की सर्वाधित प्रावस्था । विद्वानों का अनुमान है कि इस संस्कृति के लोग उत्तर-पुराश्मयुगीन पश्चिम एशियायी लोगों के पूर्वज थे । इनके प्रमुख उपकरण फलक तथा उत्कीर्णक है । इस काल के उद्योगों की जानकारी और सामग्री एतत्वून (माउन्ट कारमेल), जब्रूद (सीरिया) एडलम तथा लेवेंट में अन्नी जूमोफेन के स्थलों से भी मिली है ।

amulet **ताबीज**

एक प्रकार का जंतर; प्रागैतिहासिक काल से शरीर के विभिन्न अंगों, जैसे बांहों, गर्दन और कमर आदि में धारण की जानेवाली वस्तु, जिसके विषय में, प्राचीन काल से यह धारणा चली आ रही है कि वह वर्तमान और भावी अनिष्टों, जादू-टोनों, दुष्ट ग्रहों के दुष्प्रभावों इत्यादि से रक्षा करता है ।

amulet seal **तावीजी मुहर, तावीजी मुद्रा**

एक ऐसी मुद्रा या मुहर, जिसको रक्षा-सूत्र में पिरोकर तावीज के रूप में पहना जाता हो । ऐसा विश्वास था कि मंत्रांकित होने के कारण मुद्राधारक का अनिष्ट नहीं होता था ।

An **कांस्य मंजूषा**

मूल्यवान, किंतु लघु वस्तुओं के सुरक्षित रखने के लिए बनाया गया कांसे का छोटा डिब्बा ।

anachronism **काल-दोष**

काल-क्रम विपर्यय; किसी ऐतिहासिक घटना के काल-निर्णय में प्रमाद, भूल या गलती हो जाना, विशेषकर किन्हीं व्यक्तियों, घटनाओं, वस्तुओं या रीतिरिवाजों का काल-निर्धारित करते समय त्रुटि हो जाना ।

anachronistic **काल-दोष युक्त, काल-क्रम संबंधी**

1. वह ऐतिहासिक वर्णन, व्याख्या या विश्लेपण, जिसमे काल-व्यतिक्रम-दोष हो या काल-निर्णय गलत किया गया हो ।

2. असंगतियुक्त, अमेलयुक्त, वह परंपरा, प्रथा, रीति, स्थिति या वस्तु, जो वर्तमान परिप्रेक्ष्य से परे हो और जिसकी वर्तमान स्थितियों के साथ संगति न हो ।

anaglyph **निम्नोद्भृत अलंकरण**

(1) निम्नोद्भृत शैली में उत्कीर्ण; समुद्भृत अलंकरण ।

(2) अलंकरण के लिए उद्भृत धातु-पात्र ।

Anasazi (Culture) **अनासाज़ी (संस्कृति)**

लगभग प्रथम शताब्दी ई० मे विद्यमान मरुस्थलीय संस्कृति, जिसके लोगों ने, एरिजोना उटाह सीमा में, यायावर जीवन को त्याग स्थायी जीवन अपनाया । इस संस्कृति के लोग प्रारंभिक चरणों में मृद्भाड कला से अवगत नही थे, किंतु टोकरी बनाने की कला में प्रवीण थे । इन्होंने गहन खेती करना और मिट्टी के वर्तनो का बनाना 400-700 ई० के मध्य में सीखा । अनासाज़ी संस्कृति अपने चरमोत्कर्ष पर 1100 से 1300 ई० तक थी ।

anchor ornament **लंगर अलंकरण, लांगल अलंकरण**

पकी मिट्टी से बनी लंगर के आकार की बनावट, जिसके दंड में छिद्र बने होते थे । ऐसा अनुमान है कि यह किसी प्रागैतिहासिक कर्घे में लगाया जाता था ।

androgynous image **अर्धनारीश्वर मूर्त्ति**

ऐसी मूर्त्ति, जिसमें स्त्री तथा पुरुष दोनों की शारीरिक विशेषताओं को संयुक्त रूप में दिखाया गया हो । भगवान् शिव की अर्ध-नारीश्वर मूर्त्ति इसी कोटि में आती है । भारत में ई० दूसरी शती से शिव-पार्वती की अर्धनारीश्वर प्रतिमाएं मिलती है ।

androsphinx **नर-व्याल**

1. तक्षित सिंह, जिसका शीर्ष भाग मानव आकृतियुक्त तथा धड़ सिंह का जैसा बना हो । मिस्री काल में, इस प्रकार के अनेक उदाहरण मिलते हैं । 'गीजा का स्फिक्स' इसी प्रकार की एक कलाकृति है, जो अपने विशाल आकार-प्रकार के लिए जगत्प्रसिद्ध है । भारतीय कला में भी नरव्याल अभिप्राय प्रचलित रहा है ।

2. उत्कीर्णित एक काल्पनिक पशु, जिसका मुख स्त्री का तथा शरीर सिंह का होता है ।

anepigraphic अनंकित; अलिखित

अनुत्कीर्ण ; जो किसी शिला पर उत्कीर्ण न हो ।

Angkor अंगकोर

1. मूल अर्थ में इसका तात्पर्य नगर या राज्य से होता था । आज यह मंदिर के अर्थ में प्रयुक्त होता है । ये मंदिर अधिक टिकाऊ सामग्री, यथा पत्थर, चूने आदि से बने तथा उनके निकटवर्ती भवन, लकड़ी या बांस के बने होते थे ।

2. कंबोदिया, प्राचीन कंबुज में, अंगकोर खमेर साम्राज्य की राजधानी रही, जिसकी स्थापना ई० 9 वीं शती में हुई । इस नगर के अवशेष 19 वीं शती में प्राप्त हुए । अंगकोरथोम का प्राचीन नगर वर्गाकार परिखा से युक्त था, जिसके मध्य में सुंदर मूर्त्तियों से युक्त बयोन का मंदिर था। इसके निकटवर्ती भाग में कुछ अन्य मंदिर थे ।

angle burin कोण-तक्षणी

एक-दूसरी से मिलने-मिलाने या एक दूसरी को विभाजित करनेवाली दो रेखाओं के मध्य कोण L+# के आकार बनाने के लिए लकड़ी, पत्थर आदि तराशने का औजार । सामान्य बोलचाल की भाषा में इसे 'बसूला' कहा जाता है ।

Ankh एंक

एक प्रकार की क्रूसाकार आकृति, जो क्रूस के ऊपरी भाग में फंदाकार बनी होती थी । इसका प्रयोग दीर्घ जीवन और गतिवर्धक पवित्र प्रतीक के रूप में होता था ।

मिस्र की चित्र लिपि में, इसे 'जीवन' का प्रतीक माना गया है । इस आकृति को मिस्री देवताओं और फराहों द्वारा धारण किए हुए अनेक स्थानों में अंकित किया गया है । इसे चाभी की शक्ल का घुंडीनुमा क्रास कहा जा सकता है।

antagonistic acculturation विरोधी परसंस्कृति ग्रहण, विरोधी उत्संस्करण

किसी समाज द्वारा अन्य संस्कृति के लक्षण विशेष को अपनाना, जिससे वह संस्कृति उस पर हावी न हो सके ।

ante date पूर्व दिनांक, पूर्व दिनांकित करना

पूर्वदिनांक (संज्ञा), पहले की तिथि; पूर्व दिनांकित करना (क्रिया)

विशेपकर किसी घटना या दस्तावेज को उसकी वास्तविक तिथि से पूर्व की तिथि से जोड़ना ।

(1) कार्यान्वियन से पहले की तिथि देना ।

(2) घटना की वास्तविक तिथि से पहले की तिथि अंकित करना ।

(3) पूर्व घटित होना ; समय से पूर्व घटना ।

(4) तिथि से पहले आना या पहले रखना ।

antediluvian — जल-प्रलय पूर्व

(अ) जलप्लावन से पूर्ववर्ती या तत्युगीन अवस्था से सबंधित ।

(आ) वह जो जल प्रलय से पहले रहा हो ।

antennal sword — दुसिंगी तलवार

एक प्रकार की तलवार, जिसका एक सिरा सींगों की तरह दो भागों मे विभक्त हो । भारत में इस प्रकार की तलवारें उत्तर-कांस्ययुग में प्रचलित थी ।

antenne shaped hilt — दुसिंगी मूठ, शृंगिकाकार मूठ

दुसिंगा दस्ता ।

anthropolite (=anthropolith) — नराश्म

प्रस्तरीभूत नरकंकाल ; मानव शरीर या उसकी अस्थि विशेप का अश्मीभूत रूप ।

anthropomorph — मानवाकृति

आलंकारिक रूढ़िगत नराकृति । भारत में इस प्रकार के उपकरण विशेपकर ताम्रयुगीन निधियों में मिले हैं ।

anthropomorphism — नरत्वारोपण

किसी देवी-देवता, अवतार या महापुरुष को मानवाकृति या मानवीय व्यक्तित्व देना ।

antiquarian — पुरातनिक, पौरातनिक

(1) (अ) पुरातन वस्तुओं या प्राचीन काल का अध्ययन ; पुराकाल या पुरावस्तुओं से संबंधित ।

(आ) प्राचीन अथवा पूर्ववर्ती वस्तुओं के प्रति कलानुराग से संबंधित ।

(2) प्राचीन और दुर्लभ सामग्री या ग्रंथों का क्रय विक्रय करनेवाला।

ntiquarium पुरासंग्रहालय

(1) वह भवन या कक्ष, जहां प्राचीन वस्तुएं प्रदर्शित हों।

(2) शीशे की वह दराजयुक्त दर्शनीय आलमारी, जिसमें प्राचीन वस्तुएं ती हों।

ntiquary 1. पुराविद्

प्राचीन वस्तुओं का अध्ययनकर्त्ता, प्राक्कालीन विपयविद्।

2. पुरावस्तु संग्राहक

प्राचीन वस्तुओं का संग्रह करनेवाला ; प्राचीन पदार्थ संग्रही।

ntique 1. पुरावस्तु (सं०)

प्राचीन कला-सामग्री, अलंकृत रचना या अन्य कोई प्राचीन वस्तु, जो ाफी पहिले निर्मित हुई हो।

2. पुरातन, प्राचीन (वि०)

(अ) भारत सरकार के पुरावशेष तथा बहुमूल्य कलाकृति अधिनियम (1972) के अनुसार कम से कम 75 वर्षों से विद्यमान ऐतिहासिक अथवा कलात्मक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण पांडुलिपि, अभिलेख या दस्तावेज भी इसी कोटि में रखे गए है।

(आ) पुराने समय का या उससे संबंधित पूर्वकाल का या पूर्वकालीन; परंपरा, फैशन या शैली में पुरातन, प्राचीन या पुराने ढंग का।

antiquities पुरासामग्री

प्राचीन काल के स्मारक या अवशेप, जैसे सिक्के, मूर्त्तियां, भग्नावशेष पुराने खंडहर, ऐतिहासिक महत्त्व के अवशेप, आदि। किसी देश के प्राचीन इतिहास को जानने में पुरावशेपों के अध्ययन से बहुत सहायता मिलती है।

Antiquities Export Control Act, 1947 पुरावशेप निर्यात नियंत्रण अधिनियम, 1947

भारत सरकार का वह अधिनियम, जिसके अंतर्गत प्राचीन सांस्कृतिक महत्त्व की वस्तुओं को विदेश भेजने के विरुद्ध कानूनी रोक लगा दी गई। कलाकृति अधिनियम, 1972 द्वारा सन् 1947 के इस अधिनियम को निरसित किया गया। यह उल्लेख्य है कि पुरावशेपों को राष्ट्र-निधि माना जाता है।

antiquity **1. पुरातनता, प्राचीनत्व**

पुरातनत्व, प्राचीन होने के गुण; प्राचीन होने का भाव; प्राचीनता।

2. पुराकाल, प्राचीन काल

यूरोपीय दृष्टि से विशेषकर मध्ययुग के पूर्व का समय। पुराकाल के अवशेषों से प्राचीन इतिहास का जीर्णोद्धार करने में बड़ी सहायता मिलती है।

3. पुरावशेष, पुरावस्तु

पुरावशेष तथा बहुमूल्य कलाकृति अधिनियम, 1972 के अनुसार "पुरावशेष" के अंतर्गत निम्न वस्तुएं परिगणित हैं :–

1. कम से कम सौ वर्षों से विद्यमान

कोई सिक्का, मूर्ति, रंगचित्र, पुरालेख अथवा कला या शिल्पकारी की कोई अन्य कृति ;

2. कोई वस्तु, पदार्थ या चीज, जो गत युगों के विज्ञान, कला, शिल्प, साहित्य, धर्म, रूढ़ि, नैतिक आचार या राजनीति की दृष्टांत-स्वरूप है।

3. किसी भवन या गुफा से निकाली गई वस्तु, या चीज।

4. ऐतिहासिक महत्त्व की कोई वस्तु, पदार्थ या चीज।

5. कोई ऐसी वस्तु, पदार्थ या चीज जिसे केंद्रीय सरकार ने, राजपत्र में अधिसूचना द्वारा, इस अधिनियम के प्रयोजनार्थ पुरावशेष घोषित किया है और

6. ऐसी कोई पांडुलिपि, अभिलेख अथवा अन्य दस्तावेज, जो वैज्ञानिक ऐतिहासिक, साहित्यिक अथवा सौंदर्य की दृष्टि से महत्त्व की है और जो कम से कम 75 वर्षों से विद्यमान हैं।

antiquity law **पुरावशेष-विधि**

पुरातन वस्तुओं, पुराने खंडहरों, ऐतिहासिक महत्त्व के अवशेषों आदि को भावी संततियों के लिए सुरक्षित रखने की व्यवस्था करनेवाला कानून जिसका उल्लंघन दंडनीय अपराध होता है।

anvil technique **निघाति प्रविधि, निहाई तकनीक**

प्रागैतिहासिक मानव की उपकरण-निर्माण विषयक एक विशिष्ट प्रविधि जिसकी विशेषता यह है कि उपकरण बनाते समय, हथौड़ा या निहाई एक स्थान में स्थिर रहता है और विखंडित किया जानेवाला प्रस्तर चलायमान

स्थिति में रहता है। उपकरण-निर्माण की इस प्रविधि की भी दो विधियां हैं। पहली विधि में, विखंडन के लिए प्रयुक्त प्रस्तर, यदि बहुत बड़ा हो तो उसे सीधे निहाई पर पटककर तोड़ा जाता है। दूसरी विधि, उन प्रस्तरों के लिए है, जिनका आकार बहुत बड़ा न हो। इसके अंतर्गत प्रस्तर खंड को, दोनों हाथों से पकड़ और घुमा-फिरा कर, स्थिर निहाई से बार-बार रगड़ या टकरा कर मनोवांछित आकार-प्रकार दिया जाता है। इसे 'स्थिर घन प्रणाली' (block on block technique) भी कहा जाता है।

Apennine Culture **एपिनायी संस्कृति**

इटली में एपिनियस पर्वत श्रृंखला में स्थित, लगभग 1600 ई०पू० की कास्ययुगीन संस्कृति, जिस पर बाल्कन प्रभाव दिखाई देता है। क्षेत्रीय अध्ययन से ज्ञात हुआ है कि क्षेत्रांतरण तथा पशुपालन, इन लोगों की विशिष्टता थी। इस संस्कृति में व्यापार का भी महत्त्व था। इनमें शवाधान-प्रथा प्रचलित थी। इनके मृद्भांड हस्तनिर्मित, ओपदार, पट्टीयुक्त तथा अलंकृत होते थे, जिनमें श्वेत रंग की पच्चीकारी होती थी। प्राचीन अवशेषों में प्राप्त एपिनायी पात्रों मे से अधिकांश कटोरों में केवल एक ही हत्था मिलता है। लगभग 1000 ई० पू० के पियानिलो के शवभांड क्षेत्रों तथा लौहयुगीन संस्कृति के विकास में, इस संस्कृति का योगदान विवादास्पद है।

Apis **एपिस**

प्राचीन मिस्र का एक देवता, जिसे मिस्र-निवासी ओसाइरिस का प्रतीक मानते थे और वे उसकी पूजा श्याम वर्ण के वृषभ के रूप में करते थे। वृषभ के मस्तक पर, श्वेत त्रिकोण अंकित रहता था। इसकी पूजा का मुख्य केंद्र मेम्फिस में स्थित था। परवर्ती काल में, यूनान की देवकथाओं में एपिस का विकास, सिरेपिस नामक देवता के रूप में हुआ।

यह दृष्टव्य है कि हिन्दू पुराणों में वर्णित शिव के वाहन नंदी या नंदिकेश्वर की कल्पना कुछ-कुछ एपिस से मिलती-जुलती है।

apothecary jar **तैल-द्रोणी**

काष्ठ या चीनी मिट्टी का बना, चौड़े मुंह का, मानव-आकार के बराबर एक पात्र, जिसमें प्राचीन काल में तैल द्रव्यादि भर कर सुरक्षित रखे जाते थे।

यूनानी चिकित्सा-पद्धति के अंतर्गत, रोगी व्यक्ति इस प्रकार के पात्र में लिटाए भी जाते थे।

सड़ने से बचाने के लिए भी, इस प्रकार के पात्रों में, शव को रखे जाने की प्रथा प्राचीनकाल में प्रचलित थी ।

apothesis (=apodyterium) **परिधान-कक्ष**

प्राचीन यूनान तथा रोम के सार्वजनिक स्नानागारों अथवा मल्लभूमि (अखाड़ा) के निकट बना वह कक्ष, जिसमें स्नानार्थी अथवा मल्ल अपने वस्त्रादि रखते या बदलते थे । यह कक्ष यदा-कदा प्रसाधन-कक्ष या शृंगार-कक्ष के रूप में भी काम में लाया जाता था ।

इस प्रकार का कक्ष मोहेंजोदारो के विशाल स्नानागार में भी पाया गया है ।

apotropaic **अपशकुन-निवारक**

प्राचीन यूनानी कला का मानव-मुखौटा, जिसमें नेत्र, पलक तथा मुंह इत्यादि बने होते थे । पात्रों तथा नौकाओं के अग्र-भाग में, यह अपशकुन-निवारण के लिए बनाया जाता था । किसी पात्र, भवन या वस्तु को, भूत, पिशाच, प्रेतात्माओं तथा कुदृष्टि से बचाने के लिए, इस प्रकार के मुखौटे बनाए, रखे या आरोपित किए जाते थे । ऐसी प्रथा, भारत तथा अन्य अनेक सभ्य देशों में प्रचलित है ।

निर्माणाधीन या नवनिर्मित मकानों के अग्र भाग में आज भी इस प्रकार के अपरूप मुखौटे प्राय: देखे जा सकते है, जिनका प्रयोजन वस्तुत: कुदृष्टि से बचाव या उसका प्रतिकार करना होता है ।

apotropaic imagery **नजरौटा प्रतिमावली, कुदृष्टि निवारक बिम्बावली**

दुष्ट-आत्माओं अथवा भूत-प्रेत इत्यादि के अनिष्टकारी प्रभाव से रक्षा करने के उद्देश्य से बनी अमूर्त या चित्रित आकृति, भयावह मानव-आकृति या जन्तु-मुख अथवा डरावने नेत्रों का चित्रण प्रतिमा में किया जाता रहा है । प्राचीन लोगों की यह मान्यता थी कि ऐसी प्रतिमाओं में, दुष्ट-आत्माओं तथा उनके बुरे प्रभाव को दूर करने की शक्ति होती है । आदिम क ा में नजरौटा प्रतिमा-निर्माण की प्रथा सर्वत्र प्रचलित रही है ।

applique decoration (=applied decoration) **जड़ाऊ अलंकरण, जड़ाऊ सजावट**

किसी घरेलू वस्तु अथवा फर्नीचर इत्यादि को अलंकृत करने के लिए, नक्काशी, अभिकल्प तथा चित्रांतरण (decalcomania) द्वारा उसे सुंदर बनाना ।

applique figure **जड़ाऊ आकृति**

किसी वस्तु या आकृति का वह अंकित या चित्रित रूप, जिसे मिट्टी, नग, मोती, रत्न, धातु आदि से जड़कर बनाया गया हो; एक वस्त्र से काटकर दूसरे से सी या चिपका कर बनाई गई आकृति, जड़ाऊ आकृति कही जाती है।

applique ornamentation **जड़ाऊ अलंकरण**

एक विशेष प्रकार की सजावट, जो सादी या रंग-बिरंगी सुंदर वस्तुओं या आकृतियों में जड़ या चिपकाकर की गई हो।

applique work **जड़ाऊ काम, सजावट का काम**

किसी एक पदार्थ, धातु या वस्तु से, उसका कुछ अंश काट अथवा लेकर दूसरे की सतह पर, अलंकरण के लिए की गई नक्काशी या जड़ाऊ काम।

arabesque **बेलबूटाकारी; बेलबूटे का काम**

शाब्दिक अर्थ,—अरबी चित्रालंकरण; बेलबूटे तथा पत्तियों के चित्रण द्वारा किया सजावट का काम।

यूरोपीय भाषाओं में, बेलबूटाकारी से तात्पर्य, निम्नोद्भृत प्रणाली के अंतर्गत भित्ति या धरातल के अलंकरण की उस रीति से होता है, जिसमें सजावट के लिए वृक्ष की डालों, फल-पत्तियों, लता-पत्रादि तथा ज्यामितिक रेखाकों आदि को अंतर्ग्रथित कर सुंदरता से बनाया जाता है। इसके अतिरिक्त इस प्रकार के चित्रण में यदा-कदा मानवाकृतियों तथा अन्य जीव-जन्तुओं की आकृतियों को भी चित्रित किया जाता है।

arbitrary level system **यथेच्छ स्तर-पद्धति**

उत्खनन की वह प्रणाली, जिसके अंतर्गत निश्चित गहराई तक, पूर्व निर्धारित स्तरों का व्यवस्थित उत्खनन किया जाता है। उत्खनन के उपरांत अनुक्रम के अनुसार इनका तिथ्यांकन किया जाता है। विशेष परिस्थितियों को अपवाद मानते हुए, इस पद्धति का प्रयोग अब वांछनीय नहीं रह गया है, क्योंकि यह वैज्ञानिक दृष्टि से अनुपयुक्त है।

archaeolithic **आदि पाषाणयुगीन**

प्राचीनतम पाषाण-काल का या अश्मयुगीन। पाषाण युग के प्राप्त अवशेषों में प्राचीनतम उपकरण मिले हैं। अब पुरातत्त्ववेत्ता यह मानने लगे हैं कि ये उपकरण प्रकृत अर्थात् प्रकृति-निर्मित थे। यह काल मानव के उद्भव, विकास और उसके द्वारा निर्मित प्राचीनतम उपकरणों से संबंधित है।

archaeological salvage — पुरातात्विक उद्धार, पुरा जीर्णोद्धार

किसी ऐतिहासिक महत्त्व के प्राचीन स्थल, स्मारक या कलाकृति इत्यादि को विनाश होने या पूर्ण विध्वंस से बचाने के लिए किया गया कार्य। इस प्रकार का कार्य आंध्र प्रदेश के नागार्जुन-कोंडा नामक स्थान में किया गया है।

archaeologist — पुरातत्वज्ञ, पुरातत्त्वविद्

(1) पुराविद्या का व्यवस्थित अध्ययनकर्त्ता, पुरातत्व शास्त्रवेत्ता।

(2) प्राचीन वस्तुओं – *विशेषतया प्रागैतिहासिक अवशेषों,* उपकरणों, जीवाश्मों, स्मारकों आदि का अनुसंधाता, तद्विषयक अध्ययन, अनुमान और अनुसंधान विषयक प्रविधि का विशेषज्ञ।

archaeology — पुरातत्व

वह विद्या, जिसके अंतर्गत प्राचीन अवशेषों के अध्ययन के आधार पर पूर्वकाल *की स्थिति या व्यवस्था का अनुमान, अध्ययन और* अनुसंधान किया जाता है। पुरातत्व एक शैक्षणिक विषय नहीं है, वरन् एक प्रायोगिक प्रविधि है, जिसके द्वारा विलुप्त, विच्छिन्न एवं उलझी हुई ऐतिहासिक कड़ियों को खोजा, संयुक्त किया और सुलझाया जाता है। पृथ्वी की विभिन्न परतों या तहों में प्राप्त ध्वंसावशेषों, कंकालों, जीवाश्मों, उपकरणों, स्मारकों, पुरालेखों, सिक्कों आदि का वैज्ञानिक रीति से अध्ययन और अनुसंधान कर, पुरातत्वशास्त्र लुप्त इतिहास का विनिर्माण करता है। जब से मानव ने, पृथ्वी पर अपने क्रिया-कलापों के जो अवशेष छोड़े हैं, उन के आधार पर, पुरातत्वशास्त्र द्वारा विलुप्त और विच्छिन्न इतिहास की खोज और रचना की जाती है।

archaeomagnetism — पुराचुंबकत्व

प्राचीन वस्तुओं को तपाकर उनकी चुंबकीय क्षमता से तिथि-निर्धारण करने की प्रक्रिया में, विकसित पुराचुंबकत्व का महत्वपूर्ण स्थान है। इस पद्धति का आधार पकी मिट्टी की सामग्री में विद्यमान लौह आक्साइड का चुंबकत्व होता है, जो उस सामग्री को तपाए जाने पर ज्ञात किया जाता है। प्रोटोन चुंबकत्व-मापी के आविष्कार से अब पुरातात्त्विक निक्षेपों और स्थलों का अन्वेषण, स्थान और तिथि-निर्धारण संभव हो सका है।

Archaic period — आदि काल, पुरातन काल

सभ्यता की प्रारंभिक प्रावस्था के विकास का युग। विशिष्टतः मिस्र के संदर्भ में, प्रथम दो राजवंशों का वह काल (लगभग 3200-2800 ई० पू०) जिसमें देश का एकीकरण ही नहीं हुआ, वरन् सांस्कृतिक उत्थान भी हुआ। यूनान में, इस युग को सभ्यता का अभ्युदय काल कहा गया, जो लगभग 750 ई० पू० से 480 ई० पू० तक रहा। अमरीकी लोग इस काल को विकास की प्रावस्था मानते हैं। इस शब्द का प्रयोग पूर्वी-उत्तरी अमरीकी जंगली ('वुडलैंड') संस्कृति *(लगभग 8000-1000 ई०पू०) के लिए भी किया* गया और उत्खनन में प्राप्त, प्राचीन सभ्यता और प्रागैतिहासिक युग के संदर्भ में भी यह शब्द प्रयुक्त होता है।

archaic record — पुरातनिक लेख

वे प्राचीन उत्कीर्ण लेख, जो पर्याप्त पुराने हों। सामान्यतया ऐसे अभिलेख, पाषाणों, पाषाण-शिलाओं और धातु-खंडों पर उत्कीर्ण मिलते हैं।

archaism — (वि०) पुरातनता

1. *पुराकालीन अथवा प्राचीन होने की अवस्था या भाव।*

2. प्रचलित पुरातन प्रयोगों का रक्षण अथवा अनुकरण।

architectural sculpture — स्थापत्य विषयक मूर्त्तिकला, भवन-निर्माण विषयक मूर्त्तिकला

किसी निर्मित भवन अथवा वास्तु संरचना के अलंकरण या शोभा-वृद्धि के लिए सहयोजित मूर्त्तिकला, जिसके अंतर्गत काष्ठ, पत्थर, मिट्टी या धातु आदि के मेल, उनकी काट-छांट, तक्षण आदि के माध्यम से भित्ति, छत, स्तंभ, वातायन, गवाक्ष, प्रवेश-द्वार, परिसीमा आदि में आकृति-निरूपण किया जाता है।

उन सभी महान् युगों में, जब वास्तुकला और मूर्त्तिकला का चरमोत्कर्ष हुआ, ये दोनों ललित कलाएं एक दूसरे के सहयोग, सन्निकर्ष और सम्मिलन के फलस्वरूप विकसित और उन्नत हुईं। जहां मूर्त्तिकला ने, किसी स्थापत्य रचना, स्तंभ या भवनादि के सामाजिक और ऐतिहासिक उद्देश्य या स्वरूप को रूपायित और प्रकार्यात्मक संबंधों को स्पष्ट किया, वहां वास्तुकला ने, मूर्त्तिकला के सहयोग से पनी भव्यता में श्रीवृद्धि की।

यह उल्लेख्य है कि प्रभावशाली और अपने उद्देश्य में सफल वास्तु संरचना की दृष्टि से, उसके निर्माता वास्तुकार और मूर्तिकार के मध्य घनिष्ट सहयोग, समन्वय और सौहार्द्र का होना परमावश्यक है ।

area exposure **क्षेत्र-अनावरण**

व्यवस्थित उत्खनन के लिए किसी क्षेत्र या स्थल का अनावृत्त किया जाना आवश्यक होता है । यह कार्य बाहरी या ऊपरी मलबे को हटा, खननीय स्थल को खुला रख या खुलाव की स्थिति बना कर किया जाता है । इस कार्य को तीन श्रेणियों में वर्गीकृत किया जा सकता है -- परीक्षणार्थ खोदी गई खाइयां, क्षेत्रोत्खनन तथा मौलिक खाइयां । क्षेत्र की खुदाई के उपरांत ही स्थल का वैज्ञानिक अध्ययन किया जा सकता है ।

area method **क्षेत्र-प्रणाली**

इस प्रणाली के अंतर्गत किसी स्थल विशेष पर स्थित बस्ती की पूर्ण जानकारी प्राप्त होने पर परीक्षणार्थ खाई नहीं खोदी जाती, बल्कि क्षेत्रीय उत्खनन कार्य किया जाता है । क्षेत्रीय उत्खनन कार्य में निम्न बातों का होना मार्टिमर व्हीलर के अनुसार आवश्यक है:--

(क) अंकन और नियंत्रण के लिए सुगमता से क्षेत्रीय विभाजन ।

(ख) मूल आधार-रेखा को क्षति पहुंचाए बिना उत्खनन कार्य का विस्तार ।

(ग) गहरे उत्खनन में भी पर्याप्त प्रकाश की सुविधा ।

(घ) उत्खनन-काल में बाहर निकाली गई मिट्टी का निकटस्थ क्षेत्र में इस प्रकार जमाव कि यातायात में कठिनाई उत्पन्न न हो ।

(ङ) समस्त उत्खनित क्षेत्र का सुगमता से समाकलन ।

(च) उत्खनन के अंत तक, ऊर्ध्व काट से अधिकतम बिंदुओं की, सतत संदर्भ के लिए सुरक्षा ।

Argon Potassium Dating **आॅर्गान पोटैशियम काल-निर्धा**

पोटैशियम वह मूलतत्व है, जो सभी खनिजों में न्यूनतः पाया जाता है । इस प्रकार का पोटैशियम अणु, पोटैशियम 4 वस्तुतः रेडियोधर्मी होता है और बहुत शीघ्र आॅर्गान के रूप में

विघटित हो जाता है। ऑर्गान एक गैस ह, जो खनिज के कणों में पाई जाती है। पोटेशियम युक्त खनिज की आयु का अनुमान इस तथ्य स लगाया जा सकता है कि कितनी मात्रा म मूल पोटेशियम ऑर्गान के रूप मे परिवर्तित हो गया। यह तरीका भू-विज्ञानीय काल-मापक्रम के लिए उपयोगी होता है। इसक अनुसार चट्टानों की आयु निर्धारित होती ह।

ark — मंजूषा, संदूकची, पेटी

(1) धन, द्रव्य या मूल्यवान् वस्तुओं को सुरक्षित रीति से रखन के लिए बनी तिजोरी, ढक्कनदार टोकरी अथवा संदूकची इत्यादि।

(2) बबूल (आकेशा) की लकड़ी की बनी स्वर्णजटित आयताकार संदूकची। इस संदूकची मे हजरत मूसा ने दो पाषाणपट्ट सुरक्षित रखे थे, जिनमे धर्मादेश अंकित थे।

(3) वह ढकी हुई नौका, जिसमे नूह तथा उनक परिवार के सदस्य महाप्रलय के समय सुरक्षित रह। अब यह शब्द शरण-स्थल के लिए प्रयुक्त होता है।

Arretine ware — एरिताइन मृद्भांड

एक प्रकार का विशिष्ट मृद्भांड। ऐसे बर्तनों का निर्माण तस्कनी के एरितियन प्रदेश में हुआ था। आगे चलकर सम्पूर्ण रोमन साम्राज्य में ऐसे मृद्भांड बनाए जाने लगे। इस प्रकार के मृद्भांड पूर्व रोमन कालीन ब्रिटेन एवं दक्षिण भारत के अरिकमेडु नामक स्थान में भी मिले हैं।

ये मिट्टी के पके बर्त्तन लाल रंग के होते थे, जिन पर आकृतियां निम्नोद्भृत रूप में ठप्पे द्वारा बनाई जाती थी। ठप्पों में डिजाइनें काट कर उन्हें मृद्भांडों पर लगाया जाता था। एरिताइन कटोरों के आकार और उन पर बनी आकृतियां कला का उत्कृष्ट उदाहरण हैं।

arrowhead (=arrow point) — बाणाग्र

तीर के उपरी भाग में लगा पत्थर, हड्डी या धातु से बना नुकीला भाग। प्रागैतिहासिक काल स ही पत्थर क बने बाणाग्रों का प्रयोग मिलता है।

arrow headed characters (=Cuneiform) — कीलाक्षर वर्ण

कीलाकार अक्षर; कीलाकृत लिपि।

arrow straighteners — **बाण ऋजुक, शर ऋजुक**

तीर के दंड को सीधा करने की नवपाषाणकालीन युक्ति । इसके अनुसार बाण के टेढ़े दंड को अस्थि, काष्ठ या शृंग में बने छिद्र के अंदर डाल तथा आंच से ताप देकर सीधा किया जाता था ।

artifact (=artefact) — **हस्तकृति, मानवकृति**

प्राचीन मानव द्वारा गढ़े हुए अथवा अपरिष्कृत पत्थर आदि के बने औजार, हथियार या मिट्टी के पात्र आदि ।

art-treasure — **कलात्मक निधि, बहुमूल्य कलाकृति**

कला या सौंदर्य की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण कलाकृति

भारत सरकार के 'पुरावशेष तथा बहुमूल्य कलाकृति अधिनियम, 1972' के अनुसार कम-से-कम 75 वर्षो से विद्यमान ऐतिहासिक अथवा कलात्मक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण पांडुलिपि, अभिलेख या दस्तावेज आदि इसी कोटि में रखे गए हैं ।

Aryan Civilization — **आर्य सभ्यता**

ऋग्वेद मे उल्लिखित आर्य-सभ्यता। आर्य तृतीय सहस्राब्दि ई० पू० मे ईरान तथा पश्चिमी भारत में विद्यमान थे। इनकी भाषा प्राचीन संस्कृत थी, जो वेदों में मिलती है। इनकी सभ्यता को जानने का मुख्य स्रोत वैदिक साहित्य है ।आर्यो का राजनीतिक संगठन, विकास की प्रारंभिक अवस्था में रहा । सभा और समिति नाम की इनकी दो प्रमुख संस्थाएं थी । इनका सैनिक संगठन और न्याय-प्रबंध व्यवस्थित था । परिवार व्यवस्था पितृ-सत्तात्मक थी और समाज वर्ण-व्यवस्था पर आधारित था । इनमें सामाजिक नियमों का विकास भी हो चुका था । इनकी सभ्यता ग्रामीण थी । इनका प्रमुख उद्योग कृषि तथा पशुपालन था । साहित्यिक क्षेत्र में, इन्होंने अभूतपूर्व दक्षता प्राप्त की । इस सभ्यता के साहित्यिक साक्ष्यों की पुष्टि पुरातात्त्विक अवशेषों से भी हुई है । साहित्यिक क्षेत्रों, विशेषतया, अभिव्यक्ति की सार्थकता और भावाभिव्यंजना मे इन्होंने अभूतपूर्व दक्षता प्राप्त की थी।

aryballus — **सुराही, अरिबेलस**

तेल, मरहम इत्यादि रखने का अलंकृत पात्र, जिसका प्रयोग प्राचीन यूनानी लोग करते थे । इस पात्र की ग्रीवा छोटी और

उसके नीचे का भाग गोल है। पात्र को पकड़ने के लिए एक हत्था भी बना होता है।

इंका लोगों ने भी इस प्रकार के मृद्भांड बनाए, जो विशाल मर्त्तबान के रूप में हैं। इसका आधार शंक्वाकार तथा ग्रीवा लंबी एवं संकरी होती थी। इंका लोग इसे पीठ पर रस्सी की सहायता से बांधते थे।

askos **एस्कोस**

बतख की आकृति से मिलता-जुलता एक हत्थेवाला टेढ़े-मेढ़े आकार का पात्र, जिसका मुख, केन्द्र स्थल से हट कर अलग बना होता था। इस प्रकार के पात्र इजियन क्षेत्र में, प्रारंभिक हेलाडिक काल से श्रेण्य-काल (क्लासिकी युग) तक प्रयोग व्यवहार में लाए जाते थे। समय-समय पर हुए उत्खनन कार्यों से अन्य स्थानों में भी इस प्रकार के पात्रों का प्रयोग और प्रचलन मिलता है।

astronomical dating **खगोलीय काल-निर्धारण**

खगोलीय तिथियां सौर-विकिरण के घटाव-बढ़ाव की गणना पर निर्भर करती है। विद्वानों का यह मत है कि अत्यंत नूतन (Pleistocene) काल में, जलवायु संबंधी अस्थिरता का प्रमुख कारण सौर-विकिरण की अस्थिरता ही थी। मिलेंकोविक ने अत्यंत नूतन काल के प्रत्येक वक्र की तिथि, सौर वर्षों में निर्धारित की है। परंतु आधुनिक विद्वान मिलेंकोविक की विधि को इसलिए अधिक महत्त्व नहीं देते क्योंकि यह परिकल्पना पर अधिक आधारित है। याकोबी, टिलक (श्री बालगंगाधर) आदि विद्वानों ने आद्य ऐतिहासिक काल-निर्धारण में खगोलीय काल-निर्धारण विधि का सहारा लिया।

Asturian Culture **अस्तुरियायी संस्कृति**

उत्तर-मध्यपाषाण युगीन स्पेन की अपरिष्कृत संस्कृति। यह अजीली संस्कृति का एक विशिष्ट रूप है, जिसमें नदी के पत्थरों का प्रयोग औजारों के रूप में मिला और कंकड़ों की बनी कुल्हाड़ी भी मिली है। इस काल का मुख्य आहार खोलदार मछलियाँ थी।

Aterian **अतेरी**

मध्य-पुरापाषाण कालीन विशिष्ट उद्योग और तत्संबंधी संस्कृति, जो उत्तरी अफ्रीका में, मोरक्को से मिस्र तक के क्षेत्र में पाई गई

है। अतेरी लोग मोस्तारी (Mousterian) परंपरा में पत्थरों के उपकरण बनाते थे। इनके विशिष्ट उपकरणों में चूलदार वेधनी एवं दोनों ओर से तक्षित पर्णाकार वेधनी हैं। वेधनी का प्रयोग बाणाग्र के रूप में किया जाता था।

Atlanthropus — **अतलांतीय मानव, एटलांथ्रोपस**

अल्जीरिया में प्राप्त अश्मीभूत मानव की खोपड़ी, जो अफ्रीका के पिथिकैंथ्रोपस मानव की खोपड़ी, जैसी मानी जाती है।

audi — **औदी**

प्रागैतिहासिक लघु शल्क उपकरण। इसकी निचली सतह, मुख्य शल्क-सतह होती है। उपकरण की ऊपरी सतह पर कई प्राथमिक शल्क-चिह्न बने होते हैं। इनमें से एक (किनारेवाला) शल्क चिह्न के निचली (मुख्य शल्क-) सतह से मिलने पर तीक्ष्ण किनारे का कार्यांग बनता है। इस उपकरण के पार्श्व भुथरे तथा कुंदे का सिरा, कार्यांग के समानांतर नहीं, वरन् टेढ़ा होता है।

aureole (=gloriole=mandorla =nimbus=halo) — **1. प्रभामंडल, प्रभावली**

देवी-देवताओं, संत-महात्माओं अथवा महापुरूषों के मस्तक के चारों ओर रश्मि-मंडल या मंडल, जिन्हें चित्रों तथा मूर्त्तियों में ज्योति-वृत्त के रूप में दिखाया जाता है।

2. दिव्य किरीट

स्वर्गीय मुकुट या वह ज्योतिर्मय दैवी मुकुट, जिसके धारण करने पर सांसारिक, शारीरिक एवं भावनात्मक विजयोपलब्धि होती है।

Aurignacian Culture — **ऑरिगनेशी संस्कृति**

फ्रांस की पेरिनिज आरिगनाक गुफा में प्राप्त अवशेषों से ज्ञात संस्कृति, जिसके उपकरण कटावदार आधारवाली अस्थियों के हैं। यह संस्कृति यूरोप में सर्वाधिक प्राचीन गुहाकला का प्रतिनिधित्व करती है।

Aurignacian man — **आरिगनेशी मानव**

(1) मध्य फ्रांस की उत्तर पुरापाषाणकालीन अति विकसित संस्कृति के जनक, वे मानव, जो शैतलपिरोनी संस्कृति के पश्चवर्ती

थे। फ्रांस में सन् 1909 ई० में, उस काल के मानव का कंकाल प्राप्त हुआ, जो क्रोमैगनन मानव के कंकाल के समान है। यह मानव-प्रजाति अब लुप्त हो चुकी है।

(2) आरिगनेशी काल के मानव।

(3) आरिगनेशी प्रजाति का मानव।

aven — ऊर्ध्व मार्ग

किसी क्षेत्र या कक्ष से जानेवाला ऊर्ध्वाकार विस्तार मार्ग, जो या तो शीर्षभाग की ओर बंद होता है अथवा ऊपरी मार्ग की ओर जाता है।

axe — कुठार

धारदार सिरेवाला एक प्राचीन उपकरण, जिसे एक दस्ते या हत्थे में फंसाकर पकड़ा जाता था। इसकी धार दस्ते के समानांतर होती थी। प्रागैतिहासिक काल में कुठार अनेक आकार के बनाए जाते थे। भारत में आद्यैतिहासिक युग में पत्थर के अलावा धातु के कुठार भी बनते थे। सामान्य बोलचाल की भाषा में इस प्रकार के उपकरण को कुल्हाड़ा कहा जाता है।

axe-grinder — कुठार-सान

कुठार की धार को तीक्ष्ण करनेवाला उपकरण।

axe-hammer — कुठार-हथौड़ा

काष्ठ, धातु, पत्थर, लोहा आदि को पीटने, ठोकने, काटने, चीरने आदि के काम में आनेवाला औजार।

axe head — कुठाराग्र

कुठार या कुल्हाड़ी के आगे का भाग।

axe sheath — कुठारावरण

कुठार को सुरक्षित रखने का खोल।

Azilian Culture — अजीलियायी संस्कृति, अजीली संस्कृति

मध्य-पाषाणकालीन संस्कृति। इसका नामकरण फ्रांस के मास द अज़िल (Mas d' Azil) गुफा के नाम से पड़ा। इस स्थान की संस्कृति का विस्तृत अध्ययन किया गया। इस संस्कृति के जनक अनुमानतः 8000 ई० पू० के उपरांत रहे होंगे। इस संस्कृति की

प्रमुख विशेषता "पाषाण-उपकरण तथा" अस्थि-उपकरण हैं। अज़ीली लोग वटिकाश्मों को रेखाओं, ज्यामितिक चित्रों तथा बिंदुओं से अलंकृत करते थे।

इस संस्कृति का काल तथा अंत मग्दालीनी के उपरांत तथा तादनोंजी संस्कृति से पूर्व है। इसके प्रमुख पाषाण-उपकरणों में लघु गोलाकार स्क्रेपर, वेधनी, पार्श्व-परिष्कृत फलक एवं अपरिष्कृत तक्षणी (ब्यूरीन) हैं। इस संस्कृति में रंगे हुए उन वटिकाश्मों का भी प्रयोग हुआ है, जिनका 'जादुई' महत्त्व एड्रियन कोटस ने बताया है। इस संस्कृति के लोग गुफा-मुखों में निवास करते थे। इस संस्कृति के अवशेष फ्रांसीसी पिरेनी, पूर्वी फ्रांस, उत्तरी स्पेन, स्विटजरलैंड, वेल्जियम आदि क्षेत्रों में मिले हैं।

B

bacchanalia — बैकेनेलिया

यूनान और रोम के सुरादेवता बाखुस के सम्मान में आयोजित मद्योत्सव।

bacchanalian — 1. उन्मत्त मद्यप
2. मद्योत्सव संबंधी

Bacchus — बाखुस

यूनान और रोम का सुरा-देवता।

backed blade — इकधारी फलक

ऐसा फलक, जिसमें एक ही ओर धार बनी हो।

backfill (=backfilling) — भराव

भवनों की नीव की भीतरी-बाहरी दीवारों के उत्खनित भाग को पूरने में मिट्टी और ईंट-पत्थरों के भरने का काम।

back hands — पृष्ठ हस्त, पश्च हस्त

चार या अधिक हाथोंवाले देवी-देवताओं की मूर्ति के पिछले हाथ।

back-sword (=**broad sword**) इकधारी तलवार, गतक

एसी तलवार, जिसके एक ओर ही तेज धार हो, एक धारवाली तलवार ।

Badarian culture बाडेरी संस्कृति

मिस्र की चौथी सहस्राब्दी ई० पू० की, पूर्व राजवंशीय संस्कृति जिसका नामकरण मध्य मिस्र के एक स्थान, अल-बाडेरी पर पड़ा । यह संस्कृति ऊपरी मिस्र तक फैली हुई थी । इसके अंतर्गत ताम्र धातु-कर्म भी आरंभ हो गया था । मृद्भांड-निर्माण में बाडेरी संस्कृति कालीन लोग पर्याप्त दक्ष थे ।

Baden culture बाडेन संस्कृति

ताम्र-युग की आरंभिक संस्कृति। डेन्यूब क्षेत्र की द्वितीय प्रावस्था की पश्चवर्ती संस्कृति, जिसका प्रसार चेकोस्लोवाकिया के मध्य तथा उत्तरी डेन्यूब क्षेत्र (बेसिन) तथा उत्तरी बिस्टुला के प्रदेश में हुआ। बाडेन लोग एक प्रकार के आदिम गेहूं (आइनकोन) और सामान्य गेहूं की खेती करते थे और भेड़ तथा सुअर आदि पशु पालते थे। वे चकमक पत्थर के बाणाग्र तथा फरसे बनाते थे और आइनकोर्न तथा सामान्य गेहूं के भंडार भी रखते थे ।

badigeon (=**patching material**) भराई

(1) पाषाण तथा काष्ठकर्म में, गौण दोषों को दूर करने के लिए मिट्टी आदि का लेप लगाकर भरना ।

(2) भराई के काम आनेवाली सामग्री ।

baetulus (=**baetylic stone**) पवित्र पाषाण

उल्का पिंड से टूटकर गिरा हुआ अनगढ़ पाषाण, जिसकी आराधना यह मानकर की जाती थी कि वह दैवी प्रसाद का फल है ।

balk (=**baulk**) 1. मेंड

खेतों आदि की सीमा-सूचक उभरी मिट्टी, जो भू-धरातल से

कुछ ऊंची उठी होती है। इसे पाढ़, पाल, और (गुजराती में) 'आल' भी कहा जाता है।

2. विभाजक पट्टी

क्षेत्र-पुरातत्व में, किसी उत्खनित स्थल का वह अनुत्खनित भाग, जिसे खाइयों के बीच स्तर-विन्यास के लिए छोड़ दिया जाता है। खुदाई के अंतिम क्षणों तक इसी को अध्ययन की कड़ी के रूप में आधार बनाया जाता है।

balnea सार्वजनिक स्नानागार

प्राचीन रोम की जनता का स्नान-स्थल।

balustrade 1. वेदिका (प्राचीन वास्तुशास्त्रीय शब्द)

लघु-स्तंभों की सूची तथा उष्णीषयुक्त यह मुंडेर या प्राकार का कार्य करती है। यह स्तूप, मंदिर व भवनों आदि में बनाई जाती है।

2. जंगला

वातायन, बरामदे आदि में लगी लोहे या अन्य धातु की छड़ों की पंक्ति। इसे कटहरा भी कहा जाता है।

banderolle (=banderol) 1. उद्भृत पट्टिका, उभारदार पट्टिका

पट्टिकाकार (scroll) कुंडल, कुंडली या घुंडी पट, जिसमें अभिलेख उत्कीर्णित हो और जिसे वास्तु-अलंकरण के लिए प्रयुक्त किया गया हो। पुनर्जागरणकालीन यूरोप में, इस प्रकार की उद्भृत पट्टिका का प्रयोग वास्तुकला में बहुत अधिक हुआ है।

2. नक्काशीदार जंगला

किसी वातायान, द्वार, कटहरे या बरामदे में लगी लोहे की छड़ोंवाला वह जंगला, जिसमें तक्षण-कला का प्रयोग-व्यवहार किया गया हो।

Bandkeramik बैंकरमिक

डेन्यूबी प्रथम संस्कृति में वर्गीकृत विशेष प्रकार के मृद्भांड। इस सांस्कृतिक प्रावस्था का आरंभ लगभग 4,500 ई० पू० में माना जाता है। इस काल में बने मृद्भांडों में, अर्द्ध गोलाकार कटोरे तथा गोलाकार मर्तबान मुख्य हैं, जो तुंबी के आकार से काफी मिलते-

जुलते है । वेंकरमिक शब्द का प्रयोग, विशेषत: उस मानक अलंकरण के लिए किया जाता है, जिसके अंतर्गत समानांतर रेखाओं की सहायता से अंशाकित पट्टिया बनी होती है । सर्पिल रचना तथा लहरियादार सज्जा भी इस अलंकरण के अंतर्गत परिगणित की जाती है ।

bannerol (=banderole) **1. समाधि-ध्वज**

वह शोक-ध्वज, जो महान् व्यक्तियों की अंत्येष्टि मे पूर्व उनके शव के साथ प्रदर्शित किया जाता है और बाद में समाधि के ऊपर स्थापित किया जाता है ।

2. उद्भृत पट्टिका

फीते के आकार की पट्टिका, जिसमें अभिलेख-प्रतीक या चिह्न अंकित हो, विशेषकर एक ऐसी अलंकरण पट्टी, जिसमें यत्र-तत्र अभिलेख अंकित हो । इसका प्रयोग वास्तु-अलंकरण के 'लिए पुनर्जागरण काल में विशेष रूप से किया जाता था ।

banner stone **ध्वजा-कुठार**

वे छिद्रित पाषाण, जो मध्य पश्चिमी तथा पूर्वी अमरीका के पुरातन स्थलों में विशेष रूप से प्राप्त हुए हैं । इनके दोनों पार्श्व कुठार की तरह बने हैं और बीच में लकड़ी इत्यादि फंसाने के लिए छिद्र भी बना है । ऐसा प्रतीत होता है कि इस उपकरण का बहुत अधिक धार्मिक महत्त्व था । मृतकों के साथ ध्वजा-कुठार को भी कब्र में दफना दिया जाता था ।

barbarian **बर्बर**

(1) प्राचीन यूनानियों द्वारा विदेशियों के लिए प्रयुक्त संज्ञा । भारतीयों द्वारा भी अर्धसभ्य एवं असभ्य जातियों को 'बर्बर' कहा गया है । यह यूनानी शब्द बारबेरोस (barbaros) से बना है, जो संभवत: यूनानियों की दृष्टि में, विदेशी भाषाओं की अस्फुट तथा अस्पष्ट प्रतीत होनेवाली ध्वनि का द्योतक है । कालांतर में इस शब्द का प्रयोग असभ्य अथवा जंगली जातियों के लोगों के लिए होने लगा । अनेक प्राचीन भारतीय ग्रंथों में भी बर्बर शब्द का 'अनार्य' और 'असभ्य' के अर्थ में प्रयोग हुआ है ।

(2) सभ्य जगत के बाहर रहनेवाला व्यक्ति, जो असभ्य और क्रूर रीति-रिवाजवाले किसी समाज का सदस्य हो ।

barbaric — बर्बर, बर्बरीय

असभ्य जन अथवा जंगली जातियों, उनके रहन-सहन की पद्धतियों रीति-रिवाजों, कला आदि से संबंधित, जैसे, प्राचीन मैक्सिको या पेरू के बर्बर साम्राज्य ।

लेविस हेनरी मार्गन के अनुसार, मानव समाज के विकास की अवस्थाओं में से एक अवस्था से संबंधित ।

barbaric culture — बर्बर संस्कृति

लेविस हेनरी मार्गन के अनुसार, मानव समाज के विकास में, प्राकृतावस्था के बाद और सभ्यता के पूर्व की मध्यवर्त्ती संस्कृति ।

barbarization — बर्बरीकरण, बर्बर बनाना

अपेक्षाकृत अधिक सशक्त जाति द्वारा, किसी अधिक उन्नत और सभ्य जाति अथवा समुदाय के सदस्यों को, बर्बर अथवा असंस्कृत बनाना । किसी सभ्य समुदाय का स्वतः असभ्य बनना या अवनत होना । यह उल्लेख्य है कि असभ्य जातियों के आक्रमण के पश्चात् रोम साम्राज्य धीरे-धीरे बर्बर बनता चला गया ।

barbed bone — कंटीली अस्थि, कंटीली हड्डी

ऐसी हड्डी, जिसमें कांटे बने हों या जो कांटेदार प्रतीत हो ।

bark canoe — छाल डोंगी, छाल नौका

पेड़ों की छाल से बनी हुई छोटी नौका ।

barrel-shaped bead — ढोलाकार मनका

मनका या माला का वह दाना, जिसका आकार-प्रकार ढोल जैसा हो ।

barrow — 1. स्मारक, समाधि

गोलाकार या लम्बा टीला, जिसके ऊपर एक या अधिक शवाधान होते हैं । ये प्रायः तावूतों या शवपेटिकाओं से दफनाए गए लोगों की समाधि या उनके स्मारक के रूप में बने होते हैं ।

2. शव-टीला

कब्र के ऊपर का पत्थर या मिट्टी से बना उन्नत भू-भाग; मृतकों के अवशेषों पर बना हुआ पाषाण या मिट्टी का टीला । बहुधा इसके नीचे समाधि-कोष्ठ, शवाधान, शवपेटिका, तावत आदि ढके रहते हैं ।

Basarabi culture बसारबी संस्कृति

रूमानिया के बहुत बड़े क्षेत्र में फैली वह प्रसिद्ध लौहयुगीन संस्कृति जिसके अवशेष, तत्कालीन कब्रिस्तानों और आवास-स्थलों में मिले हैं। इस संस्कृति के प्ररूप-स्थल (type site) डेन्यूब में विद्यमान हैं, जिनका काल 800–650 ई० पू० माना गया है। यह संस्कृति हाल्स्टाट संस्कृति का स्थानीय रूप है।

base आधार, पीठ

किसी वास्तु-संरचना का निचला भाग, जो उसका अवलंब हो या जिस पर वह टिकी हो। इसे आलंबक भी कहा जाता है।

basin 1. द्रोणी

जल रखने का पात्र।

2. पात्र

खुला वलयाकार पात्र या ऐसी रकाबी, जिसके किनारे ढलवां या वक्राकार हों और जिसकी गहराई की अपेक्षा चौड़ाई अधिक हो। हाथ-मुंह धोने के लिए प्राय: इस प्रकार के पात्र प्रयोग में लाए जाते थे।

bas-relief (=low relief) निम्न उद्भृत, निम्नोत्कीर्ण

मूर्त्ति-शिल्प की प्रणाली, जिसमें तक्षण-कर्म द्वारा आकृति या बेलबूटे आदि सतह खोदकर उभारे जाते हैं। इसे कम उभरी नक्काशी का काम कहा जाता है।

baton de commandement शृंगवेत्र, शृंगदंड

उत्तर-पुरापाषाणकालीन ऑरिगनेसी संस्कृति के अवशेषों में प्राप्त रेंडियर-शृंग का बना आदिम उपकरण। यह किस प्रयोग में लाया जाता था, यह अभी तक अज्ञात है। इसका आकार-प्रकार दंड की तरह होता था। इसके शीर्ष के स्थूल भाग में एक छिद्र बना होता था। इस प्रकार के शृंगदंड के सुन्दरतम नमूने मग्दाली संस्कृतिकालीन उपकरणों में मिले हैं।

battered backed blade निप्रवण (I) फलक

नीचे से चौड़ी और ऊपर से पतली चकमक का चपटा भाग या फाल।

battle-axe 1. युद्ध-कुठार

युद्ध में प्रयुक्त फरसा, इसकी धार के पृष्ठ भाग में हथौड़े का आकार बना होता था, जिसमें काष्ठ या धातु-दंड फंसाने के लिए छिद्र होता था।

उत्तर-पाषाण तथा ताम्र-युग में, यह यूरोप में बहुत अधिक प्रचलित था। इस प्रकार के परशु बाद में, धातुओं के, विशेष कर ताम्र तथा लोहे के बनाए जाने लगे। भारत में, प्राचीन काल से मध्य काल के अंत तक इसका प्रचलन रहा।

2. फरसा, परशु

कुल्हाड़ी के आकार का, परन्तु उस से कुछ बड़ा और चपटा शस्त्र जिसे प्राचीन काल में, योद्धा धारण करते थे। परशु धारण करनेवाले योद्धा को 'परशुधर' कहा जाता था।

Beaker culture — **बीकर संस्कृति**

यूरोपीय उत्तर कांस्ययुगीन प्रागैतिहासिक संस्कृति, जो घंटाकार चंचुक भांडों को, मृतकों के साथ दफनाने की प्रथा से संबद्ध थी। इस संस्कृति के मृद्भांड यूरोप में, स्पेन से पोलैंड और सिसली से स्काटलैंड तक बहुत बड़ी मात्रा में मिले हैं। इनकी तिथि लगभग 2,000 ई० पू० मानी गई है। उत्तरी और पश्चिमी अनेक क्षेत्रों में, इस संस्कृति के जनकों ने सर्वप्रथम तांबे का प्रयोग प्रारंभ किया। इस संस्कृति के लोग प्रायः अपने मृतकों को वृत्ताकार समाधियों में दफनाते थे।

इस संस्कृति की उत्पत्ति के संबंध में, अभी निश्चित रूप से कुछ नहीं कहा जा सका है। परंतु कुछ प्रागैतिहासज्ञ स्पेन या हंगरी (बोहेमिया) को इसका उद्भव-स्थल मानते हैं। ब्रिटेन और निचले देशों (low countries) में, यह एक स्वतंत्र संस्कृति के रूप में उभरी।

Beaker people — **बीकर जन**

पूर्व कांस्ययुगीन यूरोप के लोग; प्रागैतिहासिक उत्तर कांस्ययुगीन संस्कृति के यूरोपीय लोग। संभवतः इस संस्कृति का उद्गम स्पेन या हंगरी (बोहेमिया) से हुआ। इसकी प्रमुख विशेषता मिट्टी के बने चंचुक भांड (बीकर) हैं, जो यूरोप में, स्पेन, पोलैंड तथा सिसली से स्कॉटलैंड तक हुए उत्खननों के परिणामस्वरूप मिले हैं। इनका रचना-काल अनुमानतः 2,000 ई० पू० के लगभग रहा होगा। इसके भौतिक अवशेषों में नोकदार कटार, कांटेदार तथा नोकदार धनुष तथा कुठार आदि हैं। इस संस्कृति के अंतर्गत शवाधान-गर्त स्तूपाकार होते थे।

4—387 CHD (ND)/77

beehive shaped house — छत्ताकार गृह

(1) सातवी से बारहवीं शताब्दी ई० के आयरलैंड तथा स्काटलैंड के शंक्वाकार गृह, जिनके अवशेष उत्खनन में मिले हैं ।

(2) मधुमक्खी के छत्ते के आकार-प्रकार का बना हुआ घर। इस प्रकार के आवास प्राचीन भारत में भी विद्यमान रहे हैं।

beehive shrine — छत्ताकार मंदिर

मधुमक्खी के छत्ते जैसा बना मंदिर ।

beehive tomb — छत्ताकार मक़बरा

मधुमक्खी के छत्ते के आकार से मिलता-जुलता मक़बरा । इस प्रकार का भूगर्भित मक़बरा यूनानी प्रागैतिहासिक स्थलों में मिला है, जिसकी छत कदलिका-बंध प्रणाली से बनी है । इसका आकार गुंबदी छत्ते की तरह है। सबसे प्रसिद्ध छत्ताकार मक़बरा माइसीन में मिला था, जिसे 'एट्रियस का खजाना' कहा जाता है ।

bell barrow — घंटाकार स्तूप, घंटाकार बरो

घंटे के आकारवाला स्तूप;

वह उन्नत भू-भाग, जो घंटे के आकार जैसा हो, घंटाकार समाधि ।

bell beaker — घंटाकार मृद्भांड

यूरोप में, कांस्य युग के प्रागैतिहासिक जन द्वारा प्रयुक्त घंटाकार मृद्भांड।

bell capital — घंटाशीर्ष

स्तंभ का वह ऊपरी भाग, जिसका आकार घंटा जैसा बना हो ।

bench mark — 1. तलचिह्न, संदर्भ चिह्न

सर्वेक्षण एवं उत्खनन में प्रयुक्त, स्थायी ऊर्ध्वतामापी चिह्न । इस चिह्न को सर्वेक्षण के दौरान, ऐसे स्थल पर लगाया जाता है, जहां से मापन-कार्य किया जा सके ।

2. निर्देश-चिह्न

ज्वार-भाटे के पर्यवेक्षण के लिए बना वह चिह्न, जो किसी स्थायी वस्तु पर आधार तल से युक्त हो । यह एक ऐसा संदर्भ स्थल भी हो सकता है, जहां से किसी भी प्रकार की पैमाइश की जा सके ।

bench method — **बेंच प्रणाली, तल-चिह्न प्रणाली**

पुरातात्त्विक उत्खनन की पूर्व प्रचलित प्रविधि। इसमें उत्खनन में प्राप्त, प्रत्येक वस्तु और भवन का अभिलेखन किसी मानकित तल (बेंच लेवल) के आधार पर किया जाता है। सन् 1927-31 ई० में, मोहनजोदारो की खुदाई के अभिलेखन, इसी प्रणाली को आधार मानकर तैयार किए गए थे। इस प्रणाली के अनुसार यह माना गया कि आधार-रेखा के नीचे (या ऊपर) स्तर विशेष की सब वस्तुएं या संरचनाएं, उसी स्तर-विशेष से संबद्ध अर्थात् समकालीन हैं।

bench nook — **(भीतर की ओर) दबा हुआ भाग, आला**

दक्षिण-पश्चिमी पुरातत्त्व में प्रयुक्त, बेंच के भीतर की ओर का दबा हुआ भाग या आला। इस प्रकार की संरचना कीवा (Kiva) में मिलती है, जो 'प्यूबलो इंडियन' वास्तुकला की देन है।

bent-bar coin — **वक्र शलाका-मुद्रा**

प्राचीन काल में प्रयुक्त, चांदी या तांबे के चिह्नांकित लंबे सिक्के, जिन्हें मोटे पत्तरों को काटकर बनाया जाता था। इन सिक्कों पर आहत विधि से नाना प्रकार के चिह्न अंकित किए जाते थे। साधारण आहत मुद्राओं की अपेक्षा इनका भार अधिक होता था। ये अधिकतर ईसा पू० चौथी-तीसरी शती पूर्व के मिले हैं।

berm — **प्रतितट**

वह समतल स्थान, जो समाधि के मध्यवर्ती उभारदार टीले को, उसके चारों ओर बनी खाई से अलग करता है; किसी प्राचीर और खाई के बीच बना उपतट।

Bes — **बेस**

प्राचीन मिस्र का अद्र्ध देवता। कुरूप आकृतिवाला यह अद्र्ध देवता जादू एवं कदाचार के विरुद्ध मनुष्य का रक्षक माना जाता था। इसे आनंद का देवता भी माना जाता था। अति पुरातन काल में इसकी आराधना होती थी। फोनिशियायी लोगों में यह देवता बहुत लोकप्रिय था। समस्त यूनानी-रोमन साम्राज्य से लेकर, मध्यकाल तक इसकी आकृति प्रायः तावीजों में अंकित की जाती थी।

bickern **शृंगी निघात**

1. किसी निहाई या निघाती की चंचुकार नोक ।

2. वह छोटी निघाती, जिसमें सींग के आकार की नोक बनी हो ।

bicone **द्विकोण,**

दो भिन्न दिशाओं से आकर एक स्थान पर मिलनेवाला धरातल द्विशंकु, वह ठोस वस्तु, जिसके दोनों छोर नुकीले हों ।

bicone beads **द्विकोण मनके**

मिस्री तथा सुमेरी आरंभिक सभ्यताओं तथा प्राचीन भारत में व्यवहृत माला के वृत्ताकार मनके, जिनके दोनों छोर प्रायः नुकीले होते थे।

biface tool **द्विमुख औजार, द्विमुख उपकरण**

पत्थर का बना, विशेषकर चकमक पत्थरवाला उपकरण, जिसे दोनो ओर से चपटा बनाया गया हो । प्रागैतिहासिक काल में, इस प्रकार के उपकरणों का प्रचलन अधिक था ।

bifacial **1. द्विपृष्ठी (य)**

एक ही प्रकार के विपरीत धरातल-वाला ।

2. द्विमुखी (य)

दो मुखवाला, विशेषकर विपरीत दिशाओं में बने दो मानव मुखवाला । प्राचीन इटली के द्वार-रक्षक देवता जेनस के संबंध मे यह कहा जाता है कि उसके सिर के आगे और पीछे दोनों ओर दो मुंह बने थे ।

प्राचीन भारतीय कला में दो मुखी आकृतिया मिली हैं, जिनमें एरण (जिला सागर) की गुप्तकालीन गरुड़ प्रतिमा उल्लेखनीय है। यह प्रतिमा 14.4 मीटर ऊंचे गरुड़ध्वज स्तंभ-शीर्ष पर दोनों ओर बनी है, जिसका निर्माण गुप्त सम्राट बुद्धगुप्त के राज्य-काल में सन् 484 ई० मे हुआ ।

bilateral flat base tool **द्विपक्षीय समतल उपकरण**

प्रागैतिहासिक समतलीय पाषाण उपकरणों का एक प्रकार, जिसके दोनों पार्श्वों में से शल्कों को इस प्रकार निकाला जाता है कि छोरवाले भाग में नोक (point) बन जाती है और सभी किनारों से शल्क निकाले जाते हैं। आकार में यह उपकरण नौका के समान होता है । यह अनुमान किया जाता है कि इस उपकरण के कुंठित किनारों को नुकीला बनाने में सोपान-शल्कन प्रविधि का प्रयोग होता रहा है ।

bilingual inscription — 1. द्विभाषिक-शिलालेख, 2. द्विभाषिक उत्कीर्ण लेख

दो भाषाओं में तक्षित या उत्कीर्णित अभिलेख । इस प्रकार के लेखों में कंधार से प्राप्त, मौर्य सम्रा[illegible] और खरोष्ठी लिपि में उत्कीर्णित लेख प्रसिद्ध है । [illegible] संस्थक सिक्कों पर यूनानी तथा खरोष्ठी लिपियों में द्विभाषिक लेख मिले हैं ।

billet — 1. गुटका, 2. वर्तुलाकार छड़ें

गोलाकार वस्तु

खोखले खांचे में कुछ-कुछ अंतर पर भरी हुई गोल छड़ें ।

billet moulding — बेलन खंड सज्जापट्टी

नार्मन वास्तुकला में प्रचलित सज्जापट्टी, जो काष्ठ -खंड या लकड़ी के कुंदे जसी बेलनाकार होती है । ।

bipolar technique — द्विध्रुवीय प्रविधि

प्रागैतिहासिक काल में, पत्थर के औजार बनाने का दो धुरीवाला या दो सिरोंवाला तरीका, जिसमें निकाले हुए शल्कों का अर्ध शंकु, शल्क-तल पर एक ओर न होकर दोनों ओर बना होता है । अनुमान है कि इस प्रकार के शल्कों का निर्माण दोलाघात प्रविधि (swinging blow technique) से किया जाता था । इस प्रविधि में, विखंडनीय पत्थर को, किसी ठोस धरातल पर कसकर टिकाया जाता था और फिर चलायमान आहनक या हथौड़े से तीव्र प्रहार कर तोड़ा जाता था । हथौड़े के प्रहार से क्रोड के ऊपर और नीचे अर्ध शंकु बन जाता था । ऊपर की ओर प्रत्यक्ष आघात से अर्ध शंकु तथा नीचे की ओर अप्रत्यक्ष आघात से अर्ध शंकु बनता था ।

इस प्रविधि का प्रयोग प्राथमिक शल्कीकरण के लिए किया जाता था । ऐसा अनुमान है कि पेकिंग मानव ने पाषाण-उपकरण के निर्माण में, इस प्रविधि का प्रयोग किया था ।

birch bark boat — भूर्ज छाल नौका

भोजवृक्ष की लकड़ी , टहनी या छाल से बनी हुई नौका या डोंगी । अ०दे० bark canoe

birch bark manuscript — भोजपत्र पांडुलिपि

भोजवृक्ष के पत्तों पर हस्तलिखित पोथी । प्राचीन भारत में, कागज

के आविष्कार से पूर्व पुस्तकों को भोजपत्रों पर लिखा जाता था। उन्हें भोजपत्री पोथी भी कहा जाता है।

bird, boat and sun disc motif **पक्षी, नौका तथा सूर्य मंडल प्रतीक**

हाल्स्टाट युगीन कला में प्रयुक्त एक अलंकरण, जिसमें बिंदु और गोल रेखाकृति बनाकर पक्षी, नाव और सूर्य की आकृति बनाई जाती थी। अनुमानतः इस अलंकरण का कोई धार्मिक महत्त्व रहा होगा।

हाल्स्टाट मध्य यूरोप की प्रसिद्ध प्रागैतिहासिक संस्कृति है। इस सभ्यता का काल 1500 ई०पू० माना जाता है। प्राचीन भारतीय सिक्कों तथा मुद्राओं पर भी इस प्रकार के प्रतीक अंकित मिले है।

blade **फलक**

प्रायः समानांतर भुजी लंबा शल्क, जिसे किसी विशेष रूप से बनाए गए क्रोड (core) से निकाला गया हो। फलक की लंबाई सामान्यतः चौड़ाई से अधिक होती है और इससे दूसरा उपकरण भी बनाया जा सकता है। उत्तर-पुरापाषाण काल के आरंभ में, फलक से बनाए गए उपकरण बहुतायत में मिले हैं। इन फलकों का वर्गीकरण अपरिष्कृत, अर्धपरिष्कृत तथा परिष्कृत तीन रूपों में किया जाता है। आकार की दृष्टि से इनके अनेक उपवर्ग किए जा सकते हैं।

भारत में, प्रस्तर फलकों का सर्वोत्तम विकास ताम्रपाषाणयुगीन संस्कृतियों में हुआ। सिंधु सभ्यता में भी चर्ट पत्थर के लंबे फलक बहुत प्रचलित रहे।

bleeper **ब्लीपर**

चुंबकत्वमापी (मैगनेटोमीटर) के सिद्धांत पर आधारित सर्वेक्षणकार्य के लिए प्रयुक्त एक उपकरण, जिसमे दो संसूचक (detector) बोतलों का प्रयोग किया जाता ह। एक बोतल धरातल के निकट और दूसरी धरातल से $1\frac{3}{4}$ मीटर ऊपर रखी जाती है। भूमि के अंदर की चुबकीय असंगतियों का प्रभाव ऊपर की अपेक्षा नीचे की बोतल पर अधिक होता है। सर्वेक्षण के लिए यह प्रणाली अधिक सरल और कम खर्चीली है।

Blemmyes **ब्लेमीस**

1. अफ्रीका की काल्पनिक जाति, जिसका वर्णन रोम के लेखकों ने किया है।

2. प्राचीन इथियोपिया के हेमाइट जन, जो नील नदी और लाल-सागर के मध्यवर्ती क्षेत्र में रहते थे।

block figure **रूढ़ाकृति, घनाकृति**

मूर्तिकला का एक प्रकार, जिसमें प्राकृतिक रूप का निरूपण, ज्यामितिक घनाकृति के गठन के रूप में किया जाता है।

block-on-block technique **स्थिर घन प्रविधि**

निहाई तकनीक (anvil technique) के नाम से प्रसिद्ध तकनीक जिसे स्थिर घन प्रणाली या स्थिर हथौड़ा प्रविधि भी कहा जाता है। इसमें निहाई घन अथवा हथौड़ा एक स्थान में स्थिर रखा जाता है और उपकरण बनाया जानेवाला प्रस्तर, चलायमान और गतिशील रहता है और उसे स्थिर निहाई से बार-बार टकरा कर मनोवांछित आकार-प्रकार दिया जाता है।

इस प्रविधि की दो रीतियां हैं। पहली में विखंडन के लिए प्रयुक्त प्रस्तर, यदि बहुत बड़ा हो तो उसे निहाई पर पटककर तोड़ा जाता है। दूसरी रीति में, उपकरण बनाने के लिए काम में लाए जानेवाले प्रस्तर खंड को दोनों हाथों से पकड़, घुमा-फिरा और स्थिर निहाई से टकराकर मनोवांछित आकार-प्रकार बना दिया जाता था।

Boat axe culture **नौ-कुठार संस्कृति**

स्वीडन, फिन्लैंड, बोर्नहोम एवं पूर्वी डेन्मार्की द्वीपसमूह की संस्कृति का एक उप-प्रकार, जिसके अंतर्गत एक शवाधान में, एक ही व्यक्ति को दफनाया जाता था। प्रागैतिहासिक नार्डिक संस्कृतियों से, इस संस्कृति के लोगों ने यह प्रथा ग्रहण की थी। नौ-कुठार संस्कृति का प्रमुख उपकरण पत्थर का बना एक पतला कुठार था, जो आकार में उलटी नाव से मिलता-जुलता था।

boat burial **नौ शवाधान, नौका-शवाधान**

मृत व्यक्ति को तटीय क्षेत्रों में नौका सहित उत्सर्ग करने की उत्तरी यूरोपीय क्षेत्रों में प्रचलित प्रथा। स्कैन्डेनेविया में रहनेवाले वाइकिंग (700 से 1100 ई०) लोग नौका-निर्माण तथा नौचालन में अत्यधिक प्रवीण थे और वे मृत व्यक्तियों का शवाधान नौका सहित करते थे।

नौ-अधिपतियों की मृत्यु के उपरांत प्राय: नौकाओं सहित ही उन्हें दफन कर दिया जाता था। आज भी उनके अवशेष ओस्लो जोर्द के त ों पर मिलते हैं। आंग्ल-सैक्सन ब्रिटेन में, इस प्रकार के तीन महत्त्वपूर्ण शवाधान मिल हैं, जिनमें सुत्तन-हो (सफ्फोक) का नौका शवाधान विशेष उल्लेखनीय है। इसमें पुरातात्त्विक महत्त्व की अनगिनत वस्तुएं मिली हैं, जिनसे तत्कालीन रीति-रिवाजों का ज्ञान होता है।

bodkin 1. सुआ

लोहा, अस्थि, हाथी-दांत आदि का बना, आग की ओर से नुकीला उपकरण, जो वस्त्र या चर्म आदि में छेद करने के काम में लाया जाता है।

2. केश-चिमटी

कटार या खंजर क आकार की अलंकृत वाल पिन।

Boian वोयन

पूर्वी रूमानिया और बल्गारिया की (लगभग 3500-2700 ई० पू० की) नवपाषाणकालीन संस्कृति। इस काल में छोटे-छोटे टीलों पर वस्तियां वसी होती थी। इस काल के मृद्भांडों पर ऐसी ज्यामितिक आकृतियां मिली है, जिनके मध्यभाग मे सफेद लेप किया गया है। प्राप्त अवशेषो से यह भी ज्ञात होता है कि इस युग में तांवे का प्रयोग आरंभ हो गया था।

bolas गोफन

छींके के आकार का एक प्रकार का प्रक्षपास्त्र, जिसमें डोरी के छोर पर बनी जाली में पत्थर के ढेले आदि रखकर पशु-पक्षी आदि भगाने के लिए उस चलाया जाता है। इसे फन्नी और ढेलवांस भी कहा जाता है।

borer वेधक, रंध्रक

(1) छेद करने के काम में प्रयुक्त प्रस्तर या धातु-निर्मित उपकरण। प्राचीन अवशेषों में प्रस्तर और धातुओं के वेधक प्राप्त हुए हैं, जिनका प्रयोग सूराख करने के काम मे किया जाता था.

(2) चकमक या अन्य पत्थर का बना उपकरण, जो उत्तर पुरापाषाण काल अथवा परवर्ती कालों में प्रचलित था

borer-scraper वेधक क्षुरणी, छिद्रक क्षुरणी, वेधक खुरचनी

मध्य पूर्व पाषाणकालीन एक विशिष्ट प्रकार का उपकरण, जिसके एक किनारे पर वेधक की धार वाहर की ओर निकली हुई होती थी। इस धार को पैनाने के लिए, दोनों पार्श्वों में परिष्करण (retouching) किया जाता था।

bosing बोसिंग

भूगर्भित खाइयों एवं गर्त्तों का पता लगाने की विधि। भूमि के धरातल पर लकड़ी के डंडे या सामान्य गैंती के हत्थे से प्रहार कर उससे उत्पन्न ध्वनि के आधार पर भूगर्भित क्षेत्र की आंतरिक स्थिति का पूर्वानुमान किया जाता

है। अब भूगर्भ के नीचे कुछ अवरोध उत्पन्न होता है, तब प्रहार की ध्वनि बहुत क्षीण होकर बाहर जाती है।

boss 1. उठान, उभ फल्ला

(अ) किसी ढाल, आभूषण, पात्र आदि में किसी चिह्न, फूल या प्रतीक का उभार।

(आ) उभरा ठप्पा, फुल्ला

2. कीलमुख

जो कील के अन्दर जाने पर आलंकारिक रूप में बाहर रह जाता है।

3. अंडस्कंध

गुंबद का उठा हुआ ऊपरी भाग।

bossed bone plaque उभरी आकृतियुक्त अस्थि फलक

किसी पशु की लंबी हड्डी के ऊपर उठे हिस्से पर वृत्ताकार या अंडाकार उभरी पंक्तिबद्ध आकृतियों से युक्त फलक। इसे सुंदर रूप देने के लिए अस्थि के धरातल को उत्कीर्ण कर, अनेक प्रकार के रूपांकन किए गए हैं। इस प्रकार के चपटे आधार से युक्त नमूने, तीसरी सहस्राब्दि में लरना और ट्राय (2) तथा कुछ अन्य स्थानों में मिले हैं। इनके बनाने का क्या उद्देश्य रहा होगा, यह अभी तक ज्ञात नहीं हो पाया है।

bossed ornamentation ककुद अलंकरण

धरातल के ऊपर किया गया उभरा सजावटी काम। इसे 'उत्थ अलंकरण' भी कहा जाता है।

राजचिह्न अंकित ककुद अलंकरण से युक्त अनेक उपकरण आदि प्राप्त हुए हैं।

bouche मुष्टि-कुठार, बुशे

फ्रांसीसी पुरातत्ववेत्ता, बुशे दे पर्थस (1788-1868 ई०) द्वारा खोजा गया और उसके नाम पर नामित एक पुरापाषाणकालीन हस्त-कुठार। इसे 'कुदप्वां' और 'मुष्टि कुदाल' भी कहते हैं। अ० दे० handaxe

bow धनुष, कमान

नुकीले तीर फेंकने के लिए बना अर्ध गोलाकार एक प्रकार का अस्त्र, जिसे बांस, बेंत या धातु के लचकदार डंडे को झुकाकर उसके दोनों सिरों के

मध्य, डोरी या तांत बाधकर बनाया जाता है । धनुप की डोरी पर, तीर को तानकर फेंका जाता ह । धनुप को मानव द्वारा निर्मित प्रथम यंत्र माना जाता है । प्रागैतिहासिक काल से इसका प्रचलन रहा है । आदिम जनजातियों में आज भी इसका प्रयोग और व्यवहार होता है ।

bowl 1. कटोरा

विशेषकर तरल पदार्थों को सुरक्षित रखने के लिए, विभिन्न आकार-प्रकारों में मिट्टी, पत्थर, धातु, काठ आदि का बना एक पात्र, जिसके किनारे ऊपर की ओर अपेक्षाकृत कम उठे होते हैं और बीच का भाग पर्याप्त चौड़ा होता है ।

2. चषक

ऊपर की ओर उठे किनारोंवाला वह प्याला या चमस, जिसमे शराव ढाल कर पी जाती है । सुरापान के लिए बने इस पात्र को पानपात्र कहा जाता है । वैदिक काल मे सोमरस पीने के लिए प्रयुक्त प्यालों को चमस कहा जाता था ।

bowl barrow कटोरा-स्तूप

कटोरानुमा अर्धगोलाकार स्तूप ।

box grave (=cist grave) तावूती कब्र, बक्साकार कब्र, पेटिकाकार शवाधान

बक्से के आकार की बनी कब्र, जिसके किनारों पर पापाण खंड और ऊपर पत्थर की पट्टियां लगी होती हैं । ये तावूती कब्रें भूमिगत या भूमि के ऊपर बनी होती हैं । इनके ऊपर प्रायः सरक्षी संरचना बनी ह । कब्र के नीचे सामान्यतया हौदी बनाई जाती है, जिसमें मुसलमान, ईसाई, यहूदी आदि शवों को गाड़ते और ऊपर तावूत के आकार जैसा तावीज बनाते है ।

bracket ornament टोड़ा अलंकरण

पुराने ढंग के भवनों मे, दीवार से बाहर की ओर निकले, विशेष बनावट के पत्थर या काष्ठ खंड, जो आगे बढ़े छज्जे को साधने के लिए दीवार में गाड़े जाते हैं । टोड़ों पर तक्षण-क्रिया द्वारा की गई सजावट को पोतिका अलंकरण कहा जाता है ।

Brahmagiri culture *ब्रह्मगिरि संस्कृति*

कर्णाटक प्रदेश के चित्रदुर्ग जिले में, ब्रह्मगिरि नामक स्थान में खोज निकाली गई प्राचीन संस्कृति । यहा पर 300 कोष्ठ निखात प्राप्त हुए हैं

जिनमें मृद्‌भांडों के अन्दर, मानव-अस्थियां रखी मिली हैं। कालक्रमानुसार इस संस्कृति का विभाजन इस प्रकार किया गया है :—

(1) प्रस्तर कुल्हाड़ी संस्कृति (2) महापाषाण संस्कृति, जिसमें लोहे का प्रयोग होने लगा था। (3) आन्ध्र संस्कृति, जिसमें लोहे के प्रयोग के साथ चाकों की सहायता से मृद्‌भांड भी बनने लगे थे।

यह उल्लेखनीय है कि सन् 1947 ई० में सर मार्टीमर व्हीलर द्वारा कराए गए उत्खनन कार्यों से इस संस्कृति का पता लगा है।

brass age — पीतल युग

मानव-सभ्यता के विकास-क्रम का वह युग, जब मनुष्य ने पीतल का प्रयोग-व्यवहार करना सीखा। इसे पित्तल युग भी कहा जाता है।

brick vaulled tomb — ईंट मेहराबी समाधि

वह समाधि, जिसके ऊपर का अर्ध मंडलाकार भाग ईंटों का बना हो।

broadsword — खांडा

चौड़े और तिरछे फालवाला एक प्रकार का खड्ग, जो प्राय: किसी वस्तु को खंड-खंड करने या काटने के काम में आता है, प्रहार करने के लिए नहीं। इसे खड्ग भी कहा जाता है।

brocade design — कमख्वाब-अभिकल्प

कीमती वस्त्रों पर कढ़ाई का उभरा डिजाइन, जिसे बुनाई के समय अतिरिक्त बाना लगाकर बनाया जाता है। सामान्यत: रेशम या सिल्क से बने कपड़े पर चांदी-सोने के तारों या कलाबत्तू की सहायता से, बेलबूटों के रूप में कमख्वाबी कढ़ाई की जाती है और विभिन्न प्रकार के रूपांकन किए जाते हैं।

brocade style — कमख्वाब-शैली

रेशम या सिल्क से बने कपड़े पर, सोने-चांदी के तारों या कलाबत्तू से बेलबूटाकारी का काम, जो प्राय: उभरा हुआ होता है। इसे जरी का काम भी कहा जाता है।

bronteum — गर्जन-कक्ष

प्राचीन रंगशालाओं में प्रयुक्त युक्ति, जिसमें कांसे के बर्त्तनों की सहायता से मंच को प्रकंपित किया जाता था।

bronze culture — कांस्य संस्कृति

मानव-संस्कृति के विकास का एक क्रम, जिसमें उपकरण, पात्र

शस्त्रादि कांस्य के बने होते थे । हड़प्पा-संस्कृति के लोग, ताम्र और कांस्य उपकरणों का प्रयोग करते थे । एशिया की कांस्ययुगीन संस्कृति में, लेखन-कला का भी प्रचलन हो गया था । यूरोप में, इजियन (मिनोअन तथा माई-सिनियायी-प्रथम यूरोपीय सभ्यता), मध्य यूरोप (यूनेटिस), स्पेन (अल-अरगर), ब्रिटेन (आयरलड तथा वेसेक्स संस्कृति) और स्कैन्डेनेविया में, कांस्य सस्कृति ईसा से कई सौ वर्ष पूर्व विद्यमान थी । यूरोप में, इस संस्कृति का काल ईसा से लगभग 3,500 वर्ष पूर्व आंका गया है । मिस्र और भारत में इससे पहले के युग में भी पुरातत्ववेत्ताओं ने कांस्य संस्कृति का अस्तित्व माना है ।

bronze figure **कांस्य मूर्त्ति, कांस्यकृति**

तांबे और टिन के मिश्रण से बनी धातु मूर्त्ति या कृति । प्राचीन काल से, मूर्त्ति-निर्माण-कार्य में, यह मिश्रण प्रयुक्त होता रहा है और इसे सर्वाधिक टिकाऊ धातु-मिश्रण माना जाता है ।

प्राचीन भारत में, हड़प्पा तथा अन्य परवर्ती संस्कृतियों में कांस्य-मूर्तियों की उपलब्धि उल्लेखनीय है ।

bronze tools **कांस्य उपकरण, कांसे के उपकरण**

मानव इतिहास के अंतर्गत, पाषाण-युग के पश्चवर्ती तथा लौह युग के पूर्ववर्ती काल से मानव-निर्मित कांसे के अस्त्र-शस्त्र या औजार ।

bronzing **कांस्यन, कांस्यरूपण, कांस्यरोपण**

धातु सदृश कांति या चमक उत्पन्न करने की एक प्रविधि, जिसके अंतर्गत विशेषकर चूर्णित धातु का आरोपण, कांस्यरूपण या कांस्यारोपण किया जाता है ।

किसी वस्तु पर कांस्य का बढ़िया आरोपण कांसे के चूर्ण को सतह पर लगा कर इस प्रकार किया जाता है कि वह वस्तु कांसा धातु से बनी प्रतीत होती है ।

bubble level **पनसाल; बुद्बुद् तलनिर्धारक**

सर्वेक्षण में धरातल के निर्धारण मे प्रयुक्त यंत्र विशेष ।

bucentaur **वृषभ-मानव**

एक काल्पनिक दानव, जिसका आधा शरीर बैल और आधा शरीर मानव का माना जाता है ।

bucket wheel — **रहट, अरघट्ट**

गांवों में खेतों की सिंचाई के लिए प्राचीन काल से प्रयुक्त रहट में लगी हुई घिर्री, जिसके माध्यम से कुए या तालाब से जल निकाला जाता है। यह घंटी यंत्र एक गोलाकार पहिए के रूप में होता है, जिसमें रस्सी में पिरोई हुई डोलचियों की माला लगी होती है। सामान्यतया बैल या आदमियों द्वारा रस्सी खींचे जाने पर डोलचियों की माला ऊपर नीचे आती-जाती रहती है, जिससे पानी ऊपर लाया और अन्यत्र ले जाया जाता है।

buff slip — **पांडु लेप**

मिट्टी के बने पात्रों को रंगने में प्रयुक्त मटमैला, या गंदुमी रंग का लेप।

buff ware culture — **पांडुभांड संस्कृति**

वह प्राचीन संस्कृति, जिसके मृद्‌भांड सामान्यतः पांडु रंगवाले होते थे।

built in storage bin — **अंतर्निमित धान्य कोष्ठ**

दीवार आदि से गोलाकार घेरा बना कर अन्न सुरक्षित रखने के लिए बना कोठार या बखार।

Bukk culture — **बुक्क संस्कृति**

उत्तरी हंगरी के बुक्क पर्वत-क्षेत्र की संस्कृति, जिसका अनावरण एक विशाल अग्निस्थल के निकट मिले 25 व्यक्तियों के अवशेषों तथा नवपाषाण-कालीन उपकरणों से हुआ है। पुरातात्त्विक उत्खननों से प्राप्त साक्ष्य के आधार पर ऐसा अनुमान किया जाता है कि यूरोप की इस पर्वतीय संस्कृति के लोग नरभक्षी थे।

bukranium — **गोमुख**

गौ के मुख जैसा अलंकरण विशेष, जिसमें गौ या वृषभ का मुखौटा, पट्टियों या मालाओं के साथ बना और सजा होता है।

bulb bowl — **गमला**

मिट्टी, धातु या लकड़ी का बना, चौड़े मुंह और बड़े आकार का पात्र, जिसमें फूल-पत्तियों वाले छोटे-बड़े पौधों आदि को रखा जाता है।

bulb of percussion आघात कंद

किसी शल्कित-फलक के मुख के ऊपरी भाग में प्रहार-पट्ट के आघात-स्थल के ठीक नीचे बनी उभरी या फूली हुई गुल्लाकार आघात ग्रंथि।

bulbous 1. कंदाकार

किसी बेलनाकार वस्तु का गोलाकार विस्तार; बिजली के लट्टू या बल्ब के आकार का।

2. गंठीला, गांठदार

बहुत-सी गाठों या ग्रंथियोंवाला।

3. बुद्बुदाकार

किसी छोटे आधार के ऊपर नाशपाती की तरह का फैलाव।

bulla लटकन तावीज

मिट्टी, धातु या चमड़े का बना ठोस या खोखला तावीज, जिसका प्रयोग रोम और भारत में प्रचलित रहा है।

bung भांड-चिति

कुंभकारों द्वारा भट्टे में पकाने के समय नाजुक मृद्भांडों की रक्षा के लिए बनाए गए पेटीनुमा आवरण।

burial 1. दफन

1. किसी मृत व्यक्ति या उसके शरीर के किसी अंग को भूमि में, कक्ष या कलश में स्थापित कर गाड़ना।

2. कब्र

वह स्थान, जहा पर किसी मृत शरीर को भूमि की सतह के नीचे बनाए गए गढ़े में रखकर मिट्टी से ढक दिया जाता है।

3. शवाधान-प्रक्रिया

मृत व्यक्ति को दफनाने संबंधी रीति-रिवाज।

4. दफनाना

दफन करने का कार्य या संस्कार।

5. शवाधान

भूगर्भित मानव-शरीर या उसके अवशेष।

6. भू-निवेश

जमीन में गाड़ना या सुरक्षित रखना।

burial chamber शवाधान-कक्ष

कब्र का वह भीतरी स्थान, जिसमें शव को रख और ऊपर से पाट कर ... से ढक दिया गया हो।

burial custom — शवाधान-रिवाज, शवाधान-प्रथा

किसी जाति, समाज, धर्म अथवा संप्रदाय में, मृत शरीर या उसके किसी अंग को भूमि, तुंब, तहखाने या जल के नीचे गाड़ने की रीति, जो प्रत्येक धर्म और संप्रदाय में सुनिश्चित और निर्धारित नियमानुसार होती है। अनादि काल से मानव शरीर के इस अंतिम संस्कार को अति पवित्र एवं नैसर्गिक संस्कार माना जाता रहा है। शवाधान की अनेक प्रथाओं ने, प्राचीन इतिहास को खोजने में बहुत अधिक सहायता प्रदान की है। प्रागैतिहासिक मानवों की कब्रों से प्राप्त अवशेषों और वस्तुओं से उनकी सभ्यता एवं संस्कृति का बोध होता है।

burial deposit — शवाधान-निक्षेप

1. शव के साथ दफनाई गई वस्तुएं।
2. उत्खनन में प्राप्त शव के अवशेष।

burial ground (=burial place) — शवाधान-भूमि, कब्रिस्तान

मुर्दों को गाड़ने या दफनाने का स्थान।

burial jar — शवाधान-कलश

चौड़े मुंहवाला और घड़े की तरह गहरा मृदापात्र, जिसमें मृत्योपरांत शव को रखा जाता था। यह प्रथा भूमध्यसागरीय क्षेत्र व अनातोलिया में, पूर्व कांस्य युग में प्रचलित थी। भारत में भी इस प्रकार के शवाधान मिले हैं।

burial memorial — शवाधान-स्मारक

किसी मृत व्यक्ति की स्मृति में, उसके देहावशेष के ऊपर बनाई गई संरचना, उदाहरणार्थ, ताजमहल, जिसे शाहजहां ने अपनी बेगम मुमताज महल की यादगार में बनवाया था।

burial mound — शव-स्तूप

वह ऊंचा ढूह या टीला, जिस पर मृत व्यक्ति की स्मृति बनाए रखने के लिए कोई समाधि, कब्र या ऊपर की ओर उठी संरचना बनी हो।

burial pit — शवाधान गर्त्त

उत्खनन में प्राप्त प्रागैतिहासिक मानवों द्वारा निर्मित ऐसा गड्ढा, जिसमें शव को रखा जाता था। इस प्रकार के गर्तों में शव के साथ मृत व्यक्ति की प्रिय वस्तुएं भी मिली हैं, जो तत्कालीन सभ्यता और संस्कृति के ज्ञान के साथ, तत्कालीन लोकाभिरुचि का भी बोध कराती है।

burial place (=burial ground) **शवाधान-भूमि, कब्रिस्तान**

वह स्थान विशेष, जहां पर मृतकों को गाड़ा और दफनाया जाता है ।

burial pottery **शवाधान मृद्भांड**

किसी मृत व्यक्ति के शव के साथ रखे गए मिट्टी के अलंकृत वर्तन । विश्व के अनेक भागों में, प्राचीन कब्रों में, मिट्टी के वर्त्तन तथा दिन-प्रतिदिन के काम में आनेवाली अनेक वस्तुएं रखी मिली हैं ।

burial practice **शवाधान-रीति**

गड्ढा खोदकर मृत शरीर को मिट्टी से ढकने की परिपाटी ।

प्रागैतिहासिक शवाधानों के प्राप्त अवशेषों से, तत्कालीन मानवों की शवाधान रस्मो का पता चलता है ।

burial rites **शवाधान-संस्कार**

शव को गाड़ते या उसका अंतिम संस्कार करते समय परंपरा से चले आ रहे धार्मिक या सामाजिक कृत्य ।

burial tumulous **शवाधान-स्तूप**

किसी महान व्यक्ति की अस्थियों या उसके देहावशेषों के ऊपर बनी मिट्टी ईंट, चूना-पत्थर आदि की ऊंची इमारत ।

burial urn **शवाधान-पात्र, शवाधान-कलश**

वह चौड़े और खुले मुंह का कलश, जिसमे किसी मृत व्यक्ति को रख कर गाड़ा जाता है । प्राचीन संस्कृतियों में प्रचलित अन्त्येष्टि प्रथाओं के अनुसार, मृत व्यक्ति के देहावशेषों को मिट्टी के बड़े कलश में रखकर, दफनाया जाता था । यह प्रथा भूमध्यसागर के निकटवर्ती बहुत बड़े क्षेत्र तथा भारत में प्रचलित रही है ।

burial vault **शवाधान-कोष्ठ**

कब्रगाह का वह स्थान विशेष, जहां पर शव को रखा जाता है ।

burial yard **शवाधान-प्रांगण, कब्रिस्तान**

शव गाड़ने या दफनाने के लिए नियत स्थान, जिसे कब्रगाह भी कहा है ।

buried wall **भूमिगत भित्ति**

वह दीवार, जो भूमि के नीचे दबी हो। पुरातात्त्विक उत्खननों में अनेक प्राचीन नगर और भवन ज़मीन के नीचे दबे मिले हैं, जिनका आरंभिक प्रमाण भूमिगत भित्तियों से ही मिलता है।

burnised black ware **पालिशदार (ओपदार) काला भांड**

प्रागैतिहासिक काल के मानवों द्वारा निर्मित काले रंगवाले, मिट्टी के वर्त्तन, जो चिकने और चमकदार होते थे। ये भांड उत्तरी काले चमकदार भांडों (northern black polished ware) से अलग हैं, जिन पर तीन प्रकार की सुनहरी, रुपहली तथा एकदम गहरी काली पालिश पाई जाती है।

burnisher **प्रमार्जक, पालिश करनेवाला**

(अ) किसी वस्तु को खुरदरे मसाले आदि की सहायता से चिकना कर चमकानेवाला व्यक्ति या उपकरण।

(आ) एक प्रकार का कठोर, चिकना और ऊपर से गोलाकार सिरवाला उपकरण, जो स्टील, हाथी दांत या गोमेद से बना हो। इसकी सहायता से अपघर्षण या रगड़ द्वारा धरातल को चिकना किया जाता है। पालिश करने में इस उपकरण का प्रयोग किया जाता।

Burzahom **बुर्जहोम**

द्वितीय सहस्राब्दि ई० पू० के आरंभ में, श्रीनगर (कश्मीर) के निकट बुर्जहोम नामक स्थान में हुए उत्खनन के परिणामस्वरूप ज्ञात नवपाषाणयुगीन संस्कृति। इस संस्कृति के लोग भूगर्भित गर्तों में रहते थे, इनके प्रमुख उपकरण अस्थि तथा शृंग के बने होते थे। इनके निवासगर्त वृत्ताकार तथा उनके संकरे मुह का व्यास 2 से $4\frac{1}{2}$ मीटर तक होता था। बुर्जहोम की द्वितीय प्रावस्था में, वे तांबे का प्रयोग करते थे। तृतीय प्रावस्था में, उनके आवासगृह आदि पत्थरों से बनने लगे थे। प्राप्त अवशेषों में, पालिशदार काले मिट्टी के वर्त्तनों के साथ ऐसे बर्त्तनों से टुकड़े भी मिले है, जिनमें ज्यामितिक (डिजाइन) अभिकल्प अंकित हैं। ठप्पांकित पालिशदार भूरे मृद्भांड इनके विशिष्ट मृद्भांड माने जाते हैं। तृतीय प्रावस्था के अंतर्गत शवाधान के निमित बने मेनहिर मिले हैं। सबसे ऊपरी स्तर में प्राप्त अवशेषों में चौथी शती ई० के बौद्ध अवशेष उल्लेखनीय हैं।

Bushman **बुशमैन**

दक्षिण अफ्रीका की यायावर-शिकारी प्रजाति के लोग, जो अब केवल

कलाहारी मरुस्थल के क्षेत्र तक सीमित रह गए हैं। इनकी त्वचा का वर्ण पीत, मुख चपटा और तिकोना तथा उदर कुछ उभरा होता है। इनका प्रमुख अस्त्र धनुष है, जिसके बाण प्रायः विषाक्त होते हैं। इनके भांड और उपकरण भोंडे और भद्दे तथा शस्त्राग्र कुंद धारवाले होते हैं।

Button seal — **बटन-मुद्रा**

बटन के आकार की एक छोटी मुहर।

byssus — **ममी-कफन, बिसस**

अति सुंदर बिसस नाम के वस्त्र-तंतुओं से बना एक प्रकार का मूल्यवान और उत्कृष्ट वस्त्र। बिसस शब्द कभी-कभी लिनन, रेशम, सूती वस्त्रों के लिए भी प्रयुक्त होता है। कुछ पुरातत्त्व वेत्ताओं का अनुमान है कि पीले सन और उससे बने लिनन के लिए भी यह शब्द प्रयुक्त होता था। मिस्र में इसका प्रयोग ममियों के कफन के लिए भी किया जाता था।

C

Cabiri — **काबीरी**

यूनान के एस कुछ विशेष देवताओं का समूह, जो प्रकृति की परोपकारी शक्तियों का प्रतिनिधित्व करते थे और जिनकी आराधना इम्ब्रोस, लेम्नोस तथा सेमोथ्रेस द्वीपों में की जाती थी। सेमोथ्रेस के काबीरी को, मेसिदोनी तथा रोमन काल में विशेष महत्ता प्राप्त थी। इस देवसमूह के विस्मयकारी चमत्कार प्रायः चर्चा के विषय होते थे। यह धारणा थी कि ये समुद्री आपदा और दुर्घटना से लोगों की रक्षा करते थे।

cabochon — **अघटित पाषाण, अनगढ़ पत्थर**

मूलतः अकर्तित पाषाण के लिए प्रयुक्त शब्द, अब जिसका प्रयोग उत्तल आकार में कटे, अत्यधिक ओपदार पत्थर के लिए होता है।

caduceus — **सर्पदंड**

जर्मन तथा रोमन पुरातत्त्व के अंतर्गत विशेषकर हर्मिज या मरकरी का दंड। यह दंड मूलतः जैतून की लकड़ी पर मालांकित लांछन से युक्त होता था। बाद में, माला के स्थान पर दो कुंडलित सर्पों को उस पर अंकित किया जाने लगा। हिंद-यूनानी तथा अन्य प्राचीन भारतीय सिक्कों और मुहरों में यह चिह्न मिलता है।

cainozoic (=cenozoic) **नूतन जीवयुग**

भूवैज्ञानिक इतिहास की विशेष कालावधि या तत्संबंधित युग, जिसके अंतर्गत तृतीयक काल से लेकर वर्तमान काल तक का समय अन्तर्निहित है। नूतन जीवयुग में, स्तनपायी प्राणियों, पक्षियों तथा वनस्पतियों का द्रुतगति से विकास हुआ, पर अकशेरुकी प्राणियों में बहुत कम परिवर्तन हुए। यही कारण है कि इस युग को वनस्पति-जीवन और स्तनपायी-जीवन का वह युग कहा जाता है, जिसमें नूतन जीवयुग का आरंभ स्तनपायी पशु-जीवन से मानव के विकास युग तक हुआ। इस काल का आरंभ 8 करोड़ वर्ष पूर्व माना जाता है।

cairn **टीला, संगोरा, शिलाकूट**

किसी विशिष्ट घटना या मृतक विशेष की यादगार के लिए बनाया गया स्मारक। पत्थर-चूने आदि की सहायता से बनाई गई चौकोर या गोलाकार पत्थरों की ढेरी।

cairn circle **संगोरा वृत्त, शिलाकूट-वृत्त, शिला-वृत्त**

शवाधान के चारों ओर बनी प्रस्तर की परिधि-रेखा। प्रागैतिहासिक कब्रों में इस प्रकार के पत्थरों का बाड़ा मिला है, जिसे 'प्रस्तर-संग्रह वृत्त' या 'निड़े-कल तेड्डि वृत्त' भी कहा जाता है। इस प्रकार के वृत्त में पत्थरों के एक घेरे के अंदर पत्थरों का ढेर होता है, जिसके नीचे एक या अधिक अस्थि-कलश भी मिले हैं।

caldarium **हमाम-कक्ष, स्नानागार**

प्राचीन रोम में स्नानागारों का वह भीतरी कक्ष, जहां गर्म पानी की व्यवस्था रहती थी। विशेष अवसरों पर यूनानी लोग उष्ण जल से स्नान करते थे। आगे चलकर स्नानागारों में तीन कक्ष बनाए जाने लगे, जो स्त्री और पुरुषों के लिए अलग-अलग हुआ करते थे। हमाम-कक्ष में, गर्म पानी से स्नान टब या द्रोणी में किया जाता था।

calendrics **पंचांग-विज्ञान**

ज्योतिष विषयक पंचांग, जिसमें नक्षत्रों, ग्रहों, योगों एवं करणों का वैज्ञानिक रीति से ब्यौरेवार अध्ययन एवं निरूपण हो।

callais — **हरित पाषाण**

अलंकरण के लिए प्रयुक्त हरे रंग का पत्थर। पश्चिमी यूरोप में, उत्तर नवपाषाणकाल से प्रारंभिक कांस्य काल तक इस प्रकार के पत्थर के बने मनके मिले हैं।

camp — **शिविर, कैंप**

(1) प्रागैतिहासिक मानवों द्वारा प्रयुक्त अस्थायी आवास स्थल।

(2) ब्रिटेन में स्थलाकृतियों के लिए बहुधा प्रयुक्त शब्द, जो साधारणतया किसी भी प्रकार के गर्त्त या बांध की तरह बने उन अहातों के लिए प्रयुक्त होता है, जो नवपाषाणकालीन सेतु शिविर से लेकर लौहयुगीन गिरिदुर्ग और रोमनकालीन किलाबंदी के काल तक पाए गए हैं।

(3) नगर क्षेत्र से दूर बना अस्थायी आवास, जैसे—तंबू या कुटी।

Campignian — **कैंपग्नी**

पश्चिमी यूरोप के आरंभिक नवपाषाण काल की द्योतक स्थिति विशेष, जिसे नवपाषाण काल की संक्रमण कालीन स्थिति भी कहा जाता है। इसके अवशेष फ्रांस के कैंपग्नी (Campigny) प्रदेश में मिले हैं। बर्किट महोदय इसे मध्यपाषाणकालीन मानते हैं। उत्तरी फ्रांस के अतिरिक्त कैंपग्नी संस्कृति के अवशेष इंग्लैंड और बेल्जियम में भी मिले हैं। पुरापाषाण कालीन तक्षणी, खुरचनी, छिद्रक तथा कैंपग्नी कुठार इसके विशिष्ट उपकरण हैं।

Campigny axe — **कैंपग्नी कुठार**

फ्रांस के कैंपग्नी प्रदेश में प्राप्त विशिष्ट प्रकार का प्रागैतिहासिक उपकरण, जिसे अधिकतर विद्वान् नवपाषाणकालीन और कुछ विद्वान् मध्यपाषाणकालीन मानते हैं। कैंपग्नी कुठार, चकमक पत्थर या वर्टिकाश्म के मध्य भाग को खंडित कर बनाया जाता है। इसका एक किनारा चौकोर बना लिया जाता था और दूसरे किनारे पर उभरी सतह से ऐसे शल्क निकाले जाते थे, जो चपटी सतह से मिलकर तेज कार्यांग का रूप ले लेते थे।

Canaanites — **केनानवासी, केनेनाइट**

फिलस्तीन में रहनेवाली पूर्व-इज़राइली प्रजाति के लोग। ओल्ड

टेस्टामेंट में इस प्रजाति का उल्लेख मिलता है। ये लोग—छोटे-छोटे स्वाधीन नगरों में रहते थे। इनके प्रमुख स्थल बिब्लास, उगारित, मेगिद्दो एवं लचीश थे।

ये शामी लोगों की ही एक प्रशाखा के लोग थे तथा इनका संबंध उन हिक्सास लोगों से रहा था, जिनका लगभग 2000 से 1200 ई० पू० तक मध्य युग से उत्तर कांस्य युगों में लेवेंट पर अधिकार रहा। व्यापार के माध्यम से इन्होंने मिस्री मेसोपोतामियायी तथा हित्ती लोगों के मध्य सांस्कृतिक आदान-प्रदान आरंभ किया।

Cancelli — **जाल शलाका, जाल दंडिका**

किसी पर्दे, वेदिका या जंगले में लगी छड़ें अथवा स्थापित लघु-स्तंभ, मूल रूप में पेगन सभा-भवन के अर्ध वृत्ताकार प्रांगण को विभक्त करनेवाला जंगला या जालक। संभवतः चांसेल शब्द की उत्पत्ति इसी शब्द से हुई।

candelabrum — **दीपस्तंभ**

दीप या मोमबत्ती आदि को रखने का एक अलंकृत आधार; दीवट। यह काष्ठ या धातु-निर्मित होता है। इसके आधार के ऊपर एक लंबा पतला दंड बना होता है। दंड के शीर्ष में गोल आकार की चपटी रचना होती है, जिसके ऊपर दीप रखे जाते हैं।

candi — **चंडी**

(1) मलय भाषा में, देवालय या मंदिर के लिए प्रयुक्त शब्द, जैसे—चंडी बोरोबुदूर।

(2) दुर्गा का वह रूप, जो उन्होंने महिषासुर राक्षस के वध के लिए धारण किया था।

canopic jar — **ढक्कनदार कलश**

मिस्री पुरातत्व में उन चार कलशों में से एक, जिनके ढक्कन के ऊपर परिचर आत्मा या अभिरक्षक देवता की आकृति बनी होती थी। इस कलश में, मिस्री लोग मृतकों की आंतों को रखते थे। इस कलश को प्रायः ममी के साथ दफन किया जाता था।

canopic vase — **ढक्कनदार कलश**

मिट्टी या कांसे का बना एक प्रकार का एट्रूरियाई अस्थि-कलश, जसके ढक्कन पर मानव-मुखाकृति बनी होती थी।

canopus — ढक्कनदार बरतन, कैनोपस

वह बरतन जिसके ऊपर ढक्कन लगा हो ।

cantharus — जलपात्र, कैंथरस

प्राचीन यूनानी एवं रोमन पुरातत्त्व के अंतर्गत वह ऊंचा, गहरा, सपीठ और दुहत्था जलपात्र, जिसके हत्थे कर्णवत् पात्र के ऊपर से नीचे तक जुड़े होते थे ।

carbon dating — कार्बन तिथि-निर्धारण

किसी मृत कार्बनिक पदार्थ में, कार्बन 14 की मात्रा का पता लगाने तथा मापने की प्रविधि, जिसके द्वारा किसी वस्तु विशेष की तिथि निर्धारित की जाती है । पुरातत्त्व के अंतर्गत अब इस प्रविधि का प्रयोग किया जाता है । इस विधि के प्रवर्त्तक डब्लू० एफ० लिबी हैं ।

काल-निर्धारण की इस प्रणाली का सिद्धांत यह है कि सौर विकिरण, रेडियो-सक्रिय कार्बन (सी ^{14}) उत्पन्न करता है । सी ^{14} साधारण कार्बन 12 का आइसोटोप होता है और वातावरण में सी ^{12} के साथ उपलब्ध होता है । प्रत्येक जीवित पदार्थ में सी ^{12} तथा सी ^{14} एक निश्चित अनुपात में है रहता । वस्तु के नष्ट हो जाने के बाद सी ^{14} का विघटन आरंभ हो जाता हैं । एटकिन के अनुसार, यह विघटन अस्सी वर्षों में एक प्रतिशत रह जाता है । सी ^{14} के शेष भाग का अनुमान, सी ^{12} के अनुपात को निकाल कर किया जाता है । अनुपात ज्ञात होने से तिथि-निर्धारण सरल हो जाता है ।

carcer — धावन-चौकी

रोमन सरकस में, दौड़ के मैदान का वह स्थान विशेष, जहां से दौड़-कार्यक्रम का आरंभ किया जाता था ।

carinated — 1. नौतली

नाव या जलपोत के तल के आकार की आकृति ।

2. कमरखी

कमरख की फांक की तरह उभरी हुई आकृति ।

carp's tongue sword — कार्प-जिह्वा तलवार

पश्चिमी यूरोप में, उत्तर कांस्य युग में प्रचलित एक प्रकार की तलवार जिसकी प्रमुख विशेषता इसका चौड़ी धारवाला वह फलक था, जिसका सिरा ...। होता था ।

carved figure **तक्षित आकृति**

पत्थर इत्यादि में छेनी से काटकर तराशी गई आकृति।

caryatid **मदनिका**

नारी की तक्षित मूर्ति, जिसका प्रयोग यदा-कदा स्तंभ के रूप में भी किया जाता था। प्राचीन यूनानी मंदिरों के मंडप-अलंकरण में इस प्रकार की रचना की जाती थी। एथेंस में, इरेक्थियम इसका सर्वोपरि उदाहरण है।

भारतीय शिल्प में, भारवाहक रूप-गणों या कीचकों का अंकन हुआ है। कहीं-कहीं हाथी या सिंह भी इस रूप में प्रदर्शित हैं।

casket **मंजूषा**

किसी बहुमूल्य धातु या अन्य वस्तु से निर्मित वह पेटिका, जो रत्न इत्यादि बहुमूल्य वस्तुओं को सुरक्षित रखने के काम में आती है। इस संदर्भ में, स्तूपों के गर्भ से उपलब्ध वे धातु-मंजूषाएँ उल्लेखनीय हैं; जिनमें महापुरुषों के धातु अवशेष संचित किए जाते थे।

Caspiae portae (=Caspian gates) **कैस्पी द्वार**

कैस्पी समुद्र के चारों ओर स्थित पहाड़ी दर्रे के लिए प्रयुक्त शब्द। मध्य में स्थित होने के कारण, प्राचीन रेगे (Rhagae) के दर्रे से दूरी का मापन किया जाता था। कैस्पी द्वार अति प्राचीन काल से एक व्यापारिक मार्ग था।

Caspian industry **कैस्पी उद्योग**

ट्यूनीशिया में ग़फ़सा नामक स्थान का मध्य-पाषाणकालीन प्रस्तर उपकरण उद्योग। इसका अभ्युदय 8,000 ई० पू० से कुछ पहले माना जाता है। यह उद्योग पूर्वी अल्जीरिया में भी मिलता है। इसके पाषाण उपकरणों में फलक, ब्यूरीन, एकधारी फलक, वेधनी, खुरचनी, सूक्ष्मास्म तथा साधारण अस्थि उपकरण हैं।

castro **कैस्ट्रो**

प्राचीरों से आरक्षित स्थलों के लिए प्रयुक्त पुर्तगाली शब्द। छोटे आकार के इस प्रकार के स्थान ताम्रकाल में तथा गिरि-दुर्ग के रूप में लौह-युग में मिले हैं।

catacomb **अवतुंब, केटाकोंब**

वह भूगर्भित कक्ष-समूह, जिसमें कब्रें बनी होती थी अथवा अस्थि-अवशेषों आदि को सुरक्षित रखने के लिए आले बने रहते थे।

catapult — **गोफन-अवक्षपक, अस्त्र-अवक्षेपी**

भारी पत्थरों, भालों तथा तीरों इत्यादि को तीव्र गति से दूर फेंकने के लिए बना एक प्राचीन प्रक्षेपणास्त्र ।

catastrophic burial — **विपाती शवाधान**

किसी अप्रत्याशित संकट, महामारी, बाढ़, भूकंप या नरसंहार आदि के कारण अचानक अनेक व्यक्तियों की मृत्यु हो जाने पर किया गया शवाधान; सामूहिक शवाधान ।

catastrophic cremation — **आपत्तिकालिक शवदाह**

किसी महामारी, भूकंप, अग्निकांड इत्यादि में हत हुए बड़े जनसमूह को एक ही स्थान पर एक साथ गाड़ना या जलाना ।

cauldron — **1. देग**

भोज्य पदार्थ पकाने का चौड़े मुंह और वृहद आकार का बर्तन ।

2. कड़ाह

किसी भट्टी या बड़े चूल्हे पर चढ़ाने का गोलाकार बड़ा बर्तन ।

causewayed camp — **सेतुमार्ग शिविर**

वह पड़ाव या खेमा, जो किसी स्थल या मार्ग पर बनाया गया हो । ब्रिटेन में अधिकतर पहाड़ी दुर्ग लौह युग में बनाए गए । इसी प्रकार की रचना नव-पाषाणकाल में भी मिली है । इन नवपाषाणकालीन दुर्गों या शिविरों की खाइयों में थोड़ी-थोड़ी दूरी पर पुल और प्राकार में तदनुरूप अंतराल भी बने होते थे । मिट्टी के धुस्स से बनी इस रचना को सेतुमार्ग-शिविर कहा जाता था ।

causewayed ditch — **सेतुमार्ग परिखा**

नवपाषाणकालीन दुर्गों के रक्षार्थ खंदक या खाई के ऊपर बनी काष्ठ की वह संरचना, जिसकी सहायता से शिविरों तक पहुंचा जा सकता था ।

cauterium — **चित्रोपकरण, कॉटेरियम**

प्राचीन काल में प्रयुक्त, चित्र बनाने का एक प्रलेपक उपकरण । यह धातु का बना होता था और इसका छोर गोलाकार होता था ।

cave — **गुफा, गुहा**

प्राकृतिक या मानव-निर्मित, गुफा, कंदरा । मानव-निर्मित प्रसिद्ध गुफाओं मे, उदयगिरि, बाघ, अजंता, एलोरा आदि हैं । मध्यप्रदेश-क्षेत्र की अधिकांश गुफाएं प्राकृतिक हैं, जो शैलाश्रय हैं ।

cavea — **अर्धचंद्र रंगमंडप, केविया**

अर्धचंद्र के आकार जैसा बना, प्राचीन रंगशालाओं में दर्शकों के बैठने का स्थान। मूल रूप में, इसका प्रयोग उस भूगर्भित कक्ष के लिए होता था, जिसमें अखाड़ों में लड़नेवाले वन्य पशु रखे जाते थे।

cave deposit — **गुहा-निक्षेप**

किसी गुफा की सतह के नीचे के भाग से प्राप्त सामग्री। प्रागैतिहासिक गुफाओं के भीतर उपलब्ध सामग्री से प्राक्-मानव के रहन-सहन के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी होती है।

cave-men — **गुहा मानव**

किसी पर्वत या स्थान विशेष में बने लंबे गड्ढों, कंदराओं और गुफाओं में रहनेवाले मानव, विशेषकर पाषाणकालीन प्रागैतिहासिक मानव, जो गुफाओं में निवास तथा मुख्य रूप से आखेट द्वारा जीवन-यापन करते थे।

cave mouth — **गुहा-मुख, गुफा-मुख**

किसी कंदरा का वह अग्र भाग, जहाँ से उसमें प्रवेश किया जाता है।

cave temple — **गुफा-मंदिर, गुहा-मंदिर**

गुफाओं को काट-छांट कर बनाए गए मंदिर। भारत में, अजंता और एलोरा की गुफाएं इसी प्रकार की है और विश्व के प्रसिद्ध गुफा मंदिरों में गिनी जाती हैं।

cave true (=dark zone) — **अंध गुहा**

ऐसी गुफा या कंदरा, जिसमें प्रकाश की व्यवस्था न हो।

cemetery — **कब्रिस्तान**

मृतकों को दफनाने के लिए नियत स्थान। मूल रूप में रोम का अवतुंव। बाद में यह शब्द गिरजाघर को समर्पित कब्रिस्तान के लिए भी प्रयुक्त होने लगा।

cenotaph — **चैत्य, स्मारक-समाधि, छतरी, शून्य समाधि**

किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति की स्मृति को बनाए रखने के लिए निर्मित भवन या समाधि। इस में उस व्यक्ति या उसके अवशेषों को दफनाया नहीं जाता था। उदाहरणार्थ—राजस्थान तथा मध्यप्रदेश की उत्तर मध्यकालीन छतरियाँ।

centaur **नराश्व, किन्नर, किंपुरुष**

यूनानियों द्वारा वर्णित एक काल्पनिक प्रजाति के लोग । इनके विषय में यह प्रवाद था कि ये इक्सियोन के वंशज थे और थिसेली के पर्वतों में निवास करते थे । इनका आधा शरीर मानव का और आधा अश्व जैसा होता था। ये जंगली और असभ्य माने जाते थे । यूनानी कलाकारों ने, आठवीं शताब्दी ई० पू० में अपनी कलाकृतियों में इनका पर्याप्त चित्रण किया था।

भारतीय कला में किन्नर के रूप में अंकित आकृतियां गांधार, मथुरा आदि की कला में मिली हैं । किंपुरुषों को देवयोनि में परिगणित दिव्य मनुष्यों के समान, किंतु घोड़े के मुँहवाले विशिष्ट प्राणियों के रूप में अभिकल्पित किया गया है ।

Ceramic **1. मृद्‌भांड;**

मिट्टी के वर्तन ।

2. मृत्तिका कला, मृत्तिका-शिल्प

मिट्टी से कलापूर्ण वरतन और आकृतियाँ वनाने का शिल्प ।

ceramic analysis **मृद्‌भांड-विश्लेषण**

पुरातात्त्विक उत्खनन में प्राप्त, मिट्टी के वर्तनों के विस्तृत अध्ययन के लिए प्रयुक्त एक प्रविधि विशेष । मृद्‌भांडों के विश्लेषण में उनकी सामग्री, आकार-प्रकार, पकाने की विधि, रंग, मृदा, निर्माण-विधि इत्यादि का विस्तृत अध्ययन किया जाता है । जिसके द्वारा उनकी निर्माण-प्रक्रिया और काल-निर्धारण में बहुत सहायता मिलती है ।

cercis **दर्शन-कक्ष**

प्राचीन यूनानी रंगमंच में वह स्थान, जहाँ पर दर्शक लोग बैठकर प्रतियोगिता या नाटक इत्यादि देखा करते थे । भारत में, नागार्जुनकोंडा तथा अम्बिकापुर जिले के रामगढ पहाड़ी के दर्शन कक्ष उल्लेखनीय हैं ।

cestrum **सेस्ट्रम, रंगलेपी**

प्राचीन चित्रकारों द्वारा रंगने के लिए प्रयुक्त एक उपकरण । रोमन इतिहासकार प्लिनी के वर्णनों के अनुसार यह नुकीला होता था और इसका प्रयोग मोम के साथ किया जाता था ।

cestus **1. वैवाहिक कटिबंध, वैवाहिक मेखला**

वधू द्वारा कटि-क्षेत्र में धारणीय एक गहना, विशेषकर वीनस (सौंदर्य देवी) द्वारा पहना गया एक आभूषण। जर्मनों एवं रोमवासियों में यह मान्यता थी कि इसे धारण करनेवाली वधू में प्रणय-शक्ति का संवर्धन हो जाता है।

2. रोम के मुक्केबाजों का दस्ताना

मुक्केबाजों द्वारा हाथ में पहना जानेवाला चमड़े का दस्ताना। कभी-कभी इसमें लोहा और जस्ता भी भर दिया जाता था।

chalcolithic age **ताम्र पाषाण युग, ताम्राश्म युग**

मानव सभ्यता का वह विकासकाल, जिसमें तांबे और प्रस्तर उपकरणों का साथ-साथ प्रयोग होता था।

Chalcolithic neolithic culture **ताम्राश्म नवपाषाण संस्कृति**

ताम्राश्म व नवपाषाण युग की संस्कृति, जिसका विकास दक्षिण पूर्वी यूरोप व उत्तरी अफ्रीका से भारत तक अनेक देशों में हुआ।

इस संस्कृति के संपूर्ण काल में, फरटाइल क्रेसेंट में सुंदर ढंग से चित्रित मृदभांडों के अतिरिक्त लघुपाषाण उपकरण और तांबे के कुछ उपकरण मिले हैं। भारत में प्राप्त अधिकतर लघुपाषाण, अज्यामितिक शल्क एवं समानांतर बाहुवाले फलक हैं। ये अनेक प्रकार के हैं। उपकरणों में खुरचनी, फलक तथा वेधनी प्रमुख हैं। इनमें पुनर्गठन का अभाव है। अधिकतर मिट्टी के बरतन चाक पर बने हैं, जिनकी सतह भूरे तथा लाल रंग की है। काले तथा कत्थई रंग के रेखांकित अलंकरण इन भांडों पर मिले हैं।

Chaldaei **कैल्डेई**

बेबिलोनिया का एक पर्यायवाची नाम, जो उसके वैभव के अंतिम चरण (626-539 ई० पू०) में रखा गया। यह नामकरण 'काल्डू' नाम पर पड़ा, जो आरमेनियायी लोगों के एक ऐसे कबीले से संबद्ध है, जिससे इनके एक राजवंश का उदय हुआ। इसके प्रमुख शासक नेबूकदनेज़र और नेबोनिडस थे, जिनका राज्य भूमध्यसागर से फारस की खाड़ी तक विस्तृत था। इस विशाल राज्य का शासन-प्रबंध बेबिलोन से होता था। 612 ई० पू० में कैल्डेई लोगों ने असीरिया को ध्वस्त किया, पर 539 ई० पू० में, हख़मी सम्राट कुरुष ने इसका अंत कर दिया।

(2) प्राचीन शामी लोगों में वे लोग, जो मूलतः दजला और फरात नदी के तटवर्ती भागों में रहते थे। आगे चलकर ये लोग बेबिलोनिया के शक्तिशाली लोग बन गए।

chalice — 1. पान-पात्र चषक

द्रव को पीने का बरतन।

2. पुष्प-पात्र, पुष्प-द्रोणी

फूलों की सजावट के लिए प्रयुक्त भांड।

chamber tomb — गृह-तुंब, कोष्ठ-मकबरा, कोष्ठ-शवागार

शव को रखने का पाषाण से बना स्थान। यह महापाषाणीय संस्कृति से संबद्ध संरचना है। इसमें छत होती थी। कोष्ठ में, शव या उसके अवशेष रखे जाते थे। कोष्ठ-शवागार की पद्धति भारत तथा विश्व के अनेक स्थानों में प्रचलित थी।

chamfered corner — कृंतित किनारा

किसी उपकरण या वस्तु का वह बाहरी कटा हुआ किनारा, जहां पर दो भुजाएं या तल मिलते हैं।

chance discovery — आकस्मिक खोज

किसी पुरातात्त्विक स्थल या सामग्री का अचानक, अकस्मात या बिना खोज किए प्राप्त होना।

chancel — चांसेल

पादरियों के लिए आरक्षित गिरजाघर का वह भाग, जो प्रायः गिरजे का पूर्वी भाग होता था।

Chancelade race — चांसलेड प्रजाति

उत्तर पुरापाषाणकालीन प्रजाति, जिसका कंकाल चांसलेड (फ्रांस) में प्राप्त हुआ था।

chape — म्यान की मूंठ

1. तलवार या कटार को रखने के खोल का धातु निर्मित शीर्ष भाग, जिसके किनारे में अंगूठीनुमा ऐसा हुक बना होता है, जिससे पेटी को अटकाया जाता है।

2. तलवार और कटार के धातु फल को रखने के लिए बना हुआ खोल या आवरण ।

3. तलवार को सुरक्षित रखनेवाली म्यान का धातु-निर्मित ऊपरी भाग ।

charcoal identification — **चारकोल-अभिनिर्धारण, काठ कोयला पहचान**

उत्खनन में प्राप्त कोयले के आधार पर उसके मूल वृक्ष का अभिज्ञान ।

पुरातात्त्विक उत्खननों में प्राय: कोयला प्राप्त होता है । यह कोयला जिस वृक्ष से बना है, उसके विषय में जानकारी प्राप्त करने से महत्त्वपूर्ण निष्कर्ष निकलते हैं । इसके विश्लेषण की प्रविधि यह है कि कोयले को अनुप्रस्थ, त्रिज्य (radial) एवं स्पर्शरेखीय (tangential) परिच्छेदों में काटकर अध्ययन किया जाता है । इस विश्लेषण से प्राप्त सूचना पारिस्थितिक अध्ययन के लिए बहुत उपयोगी होती है । प्राचीन मानव अपने प्रयोग के लिए किन-किन वस्तुओं का प्रयोग जलाने के कार्य में करते थे, इसका भी ज्ञान इस विधि से होता है ।

chariot — **रथ**

दो पहियोंवाला एक प्रकार का प्राचीन यान, जिसका प्रयोग युद्ध या जुलूस में किया जाता था । इसे प्राय: दो अश्व खींचा करते थे । प्राचीन भारत में, युद्ध-क्षेत्र में रथों का प्रचलन बहुत अधिक था । इस संदर्भ में पटना नगर से प्राप्त मौर्ययुगीन रथ-चक्र विशेष उल्लेखनीय है, जो पटना संग्रहालय में रखा है । वैदिक काल से उन्नीसवीं शताब्दी तक, भारत में रथों का प्रचलन रहा है ।

chariot burial — **सरथ शवाधान**

रथ सहित मृतक को कब्र में दफनाना । ऐसी प्रागैतिहासिक कब्रें मिली हैं, जिनमें शव के साथ रथ को भी दफनाया जाता था । यह प्रथा विश्व के कुछ देशों, विशेषकर फ्रांस, में प्रचलित थी । अरास तथा यार्कशायर की कुछ कब्रों में रथों के अवशेष मिले हैं । यार्कशायर में मिली इस प्रकार की बहुत-सी समाधियों से ज्ञात होता है कि इनमें स्त्रियों को दफनाया गया था और उन दिनों रथों के पहियों का व्यास .85 मीटर होता था ।

Chassey culture — **चैसी संस्कृति**

नवपाषाणकालीन संस्कृति, जिसके अनेक क्षेत्रीय समूह फ्रांस के एक बड़े भूभाग में प्राप्त हुए हैं । लगभग 3,500 ई० पू० में, चैसी मृद्भांडों ने मीडी

के छापांकित भांडों को समाप्त कर दिया। इस मृद्भांड शैली के दर्शन गुफाओं, ग्रामस्थलों तथा कब्रों से होते हैं। इन क्षेत्रों में, इस संस्कृति के पूर्व-कालीन मृद्भांडों में बहुधा आखुरित (scratched) व ज्यामितिक नमूने प्राप्त होते हैं। पश्चवर्ती मृद्भांड सादे हैं। पूर्व कालीन और उत्तर कालीन चैसी सभ्यता में किसी प्रकार का विभेद करना कठिन है। उत्तरी और मध्य फ्रांस में, इस संस्कृति के अवशेष 3,000 ई० पू० से पहले के नहीं मिले हैं।

Chatelperronian culture — **शैतलपिरोनी संस्कृति**

उत्तर पुरापाषाणकालीन संस्कृति, जिसके पाषाण-उपकरण दक्षिण-पश्चिम एवं मध्य फ्रांस से प्राप्त हुए हैं। इस संस्कृति के लोगों ने उपकरण-निर्माण की परंपरा मोस्तारी संस्कृति से विरासत में प्राप्त की। ये लोग कंदराओं में रहते, शिकार करते तथा जंगली कंदमूलों से अपना भरण-पोषण किया करते थे। इनका विशिष्ट उपकरण शैतलपिरोनी छुरी फलक है, जिसके एक किनारे पर सीधी तेज़ धार होती है और पृष्ठ-भाग कुंठित एवं वक्राकार होता है। शैतलपिरोनी उद्योगों की रेडियो कार्बन विधि से तिथि 31,690 ई० पू० ± 250 एवं 31,550 ± 400 ई० पू० निश्चित की गई है।

Chatelperronian industry — **शैतलपिरोनी उद्योग**

दक्षिण-पश्चिम एवं मध्य फ्रांस का उत्तर-पुरापाषाणकालीन प्राचीनतम उद्योग, जिसने पूर्ववर्ती मोस्तारी संस्कृति से पर्याप्त बातें ग्रहण कीं। रेडियो-कार्बन प्रविधि द्वारा शैतलपिरोनी उद्योग का काल 31,690 ई० पू० ± 250 एवं 31,550 ± 400 ई० पू० आंका गया है।

यूरोपीय उच्च-पुरापाषाणकाल का समारंभ निम्न पेरीगार्डी अथवा शतलपिरोनी उद्योग से हुआ। इनके मुख्य उपकरण ब्यूरीन फलक-तक्षणी एवं अंत्य खुरचनी आदि हैं, जिसे शैतलपिरोनी चाकू-फलक भी कहते हैं। इस संस्कृति के उपकरणों में हस्तकुठार गिने-चुने ही मिले हैं। लीके के अनुसार साधारण उपकरणों की तरह हस्तकुठार का भी प्रयोग इस संस्कृति में किया जाता था।

checkboard method — **चतुरंग प्रणाली, वर्ग-जालक पद्धति**

किसी पुरातात्विक स्थल के उत्खनन के समय आवास-क्षेत्र की विस्तृत जानकारी के लिए प्रयुक्त पद्धति, जिसमें सर्वेक्षण के दौरान संपूर्ण क्षेत्र को विशाल वर्ग-जालक में विभक्त कर लिया जाता है और आवश्यकतानुसार इच्छित वर्ग में उत्खनन किया जाता है। प्राचीन आवास क्षेत्र या नगरों के उत्खनन के लिए यह उपयोगी विधि है।

check strip जांच पट्टी

दे० baulk (=balk)

Cheddar Man चेड्डर मानव

इंग्लैंड के चेड्डर गोर्ज नामक स्थान से सन 1,903 ई० में प्राप्त एक नर-कंकाल। इसके साथ गुफा में अनेक पाषाण-शृंग तथा अस्थि-उपकरण प्राप्त हुए। चेड्डर गोर्ज के पार्श्व में प्राप्त अन्य गुफाएं कच्चे चूने की हैं और जल के प्रवाह से इनका निर्माण हुआ। इनमें से बहुत-सी गुफाओं में पुरापाषाण-कालीन आखेटक रहते थे। ये प्राज्ञ मानव (homosapiens) थे।

Chellean शेलीयन

यूरोपीय पूर्व पुरापाषाणकालीन हस्तकुठार परंपरा की प्रारंभिक प्रावस्था के लिए पहले प्रयोग में लाया गया शब्द। इसका नामकरण फ्रांस के शेलस (Chelles)-सुर मार्ने नामक स्थान पर पड़ा। इस उद्योग के प्रमुख उपकरण द्विमुखी-क्रोड या हस्तकुठार हैं। एबेवीली या शेलीयन हस्तकुठार सबसे प्राचीन और भोंडे हैं। ओक्ले एवं लीके के मतानुसार शेलीयन (एबेवीली) उद्योग द्वितीय हिमनदीय कल्प के अन्तर्हिमावर्ती काल में पनपा।

भारत में तथा अन्यत्र, जहां भी प्रागैतिहासिक साहित्य में 'शेलीयन' शब्द का प्रयोग हुआ है, वहां के उपकरणों का शेलस के प्राप्त उपकरणों से रूप-साम्य है तथा इसके निर्माण की पद्धति भी समान है। पर यह आवश्यक नहीं कि ये फ्रांस के उपकरणों के समकालीन हैं।

Chellean culture शेलीयन संस्कृति

फ्रांस में पेरिस से 13 किलोमीटर दूर स्थित एक स्थान शेलस-सुर मार्ने के स्थान-नाम पर पड़ा शेलीयन नाम। निम्न पुरापाषाणकालीन यूरोपीय हस्तकुठार संस्कृति के लिए इस शब्द का प्रयोग किया गया था। ऐसा प्रतीत होता है कि इस संस्कृति की उत्पत्ति मध्य अफ्रीका में हुई और कालांतर में यह पश्चिमी यूरोप और दक्षिण एशिया में फैली। इस संस्कृति के उपकरण एकदम सादे हैं। इनमें से बहुत से तो प्राकृतिक पाषाण-खंड की तरह दिखाई देते हैं।

Children of the Sun सूर्य-संतति

(अ) वे प्राचीन लोग, जिन्होंने महापाषाणों का निर्माण किया था।

(ब) इंका साम्राज्य (पेरू) के सभ्य लोग या उनके वंशज। सूर्योपासक होने के कारण उन्हें इस नाम से पुकारा जाता था।

Chimacra — **व्याल, ईहामृग**

मूर्त्तिकला में प्रयुक्त काल्पनिक संयुक्त पशु की वह आकृति, जो सिंह, सर्प तथा अज के शरीर के संयोजन से बनी हो। भारतीय शिल्प में शुक, वृषभ, मकर, गज आदि पशुओं का भी इस रूप में अंकन मिलता है।

chip — **अपखंड, चिप्पड़, छिप्टी**

त्वरित आघात या प्राकृतिक शल्कन की सहायता से विखंडित काष्ठ, पाषाण या किसी अन्य सामग्री का एक छोटा, पतला और चपटा टुकड़ा।

Chipping technique — **अपखंडन-प्रविधि**

प्रागैतिहासिक मानव द्वारा उपकरण तैयार करने के प्रयोजन से पत्थरों की चिप्पड़ निकालने की एक रीति। पत्थर तोड़ने की प्रणालियों पर लीके तथा ब्रायल ने पर्याप्त प्रकाश डाला है। पत्थर तोड़ने की दो प्रमुख विधियां हैं (1) निहाई प्रविधि तथा (2) प्रत्यक्ष आघात पद्धति।

chisel-ended handaxe — **छेनी कार्याग्र हस्तकुठार**

प्रागैतिहासिक पाषाण-हस्तकुठारों का एक प्रकार। इस उपकरण की कार्यकारी धार बिलकुल सीधी छेनी या रुखानी की तरह होती है।

Chopper (=chopping tool) — **गंडासा, खंडक, टोका, चॉपर**

प्रारंभिक रूप से एक पृष्ठी तथा भारी उपकरण, जिन्हें प्रायः एक ओर से तराशा गया है। दक्षिण-पूर्व एशिया की संस्कृति तथा पंजाब की सोन संस्कृति मे इनका विशेष स्थान है। अत्यंत नूतन युग के मध्यकालीन उपकरणों में ये प्रमुख हैं। मोवियस ने चॉपर की परिभाषा देते हुए "क्रोड पर बने, विशाल, अनगढ़ क्षुरक एवं विशाल क्षुरक" को चापर कहा है। यह गोलाकार या अर्धगोलाकार होता है। भारतवर्ष में, होशंगाबाद तथा निवासा आदि अनेक स्थानों में चॉपर प्राप्त हुए हैं।

Chopper tool culture — **चॉपर उपकरण संस्कृति**

वह प्रागैतिहासिक संस्कृति, जिसके लोग गंडासे का प्रयोग करते थे।

Chopping tool — **कतरना उपकरण**

आंशिक रूप से, पारंपरिक कार्य-विधिपरक क्रोड या विदीर्ण बटियों पर बने उपकरण। इनके दोनों पार्श्वों पर एकांतरित शल्कन से टेढ़ी लहरदार काटने की धार बनी होती है।

choragic monument — **सहगान यशोमंदिर**

(अ) किसी नेता द्वारा अपनी सफलता की यादगार में बनाया गया एक लघु स्मारक।

(ब) प्राचीन एथेंस में, सफल सहगान के लिए पुरस्कार के रूप में प्राप्त कांस्य तिपाई के प्रदर्शनार्थ निर्मित एक चौकी। एथेंस में 334 ई० पू० में निर्मित, लाइसिस्क्रेटस का सहगान यशोमंदिर इसका भव्य उदाहरण है।

chronological sense — **कालानुक्रम-बोध**

(1) कार्यों, घटनाओं आदि को उनके घटित होने के समय के अनुसार व्यवस्थित कर समझना या तत्संबंधी जानकारी होना।

(2) विभिन्न घटनाओं की व्यवस्थित जानकारी के द्वारा भूत और वर्तमान के मध्य संबंध सत्ता को समझना।

chronological sequence — **कालानुक्रम**

कार्यों, घटनाओं, तथ्यों आदि की विशिष्ट क्रमानुसार व्यवस्था।

chronology — **कालानुक्रम, तैथिकी**

समय को काल-खंडों और युगों में व्यवस्थित रूप से विभक्त करने का विज्ञान, जिसके अनुसार प्राचीन घटनाओं, तिथियों और उनके ऐतिहासिक अनुक्रम को निर्धारित और व्यवस्थित किया जाता है। इस संदर्भ में धरती की पर्तों का विशेष महत्व है, जिससे समय की गति का ज्ञान होता है।

chulpa — **पाषाण-मीनार**

पेरू और बोलिविया में प्रागैतिहासिक कालीन पत्थर की बनी मीनार, जिसका निर्माण इंका सभ्यता से काफी पहले हुआ था। इसमें शवाधान कक्ष के ऊपर मीनार बनी है।

ciborium — **1. छत्र, छतरी, चंदोवा**

प्रायः चार स्तम्भों पर टिका छज्जेदार मंडप। यह ऊंचे चबतरे पर बना होता है। कभी-कभी मूर्त्ति के ऊपर भी इस प्रकार का मंडप बनाया जाता है।

2. पानपात्र, चषक

(अ) मिस्री कमल की तरह का ढक्कनदार प्याला।

(आ) मिस्री कमल के बीज-कोश के सदृश बना हुआ प्याला।

(इ) ईसाई धर्म में यूखरिस्त (अंतिम भोज संस्कार) की सामग्री को रखने के लिए बनाया गया पात्र।

6—387 CHD (ND)/77

Cimmerian सिमेर

क्रीमिया की वह प्राचीन यायावर जाति, जिसने लगभग 635 ई० पू० में एशिया माइनर को रौंद डाला था। इनके कोई अभिलेख अभी तक प्राप्त नहीं हुए है। इसलिए इनके पुरातात्त्विक अवशेषों की कड़ियों को जोड़ना दुष्कर कार्य है। लगभग आठवी शताब्दी ई० पू० के अन्त में ये काकेशस प्रदेश की ओर उमड़ पड़े और इन्होंने पूर्वी अनातोलिया को ध्वस्त कर दिया। अंत में इन्होंने, संपूर्ण पश्चिमी एशिया माइनर से समुद्र तटवर्ती प्रदेश को रौंद डाला, जहा पर यूफेसस और यूनानी नगर राज्य इनके विरुद्ध एकजुट हो गए। नगर-कोट के बाहर स्थित आर्टिमिस के प्रसिद्ध मंदिरों को भी इन्होंने लूटा और ध्वस्त किया।

Cinder mound भस्म स्तूप

मिट्टी या पत्थर से निर्मित टीले के आकार की वह संरचना, जिसमें किसी महान् व्यक्ति के भस्मावशेष सुरक्षित रखे गए हों।

cinerary urn भस्म-पात्र, भस्म-कलश

मृत व्यक्ति के दाह-संस्कार के बाद अवशिष्ट भस्मी को सुरक्षित रखने का कलश या पात्र। प्राचीन प्रथाओं के अनुसार, इस कलश को भूमि में गाड़ दिया जाता था। इस प्रकार के कलश स्तूपों और शवाधानों में प्राप्त हुए हैं।

circular nimbus वृत्ताकार प्रभावली, वृत्ताकार प्रभामंडल

देवताओं अथवा महापुरुषों के मुख-मंडल के चारों ओर गोलाकार बना रश्मि-वृत्त, जिसे चित्रों या मूर्तियों के पीछे प्रदर्शित किया जाता है। यह चिह्न देवता या महापुरुष-विशेष के तेज और प्रताप की ओर इंगित करता है। यूरोप में वृत्ताकार प्रभावली निर्माण का सबसे प्राचीन उदाहरण चौथी शताब्दी ई० पू० के अपूली भांडों में प्राप्त होता है। प्राचीन भारतीय मथुरा और गांधार कला मे इस प्रकार की प्रभावलियों का सृजन किया जाता था।

ciseau छेनी

पत्थर आदि तराशने या काटने का लोहे का एक उपकरण; टांकी।

cist(=kist) ताबूत

संदूक या पेटीनुमा आकार की, खड़े प्रस्तर खंडों से बनी संरचना, जिसमें शव को रखकर गाड़ दिया जाता है। ये ताबूत प्रायः भूगर्भित और भूतल ऊपर भी बन होते थे। इनके ऊपर संरक्षी स्तूप भी बनाए जाते थे। प्रागैतिहासिक

काल में, तावूतों में शव को गाड़ने की प्रथा का बहुत अधिक प्रचलन था । दक्षिण भारत के महापाषाण स्मारकों में, इस प्रकार की संरचनाओं के अच्छे उदाहरण मिले हैं ।

cist burial **तावत-शवाधान**

संदूक या पेटी की तरह की कब्र, जिसमें मुर्दे को दफनाया गया हो ।

cist circle **ताबूत वृत्त**

चारों ओर पत्थरों की गोलाकार पंक्तियों से घिरे प्रागैतिहासिक स्मारक । इनको बनाने के लिए पहले एक गड्ढा खोदा जाता था । गड्ढे के अंदर, चार खड़ी पटियाओं को इस रीति से रखा जाता था कि एक पत्थर की पटिया तथा खड़े पत्थरों के ऊपर शीर्ष-प्रस्तर स्थापित हो । खड़े शिलाफलक में लगभग एक तिहाई से आधा मीटर व्यास का एक गोल छिद्र पाया जाता है । तावूत वृत्त के फर्श की पटिया में मृद्भांड, मालाएं तथा उपकरण मिले हैं । इस स्तर के ऊपर लगभग 15 सेंटीमीटर मोटी बालू की परत बिछी होती है, जिनमें नर-कंकाल रखे मिले हैं । अनुमान है कि शव के अवशेषों को एकत्रित कर छिद्रित पत्थर मार्ग से ताबूत वृत्त में रखकर छिद्र को बंद कर दिया जाता होगा । भारत में भी इस प्रकार के स्मारक मिले हैं ।

Clactonian **क्लैक्टोनी**

निम्नपुरापाषाणकालीन चकमक प्रस्तर उद्योग, जो मुख्यत: महा अंतरा-हिमनदीय काल में पाए जाते थे । यह नामकरण इसेक्स के 'क्लैक्टन आन-सी' नाम पर पड़ा । इस उद्योग के प्रमुख उपकरण कर्तित चकमक शल्क और अपखंडित वटिकाश्म है । हस्त कुठारों का इस उद्योग में नितांत अभाव था ।

क्लैक्टोनी और उससे संबद्ध उद्योग समस्त उत्तरी यूरोप मे प्राप्त हुए हैं, जो हस्तकुठार प्राप्ति-स्थलों के उत्तर और पूर्वी क्षेत्र में मिलते हैं । भौगोलिक पर्यावरण के विभेद के कारण ही उपकरणों में भी विभिन्नता रही होगी ।

Clacton technique **क्लैक्टोनी प्रविधि, क्लैक्टोनी तकनीक**

प्रत्यक्ष संघात विधि से चलायलान हथौड़े की चोट द्वारा शल्क निकालने की तकनीक । 'क्लैक्टोनी' नामकरण इंग्लैंड की इसेक्स काउंटी के क्लैक्टन आन-सी स्थान के आधार पर हुआ । इस प्रविधि में प्रत्यक्ष संघात विधि का योग किया जाता ह और शल्क चलायमान हथौड़ा विधि से निकाले जाते हैं । इस प्रकार के शल्कों का आघात-स्थल अकृत्रिम होता ह । आघात का अर्धशंकु विकसित, बड़ा तथा गोलाकार होता ह तथा शल्कों के दूसरी ओर बाह्यक

विद्यमान रहते हैं । अब तक प्राप्त हुए शल्कों को पुनर्गठित नहीं किया गया है । इनके क्रोड भी अपेक्षाकृत बड़े तथा पुनर्गठित होते हैं ।

classic period **क्लासिक काल, श्रेण्य काल**

नई दुनिया के पुरातात्त्विक संदर्भ में प्रयुक्त पद । इस शब्द का निर्माण मूलत: उस मय सभ्यता की विभिन्न प्रावस्थाओं के लिए किया जाता है, जो 3 ई० से 600 ई० तक चलती रही और अपनी सुंदर कलाकृतियों और भौतिक संस्कृति के लिए विख्यात हुई । क्लासिक काल का अर्थविस्तार कर इसका प्रयोग दूसरी मैक्सिकी संस्कृतियों के लिए भी किया गया है ।

पुरानी दुनिया के देशों को लेकर 'क्लासिकल' शब्द का प्रयोग केवल यूनानी और रोम सभ्यताओं के लिए किया गया ।

भारतीय संदर्भ में, गुप्त युग एक ऐसा काल है, जिसमें यूरोप के श्रेण्य काल की विशेषताएं समाविष्ट हैं ।

clay **मिट्टी, चिकनी मिट्टी, मृत्तिका**

एक प्रकार की चिकनी मिट्टी, जो मूर्त्ति बनाने तथा मृद्भांड-निर्माण के काम में लाई जाती है । जब इस मिट्टी को लौह आक्साइड और दूसरे खनिजों से रंगा जाता है, तब इससे चित्रकला के लिए रंग बन जाते हैं । इस मिट्टी के अंतर्गत समस्त अभिघट्य योग्य मिट्टी सम्मिलित की जा सकती है, जिससे मुख्यत: जलीय ऐलुमिनियम सिलिकेट प्राप्त होता है । उस मिट्टी का प्रमुख गुण चिकनापन है । जब यह मिट्टी किसी दूसरे पदार्थ में मिलाई जाती है तो इसमें चिकनापन विद्यमान रहता है । आग में तपाए जाने के बाद यह काफी कठोर हो जाती है ।

clay seal **मृणमुद्रा**

मिट्टी से बनाई गई मुद्रा । प्राचीन काल में मिट्टी की मुद्राएं बहुत अधिक मात्रा में बनाई जाती थीं ।

clay stamp **मृण् मुहर**

मिट्टी का ठप्पा, मिट्टी के बने अक्षरों या चिह्न आदि की छाप लगाने अथवा उन्हें दबाकर अंकित करने का ठप्पा ।

clay tablet **मृत्तिका-फलक, मृद्-फलक**

मिट्टी का बना हु आपट्ट, जो लेख या चित्र के आधार का काम दे ।

cleaver — **विदारणी**

हस्तकुठार वर्ग का प्रसिद्ध उपकरण, जिसका आविर्भाव हस्तकुठार के बाद हुआ। अफ्रीका के ओल्डुआई नामक स्थान में इसकी उत्पत्ति शेलीयन (Chellean) से ऐश्यूली काल के परिवर्तन के समय हुई। भारतवर्ष में, ये हस्तकुठारों के साथ ही मिले हैं। ये क्रोड तथा शल्क दोनों रूपों में प्राप्त होते हैं। ये चौड़े, आयताकार अथवा त्रिकोणात्मक होते हैं। इनका कार्यांग फावड़े या चौड़े खुरपे की तरह होता है। डा० सांकलिया इसके लिए हस्तकुठार संज्ञा उचित समझते हैं।

cleaver scraper — **विदारक स्क्रेपर, विदारक खुरचनी**

एक प्रकार का प्रागैतिहासिक पाषाण-उपकरण, जिसमें हस्तकुठार की कार्यकारी धार के स्थान पर विदारणी कार्यकारी धार होती है। इस उपकरण से दो भिन्न प्रकार के उपकरणों का कार्य लिया जाता है।

clove hitch — **लवंग ग्रंथि, लौंगिया गांठ**

किसी वस्तु जैसे स्तंभ या दंड में रस्सी, कपड़े आदि को विशेष रीति से लपेटकर बनाई गई वह अस्थायी गाठ, जिससे वह अभीष्ट वस्तु को मजबूती से पकड़ सके।

code of Hammurabi — **हमूराबी संहिता**

बेबीलोन के सम्राट हमूराबी (1955–1913 ई० पू०) द्वारा संकलित कानूनों का संग्रह। इस अभूतपूर्व संहिता से तत्कालीन आर्थिक और राजनैतिक स्थिति का ज्ञान होता है। यह संहिता सिप्पर के सूर्य-मंदिर में काले डायोराइट प्रस्तर पर उत्कीर्ण थी। लगभग 1200 ई० पू० में यह सिप्पर से सूसा में स्थानांतरित कर दी गई। सन 1901–2 ई० में, यह तीन खंडों में मिली। ऐतिहासिक दृष्टि से यह संहिता बहुत महत्त्वपूर्ण है।

coffin — **शवपेटिका, ताबूत**

काष्ठ या धातु का बना हुआ वह संदूक, जिसमें शव को रखकर गाड़ा जाता हो। प्राचीन मिस्र में ममी को इसी तरह के संदूक में रखा जाता था।

offin text — **शवपेटिका-लेख**

प्राचीन मिस्र के मध्य साम्राज्य के ताबतों पर अंकित वे अभिलेख, जिनमें जादू-टोना और प्रार्थनाएं भी सम्मिलित थीं। यह पिरामिड-लेख और मृत पुस्तक (Book of the Dead) लेखन की मध्यवर्ती प्रावस्था थी।

coin **सिक्का**

ढला हुआ और निर्दिष्ट मूल्य का एक धातु-खंड, जिसका प्रयोग वस्तु विनिमय के लिए किया जाता रहा है। सिक्के के मूल्य-वर्ग का निर्धारण और उसको जारी करने की शक्ति अधिकृत श्रेणी, समूह या शासन में निहित होती है। भारत के प्राचीनतम सिक्कों में धातु के टुकड़ों पर विशिष्ट चिह्न टंकित हैं। यह आहत मुद्रा के नाम से भी विख्यात है।

coin hoard **सिक्का निधि**

उत्खनन या अन्य प्रकार से उपलब्ध सिक्कों का भंडार। पुरातात्त्विक उत्खननों में सिक्कों की ऐसी विशाल निधियां मिली हैं, जो तत्कालीन इतिहास को जानने का महत्त्वपूर्ण साधन है। इन निधियों में, गुप्तकालीन बयाना निधि उल्लेखनीय है।

collared rim **कंठेदार अंवठ**

किसी पात्र इत्यादि का हंसली या कंठे के आकार का घेरा, जो उन्नत सम या अवनत रूप में होता है।

collective tomb **सामूहिक तुंब, सामूहिक शवाधान**

एक विशेष प्रकार की समाधि, जिसमें अनेक शव दफनाए जाते थे। इस प्रकार की समाधियां शैलकृत, विशाल पत्थरों या ईंटों से बनी मिली हैं।

colossal statue **विशाल मूर्ति, बृहत्काय प्रतिमा**

असाधारण रूप से विशाल आकारवाली मूर्ति जैसे—गोमतेश्वर की तीर्थंकर प्रतिमा तथा बामियान (अफगानिस्तान) की बुद्ध-मूर्ति।

Colosseum **कोलोसियम**

वेस्पेसियन और टाइटस द्वारा 80 ई० में निर्मित रंगभूमि, जिसके अवशेष आज भी रोम में उपलब्ध हैं। कोलोसियम एक अंडाकार संरचना थी, जो बाहर से 187·45 मीटर लंबी और 155·45 मीटर चौड़ी थी। उसमें मल्लभूमि के नीचे तहखाने बने थे, जिनमें परिचारक, ग्लैडियेटर तथा जंतु रहते थे।

Columbarium **1. भूगर्भित अस्थि भस्माधान**

मकबरे की दीवार में बने गड्ढे, जिनमें मृतक की भस्मी को, कलश में रक्षित रीति से रखा जाना।

2. छिद्रक

वल्ली को फंसाने के लिए दीवार में बना हुआ छिद्र । प्राचीन काल में पुराने मकानों में द्वारोपांत को धारण करने के लिए बना छिद्र, जिसपर द्वार टिका रहता है ।

concave — उभयावतल

दोनों ओर से खोखला ।

concave scraper — अवतल क्षुरक, अवतल खुरचनी

प्रागैतिहासिक उपकरण क्षुरक या खुरचनी का एक प्रकार । अवतल क्षुरक, फलक-शल्क अथवा क्रोड में बनाए जाते है । इनकी कार्यकारी धार अवतलाकार होती है, जिसे परिष्करण द्वारा निर्मित किया जाता है । इसकी कार्यकारीधार अर्ध चंद्राकार होती है ।

concavo convex — अवतलोत्तल

जो दोनों ओर अवतलाकार हो और पार्श्व में दूसरी ओर उत्तलाकार हो, जैसे–अंडे का खोल ।

conch-shell — शंख

(अ) एक प्रकार का बड़े आकार का घोंघा, जिसके कोपावरण को भारत में पवित्र माना जाता है। भारतीय मूर्तिकला में ही नहीं, वरन् सिक्कों, मुहरों आदि में भी धार्मिक प्रतीक के रूप में शंख का प्रयोग मिलता है । यह विष्णु का प्रमुख आयुध माना गया है ।

(आ) प्राचीन यूनानी धार्मिक कला में, ट्रिटन नामक समुद्री देव द्वारा तूर्य-नाद के रूप में प्रयुक्त शंख ।

confessio — धातुगर्भ

(अ) किसी शहीद का मक़बरा ।

(आ) किसी स्थल पर बनी वेदी ।

(इ) किसी पवित्र स्थान या वेदी का वह भाग, जो कहीं-कहीं भूगर्भित होता है तथा जिसमें मृतक की अस्थियां सुरक्षित रखी जाती हैं ।

(ई) समाधि-मंडल में मृत व्यक्ति के अस्थि-अवशेष के ठीक ऊपर बनी ऊंची वेदी ।

conisterium अभ्यंगकक्ष, मालिशखाना

प्राचीन यूनानी मल्लभूमि या अखाड़े में बना वह कक्ष, जिसमें पहलवान शरीर में तेल लगाते तथा उसे पोंछते थे, ताकि कुश्ती में उनकी पकड़ अच्छी रह सके ।

control pit नियंत्रण गर्त्त

भावी खनन-कार्य के सहायतार्थ बना प्रयोगात्मक गर्त्त, जिसके स्तरांकन द्वारा सुनियोजित खनन और अनुरक्षण किया जा सके । इसके अंतर्गत किसी खदान के भीतर एक छोटा गड्ढा खोदकर स्तरों का स्वरूप जान लिया जाता है, जिससे किसी बड़े क्षेत्र पर खुदाई करने में सुविधा रहे और पुरातात्त्विक साक्ष्यों को क्षतिग्रस्त होने से बचाया जा सके ।

convex 1. उत्तल

वक्राकार या गोलाकार आकृति का वाह्य भाग ।

2. उन्नतोदर

वृत्त खंड आदि का मध्यवर्ती उठा हुआ अंश ।

convex oblate उत्तल (कार्यांग) लघ्वक्ष, उत्तल लघुअक्ष

प्रागैतिहासिक लघ्वक्ष उपकरणों का एक प्रकार, जो अंडाकार या गोल होते हैं । इन उपकरणों में आधे गोले की परिधि तक एकपक्षीय शल्कीकरण इस प्रकार से किया जाता है कि इसकी कार्यकारी धार उत्तल बनती है । कभी-कभी इसकी कार्यकारी धार एकदम सीधी होती है । एनियाथियाई संस्कृति में अवतल कार्यकारी धारवाले उपकरण मिलते हैं, जिनमें शल्कीकरण प्रायः पृष्ठ भाग में किया गया है ।

convex-sided उत्तल किनारेवाला, उत्तलपार्श्व

जिसके दोनों पार्श्व उभारदार हों ।

Copilcoc कोपिलकाक

मैक्सिको नगर के निकट स्थित शवाधान स्थल ।

copper age ताम्र-युग

किसी देश या जाति के इतिहास का वह समय, जिसमें पहले पहल ताँबे आदि धातुओं का प्रयोग-व्यवहार होने लगा । ताम्र के प्रयोग का युग, प्रस्तर युग और लौह-युग के बीच माना जाता है ।

विभिन्न देशों में, ताम्र-युग के अंतर्गत ताम्र-कांस्य व ताम्र-पाषाण उपकरणों का प्रयोग हुआ । इसके आधार पर इसे क्रमशः ताम्र-कांस्य युग तथा ताम्र-पाषाण युग की संज्ञा दी गई । यूरोप के संदर्भ में, नवाश्मोत्तर कांस्ययुगीन (aeneolithic) ताम्र-युग की ही एक स्थिति को सूचित करता है । भारत में ताम्र-युग का प्रारंभ लगभग 3000 ई० पू० के लगभग माना जाता है ।

copper hoards — **ताम्र-संचय**

निधियों में प्राप्त तांबे की बनी वस्तुएं, जिनमें चपटी, स्कंधित दंडाकार टांकियाँ, ताम्र-वलय, हारपून, दुसिंगी तलवारें तथा मानवाकृति सम्मिलित हैं । इस प्रकार के संचय उत्तर-प्रदेश, उड़ीसा, मध्य प्रदेश में मिले हैं और ये गुजरात तथा मैसूर तक फैले हैं । इनका काल लगभग द्वितीय सहस्राब्दि ई० पू० माना गया है ।

copper plate inscription — **ताम्रपत्र-लेख**

तांबे की चद्दर का बना हुआ वह खंड या टुकड़ा, जिस पर राजकीय अभिलेख आदि उत्कीर्णित हों । उत्खनन में मिले तांबे के पत्थरों पर उत्कीर्णित इन दानपत्रों अथवा विजय-पत्रों आदि से तत्कालीन ऐतिहासिक अध्ययन में महत्व-पूर्ण सहायता मिलती है ।

coprolite — **कोप्रोलाइट**

जीवाश्म मल या विष्ठा, जिसके प्राप्त अवशेष से लुप्त पशुओं की प्रकृति और भोजन-सामग्री के विषय में महत्वपूर्ण जानकारी मिलती है ।

cord ornament — **रज्जु अलंकरण**

एक प्रकार की मृद्भांड-सजावट, जिसमें कच्चे वर्त्तनों के धरातल पर रस्सी की छाप लगाई जाती है । कच्चे वर्त्तनों के पूरे या थोड़े-से भाग में रस्सी को लपेटने पर रस्सी की धारियाँ उनमें स्वतः बन जाती हैं ।

core — **क्रोड**

पत्थर की वह गुठली, जिसे चारों ओर से तराश कर उपकरण या मनके बनाए जाते थे । कभी-कभी उपकरण रूप में क्रोड भी प्रयुक्त होते थे ।

core and flake cultures — **क्रोड तथा शल्क संस्कृतियाँ**

क्रोड एवं शल्क से उपकरणों का निर्माण और प्रयोग करनेवाली संस्कृतियाँ पाषाण-उपकरणों को मुख्यतः जिन दो भागों में विभक्त किया जाता है, वे हैं (1) क्रोड उपकरण तथा (2) शल्क उपकरण । इनमें वटिकाश्म उपकरणों

को सम्मिलित नही किया जाता,जो सबसे प्राचीन उपकरण है । ये दो प्रकार के उपकरण क्रमशः क्रोड तथा शल्क पर बनाए जाते थे । क्रोड से ही शल्कों को निकाला जाता था । क्रोड उपकरणों में एब्बेवीली एवं ऐश्यूली तथा शल्क उपकरणोंवाली क्लैक्टोनी तथा ल्वाल्वाई संस्कृतियाँ परिगणित की जाती ह ।

भारतीय संदर्भ मे, वटिकाश्म, क्रोड तथा शल्क पर बने उपकरण एक ही जमाव में मिलते है ।

core axe क्रोड-कुठार

किसी प्रस्तर-खंड से अलग किए गए शल्क या फलक से निर्मित कुठार ।

core culture क्रोड-संस्कृति

वह प्रागैतिहासिक उपकरण-संस्कृति, जिसमें उपकरणों का निर्माण किसी एक प्रस्तर पिंड को शल्कित कर किया जाता था । क्रोड पर बने उपकरणों के कारण इन्हें क्रोड संस्कृति का कहा जाता है ।

core tool industry क्रोड उपकरण उद्योग

क्रोड पर बने उपकरण, यदि किसी स्थान-विशेष में बहुत बड़ी संख्या मे मिलें तो उसे क्रोड उपकरण उद्योग कहते हैं । अबेवीली तथा ऐश्यूली संस्कृतियों वाले स्थलों को क्रोड उद्योग मानते है, पर प्रागैतिहासज्ञों का यह विचार है कि क्रोड तथा शल्क उद्योगों का स्वतंत्र वर्गीकरण तर्कसंगत नही है । यह उल्लेख्य है कि पूर्व सोहन संस्कृति में क्रोड उपकरण मिले हैं ।

corporal relic देहावशेष, धातु-अवशेष

किसी महान् व्यक्ति की अस्थि, केश तथा नाखून इत्यादि के वे अवशेष, जिन्हें सुरक्षित रूप से रखा जाता था । वुद्ध की मृत्यु के वाद उनके देहावशेषो पर स्तूपों का निर्माण किया गया ।

countenance मुखाकृति, मुखमंडल

(अ) मुख की भाव-भंगिमा या अभिव्यक्ति, जिससे किसी व्यक्ति या मूर्त्ति की मानसिक स्थिति तथा भावों का ज्ञान हो ।

(आ) वाह्य आकृति ।

counterstrike (seal) प्रतिमुद्रित करना, प्रत्याहत करना

एक वार चिह्नांकित मोहरों पर दुबारा मुहर लगाकर चिह्नांकित करना ।

counter struck **प्रतिमुद्रित, प्रत्याहत**

किसी सिक्के इत्यादि पर प्रहार कर दुवारा ठप्पा लगाने का कार्य। उत्खनन में बहुत-से ऐसे सिक्के मिले हैं, जिन पर पूर्ववर्त्ती चिह्नों इत्यादि के ऊपर आघात कर दूसरे चिह्न अंकित किए गए।

coup-de-poing **कूदप्वां**

पूर्व पापाणकालीन प्रसिद्ध प्रस्तर उपकरण, जिसे 'बुशे' तथा 'हस्त-कुठार' के नाम से भी जाना जाता है। निम्न-पुरापापाणकाल के एवेवील एश्यूली संस्कृति के ये प्रमुख क्रोड उपकरण हैं। वस्तुत: हस्तकुठार के लिए प्रयुक्त कूदप्वां अन्यत्र दे० handaxe फ्रांसीसी भाषा का शब्द है।

court cairn **प्रांगण संगोरा**

दक्षिण-पश्चिमी स्कॉटलैंड एवं उत्तरी आयरलैंड के महापापाण गृह-तुंब का एक प्रकार। इसकी मुख्य विशेषता लंबा आयताकार संगोरा (cairn) तथा एक सिरे पर आगे का अनावृत्त प्रांगण है। इस प्रांगण से शवाधान-कक्ष में प्रवेश किया जाता है, जो सामान्यत: गैलरीनुमा बना होता है। प्रांगण संगोरे का निर्माण नवपाषाणकाल के अवसान-काल में लगभग 1800 ई० पू० में माना जाता है। प्रांगण शवाधान को 'कार्लिंगफोर्ड तुंब' भी कहा जाता है

cradle land of civilization **सभ्यता की शैशव-स्थली**

वह भूमि या क्षेत्र, जहां किसी सभ्यता का अभ्युदय हुआ या वह पनपी हो।

crannog **जलदुर्ग**

कृत्रिम रूप से आरक्षित एक प्रकार का द्वीप, जो सरोवर के बीच या दलदली भूमि पर बनाया गया हो। मूलरूप से प्रागैतिहासिक युग म स्कॉट-लैंड में इस प्रकार के द्वीपों की रचना की जाती थी। प्राचीन भारतीय साहित्य में भी इस प्रकार के कृत्रिम आरक्षित दुर्गों का उल्लेख मिलता है। कौटिल्य के अर्थशास्त्र में इनका उल्लेख है। यद्यपि जलदुर्गों के सबसे प्राचीन अवशेष नवपाषाणकालीन मिले हैं, तथापि उत्तर कांस्य युग और लौह युग में भी इनका अस्तित्व रहा है।

crater (=Krater) **1. क्रेटर, चषक**

बृहदाकार दो हत्थेवाला खुला सुरा-पात्र। यूनानी माइसीनी युग तथा श्रेण्यकालीन कलात्मक वस्तुओं में इसका विशिष्ट स्थान था। विक्स (फ्रांस) में प्राप्त, पूर्व लौहकालीन चषक मृद्भांड कला का श्रेष्ठ नमूना है।

2. घट्ड

किसी शंक्वाकार वस्तु के शीर्ष में बना हुआ गड्ढा ।

creasted ridge flake दंतुर पृष्ठ शल्क

वे प्रागैतिहासिक पाषाण उपकरण-शल्क, जिनके पृष्ठ भाग के ऊपर बनी रेखाएं सीधी न होकर टेढ़ी-मेढ़ी लहरियादार और 'S' अक्षर के समरूप होती हैं । दंतुर कटक शल्क एक विशेष प्रकार के क्रोड से बनता है, जिसके पृष्ठ भाग से एकांतर शल्कन प्रक्रिया द्वारा लघु आकार के शल्क निकाले जाते हैं। यह उल्लेख्य है कि कृत्रिम आघात स्थल बनाकर, अप्रत्यक्ष आघात द्वारा शल्क निकाले जाते है । भारत में दंतुर पृष्ठ शल्क प्राप्त हुए हैं ।

cremation burial अस्थि-भस्माधान

मृत व्यक्तियों के दाह-कर्म की प्राचीन प्रणाली, जिसमें शरीर के भस्मावशेषों को किसी कलश में रखकर भूमी में गाड़ दिया जाता था ।

cremation urn दाह कलश

वह पात्र, जिसमें मृत व्यक्ति की अवशिष्ट भस्म व अस्थियों को कलश में रखकर भूमि में गाड़ दिया जाता था ।

crenel (=crenella) मोखा, फसील

किसी प्राचीर, दीवार या परकोटे के ऊपरी भागों में थोड़ी-थोड़ी दूर पर बने छिद्र, जिनके एकांतर भाग दीवार की सतह से उठे बनाए जाते हैं और वे एक फसील का काम करते हैं । कंगूरा; कपिशीर्षक ।

सामान्यतया बहुत छोटी खिड़की और झरोखे को मोखा कहा जाता है।

crescent blade अर्धचंद्र फलक

एक प्रकार का प्रागैतिहासिक प्रस्तर-उपकरण, जिसके अस्त्राग्रों की एक भुजा सीधी तथा दूसरी भुजा नीचे की ओर अर्ध चंद्राकार बनी होती है ।

crescentic point अर्धचंद्राकार वेधनी

प्रागैतिहासिक पाषाण वेधनी का एक प्रकार, जिसकी एक भुजा सीधी तथा दूसरी नीचे की ओर अर्धचंद्राकार बनी होती है। इस उपकरण की नोक ऊपर की ओर होती है ।

cresset दीप चषक

धातु-निर्मित प्याले के आकार का वह पात्र, जो शीर्ष भाग में खुला

तथा पार्श्व भाग में छिद्रित या पट्टीदार होता है। यह ज्वलन सामग्री रखने के काम आता है। इसे मशाल की तरह भी काम में लाया जाता है।

Cretan culture — क्रीट संस्कृति

ईजीयायी समुद्र के पार दक्षिणी छोर पर स्थित भूमध्य सागरीय विशाल द्वीप। की संस्कृति, जो इतिहास में, क्रीट संस्कृति के नाम से प्रसिद्ध है। इस संस्कृति का काल लगभग 2,200-1,600 ई० पू० माना जाता है। इस काल के कानूनों से ज्ञात होता है कि तत्कालीन सामाजिक व्यवस्था यहां के मूलवासियों की सामाजिक व्यवस्था से कही अधिक उन्नत थी। इसे 'क्रेंडिया' संस्कृति के नाम से भी जाना जाता है।

cribbing — (खनन कार्य के समय की) अस्थायी रेखा

खुदाई के समय टेकवंदी के लिए बनाई गई एक अस्थायी रेखा।

criosphinx — 1. मेष व्याल

वह मूर्त्ति या आकृति, जिसका मुख मानव की तरह न होकर मेंढ़े या दुंबे की तरह हो।

2. मेष शीर्ष दैत्य

असाधारण डील-डौल का असुर या राक्षस, जिसके कपाल या सिर पर मेंढ़े की शक्ल बनी हो।

crock — 1. मृदा पात्र, मिट्टी का बर्त्तन

मिट्टी से निर्मित स्थूल पात्र या जार।

2. ठीकरा

मिट्टी के पुराने बरतनों का खंडित टुकड़ा।

Cromer — क्रोमर

इंगलैंड के क्रोमर नोरफोक नामक स्थान में प्राप्त प्रस्तर के अनगढ़ पाषाण उपकरणों से संबंधित।

cromleck — शिलामंडप, शिलास्मारक, क्रोमलेक

महापाषाणीय स्मारक, जो गृह-तुंब महापाषाणों की सहायता से बनते थे और तराशे नही जाते थे। क्रोमलेक शब्द वेल्श भाषा का शब्द है, जिसका प्रयोग समस्त प्रकार के महापाषाण गृह-तुंबों के लिए होता था। आधुनिक पुरातात्त्विक साहित्य में अब यह शब्द अप्रचलित है।

Crook ard — **वक्र आर्ड, वक्र कुदाली**

कृषि-कार्य में प्रयुक्त दो प्रकार की कुदालियों में से एक, मुड़ी हुई या घुमावदार कुदाली। पुरातात्त्विक उत्खनन में प्राप्त, प्राचीन कुदाली, प्रत्यक्ष रूप से कुदाल (hoe) से विकसित हुई, जिसका आकार-प्रकार नखरहल जैसा होता था और जो भूमि की मिट्टी को बिना पलटाए जोत देता था।

Cross bar — **1. सब्बल**

गड्ढा खोदने का लोहे का मोटा छड़।

2. रंभा

लोहे का बना वह मोटा और भारी डंडा, जिससे दीवारों आदि को खोदा जाता है।

3. तकिया, सूची

पत्थर की वह पटिया आदि, जो सहारा देने या रोक के लिए लगाई जाती है।

Cross dating — **काल प्रतिनिर्धारण**

संस्तरीकरण या भूवैज्ञानिकीगत तथ्यों के अभाव में, दो सांस्कृतिक समूहों स्थलों तथा पुरावस्तुओं के तुलनात्मक अध्ययन से निकाले गए सापेक्ष निष्कर्ष।

Cross nimbus — **क्रूस-प्रभावली, क्रूस-प्रभामंडल**

ईसा मसीह के प्रतीक चिह्न क्रूस के पृष्ठ, भाग में बना प्रभापूर्ण मंडल, जो उनकी दैवी शक्तियों का परिचायक है। पांचवी शताब्दी में और उसके बाद नियमित रूप से छठी शताब्दी ई० से, ईसाई कला में ईसा के प्रतीक-चिह्न क्रूस का प्रयोग नियमित रूप से प्रभावली के साथ किया जाने लगा।

crucible — **कुठाली, मूषा**

मिट्टी का बना एक छोटा पात्र, जिसमें सोना, चांदी इत्यादि गलाया जाता है। यह पात्र किसी उच्चतापसह पदार्थ, जैसे, मृत्तिका, ग्रेफाइट, पोर्सिलेन इत्यादि से बनाया जाता है। उच्च ताप में भी इस पात्र को क्षति नहीं पहुंचती और इसे धातुओं इत्यादि को गलाने के काम में लाया जाता है। इसे घरिया भी कहा जाता है।

Cucutani culture — **कुकुतानी संस्कृति**

त्रिपोली संस्कृति की रोम शाखा। इसकी पूर्व कालिक प्रावस्था का काल

3.380 ई० पू० तथा द्वितीय प्रावस्था का काल लगभग 3,000 ई० पू० रेडियो कार्बन प्रविधि के आधार पर आंका गया है ।

cultural content — **सांस्कृतिक लक्षण**

किसी देश या स्थान की संस्कृति में निहित वे मौलिक तत्व, जो उसकी विशिष्टताओं की ओर इंगित करते हैं ।

Cultural types (of artifacts) — **(उपकरणों का) सांस्कृतिक प्ररूप**

सांस्कृतिक विकास के आधार पर प्रागैतिहासिक उपकरणों का वर्गीकरण, जो उनके विकास-क्रम को बतलाता है । पाषाण-उपकरणों के आकार को ध्यान में रखते ए उपकरण निर्माण की चार संस्कृतियाँ मानी गई हैं–अबेवीली ऐश्यूली, क्लैक्टोनी तथा ल्वाल्वाई ।

Cuneiform — **कीलाक्षर, कीलाकार, बाणमुख**

मेसोपोतामिया में तीसरी से प्रथम सहस्राब्दी ई० पू० में विकसित एक प्राचीन लिपि, जिसके अक्षर कील या शंकु की तरह दिखते थे । सुमेरी, अक्कादी एलेमाइट तथा हित्ती भाषाएँ इस लिपि में लिखी जाती थी । इनके लिपि-चिह्न भावदर्शी हैं और आक्षरिक चिह्न बाएं से दाएं लिखे जाते रहे हैं । चौथी शताब्दी ई०पू० की उरुक की मिट्टी की पट्टियों के लेख से मेसोपोतामिया की लिपि की प्राचीनतम चित्रात्मक प्रावस्था का ज्ञान होता है । सर्वप्रथम 1,802 ई० में इस लिपि का संकेत-पठन जर्मन भाषाविज्ञानी ग्रोटफेंट ने किया था ।

Cuneiform tablet — **कीलाकार लेखपट्टी**

कीलाक्षरोंवाले लेख अंकित मिट्टी की बनी पटिया, जिसे आग में रखकर पकाया जाता था ।

कीलाक्षरों का प्रयोग मेसोपोतामिया में प्राचीन काल में होता था । अनुमान है कि इस का प्रादुर्भाव तीसरी सहस्राब्दी ई०पू० में हुआ । कच्ची मृदा-पट्टियों पर पहले कीलाक्षरों में लिखा जाता था । बाद में स्थायित्व देने के लिए मृतिकापट्टियों को आग में पकाया जाता था ।

Cuneiform text — **कीलाक्षरी पाठ**

वह लेख या ग्रंथ ,जो कीलाक्षरों में लिखा गया हो । दे० Cuneiform.

cuneus — दर्शक-कक्ष

प्राचीन रोम की नाट्यशाला में दर्शकों के बैठने के लिए बने, शंक्वाकार खंडों में से एक, जिसमें दर्शक-कक्ष का विभाजन अनेक सोपानों द्वारा किया जाता था ।

cup — चषक

लघु आकार का प्याला या कटोरेनुमा पात्र, जो हत्थेदार या हत्थारहित भी होता था । कुछ प्राचीन चषकों के आधार भी उत्खनन में प्राप्त हुए हैं ।

cup-marks — चषक-चिह्न

वह शिला-उत्कीर्णन ,जिसमें ओखलीनुमा गड्ढे बने हों । ये प्रायः संकेंद्री वृत्तों से आवृत्त होते हैं और मूलाक्ष रेखाओं (radial lines) पर काटे जाते हैं । इस प्रकार के अलंकरण प्राकृतिक शैलाश्रमों में पाए जाते हैं । इनके साथ संकेंद्रित वलय समूह भी खुदे मिले हैं ।

curator — संग्रहाध्यक्ष

किसी संग्रहालय की देखरेख या संग्रहीत वस्तुओं की सुरक्षा व्यवस्था करनेवाला अधिकारी । यह संग्रहालय की समस्त प्रदर्शनीय वस्तुओं, शोध संबंधी क्रियाकलापों और अधीनस्थ समस्त पदाधिकारियों का कार्यभारी अधिकारी होता है ।

curio — कलाकृति, कौतुक वस्तु

वह वस्तु जो प्राचीन, दुर्लभ, आश्चर्यजनक या विलक्षण होने के कारण दर्शक के मन में जिज्ञासा और अभिरुचि उत्पन्न करे ।

currency bar — मुद्रा-छड़, मुद्रा-शलाका

एक छोर से संपीडित लोहे की पट्टी, जो मुद्रा का रूप रही हो । बेल्जी लोगों से पूर्व ब्रिटेन में इसका प्रयोग मुद्रा की इकाई के रूप में किया जाता था । बेल्जी लोग कैल्ट प्रजाति के थे और सीजर के काल में उत्तरी फ्रांस और बेल्जियम पर इनका अधिकार था ।

Cycladic art **साइक्लेडी कला**

साइक्लेड द्वीप की या उससे संबंधित कला, विशेषकर, पूर्व माइसिनी सभ्यता से संबंधित कला, जो साइक्लेड द्वीप में अंकुरित और पल्लवित हुई थी। साइक्लेड ईजियायी सागर में लगभग 20 द्वीपों का एक समूह है, जो पहले प्रसिद्ध ईजियायी संस्कृति का केंद्र था।

Cyclopean defensive wall **बृहत्पाषाण प्राचीर**

प्राचीन काल में, अनगढ़ विशाल प्रस्तर खंडों से बनी प्राचीर। इसमें गारे का प्रयोग नहीं किया गया है।

cylinder seal **बेलनाकार मुद्रा**

मुद्रा विशेष, जिसका आकार बेलन जैसा था। वर्तन या मिट्टी के लोंदों पर बेलन की तरह चलाकर इससे पट्टीनुमा छाप निकाली जाती थी। भारत में, ताम्राश्मयुगीन वस्तियों से इस तरह की मुद्राएं प्राप्त हुई हैं। ईसवी प्रारंभिक शताब्दियों तक ये भारत में प्राप्त हुई हैं।

D

Danubian culture **डेन्यूबी संस्कृति**

मध्य यूरोप और पूर्वी यूरोप के बहुत बड़े भाग की प्रथम कृषि संस्कृति। डेन्यूबी प्रथम प्रावस्था का समारंभ लगभग 4,500 ई० पू० में हुआ। डेन्यूब नदी के तटवर्ती देशों में, प्रागैतिहासिक और नवपाषाणकालीन संस्कृतियां पल्लवित हुईं। इस प्रथम प्रावस्था की प्रमुख वस्तुओं में लंबी-पतली पाषाण-कुल्हाड़ी, स्पान्डिल सीप की बनी चीजें तथा विशेष आकार के मृद्भांड हैं, जो वैकरमिक के नाम से विख्यात है।

Danzantes **नग्न नराकृति, नग्न मनुष्याकृति, डेनजेंट**

मोंट अल्बन में बने मंदिरों के पुश्तेवाली दीवार के वे पट्ट, जिनमें मनुष्यों की तक्षित नग्न आकृतियां बनी हैं। इनमें कुछ आकृतियां भग्न और कुछ विरूपित हैं। कई पट्टों में चित्रलिपि उत्कीर्ण है, जिसे अभी तक पढ़ा नहीं जा सका है।

7—387 CHD/ND)/77

dating (=chronology) **तिथि-निर्धारण, काल निर्धारण**

पुरातत्व में, किसी स्थल, वस्तु अथवा सभ्यता के प्रादुर्भाव, विकास या उसके विनाश आदि के समय को सुनिश्चित करना । इसके लिए अनेक प्रविधियों का प्रयोग किया जाता है । इनको मुख्यतः दो भागों में विभक्त किया जाता है । वे हैं–निरपेक्ष एवं सापेक्ष कालानुक्रम ।

dead culture **मृत संस्कृति, लुप्त संस्कृति**

पूर्णतया समाप्त ऐसी प्राचीन संस्कृति, जिसका वर्तमान में प्रचलन न हो जिसके अवशेष यत्र-तत्र ही दृष्टिगत हों या जिससे विश्व की अनेकानेक प्राचीन संस्कृतियों के अब केवल कुछ भौतिक अवशेष ही मिलते हैं, जिनसे तत्कालीन लोगों के खान-पान, रहन-सहन, धार्मिक विश्वासों एवं परंपराओं इत्यादि का ज्ञान होता है । ये संस्कृतियां अब केवल इतिहास की कथा बनकर रह गई हैं और अब अपने मूल रूप में कहीं भी प्रचलित नहीं हैं । उदाहरणार्थ, मिस्र बेबीलोन एवं हड़प्पा की संस्कृतियां ।

decipher (=decypher) **1. उद्वाचन**
2. बीजलेखवाचन

किसी गुप्त, सांकेतिक या अस्पष्ट लिपि अथवा आकृतियों आदि का अर्थ निकालना या उन्हें पढ़ना ।

demotic **डिमोटिक**

लगभग सातवीं शताब्दी ई० पू० से तीसरी शताब्दी ईसवी तक, प्राचीन मिस्रियों द्वारा प्रयुक्त एक प्रवाही लिपि, जो प्रसिद्ध 'रोजिटा-पाषाण' में चित्रलिपि के नीचे उत्कीर्णित है । यह माना जाता है कि 106 ई०पू० के निकट यह लिपि, जन-लिपि बन गई थी । यह लिपि 'हाईरेटिक' से उत्पन्न हुई और उससे अधिक प्रवाही थी ।

डिमोटिक लिपि में उपलब्ध सामग्री प्राचीन मिस्र के विधिक स्वरूप और सामाजिक इतिहास को जानने के कार्य में एक महत्वपूर्ण कड़ी का काम करती है ।

dendrochronology **वृक्ष-कालानुक्रमिकी, वृक्षवलय-कालानुक्रमिकी**

कालानुक्रम निर्धारणगत प्रविधि और प्रक्रिया दोनों का मिलाजुला रूप। प्रविधि के रूप में, वृक्ष-वलयों की गणना कर उनका काल निर्धारित किया है । प्रक्रिया के रूप में, इसका उपयोग काल विशेष की पारिस्थितिक

दशाओं का ज्ञान प्राप्त करने के लिए किया जाता है। इस पद्धति के आधारभूत सिद्धांत के रूप में यह माना जाता है कि वृक्ष-वलय अथवा उसके रेशे का वार्षिक विकास होता है। जहां जलवायु-परिवर्तन नियमित रूप में होता है, वहां एक वर्ष में वृक्ष का एक ही वलय बनता है। सभी वृक्षों के वलय एक जैसे नहीं होते। वृक्षों की आयु के बढ़ने के साथ-साथ उनके वलयों की मोटाई कम होती जाती है। मृत-वृक्षों के वलयों की गणना कर उनकी तिथि निर्धारित की जा सकती है।

व्यवहार में, वलय-विश्लेपण कार्य में अनेक कठिनाइयां हैं। वृक्ष-वलयों के पुरातात्त्विक अध्ययन के लिए दो बातें आवश्यक हैं: (1) काफी मात्रा में लकड़ी या लकड़ी के कोयले के वृक्ष-वलय के नमूने उपलब्ध हों। (2) प्राप्त नमूनों के काल को प्रति-निर्धारित कर लिया गया हो। इस पद्धति का पुरातत्व में सर्वप्रथम प्रयोग सन् 1,929 ई० में, ए०ई० डगलस ने किया था।

devotional image — **प्रतिष्ठित प्रतिमा, उपास्य मूर्ति**

मंदिरों में रखी गई वह विशेष प्रतिमा, जिसकी प्रतिदिन विधिवत् पूजा, अर्चा या उपासना की जाती हो।

diaconicum — **पात्र-भंडार**

प्राचीन गिरजाघरों का वह सुरक्षित स्थान, जहां पर पवित्र पात्रों और परिधानों को रखा जाता है। पूर्वी गिरजाघरों में, यह पूजाघर की विपरीत दिशा में या वेदी-कक्ष के उत्तरी भाग में बनाया जाता है।

diaglyph — **निम्नोत्कीर्ण**

किसी काष्ठ, धातु या प्रस्तर में, उसकी सतह पर भीतर की ओर खोदकर की गई पच्चीकारी या शिल्पकला।

diaphanous — **पारदर्शक**

वह वस्तु (जैसे महीन कपड़ा या शीशा), जिसके बीच में या सामने रहने पर भी उसके आर-पार की चीज दिखाई दे। **झीना वस्त्र**

भारतीय कला में मूर्तियों में, पारदर्शक वस्त्रों का प्रयोग व्यापकरूप से हुआ है।

dibble — **खोंसनी, फाली, छिद्रर्धापत्र**

छिद्र करने के लिए प्रयुक्त छोटे आकार का हस्त-उपकरण।

die-struck coin — ठप्पांकित मुद्रा

वे सिक्के, जिन पर ठप्पे के माध्यम से चिह्न या लेख अंकित किए जाते थे। भारत में प्राचीन जनपदीय सिक्के तथा गुप्त सम्राटों के सिक्के प्रायः इसी विधि से अंकित किए जाते थे।

dig — खुदाई, उत्खनन

कुदाल या फावड़े आदि की सहायता से जमीन पर आघात कर, किसी स्थान विशेष की मिट्टी को खोदकर अलग करना, जिसका प्रयोजन जमीन में गड़ी या जमी वस्तु को बाहर निकालना होता है। भू-उत्खनन, प्राचीन ऐतिहासिक अवशेषों के ज्ञानार्जन का एक महत्त्वपूर्ण साधन है।

digging stick — खनन-यष्टि, खंती, खननी

भूमि को पोली करने के लिए बनाया गया सीधी लकड़ी का एक प्रागैतिहासिक उपकरण। आहार-संग्रहण अर्थव्यवस्था तथा नवपाषाण काल में, पादप-जड़ों को खोदने तथा कृषि-कर्म में इसका प्रयोग किया जाता था। बाद में, इसका स्थान कुदाल और हल ने ले लिया।

diluvial man — हिमानी युग मानव

यूरोप में, हिमनदीय काल में रहनेवाले वे मानव, जिनके जीवाश्म-प्ररूप उत्खननों के माध्यम से प्राप्त हुए हैं।

dipper — डिपर, बड़ा चमचा, चंबू

जल या तरल पदार्थ इत्यादि को किसी दूसरे पात्र से निकालने के लिए बनाया गया एक प्रकार का उपकरण, जिसका हत्था काफी लंबा होता है।

dirk — डर्क

एक-प्रकार की कटार, जिसे पूर्ववर्ती युग में, स्कॉटलैंड के हाइलैंडर प्रयोग व्यवहार में लाते थे।

disc — चक्रिका बिंब, चक्र

(अ) एक चपटी वर्त्तलाकार प्लेट या तश्तरी जैसे धातु की रकाबी।

(आ) क्रोड उपकरण; टेढ़े-मेढ़े किनारोंवाला क्रोड उपकरण। अव्यवस्थित रूप से शल्क निकालने के कारण, इसके उभय पृष्ठ सममितीय न होकर टेढ़े-मेढ़े होते हैं। यह चपटा, पतला और गोलाकार बना है। देखने में यह लगभग तश्तरीनुमा होता है।

(३) चंद्रमा या सूर्य का मंडल ।

मिस्री पुरातत्त्व में एक मंडलाकार रचना, जो सूर्य का प्रतिनिधित्व करती थी। मिस्री सम्राट अख्नातोन ने, सूर्य की उष्णता को देवत्व का स्वरूप प्रदान किया ।

disc barrow — **बिंबाकार स्तूप**

चपटा तथा गोलाकार स्तूप ।

disc-base — **गोल पेंदा**

वह पात्र या स्तंभ जिसका आधार गोल हो ।

discoid — **1. चक्रिल उपकरण, चक्राकार उपकरण**

तश्तरी के आकार के पाषाण उपकरण, जो विशेषतः दक्षिण-पश्चिमी संयुक्त राज्य अमरीका में प्राप्त हुए हैं। इन उपकरणों के बीच के भाग को कभी-कभी छिद्रित भी बनाया जाता था ।

2. चक्राभ, बिंबाभ

तश्तरी के आकार का, चपटा और गोलाकार ।

discus — **चक्र**

गाड़ी के पहिए के आकार का एक प्राचीन अस्त्र, जो गोलाकार होता था तथा किसी भारी पत्थर, धातु या लकड़ी का बनाया जाता था। शक्ति-परीक्षा और कुशलता जांचने के लिए इसका प्रयोग किया जाता था ।

भारतीय कला में विष्णु के हाथ में गोल चक्र प्रदर्शित हुआ है।

discussion pose — **वितर्क मुद्रा**

खड़े रहने तथा बैठने आदि के समय शरीर के अंग, मुख तथा हाथ इत्यादि की ऐसी भाव-भंगिमा, जिससे चिंतनमग्न होने या तर्क-वितर्क की गंभीर मुद्रा प्रदर्शित हो। अजंता में, नागराज के चित्र में, इस मुद्रा का प्रदर्शन हुआ है। बुद्ध तथा शिव की अनेक प्रतिमाओं में यह मुद्रा मिलती है ।

dish lid — **पात्र-ढक्कन, कटोरा-ढक्कन**

मिट्टी या धातु का बर्त्तन ढकने के लिए प्रयुक्त ढक्कन जैसा पात्र। यह अलग से भी हो सकता है और बर्त्तन के साथ जुड़ा हुआ भी हो सकता है ।

disk

अ० दे० disc

ditch खाई

भूमि को खोदकर बनाई गई नहर के आकार की एक रचना, जिसे प्राचीन काल में रक्षा के प्रयोजन से किले के चारों ओर बनाया जाता था। इसमें पानी भर दिया जाता था, ताकि शत्रु किले की दीवार तक न पहुंच सके। इसका प्राचीन नाम 'परिखा' मिलता है।

ditcher खनक

खाइयों को खोदने या उनकी मरम्मत करनेवाला।

diver गोताखोर, निमज्जक

गहरे पानी में गोता लगाकर जलमग्न वस्तुओं को ऊपर लाने का कार्य या व्यवसाय करनेवाला। आजकल काफी समय तक जल के नीचे पर्यवेक्षण करते रहने के लिए आक्सीजन देने की व्यवस्था ऊपर से की जाती है। जलमग्न पुरातात्त्विक वस्तुओं को प्राप्त करने के लिए ऐसे गोताखोरों से सहायता ली जाती रही है।

divine Mother (= Mother Goddess) मातृदेवी

मातृत्व या प्रजनन शक्ति का प्रतिनिधित्व करनेवाली देवी; मातृका। विश्व की प्राचीन संस्कृतियों में मातृ देवी का विशेष महत्त्व था। उसकी मूर्तियां मिट्टी तथा पत्थर से बनाई जाती थीं। भारत में ऐसी मूर्तियां हड़प्पाकालीन सभ्यता तथा मौर्य काल में मिली हैं। मूर्तियों तथा सिक्कों में 6 मातृकाओं के पुत्र कार्त्तिकेय को 6 सिरवाला दिखाया गया है। गुप्तकाल में, सप्तमातृकाओं के पूजन का प्रचलन था।

dobe कच्ची ईंट

धूप में सुखाई गई ईंट। ईंट थापने से पूर्व, दृढ़ता लाने के लिए मिट्टी के गारे में कभी-कभी भूसा मिला दिया जाता था और गारे को प्रायः चौकोर ईंट का आकार दिया जाता था। विश्व की अनेक प्राचीन सभ्यताओं में भवन-निर्माण के लिए कच्ची ईंटों का प्रयोग होता था, जिसके अवशेष पुरातात्त्विक उत्खननों में मिले हैं।

doki अकाचित भांड

बिना चमकाए या बिना पालिश किए गए मिट्टी के बर्तन।

dolmen महापाषाण तुंब, डॉलमेन

अनेक विशाल पत्थरों की सहायता से निर्मित एक प्रकार की प्रागैतिहासिक

रचना । बहुधा इसे तुंब या समाधि माना गया है । यह प्राचीन समाधि छत की तरह विशाल पत्थरों पर टिकी रहती थी ।

डालमेन शब्द का प्रयोग विगत शताब्दियों में, महापापाण गृह-तुंबों के लिए भी होता रहा है ।

dolmen deity **डॉलमेन मूर्ति**

शैलकृत तुंबों एवं महापापाण स्मारकों के काल की एक रहस्यमय आकृति या देवाकृति । अपने सरलतम रूप में, ये आकृतियां, दो आंखें और उन पर भौंहें बनाकर अंकित की गई हैं । स्तनों तथा कंठहार की रचना से, इनके स्त्री होने का पता चलता है । फ्रांस की एक एकाश्म मूर्ति में इसका पूरी तरह अंकन किया गया है । कुछ विद्वानों ने इसे भूदेवी, मृत्युदेवी या उर्वरता की देवी माना है ।

dolmenoid cist **महापापाण शवाधानी**

पुराकाल में, मृत शरीर को गाड़ने के लिए बनाई गई क़ब्र, जिसके ऊपर विशाल पापाणों का आच्छादन रहता था ।

donative inscription **दान संबंधी लेख, दान-लेख**

वह अभिलेख, जिसमें किसी संपत्ति को सदा के लिए, किसी व्यक्ति या संस्था को दान रूप में दिए जाने का उल्लेख हो । प्राचीन काल में शिक्षा संस्थाओं और मंदिरों को चल व अचल संपत्ति दान में दी जाती थी, जिसका उल्लेख ताम्र-पत्रों में मिलता है ।

donatory record **दान-अभिलेख, दानपत्र**

वह रिकार्ड या अभिलेख, जिसमें किसी चल या अचल संपत्ति किसी को दान रूप में देने का उल्लेख हो ।

Dorians **डोरियायी**

प्राचीन यूनान की एक शक्तिशाली प्रजाति, जिसने बारहवीं शताब्दी ई० पू० में, माइसिनी सभ्यता को विनष्ट किया । ये लोग क्रीट में डोरिस, मेगेरिस, आरगोलिस, लेकोनिया एवं मेसोनिया तथा एशिया माइनर के तटवर्ती प्रदेशों में बस गए । यूनान में कोरिन्थ और स्पार्टा उनकी प्रमुख राजधानियां थीं । अधिकतर स्थानों के मूल निवासियों ने, इन्हें आत्मसात कर लिया । आयोनियायी लोगों की तुलना में, ये लोग विज्ञान में कम रुचि रखते थे तथा उनके समान कला-प्रेमी नहीं थे । वास्तुकला में, इनकी विशेष अभिरुचि थी । यूनान के नगर-राज्यों के विकास में इन्होंने महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की थी ।

dorsal face पृष्ठ मुख

(1) किसी उपकरण का पिछला भाग। (2) सिंहासन या वेदी का पृष्ठ भाग, (3) किसी कक्ष की दीवार पर टंगा बहुमूल्य पर्दा या लटकन।

dorsal side पृष्ठ भाग

किसी उपकरण का पिछला पार्श्व।

downward measurement अधोमुखी माप

पुरातात्त्विक उत्खनन में प्राप्त वस्तु विशेष की धरातल से दूरी या गहराई नापने के लिए प्रयुक्त माप।

dowsing डाउसिंग

भूगर्भित सामग्री की खोज के लिए प्रयुक्त प्रविधि, जिसमें अंग्रेजी के 'Y' आकार के दंड का प्रयोग किया जाता है। पुरातत्ववेत्ता इसके प्रयोग का कोई वैज्ञानिक आधार नहीं मानते। भारतीय पुरातत्त्व में इसका प्रयोग नहीं मिलता।

Dravidian civilization द्रविड़ सभ्यता

भारत में रहनेवाली प्राचीनतम प्रजातियों में से एक। इनका संबंध दक्षिण भारत से माना गया है। कुछ विद्वानों के अनुसार, ये भारत के आदिम निवासी थे, पर कुछ इन्हें बिलोचिस्तान की ब्राहुई नाम की एक प्रजाति की शाखा मानते हैं। द्रविड़ लोगों का दक्षिण भारत में आज भी प्रभुत्व है। तमिल, तेलुगु, मलयालम तथा कन्नड भाषा-भाषी लोग इस सभ्यता का प्रतिनिधित्व आज भी करते हैं। यह उल्लेख्य है कि द्रविड़ देवी-देवताओं का समावेश वैदिक धर्म में हुआ।

dress 1. तराशना

धारदार उपकरण से किसी वस्तु या उपकरण को परिष्कृत करना। परिष्कृत ईंटों तथा पत्थरों का प्रयोग प्राचीन भारतीय भवनों में बड़े पैमाने पर मिलता है।

2. प्रसाधन

अलंकार, शृंगार या सजावट का साज-सामान।

dressed तराशा हुआ

काट या घिसकर चिकनी सतह किया गया पत्थर (आदि)।

dressed face — **प्रसाधित मुख**

1. काटकर तथा घिसकर चिकना किया गया मुख भाग ।
2. अलंकार, शृंगार, सजावट आदि से युक्त मुख ।

dromos — **तुंब मार्ग**

किसी भूगर्भित तुंब या मक़बरे का प्रवेश-मार्ग ।

druids'al tar (=dolmen) — **डोलमेन, महापाषाण तुंब**

अनेक विशाल पत्थरों की सहायता से निर्मित एक प्रकार की पुराकालीन रचना । बहुधा इसे तुंब या समाधि माना जाता है । यह प्राचीन समाधि छत्र की तरह विशाल पत्थरों पर टिकी रहती थी ।

Durrington wall — **डूरिंगटन प्राचीर**

इंग्लैंड का एक प्रसिद्ध प्रागैतिहासिक अवशेष । दो द्वारों से युक्त 487.600 मीटर व्यासवाला हेंज स्मारक । इस स्थान पर सर्वप्रथम मध्य नव-पाषाण काल में विंडमिल हिल शैली के मृद्भांड बनानेवाले लोगों ने रहना आरंभ किया । जिस समय रेन्यो-क्लेक्टन मृद्भांडों का प्रयोग किया जाता था, उस समय हेंज-स्मारकों का निर्माण भी हुआ । यहां पर खुदाई में बाड़े के अंदर काष्ठ निर्मित दो स्तंभ-गर्त्त मिले हैं, जो लगभग उसी काल के माने जाते हैं ।

dyke (=dike) — **डाइक, तटबंध**

1. नदी या समुद्र के जल को आगे बढ़ने से रोकने के लिए बनाई गई ऊंची मेंड़, जो अधिकतर पक्की होती हैं, विशेषकर नदी के जल को बाढ़ के समय बस्ती में घुसने से रोकने के लिए बनाया गया बांध ।

2. प्रागैतिहासिक काल की मिट्टी या बिना चिनाई किए गए पत्थरों की एक ऋजुरेखीय रचना ।

Dynastic Culture — **वंशीय (मिस्र) संस्कृति**

मिस्र के प्राचीन इतिहास को 21 राजवंशों में विभाजित किया जाता है । इन राजवंशों के लोग प्राय: रक्तसंबंधी थे । इन राजवंशों के काल में एक विशेष संस्कृति का प्रादुर्भाव हुआ । इस काल में धर्म, खान-पान, रहन-सहन इत्यादि के क्षेत्र में अभूतपूर्व उन्नति हुई । राजवंशीय संस्कृति ने बाद की देशी और विदेशी संस्कृतियों को बहुत हद तक प्रभावित किया ।

E

early Helladic Culture

प्रारंभिक हैलाडिक संस्कृति

यूनान की कांस्ययुगीन प्रागैतिहासिक संस्कृति । यूनान की कांस्ययुगीन संस्कृति को प्रारंभिक, मध्य एवं उत्तरवर्ती कालों में विभाजित किया गया है । उत्खनन में प्राप्त सबसे प्राचीन कांस्ययुगीन अवशेष प्रारंभिक हैलाडिक संस्कृति के हैं । इसका काल 2,500 से 2,000 ई० पू० माना गया है ।

ear ornament

कर्णभूषण

मनुष्यों, विशेषकर स्त्रियों द्वारा कान में धारणीय जेवर, जो प्रागैतिहासिक काल से ही भिन्न-भिन्न आकार-प्रकारों में हैं और पत्थरों, धातुओं आदि से बनाए जाते रहे हैं ।

ear pendant

कर्ण-कुंडल

कान में पहनने का लटकनदार और मंडलाकार आभूषण । बाली, मुरकी आदि कुंडलों के अंतर्गत ही परिगणित की जाती हैं ।

earth work

1. गढ़बंदी, वप्र

मुख्यत: गारे या मिट्टी से बनी एक प्रकार की स्थायी या अस्थायी किलेबंदी, जिसका उद्देश्य बाह्य आक्रमण के विरूद्ध रक्षा करना होता है ।

2. मिट्टी का काम

मिट्टी से मूर्त्ति, वर्त्तन, दीवार आदि बनाने का काम ।

edge

कोर, किनारा, धार

किसी उपकरण या हथियार का काटनेवाला तेज व पैना किनारा, जैसे तलवार और चाकू की धार ।

edge grinding

धार घर्षण

किसी उपकरण या औज़ार की कोर को रगड़ या घिसकर धार तेज करना ।

effigy mound **प्रतिक रूप टील**

अमरीका के ऊपरी मिसीसिपी क्षेत्र में, लगभग 1.23 मीटर ऊंचे तथा कई सौ मीटर लंबे शवाधान टीले, जिनकी आकृति जानवरों और पक्षियों से मिलती-जुलती होती थी। उनकी रचना 700-800 ईसवी पूर्व हुई मानी जाती है।

egg and anchor moulding **अंड-लांगल सज्जा-पट्टी**

एक प्रकार का अलंकरण, जिसमें अंडा तथा शंकु या लगर तथा जिह्वा की आकृति क्रम से बनाई जाती है, जैसे, क्रमानुसार अलंकरण के लिए अंड के बाद शंकु की आकृति बनाना।

egg and dart design **अंड-शर सज्जा**

श्रेण्य वास्तुकला में प्रयुक्त एक प्रकार की अलंकरण पट्टी, जिसमें अंडे और तीर की आकृतियां एक दूसरे के बाद क्रमशः बनाई गई हों।

egg shell porcelain **अंड-वल्क पोर्सिलेन**

चीनी मिट्टी के बने बहुत अधिक पतले तथा हल्के बर्तन।

Egorai ware **इगोरी भांड**

कोरिया के कोरई वंश के काल में बनाए गए एक विशिष्ट प्रकार के मिट्टी के बर्तन, जिनकी सतह पर पालिश रहती थी और अनेक पुष्प प्रतीक बने होते थे।

Egyptian papyrus **मिस्री पेपाइरस**

(अ) प्राचीन मिस्रवासियों, यूनानियों तथा रोमनों द्वारा प्रयुक्त लेखन सामग्री। पेपाइरस पौधे की पतली पट्टियों को एक साथ जोड़, दबा और सुखाकर कागज की तरह प्रयोग में लाया जाता था।

(आ) वह प्राचीन प्रलेख, पांडुलिपि या पत्रावली, जो पेपाइरस पर लिखी गई हो।

ekotoba **पटचित्र, इकोटोबा**

वह सचित्र पत्रावली, जिसमें चित्र के साथ लेख भी हो।

Elam Culture **इलाम संस्कृति**

दक्षिण पश्चिमी ईरान की करकेह तथा करुह नदियों की उन चौड़ी-निचली घाटियों में पनपी संस्कृति, जो भौगोलिक दृष्टि से, मेसोपोतामिया के दक्षिणी

मैदान का विस्तार थी । अपनी भाषा की आवश्यकतानुसार इन घाटियों में बसे इलाम लोगों ने नई चित्र लिपि का आविष्कार किया । आगे चलकर इन्होंने अक्कादी कीलाक्षर लिपि का प्रयोग किया । इलाम सभ्यता का काल पंचम सहस्राब्दी ई०पू० आंका गया है । तृतीय सहस्राब्दी ई०पू० में, इलाम के लोगों ने, बेबिलोनिया पर आक्रमण ही नहीं किया, वरन् वहां से अनेक वस्तुएं विजय-चिह्न के रूप में ले आए, जिनमें हम्मुराबी की संहिता भी एक थी ।

El Argar Culture अल-आर्गर संस्कृति

दक्षिण-पश्चिमी स्पेन के अल्मेरिया में स्थित उस पूर्व नवपाषाणकालीन ग्राम में पनपी संस्कृति, जहां से अल्मेरी संस्कृति के प्रारंभिक चरणों के प्ररूप-स्थल प्राप्त हुए हैं । इनके आयताकार गृहों के अवशेषों में, बहुत कम वस्तुएं प्राप्त हुई हैं । प्राप्त अवशेषों से इस संस्कृति की दो प्रावस्थाओं का ज्ञान होता है । ताबूत तथा कलश-शवाधान अवशेषों में मिले हैं । इनके मृद्‌भांड अलंकृत है, जो सादे कटोरे के आकार के बने हैं, पर कहीं-कहीं से नौतलाकार भी मिले हैं । इस संस्कृति का पूर्वीय देशों से व्यापारिक संबंध भी था ।

elevation उत्सेध, ऊंचाई

किसी निम्न स्तरीय संरचना को, नीचे के तल से ऊपरी तल तक, निर्माण के लिए ले जाने की प्रक्रिया ।

embossed figure समुद्‌भूत आकृति

अपने धरातल से बाहर उभरी हुई मूर्त्ति ।

embossed in low relief कम उभार (ठप्पे चित्र)

एक प्रकार की निम्नोद्‌भृत आकृति, जो सतह से थोड़ी-सी ऊपर, बाहर की ओर उभरी हो ।

embossed ornament समुद्‌भूत अलंकरण

(अ) किसी वस्तु, सतह या धरातल पर उभरे हुए अक्षरों या आकृतियों के रूप में बनाए गए अलंकरण ।

(आ) वह अलंकरण या गहना, जिसमें आकृतियां ऊपर की ओर उभरी हों ।

Emmer Wheat एमर गेहूं

एक प्रकार की जंगली घास, जिससे वर्तमान गेहूं विकसित हुआ । एमर

गेहूं, वन्य एमर घास का एक रूप है, जो पूर्वी भूमध्यसागर और पश्चिमी यूरोप में उत्पन्न किया जाता था। यह डिकिल गेहू से श्रेष्ठ होता है, जो जंगली डिकिल घास से विकसित किया जाता था। यह घास मध्य यूरोप में उत्पन्न की जाती थी। प्राचीन प्रागैतिहासिक आवासों में इसके अवशेष मिले हैं। आधुनिक गेहूं, एमर गेहूं और अन्य किसी घास के संकर से बना होगा।

empaistic — उद्भूत, जटित

किसी एक धातु पर, दूसरी धातु का अलंकरणार्थ बैठाना या जड़ना। धातुओं को एक दूसरे में जड़ने की कला बहुत प्राचीन काल से प्रचलित रही है।

enamelled ware — आकाचित भांड, मीने के भांड

एक विशेष प्रकार की धातु या मिट्टी के बर्त्तन, जिनके धरातल में अलंकरण या संरक्षण के लिए संगलन द्वारा कांचवत् पदार्थ को आरोपित किया जाता था। ताम्रचीनी से बने मीना या कलई किए हुए बर्त्तन को आकाचित भांड कहा जाता है।

encaustic tile — दग्धालंकृत टाइल

(अ) आग में पकाई गई काचाभ रंगों से अलंकृत एक प्रकार की खपरैल या काचाभ खर्पर।

(आ) दीवार या फर्श पर लगाई जानेवाली रंगीन टाइल या रंगीन खर्पर।

enclosed skeleton — परिवृत्त कंकाल

चारों ओर से घिरा हुआ अस्थि पंजर।

end scraper — अंतस्थ खुरचनी, अंतस्थ क्षुरक, अंत्य खुरचनी

प्रागैतिहासिक पाषाण उपकरण, जो खुरचनी या क्षुरक का ही एक प्रकार है। अंतस्थ खुरचनी में कार्यकारीधार, शल्क अथवा क्रोड के सिरे अथवा उसकी छोटी भुजा पर बनी होती थी।

यह उपकरण शल्क या फलक दोनों पर बनाया जाता था। इसका कार्यांग भाग उन्नतोदर होता है। इसके एक तल पर प्राथमिक शल्कीकरण तथा दूसरे तल पर द्वितीयक शल्कीकरण होता है। कभी-कभी दोनों छोरों पर भी कार्यांग बना होता है। अनुमान है कि इसका उपयोग अस्थि एवं लकड़ी को खोखला करने, छाल एवं चमड़ा उतारने के लिए किया जाता होगा। यह

उल्लेख्य है कि कार्यकारी धार सीधी अथवा अधिकांशतः ढलवां होती है। इसे 'नासिका खुरचनी' कहा जाता है।

engobe

अधोलेप

(अ) किसी वस्तु पर ऐसे रंग का लेप करना, जो सामान्यतः उस वस्तु के मूल रंग से अलग हो।

(आ) वह अपारदर्शी लेप, जो मुख्यतः बाहरी लेप का आधार-लेप होता है।

engraved seal

उत्कीर्ण मुद्रा, खुदी मुहर

वह मुद्रा, जिसमें लेख या अलंकरण खोदकर किया गया हो। हड़प्पा संस्कृति की मुद्राओं के अतिरिक्त, भारत के अनेक स्थलों से प्राप्त उत्कीर्ण मुद्राएं अलंकृत और उत्कृष्ट कोटि की हैं।

entrance grave

प्रवेश-शवाधान

एक प्रकार का गृह-तुंब, जिसमें वीथी क़ब्र और सुरंग क़ब्र, दोनों की विशेषताएं सन्निहित होती हैं। गोलाकार तुंब, सुरंगक़ब्र परंपरा से मिलता-जुलता है, परंतु इसके प्रवेश-मार्ग और अंत्येष्टि-कक्ष में कोई विभेद नहीं है।

eolithic tool

उषः पाषाण उपकरण

मानव-निर्मित सबसे प्राचीन उपकरण। इन उपकरणों में अनगढ़ कर्तित शल्क बने थे। इनका काल अत्यंत नूतन युग से पूर्ववर्ती माना जाता है। आज-कल विद्वानों में इस बारे में मतैक्य है कि इन आदि पाषाण-उपकरणों का कर्तन प्राकृतिक क्रिया से हुआ था। उषः पाषाण-उपकरण मुख्य रूप से शल्क उपकरण हैं। ये क्षुरक के रूप में गढ़े हुए या बने हैं। कुछ क्रोड उपकरण भी मिले हैं। इंगलैंड में मानव द्वारा निर्मित, उन प्राचीनतम उपकरणों की गणना इसी कोटि में की जाती है, जो प्राक्-क्रैग स्तरों से प्राप्त हुए थे। इन उपकरणों को मानव-निर्मित उपकरण कहना कुछ विद्वानों के मतानुसार युक्ति संगत नहीं है।

epigraph

1. उत्कीर्ण-अभिलेख

किसी टिकाऊ सामग्री, जैसे धातु या प्रस्तर इत्यादि से बनी वस्तु पर सतह खोद कर लिखा गया लेख। सामान्यतः ऐसे लेख किसी भवन की दीवार या मूर्ति पर उत्कीर्णित किए जाते थे।

2. शिलालेख

पत्थर पर सतह खोद कर लिखा गया प्राचीन लेख।

3. पुरालेख

प्राचीन काल में लिखा गया लेख; पुराने समय में लिखित या तक्षित लेख।

epigraphic monument **पुरालेखीय स्मारक**

प्राचीन काल में तक्षित हुए या लिखे गए लेख वाला स्मारक। प्राचीन काल में, किसी व्यक्ति या घटना विशेष की स्मृति को बनाए रखने के लिए भवनों आदि पर इस प्रकार के लेख लिखे जाते थे।

epigraphist **पुरालेखवेत्ता**

वह व्यक्ति, जो प्राचीन लिपियों का अध्ययन, उद्वाचन या विवेचन करता हो। अनेक अप्रचलित और लुप्त लिपियों की खोज करने या उन्हें पढ़नेवाले व्यक्ति को भी पुरालेखवेत्ता कहा जाता है।

Epi-Palaeolithic Culture **अनुपुरापाषाणकालीन संस्कृति**

प्रौद्योगिक रूप से पुरापाषाणकालीन परंपराओं पर आश्रित वह संस्कृति जो पूर्व उत्तर हिमानी काल में प्रचलित कही जाती है।

episcenium **नाट्यमंच, रंगशाला**

यूनानी तथा रोमन प्राचीन नाट्यशालाओं का स्थायी दृश्यपट, उसकी दीवार और मेहराबदार या आयताकार द्वार-भाग, जो मंच तथा गायनकक्ष के मध्य भाग में स्थित रहता था।

epitaph **1. समाधि लेख**

मकबरे या समाधि पर अंकित वह लेख, जिसमें दफनाए गए व्यक्ति का संक्षिप्त परिचय या उसकी प्रशंसा अंकित हो।

2. स्मृति-लेख

किसी मृत व्यक्ति की प्रशंसा में रचित लघु कविता या इसी प्रकार का छोटा लेख, जिसका उद्देश्य मृत व्यक्ति की स्मृति को बनाए रखना होता है।

Erechtheum **इरेक्थियम, एथिना देवी का मंदिर**

एथेंस में, पार्थिनान के दक्षिण-पश्चिमी भाग में, उच्च स्थान पर बना एक आयोनी मंदिर। यह मंदिर अंशतः यूनानी कथा-पुरुष, इरेक्थियस की स्मृति में बनाया गया था। इसमें नगर की अधिष्ठात्री एथेना पलास की मूर्त्ति तथा सिक्रोप्स का मकबरा बना है। यह मंदिर, विशेषकर मर्दनिका युक्त सुंदर द्वार मंडप के लिए प्रसिद्ध है।

एथेंस की अधिष्ठात्री देवी का मंदिर, विशेषकर एथेना पोलिया, पोसिडोन और एरिक्थियस का मंदिर। यह मंदिर आयोनी कला-शैली की सर्वाधिक सुरक्षित एवं संपूर्ण संरचना है। इस मंदिर का निर्माण ईसा पूर्व पांचवी शताब्दी के अंत में हुआ था।

erosion — अपरदन

भूमि की सतह का क्षरण या कटाव।

Erteboelle Culture — एर्तेबोले संस्कृति

पश्चिम बाल्टिक तटवर्ती क्षेत्र की अंतिम मध्यपाषाणकालीन संस्कृति। इसके सबसे महत्त्वपूर्ण अवशेष खाद्यावशिष्ट अंबारों या घूरे के निक्षेपों के रूप में लिटोरिना के तटों में मिले हैं। इसीलिए इसे खाद्यावशिष्ट अंबार या 'किचिन मिडिन' संस्कृति भी कहा जाता है। इस संस्कृति के निर्माताओं के निवास-स्थल तटवर्ती प्रदेश थे।

इस संस्कृति का विकास लगभग 5,000 ई० पू० में उत्तर-हिमनदीय काल में माना जाता है। एर्तेबोले संस्कृति की पश्चवर्ती प्रावस्थाओं में मिट्टी के बर्तनों को प्रयोग में लाया जाने लगा।

इस संस्कृति में, शल्क-कुठार, मैग्लेमोसाई क्रोड-कुठारों की तुलना में काफी अधिक मात्रा में बनने लगे थे। एर्तेबोले संस्कृति में, मुख्यतः कुठारों के साथ अस्थि-उपकरण मिले हैं।

Eskimo people — एस्किमो जन

उस प्रजाति के लोग, जिनका मुख्य निवास स्थान अमरीका का उत्तर ध्रुवीय तटवर्ती प्रदेश था। इस प्रजाति की प्रमुख शारीरिक विशेषताएं छोटा कद, पीतवर्ण तथा उभरी कपोल-अस्थि है। ग्रीनलैंड के विशुद्ध एस्किमों लोग बहुत अधिक दीर्घशिरस्थी होते हैं। ये मुख्य रूप से आखेट करते और मछली मारते हैं। अस्थि और हाथी दांत की नक्काशी में ये दक्ष हैं। नृविज्ञानियों के अनुसार इन लोगों की सभ्यता के प्राचीनतम अवशेष 1,000 ई० पू० के मिले हैं।

Eskimo umlak — एस्किमो उमियाक

एस्किमों लोगों की ऊपर से खुली हुई नाव। इस नाव के निर्माण के लिए पहले एक चौखटा बनाया जाता है, जिसकी मजबूती के लिए उसमें अनेक आड़े-तिरछे फट्टे लगाए जाते हैं और उन्हें चमड़े से ढक दिया जाता है। इस नाव

को सामान ढोने व यात्रियों को लाने-ले जाने के काम में लाया जाता है। यह पतवार से चलती है।

Etruscan **1. एट्रूरियावासी**

पहली सहस्राब्दी ई०पू० में उत्तरी मध्य इटली के क्षेत्र में बसे लोग। इन्होंने पर्याप्त उन्नत सभ्यता को जन्म दिया। यूनान, कार्थेज, अल्पाइन दर्रे के पार मध्य यूरोपी क्षेत्रों तक इनका व्यापरिक सपर्क था। इनके नगर विशाल तथा सुव्यवस्थित बने थे। इन लोगों के बारे में प्राप्त विवरण रोमवासियों के साथ संघर्ष के कारण, पक्षपातपूर्ण लिखे प्रतीत होते हैं। इन्होंने वर्णमाला यूनानियों से ग्रहण की थी। इनकी सभ्यता के मुख्य स्रोत मक़बरे हैं।

2. एट्रूरिया संबंधी, एट्रूरिया का

उत्तरी मध्य इटली के एट्रूरिया प्रदेश या आधुनिक इटली के टस्कनी प्रदेश का या उससे संबंधित।

ewer **झारी, भृंगार**

(अ) चौड़ी टोंटीवाली एक सुराही।

(आ) एक आधारवाला लंबा, पतला, तलीदार पात्र, जिसमें टोंटी और हत्था बना होता था। प्राचीनकाल में, तरल पदार्थों को सुविधापूर्वक निकालने के लिए ऐसे पात्र बनाए जाते थे।

ewery **भंडार, भांडागार**

(अ) पानी भरने के बड़े-बड़े वर्त्तनों तथा भोजनशाला में प्रयुक्त अन्य प्रकार के वर्त्तनों इत्यादि को सुरक्षित रखने का कमरा।

(आ) रसोईघर का वह स्थान, जहां पर वर्त्तनों को धोया तथा रखा जाता है।

excavated material **उत्खनित सामग्री**

उत्खनन में प्राप्त वस्तुएं, विशेषतया वह महत्त्वपूर्ण सामग्री, जिसका इतिहास-निर्माण में उपयोग किया जा सके।

excavated site **उत्खनित स्थल**

वह भूस्थल, जहां पुरातात्त्विक खुदाई की गई हो।

excavation **उत्खनन, खुदाई**

भूगर्भ स्थित वस्तुओं, जैसे भवन; मंदिर इत्यादि के प्राचीन अवशेषों

को, कुदाल, फावड़े आदि की सहायता से, अध्यारोपित मिट्टी से अलग, सतह के बाहर इस तरह व्यवस्थित रूप से उपस्थित करना कि अंतस्थ स्तरों तथा तत्संबंधी पुरावस्तुओं का उद्घाटन हो सके। इस तरह भूमि को खोदकर पुरावेत्ताओं ने, प्राचीन मानव संस्कृतियों का ज्ञान प्राप्त किया। उत्खनन में मुख्यत: क्षैतिजाकार तथा लंबवत् विधियों का प्रयोग किया जाता है।

excavation area — उत्खनन क्षेत्र, खुदाई क्षेत्र

वह स्थान, जहां पर वास्तव में खदाई हो रही या होनेवाली हो।

excavation line — उत्खनन रेखा

उत्खनन से पहले, किसी क्षेत्र में खुदाई का आरंभ करने से पूर्व अंकित रेखा, जो भावी उत्खनन-कार्यों का आधार होती है। संपूर्ण क्षेत्र में खूंटियां लगाई जाती हैं और भू-सतह पर चिह्न रेखा बना देते हैं। इन चिह्नित बिंदुओं या रेखाओं से नीचे की ओर खुदाई की जाती है। खदाई को नियंत्रित रखने के लिए ऐसा किया जाता है।

excavation site — उत्खनन स्थल

वह भूक्षेत्र, जिसे उत्खनित किया जाना हो या जो उत्खनन के योग्य हो।

excavator — उत्खनक

वह तकनीकी व्यक्ति, जो खुदाई का कार्य करता हो या जिसकी देख-रेख में खुदाई की जाए।

excised pottery — कर्तित मृद्भांड

अलंकृत करने के लिए, सतह पर खदाई के कार्य से युक्त और आग में पके मिट्टी के वर्त्तन।

इस प्रकार के विशेष मृद्भांडों की सतह पर अलंकृत करने के लिए काट-छांट या तक्षण कर आकृतियां बनाई जाती थीं। इन आकृतियों के खांचों को भरने के लिए प्राय: सफेद लेप भरा जाता था। तदुपरांत इन अलंकृत वर्त्तनों को आग में पका कर मज़बूत बनाया जाता था।

exhibit — 1. प्रदर्श

कोई सुंदर, मूल्यवान अथवा प्राचीन वस्तु, जो प्रदर्शनी अथवा संग्रहालय में दर्शनार्थ रखी हो।

2. प्रदर्शन, प्रदर्शित करना (क्रिया)

प्रदर्श वस्तु को दिखाने की क्रिया।

extensive excavation **विस्तृत उत्खनन**

वहुत अधिक विशाल क्षेत्र में की गई खुदाई । इस प्रकार का उत्खनन तब किया जाता है, जब किसी प्राचीन नगर या अवशेषों का वहुत वड़ा भंडार किसी क्षेत्र विशेष में भूगर्भित हो । नगर-संरचना के पूरे स्वरूप की सम्यक जानकारी हेतु इस प्रकार का उत्खनन किया जाता है ।

F

facetted tool **फलकित उपकरण, फलकित औज़ार**
पृष्ठाकार उपकरण, पृष्ठाकार औज़ार

एक प्रकार का औज़ार, जिसके धरातल को हीरे के लघु सपाट धरातल के समान पूर्णतः या अंशतः सपाट कर दिया गया हो । विविध पहलूवाला उपकरण भी फलकित उपकरण कहा जाता है ।

faceurn **मुख-कलश**

एक प्रकार का मिट्टी का बर्त्तन, जिसमें विशिष्ट अलंकरण के लिए मानव मुखाकृति को उच्च या निम्न उद्भृत रूप में बनाया गया हो ।

faience **प्रकाचित मृद्भांड**

लंकरण के लिए ही प्रयुक्त मिट्टी का पात्र । मूल रूप में, सोलहवीं से अठारहवीं शताब्दी ई० के मध्य फ्रांस में इस प्रकार के मृदा पात्र प्रचलित थे, जो प्रायः काफी कच्चे होते थे । य मृद्भांड प्रकाचित और अलंकृत होते थे ।

false entrance **छद्म द्वार**

(1) कक्षयुक्त लंबे स्तूप के छोर पर अलंकरण के लिए, द्वार के समरूप बनाई गई आकृति, जो कभी-कभी प्रांगण के सम्मुख होती थी । सामान्यतः इसी ओर वास्तविक द्वार का निर्माण किया जाता था ।

(2) किसी भवन, समाधि इत्यादि में बनी द्वार जैसी आकृति, जो द्वार नहीं होती, वरन् अलंकरण हेतु बनाई जाती है।

fasces — कुल्हाड़ी-हत्था

प्राचीन रोम के न्यायाधीशों के सम्मुख स्थापनीय, सत्ता की प्रतीक एक आकृति, जो छड़ों (शलाका) के समूह जैसी होती थी। इसके शीर्ष भाग में, कुल्हाड़ी या फरसा बना होता था। इसका धारवाला भाग बाहर की ओर निकला होता था।

Fatyanovo culture — फात्यानोवो संस्कृति

मध्य रूस में वोल्गा नदी के ऊपरी भाग में योरोस्लेव के निकट स्थित शवाधान क्षेत्र मे उत्खनित उत्तर कांस्ययुगीन संस्कृति। प्राप्त अवशेषों के आधार पर,यह कहा जाता है कि इस संस्कृति के लोग मृतकों को गोल कलशों में रख कर गाड़ते थे। इनके कुछ कलशों पर डोरी अलंकरण किया गया है। अवशेषो मे, मिट्टी के चक्रों की प्रतिकृति, पाषाण-परशु, ताम्रक्षुद्राभूषण इत्यादि प्राप्त हुए हैं। इनके शवाधान टीलों पर नहीं हैं। ये लोग एकल (*single*) शवाधान संस्कृति के वाहक थे।

Federmesser — फेदरमेसर

छोटा इकधारी फलक, जिसका आकार जेबी चाकू के समान होता है। यह उपकरण उत्तरी यूरोपीय क्षेत्र के उत्तर हिमानी मानव का विशिष्ट उपकरण था। इसका काल लगभग 9,850-8,850 ई० पू० माना जाता है। इसी प्रकार के लघु फलक ब्रिटेन के क्रेसवेली काल में भी मिले हैं।

feldspar — फेलसपार

खनिज विशेष।

feline monster — बिडाल मानव

वह काल्पनिक महाकाय मानव, जिसकी आकृति बिलाव से मिलती-जुलती है।

feretory — समाधि

वह उपासना-स्थान, जहां पर किसी संत या महात्मा के अवशेष सुरक्षित रखे हों।

ferober **सपक्ष बिंब, पंखदार चक्र, फेरोहर**

असीरी, बेबीलोनी तथा फारसी प्राचीन स्मारकों में बनी एक प्रकार की पंखदार तश्तरी। कभी-कभी इसमें मानव-आकृति भी बनाई जाती थी। असीरी देवता को विशेषतः असुरों का प्रतीक माना जाता है।

fertile crescent **उर्वर चाप, अर्ध चंद्र, उर्वर क्षेत्र, फरटाइल क्रेसेंट**

(1) लेवेंट से ईराक़ तक की उपजाउ भूमि।

(2) प्रागैतिहासिक दक्षिण-पश्चिमी एशिया का वह उपजाऊ प्रदेश जो फिलस्तीन से लेकर फारस की खाड़ी तक फैला था। अति प्राचीन काल में, यहां पर अनेक जातियों ने प्रवास किया, जिनमें मुख्य सुमेरी, असीरी तथा सेमेटिक जातियां थीं। इस उर्वर क्षेत्र में अनेक प्राचीन सभ्यताएं पुष्पित और पल्लवित हुईं।

fictile **अभिघट्य मृत्तिक**

विशेष प्रकार की ऐसी मिट्टी, जिसे किसी विशिष्ट आकार-प्रकार में सरलता से गढ़ा या ढाला जा सके।

कला-वस्तु के रूप में ढली मृत्तिका से बनी; मृद्भांडों से संबंधित अथवा ढलाई के योग्य मिट्टी।

field archaeology **प्रायोगिक पुरातत्व, क्षेत्र-पुरातत्व**

प्रायोगिक पुरातत्व के अंतर्गत परिगणित सर्वेक्षण, उत्खनन, अभिलेखन तथा फोटोग्राफी आदि। संपूर्ण उत्खनन विज्ञान ही वास्तव में क्षेत्र पुरातत्व है। इसे पुरातत्व विज्ञान का व्यावहारिक पक्ष भी कहा जा सकता है।

field excavator **क्षेत्र-उत्खनक**

पुरातात्त्विक स्थलों को खोदने का कार्य करने या करानेवाला व्यक्ति।

field recording **क्षेत्र-अभिलेखन**

उत्खनन के समय किसी पुरातात्त्विक क्षेत्र का विवरण रखने की क्रिया। इसके लिए खुदाई के पहले खाइयां या जालक बनाए जाते हैं। संपूर्ण खुदाई क्षेत्र में, खूंटियां गाड़ दी जाती हैं। क्षेत्र-पुरातत्व में लेख-प्रमाण का सर्वोप

महत्त्व है। क्षेत्र-अभिलेखन में, खुदाई-स्थान, अवशेषों का प्राप्ति स्तर, गहराई, वस्तु-नाम आदि का विवरण तथा प्राप्त वस्तु के आकार-प्रकार विषयक अन्य आवश्यक सूचनाओं का उल्लेख रहता है। उत्खनन के दौरान या खुदाई की परिसमाप्ति पर, इन विवरणों का विस्तृत अध्ययन कर पुरातत्ववेत्ता एवं इतिहासकार इतिहास का शोधन या प्रणयन करते हैं।

figurer चित्रक

आकृतियों को बनाने में दक्ष व्यक्ति, विशेपतया वह व्यक्ति, जो मृदापात्रों के लिए आकृतियां बनाता हो।

figure stone आकृति पाषाण

आकृति-अंकित पत्थर। ये पत्थर प्रायः विविध आकार-प्रकारों तथा रंगों में होते हैं।

figurine लघु मूर्ति, मृत्तिका

एक छोटे आकार की तक्षित या ढली मूर्ति।

figurism (=symbolism) प्रतीकवाद

कला के क्षेत्र मे, अभिव्यंजना की विशिष्ट शैली, जिसमें प्रतीकों, चिह्नों जड़ या जगम आकृतियों के माध्यम से भावों, वस्तुओं तथा विषयों आदि का बोध कराया जाता है। हीनयान कला में, बुद्ध की उपस्थिति को बताने के लिए अनेक प्रतीकों का प्रयोग किया जाता था, जैसे केवल पदचिह्न बुद्ध के महाभिनिष्क्रमण की ओर इंगित करते हैं। सांची और भरहुत के स्मारकों में गौतम बुद्ध के जीवन की कथा चित्रित करने के लिए प्रतीकों का आश्रय लिया गया है। ईसाई धर्म का सबसे महत्त्वपूर्ण प्रतीक क्रूस रहा है, जो ईसा-मसीह को शूली पर चढ़ाने की घटना का प्रतीक है।

figury चित्रित, अलंकृत

आकार या अलंकरण से युक्त। किसी उपकरण, वस्तु, मूर्ति या वर्तन आदि का आकृति या अलंकरण से युक्त होना।

fill भराव

(अ) किसी उत्खनित भूमि की खाली जगह को मिट्टी, कंकर, पत्थर आदि से भरना।

(आ) वाध बनाने, किसी गहरे या निचले स्थान के तल को मिट्टी, बजरी या पत्थर आदि से भर कर ऊंचा उठाना।

filing motif — **स्थानपूरक अलंकरण**

रिक्त स्थानों को भरने के लि[illegible] का उपयोग। भारतीय शिल्प में, [illegible] स्वस्तिक, पशु-पक्षी आदि का प्रयोग [illegible] ई०पू० के यूनानी मृद्भांडों में, इस [illegible]

find — **प्राप्त वस्तु**

उत्खनन इत्यादि से प्राप्त अवशेष आदि।

find spot — **प्राप्ति-स्थल**

किसी प्राचीन या पुरातात्विक महत्व की वस्तु के मिलने का स्थान; वह स्थान, जहां से पुरावशेष मिले हों या मिलने की संभावना हो।

finger tip ornament — **टिकुली अलंकरण**

मृद्भांडों तथा शिलागृह-चित्रों में प्राप्त एक प्रकार की सजावट। इसमें धरातल को अंगुली के पोरे से दबाकर अलंकृत किया जाता था।

fire altar — **यज्ञवेदी**

(1) वैदिक काल में, प्राचीन भारतीय आर्यों द्वारा धार्मिक कृत्यों को संपन्न करने-कराने के लिए विशेषकर ईंटों से बनाई गई एक चौकोर संरचना, जिसमें आग जलाकर आहुति दी जाती थी। यह प्रथा हिंदू समाज में, विशेष धार्मिक व सामाजिक अवसरों पर आज भी प्रचलित है। हवन करने की कुंडी को भी यज्ञवेदी कहा जाता है।

अग्निवेदी

(2) पारसी धर्म में, अग्नि-मंदिर का वह स्थान, जहां पवित्र अग्नि-कुंड बना हो।

fire pit — **अग्नि-कुंड**

धार्मिक व सामाजिक अवसरों पर होम करने के लिए भूमि में खोदा या बनाया गया गड्ढा; हिंदू धर्म के अतिरिक्त पारसी धर्म में भी अग्नि-कुंड का विशेष महत्व रहा है।

fishroe pattern — **मत्स्यांड नमूना, छिद्रित नमूना**

वास्तुकला एवं अलंकरण म प्रयुक्त ऐसा नमूना, जिसमें छेद अथवा रंध्र बनाए गए हों। ये देखने में मछली के ताजे अंडों के गुच्छ की तरह बने होते हैं।

flagon सुरापात्र

मदिरा रखने के लिए बना वर्त्तन, जिसमें विशेषकर हत्था व टोंटी बने होते हैं। कहीं-कहीं सुरा-पात्र में भी ढक्कन बना मिलता है। इसका आकार एक विशाल उभरी बोतल की तरह होता है।

flake शल्क

वह पाषाण-खंड, जो किसी बड़े पाषाण-खंड से, उपकरण बनाने के लिए आघात या दाव-प्रविधि से अलग किया गया हो। क्रोड से निकाले हुए पत्थर के वे टुकड़े ही शल्क कहलाते हैं, जिनके ऊपर आघात कंद बना होता है। शल्क के जिस ओर आघात कंद होता है, उसे शल्क-तल कहते हैं। अ० दे० : core।

flake tool industry शल्क उपकरण उद्योग

किसी स्थल विशेष पर बहुतायत में मिले शल्क पर बने उपकरणों के आधार पर प्रकल्पित शल्क उपकरण उद्योग। ब्रायल ने, क्रोड तथा शल्क उद्योग को, समानांतर और स्वतंत्र धाराओं के रूप में माना है, परंतु मोवियस इस धारणा से सहमत नहीं है। शल्क उद्योगों में, क्लैक्टोनी एवं लवाल्वाई उद्योग प्रसिद्ध हैं, जिनमें भी मिश्रित तत्त्व मिलते हैं। यह कहना कठिन है कि शल्क उद्योग पूर्ववर्ती था या क्रोड उद्योग। भारतीय मध्य पाषाणयुगीन उपकरण मूलतः शल्क उपकरण है।

flaking शल्कन

किसी पाषाण पिंड से उपकरण-निर्माण के लिए शल्कों को निकालना।

flambe 1. प्रकीर्ण पालिश

चीनी-मिट्टी के बने वे पात्र, जिनमें काचन कर्म (glaze work) असमान रूप से किया गया हो।

2. पोर्सिलेन

मिट्टी के बर्त्तनों में कांच की तरह का चिकना लेप या चमकीली पालिश का लगा होना।

flask सुराही, फ्लास्क

(अ) धातु, कांच तथा मिट्टी आदि का बना संकरी गरदनवाला पात्र, जिसके नीचे और बीच का भाग बड़े लोटे की तरह का होता है।

(आ) तरल पदार्थों को रखने के लिए बना एक छोटा बोतलनुमा पात्र

flat base tool - **समतलीय उपकरण**

वह उपकरण जिसका तला चपटा या समतल हो। यह पेटरसन तथा ड्रमंड द्वारा वर्गीकृत प्रागैतिहासिक पाषाण गुटिकाश्म उपकरणों के तीन प्रमुख विभाजनों में से एक है। इस प्रकार के उपकरणों का एक पक्ष समतल होता है। यह समतल रचना प्राकृतिक या कृत्रिम दोनों प्रकार की हो सकती है। वटिकाश्म उपकरणों के पृष्ठ भाग में, संभवतः एक ओर हथौड़े तथा दूसरी ओर निहाई का प्रयोग किया जाता होगा। धार को तेज करने के लिए इस उपकरण पर परिष्करण के चिह्न मिलते हैं। समतलीय उपकरणों का वर्गीकरण इस प्रकार किया गया है :—

(1) अंतस्थ समतल उपकरण
(2) एकपक्षीय समतल उपकरण
(3) द्विपक्षीय समतल उपकरण

flesh rubber **झांवा, झामक**

छोटे आकार का, आग में पकाया ईंट जैसा वह प्रतिरूप, जिसकी खुरदरी सतह से विशेषतः पैर के तलवे तथा एड़ी के मैल को रगड़कर साफ किया जाता है। मथुरा, कौशाबी, अहिच्छत्र आदि से अलंकृत झांवे मिले है, जिन पर एक ओर प्रेमासक्त दंपत्ति, मयूर, वाद्य-वादकों आदि के चित्र अंकित मिले हैं।

flint projectile **चकमक प्रक्षेप्य**

चकमक पत्थर का बना वह उपकरण, जिसे प्रागैतिहासिक मानव आखेट करते समय अपने शिकार और लड़ाई के समय अपने प्रतिस्पर्धी पर फेंक कर मारते थे।

floor level **आवास तल**

उत्खनन में प्राप्त वह तल, जो भवन का फर्श रहा हो। यह स्तर-विन्यास की एक महत्त्वपूर्ण कड़ी के रूप में मान्य है।

flouring dating **फ्लोरीन काल-निर्धारण**

पुरातात्विक वस्तुओं के समय को निश्चित करने के लिए प्रयुक्त एक पद्धति, जिसकी सर्वप्रथम खोज सन 1844 ई० में अंग्रेज रसायनशास्त्री मिडिलटन ने की थी। द्वितीय विश्वयुद्ध के काल में इसकी पुनः खोज हुई।

फ्लोरीन एक गैसीय तत्त्व है, जो फ्लोराइड्स के रूप में प्रकृति में पाया जाता है। जब फ्लोरीन के परमाणु क्रिस्टलीय फास्फेट के संपर्क में आते हैं,

तो हड्डी और दांतों के खनिज क्रिस्टल के अति सूक्ष्मदर्शीय रंध्रों में फंस जाते हैं और उसमे दिखाई देने लगते हैं ।

यदि अलग-अलग भूवैज्ञानिक कालों की हड्डियां एक ही स्थान से प्राप्त हों तो उनकी सापेक्ष तिथि सरलता से निश्चित की जा सकती है। इनमें जो सबसे पुरानी होगी, उनमें फ्लोरीन की मात्रा सब से अधिक होगी।

flower vase (1) फूलदान

मिट्टी, धातु अथवा शीशे आदि से निर्मित वह पात्र, जिसमें फूलपत्ते आदि सजावट के लिए रखे जाते हैं ।

(2) मंगल घट

शुभ अवसरों पर पूजा तथा अलंकरण के लिए प्रयुक्त कलश। भारतीय शिल्प में, मंगल घट अनेक आकार-प्रकारों में मिले हैं। अमरावती की कला में, मंगल घट का सर्वोत्कृष्ट रूप मिलता है ।

food collecting stage आहार-संग्रहण अवस्था

सभ्यता के विकास का वह आरंभिक चरण, जब मनुष्य आखेट की अवस्था को पारकर अपने खानपान की सामग्री को भविष्य के लिए एकत्रित कर लिया करता था ।

food producing stage खाद्योत्पादन अवस्था

मानव-सभ्यता के विकास-क्रम की वह अवस्था, जिसमें मनुष्य खेती तथा पशुपालन कर आहार की व्यवस्था करने लगा था । इससे पूर्व वह अपनी जीविका के लिए शिकार तथा आहार-संचयन पर ही निर्भर था। कृषि-अवस्था मानव-सभ्यता की विकास-श्रृंखला की प्रथम महत्वपूर्ण कड़ी है।

भारत में, इसका आरंभ नवपाषाण युग से माना जाता है। ग्राम संस्था तथा बर्तनों के निर्माण हेतु चाक का प्रयोग इसी अवस्था में हुआ ।

food taboo खाद्य निषेध

किसी धर्म या जनजाति विशेष में, किसी विशेष खाद्य सामग्री का उपभोग करने की मनाही। उदाहरणस्वरूप, हिंदू धर्म में गाय और मुसलमानों में सुअर के मांस-भक्षण का निषेध है ।

food vessel culture खाद्य भांड संस्कृति

वह संस्कृति, जिसमें भोजन के काम में लाए जानेवाले बर्तनों का प्रयोग किया जाने लगा ।

foot archer — **पैदल धनुर्धर, पदाति धनुर्धर**

प्राचीन काल में, धनुर्धारी सेना की वह टुकडी, जो यान में सवार न होकर पैदल ही चला करती थी ।

foreshafts — **शरदंडाग्र**

शर के अगले भाग मे धातु का त्रिकोणाकार और नुकीला भाग, जिसे वाणफलक भी कहा जाता है । ये पत्थर या धातु के बनाए जाते थे ।

fossil — **जीवाश्म, फ़ासिल**

विगत भू-वैज्ञानिक कालों के जीव-जंतु एवं वनस्पतियों के छाप या चिह्न जो भू-पर्पटी (परत) तथा पत्थरों में जमकर अश्मीभूत हो गए हैं ।

fossil evidence — **जीवाश्म-साक्ष्य**

सापेक्ष निधि-निर्धारण में, जीवाश्म-साक्ष्य उल्लेखनीय है , क्योंकि प्रागैतिहासिक मानव, प्रागैतिहासिक जीवों पर आधारित रहता था । जीवाश्मों के आधार पर उपकरणों तथा स्तरों के जमाव की तिथि का अनुमान लगाया जा सकता है । यह साक्ष्य उस समय अधिक महत्त्वपूर्ण प्रतीत होती है, जब ऐसे जीवाश्म प्राप्त होते है, जिनके क्रमिक विकास का पता रहता है । जीवाश्म, साक्ष्य काल-मापक्रम का कार्य करते हैं । यह विधि तब उपयोगी नहीं होती, जब किसी जीव के विकास का क्रमिक विकास उपलब्ध नही होता ।

fossilman — **जीवाश्म मानव**

वह लुप्त मानव, जिसका ज्ञान अश्मीभूत कंकालों के अवशेषों से ही होता है ।

foundation — **नींव**

बजरी, रोडी आदि से बनी वह भूगर्भित तह, जिस पर भवन या संरचना टिकी रहती है ।

foundation deposit — **आधार-निक्षेप**

पुरातात्त्विक उत्खनन के समय किसी भवन की नींव में प्राप्त दैनिक प्रयोग में आनेवाली अनेक प्रकार की वस्तुओं के अवशेष ।

foundation level — **नींव-तल, आधार-तल**

किसी भवन की दीवारों की सबसे नीचे की जमीन खोदकर निकाला गया वह मूल भाग, जिस पर सारी संरचना टिकी हो ।

free standing statue स्वतः स्थित प्रतिमा

वह मूर्त्ति, जो मुक्त रूप से खड़ी हो; स्वतंत्र रूप में खड़ी प्रतिमा।

frigidarium शीतस्नान-कक्ष

प्राचीन रोम के सार्वजनिक स्नानागारों का वह कक्ष, जिसमें ठंडे जल से स्नान की व्यवस्था होती थी। रोम के परवर्ती स्नानघरों में तीन कक्ष रहते थे :—

(1) उष्ण वायु से युक्त कक्ष, (2) हमाम; गर्म जल से नहाने का कक्ष और (3) ठंडे पानी से नहाने का कक्ष। यह उल्लेख्य है कि स्त्रियों और पुरुषों के स्नान के लिए अलग-अलग स्नानघर होते थे।

funerary cult शवोपासना

मृत व्यक्तियों को सम्मान देना अथवा उनके शव का अनुरक्षण करना। प्राचीन मिस्र में, ममी के रूप में शवों का अनुरक्षण किया जाता था और उनकी उपासना भी की जाती थी।

funerary structure 1. धातुगर्भ

संरचना विशेष, जिसमें किसी महापुरुष के शरीर के अवशेष—जैसे अस्थि, भस्म, दांत या केश आदि का अनुरक्षण, विशेष कर आराधना के लिए किया गया हो।

2. स्तूप स्मारक

वे स्मारक, जिनमें किसी महापुरुष की अस्थियां गाड़ी गई हों। महात्मा बुद्ध की मृत्यु के उपरात, उनके देहावशेषों अथवा भस्मावशेषों के ऊपर स्तूप बनाए गए थे।

funnel beaker कीपाकार बीकर

एक प्रकार का विस्तृत ग्रीवायुक्त प्याला। मध्य और पश्चिम यूरोप के घंटाकार बीकरों से इनका सीधा संबंध नहीं है।

fylfot स्वस्तिक

अति प्राचीन मंगल-चिह्न, जिसे शुभ अवसरों पर दीवारों तथा भूमि पर अंकित किया जाता है। यूरोपीय कांस्य युग से लेकर दसवीं शताब्दी ई० तक इसका प्रयोग होता था। प्राचीन फारस, भारत, जर्मनी, चीन, जापान आदि देशों में धार्मिक चिह्न के रूप में इसका प्रयोग होता था। यह चिह्न आज भी भारत में शुभ-सूचक माना जाता है। यूनानी क्रूस भी

स्वस्तिक के आकार का बना होता था। भारतीय कला में दक्षिणावर्त्त तथा वामावर्त्त इन दोनों रूपों मे स्वस्तिक का अलंकरण मिलता है।

fyrd — **सैन्य बल, फर्ड**

नार्मन विजय-पूर्व की राष्ट्रीय सैनिक शक्ति। प्राचीन आंग्ल इतिहास में स्थानीय प्रजारक्षक दल, जिसमें प्रत्येक स्वाधीन व्यक्ति के लिए कार्य करना अनिवार्य था। इसमें छूट बहुत ही विशेष परिस्थितियों में दी जाती थी। फर्ड सैनिक शक्ति नहीं थी। फर्ड के संगठन, सैनिक महत्ता आदि के विषय में अब तक बहुत कम ज्ञात हो सका है।

G

Gangetic hoards — **गंगा घाटी निधियां**

भारत में गंगा घाटी में हुए उत्खनन से प्राप्त तांबे की वस्तुएं, जिनमें मानवाकृतियां, हारपून, दुसिंगी तलवारें, कांटेदार भाले, दंड छैनियां और चौड़ी-चपटी कुठारें आदि हैं। अ० दे० copper hoards.

garbage dump — **अवकर स्थान; घूरा**

वह स्थान, जहां पर कूड़ा-कर्कट, गंदगी व अनावश्यक वस्तुओं को फेंका या ढेर लगाया जाता है, जैसे-कूड़ाखाना, कूड़ाकोष्ठ इत्यादि। पुरातात्त्विक उत्खननों से उजागर अवकर स्थानों से कभी-कभी महत्त्वपूर्ण सामग्रियां भी मिली है, जिनसे प्राचीन मनुष्यों के रहन-सहन और उनकी सभ्यता-संस्कृति के विषय में जानकारी मिलती है।

geo-chronological dating — **भूतैथिकीय काल-निर्धारण**

पुरातात्त्विकी के अंतर्गत काल निश्चित करने विषयक महत्त्वपूर्ण कार्य जिसमे मानव युगों की परिस्थितियों का अध्ययन किया जाता है। भूगर्भ विज्ञान और जीवाश्मविज्ञान के आधार पर जलवायु, कालानुक्रम और प्राणिजात-क्रम

(faunal succession) के अध्ययन में सहायता मिली है। यह काल-निर्धारण पद्धति भूगर्भविज्ञान, वनस्पति शास्त्र, भौतिकी तथा रसायनशास्त्र की वैज्ञानिक पद्धतियों पर आधारित हैं। इनके समन्वय और समाकलन से विज्ञान की जो नई शाखा विकसित हुई, उसे भूतैथिकी कहते हैं। इससे ऐतिहासिक एवं प्रागैतिहासिक स्थानों के भूकालानुक्रमिक अनुसंधान द्वारा प्राचीन जल-वायु के परिवर्तन के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिलती है। इस कार्य में मिट्टियों एवं कंकड़ों का बहुत उपयोगी स्थान है।

geometrical art — ज्यामितिक कला

वह कला, जिसके अंतर्गत ज्यामितिक अभिकल्पों यथा—रेखाओं तथा कोणों इत्यादि की सहायता से कोई रेखाकृति बनाई जाए। विविध ज्यामितिक अलंकरण प्रागैतिहासिक काल से प्रचलित रहे हैं।

geometric form — ज्यामितीय आकृति

विभिन्न आकार-प्रकार की रेखाओं तथा कोणों की सहायता से बनी आकृति या इसी प्रकार की कोई संरचना।

geometric ornament (=geometric design) — ज्यामितिक अलंकरण (ज्यामितिक अभिकल्प)

रेखाओं के संयोजन से बनाई गई सजावट, जिसमें अनेक प्रकार की आकृतियां बनाकर किसी वस्तु, चित्र या संरचना को अलंकृत किया जाता है।

Georgian people — जार्जियाई जन

काकेशस की पर्वतारोही प्रजाति के सदस्य, जो अपने शारीरिक सौंदर्य के लिए विख्यात रहे हैं।

जेफेटाइड लोगों का एक विभाजन, जिनका उद्भव परंपरागत रूप में जफेथ से हुआ और जिन्होंने 300 ई० में ईसाई धर्म को ग्रहण किया।

Gerzean — गर्ज़ियाई

मिस्र की उत्तर पूर्व राजवंशीय काल की संस्कृति, जो लगभग 3,600 ई० पू० की अमराती संस्कृति से विकसित हुई। इस संस्कृति का नामकरण फैयूम के अल-गरजा या गरजेह के नाम से पड़ा। इस संस्कृति के महत्वपूर्ण अवशेष ऊपरी मिस्र के नक़दा कब्रिस्तान से प्राप्त हुए हैं। इस संस्कृति के लोगों ने, चकमक पत्थर का उपयोग उपकरणों के बनाने में किया। लहरिया शल्कित चाकू इनका विशेष उपकरण था। ये लोग ताम्र-कुठार, कटार इत्यादि का भी प्रयोग करते थे। फायन्स का इस संस्कृति के लोगों ने प्रयोग किया।

gesture of meditation **ध्यान-मुद्रा**

भारतीय मूर्त्तिशास्त्र में गहन आराधना को इंगित करनेवाली योग-मुद्रा, जिसमें योगी की तरह पद्मासन लगाकर बैठा जाता है और बाईं हथेली के ऊपर दाईं हथेली रखी रहती है । भारत में, देवी-देवताओं और महापुरुषों की इस प्रकार की अनेक प्राचीन और अर्वाचीन मूर्त्तियां मिली हैं, जो विशेषकर बुद्ध और जैन तीर्थंकरों की हैं ।

gesture of protection **अभय-मुद्रा**

वह हस्त मुद्रा, जो किसी को निर्भयता प्रदान करने के लिए दाएं कंधे की सीध में खुली दाईं हथेली द्वारा प्रदर्शित की जाती है । भारतीय कला में, बुद्ध, बोधिसत्व तथा विष्णु प्रतिमाओं में यह मुद्रा मिली है ।

ghost hole **प्रेत-छिद्र**

क़ब्र या स्मारक में बनाया गया छिद्र । अति प्राचीन काल से यह धारणा चली आ रही है कि मृतात्मा इसी छिद्र मार्ग से आती-जाती थी ।

ghost wall **आभासी दीवार**

प्राचीन भवनों की नींव की ईंटों, पत्थरों आदि को निकाल लिए जाने पर भूमि में बचे चिह्न ।

giant's tomb **दानव-तुंब**

सार्डीनिया के महापाषाण गृह-तुंब का स्थानीय रूप । इनका निर्माण ई० पू० द्वितीय सहस्राब्दि के मध्य में हुआ था । ये शवाधिकक्ष गलरी या वीथि-शवाधान के समान हैं । इनमें मृत शरीर को एक लंबे संगोरे में रखा जाता था, जिसे सहारा देने के लिए प्रतिधारण भित्ति भी बनती थी । कुछ विशाल तुंबों में वक्राकार गृह मुख (facade) बने मिले हैं, जो अग्र प्रांगण को आवृत्त किए हुए हैं ।

glaive **1. भाला, बर्छा**

वह प्रमुख अस्त्र, जिसमें किसी बांस, या बड़े बेंट के सिरे पर धातु का नुकीला फलक लगा होता था ।

2. तलवार

लोहे का बना, धारदार लंबा अस्त्र; विशेषकर चौड़े फालवाली तलवार ।

3. खांडा, खड्ग

एक प्रकार की तलवार ।

4. छुरा

काटने या चीरने-फाड़ने का वेंटदार, किंतु धारवाला छोटा हथियार।

glaze — काचन, चमक

मृद् भांडों आदि को ओपदार बनाने के लिए कांचयुक्त मसाले से आलेपित करना। इस विधि से फर्शी ईंटों तथा खपरैलों को भी काचित किया जाता था और उनमें चमक पैदा की जाती थी।

globular amphora — गोल ऐंफोरा, गोल दुहत्थी सुराही

चौड़े आकार की दुहत्थी सुराही, जिसे लगभग 2,000 ई० पू० में जर्मनी एवं निकटवर्ती क्षेत्रों में बनाया जाता था। उत्तरी यूरोप की नवपाषाणकालीन (टी० आर० बी०) संस्कृति एवं डोरीदार भांडों से इनका निकट का संबंध रहा है।

glyph — उच्चित्र

वह तक्षित मूर्त्ति या आकृति, जो उत्कीर्ण या उद्भृत हो।

वह तक्षित चित्र-लेख, जिससे किसी मूर्त्ति का निरूपण होता हो।

goblet — प्याला, चषक

(अ) बिना हत्थे का लंबोतरा साधार चषक या प्याला, जो सामान्यतः सुरा-पात्र के रूप में प्रयुक्त होता था। मद्यपान पात्र को चषक कहा जाता है।

(आ) एक विशेष प्रकार का पानपात्र, जिसका शीर्ष भाग गिलासनुमा होता है। इसके अधोभाग में उसे पकड़ने के लिए पतली डंडी बनी होती है, जो सामान्यतः गोलाकार धरातल पर टिकी होती है।

golgotha — 1. शवाधिस्थल

वह स्थान, जहां पर मुर्दों को दफनाया जाता है; शवास्थिशाला; शव स्थान; लाशों या अवशिष्ट हड्डियों को रखने का स्थान या मकान।

2. बलिदान-स्थान

रोमन कैथोलिक चर्च के अंतर्गत, ईसा को सूली पर चढ़ाए जाने का स्थान या उसकी अनुकृति। प्राचीन जेरूसलम नगर के बाहरी स्थान पर ईसा को सूली पर चढ़ाया गया था।

goniometer — कोणमापी, गुनिया

(1) कोणमापी; कोनों को नापने का एक यंत्र।

गुनिया

(2) वह उपकरण या औजार, जिससे बढ़ई, राज आदि कोने की सीध नापते है ।

gorgoneion 1. गार्गन-मुख

यूनानी कथाओं में वर्णित तीन पौराणिक बहिनों, स्थेनो (Stheno) यूरोयेल (Euryale) तथा मेडूसा के गार्गन मुख थे, इनकी आकृति भयानक और केश सर्पिल थे। कहा जाता है कि इनको देखने मात्र से व्यक्ति पत्थर-वत् जड़ बन जाता था ।

2. राक्षसी मुखालंकरण

गार्गन के मुख-चित्रणवाला अलंकरण । यूनानी कला में, इसका प्रयोग, भवनों इत्यादि के ऊपर नज़रौटे के रूप में किया जाता था । एथेना देवी की ढाल पर भी गार्गन-मुख अंकित रहता था ।

भारतीय संदर्भ में, इस प्रकार के अलंकरण को कीर्त्ति-मुख कहा जाता है । हिंद-यूनानी तथा शक सिक्कों पर इस प्रकार का अलंकरण मिला है ।

graffitto अभिरेखण, भित्ति-आरेख

चट्टानों, दीवारों, मृदापात्रों पर खरोंच कर बनाए गए चिह्न या अभिकल्प ।

grave 1. कब्र

भूमि को खोद कर बनाया गया वह गड्ढा, जिसमें मृतकों या उनकी अस्थियों को गाड़ा जाता है ।

2. शवाधि, समाधि

किसी मृत व्यक्ति के शव या उसकी अस्थियों को भूमि मे गाड़ना ।

वह स्थल विशेप, जहां इस प्रकार किसी शव या अस्थियों को गाड़ा गया हो ।

grave goods समाधि उपस्कर

मृतक के साथ शवाधि में रखी गई दैनंदिन प्रयोग की वस्तुएं । प्रागैतिहासिक काल से, मृतक के साथ वस्तुओं को दफनाने की प्रथा मिलती है । विशेपतया मृतात्मा की वस्तुएं उसके साथ समाधि में रख दी जाती थी । तत्कालीन मानव की यह धारणा थी कि मृत व्यक्ति मरणोपरांत इन्हीं वस्तुओं को प्रयोग में लाता था । ये पुरातात्त्विक उत्खननों में प्राप्त समाधि-उपस्कर, प्रागैतिहासिक एवं आद्य ऐतिहासिक सभ्यताओं एवं संस्कृतियों को जानने के महत्त्वपूर्ण

साधन हैं। इन वस्तुओं में, मिट्टी के बर्त्तन, आभूषणालंकरण, खाद्य सामग्री मूर्त्तियां आदि होती थीं।

grave-markers शवाधि-सूचक

कब्र सूचित करनेवाला संकेत-प्रस्तर।

'graven' images उत्कीर्ण मूर्त्ति, उत्कीर्ण प्रतिमा गढ़ी हुई मूर्त्ति

काष्ठ, पाषाण, धातु आदि से बनी वह मूर्त्ति, जिसे तक्षित कर बनाया गया हो। इस प्रकार बनी मूर्त्ति आराधना के काम लाई जाती थी।

grave pit समाधि-गर्त्त

शव-गर्त्त; शव को दफनाने हेतु खोदा या प्रयुक्त किया गया गड्ढा।

grave plundering समाधि लुंठन, कब्र लुंठन, शवागार लुंठन, कब्र लूटना

कब्र में दफनाई गई वस्तुओं को लूटना। प्राचीन काल से ही मृत-शरीर के साथ अनेक बहुमूल्य वस्तुएं गाड़ दी जाती थीं। सुराग मिलने पर, कब्रचोर कब्र खोदकर इनमें से बहुमूल्य वस्तुएं निकाल लेते रहे हैं। मिस्र के राजवंश कालीन तुंबों की लूट के विषय मे बड़े ही रोचक वृतांत प्राचीन ग्रंथों में मिलते हैं।

graver 1. नक्काश, उत्कीर्णक

धातु आदि पर तक्षण कर या खोद कर बेलबूटे बनानेवाला; उत्कीर्णक–खोदकर लिखनेवाला।

2. उत्कीर्णक, टांकी

(अ) प्रागैतिहासिक पाषाण-उपकरण, जिसे सामान्यतः शल्क अथवा क्रोड पर बनाया जाता है। इस उपकरण के निर्माण में द्वितीयक शल्कीकरण द्वारा पत्थर को क्षैतिजाकार रखकर उस पर लंबवत् प्रहार किया जाता है, जिसके परिणामस्वरूप फलक के ऊपरी भाग से एक तिरछा शल्क निकल जाता है और अर्धशंकु का चिह्न 'ग्रेवर' में दृष्टिगोचर होता है। इस शल्क (flake) के निकलने से जो शल्क-चिह्न बनता है, उसे उत्कीर्णक-मुख (ग्रेवर फैसेट) कहते हैं। बर्किट महाशय इस उपकरण की प्रमुख पहचान उत्कीर्णक-मुख ही मानते हैं। बनावट के आधार पर इनके अनेक प्रकार हैं। कुछ ग्रेवर क्रोड पर भी बनाए जाते हैं।

(आ) पत्थर गढ़ने का औजार; छेनी ।

Gravettian culture — **ग्रेवेती संस्कृति**

उत्तर-पुरापाषाणकालीन संस्कृति, जिसका समय 25,000 ई० पू० से पहले का माना जाता है । इस संस्कृति का नामकरण फ्रांस के 'ला ग्रेवेत' स्थल पर पड़ा, जो दोरदोग्ने में स्थित है । इस संस्कृति के प्रमुख उपकरण पाषाण-फलक हैं, जिनकी बाहरी और कर्त्तन धार अधिक सुव्यवस्थित है । इनके बनाए हुए गुफा-चित्र फ्रांस के दोरदोग्ने की लेस्कोक्स गुफा में मिलते हैं । इनकी बनाई पुरा-हस्ति (मेमथ) के दांतों से बनी स्त्री-मूर्ति विशेष प्रसिद्ध है ।

Great Bath — **विशाल स्नानागार**

मोहनजोदड़ो का प्रसिद्ध विशाल स्नानागार । यह 33 मीटर लंबा व लगभग इतना ही चौड़ा है । इसके मध्य में, स्नान के लिए एक हौज़ बना है, जो 12 मी० लंबा, 7.5 मी० चौडा तथा 2.5 मी० गहरा है । इसमें शुद्ध पानी जमा करने की व्यवस्था थी और पानी बाहर निकालने के लिए, नाली भी बनी थी । स्नानार्थियों के लिए, स्नानागार के ऊपर कमरे बने हुए थे ।

Great flood — **महा जलविप्लव, प्रलय**

वह प्रकल्पित काल, जब संपूर्ण सृष्टि विनष्ट हो जाती है और चारों ओर जल के अतिरिक्त कुछ भी नहीं रहता । जब जगत अपने मूल कारण या प्रकृति में विलीन हो जाता है, तब सृष्टि के उस तिरोभाव को प्रलय कहा जाता है । भारत के अतिरिक्त सुमेरी, बेबीलोनी आदि अनेक प्राचीन संस्कृतियों में जल-प्रलय का वर्णन मिलता है ।

Great Interglacial phase — **महा अंतराहिमनदीय प्रावस्था**

मिन्डेल और रिस हिमनदनों के बीच का उष्ण अंतराल ।

Great Ziggurat(=Tower of Babel) — **बृहत् जिगुरेट (=बेबल की मीनार)**

सुमेर, बेबीलोन तथा असीरिया के नगरों की देवालय-मीनार । ये मीनार क्रमिक रूप में पिरामिडाकार बनाए जाते थे और इनका देवालय शीर्ष भाग में बना होता था । बाइबिल मे वर्णित बेबल की मीनार इसी प्रकार का जिगुरेट रही होगी ।

Greco-Buddhist art — **यूनानी-बौद्ध कला, गांधार-कला**

मूर्तिकला की यूनानी-बौद्ध शैली, जो गंधार (उत्तर पश्चिमी भारत और अफगानिस्तान) में पहली से छठी शताब्दी ई० में विकसित हुई । यह

शैली उत्तर-पश्चिमी भारत और अफगानिस्तान में बहुत अधिक लोकप्रिय रही। विषय-वस्तु की दृष्टि से गांधार मूर्तिकला मुख्यतः बौद्ध है और तकनीकी दृष्टि से यह मूलतः यूनानी है।

भारत में, यह कला कुशाणों तथा शक वंशी शासकों द्वारा प्रोत्साहित की गई। इस कला में सिलेटी नीला पत्थर प्रयुक्त किया गया।

Greek architecture — **यूनानी स्थापत्य**

यूनानी भवन-निर्माण कला, जिसकी प्रमुख अभिव्यक्ति षट्कोणीय मंदिरों की संरचनाओं में हुई। स्तंभ पंक्तियों से युक्त ये मंदिर आयताकार, एक मंजिले और ऐसी ढलवां छतवाले होते थे, जिन पर त्रिकोण-शीर्ष (pediment) बने होते थे। भवन के बाहरी अलंकरण के लिए रंग या सुवर्ण मंडन प्रायः प्रयुक्त होता था।

यूनानी वास्तुकला को क्रमानुसार डोरिक, आयोनी और कोरिंथी स्तंभ-शैलियों ने बहुत अधिक प्रभावित किया। डोरिक स्तंभ-शैली इनमें सर्वाधिक सादी थी। आयोनी शैली वलयित स्तंभ-शीर्ष तथा कोरिंथी स्तंभ-शैली बेलबूटेदार स्तंभ-शीर्ष के लिए प्रसिद्ध थी। यूनानी स्थापत्य में, लालित्य तथा स्थायित्व का उन्मेष, लगभग ईसवी पांचवीं शती में हुआ।

Greek sculpture — **यूनानी मूर्तिकला**

किसी प्रत्यक्ष रूप या काल्पनिक आकार-प्रकार को मिट्टी, पत्थर या धातु आदि में, साकार करने की यूनानी कला। यूनानी मूर्तिकला में पत्थर, धातु तथा मिट्टी का प्रयोग किया गया। इस कला में अंग-प्रत्यंगों के सुगठन, लावण्य तथा भावाभिव्यक्ति पर विशेष ध्यान दिया गया। धार्मिक विषयों के अतिरिक्त लौकिक विषयों का भी इस कला में व्यापक रूप से समावेश हुआ है। यूनानी सिक्कों, मुहरों तथा आभूषणों पर अनेक सुंदर आकृतियां अंकित मिली हैं।

green stone axe — **हरित प्रस्तर कुठार**

चट्टानों की एक किस्म जैसे, सर्पेन्टीन, आलिवीन, जेड, जेडाइट, नेफ्राइट, क्लोरोमेलानाइट इत्यादि के लिए प्रयुक्त सामान्य शब्द। प्राचीन मानव निर्मित हरित प्रस्तर कुठार खुदाई में मिले हैं।

green ware — **अदाह भांड, कच्चा भांड**

आग में बिना पकाए मिट्टी के कच्चे बर्तन।

grey uruk ware **धूसर उरूक भांड**

सुमेर के सबसे विशाल नगर-राज्य उरुक में मिले भांड । उर से 56 कि० मी० दक्षिण पश्चिम में स्थित उरूक की निचली सतह में, सुमेर की प्रागैतिहासिक संस्कृति के अवशेष मिले हैं । यहां के मृद्भांड चाक निर्मित हैं, किंतु चित्रित नहीं हैं । मृद्भांडों के अनेक सुंदर आकार-प्रकार उरूक में विकसित हुए प्रतीत होते हैं ।

grey ware settlement **धूसर भांड स्थली**

वह प्रागैतिहासिक स्थल, जहां पर हुए उत्खनन के परिणामस्वरूप मिट्टी के बने भूरे रंग के बर्तन मिले हों ।

griddle **तवा**

लोहे, अल्मूनियम या सेलखड़ी का बना वह गोलाकार चपटा बर्तन, जिसे आग पर रख कर रोटी सेंकी जाती है ।

grid layout **जालक अभिन्यास**

उत्खनन-स्थल की क्रमबद्ध खुदाई और प्राप्त वस्तुओं आदि के विवरण के अभिलेखन के लिए, स्थल का अनेक वर्गों में विभाजित किया जाना । सामान्यतः प्रत्येक जालक वर्ग में एक वर्गाकार खाई खोदी जाती है, जिसे प्रत्येक निकटवर्त्ती खाई से अलग करने के लिए एक मेड़ बनाई जाती है । ये जालक उत्खनन-कार्य के आधार-स्तंभ होते हैं ।

grid system **जालक पद्धति**

पुरातात्त्विक उत्खनन की प्रविधि विशेष, जिसके अंतर्गत संपूर्ण उत्खनन-क्षेत्र को अभिलेखन की सुविधा के लिए छोटे-छोटे वर्गों में विभाजित किया जाता है । सामान्यतः एक वर्गाकार खाई प्रत्येक जालक-वर्ग में खोदी जाती है, जो निकट की खाई से एक मेड़ द्वारा विभक्त रहती है । सारे क्षेत्र को वर्गों में विभाजित कर दिया जाता है । नगर या किसी विशाल क्षेत्र के उत्खनन के लिए जालक प्रणाली का प्रयोग किया जाता है । एक जालक या गड्ढे का माप प्रायः 10×10 मीटर होता है और प्रत्येक गड्ढे के बीच में 1 मीटर का मार्ग छोड़ दिया जाता है । इनको संख्यांकित करने का तरीका $अ^1$, $अ^2$, $अ^3$, $ब^1$; $ब^2$, $ब^3$ क्रमानुसार होता है । इस खुदाई में, सरलता से हर ओर बढ़ा जा सकता है । सभी जालकों में समान प्रकाश की व्यवस्था रहती है और चित्र लेने में सुविधा होती है । कालीबंगा, लोथल, एरण, सूरकोटडा, भगवानपुरा, पवनी तथा पिपरहवा आदि क्षेत्रों में उत्खनन इसी प्रणाली से किए गए हैं ।

griffin — सपक्ष सिंह

यूनानी मिथकविद्या में वर्णित एक कल्पित दानव । इसका सिर, अग्र भाग तथा पंख बाज की तरह तथा पृष्ठ भाग सिंह जैसा माना गया था । इनका कार्य स्वर्ण की खानों की रक्षा तथा उन नदियों की देखभाल करना प्रकल्पित था, जो हाइपरबोरिअनस के क्षेत्र में बहती थीं । सपक्ष सिंह की आकृति प्राचीन सिक्कों, मूर्तियों तथा वास्तु-अलंकरणों में भी प्राप्त होती है । इसे 'झंपा-सिंह' भी कहते हैं ।

Grimaldi cave — ग्रिमाल्डी गुहा

इटली के उत्तर-पश्चिम में स्थित गुफाएं, जो फ्रांस में मिन्तोन की सीमा पार करते ही दृष्टिगत होती हैं । इन गुफाओं में प्रागैतिहासिक मानव के नर-कंकाल और मध्य तथा उच्च पुरापाषाण-कालीन चकमक उद्योग की वस्तुएं मिली हैं । इनके उपकरण इकधारी फलक थे, जो उत्तर पैरीगार्डी या ग्रेवेती प्रकार के थे ।

Grimaldi man — ग्रिमाल्डी मानव

ग्रिमाल्डी मानव के अवशेष सन् 1,901 ई० में उत्तर पश्चिमी इटली में भूमध्यसागर के तट पर स्थित ग्रिमाल्डी नामक गुफा से प्राप्त हुए हैं । प्रो० वरनो (Verneau) ने, इस प्रागैतिहासिक मानव को आधुनिक नीग्रो से मिलता-जुलता मानव माना है ।

grinding stone — 1. चक्की पाट

आटा आदि पिसने या दाल दलने के काम आनेवाला चपटा, वर्तुलाकार पत्थर या पत्थरों का युग्म । चक्की के दो पाटों मे निचला पाट स्थिर होता है और ऊपर का पाट निचले पाट की धुरी पर घूमता है और अनाज आदि उन पाटों के बीच में पिसता है । चक्की के वर्तुलाकार पत्थर को चक्की पाट कहा जाता है । भारत के अनेक उत्खनित नगरों से चक्की-पाट प्राप्त हुए हैं ।

2. सान पत्थर

यह पत्थर, जिस पर रगड़ कर अस्त्रों आदि की धार तेज की जाती है । इसे 'कुरंड' भी कहा जाता है ।

Griqua people — ग्रिक्वा जन

(अ) ग्रिक्वालैंड में, बुशमेन तथा होटेनटोट के मिश्रण से बनी संकर जाति के लोग ।

(आ) संकर नीग्रो या यूरोपीय बुशमेन तथा होटेनटोट लोगों के मिश्रण से बनी जाति के लोग, जो विशेष कर ग्रिक्वालैंड में रहते हैं। इनका कद लम्बा, रंग काला तथा इनके केश घुंघराले होते हैं। इनको 'बास्टर्ड' भी कहा जाता है।

(इ) दक्षिण अफ्रीका के पश्चिमी भाग के संकर नी ो।

grog — पक्व मृत्तिका, पकी मिट्टी

भट्टियों में प्रयुक्त, उष्मसह वस्तु, जैसे खंडित चीनी मिट्टी के बर्तन, पकी ईंटें आदि, जिनका प्रयोग घरिया (कुठाली) इत्यादि के निर्माण में होता है।

grooved decoration — खांचेदार अलंकरण

मिट्टी के बिना पके दृढ़ बर्तनों में किया गया अलंकरण, जिसमें पात्र पर चौड़ी रेखाएं बनाई जाती हैं। इसमें मिट्टी को न तो धरातल से हटाया जाता है और न धरातल को ही उत्कीर्ण किया जाता है। हड़प्पा, लोथल तथा परवर्ती स्थलों से प्राप्त मृद पात्रों पर ऐसे अलंकरण मिले हैं।

grotto — गुहा, कंदरा

जमीन या पहाड़ के नीचे या भूमि में बनी प्राकृतिक और विस्तृत जगह; पहाड़ में बनी लंबी घाटी; कंदरा।

ground flat — घर्षित तल, घिसा भाग

किसी वस्तु, उपकरण या औजार आदि का चिकनाया गया भाग।

group burial — समूह-शवाधान, सामूहिक शवाधान

मृत व्यक्तियों को एक साथ दफनाने की प्रथा; एक प्रकार का गृह-तुंब (chamber tomb), जो शैल-कृत या महापाषाणों (megalithic) से बना हो। इस प्रकार के तुंब में, अनेक शवों को एक साथ दफनाया जाता था। पुरातात्त्विक उत्खननों में, प्रायः यह देखने में आया है कि एक ही स्थान में काफी लंबे समय से शवों के क्रमिक (successive) निक्षेप की विधि का प्रचलन रहा है। मध्य-प्रदेश के रायसेन जिले के भीमबैठका के प्रागैतिहासिक शिलाश्रहों में ऐसे अनेक शवाधान मिले हैं।

Gumelnita culture गुमेलनिता संस्कृति

पूर्वी रूमानिया और बल्गारिया की उत्तर नवपाषाण कालीन या ताम्र-कालीन संस्कृति। इसका काल लगभग 2,700 से 2,000 ई० पू० तक माना जाता है। इस ग्राम्य संस्कृति के घर आयताकार बने होते थे। चकमक के साथ तांबा और सोने का प्रयोग भी किया जाता था। गुमेलनिता संस्कृति का उद्भव हेमेन्जिया, वोअन व मेरित्जा संस्कृतियों से हुआ।

gunyah आदिवासी कुटी

आदिवासी पर्ण-शाला या कुटी।

gymnasiarch व्यायामाध्यक्ष

(अ) यूनानी पुरातत्व के अंतर्गत प्राचीन एथेंस का वह नागरिक, जो खेलकूद प्रतियोगियों के प्रशिक्षण के लिए धन की व्यवस्था करता था।

(आ) स्पार्टा मे, खिलाड़ियों का प्रशिक्षक।

gymnasium व्यायामशाला, जिम्नेजियम

प्राचीन यूनान का अखाड़ा, जहां पर युवा लोग कसरत या व्यायाम करते थे। यहां पर वे ही युवा कसरत करते थे, जो 'मल्लभूमि' (palaestra) में हुई परीक्षाओं में उत्तीर्ण हुए हों। प्राचीन यूनान के प्रत्येक नगर में व्यायाम-शालाएं थी।

पूरी व्यायामशाला एक प्रांगण की तरह बनी होती थी, जिसमे मल्ल युद्ध के लिए आच्छादित भाग नियत होता था। बड़े प्रांगण में, परिधान कक्ष तथा स्नानागार आदि भी बने होते थे।

gymnopaedia बाल व्यायाम महोत्सव, जिम्नोपीडिया

स्पार्टा का एक उत्सव, जो कई दिनों तक चलता रहता था। पहलवानी, समवेत गायन एवं नृत्य आदि के कार्यक्रम नग्न युवक जनता के सम्मुख प्रस्तुत करते थे। गीतों में स्पार्टा के युवकों के पराक्रम और वीरोचित कार्यों का उल्लेख किया जाता था।

gyneoconitis महिला-कक्ष

यूनानी गिरजाघरों का वह भाग, जो स्त्रियों के लिए आरक्षित हो।

H

habitacle — 1. आवासगृह

रहने का स्थान ।

2. मूर्त्ति ताक, मूर्त्ति आला, देवली

दीवार में बना वह ताक, जिसमे प्रतिमा रखी जाती है ।

habitation level — वास-स्तर

पुरातात्त्विक उत्खनन मे प्राप्त वह स्तर विशेष, जिसमें प्राप्त सामग्री के आधार पर यह निश्चित हो सके कि मानव-निवास उस तल पर भी विद्यमान रहा ।

hache — चकमक कुठारी, हाशे

छोटे हत्थेवाली कुल्हाड़ी, जिसका शीर्ष हथौड़ानुमा हो । इसका प्रयोग एक हाथ से काटने या आघात (hammering) के लिए किया जाता था ।

hack — गैती

(1) खोदने का एक औजार ।

मिट्टी खोदने का एक औजार, जिसका लोहे का फाल आगे से चौड़ा तथा धारदार होता है । इसमें पीछे की ओर काष्ठ-दंड फसाने के लिए छिद्र बना होता है । लकड़ी की ओर से पकड़कर इससे प्रहार कर जमीन खोदते हैं और खोदी गई मिट्टी को उठाते तथा टोकरी आदि में डालते है ।

फावड़ा

(2) मिट्टी खोदने, खोदी गई मिट्टी को उठाने और टोकरी में डालने का एक औजार;

खनित्र

(3) धरती खोदने का औजार ; गैती, खंती, फावड़ा आदि इसी वर्ग के औजार हैं ।

Hadrian's wall हेड्रियन की दीवार

रोमकालीन ब्रिटेन की उत्तरी सरहदों की रक्षा के लिए बनाई गई पत्थर की 122 किलोमीटर लंबी दीवार, जो टाइन से सोल्वे तक विस्तृत थी। इसका निर्माण हेड्रियन ने, लगभग 122-123 ई० में करवाया था। यह दीवार 2.5 मी० से 3.5 मी० मोटी तथा 3.7 से 4.8 मी० ऊंची थी। इस संपूर्ण दीवार के क्षेत्रांतर्गत 16 किले स्थित थे।

haft मूठ, दस्ता, बेंट

किसी औजार, पात्र या हथियार का वह भाग, जिसे मुट्ठी से पकड़ा जाता है।

hair net (अ) केशबंध

सिर के बालों या लटों को बांधने की पट्टी या जूड़ा।

(आ) केशजाली

सिर के बालों को बांधने के लिए बनाई गई छोटे-छोटे छिद्रों से युक्त एक प्रकार की कपड़े की जाली, जिसमें जूड़े को बांधकर रखा जाता है। इसे प्रायः बुना जाता था।

hair ring केश-चिमटी

स्त्रियों के लंबे बालों को दबाने के लिए बनी चौड़े मुंहवाली छोटे आकार की चिमटी।

halberd परशु, फरसा

लंबे हत्थेवाला शस्त्र, जिसकी धार पैनी और चौड़ी होती है। आकार में, यह खुखरी तथा फरसे से मिलता-जुलता होता है। इसकी धार के दूसरी ओर छिद्र बना होता है। यूरोपीय तथा चीनी कांस्य युग से इसका प्रयोग होता रहा है।

परशु एक प्रकार की कुल्हाड़ी होती है, जो युद्ध में प्रयुक्त होती रही है। भगवान् परशुराम का फरसा प्रसिद्ध है।

Halicarnassus हेलिकारनेसस

दक्षिण-पश्चिम एशिया माइनर में, केरिया (Caria) का वह प्राचीन यूनानी नगर, जिसकी स्थापना डोरियन लोगों ने ई० पू० दसवीं शताब्दी में की थी। विख्यात इतिहासकार हेरोडोटस का जन्म यहीं हुआ था। प्राचीन

विश्व के सात आश्चर्यों में से एक 'मोसोलस' का मक़बरा, जो आज रौजा या मक़बरा (Mausoleum) के नाम से विख्यात है, यहीं पर बनाया गया था।

hall and bower **राजभवन और रनिवास**

ट्यूटानी सरदारों का सार्वजनिक निवासगृह, जिसकी छत तिकोनी और विशाल कक्ष से युक्त होती थी। इसमें सरदारों के अनुचरों के रहने की व्यवस्था होती थी। इसके विपरीत 'बोअर' सरदारों का निजी कक्ष होता था और उसमें उनकी रानियां रहती थीं।

Hallstatt civilization **हाल्स्टाट सभ्यता**

मध्य-यूरोप की प्रसिद्ध प्रागैतिहासिक संस्कृति, जिसका नामकरण आस्ट्रिया के हाल्स्टाट ग्राम के नाम पर हुआ, जहां इस संस्कृति के अनेक अवशेष मिले है। इस सभ्यता का उद्भव-काल 1,000 से 1,500 ई० पू० माना जाता है। यह सभ्यता 500 ई० पू० तक विद्यमान रही।

इस सभ्यता के लोगों ने, न केवल कांस्य के प्रयोग में कुशलता ही प्राप्त की, वरन् लौह युग का भी श्रीगणेश किया। इनके बनाए मृद्भाड तथा आभूपण पर्याप्त सुंदर और कलात्मक हैं। यह सभ्यता अपनी प्रागैतिहासिक लवण की खानों तथा 3,000 क़ब्रों के लिए प्रसिद्ध है।

मध्य-यूरोपीय पुरातत्व के अंतर्गत, हाल्स्टाट 'क' (लगभग 12 एवं 11 ई० पू०) एवं हाल्स्टाट 'ख' (लगभग 10 एवं 8 ई० पू०) का प्रयोग 'कलश-क्षेत्र सभ्यता' के कालानुक्रमण के लिए किया जाता है। इस सभ्यता के अवसान काल में लौहयुग का उदय हुआ।

Hallstatt epoch **हाल्स्टाट युग**

मध्य और पश्चिमी यूरोप की लौह अवस्था का प्रथम युग। हाल्स्टाट सभ्यता को इस युग की प्रतिनिधि सभ्यता माना जाता है।

halo **प्रभामंडल, प्रभावली**

देवी-देवताओं और महापुरुषों के चित्रों अथवा मूर्तियों के प्रस्तर के चारों ओर अथवा संपूर्ण शरीर के पृष्ठ भाग में बना ज्योति मंडल, जिसे ज्ञान के आलोक और दिव्य तेज का प्रतीक माना गया है। चौथी शताब्दी ई० पू० के अपूली भांडों में वृत्ताकार प्रभामंडल के चित्र बने हैं।

पौर्वात्य चित्रकला और मूर्तिकला में प्रभावली का प्रयोग बहुत अधिक मिलता है।

halo-circle प्रभावलय, प्रभामंडल

देवी-देवताओं और महापुरुषों के पृष्ठ भाग में या ठीक सिर के पीछे बना ज्योति-वृत्त जिसे ज्ञान के प्रकाश एवं दिक् तेज का प्रतीक माना जाता है। पांचवीं शताब्दी ई० की लाल वालुकाश्म से बनी मथुरा शैली की बुद्ध मूर्ति के पीछे अलंकृत वृत्ताकार प्रभामंडल उल्लेखनीय है। यह मूर्ति राष्ट्रीय संग्रहालय नई दिल्ली मे सुरक्षित है। ब्रिटिश संग्रहालय में तांग वंशकालीन (618-906 ई०) क्वान-यिन (Kaun-yin) का एक बहुत ही मनोहर चित्र संग्रहित है, जिसमें उनके पृष्ठ भाग में सिर के पीछे वृत्ताकार प्रभामंडल बना है। सबसे प्राचीन वृत्ताकार प्रभामंडल चौथी शताब्दी ई०पू० के अपूली मृद्भांडों में मिले हैं। कुषाणकालीन प्रभामंडल सीधे-सादे अथवा नखालंकरण किनारोंवाले मिले हैं। गुप्त काल में, माणिक्य माल, पुष्पावली और सूर्य-रश्मियों से प्रभामंडल को अलंकृत किया गया है। कुषाण तथा गुप्तकालीन प्रभामंडल वृत्ताकार तथा मध्यकालीन सामान्यतः अंडाकार मिले हैं।

hammering technique आहनन-प्रविधि, आघात-प्रविधि

प्रागैतिहासिक पाषाण-उपकरणों के निर्माण की प्रणाली। इसमें उपकरण बनाने के लिए जिस प्रस्तर को तोड़ा जाता है, वह स्थिर रहता है और उस पर हथौड़े से प्रहार किया जाता है। इस प्रहार की विधि को आहनन-प्रविधि कहा जाता है।

hammerstone हथौड़ा, पाषाण-घन

प्रागैतिहासिक मानव द्वारा प्रयुक्त प्रस्तर उपकरण, जो प्रायः गोलाकार होते थे और जिन्हें पत्थर तोड़ने आदि के काम मे लाया जाता था।

handaxe हस्तकुठार

वह पुरापाषाणकालीन उपकरण, जिसे हाथ से पकड़ कर या लकड़ी के हत्थे में फंसा करप्रयोग मे लाया जाता था। यह जिन छह मुख्य आकारों में प्राप्त हुए है, वे हैं—नाशपाती, त्रिभुज, भाला, अंडा, हृदय तथा फिरकी।

इस उपकरण के विकास की आरंभिक अवस्था में, कुछ फलक निकाल कर कार्यांग बनाया जाता था और शेष भागों को यथावत् छोड़ दिया जाता था। कार्यांग के दूसरी ओर का भाग कुंद होता था। हस्तकुठार को 'कूदप्वां' तथा 'वुशे' भी कहा जाता था। इसके अवशेष अफ्रीका, भारत तथा अन्य भागों में मिले हैं।

handaxe-scraper — हस्तकुठार स्क्रेपर, हस्तकुठार खुरचनी

प्रागैतिहासिक पाषाण-उपकरण, जिसके दो भिन्न प्रकारों से औजारों का काम लिया जाता था। इन्हें मिश्रित उपकरणों की श्रेणी में रखा जाता है। ये उपकरण प्रायः पार्श्व शल्क पर बने होते थे। इनका एक छोर कार्यकारी धारवाला और नुकीला होता है। आघात के कंदाकार चिहन के विपक्ष की भुजा में परिष्करण द्वारा स्क्रेपर की कार्यकारी धार बनाई जाती है। इस उपकरण में, कार्यकारी धार के पीछे, उसे पकड़ने के लिए दो खांचे बने होते है।

handle — 1. मूंठ, हत्था

किसी उपकरण, पात्र, शस्त्र इत्यादि का वह भाग, जिससे उसे पकड़ा या उठाया जा सके, जैसे, तलवार या कुल्हाड़ी की मूंठ। प्राचीन बर्त्तनो में एक या दो हत्थे मिले है।

2. दस्ता

किसी औजार आदि का वह भाग, जो हाथ से पकडा जाता है, उसे 'दस्ता' कहा जाता है।

handled bowl — हत्थेदार प्याला

प्याला विशेष, जिसे पकड़ने के लिए, उसके किनारे पर मूंठ बनी हो। इस प्रकार के प्यालों का प्रचलन अति प्राचीन काल से रहा है।

hand pose — हस्त मुद्रा

प्राचीन भारतीय मूर्त्ति शास्त्र में, खड़े रहने, बैठने आदि के समय हाथों की विशिष्ट स्थिति, यथा-समय मुद्रा, परम मुद्रा तथा अंजलि मुद्रा आदि।

Hanging Garden — निलंब उद्यान, तलोद्यान

बेबीलोन के प्रसिद्ध उद्यानों के लिए प्रयुक्त शब्द, जिसका विस्तृत उल्लेख अनेक स्थलों पर हेरोडोटस, डायोडोरस और अनेक यूनानी लेखकों ने किया है। ये उद्यान इतने सुंदर बने थे कि विश्व के 'सात प्राचीन आश्चर्यों' में इनकी गणना होती थी। इन तलोद्यानों का निश्चित विवरण ज्ञात नहीं है।

haniwa — मृद् बेलन, हनीवा

तीसरी शताब्दी ई० में, ओसाका के दक्षिण-पश्चिम में स्थित जापान के यमातो नामक स्थान में प्रचलित रही शवाधान प्रथा। इस प्रथा के अनुसार महत्त्वपूर्ण व्यक्तियों को अपेक्षाकृत बड़ी कब्रों में दफन किया जाता था। इन कब्रों के किनारों पर मिट्टी के बेलनों की पंक्ति बनाई जाती थी। पांचवी

शताब्दी ई० में, मिट्टी के बने बेलनों के ऊपरी भाग को, पुरुष, स्त्री, बंदर, घोड़े तथा कुत्तों की आकृतियां से अलंकृत किया जाता था। भारत में हुए उत्खननों में प्राचीन काल के सादे बेलन बने मिले हैं।

Harappa Culture

हड़प्पा संस्कृति

पाकिस्तान के मोंटगुमरी जिले में विकसित ताम्राश्मयुगीन संस्कृति, जिसका आरंभ ई० पू० तृतीय सहस्राब्दि में हुआ। इसकी प्रमुख विशेषता सुव्यवस्थित नगर-योजना, लिपि-ज्ञान तथा विशिष्ट मृद्भांड कला है। इस संस्कृति की प्राप्त वस्तुओं में कांस्य उपकरण, मूर्तियां, आभूषण, लेखयुक्त मोहरें आदि हैं। इस संस्कृति का क्षेत्र-विस्तार उत्तर में हड़प्पा क्षेत्र से लेकर दक्षिण में ताप्ती तक, पश्चिम में बलोचिस्तान से लेकर पूर्व में मेरठ जिले के आलमगीर जिले तक था। इस संस्कृति के अन्य मुख्य केंद्र, मोहेनजोदड़ो, चन्हुदड़ो, झाकूरदड़ो, रोपड, कालीबंगा तथा लोथल आदि हैं।

Hastinapur Cultural sequence

हस्तिनापुर सांस्कृतिक अनुक्रम

हस्तिनापुर का प्रसिद्ध ऐतिहासिक क्षेत्र, जो दिल्ली से 80 किलोमीटर दूर है। पुरातात्त्विक उत्खननों से यहां के पांच सांस्कृतिक कालों का पता चलता है। प्रत्येक काल के बाद संभवत: यह क्षेत्र उजाड़ होता गया और फिर नया अनुक्रम शुरू हुआ। उत्खनन कार्यों के परिणामस्वरूप, यहां प्रत्येक काल में विशेष प्रकार के मृद्भांड-उद्योग मिले हैं। यहां के सबसे प्राचीन मृद्भाड गेरुए रंग के हैं। दूसरे काल के मृद्भांड भूरे सलेटी रंग से चित्रित तथा काले हैं और चाक पर बने हैं। तांबे का प्रयोग भी इस काल में होने लगा था। तीसरे सांस्कृतिक काल के काले ओपदार भांड, पकी ईंटों के भवन व आहत सिक्के मिले हैं। तृतीय, चतुर्थ तथा पंचम काल इतिहास युगीन हैं। आरंभिक दोनों युगों का संबंध उत्खनन कर्त्ताओं ने महाभारत काल से जोड़ने का प्रयास किया है।

Hathori

हथोरी

(अ) प्राचीन मिस्र की प्रणय एवं प्रमोद की प्रतीक देवी, जिसे मानव और पशु दोनों रूपों में अंकित किया गया था। इस देवी का ऊपरी भाग गाय के समान है तथा निचला भाग मानव की तरह बना है। इसे यूनान में एफ्रो-डाइट कहा जाता है।

(आ) सात महिला अप्सराओं में से एक, जो बाल-जन्म के समय आकर उसके भविष्य को बतलाती है।

Hathoric column **हथोरी-स्तंभ**

मिस्री वास्तुकला में, एक प्रकार का स्तंभ, जिसके शीर्ष भाग में प्रणय-देवी हथोरी की आकृति बनी होती थी। यह आकृति स्तंभ-शीर्ष के चारों कोनों पर बनी मिलती है।

hat-stone **टोपीकल (तमिळ)**

छातानुमा महापाषाण स्मारक में, टोपीकल्लु या छाता-प्रस्तर का विशेष स्थान है। भारतवर्ष में टोपीकल युक्त स्मारक केरल प्रदेश में मिले हैं। इनका प्रयोग, विशेषकर आनुष्ठानिक अवसरों पर किया जाता था। इस स्थापत्य-रचना के शीर्ष भाग में पत्थर रखा होता है, जिसका आकार शीर्ष प्रस्तरी गोल आधारवाले चपटे शंकु जैसा होता है। इसके किनारे के भाग भीतर की ओर मुड़े और गोलाकार होते हैं। इस स्मारक का बाह्य स्वरूप अनुवृत्तसम और पत्थरों से बना होता है। यह अनुवृत्त, आधार भाग में चौड़ी गोलाई लेकर ऊपर की ओर क्रमशः पतला होता जाता है।

headcovering **शिरोवस्त्र**

सिर को ढकने या केशों को बांधने का परिधान, केशबंध; जैसे उष्णीष, पगड़ी, साफा, टोपी, आदि।

hearse **1. शवयान**

किसी मृतक व्यक्ति को श्मशान या शवाधान-स्थल तक ले जाने की गाड़ी।

2. ताबूत-ढांचा

किसी राजवंशीय या उच्चकुलीन व्यक्ति के ताबूत या कब्र के ऊपर बना सुंदर, स्थायी या अस्थायी ढांचा। कभी-कभी इस पर मित्रों और संबंधियों की ओर से स्मृति-पद्य तथा समाधि-लेख (epitaph) आदि भी लिखे जाते थे।

heart shaped motif **तांबूलाकृति अभिप्राय, हृदयाकार अभिप्राय**

अलंकरण के लिए प्रयुक्त अभिकल्प विशेष, जिसकी आकृति मानव-हृदय या तांबूल से मिलती-जुलती हो।

heat treated pottery **पके भांड**

आग में पकाए गए मिट्टी के बर्तन। प्रागैतिहासिक काल से मिट्टी के पात्रों को दृढ़ बनाने के लिए आग में पकाया जाता रहा है। आज भी कुम्हार लोग मिट्टी के बने कच्चे बर्तनों को आंवों में रखकर पकाते हैं।

heb-sed हेब-शेद

प्राचीन काल से ही मिस्र के राजाओं द्वारा जयंती पर्व मनाया जाता था। यह पर्व क्यों मनाया जाता था, यह अभी ज्ञात नहीं हो सका है। उत्सव के समय अनेक अस्थायी भवनों का निर्माण होता था। इसका सबसे उत्तम उदाहरण जोसर के सोपान-पिरामिड-समूहों का हेब्-शेद प्रांगण है। प्रवेश-मार्ग और पिरामिड के मध्य में स्थित यह प्रांगण दीर्घायित है। इसके पूर्व और पश्चिम में, कूटायतन (dummy shrines) बने हैं, जिनमें ऊपरी मिस्र और निम्न मिस्र के देवता स्थापित हैं। यहां पर मिस्र के राजा लोग अनेक प्रकार की रस्मों को पूरा करते थे, जिनका आशय ऊपरी मिस्र और निम्न मिस्र को एकता के सूत्र में ग्रथित करना था।

hecatomb शतमेध

प्राचीन यूनान का एक प्रसिद्ध सार्वजनिक धार्मिक उत्सव, जिसमें वृषभों या अन्य पशु आदि की बलि ईश्वर को प्रसन्न रखने के लिए दी जाती थी। 'हेकटा टौम्ब' का शाब्दिक अर्थ 'शत वृषभ' या 'सौ बैलों की बलि' है। होमर ने अपने काव्य में इसका उल्लेख किया है। आगे चलकर बहुत अधिक मात्रा में पशुबलि या व्यापक स्तरीय हत्याकांड के लिए भी इस शब्द का प्रयोग किया जाने लगा।

hecatompedon शतपदी मंदिर, सौफुटा मंदिर

एथेंस के एक्रोपोलिस के ऊपर निर्मित प्राचीन मंदिर। इस मंदिर के ध्वंसावशेष पार्थिनोन के भव्य मंदिर के नीचे दबे हैं। इसका शाब्दिक अर्थ 100 फुट ऊंचे मंदिर से है। स्तंभोपरि रचना तथा त्रिकोणिका मूर्तियों के अध्ययन से, यह मंदिर 550 ई० पू० के पहले का माना जाता है। यह एक साधारण प्रकार का चूने पत्थर से बना डोरिक मंदिर बताया जाता है। इस मंदिर को 490 ई० पू० और 480 ई० पू० के आसपास दूसरे बड़े मंदिर को बनाने के लिए ध्वस्त कर दिया गया था।

यह नाम (Hecatompedon) एथेंस के तृतीय मंदिर पार्थिनान के गर्भगृह के लिए भी प्रयुक्त हुआ है, जिसका निर्माण-कार्य 447 ई० पू० में प्रारंभ हुआ था।

heliaea हीलिया

एथेंस के राजमर्मज्ञ तथा विधि-प्रणेता सोलोन (638–558 ई० पू०) द्वारा स्थापित न्यायालय। यह हीलिया शब्द उस स्थान विशेष के लिए भी प्रयुक्त होता था, जहां पर इस के सदस्य एकत्रित होते थे। इस संस्था के सदस्यों

का चुनाव होता था और इनकी योग्यताएं पहले से ही निर्धारित रहती थीं। न्यायालय के प्रत्येक सदस्य, हेलिएस्ट (Heliast) का अपना निर्धारित चिह्न होता था। सभी प्रकार के विवादास्पद विषय उसके विचार-क्षेत्र में आते थे।

heliolithic culture — **सौर-पाषाण संस्कृति, हीलियोलिथिक संस्कृति**

(अ) मिस्री नवपाषाणयुगीन कृषि संस्कृति। पुरातत्ववेत्ताओं का अनुमान है कि खेती-बारी का ज्ञान मनुष्य को नवपाषाण काल में हुआ। भारतीय संदर्भ में इसका प्रयोग नहीं किया जाता है।

(आ) पाषाणयुगीन धारणाओं और विश्वासों की द्योतक संस्कृति, जिसके लोग सूर्य और महापाषाण स्मारकों को श्रद्धा और आदर प्रदान करते थे।

Helladic Culture — **हेलाडिक संस्कृति**

यूनान की कांस्ययुगीन (लगभग 3,000 से लगभग 1,100 ई० पू० तक विद्यमान रही) भौतिकवादी संस्कृति। यह नामकरण पुराइतिहासज्ञों ने किया है। कालक्रमानुसार इसे पूर्व हेलाडिक (लगभग 3,000 से लगभग 1,950 ई० पू० तक), मध्य हेलाडिक (लगभग 1,950 से लगभग 1,650 ई०पू० तक)तथा उत्तर हेलाडिक (लगभग 1,650 से लगभग 1,100 ई०पू० तक) चार कालों में विभक्त किया गया है। प्रत्येक काल को अलग-अलग प्रावस्थाओं में बांटा गया है। उत्तर हेलाडिक काल को 'माइसिनी काल' भी कहा गया है।

Hellenic — **यूनानी**

(अ) यूनान देश से संबंधित या यूनान का निवासी।

(आ) यूनान की भाषा, जो विशेषतः पश्चवर्ती काल में विकसित हुई; 'क्लासिकी या श्रेण्य यूनानी भाषा'; विशेषतः पश्चवर्ती काल में विकसित यूनानी भाषा।

Hellenic art — **यूनानी कला**

यूनान देश की पल्लवित और पुष्पित कला। इस कला का विस्तार उत्तर पश्चिमी भारत में हुआ, जो आज 'गांधार कला' के नाम से विख्यात है। उत्तर भारत के अनेक प्राचीन कला-केंद्रों में, यूनानी कला का प्रभाव मिलता है।

Hellenic civilization — **यूनानी सभ्यता**

यूनान के ईजियन द्वीप तथा एशिया माइनर के तट पर विकसित विश्व-

विख्यात प्राचीन सभ्यता, जिसने ललित कलाओं के क्षेत्र में अभूतपूर्व उन्नति ही नहीं की, वरन् विश्व की अनेक सभ्यताओं को प्रभावित भी किया ।

helmet — **शिरस्त्राण, लौह टोप**

प्राचीन काल और मध्यकाल मे, युद्ध आदि के समय मारक घातों और हथियारों आदि से सिर की रक्षा के लिए बना विशेष प्रकार का टोप । ये धातु या मोटे चमड़े से भी बनाए जाते थे और विभिन्न आकार-प्रकार के होते थे । भारत में प्राप्त हिंद-यूनानी राजाओं तथा शक सम्राटों के सिक्कों पर इस प्रकार के शिरस्त्राण अंकित मिले हैं।

Henge monument — **हेंज स्मारक**

ब्रिटिश द्वीप में प्राप्त विशेष प्रकार की स्थापत्य रचना, जो प्रागैतिहासिक काल मे धार्मिक या कर्मकांडी स्मारक होती थी । इस इमारत का घेरा वर्तुलाकार, प्रायः 45.7200 मीटर से 516 मीटर तक होता था । इसके चारों ओर खाई बनी होती थी, जो उसे सीमाबद्ध करती थी । इन हेंज स्मारकों के एक या दो प्रवेश मार्ग होते थे । इन स्मारकों में उत्तर नवपाषाणकाल के मृद्भांड मिले हैं, जो 2,000 ई० पू० के पश्चवर्ती माने जाते हैं । प्राप्त कुछ सामग्री पूर्व कांस्य-युगीन भी है ।

Hephaestus — **अग्निदेवता**

यूनान का अग्नि, धातु-कर्म एवं मृद्भांड-निर्माण का देवता । कथाओं में, इसे एथेना के साथ हस्तकलाओं का संरक्षक माना गया है । शिल्प में महारथ प्राप्त होने के कारण, इसे नगर जीवन और सभ्यताओं का प्रवर्तक कहा गया है । भारत में, कुषाण राजा हुविष्क के सिक्कों पर इस देवता की मूर्ति अंकित मिली है ।

Hieracosphinx — **श्येन-व्याल, श्येनमुख**

प्राचीन मिस्री धर्म-कथाओं में वर्णित दानव विशेष; जिसकी अनेक आकृतियां पुरातात्त्विक उत्खनन में मिली हैं । इसका मुख भाग बाज पक्षी की तरह होता है । स्फिक्स आकृतियां अनेक रूपों में बनाई जाती थीं, जिनमें से एक 'श्येन मुखाकार' थी ।

Hieratic — **हाइरेटिक**

सातवीं शताब्दी ई० पू० से द्वितीय शताब्दी ई० तक केवल कर्मकांडी साहित्य के लिए पुरोहितों द्वारा प्रयुक्त प्राचीन मिस्र की प्रवाही

लिपि । इस लिपि को हाइरेटिक नाम यूनानियों द्वारा दिया गया था। पहले इसका बहुत अधिक प्रयोग होता था, किंतु बाद में कम हो गया । इस लिपि का श्रेण्य काल लगभग 2,000 ई० पू० आंका गया है । इस लिपि के अक्षर पेपाइरस पांडुलिपियों में मिलते हैं । 700 ई० पू० के बाद, इस लिपि का स्थान डिमोटिक लिपि ने ले लिया ।

hieroglyphic Hittite **हित्ती चित्रलिपि**

हित्तियों की प्राचीन चित्रलिपि, जिसका संबंध विद्वान लोग मिस्री चित्रलिपि से जोड़ते हैं । इस लिपि का काल मोटे तौर पर 2,400 ई० पू० से पहले का माना जाता है । कुछ विद्वान इसका काल 2,900 ई० पू० से 2,400 ई० पू० के बीच मानते हैं ।

हित्ती भाषा के लेखन में प्रयुक्त एक चित्रलिपि । 1,500 ई० पू० के बाद तक इसका प्रयोग-व्यवहार मिलता है । इसकी उत्पत्ति की तिथि के संबंध में विद्वानों में पर्याप्त मतभेद हैं । हित्ती-भारतीय संबंध का पता बोगजकोई में प्राप्त अभिलेख से हुआ है ।

hieroglyphics **चित्रलिपि**

लिपि विशेष, जिसमें वर्णों के स्थान पर वस्तुओं और क्रियाओं के चित्र बनाकर उनके द्वारा संकल्पनाओं को अभिव्यक्त किया जाता है । मिस्र की चित्रलिपि सबसे प्राचीन मानी जाती है । यूनानी लोग, इसे 'पवित्र उत्कीर्ण लिपि' कहते थे । 'रोजेटा प्रस्तर' तथा 'कैनोपस आज्ञप्ति' में इस लिपि को 'ईश्वरीय शब्दों' का लेखन कहा गया है ।

यूं तो मिस्री लोग, इस लिपि में दाएं से बाएं लिखते थे, पर चित्रों के मुख की दिशा को भी ध्यान में रख कर इसके लेखन-क्रम को निर्धारित किया जाता था । सन् 1,822 ई० में, चेंपोलियम ने इस लिपि का रहस्योद्घाटन किया था । उसके अध्ययन का आधार, रोजेटा तथा फिले के सूचीस्तंभ अभिलेख थे ।

भारत में, शिलाओं तथा धातु-पत्रों में, विविध प्रकार की चित्र लिपियां मिली हैं ।

hierogram **पवित्र प्रतीक**

धर्म-प्रतीक या धर्म-चिह्न, जिन्हें आदर और श्रद्धा की दृष्टि से देखा जाता हो । ऐसे भारतीय प्रतीकों में, स्वस्तिक, नंदिपद, चंद्रमेरु, बोधिवृक्ष, नदी, आदि विशेष उल्लेखनीय हैं ।

hill figure **पर्वत-आकृति, हिल फीगर**

पर्वत पर बनी आकृति; दक्षिणी ब्रिटेन के स्मारक-विशेष। श्वेत पहाड़ी की तलहटी में घोड़े या मनुष्य की आकृति, पर्वत को काट-छांट कर बनाई जाती थी। इनमें सबसे प्राचीन यूफिंग्टन का सफेद घोड़ा है, जो उत्तर लौह युग का माना जाता है। सर्ने अब्बास की विशाल मूर्त्ति रोमकालीन मूर्त्ति है। संभवतः इसका कुछ धार्मिक महत्व रहा होगा। आगे चलकर इसका प्रयोग प्रायः अलंकरण एवं स्मृति-रक्षार्थ किया जाने लगा; भारतीय सिक्कों, मुहरों तथा शिला-गृहों में, पर्वत अनेक रूपों में अंकित मिले है, पर्वत के ऊपर चंद्र, स्वस्तिक, वृक्ष आदि मिले है।

hill jar **शांकव घट**

हानकालीन (202 ई० पू०) चीन का मृद्भांड विशेष, जिसका आवरण या ढक्कन शंकु के आकार जैसा होता था। पात्र के ऊपर पर्वतों, घाटियों, शिकारियों तथा वस्तुओं आदि के चित्र बने होते थे।

hippodrome **1. घुड़दौड़ का मैदान, हिप्पोड्रोम, रंगमंडप**

(अ) यूनानी पुरातत्व के अंतर्गत, प्राचीन यनान में घोड़ों तथा रथों के दौड़ाने का अंडाकार मार्ग। यह 365 मीटर लंबा तथा 114 मीटर चौड़ा होता था। इस मार्ग के दोनों ओर दर्शकों के बैठने के लिए सोपान बने थे। ओलम्पिया के हिप्पोड्रोम में हिप्पोडेमिया की मूर्त्ति प्रतिष्ठापित की गई थी। रोम शासनकाल में यूनान के राज्यों में बने घुड़-दौड़ के मैदान को भी 'हिप्पोड्रोम' कहा जाता था, जिसका आकार रोम रंगमंडप (circus) के समान था। इनमें 'बाइजेन्टियम' का हिप्पोड्रोम सबसे प्रसिद्ध था, जिसका निर्माण सेप्टिमियस ने करवाया था। यूनानी हिप्पोड्रोप की तुलना में, रोम रंगमंडप (circus) अपेक्षाकृत संकीर्ण होता था।

(आ) घोड़ों के करतब दिखाने के लिए बना रंगक्षेत्र।

2. रंगमंडप, रंगभूमि, खेल, तमाशे, (घुड़दौड़ का स्थान)

Hispano Moresque **स्पेनी मूर**

स्पेन में, मूर लोगों के काल से संबंधित, या तत्कालीन वस्तु। स्पेनी-मूर

से तात्पर्य 'स्पेनी कला पर मूर कला का प्रभाव' है। मूर लोगों के प्रसिद्ध कलात्मक अवशेष अलहम्ब्रा में मिले हैं। स्पेन के मूरकालीन भांड अपने असाधारण सौंदर्य एवं ओप के लिए विश्वप्रसिद्ध थे। ये पात्र मुख्यतः ग्रेनेडा के मूर साम्राज्य के एक भाग मलागा में बनाए जाते थे।

Hittite **हित्ती**

(अ) पूर्वी एशिया माइनर के खत्ती देश के प्राचीन आदिवासी। इन भारोपीय लोगों ने, द्वितीय सहस्राब्दि ई० पू० के आरंभ में, एशिया माइनर से पश्चिमी एशिया में आ कर एक सुदृढ साम्राज्य की नींव डाली। सर्वप्रथम उन्होंने मध्य एनातोलिया पर अधिकार कर बोग़जकोई (हत्तूसाज) को अपनी राजधानी बनाया।

हित्ती साम्राज्य 1,350 ई० पू० के लगभग अपने चरमोत्कर्ष पर था। अनुमान है कि 1,230 ई० पू० के आस-पास इस साम्राज्य का पतन हुआ होगा। हित्ती लोगों के तत्कालीन जन-जीवन एवं प्रशासन के बारे में महत्त्वपूर्ण सूचना बोगजकोई के लेख-पट्टों से मिलती है। प्राप्त जानकारी के आधार पर कहा जा सकता है कि हित्ती लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि और पशुपालन था। तांबा, सीसा तथा रजत धातु-कर्म में भी ये लोग दक्ष थे। इनके नगद सुदृढ प्राचीरों से युक्त होते थे। बोगजकोई अभिलेखों में, आर्य शासकों तथा वैदिक देवी-देवताओं के नाम मिलते हैं, जिनसे आद्यइतिहास विषयक महत्त्वपूर्ण जानकारी मिलती है।

(आ) एशिया माइनर तथा सीरिया की एक प्राचीन भाषा। यह लिपि मूलतः चित्रात्मक थी तथा आगे चलकर कुछ अंशों में भावात्मक और ध्वन्यात्मक हो गई। इस लिपि के कुल 419 प्रतीक मिले हैं। यह कभी दाएं से बाएं और कभी विपरीत क्रम से लिखी जाती थी।

hoard **निधि**

भूगर्भ से प्राप्त धनराशि अथवा बहुमूल्य संग्रहीत सामग्री, जैसे सिक्के, रत्न तथा धातु-सामग्री आदि। इसे निखात भी कहा जाता है। उत्तर प्रदेश, बिहार तथा उड़ीसा में, तांबे के उपकरणों की निधियां प्राप्त हुई है। राजस्थान के बयाना नामक स्थान से लगभग 2,000

स्वर्ण मुद्राओं की निधि की प्राप्ति अत्यंत महत्त्वपूर्ण मानी जाती है। इस निधि में, गुप्त शासकों के दुर्लभ तथा अज्ञात सिक्के मिले हैं ।

hod तसला, तगाड़ी

गारा, ईंट इत्यादि को ढोने के लिए बना एक विशेष प्रकार का तसला ।

hoe फावड़ा

जमीन या मिट्टी खोदने का उपकरण, जिसका कार्यकारी फलक लंबे हत्थे के ऊपर समकोणाकार स्थिति में होता है ।

hoe agriculture कुदाल कृषि

कुदाल द्वारा खेती करने का आदिम तरीका, जो हल द्वारा खेती करने के तरीके से पहले प्रचलित था । नवपाषाण काल मे, इसका प्रचलन आरंभ हो गया था ।

homostadial समान अंतरावस्था

पुरातात्त्विक संस्कृतियां, एक ही प्रौद्योगिक स्तर की ओर इंगित करती हैं । समान अंतरावस्था में, यह ध्यान नहीं रखा जाता है कि विभिन्न संस्कृतियों की तिथि एक ही है या अलग-अलग । त्रिकाल पद्धति में इसी सिद्धांत को ध्यान में रखा जाता है ।

homotaxial समस्थानिक

पुरातात्त्विक उत्खननों से प्राप्त वे वस्तुएं, समस्थानिक मानी जाती हैं, जो समान तुलनात्मक स्थिति में, अलग-अलग अनुक्रमों में मिलती हैं । भूविज्ञान के अर्थ में, इन्हें अत्यधिक कालावधि समानता के कारण समकालीन माना जा सकता है, पर पुरातत्त्व के अंतर्गत नहीं ।

Horgen Culture होर्गेन संस्कृति

स्विट्जरलैंड की न्यूशेतेल (Neuchatel) झील के निकट उद्घाटित मध्य नवपाषाणकालीन संस्कृति । प्राप्त अवशेषों से ज्ञात हुआ है कि तत्कालीन मृद्भांड डोलची की तरह बने होते थे । उनमें पट्टीदार अलंकरण किया जाता था । ये आकार-प्रकार, बनावट एवं अलंकरण की दृष्टि से फ्रांस की सेन ओसेमार्ने (Seine-Oise-Marne) संस्कृति के ... से काफी मिलते-जुलते हैं ।

horizon **क्षैतिज**

पुरातत्व में स्तर, तल, एवं क्षैतिज शब्दों का प्रयोग लेखकों द्वारा उस स्थान के लिए किया जाता है, जहा पर पुरावस्तुएं मिलती है। इन पुरावस्तुओं में पर्याप्त समानता अपेक्षित है। इसके लिए यह आवश्यक है कि 'क्षैतिज चिह्नकों' का प्रयोग थोड़े ही समय के लिए किया जाए और शीघ्र ही इन्हें विसरित कर दिया जाए। ये स्थानीय क्षेत्रीय संस्कृतियां स्थूल रूप से समकालीन होती है।

horizontal stratigraphy **क्षैतिज स्तर-विन्यास**

पुरातात्विक उत्खनन के अंतर्गत भूगर्भित विभिन्न स्तरों की खुदाई करने की प्रविधि।

किसी स्थल विशेष के संपूर्ण क्षेत्र के इतिहास की जानकारी हेतु किया गया विस्तृत उत्खनन। इसमें संपूर्ण क्षेत्र के विभिन्न स्तरों के प्रत्येक स्तर का सम्यक् ज्ञान प्राप्त करना अभीष्ट होता है। क्षैतिजाकार स्तर-विन्यास, किसी नगर या स्थापत्यात्मक रचना का सर्वांग पूर्ण रूप प्रस्तुत करता है। इसके विपरीत खड़ी खुदाई से सभ्यता का क्रम निर्धारित होता है।

hunebed **महापाषाण तुंब, हूनबेड**

उत्तरी नीदरलैंड के महापाषाण गृह-तुंब। ये तुंब विशाल प्रस्तरों से निर्मित किए गए और इन्हे 'महापाषाण तुंब' की संज्ञा मिली। इन तुंबों में, एक गोलाकार टीला होता है, जो उपांताश्मों (kerb) से घिरा होता है और आयताकार शवाधान कक्ष को घेरे रहता है। इसकी एक लंबी भुजा में, प्रवेश-मार्ग भी बना होता है। इनका निर्माण ट्रब (TRB) संस्कृतियों के संस्थापकों ने किया था।

Hurri **हूरी**

द्वितीय सहस्राब्दि ई० पू० के आसपास कैस्पियन सागर के दक्षिण-पश्चिम निवासी लोग। कहा जाता है कि यहा से ये लोग सीरिया की ओर आगे बढ़े। हूरी लोगों ने, हित्ती साम्राज्य पर हर्सिलिस प्रथम के काल में आक्रमण किया। हित्ती शक्ति के अभ्युदय के साथ हूरी शासकों ने उनकी अधीनता स्वीकार कर ली। हूरियाई कला और संस्कृति ने हित्ती लोगों को बहुत कुछ प्रभावित किया। याजिलिकाया (Yazilikaya) में स्थित हित्ती मंदिर के उत्कीर्ण चित्रों से हूरी धार्मिक कर्मकांडों का आभास मिलता है।

Hyksos हिक्सास

एशियाई यायावर लोग, जो लगभग 1,800 ई० पू० में सीरिया और फिलस्तीन में फैले थे और जिन्होंने मिस्र में विदेशी राजवंश की स्थापना की। इन्हें 'मेषपाल नृप' (shepherd king) तथा वैदेशिक भूराट् (princes of Foreign lands) भी कहा जाता था। इन्होंने अनुमानतः 1,640 से 1,580 ई० पू० तक संपूर्ण नील घाटी में राज्य किया। 1,580 ई० में अहमीज प्रथम (Aahmes I) ने इन्हें खदेड़ दिया।

hypocaust अधःतापक कक्ष

प्राचीन रोम का वह भूगर्भित अग्निस्थान अथवा तहखाना, जिसमें कमरों को गर्म करने के उद्देश्य से अग्निकोष्ठ बनाए जाते थे और अग्निवाहिका नालियों की सहायता से कमरों को गर्म रखा जाता था। आग जलने से बनी गैस को धूम्र नालों से बाहर निकाल दिया जाता था। अग्नि की उष्णता से कमरा गर्म हो जाता था। ये कक्ष स्तंभों पर टिके रहते थे, जिनमें आग की उष्णता प्रवाहित होती थी। कमरे के फर्श टाइल और कंकरीट के बने होते थे।

hypogeum अधोभूमिक, भूगर्भित

किसी भवन या इमारत का वह भाग, जो जमीन के नीचे बना हो।

प्राचीन यूनानी और रोमन रंगभूमि (amphitheatre) की भूगर्भित वीथिकाएं।

जमीन के नीचे बना शवाधान कक्ष; कब्र।

I

Iberian man आइबेरियाई मानव

प्रथम सहस्राब्दि ई० पू० में, स्पेन के पूर्वी तथा दक्षिण-पूर्वी समुद्रतटवर्ती क्षेत्र में रहनेवाले लोग। इस प्रदेश पर रोमन आधिपत्य हो जाने पर, एक समूह के रूप में इनका अस्तित्व समाप्त हो गया था।

पुरातात्विक साक्ष्यों से इनके अनेक सास्कृतिक समूहों का पता चलता है। इनके अभिलेखों में पर्याप्त समानता भी मिलती है। इनकी कलाकृतियों में आभूषण और मूर्त्तियां विशेष उल्लेखनीय हैं। आइबेरियाई मानव की उत्पत्ति के विषय में कोई प्रामाणिक जानकारी उपलब्ध नहीं है।

ice age — **हिम युग**

अंतिम या महाहिम युग से संवद्ध भूवैज्ञानिक काल। इसे वैज्ञानिक भाषा में, 'अत्यंत नूतन हिमकाल' कहते हैं। इस काल की जलवायु अत्यंत ठंडी थी, जिसमें अनेक प्रकार के प्राणियों और वनस्पतियों का उद्भव हुआ।

ichnolite — **पदांकित प्रस्तर**

अश्मीभूत रूप में मिले पद्-चिह्न; प्रस्तरित पद-चिह्न।

icon — **प्रतिमा, मूर्त्ति**

किसी देवी-देवता की प्रकल्पित या विशिष्ट व्यक्ति की वास्तविक आकृति के अनुरूप बनाई गई मूर्त्ति। प्रतिमा का प्रयोग देवी प्रतिकृतियों के अतिरिक्त, महात्मा, यशस्वी पुरुषों तथा पूर्वजों की बनी हुई मूर्त्तियों के लिए भी किया जाता है। प्रतिमा शब्द वैदिक काल से भारत में प्रचलित रहा है। भारत मे समस्त प्रतिमाएं प्रायः आदरणीय मानी जाती रही हैं। प्रतिमा-निर्माण के माध्यम पत्थर, धातु, मिट्टी, हाथीदांत, हड्डी इत्यादि हैं।

iconography — **प्रतिमाविद्या, मूर्त्तिविद्या**

(अ) वह शास्त्र, जिसमें मूर्त्ति-निर्माण के विभिन्न पहलुओं का निरूपण होता है। प्रतिमा विज्ञान स्वयं एक प्रयोजन न होकर, प्रयोज्य-मात्र है। इसका वास्तविक प्रयोजन प्रतिमा-पूजा है। प्रतिमा शास्त्र की पूर्व पीठिका 'पूजा-परंपरा' मे निहित है।

(आ) मूर्त्ति अथवा चित्र संबंधी पुस्तक; मूर्त्ति-विज्ञान। ग्रुनवेडल (Grunwedel) ने, इस कला को पूर्णतया धर्म से संबंधित माना है। प्रतिमाविद्या की सम्यक् जानकारी के लिए उसके द्रव्य, लक्षण, भेद तथा विकास के विषय में भी ज्ञान अपेक्षित है।

(इ) मूर्तियों की सहायता से निरूपण करने की कला; मूर्तियां आदि बनाने की विद्या या कला।

iconology — प्रतिमाशास्त्र, मूर्तिशास्त्र

वह शास्त्र, जिसमें प्रतिमाओं के आकार-प्रकार, लक्षण, निर्माण-विधि, द्रव्य एवं भेद आदि का शास्त्रीय रीति से विवेचन किया गया हो।

iconometry — तालमान, प्रतिमा मान-विज्ञान

प्रतिमाओं के निर्माण से पूर्व, उनके विभिन्न आकार-प्रकारों, अंगों की निर्धारित माप आदि को व्यवस्थित ज्ञानवाला शास्त्र। प्राचीन भारतीय शिल्पग्रंथों, 'मानसार', 'समरांगण सूत्रधार' आदि में इसका उल्लेख मिलता है।

iconoplastic art — मूर्त्ति निर्माण कला

वह कला, जिसमें मूर्त्ति विद्या तथा मूर्त्ति बनाने के सिद्धांतों के क्रियान्वयन का निरूपण हो।

ideogram — भावचित्र

(अ) चित्रलिपि के बाद की लेखन-अवस्था, जिसमें भावों और विचारों को चित्रों द्वारा अभिव्यक्त किया जाता था। अनेकानेक भाव चित्रों के प्रयोग से, चिह्नों की संख्याओं में निरंतर वृद्धि होती गई। चीनी भाषा भाव-लिपि में लिखी जाती है। चित्रलिपि में चित्र वस्तुओं को व्यक्त करते हैं, पर भाव-लिपि के अंतर्गत चित्र स्थूल वस्तुओं के अलावा भावों को भी व्यक्त करते हैं। उदाहरणार्थ, चित्र लिपि में सूर्य के लिए वृत्त बनाते हैं, पर भाव-लिपि में यह सूर्य के अतिरिक्त अन्य संबद्ध भावों को भी व्यक्त करता है। भारत में भी भाव-चित्र के उदाहरण चित्रकला, मूर्त्ति कला तथा सिक्कों में मिले हैं।

(आ) भावचित्र वह एकमात्र लिखित प्रतीक है, जो संपूर्ण संकल्पना के अर्थ को स्पष्ट करता हो।

ideographic script — भावलिपि

लेखन के विकास की आरंभिक अवस्थाओं में प्रयुक्त वह लिपि, जो ध्वनियों को व्यक्त न करके विचारों, वस्तुओं, संकल्पनाओं या भावों को [illegible] करे।

idolatry **प्रतिमापूजा, मूर्त्तिपूजा**

किसी आकृति, मूर्त्ति या प्रतिमा में ईश्वर या किसी देवी-देवता के अस्तित्व को प्रतिष्ठापित कर उसकी अर्चना या पूजा करना ।

igneous rock **आग्नेय शैल**

लावा के ठंडे पड़ने पर बनी एक प्रकार की चट्टान विशेष, जिसके पत्थरों का प्रयोग प्रागैतिहासिक मानव पाषाण-उपकरण-निर्माण के लिए करता था। आग्नेय प्रस्तरों का वर्गीकरण उनके कणों की संरचना के आधार पर किया जाता है । हल्के रंग के आग्नेय प्रस्तरों में आब्सीडियन, रायोलाइट एवं ग्रेनाइट उल्लेखनीय हैं। गहरे रंग के प्रस्तरों में, बेसाल्ट, ट्रैप तथा ग्रैब्रो आदि हैं । बीच के प्रकारों में, डाइओराइट एवं ऐण्ड्रेजाइट हैं । आग्नेय चट्टान से बने अनेक प्रागैतिहासिक उपकरण मिले है ।

impressed decoration **ठप्पांकित अलंकरण**

मिट्टी के कच्चे बर्त्तनों के धरातल को किसी ठोस वस्तु या ठप्पे से दबाकर ऐसी आकृति बनाना, जो सजावटी या आकर्षक हो । प्राचीन काल में, प्राकृतिक वस्तुओं, चिड़ियों की अस्थियों, कौडियों, दांतेदार समुद्री शंखों आदि की छाप सजावट के लिए लगाई जाती थी । किसी अस्थि या पत्थर की पट्टी को उत्कीर्ण कर कच्चे मृद्भांडों पर उसकी छाप अंकित करने के प्रयोग मिले हैं ।

incense burner **धूपदान**

(1) धूप आदि सुगंधित पदार्थों को रखने का मृत्तिका, काष्ठ या धातु का बना पात्र ।

(2) एक पात्र विशेष, जिसमें धूप, राल आदि सुगंधित द्रव्यों को जलाया जाता है । धूप जलने से निकला धुआं वातावरण को सुगंधिमय बना देता है । पुरातात्विक उत्खननों में, पुराकाल के विभिन्न प्रकार के धूपदान मिले हैं ।

incense cup (=pigmy cup) **धूपदानी (=लघु कटोरी)**

धूप, गंध द्रव्यादि जलाने का पात्र । लघु आकार की धूपदानी लगभग 1,400 ई० पू० की वेसेक्स संस्कृति की ह भस्म कलशों में लघु आकार की

धूपदानी मिली हैं, जो अनेक आकार-प्रकारों की हैं। धूपदानी की उत्पत्ति का इतिहास अंधकारमय है। इन धूपदानी जैसे लघु पात्रों का क्या उपयोग, उद्देश्य और महत्त्व था, यह अभी ज्ञात नहीं हो सका है।

incised decoration — **उत्कतित अलंकरण, उत्कीर्ण अलंकरण**

बनाते समय मिट्टी के बर्तनों को अलंकृत करने की एक प्रविधि, जिसके अंतर्गत कच्चे भांडों की सतह को धारदार उपकरण से कुरेद-खुरच या खोदकर उसे सजाने के लिए फूल-पत्ती या आकर्षक अभिप्राय बनाया जाता था।

incrustation — **परतें जमाना, परतों का जमना, पपंटीयन**

(अ) परतों या तहों के जमने की स्थिति, अवस्था या क्रिया; पपड़ी की रचना।

(आ) (वास्तुकला) किसी संरचना में संगमरमर, मोजेक इत्यादि को सीमेंट या लोहे की पट्टियों की सहायता से फर्श या दीवारों में लगाना या जड़ना।

(इ) (ललितकला) किसी वस्तु पर किसी अन्य वस्तु का जमाना।

index finger pose — **तर्जनी मुद्रा**

प्राचीन भारतीय मूर्तिकला में प्रयुक्त मुद्रा विशेष, जिसमें हाथ की मुट्ठी को बांधकर तर्जनी और मध्यमा को फैलाया जाता है। तंत्र में भी इस मुद्रा का प्रयोग होता है।

indigenous culture — **देशज संस्कृति**

किसी देश की मौलिक संस्कृति, जिस पर विदेशी प्रभाव न पड़ा हो।

indirect percussion technique — **अप्रत्यक्ष आघात प्रविधि**

प्रागैतिहासिक काल में, प्रस्तर के उपकरण बनाने की प्रविधि; जिसके अंतर्गत, जिस पत्थर के क्रोड से फलक-शल्क निकालना अभीष्ट होता था, उसे प्रारंभिक रूप से गढ़ लिया जाता था। फिर लंबान में समकोण स्थिति रखते हुए एक अथवा दोनों किनारों पर लघु आकार के शल्क निर्मित कर समतल आघात-स्थल का निर्माण किया जाता था। इसके उपरांत इस प्रविधि से क्रोड के आघात-स्थल पर कड़ी लकड़ी या अस्थि को पार्श्व में रखकर धीरे-धीरे हथौड़े से प्रहार किया जाता था। क्रोड पर प्रहार सीधा न कर परोक्ष रूप से किया जाता था। इसे लवाल्वाई विधि भी कहा जाता है।

Indo-Aryan architecture — **भारतीय आर्य वास्तुकला**

भारतीय वास्तुकला का वह रूप, जिसमें शिखर शैली के मंदिर तथा हिंदू वास्तुकला के अन्य रूप आते हैं।

Indo-European languages — **भारोपीय भाषा-समूह**

भारत-यूरोपीय भाषाओं का परिवार। इसे अब 'भारतहित्ती परिवार' भी कहा जाता है। इन भाषा-समूहों का उदय स्टेपीज क्षेत्र से माना जाता है। द्वितीय सहस्राब्दि ई० पू० में, लोगों के आवागमन से इस भाषा वर्ग का विस्तार यूरोप, निकट-पूर्व, ईरान और भारत में हो गया। समस्त यूरोपीय भाषाएं ही नहीं, संस्कृत तथा उससे संबंधित भाषाएं भी इसी समूह से उत्पन्न मानी जाती हैं। संस्कृत और यूरोपीय भाषाओं में साम्यता के संबंध में खोज सन् 1,786 ई० में, सर विलियम जोन्स ने की थी। भारोपीय शब्द का प्रयोग भाषायी अर्थ में ही किया जाना अपेक्षित है।

Indology — **भारतीय विद्या**

वह विद्या, जिसमें भारत के प्राचीन इतिहास, धर्म, दर्शन, भाषातत्त्वादि एवं साहित्य का अनुसंधानात्मक विवेचन और अध्ययन किया जाता है। भारतीय इतिहास एवं पुरातात्त्विक अध्ययन की यह महत्त्वपूर्ण कड़ी है।

Indus Culture — **सिंधु संस्कृति**

विश्व की प्राचीनतम संस्कृतियों में से एक, जिसका नामकरण सिंधु-घाटी में स्थित हड़प्पा तथा मोहनजोदड़ो में प्राप्त महत्त्वपूर्ण आद्य ऐतिहासिक अवशेषों के आधार पर किया गया। इस संस्कृति का पता सन् 1,921 ई० में श्री राखालदास बनर्जी ने लगाया और सर जान मार्शल, माधो स्वरूप वत्स, मेके तथा मार्टिमर व्हीलर आदि ने इस संस्कृति का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया।

इसका विस्तार सिंधु घाटी क्षेत्र के अतिरिक्त बिलोचिस्तान, पूर्वी पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, राजस्थान तथा गुजरात में भी मिला है। इसकी सांस्कृतिक विशेषताओं में, सुनियोजित नगर-निर्माण, लिपि का ज्ञान तथा उच्च स्तरीय नागरिक जीवन मुख्य हैं। अब इस संस्कृति के मुख्य केंद्र हड़प्पा के नाम पर इसे 'हड़प्पा संस्कृति' कहा जाता है।

industry — **उद्योग**

जब किसी स्थान विशेष पर बड़ी संख्या में मानव-निर्मित उपकरण मिलें तो उसे उद्योग कहा जाता है। ये उपकरण एक ही वर्ग के लोगों की कृति होते हैं।

इस प्रकार के उद्योगों में, पंजाब के सोहन, दक्षिण भारत के मद्रास तथा दस के नेवासा उद्योग उल्लेखनीय हैं। विदेशों में, फ्रांस का अबेवील, वर्मा क एनियाथियां तथा जावा का पाटजितान उद्योग महत्त्वपूर्ण हैं।

inhumation

शवाधान, दफ़नाना

मृतकों को भूमि में गाड़ने की प्रथा। सामान्यतः शवाधान गड्ढा खोदकर बनाए जाते हैं। ये प्राकृतिक और निर्मित दोनों प्रकार के मिले हैं। मृतक को कब्र में रखकर मिट्टी से ढक दिया जाता है। प्रागैतिहासिक काल से शवों को अनेक प्रकार से गाड़ने की प्रथा विद्यमान रही है, जैसे विस्तीर्ण (extended) तथा निकुंचित शवाधान इत्यादि।

inlay work

खचन कार्य, जड़ाई, पच्चीकारी

किसी वस्तु को किसी दूसरी वस्तु के धरातल में ठोक या धंसा कर इस प्रकार जमा देना कि वह उस स्थान में पक्की तरह बैठ जाए। इस पद्धति से पात्रों, आभूषणों आदि में नग जड़े जाते हैं।

inscription

शिलालेख, अभिलेख

धातु, पत्थर, हाथीदांत, बर्तन, मोहर आदि पर उद्भृत या उभार कर बनाए गए लेख।

insulae

खंड

रोम के नगरों में बनी इमारत या इमारतों का समूह, जिससे एक खंड या वर्ग बनता है।

intaglio

उत्कीर्ण चित्रकारी, उत्कीर्ण अंकन

कठोर प्रस्तर या धातु पर खोद कर बनाई गई आकृति।

integration period

समाकलन काल, एकीकरण काल

यूकेडोरियाई प्रागितिहास की अंतिम प्रावस्था, जो 500 ई० से इंका विजय (1,532–33 ई०) तक बनी रही। इस काल में, काफी बड़े क्षेत्र में सांस्कृतिक विकास की धारा बहने लगी थी। इस प्रावस्था में, कृषि और धातु-विज्ञान के क्षेत्रों में विशेष उन्नति हुई और नगरीय सभ्यता केंद्रों की स्थापना हुई।

inter agency archaeological salvage programme

अंतः एजेंसी पुरातात्विक भ्रंशोद्धार कार्यक्रम

जब किसी पुरातात्विक महत्त्व के स्थल प्रति के जल-नियंत्रण, विकास, भवन आदि की योजनाओं के क्रियान्वयन के परिणामस्वरूप पूर्ण या आंशिक हानि

की आशंका होती है, तब इस कार्य से संबंधित अंतर-अभिकरण, पुरातात्त्विक महत्त्व की वस्तुओं को सुरक्षित रूप से निकालने या उनके स्थानांतरण के संबंध में आवश्यक कार्यक्रम बनाते हैं। भारत में, इस प्रकार के कार्यक्रमों में, विख्यात बौद्ध स्थल नागार्जुनकोंडा को जलमग्न होने से बचाना था। आस्वान बांध के बनने के कारण मिस्र के प्रसिद्ध नूबिया स्मारकों को भी इसी कार्यक्रम के अंतर्गत जलमग्न होने से बचाया गया।

interglacial — **अंतर्हिमावर्ती, अंतर्हिमनदीय, अंतर्हिमानी**

दो हिमानी युगों के बीच का या उससे संबंधित।

interment — **शवाधान, दफ़नाना**

किसी मानव के मृत शरीर को भूमि के अंदर, क़ब्र या समाधि आदि के भीतर रखने का कार्य या समारोह।

प्रागैतिहासिक तथा ऐतिहासिक काल-संबद्ध उत्खननों के परिणामस्वरूप अनेक प्रकार से शवों को दफ़नाने के तरीके ज्ञात हुए हैं।

intonaco — **अंतिम लेप, अंतिम कोट**

प्राचीन काल के भित्ति-चित्रों में पलस्तर का अंतिम और सर्वाधिक परिष्कृत लेप। इस पलस्तर का लेप आमतौर से दीवारों के छोटे-छोटे खंडों में किया जाता था। यह लेप साधारण जल या चूने के जल से मिश्रित रंग के घोल से बनता था।

Ionian — **आयोनी**

(अ) आयोनिया के निवासी, विशेषकर यूनान के वे लोग, जो प्राचीनतम यूनानी आक्रमणकारियों की संतति थे। इन की गणना प्रागैतिहासिक यूनानियों के मुख्य चार वर्गों में से एक के रूप में की जाती है। डोरियाई आक्रमण के उपरांत, ये लोग ईजियन द्वीप तथा एशिया माइनर में चले गए।

(आ) आयोनिया का या उससे संबंधित।

(इ) यूनानी लोगों की उस शाखा से संबंधित, जिसका नामकरण उस 'आयोन' से हुआ, जो उनका पौराणिक प्रथम पूर्वज या शाखा का संस्थापक माना जाता है।

Iron Age **लौह युग**

मानव-विकास की वह अवस्था, जिसमें मनुष्य ने लोहे का प्रयोग करना सीखा। यह विकास के तीन युगों (पाषाण युग, कांस्य युग एवं लौह युग) की अंतिम कड़ी है। भारतवर्ष में, ऋग्वैदिक काल में लोहे (अयस) का उल्लेख मिला है। यूरोप में, इसका प्रयोग 1,100 ई०पू० के आसपास माना जाता है। मध्य यूरोप की हाल्स्टाट सभ्यता (आस्ट्रिया) (लगभग 1,000–1,500 ई० पू०) से लौह युग के आरंभ का पता चलता है। एटा (उत्तर प्रदेश) के अतरंजीखेड़ा में हुए उत्खननों में, लोहा लगभग 1,100 ई० पू० के स्तर से मिला है।

Irregular point **अनियमित वेधनी**

प्रागैतिहासिक पाषाण वेधनी का एक प्रकार। इस प्रकार के उपकरणों का कोई निश्चित या निर्धारित आकार नहीं है। इसकी विशेषता केवल उपकरण की नोक है, जिसे परिष्कृत भी किया जाता था। नोक को छोड़कर अन्य भाग प्रायः अनगढ़ित होता है।

J

jade **हरिताश्म, जेड**

हरित या श्वेत वज्रमणि; जेडाइट या नेफ्राइट खनिजों में से एक, जो प्रायः हरे रंग का होता है। भारत में, हरिताश्म के बने मनके आभूषणों के रूप में प्रयुक्त होते रहे हैं।

janiform **द्विमुखी**

(1) दो मुखोंवाली ऐसी मानव मूर्त्ति, जिसकी ग्रीवा एक तथा मुख दो हों।

(2) दो मुंहवाले प्राचीन रोमन देवता जेनस के समरूप वाला।

Janus **जेनस**

प्राचीन-रोम का देवता, जिसकी स्मृति में जनवरी नाम रखा गया। प्राचीन रोम के भवनों के मेहराबों एवं द्वारों पर इसकी मूर्त्ति उत्कीर्ण की जाती थी। इस मूर्त्ति का मस्तक तो एक होता था पर इसके दो मुख विपरीत दिशाओं में बने होते थे।

jar burial **कलश शवाधान**

मृतकों को गाड़ने की एक प्रागैतिहासिक प्रथा, जिसके अंतर्गत मिट्टी के विशाल भांडों में मुर्दे को रखा जाता था। यह प्रथा विशेषकर भूमध्यसागरीय क्षेत्र के अनेक स्थानों में प्रचलित थी। अनातोलिया के पूर्व कांस्ययुगीन-काल में भी इस प्रथा का पता चलता है। भारत में, ताम्राश्मयुगीन अनेक स्थलों से कलश शवाधान प्राप्त हुए हैं।

Java man **जावा-मानव**

लुप्त-मानव का आदिम रूप। जावा मानव को प्राचीन मानव का वह अति प्राचीन रूप माना जाता है, जिसकी नस्ल बहुत पहले लुप्त हो चुकी थी। जावा-मानव को खोज निकालने का श्रेय यूजीन डुबाय को है, जिन्होंने सन् 1891 ई० में जावा के ट्रिनिल नामक स्थान से एक जंघास्थि कपाल और दो दांतों को खोज निकाला था। यह माना जाता है कि यह मानव सीधा खड़ा होकर चल सकता था, इसलिए इसे कपि मानव ('पिथिकेंथ्रोपस इरेक्टस') कहा जाता है। इसका ललाट बहुत कम चौड़ा था और चिबुक नहीं था। इसके मस्तिष्क की क्षमता 900 से 1,000 घन सेंटीमीटर थी। कुछ विद्वानों की धारणा है कि यह मानव बोलना भी जानता था।

jet **जेट**

एक प्रकार का काला और कच्चा पत्थर, जिसका प्रयोग ब्रिटेनी कांस्य युग में मिलता है। इस पत्थर से बटन, मनके, आभूषण, खिलौने तथा अन्य अलंकरण की वस्तुएं बनाई जाती थी।

Jhangar culture **झांगर संस्कृति**

सिंधु या हड़प्पा सभ्यता कालीन एक प्रमुख संस्कृति। झांगर संस्कृति में मृद्भांडों के निर्माण तथा उनके उपचार की पूर्णतया नई तकनीक का प्रयोग किया गया था। इस संस्कृति के उत्कीर्ण काले मृद्भांडों तथा बंगलौर में प्राप्त हुतनहल्ली (Huttanhalli) के मृद्भांडो में काफी साम्य है। काले मृद्भांडों में 'घंटाकार मृद्भांड' विशेष उल्लेखनीय है। ये यूरोप की डेन्यूबी सभ्यता में भी मिले हैं।

11—387 C.H.D.(ND)/77

Jhukar culture झूकर संस्कृति

पाकिस्तान के सिंध क्षेत्र में प्राप्त ताम्रपाषाणकालीन संस्कृति, जो हड़प्पा संस्कृति की पश्चवर्ती संस्कृति है। सिंधु, बलोचिस्तान और पश्चिम एशिया से संभवतः इस संस्कृति का संबंध रहा होगा, क्योंकि यहां पर प्राप्त वस्तुओं से इनके मध्य पारस्परिक संपर्क का आभास होता है। झूकर मृद्भांडों तथा हड़प्पाकालीन मृद्भांडों के शैली-विन्यास और अलंकरण में पर्याप्त साम्यता है।

Jorwe culture जोर्वे संस्कृति

महाराष्ट्र राज्य के अहमदनगर जिले में, प्रवरा नदी के किनारे जोर्वे नामक स्थान में प्राप्त ताम्राश्मयुगीन संस्कृति। इस संस्कृति में चाक पर बने बहिर्गत मुंहवाले मृद्भांड मिले हैं। ये मृद्भांड लाल रंग के होते थे, जिन्हें काले रंग से चित्रित किया जाता था। इनके अलावा हाथ से बने कलश और बड़ी-बड़ी तश्तरियां भी मिली हैं। प्राप्त लघु पाषाण-उपकरण, क्रोड एवं शल्क पर बने हैं। रेडियो कार्बन प्रविधि से इस संस्कृति का काल 1,375-1,050 ई० पू० निश्चित किया गया है। जोर्वे संस्कृति का प्रसार दकन क्षेत्र में रहा।

K

Kalibangan कालीबंगा

राजस्थान के गंगानगर जिले में, प्राचीन सरस्वती नदी के तट पर प्राप्त आद्यऐतिहासिक संस्कृति। कालीबंगा के निचले स्तर में, हड़प्पा संस्कृति की पूर्ववर्ती संस्कृति मिली है। ऊपरी स्तरों पर हड़प्पा की परिपक्व संस्कृति के अवशेष मिले हैं। दोनों संस्कृतियों की कड़ी के रूप में कालीबंगा स्थल का विशेष महत्व है।

रेडियो-कार्बन प्रविधि के आधार पर इसकी प्रारंभिक संस्कृति की

तिथि 2,150 ई०पू० आंकी गई है। प्राप्त महत्त्वपूर्ण अवशेषों में प्राचीरें, स्नानागार, कुएं, अग्निकुंड, चिकने घोया पत्थर के मनके, पकी मिट्टी की लुटियां, मिट्टी के काले लाल मृद्भांड तथा बहुमूल्य पत्थर आदि मिले हैं।

kaolin (China clay) **केओलिन**

शुद्ध श्वेत रंग की मिट्टी, जिसका प्रयोग मिट्टी के बर्तन बनाने के काम में होता है।

Kassites **कसीइट**

मध्य जेग्रोस पहाड़ों के निवासी वे लोग, जिन्होंने हित्ती आक्रमण के उपरांत, लगभग सन् 1,595 ई० पू० में बेबिलोन पर अधिकार किया था। चार शताब्दियों तक उनका बेबिलोन नगर में लगभग 1,157 ई०पू० तक अधिकार रहा।

keeled scraper **निधरणाकार क्षुरक, निधरणाकार खुरचनी**

यूरोपीय उच्च पूर्व पाषाणकालीन विशिष्ट उपकरण, जो शल्क तथा क्रोड दोनों पर बना मिलता है। इस उपकरण के बीच के उभरे भाग से, संकरे तथा छिछले शल्क निकाले जाते हैं, जिनसे उपकरण की कार्यकारी धार बनती है। मध्य भाग के समानांतर शल्क चिह्न पंखे की तरह लगते हैं। ये चिह्न संभवतः नाली प्रविधि (fluting technique) से निकाले जाते थे।

kerb **उपांताश्म**

किसी संगोरा या स्मारक के छोर भाग में चारों ओर बनी पत्थर की तह दीवार या पत्थर की चिनाई जो, पुश्ते का कार्य करती है

kernos **दीप-मंडित पात्र, करनास**

मिट्टी के जार जैसा बना प्राचीन बर्तन, जिसके घेरे के चारों ओर छोटे आकार के अनेक चषक लगे रहते थे। पूर्वी भूमध्यसागरीय क्षेत्रों के उत्खनन में इस प्रकार के पात्र मिले हैं। यह अभी ज्ञात नहीं हो पाया है कि इन पात्रों का प्रयोग किस प्रयोजन के लिए होता था।

kero **काष्ठ बीकर, केरो**

लकड़ी का बना विशाल आकार का बीकर, जिसके पार्श्व भाग सीधे फैले होते हैं। इस पात्र में, उकेरकर ज्यामितिक नमूने बनाए गए हैं। इंका सभ्यता युग में इसका प्रयोग होता था।

kiln आंवा, भट्ठा

ईंटों और मृद्‌भांडों को पकाने के लिए संरचित कक्ष या गर्त्त, जिसमें आग जला कर कच्चे मृद्‌भांडों को पकाया जाता था।

kitchen midden घूरा, किचिन मिडन

शाब्दिक अर्थ में, घरेलू कूड़ा-करकट, फेंकने का स्थान; और संकीर्ण अर्थ में, खाद्य संग्राहकों द्वारा छोड़े गए समुद्री सीपियों के टीले।

प्रागैतिहासिक कूड़े का ढेर, जो क्षेत्र विशेष में मानवीय निवास का परिचायक है। विगत सौ वर्षों में, फ्रांस, सार्डीनिया, पुर्त्तगाल, ब्राजील, जापान और डेनमार्क में, अनेक ऐसे प्रागैतिहासिक ढेर मिले हैं, जिनमें समुद्री जानवरों के पंजर, थलचर पशुओं की अस्थियां और पाषाण उपकरण और दैनिक जीवन में काम में आनेवाली अनेक वस्तुएं हैं। डेन्मार्क में, कूड़े के इन निक्षेपों को 'किचिन मिडन' कहते हैं।

kiva किवा

प्यूबलो इंडियन वास्तुकला के अंतर्गत वह आनुष्ठानिक कक्ष या वास्तु-सरचना, जो मुख्यतः भूगर्भित और सामान्यतः गोलाकार होती थी। इस संरचना के अंतर्गत, अग्निस्थल, वेदी-स्थान तथा सिपापू (सछिद्र फर्श) बने होते थे। किवा में प्रवेश करने के लिए, प्रवेश-मार्ग तथा उसमें प्रकाश के लिए प्रायः ऊपर की ओर से रोशनी की व्यवस्था होती थी।

Knoviz culture नोविज संस्कृति

मध्य एवं उत्तर पश्चिमी बोहेमिया की वह कलश-क्षेत्र संस्कृति, जो 'ट्यूमूलस (Tumulus) कांस्ययुगीन संस्कृति' के ह्रास के उपरांत आई। इस संस्कृति का, मिलेवस (Milavce) प्ररूप–स्थलीय संस्कृति से बहुत अधिक साम्य है। अंतर केवल इनके शवाधान-संस्कारों में है। इस संस्कृति के लोग अपने मृतकों को कलशों में रखकर भूमि में गाड़ते या दबा देते थे।

Kuban culture कूबन संस्कृति

उत्तरी काकेशस की ताम्रयुगीन संस्कृति, जो कुरगन क़ब्रों, युद्ध कुठारों तथा धातु की वस्तुओं के लिए विख्यात रही है। इन क़ब्रों में प्राप्त सामग्री से तत्कालिन समाज, रीति-रिवाज भांडों और उपकरणों के संबंध में बहुमूल्य जानकारी मिलती है।

Kulli **कुल्ली**

दक्षिण बलोचिस्तान की प्रसिद्ध ताम्रपाषाणकालीन संस्कृति और तत्युगीन मृद्भांड शैली, जिसका सर्वप्रथम उत्खनन सर ओरेल स्टाइन ने करवाया था। इस संस्कृति के चाक निर्मित मृद्भांड मुख्यत: पीले रंग के हैं, जिन पर काले रंग से विशेष प्रकार की चित्र रचना की गई है। इन पर लंबे आकार के कूबड़वाले बैल बने हैं, जिनके ऊपर गोलाकार एवं ज्यामितिक आकृतियों के नीचे बकरों की लघु आकृतियां बनी है। वृषभ तथा नारी की मृण मूर्तियां भी मिली हैं। हड़प्पा संस्कृति पर, जिन संस्कृतियों का प्रभाव पड़ा, उनमें एक कुल्ली संस्कृति भी है।

L

labrum **पाषाण वाष्प स्नानागार, पाषाण स्नान-कुंड, लेब्रम**

(अ) प्राचीन रोम का, पत्थरों से बना नहाने का पक्का हौज।

(आ) प्राचीन रोम का अलंकृत स्नान-कुंड।

laconicum **लेकोनिकम**

रोम गणराज्य के अवसान काल में, रोमवासियों द्वारा निर्मित कक्ष, जिसमें पसीना लाने के लिए शरीर पर शुष्क और गरम हवा प्रवाहित की जाती थी। शरीर की ताप सहने की क्षमता के अनुसार स्नान-कक्ष का तापमान बढ़ाया-घटाया जा सकता था। यह स्नान-कक्ष लघु गोलाकार कमरे के रूप में होता था, जिसके ऊपर गुंबद भी बना रहता था। मेहराबदार छत पर बने छिद्रों से कक्ष के भीतर प्रकाश की व्यवस्था होती थी। इस छिद्र के नीचे कांसे की ढालें, लड़ियों में लटकी रहती थीं और उन्हें झुका कर या उठाकर तापमान को कम या ज्यादा किया जाता था।

रोमवासियों ने, वाष्प-स्नान की यह प्रथा यूनानियों से ग्रहण की थी।

lacquer लाख का काम, लाक्षा कर्म

वृक्ष विशेष की टहनियों से प्राप्त लाख या लाक्षा नामक गोंद की तरह का पदार्थ। यह मूलतः भूरे रंग का होता है। रंग में परिवर्तन लाने के लिए इसमें दूसरे प्रकार के रंग मिलाए जाते हैं। लाख के भवन, 'लाक्षागृह' बनाने का उल्लेख 'महाभारत' में हुआ है।

उत्खनन में प्राप्त लाख के प्राचीनतम अवशेष कोरिया में लगभग 50 ई० पू० से 50 ई० तक हान कालीन मकबरों में मिले हैं। कुछ नमूनों में अभिलेख अंकित मिले हैं, जिनसे यह ज्ञात होता है कि लाक्षा कर्म की प्रविधि मूलत चीनी नहीं थी।

lake dwelling (=Crannog) सरोवर वास, सरोवर वास-स्थान, झील घर (=क्रेनोग)

किसी झील के ऊपर बनाया गया घर। प्रागैतिहासिक मानव, तालों के निकट तथा दलदली भूमि पर अपने निवास-स्थान बनाते रहते थे। इन झीलघरों के पुरातात्त्विक अवशेष नव-पाषाण काल के आरंभ से मिलते हैं, जो अनुमानतः 2,800 ई०पू० के आंके जाते हैं। स्विट्जरलैंड और जर्मनी की झीलों पर इस प्रकार के निवासों के अवशेष मिले हैं। ब्रिटिश द्वीप-समूह के इस प्रकार के लौह-कालीन आवासों को क्रेनोग (Crannog) कहते हैं।

lance भाला, कुंत

प्रसिद्ध प्राचीन उपकरण या अस्त्र, बरछा, नेजा, जिसके विशाल और मोटे दंड के छोर पर नुकीला और पैना एक बड़ा फल लगा होता है।

lancehead भालाग्र, कुंताग्र

(i) भाले के आगे का वह नोकदार भाग, जिससे शिकार को मारा जाता था।

(ii) पाषाण, हड्डी या धातु की बनी बेधनी, जो आकार में बाणाग्र से बड़ी और शूलाग्र से छोटी होती थी। इसे बल्लम की तरह लकड़ी में फंसा कर प्रक्षेपित कर फेंकने के काम में लाया जाता था। प्रागैतिहासिक मानव इस प्रकार के उपकरणों का प्रयोग आखेट के समय किया करता था।

Lanceolate handaxe भालाकार हस्तकुठार, नुकीला हस्तकुठार

प्रागैतिहासिक पाषाण-हस्तकुठारों का एक प्रकार। यह उपकरण भाले

के फलक अथवा लंबी पत्ती के समान होता है। यह ऊपर से नुकीला और इसकी नीचे की ओर दोनों भुजाएं शुंडाकार होती हैं। इस उपकरण को ठीक प्रकार से तराशा जाता था, इसलिए इसमें बाह्यक (cortex) नहीं होते। इस उपकरण के किनारे बहुत पतले, पैने तथा तीक्ष्ण पाए गए हैं।

lapidary — **1. मणिकारी, अश्मोत्कीर्णन**

हीरे-जवाहरातों व कीमती पत्थरों को काटने-छांटने, परिमार्जित और उत्कीर्ण करने की कला या उससे संबंधित।

2. मणिकार

वह कारीगर, जो हीरे-जवाहरातों, कीमती पत्थरों आदि को काटने-छांटने, परिमार्जित और उत्कीर्ण करने की कला में दक्ष हो।

lapis lazuli — **लाजवर्द मणि**

वह प्रसिद्ध और कीमती हल्के नीले रंग का रत्न, जिसके तल पर सुनहरी चित्तियां बनी होती हैं। प्राचीन सुदूर में, अलंकरणात्मक जड़ाई के मानकों तथा मुहरों में इस लोकप्रिय पत्थर का प्रयोग किया जाता था। यह बहुत बड़ी मात्रा में, बदख्शां, (उत्तरी अफगानिस्तान) में मिलते थे और वहां से सुदूर देशों को भेजे जाते थे।

larnax — **शवाधानी, मिट्टी का ताबूत**

(यूनानी पुरातत्व) शव को रखने के लिए बनी (बक्सानुमा) पेटी या ताबूत, जो मुख्यत: मिट्टी से बने होते थे। उत्खनन में पत्थर की शवपेटी भी मिली हैं। कभी-कभी शवाधानी को बाहर से अलंकृत भी किया जाता था।

Larnian Culture — **लार्नी संस्कृति**

मध्य पाषाण कालीन संस्कृति, जिसका नामकरण आयरलैंड के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र लार्न के नाम पर पड़ा। इस संस्कृति का विशिष्ट उपकरण शल्क पर निर्मित एक पर्णाकार वेधनी है।

late glacial phase — **पिछली हिमावर्त्तनीय प्रावस्था**

हिम युग की वह अंतिम प्रावस्था, जब हिमनदियों ने अंतिम रूप से पीछे हटना प्रारंभ कर दिया था। इस समय की महत्त्वपूर्ण संस्कृतियां अहेंसबर्ग (Ahrensburgian), क्रेसवेली (Creswellian) फेदरमेसर (Federmesser) एवं हैंमबर्ग (Hamburgian) हैं।

La Tene ला तेन

स्विट्जरलैंड की न्यूचेटल झील के पूर्वी छोर ला तेन में प्राप्त हुए महान लौह युगीन निक्षेप। इस स्थल का सर्वप्रथम उल्लेख सन् 1,858 ई० में मिलता है। यूरोपीय द्वितीय लौह युग का नामकरण इसी स्थलनाम के आधार पर किया गया। सन् 1,907 से 1,917 ई० के मध्य हुए उत्खननों के परिणामस्वरूप काष्ठ स्थूण, काष्ठ सेतु तथा लोहे और कांसे के बने अनेक उपकरण यहां मिले, जिन पर सिथियाई प्रभाव दृष्टिगोचर होता है। ला तेन संस्कृतियों में सरथ-शवाधान मिले हैं। इसे मारनियन (Marnian) संस्कृति भी कहा जाता है, जो वस्तुतः हालस्टाट युग की पश्चवर्ती संस्कृति थी। पुरातत्त्ववेत्ताओं ने इसका काल 500 ई० पू० से 100 ई० माना है। ब्रिटेन की संस्कृतियों पर ला-तेन संस्कृति का प्रभाव स्पष्टतः दृष्टिगोचर होता है।

lattice जाल, जाली, जालक

लकड़ी, पत्थर या धातु की बनी ऐसी रचना, जिसमें प्रायः नियत और नियमित रूप से थोड़े-थोड़े अंतराल पर छिद्र या कटाव चिह्न बने हों।

विकर्ण पट्टियों से युक्त, गुथे हुए बहुत से तारों, शिराओं या रेखाओं का ऐसा समूह, जो किसी काष्ठ या धातु रचना पर बना हो।

laurel leaf implement लारेल पत्र-उपकरण

लारेल वृक्ष की पत्ती की आकृति जैसे प्रागैतिहासिक पाषाण-उपकरण, जिनके छोर नोकदार, पर कार्यांग अपेक्षाकृत अधिक नुकीले होते हैं। संभवतः छोटे आकार के लारेल-पत्र, वेधनी, भाले एवं तीर की नोक के काम में लाए जाते होंगे। कुछ लारेल-पत्र उपकरण आकार में लंबे मिले हैं, जिनके संबंध में प्रो० ब्रैडवुड की धारणा है कि ये कटार या चाकू की तरह होते होंगे। इनके फलक संघात-प्रक्रिया द्वारा प्रयुक्त और शल्क दबाव प्रविधि से निकाले जाते होंगे।

Lausitz culture(=Lusatian Culture) लौसिट्ज संस्कृति

पूर्वी जर्मनी, उत्तरी चेकोस्लोवाकिया तथा पोलैंड के बहुत बड़े भाग में, लगभग 1,200 ई० पू० में फैली कलशक्षेत्र संस्कृति। सुंदर और काले मद्भांड इस संस्कृति की विशिष्ट देन हैं, जिन्हें ठप्पे एवं नालीदार अलंकरणों से सुशोभित किया गया है। कुछ विद्वानों द्वारा मध्य कांस्य युगीन 'प्राक्-लौसिट्स' प्रावस्था को लौसिट्ज संस्कृति की प्रथम प्रावस्था माना जाता है।

इस संस्कृति को लूमेनी संस्कृति भी कहा जाता है।

layer — **परत, स्तर**

एक दूसरे के ऊपर जमी सतह।

भू विज्ञान में, प्राकृतिक कारणों से निर्मित वह स्थिति, जिसमें भूमि, स्तरों या परतों के रूप में बनी हो। मार्टिमर व्हीलर के अनुसार, "व्यवहार में, किसी स्थल के पुरातत्त्वीय इतिहास की उत्तरोत्तर अवस्थाओं का निरूपण करने वाले स्तरों की पहचान और उनके सहसंबंध को समझना, उत्खननकर्त्ता के प्रमुख कार्यों में से एक महत्त्वपूर्ण कार्य है। सामान्यतः रंग, सामग्री या अंतर्वस्तुओं के आधार पर स्तरों में भेद किया जाता है।"

leaf and dart ornament — **पर्ण-शर अलंकरण**

श्रेण्य कालीन सज्जा-पट्टी, जिसमें पत्तों एवं बाण की आकृति एक-के-बाद एक क्रम से बनाई जाती थी।

lecythus (lekythos) — **कुप्पी, लेसियस, लेकियोस**

तेल, मरहम इत्यादि रखने का यूनानी श्रेण्य पात्र, जो मूलतः बेलनाकार होता था। आगे चलकर ये कुप्पियां गोल और बेलनाकार भी बनने लगीं। इसका आकार सुंदर, सुरुचिपूर्ण तथा इनकी ग्रीवा सकीर्ण होती थी। श्वेत, बहुरंगी अलंकरणों से युक्त लेसिय पात्र अनेक कब्रों में मिले हैं। यूनानी मृद्भाड चित्रों के प्राप्त सभी उदाहरणों के विपरीत, इन पात्रों की चमक प्रायः प्राकृतिक तथा रूपांकन प्राकृतिक रंगों से युक्त होता था।

ledged — **कगरीदार, कगरदार**

वह पात्र या वस्तु, जिसका किनारा या सिरा ऊपर की ओर कुछ ऊंचा उठा हुआ हो।

ledger — **समाधि-शिला**

किसी समाधि या क़ब्र के ऊपर रखा समतल पत्थर। ऐतिहासिक युग में, ऐसे अनेक पत्थरों पर लेख अंकित किए जाते थे।

leister — **1. मत्स्यशूल**

मध्यपाषाण और नवपाषाण कालीन झील आवासों से मिला मछली पकड़ने का भाला। इस भाले में दो अस्थियां या कांटों सहित, अंदर या पीछे की ओर मुड़े दो शृंग-मुख बने होते थे।

2. नेजा

मछली मारने का बरछा या भाला।

Levalloisian culture लवाल्वाई संस्कृति

फ्रांस के एक उपनगर लवाल्वाई पैरेट (Levalliois Perret) के नाम पर प्रसिद्ध प्रागैतिहासिक संस्कृति। शल्क उपकरण पद्धतियों में, लवाल्वाई संस्कृति सर्वाधिक विकसित थी। मिडेल रिस अंतर्हिमावर्ती काल के अवसान में लवाल्वाई शल्क यूरोप में मिले हैं। भारत में, इस शल्क-प्रविधि का प्रयोग मध्य पाषाण काल में मिलता है। लवाल्वाई शल्क जिस क्रोड प्रस्तर से निकाले जाते हैं, उसे कच्छप क्रोड कहा जाता है। यह अनुमान किया जाता है कि लवाल्वाई शल्क निकालने के लिए अंडाकार बटिकाश्म को चुना जाता था।

Levalloisian technique लवाल्वाई प्रविधि

प्रस्तर उपकरण निर्माण की प्रागैतिहासिक प्रविधि, जिसका नामकरण फ्रांस में पेरिस के एक उपनगर लवाल्वाई पैरेट के नाम पर पड़ा। इसमें सर्वप्रथम एक अंडाकार बटिकाश्म क्रोड को लिया जाता था। बटिकाश्म के जिस स्थान से प्रमुख शल्क निकालना होता था, उसके समस्त किनारों से क्रोड के केंद्र की ओर आघात कर लघु शल्क निकाले जाते थे। क्रोड के सारे किनारों को शल्कित करने के उपरांत प्रमुख फलक निकलता था। तदुपरांत हथौड़े की हल्की चोट से उन्हें छीला जाता था। ये शल्क पतले शक्वाकार अथवा अंडाकार होते थे और इनके अनुशल्कन की कभी आवश्यकता नहीं होती थी। लवाल्वाई शल्क कच्छप क्रोड से निकाले जाते थे।

इस प्रविधि का प्रयोग मध्य-पुरापाषाणकाल में, निम्न पुरापाषाणकालीन हस्तकुठार-निर्माताओं ने और थोड़ा बहुत मोस्तारी लोगों ने भी किया। यह प्रविधि उच्च पुरापाषाणकाल तक विद्यमान रही।

Level tag स्तर-बंधनी

उत्खनन के समय, स्थल विशेष की नोटबुक में स्तर का उल्लेख करने के साथ-साथ उत्खनित क्षेत्र की दीवारों पर लगी स्तर-बंधनी, जिसे स्तर-निर्देशपत्र भी कहा जाता है। इस प्रविधि से उत्खनन में प्राप्त वस्तुओं की पहचान शीघ्र तथा संभावित खंड-आरेखण में काफी सहायता और गति मिलती है। स्तर-बंधनी, नोट बुक विवरण तथा व्यक्तिगत स्तर-पहचान का एक सरल तरीका है।

प्रत्येक बंधनी में, स्थल का सामान्य नाम (कूट पदनाम), खदान या खंड संख्या, स्थल की स्तर-संख्या तथा प्रत्येक स्तर का संक्षिप्त विवरण दिया जाना अपेक्षित है।

li **ली**

चीन के नवपाषाण और कांस्ययुग में प्रचलित, कांसे या मिट्टी का बना पात्र। यह नाद की तरह का होता है। इसमें तीन खोखले पाए होते हैं, जिन पर यह टिका रहता है।

Ligurian man **लिगूरी मानव**

दक्षिण-पश्चिमी इटली, स्विट्जरलैंड तथा दक्षिण-पश्चिमी गाल प्रदेश की आदिवासी प्रजाति। इनकी एक शाखा पर रोमवासियों ने विजय प्राप्त की थी।

lithic culture **पाषाण संस्कृति**

वह प्रागैतिहासिक संस्कृति, जिसमें मनुष्य ने पत्थर के उपकरण बनाना और प्रयोग करना शुरू किया। पाषाण संस्कृति में, पुरा, मध्य पाषाण संस्कृति उत्तर पाषाण संस्कृति तथा नवपाषाण संस्कृति अंतर्निहित हैं।

living fossil **जीवित फासिल, जीवित जीवाश्म**

(अ) वह पौधा या पशु, जिसके अनेक वर्ग रहे हों, किंतु अब केवल यह एक ही वर्ग बच रह गया हो।

(आ) अत्यधिक प्राचीन प्रजाति समूह से निकला पशु, जो आज भी बहुत कम परिवर्तनों के साथ विद्यमान हो।

localized culture **स्थानिक संस्कृति**

वह संस्कृति, जिसका विस्तार किसी छोटे से क्षेत्र या स्थान विशेष तक सीमित हो।

lock ring **केश कुंडल, केशपाश, काकुल (बालों की लटों को बांधनेवाला अलंकरण)**

सोने-चांदी या तांबा-पीतल से बना वृत्ताकार अलंकरण, जो संभवतः केश-गुच्छ को बांधने के काम आता था। उत्तरी यूरोप के पूर्व एवं मध्य कांस्य युग में यह आभूषण लोकप्रिय था।

loculus **समाधि-कोष्ठ**

किसी प्राचीन तुंब या अवतुंब का वह भीतरी भाग, जहां पर मृत शरीर या उसके भस्मावशेष सुरक्षित रखे जाते थे।

loess **कछारी मिट्टी; लोएस**

यह प्रायः हल्के पीले रंग के अस्तरित जमाव के रूप में होती है। कुछ विद्वानों की यह धारणा रही है कि कछारी मिट्टी का जमाव वायु तथा जल द्वारा हुआ। इसके फलस्वरूप अच्छे चरागाह बने, जिन पर पुरापाषाणकालीन मानवों के जानवर चरते थे। बाद में, नवपाषाणकालीन मानव ने, अपने प्राचीन उपकरणों से इसी कछारी भूमि पर कृषि करना प्रारंभ किया।

long barrow **लंबा स्तूप, लंब बेरो**

एक या एक से अधिक शवाधानों के ऊपर बने एक लंबे टीले पर स्थापित संरचना। ब्रिटेन में, मिट्टी के बने और लंबे आकारवाले पूर्व और मध्य नवपाषाणकाल के स्तूप मिले हैं। दूसरे प्रकार के लंबे आकार के स्तूप वीथी कब्रों पर स्थापित महापाषाण स्मारकों में मिले हैं।

loom **करघा, खड्डी, वेम**

हाथ से कपड़ा बुनने का एक प्रसिद्ध और प्राचीन यंत्र। प्राचीन वस्त्रों को देखकर तत्कालीन करघों का ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है। प्राचीन मिस्र में क्षैतिजाकार करघा तथा सीरिया और मैसोपोटामिया में ऊर्ध्वाधर करघा प्रचलित था।

Lothal **लोथल**

गुजरात प्रदेश मे, खंभात की खाड़ी के ऊपर स्थित हड़प्पा संस्कृति का स्थल। यहां किए गए उत्खननों से तत्कालीन नगर-सभ्यता का विवरण ज्ञात हुआ है। लोथल में मिले भग्नावशेषों के आधार पर कहा जा सकता है कि उन दिनों भवनों में पक्की तथा कच्ची दोनों प्रकार की ईंटों का प्रयोग होता था। उत्खनन में, भवनों के अतिरिक्त चौड़ी सड़कें, स्नानागार और कुए मिले हैं। सर्वाधिक उल्लेखनीय उपलब्धि उस गोदी (dockyard) को कहा जा सकता है, जिससे यह प्रमाणित हो सका है कि लोथल हड़प्पा संस्कृति का एक प्रमुख बंदरगाह था। लाल रंग पर काले रंग से चित्रित बर्तन, कीमती पत्थर, सोने, तांबे और हाथी दांत की बनी वस्तुएं, बांट, मोहरें और तांबे तथा कांसे के उपकरण भी उत्खनन में मिले हैं। इस नगर के छह बार बनने और विनष्ट होने की जानकारी उत्खनन से प्राप्त हुई है।

lower register — तल पट्टिका

किसी उद्भृत खंड का निम्न भाग।

lozenge pattern — हीराकृति

हीरे की आकृति की तरह बनी सज्जा-पट्टी।

lunate — नव चंद्राकार, अर्धचंद्राकार, लूनेट

लघुपाषाणीय उपकरण, जिसका आकार आधे चंद्रमा जैसा होता है। इसका वृत्तांश कुंठित और इसकी सीधी भुजा अनगठित (unretouched) होती है। वस्तुतः यह एक सूक्ष्म पाषाण उपकरण था, जिसका आकार समय के प्रवाह के साथ सुंदरतर होता चला गया।

lunulae — अर्धचंद्राकार आभूषण, लुनूली

संभवतः गले में पहना जानेवाला सोने का आभूषण। इस पर हुए उत्कीर्ण अलंकरण से यह अनुमान लगाया जाता है कि यह जेट (एक काला पत्थर) कंठहार की प्रतिकृति था। पूर्व कांस्य युगीन आयरलैंड तथा स्काटलैंड के 'खादय भांड संस्कृति' के लोगों ने इस आभूषण का प्रयोग किया था।

lur — लूर, तुरही, तूर्य

उत्तर कांस्ययुगीन डेन्मार्क में प्राप्त कांसे का विशाल वाद्य-फूंककर बजाया जानेवाला एक प्रकार का लंबा बाजा, जो तुरही जैसा होता था। यह दो स्थानों पर वक्राकार होता था और इसके एक छोर पर गोल आकृति बनी होती थी।

Lusatian Culture — लुसेती संस्कृति

(=Lausitz culture)

lynchet — सोपान-कगार, लिंचेट

प्राचीन काल में पहाड़ों में कृषि के लिए बनाए गए मानव निर्मित सीढ़ीनुमा खेत। वर्गाकार केल्टीय खेतों में वेदिका-कगार मिलते हैं, जो कांस्य युग से रोमन-ब्रिटिश काल के मध्यवर्ती माने जाते हैं। इन कगारों का संबंध प्राचीन खेती के तरीकों, लौह युग या इसके पूर्व भी स्थापित किया जाता है।

Magdalenian culture **मगदालीनी संस्कृति**

उच्च पाषाणकालीन वह संस्कृति, जिसका नामकरण फ्रांस के दोरदोन (Dordogne) के 'ला मादे ले' (La Mede-leine) नामक स्थान पर पड़ा। इस संस्कृति ने पश्चिमी यूरोप में औरिग्नेशी संस्कृति को पीछे छोड़ दिया। संभवत: यह संस्कृति अत्यंत नूतनयुग (Pleistocene) तक विद्यमान रही। प्राप्त उपकरणों से ज्ञात होता है कि ये लोग मछली पकड़ने और रेंडियर का शिकार कर अपना जीवन-निर्वाह करते थे। ये रेंडियर शृंग से हारपून, बल्लम, भाले इत्यादि बनाते थे। इनके विशिष्ट पाषाण उपकरण तक्षणी (ब्यूरिन) आदि हैं, जिनसे ये शृंग तथा शल्कों को तराशते थे। इस संस्कृति के गुफा-चित्रों के अवशेष, अल्तामीरा (Altamira) एवं फों-दे-गौम (Font-de-Gaume) में मिले हैं।

फ्रांस और स्पेन के समीपस्थ भागों के अतिरिक्त इस संस्कृति के अवशेष चिह्न ब्रिटेन, जर्मनी एवं पोलैंड में मिले हैं। इस संस्कृति का काल लगभग 15,000 से 10,000 ई० पू० तक माना जाता है।

maggot decoration **कीट अलंकरण**

मेगोट कीड़े की चित्राकृति या प्रतिकृति से युक्त अलंकरण।

maglemosian culture **मेग्लेमोसाई संस्कृति**

उत्तर यूरोपीय क्षेत्र की प्रथम मध्य पाषाणकालीन संस्कृति। इसका काल 6,800 और 5,000 ई० पू० माना जाता है। यह संस्कृति निचले क्षेत्रों और कभी-कभी कच्छ भूमि, छोटे द्वीपों, तालों तथा नदी तटवर्ती क्षेत्रों में भी मिलती है। इस संस्कृति के अवशेष जिलैंड (मुख्य स्थल); इंग्लैंड में ब्रोक्सबोर्न, केलिंगहीथ, न्यूबरी, चेयम, स्किपसी; इस्तोनिया में—कुंडा; जर्मनी में—काल्बे, डोवरटिन इत्यादि अनेक स्थानों में मिले हैं।

इस संस्कृति से संबद्ध प्रमुख उपकरणों तथा वस्तुओं में लघु पाषाण उपकरण, फलकित कुठार, बसूला, हड्डी के भालाग्र, लकड़ी के धनुष, पतवार तथा खात डोंगी आदि हैं। मछली पकड़ना तथा शिकार करना, इस संस्कृति के लोगों का प्रमुख व्यवसाय था। संभवत: इन्हें कृषि का ज्ञान नहीं था। ये लोग लघु वस्तुओं पर ज्यामितिक नमूने बनाते थे। प्राप्त अवशेषों में ब्यूरिन, लघु ब्यूरिन, क्षुरक (scraper) आदि प्रमुख हैं। जंगलों को काटने के लिए भारी उपकरण जैसे चकमक-कुठार, बसूला, क्रोड, तक्षणी आदि भी प्राप्त हुए हैं।

M

mace गदा

एक प्रकार का प्राचीन भारतीय अस्त्र, जिसका दंड लंबा तथा ऊपरी सिरा अधिकतर गोलाकार और भारी होता है। इस गोलाकार भाग से शत्रु पर प्रहार किया जाता है। गदा को प्राचीन और प्रागैतिहासिक पाषाण उपकरण भी माना जाता है। (विस्तृत विवरण के लिए अन्यत्र दे० mace-head)

mace-head (=mace=ring stone) गदाशीर्ष

प्रागैतिहासिक पाषाण उपकरण, जो बहुधा वृत्ताकार बना होता है और जिसके मध्य में बने एक छिद्र में लकड़ी का दस्ता या मूंठ फंसाया जाता है। कुछ प्राचीन गदाशीर्षों पर पालिश किए जाने के भी प्रमाण मिले हैं। प्राप्त गदाशीर्ष नाशपाती, बिंब, तारक और अंडे जैसी आकृति वाले हैं।

magatama मगाटामा

दरांतीनुमा मनका या लटकन। इसका क्या प्रयोजन और महत्व था, यह अभी तक अज्ञात है।

Magdalenian art मग्दालीनी कला

उच्च पाषाणकालीन संस्कृति के अंतर्गत वह चित्र-कला, जिसका मग्दालीनी नाम फ्रांस के 'ला मादे ले' (La Made-leine) स्थान के नाम पर पड़ा। मग्दालीनी कला के अवशेष अल्तामिरा (Altamira) में मिले हैं, जहां की कला प्रागैतिहासिक कला का सर्वोत्कृष्ट नमूना है। इस कला में, पशुओं का चित्रण दक्षतापूर्ण और कलात्मक हुआ है। प्राप्त पशु-आकृतियों में से लगभग 300 पशुओं को पहचान लिया गया है। अन्यत्र दे० Magdalenian culture.

Magdalenian culture **मग्दालीनी संस्कृति**

उच्च पाषाणकालीन वह संस्कृति, जिसका नामकरण फ्रांस के दोरदोन (Dordogne) के 'ला मादे ले' (La Mede-leine) नामक स्थान पर पड़ा। इस संस्कृति ने पश्चिमी यूरोप में औरिग्नेशी संस्कृति को पीछे छोड़ दिया। संभवत: यह संस्कृति अत्यंत नूतनयुग (Pleistocene) तक विद्‌यमान रही। प्राप्त उपकरणों से ज्ञात होता है कि ये लोग मछली पकड़ने और रेंडियर का शिकार कर अपना जीवन-निर्वाह करते थे। ये रेंडियर शृंग से हारपून, वल्लम, भाले इत्यादि वनाते थे। इनके विशिष्ट पाषाण उपकरण तक्षणी (ब्यूरिन) आदि हैं, जिनसे ये शृंग तथा शल्कों को तराशते थे। इस संस्कृति के गुफा-चित्रों के अवशेष, अल्तामीरा (Altamira) एवं फों-दे-गोम (Font-de-Gaume) में मिले हैं।

फ्रांस और स्पेन के समीपस्थ भागों के अतिरिक्त इस संस्कृति के अवशेष चिह्‌न ब्रिटेन, जर्मनी एवं पोलैंड में मिले हैं। इस संस्कृति का काल लगभग 15,000 से 10,000 ई० पू० तक माना जाता है।

maggot decoration **कीट अलंकरण**

मेगोट कीड़े की चित्राकृति या प्रतिकृति से युक्त अलंकरण।

maglemosian culture **मेग्लेमोसाई संस्कृति**

उत्तर यूरोपीय क्षेत्र की प्रथम मध्य पाषाणकालीन संस्कृति। इसका काल 6,800 और 5,000 ई० पू० माना जाता है। यह संस्कृति निचले क्षेत्रों और कभी-कभी कच्छ भूमि, छोटे द्‌वीपों, तालों तथा नदी तटवर्ती क्षेत्रों में भी मिलती है। इस संस्कृति के अवशेष जिलैंड (मुख्य स्थल); इंगलैंड में ब्रोक्सबोर्न, केलिंगहीथ, न्यूबरी, चेथम, स्किपसी; इस्तोनिया में—कुंडा; जर्मनी में—काल्बे, डोवरटिन इत्यादि अनेक स्थानों में मिले हैं।

इस संस्कृति से संबद्ध प्रमुख उपकरणों तथा वस्तुओं में लघु पाषाण उपकरण, फलकित कुठार, बसूला, हड्‌डी के भालाग्र, लकड़ी के धनुष, पतवार तथा खात डोंगी आदि हैं। मछली पकड़ना तथा शिकार करना, इस संस्कृति के लोगों का प्रमुख व्यवसाय था। संभवत: इन्हें कृषि का ज्ञान नहीं था। ये लोग लघु वस्तुओं पर ज्यामितिक नमूने बनाते थे। प्राप्त अवशेषों में ब्यूरिन, लघु ब्यूरिन, क्षुरक (scraper) आदि प्रमुख हैं। जंगलों को काटने के लिए भारी उपकरण जैसे चकमक-कुठार, बसूला, क्रोड, तक्षणी आदि भी प्राप्त हुए हैं।

Magosian **मैगोसी**

पाषाणकालीन वह संस्कृति, जिसके अवशेष पूर्वी अफ्रीका के क्षेत्रों में मिले हैं । यह संस्कृति दक्षिणी अफ्रीका में भी मिलती है । इस संस्कृति का काल लगभग 10,000 – 6,000 ई० पू० माना जाता है। इसके प्रमुख उपकरण त्रिकोण पर्णाकार और समचतुर्भुजाकार नोक (point) वाले हैं । इन उपकरणों के एक या दोनों ओर काफी बारीकी से काम किया गया है । इस संस्कृति के जनक कौन थे, यह अभी तक निश्चित नहीं किया जा सका है ।

Majolica ware **मैओलिका मृद्भांड**

(अ) चमकदार, रंगीन, अपारदर्शी और काचित मिट्टी के वर्तन।

(आ) इटली के पुनर्जागरणकालीन वे मृद्भांड, जो एक प्रकार की काचित, बहुत अधिक रंगीन तथा अलंकृत मिट्टी के बने हैं।

makimono **कुंडलित चित्रपट**

किसी कागज पर मढा हुआ चित्र-लेख, जिसे सामान्यतः वेलनाकार लपेटा गया हो । उदाहरणस्वरूप—जन्मपत्री, जिसे भारत में वेलनाकार लपेटने की प्रथा अब भी प्रचलित है ।

mammoth **महाकाय हस्ति, मैमथ**

संभवतः प्रागैतिहासिक मानव का समकालीन प्रसिद्ध और प्राचीन विशालकाय पशु । इसके देहावशेष, विशेषकर, साइबेरिया और अलास्का में, अत्यंत नूतन युगीन निक्षेपों में मिले हैं। यह पशु भारतीय हाथी से काफी मिलता-जुलता था । इसकी ऊंचाई लगभग सवा चार मीटर थी। इसके दांत लंबे, बड़े और वक्राकार होते थे । जलवायु ठंडी होने के कारण, इसके शरीर में बड़े और घने बाल होते थे । चतुर्थ हिमनदन काल में, इनके झुंड-के-झुंड दक्षिण इंग्लैंड में टेम्स नदी की घाटी में विचरण करते थे । साइबेरिया के हिमाच्छादित प्रदेश में मैमथ के 20,000 वर्ष पुराने अवशेष उसी स्थिति में मिले हैं, जो अतिनूतन (Pleistocene) काल में थे । हाथी की यह प्रजाति अब विद्यमान नहीं है ।

manaia **उत्कुटिकासन, उकड़ू बैठी मूर्ति**

पंजों के बल बैठने की मुद्रा, जिसमें घुटने वक्ष से सटे रहते हैं । न्यूजीलैंड के आदिवासी माओरी लोगों द्वारा की गई नक्काशी में अनेक बार इस मूल प्रतीक का प्रयोग किया गया है ।

mandorla **प्रभावली**

नुकीला और अंडाकार या बादाम की आकृति से मिलता-जुलता प्रभा-मंडल, जिसे देवी-देवताओं, दिव्य पुरुषों की मूर्तियों या उनके चित्रों के पीछे दैवी तेज के रूप में दिखाया जाता है। इसे भा-मंडल भी कहा जाता है।

Maori **माओरी**

(1) न्यूज़ीलैंड में रहनेवाले पालिनिसियायी आदिवासी। इनकी अपनी स्थानीय कला-शैली थी, जो तक्षण-कला के लिए आज भी प्रसिद्ध है। न्होंने अनेक प्रतीकों का प्रयोग किया। ये लोग बलिष्ठ लंबे, बहादुर और युयुत्सु होते थे।

(2) माओरी लोगों की भाषा।

marquetry **पच्चीकारी, खचित शिल्प, खचित कर्म**

धातु, प्रस्तर या काष्ठ में नगीने, रंगीन पत्थर अथवा किसी अन्य वस्तु के छोटे-छोटे खंडों को अलंकरणार्थ जड़ने या जमाने की क्रिया। पच्चीकारी करते समय जड़ी जानेवाली वस्तु को गहरे विवरों में इस प्रकार बिठाया जाता है कि वह सरलता से बाहर न निकल सके। किसी वस्तु में हाथीदांत, काष्ठ, मोती या शंख इत्यादि जड़ने की क्रिया को 'खचन कर्म' कहा जाता है।

Marschwitz culture **मार्शवित्स संस्कृति**

पूर्व कांस्ययुगीन संस्कृति, जिसे यूनेटिस संस्कृति कहा जाता है और जो इस संस्कृति की प्रारंभिक प्रावस्थाओं में से एक मानी जाती है। इसका काल लगभग 1,900-1,800 ई० पू० माना गया है। यूनेटिस संस्कृति के प्रारंभिक प्रादेशिक समूह-नित्रा (पश्चिमी स्लोवाकिया) एल्डरबर्ग (मध्य राइन), स्ट्रोबिंग (बवेरिया), मार्शवित्स (ओडर सिंचित प्रदेश) इत्यादि हैं।

martelo tower **गोल दुर्ग**

गोल किला; वृत्ताकार चिनाई कर बनाया गया बड़ा और पक्का किला, जिसमें राजा, उसके अनुचर और सिपाही आदि रहते थे।

mask **1. मुखच्छद, परदा**

प्राचीन श्रेण्य रंगशालाओं में धारणीय आकृतियां या मुखौटे। नृत्य एवं उत्सव आदि के समय इस प्रकार के मुखौटे पहन कर लोगों का

12—387 C H D (ND)/77

मन बहलाया जाता था । स्वांग इत्यादि में अब भी इनका पर्याप्त प्रचलन है । प्राचीन यूनानी रंगमंचों में इनका बहुत अधिक प्रयोग होता था । विभिन्न भावों के लिए भिन्न-भिन्न आकार-प्रकार के मुखौटे होते थे । नाट्य-कला के विकास के साथ-साथ अनेक प्रकार के कलात्मक मुखौटे बने । इस्काइलस ने मस्तक और मुख सहित पूरे मुखौटे बनाए ।

2. परदा; आड़ करने के काम में प्रयुक्त वस्त्र, धोती, साड़ी या चादर का वह भाग, जिससे मुंह ढ़का जाता है ।

3. नक़ाब; चेहरा छिपाने या मुख ढकने का वस्त्र, मुखावरण ।

masonry **1. चिनाई, चय विधि**

पत्थर, ईंट या टाइल में चूना, सीमेंट या गारा लगाकर भवन-निर्माण करने का तरीका ।

2. राजगीरी; घर, भवन आदि बनाने की कला; मकान बनाने का काम-धंधा; राज या मिस्त्री का काम ।

mastaba tomb **मस्तबा तुंब**

मिस्र देश में मिला एक प्रकार का प्राचीन मक़बरा, जो मेमफाइट वंशीय शासकों के काल में बना था । मेम्फिस (Memphis) दक्षिण मिस्र का प्रमुख नगर था और कई बार यह संपूर्ण मिस्र की राजधानी रहा । इसका पार्श्व ढलवाँ था । इसकी छत सपाट थी । ममी-कक्ष में जाने के लिए इसमें बाहर से ही मार्ग बना था ।

mattock **फावड़ा, कुदाल**

उत्खनन में प्रयुक्त उपकरण, जिसके ठीक बीच में लकड़ी या धातु का डंडा फंसाने के लिए छिद्र बना होता है । फावड़ा मिट्टी खोदने और अन्यत्र मिट्टी डालने का तथा कुदाली मिट्टी खोदने और खेत गोड़ने का उपकरण है ।

Mauer man **माउएर मानव**

जर्मनी में, हेडेलबर्ग के माउएर नामक ग्राम में प्राप्त होमो इरेक्टस (Homo Erectus) प्ररूपी निचला जबड़ा । इस जबड़े की खोज सन् 1,907 ई० में, डा० ओटो शोटेनसैक (Sohotensack) ने की थी । यह उष्ण अंतराहिमनदी काल का है, जो प्रथम और द्वितीय हिमनदन

काल के मध्य में हुआ। हेडेलबर्ग मानव को पाच लाख वर्ष प्राचीन माना जाता है। इसके दांत पूर्णतया मानव-दांत जैसे हैं और जबड़े की हड्डी काफी बड़ी है। माउएर मानव से सबद्ध स्तरो मे कोई भी उपकरण प्राप्त नहीं हुए है।

mausoleum **1. मक़बरा**

वह भव्य और शानदार इमारत, जिसमें किसी मृतक व्यक्ति की लाश दफनाई गई हो।

2. रौज़ा; कब्र, समाधि

Mausoleum of Halicarnassus **हॅलिकारनेसस का मक़बरा**

प्राचीन विश्व के सात आश्चर्यों में से एक 'मोसोलस' का मक़बरा, मोसोलियम के नाम से भी विख्यात है। यह दक्षिण-पश्चिमी एशिया के प्राचीन नगर केरिया में 350 ई० पू० में बन कर तैयार हुआ था। सर चार्ल्स न्यूटन ने, उत्खनन कर इसे खोज निकाला था।

Mayan civilization **माया सभ्यता**

नई दुनिया की एक प्राचीन सभ्यता। माया सभ्यता युकातान प्रायद्वीप, ब्रिटिश होंडूराज, ग्वाटेमाला तथा पश्चिमी होंडूराज तक फैली थी। यह सभ्यता चौथी शताब्दी ई० से सोलहवी शताब्दी ई० तक विद्यमान रही। इस सभ्यता का उद्भव 500 ई० पू० में माना जाता है। इसका प्रथम निर्माण-काल 500 ई० पू० से 325 ई० तक और द्वितीय काल, जिसे श्रेण्य काल भी कहा जाता है, 925 ई० तक रहा। इस तत्कालीन समय की कला वास्तुकला विषयक बौद्धिक ज्ञान, पूर्व कोलंबियाई अमरीकी ज्ञान की अपेक्षा काफी बढ़ा-चढ़ा था। माया चित्रलिपि, यद्यपि अभी पूरी तरह नही पढी जा सकी है, तथापि यह कहा जा सकता है कि इस सभ्यता के लोग, टोलटेक लोगों से बहुत अधिक प्रभावित हुए। ये कागज का प्रयोग करनेवाले प्रथम इंडियन थे। इनका पंचांग सही खगोलीय पर्यवेक्षण पर आधारित था। इनके ध्वस्त नगरों के अवशेषो से इनकी उन्नत सभ्यता का पता चलता है। पारस्परिक युद्धों के, प्रारंभ होने के परिणामस्वरूप सोलहवीं शताब्दी ई० में, इस सभ्यता का अधःपतन हुआ।

Mayan calender **माया पंचांग**

माया लोगों में प्रचलित सौर पंचांग। पश्चवर्ती मेक्सिको के पंचांग

तथा दूसरे पंचांग इसी पर आधारित रहे। माया वर्ष में 365 दिन होते थे और कोई अधिवर्ष (leap year) नहीं होता था। वर्ष 18 महीनों में विभक्त था और प्रत्येक महीने में 20 दिन होते थे। वर्ष के अंत में 5 दिन जोड़ दिए जाते थे।

Mayan era माया काल

दस फरवरी, 3,641 ई० पू०; माया कैलेंडर की वह आधार तिथि थी, जिससे पश्चवर्ती सभी तिथियां तय की जाती थीं।

medallion चित्रफलक, मेडेलियन

(अ) यादगार स्वरूप बनाया गया विशाल पदक।

(आ) बड़े तमगे के आकार का फलक, जिसमें आकृति उत्कीर्णित हो;

दीवार या गवाक्ष को अलंकृत करने के लिए बना अलंकरण।

(इ) सूचियों के ऊपर, अलंकरण के लिए बनाए गए तमगे जैसे आकार के गोलाकार फलक-चक्र या अलंकृत परिचक्र। सांची और भरहुत में, कुषाण काल की वेदियों में लगी सूचियों पर इस प्रकार का अंकन मिलता है।

meditative pose ध्यानासन, ध्यानमुद्रा

बैठने की मुद्रा विशेष, जिसमें किसी मूर्ति या व्यक्ति को, ईश्वर की आराधना में रत दिखाया गया हो।

Mediterranean race भूमध्यसागरीय प्रजाति

भूमध्यसागर के तटवर्ती प्रदेशों में रहनेवाली श्वेत प्रजाति का विभाजन। इस प्रजाति के लोगों में प्राचीन आइबेरियाई, लिगूरी, पेलसजियाई तथा मिस्री-हामी लोग और उनके वंशज परिगणित किए जाते हैं। इस प्रजाति के लोगों का शीर्ष अपृथुलंब (dolicocephalic), क़द छोटा, बदन छरहरा तथा रंग काला होता था।

medium relief मध्य उद्भृत

नक्काशी या तक्षण कर बनाई गई वह आकृति, जो उच्च उद्भृत या निम्न उद्भृत के बीच की हो अर्थात् जो उद्भृत धरातल के न तो बहुत ऊपर उठी हो और न धरातल में बहुत गहरी उत्कीर्णित हो।

megalith **महापाषाण, महाश्म**

विशाल पाषाण-खंडों से बने प्राचीन स्मारक। इनका सर्वाधिक भव्य नमूना ब्रिटेन के 'स्टोनहेंज' स्मारक हैं। अनेक लंब स्तूपों में, महापाषाणीय शवाधान-कक्ष होते हैं। ये स्मारक मुख्यतः शवाधानस्थल होते हैं और इन्हें कभी-कभी यादगार के रूप में बनाया जाता था। भारत के अनेक स्थानों में महापाषाण स्मारक बने थे। भारतीय तथा यूरोपीय महापाषाण स्मारकों में बहुत सादृश्य नहीं है। दक्षिण भारत में, महापाषाणकालीन लोगों के काले और लाल रंग के मृद्भांड मिले हैं। भारत में, इन स्मारकों का काल अभी ठीक से निर्धारित नहीं किया जा सका है। छठी शताब्दी ई० पू० से प्रथम शताब्दी के मध्य तक और तीसरी से चौथी शताब्दी ई० (सातवाहन युग) तक दक्षिण भारत में इन स्मारकों का प्रचलन रहा। भारत में बुर्जहोम (काश्मीर) के महापाषाण स्मारक द्वितीय सहस्राब्दि ई० पू० के प्रारंभ में बने माने जाते हैं।

megalithic burial **महापाषाण शवाधान, महाश्मिक शवाधान, महापाषाण भूनिवेशन**

विशाल पत्थरों की बनी विशेष प्रकार की कब्र। इस प्रकार की कब्रें भारत में, मास्की, ब्रह्मगिरी व नागार्जुनकोंडा स्थानों में हुए उत्खनन के परिणामस्वरूप मिली हैं। अब तक प्राप्त शवाधान चार प्रकार के मिले हैं— (1) प्रस्तरावृत्त शवाधान, (2) अप्रस्तरावृत्त शवाधान, (3) अप्रस्तरावृत्त रूप में, आंशिक रूप से शव के गाड़े जाने की पद्धति तथा (4) प्रस्तर के घेरे सहित शव को गाड़े जाने की आंशिक शवाधान-पद्धति।

Megaron **मैगारोन**

विशाल आयताकार कक्ष, जिसमें बरामदा बनाने के लिए, पार्श्ववर्ती दीवारों को अग्र छोर से कुछ आगे निकाल कर बनाया जाता था। ये आयताकार कक्ष स्तंभयुक्त भी होते थे और महाकक्ष के बीच में वर्तुलाकार अग्निकुंड बना होता था। माइसीनी तथा यूनान के सिस्लो (sesklo) काल में बने इस प्रकार के कक्ष मिले हैं। तृतीय सहस्राब्दि ई० पू० के मध्य में इस प्रकार के भवन ट्राय में विद्यमान थे और काफी बाद तक तुर्की में प्रचलित रहे।

memorial **स्मारक**

किसी महत्त्वपूर्ण व्यक्ति या घटना आदि की स्मृति को बनाए रखने के लिए बनी वास्तु-संरचना।

menhir — नड्गल, मैनहिर

1. प्रागैतिहासिक मानव द्वारा निर्मित, एक ही विशाल प्रस्तर से बनी सीधी, खड़ी और अनगढ संरचना। इस प्रकार के स्मारक पश्चिमी इंग्लैंड यूरोप, अफ्रीका और एशिया में प्राप्त हुए हैं।

2. दीर्घाश्म स्तंभ। इनका काल अभी निर्धारित नहीं हो पाया है। आयरलैंड और दक्षिण-पश्चिमी इंग्लैंड में दीर्घाश्म स्तंभ बीकरकालीन संस्कृति से लेकर मध्य और उत्तर कांस्य युगीन प्राप्त हुए हैं। भारत में सबसे प्राचीन दीर्घाश्म स्तंभ बुर्जहोम मे द्वितीय सहस्राब्दि ई०पू० के मिले हैं।

Mesolithic age — मध्यपाषाण काल

मानव-संस्कृति के विकास का वह चरण, जो पुरापाषाणकाल का उत्तरवर्त्ती तथा नवपाषाणकाल का पूर्ववर्त्ती रहा। मध्यपाषाणकाल नूतनतम युग (होलोसीन युग) का वह भाग है, जो पुरापाषाणकाल और नवपाषाणकाल के बीच की कड़ी माना जाता है। इस युग का आरंभ 10,000 ई०पू० के आसपास माना गया है। इस काल की अजीली संस्कृति के विशिष्ट उपकरण सूक्ष्माश्म (microlith) है।

भारत में भी इस युग के छोटे-छोटे सूक्ष्माश्म उपकरण मिले हैं। ये दकन में प्रवरा नदी की घाटी में और बंबई के निकट खंडावली, नर्मदा नदी की घाटी, मसूर के चित्तलदुर्ग जिले में तथा ब्रह्मगिरि और गुजरात में लंघनज में सूक्ष्माश्म बड़ी संख्या में मिले है।

सूक्ष्माश्मों से यह अनुमान लगाया जा सकता है कि मध्य-पाषाणकाल मे यहां के लोग कंद-मूल-फल आदि खाते और शिकार कर जीवन-यापन करते थे।

Mesolithic period — मध्यपाषाण काल

मानव-सभ्यता के विकास का वह युग, जो पुरापाषाण और नवपाषाणकाल के बीच की कड़ी था।

Mesopotamian civilization — मैसोपोटामियाई सभ्यता

एशिया महाद्वीप में, दजला और फरात नदी के मध्य बसे प्राचीन देश मैसोपोटामिया की प्रसिद्ध सभ्यता। अब उसका अधिकतर क्षेत्र आधुनिक ईराक़ में है। मैसोपोटामिया की सभ्यता निःसंदेह ऐसी उन्नत सभ्यता थी, जिसने विश्व की अनेक प्राचीन सभ्यताओं को प्रभावित किया। इस सभ्यता के

विकास-क्रम को मुख्यत: निम्न पांच भागों में विभक्त किया जा सकता है :—

(1) विकास अवस्था : 2,900 ई० पू० (2) पूर्वकालीन राजवंशीय काल : लगभग 2,900 से 2,360 ई० पू० तक, (3) अक्कादी काल : 2,360 से 2,180 ई० पू० तक, (4) नव सुमेरी काल : लगभग 2,070 से 1960 ई० पू० तक, और (5) मध्य और दक्षिण मैसोपोटामिया में बेबीलोनी काल द्वितीय सहस्राब्दि से 539 ई० पू० तक।

Mesvinian industry — **मैस्विनी उद्योग**

बेल्जियम के मैस्विन नामक स्थान की प्राक् शेलीयन (Pre-Chellean) संस्कृति के अंतर्गत पनपा उद्योग।

metamorphic rock — **कायांतरित शैल**

पृथ्वी के धरातल के नीचे तापमान म हुए परिवर्त्तनों, रासायनिक प्रक्रियाओं और दबावों के कारण एक रूप से दूसरे रूप में परिवर्तित चट्टान। ये रुपांतरित चट्टानें अनेक प्रकार की होती है। इनका निर्माण आग्नेय (igneous) या स्तरित (sedimentary) चट्टानों से हो सकता है। स्लेट, फाइलाइट, शिस्ट, संगमरमर आदि स्फटिक कायांतरित शैल है। ये उपकरण-निर्माण के लिए उपयोगी नही है, क्योंकि इनकी संरचना अपेक्षाकृत कमजोर होती है।

metate — **सिल**

अमरीकी शब्दावली में, मक्का पीसने का चपटा या अवतलाकार पाषाण पट्ट। इसे अमरीकी लोग 'मिटाट' कहते हैं।

metrology — **मापशास्त्र**

नाप और तोल विषयक व्यवस्थित ज्ञान या शास्त्र।

micaceous — **अभ्रकी**

अभ्रक के रंग-रूप, उसकी चमक-दमक का; अभ्रकयुक्त; अभ्रक की तरह परतदार; भुरभुरा अभ्रक जसा और सफेद।

Micoquian handaxe — **मिकोकी हस्तकुठार**

प्रागैतिहासिक पाषाण हस्तकुठारों का एक प्रकार। फ्रांस के ला मिकाक (Micoque) नामक स्थान मे हुए उत्खनन के परिणामस्वरूप इस प्रकार के उपकरण मिले थे। उसी स्थल-नाम पर इनका नामकरण मिकोकी हस्त-कुठार हुआ। इस उपकरण के नीचे का भाग गोलाकार तथा इसकी

कार्यकारी-धारवाला भाग काफी लंबी नोकवाला होता है। इसकी भुजाएं अवतलाकार-सी बनी होती हैं।

micro burin सूक्ष्म बयूरीन, सूक्ष्म तक्षणी

सूक्ष्म पाषाण उपकरणों का एक उपोत्पाद (by product)। फलक (blade) का खांचा (notched) बन जाने के उपरात इसे मूल पत्थर से अलग कर लिया जाता है। इसका एक भाग तो लघु पाषाण उपकरण तथा अवशिष्ट भाग (सूक्ष्म ब्यूरीन) में मूल खांचे और टूटने के अवशेष चिह्न दिखाई देते हैं। कुछ समलंबाकार लघु पाषाण उपकरणों का निर्माण दो खांचेदार फलकों के मध्य भाग से बनाया जाता था, जिसके दोनों छोर सूक्ष्म ब्यूरीन की तरह दिखाई देते हैं।

microlith सूक्ष्माश्म, सूक्ष्म पाषाण

प्रस्तर के बने लघु आकार के प्रागैतिहासिक शल्क-उपकरण, जो काफी छोटे आकार के होते हैं और जिन्हें अत्यधिक कुशलता से अपखंडित (chip) कर बनाया जाता था। ये उपकरण मुख्यतः मध्यपाषाणकालीन शिविरों, यथा अजीली संस्कृति से मिले हैं। श्री सुब्बाराव के अनुसार, भारत में इस उपकरण उद्योग का विकास अफ्रीका के समान, मध्य-पाषाण युग के लवाल्वाई उद्योग से हुआ होगा।

भारत के लघु पाषाण उद्योगों की तिथि, 5,000 या 6,000 ई० पू० आंकी गई है। ये सूक्ष्माश्म उपकरण बीरभानपुर, भैसोर (मिर्जापुर), लंघनाज, लेखहिया, मिर्जापुर, मोहरनापहाड़ तथा बघहीखोर आदि में मिले हैं। समस्त सूक्ष्म पाषाण उपकरणों को दो भागों में विभाजित किया गया है (1) अज्यामितिक और (2) ज्यामितिक। भारत की ताम्राश्मयुगीन संस्कृतियों में भी परिष्कृत सूक्ष्माश्मों का प्रयोग होता रहा था।

भारत की ताम्राश्मयुगीन संस्कृतियों मे भी परिष्कृत सूक्ष्माश्मों का प्रयोग होता रहा था।

micro-neolithic culture सूक्ष्म नवाश्म संस्कृति

वह नवपाषाणकालीन संस्कृति, जिसमें काफी छोटे आकार के पत्थर के औजार बनाए जाते थे।

micro palaeontology सूक्ष्म जीवाश्मिकी, सूक्ष्म जीवाश्म-विज्ञान

बहुत छोटे आकार के जीवों का व्यवस्थित अध्ययन-विवेचन करनेवाला

विज्ञान । सूक्ष्म जीव भिन्न-भिन्न भूवैज्ञानिक कल्पों में विद्यमान रहे । पत्थरों में फासिल रूप में अंकित आकृतियों का अध्ययन और विवेचन सूक्ष्म जीवाश्मिकी में किया जाता है ।

midden — कूड़ा-करकट

प्राचीन वस्तियों के निकट सामान्यतः प्राप्त कूड़े का ढेर, जिसमें टूटे-फूटे वर्तन तथा अन्य वस्तुएं, कोयला, राख, खाद्य पदार्थ, हड्डियां आदि मिलती हैं । पुरातत्ववेत्ता पुराने कूड़े-करकट में प्राप्त सामग्री से तत्कालीन सभ्यता का ज्ञान प्राप्त करते है ।

middle stone age — मध्य पाषाण काल

मानव-संस्कृति के विकास की प्रारंभिक अवस्था का एक विभाजन, जब मानव ने प्रस्तर के उपकरणों का प्रयोग और व्यवहार किया । भारत में, इस काल के अनेक प्रकार के सूक्ष्माश्म मिले हैं । ये सूक्ष्माश्म दकन में प्रवरा नदी की घाटी, बंबई के निकट खंडविली, नर्मदा नदी-घाटी, मैसूर के चित्तलदुर्ग जिले में ब्रह्मगिरि, गुजरात के लंघनज आदि अनेक स्थानों से मिले हैं ।

मध्य पाषाण-काल के लोग कंद-मूल-फलादि और आखेट द्वारा अपना भरण-पोषण करते थे ।

Midland man — मिडलैंड मानव, मध्यदेश मानव

संयुक्त राज्य अमरीका के टेक्सास राज्य के मिडलैंड नामक प्रदेश में प्राप्त मानव अवशेष, जिनका काल लगभग 9,000 ई० पू० आंका गया है । यह अनुमान किया जाता है कि नई दुनिया में, मानव का प्रवास, हिम-युग के पश्चवर्ती चरणों में हुआ ।

mid rib — मध्य शिरा

(अ) किसी उपकरण आदि के बीच का उठा भाग ।

(आ) किसी कांस्य उपकरण को अतिरिक्त मजबूत बनाने के लिए उसकी मध्य रेखा का उभार ।

Mimbres art — मिम्ब्रेस कला

दक्षिण-पश्चिमी न्यू मेक्सिको की मिम्ब्रेस नदी-घाटी के मृद्भांड, जिन्हें 1,000–1,200 ई०पू० का माना गया है । काले श्वेत रंग के, इन बेडौल मृद्भांडों में, पशु-पक्षी तथा मछली आदि की आकृतियां बनी हैं । कुछ कला-मर्मज्ञ तो इन्हें देखकर इतने अधिक प्रभावित हुए कि इन्हें उन्होंने प्रतिभाशाली कलाकारों या उन्नत कला-शैली की देन घोषित किया ।

miniature paintings **लघु चित्र**

आकार मे अत्यधिक छोटे चित्र, विशेपतया आकृति-चित्र। ये ताड़पत्रों और कागजों पर अंकित मिले है। ये अधिकांशतः मध्ययुगीन लघु चित्र हैं।

Minoan civilization **क्रीट सभ्यता, मिनोअन सभ्यता**

क्रीट द्वीप की प्राचीन सभ्यता, जिसका काल लगभग 3,000 से 1,100 ई० पू०तक माना जाता है। इस समृद्ध सभ्यता का उल्लेख यूनानियों की श्रेण्य कथाओं में मिलता है। सर आर्थर ईवान्स ने, क्रीट की मुख्यतः नोसस (Knossos) में कराए गए महत्त्वपूर्ण उत्खनन से यह सिद्ध कर दिया कि अभिजात यूनानियों से शताब्दियों पूर्व, यह सभ्यता विद्यमान थी। मिनोअन सभ्यता का नामकरण राजा मिनोस के नाम पर हुआ। ईवान्स ने, इसे पूर्व, मध्य तथा उत्तर कालों में विभाजित किया। विशाल महलों के अवशेष, मृद्भांड, आभूषण तथा मूर्तियां इत्यादि मिनोअन सभ्यता के कलात्मक वैभव को दर्शाती है।

Minoan Mycenean civilization **क्रीट माइसीनी सभ्यता, मिनोअन माइसीनी सभ्यता**

माइसीनी प्रभुत्व काल में, क्रीट में पनपी मिनोअन और माइसीनी सभ्यता; उत्तर मिनोअन काल का प्रारंभ लगभग 1,550 ई०पू०में, उस समय हुआ, जब क्रीट सभ्यता अपनी उन्नति के चरमोत्कर्ष पर थी। 1,400 ई०पू० में, नोसस के महल को, माइसीनी लोगों ने नष्ट-भ्रष्ट कर दिया और इजियन सागर पर अपना प्रभुत्व स्थापित किया। माइसीनी प्रभुत्व के कारण, मिनोअन और माइसीनी सभ्यता का संगम हुआ और इसके परिणामस्वरूप एक नई सभ्यता ने जन्म लिया, जिसमें दोनों सभ्यताओं के अच्छे तत्त्व विद्यमान थे। इसे 'क्रीट-माइसीनी सभ्यता' भी कहा जाता है।

Minotaur **नरवृषभ, मिनोटार**

यूनानी देवकथाओ में वर्णित राक्षस विशेप, जिसका सिर बैल का और धड़ मानव का बताया गया है। यह मिनोस की पत्नी पैसिफे (Pasiphae) और यूनानी वृपभ की संतान था। इसे नोसस की भूलभूलैया में रख दिया गया था और मनुष्य का मास खाने को दिया जाता था। मिनोटार का वध वीर थेसियस (Theseus) ने किया था। इसकी कथा और आकृति के चित्र उत्खनन के परिणामस्वरूप मिले है।

Minyan ware **मिनियाई भांड**

उत्तरी और मध्य यूनान के संभवतः भारोपीय लोगो द्वारा निर्मित उत्कृष्ट कोटि के वर्तन। ये भूरे और पीले रंग की मिटटी के बने, कांस्ययुगीन और पूर्व हैलाडिक युग के अवसान काल मे चाक पर बने प्रतीत होते हैं। ईजियन सागर-क्षेत्र में संभवतः ये विदेशी लोगों द्वारा लाए गए थे। मिनियाई भांडों के पूर्ववर्ती माइसिनी मृद्भांड कहे जाते हे।

Miocene Epoch **मध्यनूतन युग**

अतिनूतन (Pliocene) और आदि नूतन (Eocene) के बीच का युग; तृतीयक काल का मध्यवर्ती युग। आधुनिक विश्व के भूवैज्ञानिक इतिहास में इस काल का महत्त्वपूर्ण स्थान है। इस काल में, आल्प्स पर्वत और हिमालय पर्वत में अंतिम परिवर्तन हुए और एशिया अंतिम रूप से यूरोप से जुड़ गया। कुछ थोड़े समय के लिए यह उत्तरी अफ्रीका तथा उत्तरी अमरीका से भी संवद्ध रहा। विभिन्न पशुओ तथा वनस्पतियों का पर्याप्त विकास भी इसी काल में हो चुका था। घोड़े, हाथी, ऊंट, गैंडा, बाघ के आद्य-रूप तथा आद्य मानवाभ कंकाल इसी युग के मिले हैं।

missing link **विलुप्त कड़ी**

मानवसम प्राणी और मानव के बीच की वह कड़ी, जिसे अब तक खोजा नहीं जा सका। विकासवाद के प्रवर्त्तक, डार्विन के अनुसार, मनुष्य उस प्राइमेट (primate) परिवार का सदस्य है, जिसमे लंगूर, गोरिल्ला, चिम्पांजी, बंदर एवं एप (ape) परिगणित किए जाते हैं। इनके पूर्वज से प्रारंभिक जीव युग के प्राणियों का विकास हुआ। मानव के क्रमिक विकास से संवद्ध पर्याप्त सामग्री अभी तक प्राप्त नही हो सकी है। यह माना जाता है कि अपने पैरों पर खड़े होनेवाले मानवसम प्राणी और मानव के मध्यवर्ती विकास-काल में निश्चय ही कोई ऐसा प्राणी रहा होगा, जिससे मानव का विद्यमान रूप विकसित हुआ। विकास के बीच की इस कड़ी को नृविज्ञानी 'लुप्त कड़ी' कहते हैं।

Mitannian kingdom **मितानी राज्य**

उत्तरी मेसोपोटामिया में, दजला फरात नदी की घाटी मे स्थित राज्य, जो लगभग 1,500 ई० पू० में स्थापित हुआ। यह राज्य एक शताब्दी से कुछ अधिक समय तक चलता रहा। हित्ती लोगों ने, इसे लगभग 1,370 ई० में समाप्त कर दिया। इस राज्य की जनता हुरियन नस्ल की थी।

Mithras मिथ्रास

सत्य का रक्षक और अंधकार के विरुद्ध अहुरमज्द का सहायक पारसी देवता, जिसे शंक्वाकार टोपी धारण किए युवा रूप में दिखाया गया है। कहा जाता है कि इसने दैवी वृषभ का वध किया। वृषभ के शरीर से मानव जाति के लिए कल्याणकारी पौधों तथा पशुओं का उद्भव हुआ। रोम शासन-काल में, इस देवता का महत्व पूर्वापेक्षा अधिक बढ़ गया और सैनिकों में भी इसकी पूजा होने लगी।

Mixoneolithic culture मिश्र नवपाषाण संस्कृति

अनातोलिया की प्राचीनतम खाद्योत्पादक संस्कृति, जिसे प्रोफेसर डेनियल ने उक्त संज्ञा प्रदान की।

Moabite मोआबी

(1) मृत सागर के पूर्व में निवास करने-वाले प्राचीन सामी लोगों में से एक जाति, जिनका हिब्रू समुदाय से निकट का संबंध था।

(2) मोआब के निवासी।

(3) प्राचीन मोआब की शामी भाषा मोआबी, जिसका हिब्रू भाषा से काफी साम्य था।

Moabite stone मोआबी पत्थर; मोआबी प्रस्तर पट्ट

19 अगस्त, सन् 1,868 ई० को, क्लिन (klein) द्वारा मोआब के डिवोन नामक स्थान में प्राप्त बेसाल्ट का काला पत्थर, जिसमें मोआब के राजा मेशा (Mesha) की इज़रालियों पर विजय (860 ई० पू०) का उल्लेख है। इस अभिलेख में, 34 पंक्तियां हैं, जो मोआबी वर्णमाला में लिखी हैं।

moat परिखा, खाई

किले की दीवार के चारों ओर रक्षा के लिए बनी चौड़ी और गहरी पानी से भरी नहर, जिसे आसानी से पार नहीं किया जा सके।

Mondse Altheim culture मोंडसे अल्थीम संस्कृति

मोंडसे और अल्थीम नामक स्थानों की आद्य ऐतिहासिक और ताम्रकालीन संस्कृति। मोंडसे संस्कृति ऊपरी आस्ट्रिया में पल्लवित हुई और वल्ली गृहों तथा अलंकृत मृद्भांडों के लिए प्रसिद्ध थी। अल्थीम संस्कृति बवेरिया के लेंडसट नामक स्थान में मिली है।

Mongoloid people — मंगोलाभ जनें

मानव जाति के प्रजातिगत विभाजनों में से एक। इस प्रजाति के ोगों का रंग पीला, नाक चपटी, चेहरा चौड़ा, बाल काले तथा सीधे ोते हैं। इस प्रजाति के लोगों में, चीनी, जापानी, कोरियाई, तिब्बती, ंगोल, मंचू, बर्मी, अन्नामी आदि परिगणित किए जाते हैं।

nonolith — एकाश्म

विशेषतः बड़े आकार की संरचना, जैसे—स्तंभ, स्मारक या मूर्त्ति ो एक ही पत्थर से बनी हो।

nonopteron (=monopteros) — वृत्ताकार मंदिर

यूनानी या रोमन मंदिर, जो प्रायः वृत्ताकार होता था। इसके गर्भगृह में दीवारें न बना कर घेरे में स्तंभ बनाए जाते थे। गर्भ-गृह के ऊपर शंक्वाकार छत बनाई जाती थी। एथेंस के एक्रोपोलिस के ऊपर निर्मित आगस्टस का मंदिर इस शैली के मंदिरों का एक भव्य उदाहरण है।

nonument — स्मारक

भवन, स्तंभ, पाषाण-पट्ट या इसी प्रकार की अन्य कोई संरचना, जो किसी व्यक्ति, घटना या कृत्य की यादगार बनाए रखने के लिए बनी हो।

Morpheus — स्वप्न देवता, मोर्फियस

यूनानी देवकथाओं मे हिपनास का पुत्र मोर्फियस; इस स्वप्न का देवता माना जाता था। यह मनुष्य की आकृति और बोली की नकल करने में समर्थ था। इसका उल्लेख धार्मिक कथाओं की अपेक्षा साहित्यिक उपाख्यानों में अधिक मिलता है।

mortuary house — शवगृह, शवागार

लकड़ी या मिट्टी-चूने पत्थर का बना वह स्थान विशेष या मक़बरा, जहां पर मृत शरीर को दफनाया गया हो। इस एक शवगृह में प्रायः एक ही शव रखा जाता है। प्रागैतिहासिक काल से ही प्रत्येक व्यक्ति के लिए अलग-अलग कब्र बनाने का विधान चला आ रहा है।

mosaic — पच्चीकारी, वर्णकुट्टिम, चित्र कुट्टिम

शीशा, पत्थर या अन्य वस्तुओं को अलंकरणार्थ जड़ने या किसी

अन्य वस्तु मे फंसाने की प्रविधि । प्राचीन रोम और भारत में इनका प्रचलन रहा है ।

Mother goddess मातृदेवी

सृजन और जीवन की अधिष्ठात्री शक्ति, जिसे सर्वशक्तिमान मा के रूप में माना जाता है। भारत में, इसे अंबा, माता, दुर्गा, काली तथा अन्यान्य विविध संज्ञाएं दी गई है । भारत में हुए पुरातात्विक उत्खननो म मातृदेवी की प्राचीन मूर्तिया मिली है ।

motte प्राचीर-अट्ट

प्रागैतिहासिक यूरोप मे सामान्यतः प्रचलित प्राकारयुक्त टीला ।

mound टीला

धरती का ऊपर की ओर उठा हुआ भाग, जिसे सामान्य बोलचाल की भाषा मे 'डीह' भी कहा जाता है ।

Mousterian culture मोस्तारी संस्कृति

दक्षिण-पश्चिमी फ्रांस के दार्दोन (Dordogne) नामक प्रदेश में, वजेर नदी के किनारे, 'ला-मोस्तेर' (Le Moustier) नामक गुहा से प्रसूत संस्कृति, जिसके अंतर्गत मोस्तारी पाषाण उपकरण उद्योग की स्थापना का श्रेय निआन्डरथल मानव को प्राप्त था। यह संस्कृति तृतीय अंतर्हिमनदीय काल से अंतिम हिमनदन काल तक विद्यमान रही । इस संस्कृति का विकास संभवतः मध्य-पूर्व पाषाण काल में हुआ।

Mousterian tools मोस्तारी उपकरण

निआन्डरथल मानव द्वारा पाषाणकालीन उद्योग के अंतर्गत बनाए गए पत्थर के उपकरण । यह उल्लेख्य है कि मोस्तारी तथा लवाई उपकरण बहुत अंशों में एक जैसे दिखते हैं, पर वास्तव में इनमें पर्याप्त भिन्नता है । मोस्तारी पाषाण उपकरण त्रिकोणाकार हैं और शल्क पर बने है । कभी-कभी हस्तकुठारों में भी शल्कित त्रिकोणाकार रूप मिलता है ।

Mousterian technique मोस्तारी प्रविधि

प्रागैतिहासिक निआन्डरथल मानव द्वारा प्रयुक्त पाषाण उपकरण निर्माण की तकनीक । मोस्तारी नामकरण फ्रांस के दार्दोन नामक प्रदेश की 'ला-मोस्तेर' नामक गुफा में प्राप्त उपकरणों के आधार पर पड़ा।

बाहरी रूप से देखने में, ल्वाल्वाई और इस मोस्तारी प्रविधि के उपकरण एक-से प्रतीत होते हैं, परंतु इनमें पर्याप्त विभेद है ।

मोस्तारी प्रविधि में शल्क (flake) निकालने के लिए सपाट पत्थर या वटिकाश्म चुने जाते थे और सपाट पत्थर के चारों ओर केंद्र की दिशा में निकाले गए शल्क-चिह्न विद्यमान रहते थे । इनके बीच का भाग सपाट तथा अनगढ़ होता था, जिसके ऊपर की ओर बाह्यक बने रहते थे ।

mud brick **कच्ची ईंट**

सूर्य की धूप में सुखाई गई ईंट । भवन-निर्माण के लिए इस प्रकार की, ईंटों का प्रयोग प्राचीन काल से होता रहा है ।

muller **बट्टा, लोढ़ा, पेषणी**

प्रागैतिहासिक काल में प्रयुक्त पत्थर का गोल चौरस अथवा बेलनाकार खंड, जिसका प्रयोग अनाज, रंग या औषधि आदि को पीसने के काम में किया जाता था। डा० सांकलिया ने पेषण-कर्म में प्रयुक्त पांच प्रकार के लोढ़ों का उल्लेख किया है ।

multivallate fort **बहुप्राचीर दुर्ग**

एक से अधिक परकोटे या चहार दीवारों से युक्त किला ।

mummy **चिरशव, ममी**

सड़ने-गलने के विरुद्ध बचाव की दृष्टि से तैल-लेपादि लगाकर सुरक्षित बनाया गया मृत मनुष्य या पशु का शरीर;

बहुत अधिक प्राचीन काल से मिस्री लोग शवों को बिटूमन मसाले, गोंद, नेट्रोन तथा शहद इत्यादि विशिष्ट मसालों से लेपित कर सुरक्षित रखते थे। शरीर के भीतरी और सड़नेवाले भागों को काट कर उनमें मसाला भी भरा जाता था । इसके उपरांत शव को लिनन वस्त्र से कस कर बांध दिया जाता था । ममी को आभूषण पहनाए जाते थे और उसके निकट दैनंदिन प्रयोग की आवश्यक वस्तुएं रखी जाती थीं। मानव-शवों को कब्र में रखने के पूर्व लकड़ी, पाषाण या सोने के बने बक्सों पर रखा जाता था । विश्व के अनेक संग्रहालयों में मिस्र की ममियां या प्रतिकृतियां आज भी प्रदर्शित की जाती हैं ।

mummy case **ममी पेटिका**

वह संदूक या ताबूत, जिसमें मिस्री लोग शव को सुरक्षित रखते थे ।

Munsell soil color chart मंसल मृदा रंग-चार्ट

उद्दिष्ट लक्ष्य के लिए मिट्टी के वर्ण के अंकन के लिए थी०ए० मंसेल द्वारा प्रयुक्त और प्रवर्तित चार्ट, जो पुरातात्विक अध्ययन की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। मृद्भांडों के अध्ययन के लिए भी अब इसका प्रयोग होने लगा है। मिट्टी के रंग (स्पेक्ट्रम के दस रंग तथा उनके विभेदादि), रंग-प्रकाश (गहरा और हल्का) तथा क्रोम (भूरे और हल्के रंग की शुद्धता) को देखकर अध्ययन के लिए यह चार्ट अंकित किया जाता है।

mural art भित्ती चित्रकला

दीवारों को सजाने की कला; विशेषतः रंग, चित्र, पच्चीकारी द्वारा दीवार एवं उसकी अंतश्छद को सजाने की कला।

murus gallicus गैलिक भित्ति, म्युरस गैलीकस

लकड़ी के ढांचे की सहायता से मिट्टी या पत्थर के बने परकोटे को अपेक्षाकृत अधिक सुदृढ बनाने की प्रविधि। गैलिक भित्ति में लकड़ी को खड़ा नही रखा जाता, वरन् क्षैतिजाकार रखा जाता है, जो लोहे के आंकड़ों से बंधी होती है। गॉल की दीवार या म्युरस गैलीकस का सामना सीजर ने केल्टिक कबीले के अभियान के समय किया।

musee del homme मानव-संग्रहालय

वह स्थान या भवन, जहां पर लुप्त और ज्ञात विभिन्न प्रजातियों के नर-कंकाल, उपकरण तथा दैनंदिन प्रयोग की वस्तुओं का संग्रह किया गया हो। मानव के विकास-क्रम को समझने में मानव-संग्रहालय उपयोगी है।

museology संग्रहालय-विज्ञान

किसी संग्रहालय के संगठन, प्रबंध, व्यवस्थापन तथा उसमें रखी वस्तुओं के संग्रह, प्रदर्शन, संरक्षण तथा प्रलेखीकरण आदि से संबद्ध शास्त्र।

museum संग्रहालय

वह सुरक्षित स्थान या भवन, जिसमें स्थायी महत्व की वस्तुओं का संग्रह प्रदशनार्थ ही नही, वरन् उन्हें सुरक्षित और व्यवस्थित रूप में रखने के लिए भी किया जाता है। संग्रहालयों की स्थापना, मूल वस्तुओं के परिरक्षण, प्रदर्शन तथा अध्ययन के लिए की जाती है। इन वस्तुओं के महत्त्व को आकने के लिए कभी-कभी अनुकृतियों, चार्टों फोटोग्राफों इत्यादि का भी प्रयोग किया जाता है।

Mycenaean civilization **माईसीनी सभ्यता**

दक्षिण यूनान पेलोपोनेसस के उत्तर-पर्व में स्थित नगर माईसीन के नाम से विख्यात प्राचीन सभ्यता, जो लगभग 1,400 ई० पू० में अपने चरमोत्कर्ष पर थी। यह सभ्यता मिनोअन सभ्यता के बाद आई। माईसीनी सभ्यता के अवशेष भूमध्यसागरीय क्षेत्र में मिलते हैं ।

myrtle decoration **मेंहदी पत्रालंकरण**

यूनानी मृद्भांडों में अलंकरण के लिए प्रयुक्त एक नमूना, जिसमें अंडाकार नुकीली पत्तियों को उनके तने पर विपरीत स्थिति में अंकित दिखाया गया है ।

N

naos **1. नाओस, मंदिर**

वह स्थापत्य संरचना, जिसमें अर्चा-पूजा के लिए मूर्ति स्थापित हो ।

2. गर्भगृह

मंदिर के बीच का वह कोष्ठ या आंतरिक कक्ष, जिसमें प्रतिमा या मूर्ति स्थापित हो ।

narthex **गिरजा-ड्योढ़ी**

गिरजा-घर का द्वार-मंडप, जो गिरजाघर में घुसने से पहले पड़ता है। इसे 'गिरजापौरी' भी कहा जा सकता है ।

चर्च की मध्य वीथि व समाधि-मंडप (basilica) की समकोणीय स्थिति में बना वह भाग, जिसमें प्रवेश-मार्ग बना होता है।

national monument **राष्ट्रीय स्मारक**

राष्ट्रीय महत्त्व के वे भवन या ध्वंसावशेष, जिन्हें शासन और उसकी प्राधिकृत संस्था द्वारा सार्वजनिक निधि घोषित किया गया हो। इन भवनों को किसी प्रकार की क्षति पहुंचाना दंडनीय अपराध है।

national relics — राष्ट्रीय अवशेष

ऐतिहासिक महत्त्व के वे भग्नावशेष, जिन्हें शासन या उसकी प्राधिकृत संस्था द्वारा सार्वजनिक निधि घोषित किया गया हो।

native — मूल निवासी, देशवासी

किसी क्षेत्र या देश विशेष में रहनेवाल वे लोग, जो अति प्राचीन काल से वहां रहते चले आ रहे हों।

native art — देशज कला

किसी देश विशेष में पुष्पित और पल्लवित कला, जो पूर्णतः उस देश की अपनी और मौलिक कला हो। इस प्रकार की कला के प्रादुर्भाव में, किसी अन्यदेशीय कला का प्रभाव नहीं होता।

Natufian culture — नतूफी संस्कृति

लेवेंट की मध्यपाषाणकालीन (Mesolithic) संस्कृति, जिसका नामकरण फिलस्तीनी क्षेत्र 'वादी अन नतूफ' के नाम पर पड़ा, जहां इस संस्कृति के प्ररूप-स्थल मिले हैं। इस संस्कृति के लोग खाद्य संग्रह और शिकार कर जीवन-यापन करते थे। संभवतः इन्होंने कृषि करना भी सीख लिया था। ये लोग न तो मृद्भांड बनाते थे और न पशुओं को पालते थे। उत्खनन में, इनके प्रमुख उपकरण अस्थि दरांती, लंबी कांटेदार अस्थि वेधनी, क्षुरक, खुरचनी, वेधक तथा चकमक फलक आदि मिले हैं। अनेक नतूफी नर-कंकाल शुकवा तथा अलवेद (Alwad) की गुफाओं में मिले हैं। इस संस्कृति की खोज का श्रेय डोरोथी गेरोद को है।

Neanderthal man — नेआंडरथल मानव

मध्य पुरापाषाणकाल के अवसान काल में लुप्त, पूर्व मानव (early man) जिसके नर-कंकाल उज़बेकिस्तान, उत्तरी अफ्रीका तथा हिमनद रहित यूरोप में मिले हैं। नेआंडरथल जर्मनी के राइन प्रदेश की एक घाटी है, जहां पूर्व मानव का अस्तित्व जाना-माना जाता है। इस मानव की खोपड़ी बड़ी और कपाल मोटा था। सामान्यतः इसकी भौंह की हड्डी कुछ उठी हुई थी और ललाट पृष्ठाभिमुख था। यह मानव गर्दन सीधी कर खड़ा नहीं हो सकता था। इसकी चिंतन-शक्ति का कम विकास हुआ था। एशले मोंटुगे ने, इस मानव को पूर्ण मानव के निकट माना है। कुछ नृतत्त्वशास्त्री पूर्व मानव को अर्ध-मानव की श्रेणी में रखते हैं।

necklace **कंठहार**

गले में पहनने का एक आभूषण, जिसमें बड़े-बड़े मनके होते हैं। सामान्य बोलचाल की भाषा में इसे 'कंठा' कहा जाता है।

necklet **1. कंठा, गुलूबंद**

गले के चारों ओर पहनने का गहना, जैसे हार, माला आदि। बड़े-बड़े मनकेवाले कंठहार को कंठा कहा जाता है।

2. ग्रैवेयक

गले में पहनने का कोई गहना; जैनों के एक प्रकार के नौ देवता जो लोक-पुरुष की गरदन पर स्थित माने जाते हैं।

necropolis **क़ब्रिस्तान, शवाधि-स्थल**

प्रायः किसी नगर के निकट बना विस्तृत निर्जन क्षेत्र, जहां पर मृतकों को दफनाया जाता था।

पुराने जमाने का विस्तृत क्षेत्रीय क़ब्रिस्तान।

Negrito people **नीग्रीटो जन**

(अ) मध्य और दक्षिणी अफ्रीका तथा ओसेनिया के बौने नीग्रोसम लोग। इनके काले वर्ण मे नीग्रो लोगों की तरह एकरूपता नही है। ये 1 मीटर से लेकर 1.524 मीटर तक लंबे होते है। ये लोग फिलिपाइन्स, मलाया प्रायद्वीप, अंडमान द्वीप और दक्षिण भारत में भी हैं। इनके ऊपरी ओष्ठ अपेक्षाकृत अधिक मोटे होते हैं।

(आ) इथियोपियाई प्रजाति के लोग।

(इ) अफ्रीका के बौने कबीले के लोग।

Neolithic age **नवपाषाण युग**

उत्तर पाषाण काल का पश्चवर्ती युग। पश्चिमी यूरोप तथा पूर्वी एशिया में, नवपाषाणकालीन संस्कृति का प्रारंभ लगभग 10,000 ई० पू० माना गया है।

नवपाषाण काल में कृषि, पशुपालन, घुमक्कड़ी वृत्ति के स्थान पर स्थायी निवास के साथ-साथ बर्तन बनाने के लिए चाक का प्रयोग मिलता है। इस काल के अपघर्षित पाषाण-उपकरण भी मिले हैं। यह भी सिद्ध हो चुका है कि इस काल में उपकरण-निर्माण के लिए बेसाल्ट डोलराइट और बालुकाश्म का प्रयोग होता था। कुछ अस्थि उपकरण भी मिले हैं।

क्षेत्रीय विशेषताओं के आधार पर भारतीय नवपाषाण काल को चार भागों में बांटा गया है :—(1) काश्मीर, (2) बिहार, बंगाल तथा असम, (3) मध्य भारत; गुजरात तथा दकन और (4) दक्षिण भारत।

net sinker — जाल निमज्जक

पकी मिट्टी या पत्थर से बनी छद्दार वस्तु। अनुमानतः इस का प्रयोग यूरोप में मछली पकड़ने के लिए जाल के साथ किया जाता था।

nimb — प्रभावली, प्रभामंडल, भामंडल

नीचे दे० nimbus

nimbate — प्रभावली युक्त

वह मूर्त्ति या चित्र, जिसके पृष्ठ भाग में, विशेषकर मस्तक के पीछे दिव्य तेज और प्रकाश का द्योतक वृत्त बना हो।

nimbus — प्रभामंडल, प्रभावली, भामंडल

देवी-देवताओं अथवा महापुरुषों के चित्रों या उनकी मूर्त्तियों के मस्तक के पीछे बना, प्रायः गोलाकार फैलाव, जो दिव्य ज्योति, प्रकाश और तेज का प्रतीक होता है। प्राचीन श्रेण्य कालीन भारतीय एवं विदेशी वास्तुकला, चित्रकला एवं सिक्कों में, देवी-देवताओं और यशस्वी व्यक्तियों के पीछे इस प्रकार का प्रकाशयुक्त वृत्त दिखाया गया है।

nomos (=nome) — नोमोस (=नोम)

यूनानी नगर-राज्य के सिक्कों की इकाई।

Nordic culture — **नॉडिक संस्कृति**

उत्तरी यूरोपीय जर्मनवासियों की संस्कृति ।

Nardic race — **नॉडिक प्रजाति**

कॉकेशियाई प्रजाति का एक उप प्रकार। नार्डिक लोगों का कद लंबा, केश भूरे, आंखें नीली तथा मस्तक दीर्घ होता था ।

Northern black polished ware — **उत्तरी काले ओपदार मृद्‌भांड**

लौहयुगीन स्तरों में मिले मृद्‌भांड, जो सुनहरे, रुपहले और गुलाबी आदि अनेक रंगों के मिले हैं। इनका प्रारंभिक समय आठवीं शताब्दी ई० पू० ज्ञात हुआ है। भारत के अनेक प्राचीन स्थलों से इस प्रकार के मृद्‌भांड प्राप्त हुए हैं। संभवतः इनका प्रयोग संभ्रांत वर्ग द्वारा किया जाता था ।

nose scraper — **नासाकार खुरचनी**

मध्य पाषाणकाल का विशिष्ट उपकरण। ये उपकरण क्रोड और शल्क दोनों रूपों में मिलते हैं । इस प्रकार की खुरचनी में अंत के दोनों पार्श्वों पर गहरा कटाव इस प्रकार बना होता है कि दोनों कटावों के बीच का भाग नासिका के आकार जैसा दिखाई देता है। परिष्करण द्वारा इसके कार्यांग बनाए जाते थे।

notched blade — **खांचेदार फलक**

प्रागैतिहासिक पाषाण-उपकरण, जिसका प्रयोग संभवतः लकड़ी छीलने के लिए किया जाता था। ये फलक आकार में सामान्य फलक के समान हैं। इनमें अंतर केवल इतना है कि फलक-शल्क (blade flake) के एक ओर अर्ध चंद्राकार कटाव बना होता है। कभी-कभी ये कटाव फलक के एक पार्श्व के ऊपर और नीचे दोनों ओर मिलते हैं ।

notch scraper — **खांचेदार खुरचनी; खांचेदार क्षुरणी**

मध्य पाषाणकालीन विशेष प्रकार का उपकरण। यह मूलतः अवतलाकार [illegible] अपेक्षाकृत बड़ी होती है । खांचेदार [illegible] अधिक गोलाकार होती है ।

nucleates — **केंद्रक**

अंडाकार वटिकाश्म उपकरण, जिनके उदर एवं पृष्ठ दोनों भागों में शल्कीकरण होता है। इन उपकरणों को 'उभयपक्षी उपकरण' भी

कहा जा सकता है, क्योंकि इनके दोनों पक्षों में शल्कीकरण होता है। शल्क निकालने के लिए इनमें सोपान-पद शल्कीकरण प्रविधि (step flaking technique) का प्रयोग होता था। जिस स्थान पर शल्क निकालते समय शल्क-चिह्न बन जाते हैं, उस का धरातल टेढ़ा-मेढ़ा हो जाता है। पंजाब की पाषाणयुगीन सोन संस्कृति में इस प्रकार के उपकरण मिले हैं। इन उपकरणों में कहीं-कहीं पर परिष्करण के चिह्न भी मिलते हैं। ये उपकरण एक पार्श्वीय और परिधीय भी होते हैं।

numismatics — मुद्राशास्त्र, सिक्काशास्त्र

वह शास्त्र, जिसके अंतर्गत सिक्कों और विभिन्न प्रकार की मुद्राओं का व्यवस्थित अध्ययन किया जाता है। विभिन्न धातुओं के बने प्राचीन सिक्के तत्कालीन इतिहास और संस्कृति को जानने के महत्त्वपूर्ण साधन हैं।

numismatist — मुद्राशास्त्री

वह व्यक्ति, जो सिक्को का विशेषज्ञ हो या जिसे देश-काल विशेष के सिक्कों की विशेषताओं का विशद ज्ञान हो।

nuraghe — बुर्ज, मीनारी

(1) मीनार जैसी बृहत्पाषाण संरचना, जो सार्डिनिया में दो हजार ई० पू० से रोम विजय काल के मध्य इस द्वीप में बनी। इस प्रकार की बुर्जे दो मंजिली या अधिक हुआ करती थीं। इनकी *आधार-परिधि शिखर भाग* की अपेक्षा अधिक बड़ी होती थी। इनका आकार मीनार की तरह होता था।

(2) किसी दुर्ग आदि की प्राचीरों में ऊपर की ओर उठी वृत्ताकार संरचना, जिसके मध्य भाग में पहरेदारों आदि के बैठने के लिए थोड़ा-बहुत स्थान होता है।

nymphaeum — निकुंज गृह, सावन-भादों

किसी स्थापत्य संरचना या भवन का वह भीतरी कक्ष, जिसमें जल-विहार के लिए सरोवर या फुहारा बना होता था। इसके निकट पेड़-पौधे लगाकर और मूर्त्तियां आदि स्थापित कर वातावरण के सौंदर्य में वृद्धि की जाती थी। इस प्रकार की संरचना का प्रयोग विश्राम-गृह के रूप में भी किया जाता था। प्राचीन भारतीय साहित्य में 'धारागृह' या 'धारा-सौध' के रूप में, इनका रोचक वर्णन मिलता है।

O

obelisk **सूची-स्तंभ**

चौकोर शुंडाकार खंभा, जिसका शीर्ष भाग पिरामिडाकार होता था। प्राचीन मिस्री लोग कदाचित इसे धार्मिक प्रयोजनों या उद्देश्यों के लिए बनाते होंगे। यह प्रायः एक ही विशाल पत्थर से बना होता था। इनमें चित्रलेख भी प्रायः अंकित किए जाते थे। इनमें स्तंभों के युग्म, मंदिर के द्वार पर बने होते थे, जो वस्तुतः सूर्य-पूजा के प्रतीक हैं। इसी प्रकार के युग्म स्तंभ हेलियोपोलिस तथा करनक में विद्यमान हैं। रोम स्थित सबसे विशाल सूची-स्तंभ 32.1564 मीटर ऊंचा है।

object card **वस्तु-पत्रक**

पुरातात्त्विक उत्खनन में प्राप्त वस्तुओं के प्राप्ति-स्थल, स्तर विवरण, प्राप्ति-तिथि, सामग्री तथा माप आदि का विस्तृत लेखा-जोखा रखने के लिए बनाया गया चिट्ठा। संख्यांकित पत्रक में, प्राप्त वस्तु का संख्यांकन कर तत्संबंधी विस्तृत सूचना लिपिबद्ध की जाती है। पुरातत्त्ववेत्ता प्राप्त वस्तुओं का क्रमबद्ध अध्ययन करते समय अपेक्षित जानकारी, वस्तु-पत्रक में उल्लिखित विस्तृत विवरण से प्राप्त करता है। सामान्यतः यह पत्रक इस प्रकार बनाया जाता है :—

क्रमांक	तिथि	स्थिति	स्तर-विवरण	माप	वस्तु या सामग्री	टिप्पणी
...	...		...		...	

oblates **लघ्वक्ष उपकरण**

प्रागैतिहासिक समतल उपकरण, जो अंडाकार गुटिकाश्म की अपेक्षा कुछ कम पतले, समतल तथा चपटे किनारोंवाले होते हैं। इनका आकार कम गहरी दो तश्तरियों को एक दूसरे के ऊपर उलटकर बनी आकृति के समान होता है। लघ्वक्ष उपकरण दो प्रकार के होते हैं:

(1) उत्तल कार्यांग लघ्वक्ष

(2) नुकीला कार्यांग लघ्वक्ष

obliquely retouched point **तिर्यक अनुशोधित वेधनी**

प्रागैतिहासिक पाषाण वेधनी का एक प्रकार। इस वेधनी के फलक लगभग तिरछे और कुंठित (blunt) होते हैं। आकार में ये बहुत कम चौड़े होते है। इनमें एक ओर नोक बनाने के लिए तिरछी दिशा में परिष्करण किया जाता है, जो बाएं या दाएं किसी भी ओर हो सकता है।

obsidian **ऑब्सीडी**

ज्वालामुखी क्षेत्रों में प्राप्त प्राकृतिक और अल्प पारदर्शी कांच, जिसका वर्ण भूरा या काला होता है। इसका उपयोग प्रागैतिहासिक काल में पाषाण उपकरण निर्माण के लिए होता था।

Obsidian hydration dating **आब्सीडी जलयोजन काल-निर्धारण**

शल्कन के उपरांत, जब ऑब्सीडी की एक नई तह सामने आती है तो जल-प्रवाह के साथ-साथ उसमें धीरे-धीरे कुछ भौतिक परिवर्तन होने लगते हैं। यह भौतिक परिवर्तन तापमान पर काफी निर्भर करते है। ज्ञात तिथिवाले नमूने अथवा वैसी ही जलवायुवाले ऑब्सीडी प्रस्तर से भौतिक परिवर्तन का अनुमान किया जा सकता है। उपकरण पर जल-योजन-स्तरीय मोटाई को ज्ञात कर इसका काल-निर्धारण किया जाता है।

ochre **गैरिक, पांडुर, गेरु**

गेरु; गैरिक, लाल या पीली प्राकृतिक मिट्टी, जो लोहे के उन जल-योजित ऑक्साइडों का मिश्रण है, जिनका रंग पीला, नारंगी या लाल होता है। गेरुए प्राकृतिक रंगों का प्रयोग प्रागैतिहासिक गुफा-चित्रों तथा मृद्‌भांडों में मिलता है। उत्तर-पाषाण काल में, इन रंगों से मृत शरीर को भी रंगा जाता था।

_ coloured **गैरिक, पांडुर**

गेरुआ, लाल या पीली गेरु के रंग जैसा।

ochre coloured pottery (=O.C.P.) — **गैरिक मृद्भांड**

गेरुए रंग के मिट्टी के बर्त्तन। भारत की गंगा घाटी में प्राप्त ये मोटे भांड प्रायः जर्जर मिले हैं। यह माना गया है कि ये मृद्भांड काफी समय तक जलमग्न रहे। अब यह माना जाता है कि ये बर्तन ह्रासोन्मुख परवर्ती हड़प्पा संस्कृति का प्रतिनिधित्व करते हैं।

oculus — **वृत्ताकार मोखा, वृत्ताकार गवाक्ष**

महाद्वीपीय गिरजाघरों के पश्चिमी छोर पर बनी गोल आकार की खिड़की। भारत में भी इस प्रकार के गवाक्ष प्राचीन भवनों में मिले हैं।

odeon — **संगीत कक्ष, प्रेक्षागृह, ओडियन**

यूनान व रोम में प्रचलित रहे छतदार थियेटरों का एक प्रकार। मूलतः इनका निर्माण संगीत के कार्यक्रमों के लिए किया गया था, क्योंकि वाद्यों की ध्वनि इनमें ठीक से प्रकंपित हो पाती थी। एथेंस में, पांचवी शताब्दी ई० पू० में इन्हें जला कर ध्वस्त कर दिया गया। केपेडोसिया के राजा अरिओबरजेनस द्वितीय (Ariobarzanes II) ने इसका पुनर्निर्माण कराया। ओडियन का प्रयोग, प्राचीन काल में, सभा-स्थल के लिए भी किया जाता था।

इस प्रकार के प्रेक्षागृह भारत के उड़ीसा राज्य में, उदयगिरि तथा खंडगिरि की प्राचीन गुफाओं में मिले हैं।

Oder culture — **ओडर संस्कृति**

मध्य यूरोप की ओडर नदी-घाटी की संस्कृति। यह नदी उत्तरी चेकोस्लोवाकिया के कार्पोथियन से निकल, दक्षिण पश्चिमी पोलेंड से होती हुइ पूर्वी जर्मनी तथा पोलेंड के सीमांतों से बाल्टिक सागर में गिरती है।

ब्रेन्डेनबर्ग (जर्मनी) में, ओडर संस्कृति और सेक्सोथूरिंजियन संस्कृति के संगम से एक नई संस्कृति उत्पन्न हुई, जिसका 'प्याला' विशेष उल्लेखनीय है। फूलदान, परशु, चकमक बसूला आदि ओडर संस्कृति कालीन कब्रों में मिले हैं।

Odin (=othin=woden) — **आडिन देवता**

स्केन्डेनेवियाई देवशास्त्र में एसिर का शासक, जिसे युद्ध काव्य, ज्ञान एवं बुद्धि का देवता माना जाता है।

oenochoe — **सुरा-पात्र**

मिट्टी की बनी प्राचीन यूनानी सुराही, जिसका मुंह त्रिपर्णाकार (trefoil shaped) होता है। इसके मुंह के ऊपरी भाग

से लेकर ग्रीवा के निचले भाग तक, इसे पकड़ने के लिए हत्था बना होता है.। इसका प्रयोग मदिरा रखने के लिए किया जाता था। इस प्रकार के पात्र प्राचीन यूनानी कला के सभी कालों में मिले हैं।

off-hand dating **अविचारित तिथि निर्धारण**

बिना किसी ठोस आधार के किसी वस्तु या स्थल का काल निर्धारित करना।

Oldowan culture **ओल्डवी संस्कृति**

दक्षिणी तथा पूर्वी अफ्रीका की वटिकाश्म उपकरण संस्कृति। उत्तरी तंजानिया में ओल्डवी नदी-घाटी में मिले उपकरणोंवाली संस्कृति। ये उपकरण वटिकाश्मों को तोड़कर धारदार बनाए गए हैं और मानव निर्मित प्राचीनतम उपकरणों में परिगणित किए जाते हैं। ओल्डवी नदी स्तर के ऊपर हस्तकुठारों के नौ अन्य स्तर मिले हैं, जो वटिकाश्म-उपकरणों के विकास-क्रम को दर्शाते हैं। इस संस्कृति की विशेषता यह है कि इसमें पुरापाषाणकालीन संस्कृतियों तथा मानव-विकास का असाधारण अनुक्रम मिलता है।

पोटेशियम ऑर्गन तिथि-निर्धारण से ज्ञात हुआ है कि आधार-निक्षेप (स्तर 1) का संचयन उन्नीस लाख वर्ष पूर्व आरंभ हो गया था।

Old stone age **पुरा पाषाण युग, पुरा प्रस्तर युग**

प्रारंभिक मानव-संस्कृति का युग, जिसमें मनुष्य ने पत्थर के अनगढ़ उपकरणों का प्रयोग करना, आरंभ कर दिया था। संपूर्ण अत्यंत-नूतन (Pleistocene) हिम युग से, हिम पर्तों के अंतिम पलायन (8,300 ई० पू०) तक पुरापाषाणकाल रहा। इस काल के लोग शिकार और कंदमूलादि से अपना जीवन-निर्वाह करते थे। इस युग को यूरोपीय पुरातत्व के अंतर्गत तीन उपविभागों, मध्य, उच्च तथा निम्न पुरापाषाण युगों में विभाजित किया गया है।

अफ्रीकी तथा, भारतीय पुरातत्व में, पाषाण युग का विभाजन निम्न प्रकार माना गया है :—

(1) पुरा पाषाण युग (2) मध्य पाषाण युग तथा (3) उत्तर पाषाण युग। भारत में, विभिन्न क्षेत्रों में पुरा पाषाण युगीन उपकरण मिले हैं।

Oligocene epoch — **अल्पनूतन युग, ऑलिगोसीन युग**

आदि नूतन (Eocene) और मध्यनूतन (Miocene) काल के मध्यवर्ती या तृतीयक काल का या उससे संबंधित। इस काल में सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण भौगोलिक परिवर्तन कदाचित बहुत अधिक भूपर्पटी संचलन (crustal movement) के परिणामस्वरूप हुआ, जिसके कारण आल्प्स, हिमालय, रोकीज तथा ऐंडीज पर्वतों की उत्पत्ति हुई।

olmec — **ओल्मेक**

दक्षिण बेराक्रूज तथा तेबेस्को के निकटवर्ती क्षेत्र में जन्मी पूर्व श्रेण्यकालीन सभ्यता, जिसका काल 1,200 ई० पू० माना जाता है। ओल्मेक लोग ऐतिहासिक काल में, मेक्सिको की खाड़ी तट के गर्म और आर्द्र प्रदेश में रहते थे। ओल्मेक लोगों द्वारा बनाई गई पाषाण मूर्तियां तथा मृद्भांड, तत्कालीन कला के उत्कृष्ट उदाहरण हैं। इस सभ्यता ने मध्य अमरीकी संस्कृति को बहुत अधिक प्रभावित किया। ओल्मेक चित्रलिपि को अभी तक पढ़ा नहीं जा सका है। संभवत: ओल्मेक लोग माया लोगों के पूर्वज थे। प्रथम सहस्राब्दी का काल, इस सभ्यता का स्वर्ण युग था। 600 से 400 ई०पू० के मध्य इस सभ्यता का अंत हुआ।

olpe — **सुराही**

(अ) यूनानी पुरातत्व के अंतर्गत, एक चमड़े की सुराही, जिसमें तेल या तरल पदार्थ रखा जाता था।

(आ) मदिरा को सुरक्षित रखने का एक विशेष प्रकार का मृद्भांड।

Oltenian culture — **ऑल्तेनी संस्कृति**

कार्पेथी मेखला के ऊपरी आल्त प्रदेश की एक उन्नत संस्कृति, जो ऊपरी मेरोस और मोलडाना तक फैली थी।

Omphalos (=sacred stone) — **पवित्र-पाषाण, पूतपाषाण**

डेल्फी (यूनान) में, अपोलो के मंदिर में स्थित अर्ध गोलाकार अथवा शंक्वाकार प्रस्तर की वेदी, जिसे प्राचीन यूनानी लोग पृथ्वी का केंद्र मानते थे। इस संबंध में किंवदंती प्रचलित है कि इसका ज्ञान जूस (Zeus) को हुआ था। उसने दो बाजों ने विपरीत दिशाओं में उड़ने के लिए कहा और वे दोनों उड़कर अंततः डेल्फी में मिले।

उनकी स्मृति में, यहां यह पवित्र पाषाण, उक्त कथा के अनुसार स्थापित किया गया, जिसमें अपोलो को पत्थर पर बैठे हुए अंकित किया गया है।

Onyx सुलेमानी, ऑनिक्स

एक प्रकार का सिक्थ स्फटिक, जिसमें अलग-अलग रंगों की समानांतर परतें बनी हों। प्राचीन काल से इसका प्रयोग अलंकरण के लिए बहुत अधिक मात्रा में होता रहा है।

opera del duomo 1. संग्रहालय

इटली के मुख्य गिरजाघर का संग्रहालय।

2. कर्मशाला

वह स्थान, जहां व्यवस्थित ढंग से कार्य किया जाए।

opus Alexandrinum पाषाण कुट्टिम

विशिष्ट प्रकार की प्राचीन फर्श, जिसमें संगमरमर की टाइलों का प्रयोग किया जाता था।

oracle bone प्राख्यापन अस्थि

प्राचीन काल मे, चीनियो द्वारा शकुन-विचार के लिए प्रयुक्त जानवरों की हड्डियाँ, विशेषकर बैल की स्कंध-अस्थि या कछुए ी ढाल। इसके प्राचीनतम उदाहरण लुंग शान काल के मिले हैं। इनके ऊपर अभिलेख उत्कीर्ण है, जो तत्कालीन इतिहास जानने के महत्त्वपूर्ण स्रोत व साधन हैं।

Oranian industry ऑरेनी उद्योग

उत्तरी अफ्रीका की उत्तर पुरापाषाणकालीन संस्कृति, जो केप्सियाई संस्कृति की समकालीन थी। ट्यूनिशिया, अल्जीरिया और मोरक्को के तटवर्ती क्षेत्रों मे यह संस्कृति मिली है। इस संस्कृति के लोग गुफाओं और शैलाश्रयों में रहते थे। इनके द्वारा निर्मित प्रमुख वस्तुओं में, सूक्ष्म पाषाण-उपकरण, इकधार फलक, वेधनी, खुरचनी, तक्षणी तथा सामान्य अस्थि-उपकरण है। इस संस्कृति का काल लगभग 12,000 ई० पू० से 8,000 ई० पू० तक माना गया है।

Ormazd अहुरमज्द

पारसी धर्म के अंतर्गत, विश्व का सृजक पारसी देवता, जो मानव मात्र का पालक तथा सर्वोच्च देवता माना जाता है।

Osiris **ओसाइरिस**

प्राचीन मिस्र का मृत्यु देवता, जो पाताल का स्वामी था। मिस्रियों का यह विश्वास था कि धार्मिक संस्कार, कृषि तथा सभ्यता की अन्य कलाओं का ज्ञान इसी देवता ने मनुष्यों को प्रदान किया था। इसकी उपासना का प्रमुख केंद्र एविडोस था। प्राचीन मिस्री कला में इसे दाढ़ीयुक्त बताया गया है। इसके मस्तक पर मुकुट रहता है। इसे ममी रूप में भी दिखाया गया है।

Osset people **ओसेट जन**

मध्य काकेशस प्रदेश स्थित ओसेटिया के लोग। ओसेट दक्षिण सोवियत यूनियन के यूरोपीय भाग में है। कहा जाता है कि ओसेट जन आर्य थे और फारस से यहां आकर बसे। इनका धर्म ईसाई मुस्लिम धर्म का मिश्रण था।

ossuary **अस्थिपात्र**

वह भांड या पात्र, जिसमें मृत मानव-शरीर की हड्डियों को रखकर दफनाया जाता था।

ostrace **मृदापट्ट, मृदलेख-पट्ट, मिट्टी की पट्टिका**

मिट्टी की अभिलेख लिखित पटिया। सुमेर में, इस प्रकार के बहुसंख्यक अभिलिखित पट्ट मिले हैं।

Ostracon **मृदा पट्ट, मृदलेख पट्ट**

मिट्टी से बनी वह पटिया, जिस पर, मिस्री, कोप्टिक या यूनानी भाषा में लेख उत्कीर्ण हो। इस प्रकार के मिस्र में छठी शताब्दी ई० पू० से चौथी शताब्दी ई० के मध्य बने मृदापट्ट प्राप्त हुए हैं।

Othin **ओथिन**

स्केन्डेनेवियाई देवशास्त्र में एसिर का शासक, युद्ध, काव्य, ज्ञान व प्रज्ञा का स्वामी और हुतात्माओं का देवता।

Ottonian art **ऑटोनी कला**

सेक्सनी राज्य-परिवार के जर्मन सम्राट, ऑटो महान् के नाम पर प्रसिद्ध

कला । यह कला संपूर्ण जर्मन-सेक्सन राजाओं के राज्यकाल (919 ई०–1,024) में पल्लवित रही । 1,000 ई० में यह अपने चरमोत्कर्ष पर थी । इस कला से जर्मन राष्ट्रीय कला का विकास हुआ ।

उक्त अवधि में वास्तुकला, चित्रकला तथा शिल्प कला के क्षेत्रों में अनेक भव्य कलाकृतियाँ बनीं और ललित कलाओं का सर्वांगीण विकास हुआ ।

outward blow technique — **बहिर्मुखी संघात प्रविधि**

प्रागैतिहासिक काल में, पाषाण-उपकरण बनाते समय शल्क निकालने के लिए पत्थर के बाहरी छोर पर प्रहार करने की विधि ।

oval-shaped — **अंडाकार, अंडिल**

अंडानुमा; अंडे जैसी; अंडे के आकार की संरचना ।

ovate hand axe — **अंडाकार हस्तकुठार**

हस्तकुठार का एक प्रकार, जो अंडाकार होता था । ऐश्यूली पद्धति में इसकी सतह अत्यधिक चिकनी बना दी जाती थी ।

ovlet — **मोखा**

(1) दीवार, छत आदि में बना हुआ रोशनदान ।

(2) बहुत छोटी खिड़की या लघु आकार का झरोखा ।

ovoid tool — **अंडाभ उपकरण**

अंडे के आकार जैसा पुरापाषाणकालीन औ ार ।

ovolo — **गोला**

वृत्ताकार, उत्तल सज्जापट्टी । प्राय: इस प्रकार के अलंकरण में पहले अंडा तथा बाद में शर की आकृतियों की शृंखला वत क्रमानुसार पुनरावृत्ति की जाती है । रोम वास्तुकला में, उत्तल सज्जापट्टी की काट वृत्त के चतुर्थ भाग की तरह होती थी । यूनानी वास्तुकला में, यह चपटी और फलकाधार (echinus) जैसी होती थी ।

Ovum — **अंडालंकरण**

वास्तुकला तथा चित्रकला में, अंडे की तरह की सजावट के लिए बनाई ई संरचना ।

P

pad stone धरण-पाषाण

भवन बनाते समय किसी गर्डर के सिरे या छत के त्रिकोण को आधार देने के लिए दीवार में जड़ा पत्थर, जिस पर पाटन (छत आदि) या बोझ ठहर सके।

pagoda स्तूप, पैगोडा

बर्मा, भारत, चीन, जापान, आदि में विद्यमान बहुस्तरीय संरचना, जो मंदिर का अंग होती है। भारतीय स्तूप के सर्वश्रेष्ठ उदाहरण आकार-प्रकार में पिरामिड के समान देखे जा सकते हैं। बौद्ध मंदिरों की मीनार जैसी संरचनाओं को प्रायः पैगोडा कहा जाता है। भारतीय स्तूप सामान्यतः पत्थर के और चीनी स्तूप ईंटों के बने होते हैं। प्रत्येक देश के पैगोडाओं में देश विशेष की कला का प्रभाव होता है और इनके वास्तुकलात्मक विन्यास में पर्याप्त वैभिन्य के दर्शन होते हैं।

धरती की सतह से पर्याप्त ऊपर उठे हुए स्तूप के नीचे भगवान् बुद्ध या किसी महात्मा की अस्थि, केश, दांत आदि स्मृति-चिह्न के रूप में सुरक्षित रहते हैं।

pai-loo अलंकृत तोरण

चीनी वास्तुकला में, द्वार विशेष, जिसमें मूर्तियां और अलंकरण बने होते थे। इस तोरण में, किसी नायक या नायिका की कीर्ति का विवरण अंकित होता था।

palaeo-ecology पुरापरिस्थिति विज्ञान

विज्ञान की वह शाखा, जिसके अंतर्गत विगत भूवैज्ञानिक कालों में व्याप्त परिस्थितियों का अध्ययन किया जाता है। इस कार्य में वस्तुतः जीवाश्मों का अध्ययन आवश्यक है, क्योंकि इसके माध्यम से ही पुराकाल की परिस्थितियों के विषय में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होती है।

palaeographer पुरालिपिज्ञ

प्राचीन लिपि का ज्ञान रखनेवाला, प्राचीन लिपियों का अध्येता या विशेषज्ञ।

palaeographist पुरालिपिज्ञ, पुरालिपिविद्

प्राचीन काल में प्रचलित लिपि लिपियों का ज्ञाता या अध्येता।

palaeography 1. पुरालिपि

प्राचीन काल में प्रचलित रही लिपि।

2. पुरालिपिविद्या

वह शास्त्र, जिसके अध्ययन से प्राचीन लिपियों के वाचन का व्यवस्थित ज्ञान प्राप्त होता है। इसके अंतर्गत प्राचीन लिपियों की उत्पत्ति, उनका उद्वाचन और काल आदि का निर्धारण किया जाता है।

palaeolithic tool पुरापाषाण उपकरण, पुरापाषाण औजार

पत्थर से बने पुरापाषाणकालीन उपकरण या औजार।

palaeolithic age पुरापाषाण युग

पाषाणकालीन आरंभिक अवस्था, जिसमें मानव ने पाषाण-उपकरण बनाने आरंभ कर दिए थे। यूरोपीय पुरातत्व के संदर्भ में, इस युग के तीन उपविभाग, मध्य, उच्च तथा निम्न पुरापाषाण युग किए गए हैं। भारतीय पुरातत्व के अंतर्गत पुरापाषाण युग का वर्गीकरण निम्न प्रकार से माना जाता है—पूर्व, मध्य तथा उत्तर। विभिन्न क्षेत्रों में पुरापाषाण युगीन उपकरण बहुलता से मिले हैं।

palaeolithic culture पुरापाषाण संस्कृति

ऊपर दे० palaeolithic age

palaeolithicum पुरापाषाण युग

मानव संस्कृति के विकास का सब से प्रथम काल, जिसमें मानव ने पाषाण उपकरणों का प्रयोग आरंभ किया।

palaeontological method जीवाश्मीय पद्धति

सापेक्ष तिथि-निर्धारण में, जीवाश्म-साक्ष्य का अपना महत्व है। जीवाश्मीय पद्धति से उपकरणों के अभाव की तिथि का पता लगाया जाता है। प्रायः

भूगर्भीय जमावों में प्रागैतिहासिक उपकरणों के साथ-साथ जीवाश्मों के अवशेष मिलते हैं। क्रमिक विकास के अवशेषों के साक्ष्य के आधार पर भूवैज्ञानिक कल्पों का काल-निर्धारण किया जाता है। यद्यपि जीवों के विकास संबंधी क्रमिक साक्ष्य उपलब्ध न होने के कारण यह पद्धति अधिक उपयोगी नहीं है, तथापि इसमें संदेह नहीं कि जीवाश्मीय अध्ययन पद्धति के आधार पर प्रागैतिहासिक मानव और तत्कालीन जीवों के संबंध में महत्त्वपूर्ण सूचना-सामग्री प्राप्त की जा सकती है।

palaeontology **जीवाश्म-विज्ञान, जीवाश्मिकी**

वह विज्ञान, जिसमें जीवाश्मों के अध्ययन के आधार पर वनस्पतियों और पशुओं के प्राचीन स्वरूप का विवेचन होता है। मानव जीवाश्मिकी के अध्ययन से वनस्पतियों एवं मानवों के विकास का व्यवस्थित ज्ञान होता है। इस विज्ञान को सामान्यतः तीन उपविभागों, कशेरुकी जीवाश्मिकी, अकशेरुकी जीवाश्मिकी तथा पुरा-वनस्पति जीवाश्मिकी विज्ञान के रूप में विभाजित किया जाता है।

palaeo-zoology **प्राणि-अश्मविज्ञान, फ़ासिल-प्राणिविज्ञान**

विज्ञान की वह शाखा, जिसके अंतर्गत विगत भूवैज्ञानिक कल्पों के प्राणियों के प्राप्त जीवाश्मों का विवेचन और अध्ययन किया जाता है।

palafitte **झीलनिवास, झीलघर**

तालावों के किनारे बल्ली से बने गृह। उत्तरी इटली में हुए उत्खनन के परिणामस्वरूप बल्ली-गृहों से युक्त अनेक ग्राम मिले हैं। ये बल्ली-गृह नव-पाषाणकाल और कांस्य युग के आरंभ में बने थे।

palazzo **प्रासाद, अट्टालिका**

इटली में, महल के लिए प्रयुक्त संज्ञा पैलाजो, विशाल भवन या बड़ा आवासगृह।

palaeo-Asiatic **पुरा एशियाई**

(1) उत्तर-पूर्वी एशियाई समुदाय का सदस्य, जिनके अंतर्गत उत्तर-पूर्वी साइबेरिया के कोरयक, चूक्ची और कमचदल के लोग परिगणित किए जाते हैं। सखालिन द्वीप के गिलयक और उत्तरी जापान के आइन लोग भी पुरा एशियाई माने जाते हैं। जौकलसन (Jochelson) ने, इसे 'साइबेरियाई अमरीकाभ' का समानक माना है।

(2) (विशेषण) पुरा-एशियाई अथवा पुरासाइबेरियाई लोगों से संबंधित।

paleoethnic **पुराप्रजातीय, पुरानृजातीय**

प्राचीनतम मानव-प्रजातियों का या उन से संबंधित।

paleoserology **पुरालसी-विज्ञान**

सीरम की प्रतिक्रिया, उसके प्रयोग, आदि और विशेषकर रोध-क्षमता विज्ञान के अध्ययन से संबंधित लसीविज्ञान की शाखा। पुरालसी विज्ञान में पुराने कंकालों के स्पंजी अस्थि-ऊतकों का अध्ययन और विवेचन किया जाता है। बहुत ठंडी जलवायु में सुरक्षित मानव-अवशेषों का अध्ययन भी इस विज्ञान के अंतर्गत किया जाता है।

पुरालसी विज्ञान, पुरातात्त्विक अध्ययन में अभी बहुत अधिक योगदान नहीं कर पाया है, क्योंकि इसके निष्कर्ष बहुत सही सिद्ध नहीं हुए हैं। यही नहीं इसके निष्कर्षों तक पहुंचने में बहुत अधिक परीक्षण करने पड़ते हैं।

paleozoic age **पुराजीवी युग**

पृथ्वी के इतिहास का वह युग, जिसमें भूवैज्ञानिक काल के अंतर्गत कैंब्रियाई, ओरडूविसियाई, साइलूरियाई, डेवोनियाई, कार्वनीफिरस और परमियाई परिगणित किए जाते हैं। यह 32,50,00,000 वर्षों तक चलता रहा। इसके पहले आद्यमहाकल्प तथा इसके बाद मध्यजीवी काल था। इस काल से अपृष्ठवंशी (invertibrate) प्राणि-युग का समारंभ हुआ।

palette **रंगपट्टिका**

(1) पतला गोलाकार या वर्गाकार पटल या पट्टी, जिसमें उसे पकड़ने के लिए एक ओर छिद्र बना होता है। यह संज्ञा चीनी मिट्टी या कांच के उस पात्र के लिए भी प्रयुक्त होती है, जिसमें कलाकार अपने रंगों को मिलाता है। यूरोप में, पुनर्जागरण काल के आरंभ में, यह रंगपट्टिका दृढ़ काष्ठ से बनी होती थी और इसे पकड़ने के लिए इसमें हत्था या अंगुष्ठ-छिद्र बना होता था।

(2) रंग और प्रसाधन-सामग्री को पीसने के लिए प्रयुक्त सिल। लगभग 3,000 ई०पू० में बनी, इस प्रकार की रंगपट्टिका मिस्र के राजवंशीय काल की बनी मिली है।

palimpsest **मूलावशेषी, पैलिपसेस्ट**

द्वारा लिखा हुआ या पुनः तक्षित; पांडुलिपियों में पूर्व लिखित लेखादि को मिटाकर उस पर पुनः लिखित।

palisade — **काष्ठ प्राचीर**

रक्षा के लिए बनाई गई लकड़ी की एक ऊंची दीवार; जमीन में गाड़े गए शहतीरों से बना घेरा।

भारतवर्ष में, पाटलीपुत्र के उत्खनन में लकड़ी की चहारदीवारी के अवशेष मिले हैं, जिन्हें सामान्य बोलचाल की भाषा में "लकड़कोट' (काष्ठ निर्मित दुर्ग) कहा जाता है।

palladion — **पैलेडिओन**

पैलास एथेना देवी की मूर्त्ति; विशेषकर वह मूर्त्ति, जिसके बारे में यह मान्यता प्रचलित थी कि ट्राय नगर तभी तक सुरक्षित रह सकता है, जब तक मूर्त्ति नगर में सुरक्षित रहे। इस मूर्त्ति को, ओडेसस और डायोमिडस ट्राय पर विजय प्राप्त कर उठा ले गए, जिसे बाद में रोम में स्थापित किया गया।

palliotto — **वेदी-आवरण**

सन् 835 ई० में, संत एंब्रोजियो की बेसिलिका को, आर्चबिशप एंगिलबर्ट द्वारा भेंट किया गया वेदी आवरण। यह वेदी के चारों लंबवत् भागों को आवृत करने के लिए सोने और चांदी की चादरों से बना है। अलंकृत करने के लिए, इसमें बहुमूल्य जवाहरात जड़े हैं, सूक्ष्म मीनाकारी की गई है तथा कलात्मक तक्षण हुआ है।

palstave — **पालस्टेव**

प्राय: कांसे की बनी कुल्हाड़ी। मध्य कांस्य युग में यूरोप के बहुत बड़े भाग में इसका प्रयोग होता था। कुल्हाड़ी में, लकड़ी के बेंट को फंसाने के लिए एक खांचा भी बना होता था।

Papuan people — **पपुआ-जन**

पपुआ की आदिम प्रजाति के लोग; न्यूगिनी के मूलवासी। न्यू गिनी, मेलेनेशिया आदि के मूल निवासी लोग, जो नीग्रो प्रजाति के काफी निकट हैं।

पपुआ लोगों की नाक उभरी, त्वचा का वर्ण भूरापन लिए काला तथा बाल घुंघराले हैं। इनकी संस्कृति ओसेनिया की संस्कृति से मिलती-जुलती है। इनका प्रमुख व्यवसाय कृषि, मछली मारना तथा व्यापार करना था। अलंकरण कला और संगीत में इन्होंने विशेष योगदान दिया है।

papyrus **पेपाइरस**

दक्षिणी मिस्र के दलदलों में उत्पन्न होनेवाली घास, जो अब प्राय: नहीं मिलती। प्राचीन मिस्रवासी इसका प्रयोग कागज बनाने के लिए किया करते थे। लेखन-सामग्री के रूप में इसका प्रयोग कब से आरंभ हुआ, यह ज्ञात नहीं है। लगभग 3,000 ई० पू० में प्रथम राजवंशकालीन सक्करा (Saqqara) के मक़बरे में लेख रहित एक पेपाइरस वेल्लित-पत्र मिला है, पर लेखयुक्त पेपाइरस 2,500 ई० पू० से 1,000 ई० तक की अवधि में बने मिले हैं।

parallel trench **समानांतर खाई**

किसी पुरातात्त्विक स्थल की खुदाई करने की प्रविधि, जिसके अंतर्गत समानांतर खदान बनाकर खुदाई की जाती है। इसमें सर्वप्रथम निशान बनाने के उपरांत खुदाई आरंभ की जाती है और खुदाई में दीवार के अंश मिलने पर दीवार का सहारा लेकर खुदाई की जाती है। शनै: शनै: स्थान का प्राचीन आकार निकल आता है। इस खुदाई का प्रयोग भूगर्भ में छिपी दीवारों का पता लगाने तथा एक स्थान पर विद्यमान भिन्न-भिन्न कालों की सभ्यताओं का ज्ञान प्राप्त करने के लिए किया जाता है।

parasol **छत्र, छतरी**

राजचिह्न या सम्मान-चिह्न के रूप में, विशिष्ट देवी-देवताओं की मूर्तियों, राजाओं तथा महापुरुषों के ऊपर लगा हुआ छाता। राज-चिह्न के रूप में इसका प्रयोग भारतीय कला में बहुत अधिक मिलता है।

parcel gilt **आंशिक स्वर्ण-रंजित**

अपेक्षाकृत कम मूल्यवान धातु से बनी मूर्ति, संरचना या कृति के किसी एक पक्ष या सीमित भाग पर सोने का पानी या झोल चढ़ाना।

parent boulder **मूल गोलाश्म**

वह मुख्य गोलाकार पत्थर, जिसमें से काट-छांट कर उपकरण बनाया गया हो।

Parthenon **पार्थिनान**

एथेन्स में, एक्रोपोलिस पर बना एथेना का मंदिर। 438 ई० पू० में, पेरिक्लीज के काल में, इसका निर्माण हुआ। फीडियास और उसकी शैली की विशिष्ट मूर्तिकला का यह एक भव्य उदाहरण है। यहां पर उत्कीर्णन भी किया गया है। पार्थिनान की योजना समानांतर चतुर्भुजी है। यह दो मुख्य भागों में विभाजित है। इस मंदिर में बाहर की ओर

प्रत्येक छोर पर आठ-आठ स्तंभ बने हैं और प्रत्येक भाग में सत्रह स्तंभ निर्मित हैं। यूनानी वास्तुकला का चरम सौष्ठव पार्थिनान में देखने को मिलता है।

passage grave — **सुरंग-क़ब्र**

महापाषाण स्मारकों की एक प्रमुख श्रेणी, जिसकी विशिष्टता एक गोलाकार टीले में क़ब्र का बना होना है। क़ब्र में प्रवेश करने के लिए एक संकरा मार्ग बना हुआ होता है। कुछ उत्खनित सुरंग-क़ब्रें बैरो पत्थरों से घिरी मिली हैं। विद्वानों का अनुमान है कि सुरंग-क़ब्र का आरंभ किसी स्थान विशेष से हुआ होगा, जहां से अन्य स्थानों में यह विकसित हुई। आइबीरिया की सुरंग-क़ब्रें ताम्र-युगीन हैं और यूरोप के कुछ भागों में मिली सुरंग-क़ब्रें नवपाषाण-युगों में बनी प्रतीत होती हैं। इनका काल 3,000 ई० पू० से लगभग 1,500 ई० पू० के बीच आंका गया है।

paten — **रकाबी**

चीनी मिट्टी या धातु का बना तश्तरीनुमा छिछला पात्र, जिसके किनारे बाहर की ओर मुड़े हों। यह छिछली छोटी थाली के रूप में बनी होती है।

patera — **1. अलंकृत रकाबी**

वह रकाबी, जिसे तक्षण कर पर्याप्त रूप से सजाया गया हो। अलंकरण के लिए प्रयुक्त छिछली थालीनुमा तश्तरी प्रायः वृत्ताकार होती है; गोल आकार का अलंकरण, अलंकृत रकाबी के रूप में होता है।

2. पतेरा, रकाबी

प्राचीन रोमनों द्वारा प्रयुक्त मिट्टी या धातु का बना तश्तरीनुमा पात्र विशेष।

patinated coin — **मोर्चा लगा सिक्का**

पीतल, तांबे या कांसे, आदि किसी धातु या एकाधिक धातुओं से बना सिक्का, जिसमें जंग लग गया हो। समय के प्रभाव से सिक्कों पर इस प्रकार का जंग लग जाता है। पुरातात्त्विक उत्खननों के परिणामस्वरूप प्राप्त जंग लगे सिक्कों को रसायनों की सहायता से साफ किया जा सकता है।

patination — **पॅटिनीकरण; छदिमा लगना**

किसी पत्थर, मिट्टी, धातु, आदि से बनी वस्तुओं के ऊपर का बाहरी जमाव। इस जमाव के द्वारा कभी-कभी मूल वस्तु की ऊपरी सतह का रंग बदल जाता है। यह रंग-परिवर्त्तन आर्द्रताजन्य रासायनिक प्रक्रियाओं के कारण होता है।

peach loom — **अरुणाभ मृद्भांड**

चीन देश में बने एक प्रकार के मिट्टी के वर्त्तन, जो तेज लाल रंग मे कुछ पीलापन लिए, किंतु बहुत अधिक चमकदार होते हैं।

pear-shaped handaxe — **नाशपात्याकार हस्तकुठार**

प्रागैतिहासिक पाषाण हस्तकुठारों का एक प्रकार। इस उपकरण को पकड़ने का नीचेवाला संपूर्ण भाग अनगढ होता है और शल्की-करण केवल कार्यकारी धार तक ही सीमित रहता है। इस हस्तकुठार का आकार नाशपाती से बहुत अधिक मिलता-जुलता है। डा० सांकलिया ने मूठयुक्त गुटिकाश्म हस्तकुठार (pebble-butted handaxe) को इस श्रेणी में रखा है, क्योंकि इसका आकार भी लगभग नाशपाती जैसा ही होता है।

pebble-butted handaxe — **समन्तांत हस्तकुठार, मूठयुक्त गुटिकाश्म हस्तकुठार**

प्रागैतिहासिक पाषाण हस्तकुठारों का एक प्रकार। इस हस्तकुठार की अनगढ़ मूंठ पर बटिकाश्म का बाह्यक (cortex) होता है। इस उपकरण की कार्यकारी धार निकालने के लिए दोनों ओर से शल्क निकाल कर नुकीले बनाए जाते थे। इसकी नोकदार कार्यकारी धार शल्क-चिह्नों के मिलने से बनाई जाती थी।

pebble scraper — **बटिकाश्म खुरचनी, बटिकाश्म क्षुरक**

वटिकाश्म का बना प्रागैतिहासिक उपकरण। इसमें धार प्रायः एक ओर बनी होती है। वटिकाश्म उपकरणों का नामांकन उनके आकार एवं निर्माण-प्रविधि के आधार पर किया गया है।

pebble tool — **बटिकाश्म उपकरण, बटिकाश्म औजार**

नदियों की धाराओं मे वहनेवाली पत्थर की वटिकाओं को तोड़कर बनाए गए उपकरण। ये वटिकाएं धारा-प्रवाह में बहने और लुढकने के कारण चिकनी और गोलाकार हो जाती है। यूं तो वटिकाश्म उपकरण

प्राचीनतम उपकरण माने जाते हैं, किंतु इनमें भी अफ्रीका की ओल्डुवाई संस्कृति के वटिकाश्म उपकरण सर्वाधिक प्राचीन माने गए हैं। भारत में, ये उपकरण अनेक स्थानों में बहुतायत से मिले है, जिनमें सोन-उद्योग विशेष उल्लेखनीय है। भीमबैठका (मध्य-प्रदेश) में, हाल में हुए उत्खनन में, ये उपकरण सबसे निचली सतह पर प्राप्त हुए हैं।

pebble tool industry — **वटिकाश्म उपकरण-उद्योग**

उत्खनन के परिणामस्वरूप प्राप्त वटिकाश्म उपकरणों का प्रतिशत अन्य उपकरणों की अपेक्षा अधिक होने पर, क्षेत्र विशेष को वटिकाश्म उपकरण उद्योग का क्षेत्र कहा जाता है। भारत में, सोन-क्षेत्र इसका उदाहरण है, जहां से ये प्राचीनतम उपकरण बहुतायत में प्राप्त हुए हैं।

इस उद्योग के प्रमुख स्थलों में, दक्षिण अफ्रीका के प्री-स्टेलेनवाश, युगांडा के काफुअन, केनिया के ओल्डोवन, बर्मा के एनियाथियां, जावा के *पटजिटेनियन तथा चीन के चोकोतियां आदि विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं।*

pecking technique — **टंकन-प्रविधि**

प्रागैतिहासिक मानव द्वारा आघात से पाषाण उपकरण बनाने की तकनीक। इसमें पाषाण धरातल पर, पाषाण हथौड़े से आघात किया जाता था, जिससे उसके धूसरित खंड अलग हो जाते थे।

pectoral ornaments — **ग्रीवालंकरण, उरःअलंकरण**

नीचे की तरफ वक्षस्थल पर, गर्दन के चारों ओर धारणीय गहने या आभूषण, आदि।

pedological analysis — **मृदावैज्ञानिक विश्लेषण**

जमीन के नीचे और ऊपर स्थित मिट्टी के प्रकार, उसके वनस्पति-आवरण और उसमें मानवकृत परिवर्त्तनों (disturbances) का व्यवस्थित अध्ययन। मिट्टी के वैज्ञानिक विश्लेषण से, पुरातत्व-वेत्ताओं को किसी स्थल के निक्षेप विशेष (deposits) के अध्ययन में बहुत सहायता मिलती है। पराग-विश्लेषणों से प्रायः अच्छे निष्कर्ष निकलते हैं। इनके अंतर्गत 'यांत्रिक क्रमस्थापन' और 'फासफेट विश्लेषण' सरीखे रासायनिक परीक्षण होते हैं।

peeling — **स्तरापनयन**

पुरातात्त्विक उत्खनन में, भूमि की तहों या स्तरों को काटना।

pegasus **सपक्ष अश्व**

यूनानी धर्म-कथा में वर्णित दो पंखोंवाला घोड़ा, जो मेडूसा के रक्त से उसकी मृत्यु के उपरांत उत्पन्न हुआ बताया जाता है।

प्राचीन ईरानी तथा भारतीय कला में, सपक्ष अश्व तथा अन्य प्राणियों का रूपांकन हुआ है।

pellet **गोली, गोफन-गोली**

छींके जैसे बनी छोटी-सी जालिका में रखकर दूर फेंकने के लिए बनी पिंडाकार पत्थर की बटिया या मिट्टी की गोली, जिसे प्राचीन काल में प्रक्षेपास्त्र के रूप में प्रयुक्त किया जाता था। आजकल माली, हलवाहे आदि भी इसका प्रयोग ढेलबांस या फन्नी में करते हैं।

pellet bow **गुलेल धनुष (=पत्थर फेंक धनुष, प्रस्तर प्रक्षेपक धनुष)**

(अ) पत्थरों को दूर फेंकने के लिए बनाया गया प्राचीन कास धनुष या गोफन-अवक्षेपक।

(आ) मिट्टी के ढेलों या पत्थर आदि की गोली को दूर फेंकने के लिए बनाया गया धनुष की तरह का उपकरण, जिसे 'गोली-अवक्षेपी' भी कहा जा सकता है।

pendant (=pendent) **लटकन, लंबक, लुंबी**

(1) छत, अंतश्छद आदि में लटकनेवाला अलंकरण। गॉथिक वास्तुकला की परवर्त्ती शैली में, इस प्रकार के अलंकरण का बहुत अधिक प्रचलन था। भारतीय वास्तुकला में भी अलंकरण के लिए प्रायः कमलाकृति के लटकन बनाए जाते थे।

(2) गले के हार तथा मेखला को अलंकृत करने के लिए बनी लटकन। भारतीय मूर्तिकला और चित्रकला में, इस प्रकार की लटकन बहुतायत से मिलती है। उत्खनन में, धातु, पाषाण, हाथीदांत तथा मिट्टी की लटकनें मिली हैं।

pendant chain **लटकन लड़ी**

कंठहार और मेखला में लटकनेवाली मोतियों, मणियों आदि की लड़ी।

penetralia **अंतर्देवालय, गर्भगृह**

किसी भवन, विशेष कर मंदिर या प्रासाद का आभ्यंतरिक भाग; मंदिर की वह कोणी, जिसमें देव-प्रतिमा स्थापित हो।

pentacle — **पंचकोण तारा**

पंचकोणी या पंचभुजी ताराकृति, जिसका प्रयोग तावीज़ या रक्षा-प्रतीक के रूप में किया जाता रहा है।

percussion flaking — **आघात शल्कन**

प्रागैतिहासिक पाषाण-उपकरण बनाने में पत्थर पर हथौड़े से प्रहार कर, पतले और लंबे टुकड़े निकालना, जिससे उसका कार्यांग धारदार बन सके।

percussion method — **आघात-रीति**

प्रागैतिहासिक पाषाण-उपकरण निर्माण की प्रमुख प्रविधि, जिसके अंतर्गत जिस पाषाण से उपकरण बनाना अभिप्रेत हो, उसपर हथौड़े से प्रहार कर शल्क निकाले जाते थे। अप्रत्यक्ष आघात-विधि का प्रयोग मुख्यत: फलक (blade) निकालने के लिए किया जाता था। अप्रत्यक्ष आघात-प्रविधि में, क्रोड के आघात-स्थल पर हड्डी या सख्त लकड़ी को किनारे पर रख कर धीरे-धीरे हथौड़े से अप्रत्यक्ष रूप से प्रहार किया जाता था।

perforated jar — **छिद्रित कलश**

सुराही जैसा एक पात्र, जिसमें अनेक छोटे-छोटे छेद बने हों। भारत की हड़प्पा संस्कृति में इस प्रकार के छिद्रित भांड मिले हैं। संभवत: इनका धार्मिक अनुष्ठानों में प्रयोग होता रहा होगा।

perforated lid — **छिद्रित ढक्कन**

उबलते हुए दूध आदि को उफनने से बचाने के लिए कलश के ऊपर रखने का छेददार ढक्कन।

Pergamus — **पर्गेमास**

लघु एशिया (Asia Minor) में, माइसिया का एक ऐतिहासिक नगर, जिसकी स्थापना 280 ई० पू० में फिलिटेरस ने की। यह नगर 190 ई० में, अपने चरमोत्कर्ष पर रहा। 133 ई० पू० में, यहां पर रोमवासियों का प्रभुत्त्व स्थापित हो गया।

peripheral nucleates — **परिधीय केंद्रक**

वटिकाश्म उपकरण की पूरी गोलाई में बना कार्यांग, जिसके केंद्र

के दोनों ओर वाहयक बने होते हैं। ये कभी-कभी अपूर्ण कच्छप क्रोड के समान प्राप्त होते हैं।

अ० दे० nucleates

peristalith — प्रस्तर-वृत्त, पाषाण-वृत्त

पत्थरों का घेरा; किसी टीले या महापाषाण तुंब के चारों ओर पत्थरों से बना घेरा।

peristyle — परिस्तंभ

किसी भवन या कक्ष के चारों ओर बनी स्तंभ-पंक्ति।

pewter — 1. कांस्य

वह मिश्र धातु, जिसका प्रमुख घटक टीन था। उत्तम श्रेणी के कांस्य में टीन के साथ थोड़ा सा ऐंटिमनी, तांबा और बिस्मथ मिला होता है। घटिया दर्जे के कांस्य में सीसा मिला होता है। इस धातु का प्रयोग अति प्राचीन काल से घरेलू बर्त्तनों के लिए किया जाता रहा है।

2. कांस्य पात्र

कांसा या प्यूटर नामक मिश्र धातु के बना बर्त्तन।

phallic emblem — लिंग-प्रतीक

शिव का प्रतीक रूप। यह जगत की उत्पत्ति का प्रतिनिधित्व करता है। भारत में, अनादि काल से पाषाण तथा धातुओं आदि के बने लिंग-प्रतीक प्रचलित रहे हैं। विश्व के अनेक देशों के आदिम धर्मों, शामी लोगों तथा यूनानी डायोनिसस धर्म में इस प्रतीक का प्रचलन था।

लिंग-प्रतीक एकमुखी, चतुर्मुखी तथा पंचमुखी भी मिले हैं। बारह प्रमुख शिवलिंग ज्योतिर्लिंग के नाम से प्रसिद्ध हैं।

phallic worship — लिंगोपासना

मानवीय जनन-शक्ति की उपासना करने की बहुत प्राचीन काल से प्रचलित प्रथा। हिंदू धर्म में जनन का प्रतीक शिव लिंग को माना गया है। अनेक प्राचीन शिव लिंग विभिन्न उत्खननों के परिणामस्वरूप प्राप्त हुए हैं। सिंधु घाटी की सभ्यता तथा अन्य अनेक स्थलों से अनेकानेक आकार-प्रकार के शिव लिंग मिले हैं।

Pharaoh — फेरो, फेरोन, फराऊन

हिंदुओं द्वारा मिस्र के एक प्रसिद्ध राजवंश को दिया गया नाम।

इस शब्द की व्युत्पत्ति 'प रा' (अर्थात् सूर्य) अथवा फौरो (Phouro) (अर्थात् 'राजा') से हुई। इसका उल्लेख बाइबिल में मिलता है। इसे जोसेफ ने अपना सहायक शासक बनाया।

'फराऊन' प्राचीन मिस्र के उन राजाओं की उपाधि थी, जो स्वयं को शासक और ईश्वर दोनों का रूप मानते थे। इन्होंने अपने शवाधानों में प्रचुर धनराशि और श्रम लगाकर उन भव्य पिरामिडों का निर्माण कराया, जो विश्व के अभूतपूर्व पुरातात्त्विक स्मारक माने जाते हैं। इन राजाओं की प्रत्येक शाखा ने एक-एक वंश प्रवर्तित किया, जिनमें कुल मिला कर 31 शासक हुए। भारत में, कुषाण-कालीन मुद्राओं पर फैरो देवता की आकृतियां अंकित मिली हैं और यूनानी लिपि में उसका नाम 'फैरो' लिखा गया है।

Phidian **फीडियासी**

फिडियास (5वीं शताब्दी ई० पू०) से संबंधित या उसकी कला-शैली की विशेषताओं से युक्त। फिडियास एथेंस का महान मूर्तिकार और अपने युग का कला निदेशक था।

phoenix **1. अमर पक्षी**

मिस्र का वह कल्पित पक्षी, जिसके विषय में कहा जाता है कि वह हेलियोपोलिस में हर पांच सौ वर्ष में एक बार प्रकट होता है। अपने ही शरीर की राख से इसका पुनः उत्पन्न होना माना जाता है। प्राचीन कला में इसका चित्रण मिलता है।

2. फीनिक्स

श्रेण्य देवकथाओं में केडमस और योरपा का भाई और फोनिशिया का नाम-स्रोत।

Phyrygian **फ्रीजियाई**

(अ) लघु एशिया के एक प्राचीन देश फ्रीजिया का मूल निवासी; फ्रीजिया से संबंधित। अति प्राचीन काल से सातवीं शताब्दी ई० तक फ्रीजियाई राजतंत्र शक्तिशाली रहा। कुछ विद्वानों ने इसका यूरोपीय उद्भव माना है। फ्रीजियाई लोग अपने कर्मकांडों तथा संगीत के लिए प्रसिद्ध थे।

(आ) लघु एशिया के प्राचीन देश फ्रीजिया की भाषा या उसके निवासियों से संबंधित।

pick (=pick axe) **1. गेंती**

मिट्टी खोदने का छोटा औज़ार। इसमें बेंट फंसाने के लिए छिद्र बना होता है। कुदाली या गेंती उत्खनन के आरंभिक औज़ार हैं।

2. कुदाली

मिट्टी खोदने और खेत गोड़ने के काम आनेवाला एक छोटा औजार, जिसका बड़ा रूप कुदाल होता है।

pictograph **चित्र-लेख**

(1) प्राचीन मानव द्वारा प्रायः गुहाओं और शिलागृहों इत्यादि की दीवारों पर उत्कीर्ण लेख या चित्रित आकृतियां। ये प्रायः विविध रंगों से बनी होती थी।

(2) मानव या प्रकृति का प्रतिनिधित्व करनेवाले प्रतीक या चिह्न। भारत में इस प्रकार के चित्र-लेख तथा प्रतीक प्रचुर संख्या में मिले हैं।

pictography **1. चित्र-लिपि**

अति प्राचीन काल में प्रयुक्त वह लिपि, जिसमें वस्तुओं और क्रियाओं के चित्र बना कर उनके माध्यम से भावों की अभिव्यक्ति की जाती थी।

2. चित्रलेखन

चित्र बनाने की कला या क्रिया।

pietra dura work **पच्चीकारी**

कठोर तथा मूल्यवान पत्थरों एवं शीशे के छोटे-छोटे टुकड़ों को फर्श, दीवार या छतों में इस प्रकार जमा कर बिठाने या जड़ने का काम कि उसका ऊपरी तल उभरा न दिखाई दे।

पच्ची करने का काम या भाव। किसी धातु-निर्मित वस्तु पर, किसी अन्य धातु या नगीने-मोती आदि का जड़ाव।

pigmentation **वर्णकता**

रंगों का जमाव या रंगों की रंगजन्य सजावट।

pigmy flint **1. छोटा चकमक**

आकार में काफी छोटा चकमक पत्थर;

2. लघु चकमक (उपकरण)

चकमक पत्थर का बना छोटे आकार का उपकरण ।

pigmy implement लघु उपकरण, लघु औजार

काम करने में सहायक छोटे आकार का औजार ।

pillar edict स्तंभ-लेख

किसी खंभे पर उत्कीर्ण अभिलेख । विश्व के अनेक भागों में प्राचीन लिपियों में स्तंभों पर उत्कीर्ण अनेक अभिलेख मिले हैं। भारतवर्ष में, सम्राट अशोक महान् के स्तंभ-लेख तत्कालीन इतिहास का ज्ञान प्रस्तुत करते हैं ।

Piltdown man पिल्टडाउन मानव

इंगलैंड के ससेक्स प्रदेश के पिल्टडाउन नामक स्थान में मिले मानव-अवशेष, जिनके आधार पर पिल्टडाउन मानव के अस्तित्व का प्रतिपादन किया गया। इन अवशेषों को, सन् 1,912 ई० में, चार्ल्स डासन नामक व्यक्ति ने, प्रारंभिक अत्यंत नूतन युग (Pleistocene) के प्रारंभ काल का बताया। सन् 1,952 म, फ्लोरीन परीक्षण स यह पता चला कि यह एक वैज्ञानिक जालसाजी थी। वास्तव में, प्राप्त मस्तिष्क पांच लाख वर्ष पुराना न होकर केवल पचास हजार वर्ष पुराना और जबड़ा अपेक्षाकृत नवीन था। प्राप्त मानव-अवशेषों को, किसी जालसाज ने रासायनिक प्रक्रिया से प्राचीन-सा बना दिया था ।

pilum बड़ा बर्छा, पाइलम

प्राचीन रोम के पैदल सैनिकों द्वारा प्रयुक्त भारी भाला।

pise मृतस्कंध, मटकंधा, गोंदा

घर बनाने के लिए सानी हुई मिट्टी से थापी गई दीवार।

मृत्तिका-पिंड, जो कच्ची दीवार को बनाते समय एक के ऊपर एक रखे जाते हैं ।

pithecanthropus man कपि मानव, पिथिकैंथ्रोपस मानव

लुप्त मानव की कड़ी, जिसका समय पांच लाख वर्ष पूर्व माना जाता है। अनुमान किया जाता है कि इस मानव का क़द 1.52 मीटर से कुछ अधिक था और यह सीधा होकर चलता था। इसका मस्तक पीछे की ओर धंसा व भौंह की हड्डी उभरी थी और इसके

चिबुक नहीं था। इसके अवशेष जावा, चोकोटिया (पेकिंग) ओल्डवी (पूर्वी अफ्रीका) तथा यूरोप में मिले है। अफ्रीकी स्थलों में इनके बनाए हस्तकुठार तथा चीन के चोकोटिया मे गुटिकाश्म उपकरण मिले हैं।

pithos — **ढोलाकार वर्त्तन, पिथॉस**

मिट्टी बना ढोलाकार, बेपेंदी का वर्त्तन। इस प्रकार के पात्र बहुत बड़ी संख्या में यूनान मे मिनोअन काल से प्राप्त होते हैं। इन पात्रों को जमीन में जमा कर रखा जाता था। भारत में भी इस प्रकार के वर्त्तन प्रचुर संख्या में मिले है।

pithos burial — **पिथॉस शवाधान**

शवाधान की रीति विशेष, जिसके अंतर्गत मानव शरीर को विशाल मृद्भांडों मे रखकर गाड़ दिया जाता था।

प्राचीन यूनान के मिट्टी के विशाल ढोलाकार पात्रों में मानव-शरीर की अस्थियों को रख कर गाड़ दिया जाता था।

पिथॉस पात्र में रखे हुए मानव के धातु-अवशेषों को भी पिथॉस शवाधान कहा जाता है।

अन्य देशों में भी इस प्रकार के शवाधान प्राप्त हुए है।

pit register — **गर्त्त-पंजिका**

वह रजिस्टर, जिसमें उत्खनित खदान की स्थिति, उसका स्तर, प्राप्त वस्तु-विवरण, स्तरीय गहराई, मिट्टी के ब्यौरे आदि का विस्तृत विवरण रहता है। खुदाई के बाद प्राप्त वस्तुओं का मूल्यांकन करने में यह संकलित विवरण महत्त्वपूर्ण और उपयोगी होता है। खुदाई हो जाने के बाद भी गर्त्त पंजिका की सहायता से प्रत्येक उत्खनित वस्तु की मूल स्थिति का ज्ञान प्राप्त हो सकता है।

Pleistocene epoch — **अत्यंत नूतन युग**

वह भूवैज्ञानिक युग, जो अंतिम हिम युग की परिस्थितियों के अनुरूप था। इसके समारंभ होने के साथ-साथ बहुत अधिक ठंड पड़ने लगी। आरंभिक अत्यंत नूतन काल में मानव के प्राचीनतम रूप का उद्भव हुआ, जिसे दक्षिणी कपि मानव (आस्ट्रेलोपिथिकस) कहा जाता है। पोटेशियम आर्गन प्रणाली तथा भूतैथिकी पद्धति द्वारा इसका काल 35 लाख से 13 लाख वर्ष पूर्व तक आंका गया है। इस काल को पुरा-

पाषाण काल के उद्भव का युग माना जाता है। विद्यमान युग में पाए जानेवाले स्तनपायी जीव इसी युग के माने जाते हैं।

Pliocene epoch — **अतिनूतन युग**

यह भूवैज्ञानिक युग लगभग 1,50,00,000 वर्षों तक विद्यमान रहा जिसमें महाद्वीपों तथा समुद्रों ने अपना वर्तमान स्वरूप धारण किया। अतिनूतन युग में, विद्यमान वनस्पतियों जैसी वनस्पतियां उत्पन्न हो चुकी थीं। हाथी, घोड़े, वृषभ, जिराफ और बड़े आकार के हिरन आदि सर्वप्रथम इसी काल में उत्पन्न हुए। अतिनूतन काल के अवसान में, मानवसम कपि और दक्षिणी कपि मानव (आस्ट्रेलोपिथिकस) उत्पन्न हुए।

plotting stake — **अंकन खूंटी, अंकन शंकु**

पुरातात्विक उत्खनन में, खदानों के किनारे स्तरीकरण, प्राप्त वस्तुओं आदि का लेखा-जोखा रखने के लिए, भूमि म गाड़ी गई खूंटियां। जिस ओर से खूंटियों को गाड़ा जाता है, वह छोर नुकीला होता है। खूंटियों को इस प्रकार गाड़ा जाता है कि उनका मुंह वर्ग से विकर्णवत (diagonal) हो। खूंटियों से विभक्त उत्खनित की जानेवाली खाई को एक दिशा में अक्षरों तथा दूसरी दिशा में संख्याओं से नामांकित किया जाता है।

$क_1$	$ख_1$	$ग_1$	$घ_1$
$क_2$	$ख_2$	$ग_2$	$घ_2$
$क_3$	$ख_3$	$ग_3$	$घ_3$

plough — **हल**

खेत जोतने का प्रसिद्ध और प्राचीन उपकरण, जिसे बैल या अन्य पशु की सहायता से चलाया जाता है। हलवाहा पशु को पीछे से नियंत्रित करता है। सबसे प्राचीन हल की उत्पत्ति कुदाल (hoe) से हुई, जिसे कुदाल-हल या नखर हल कहा जाता था। नखर-हल के चिह्न दक्षिण पश्चिमी यूरोप में नवपाषाण-काल के स्मारकों के नीचे गडे मिले हैं। यद्यपि नखर हल का उद्भव निकट-पूर्व के देशों से माना जाता

ापि चार हजार ई० पू० में इसके प्रयोग का तथ्य पुष्ट हो चुका कुछ विद्वानों ने, इसका प्रयोग-काल 8,000 से 4,000 ई० पू० है ।

यह उल्लेख्य है कि लकड़ी की शाखाओं तथा हरिण-शृंगों का हल क रूप म प्रागतिहासिक काल में होता रहा था। अनुमान है 3,000 ई० पू० में इसका प्रयोग उर्वर-चाप (Fertile Crescent) में होता था । 2,500 ई० पू० के आसपास सिंधु घाटी की ता में इसका प्रयोग मिलता है ।

भारत में तीसरी शताब्दी ई०पू० की आहत मुद्राओं में हल और का अकन मिला है ।

agriculture — **हल-कृषि**

हल द्वारा खेती करने का तरीका, जिसका आरंभ उत्तर-पाषाण में, लगभग 3,000 ई० पू० में माना जाता है । इससे पूर्व खेती लए आदिम मानव-कुदाल का प्रयोग करता था । पुरातत्ववेत्ताओं यह धारणा है कि हल-कृषि का प्रयोग सर्वप्रथम मिस्र और मेसोपोटा- में किया गया । सबसे प्राचीन हल संभवतः काष्ठ-निर्मित रहे । उत्तर-पश्चिमी यूरोप में नवपाषाणकालीन स्मारकों के नीचे हल ने के चिह्न मिले हैं ।

b (=plumb-bob) — **साहुल**

लट्टू के जैसा धातु का उपकरण, जो डोरी में लटका होता है । ार में यह शंकुवत् होता है । लंबाई या सिधाई नापने के काम में यह त किया जाता है । पुरातात्त्विक उत्खनन में, खुदाई लंबवत् हो है अथवा नहीं, इसका ज्ञान इस उपकरण की सहायता से होता वास्तुकला के अंतर्गत, भवन-निर्माण करते समय दीवारों की सिधाई नापने लिए इसका प्रयोग विशेष रूप से किया जाता है ।

nbate ware — **1. सीसा भांड**

कुछ-कुछ नीलापन लिए काले रंग की धातु से बने बर्तन । बालू, या खारी मिट्टी को आग में तपाने से 'सीसा' नाम की मिश्र धातु ी है, जिससे प्राचीन काल में बर्तन बनाए जाते थे ।

2. मटियाले भांड

प्रशांत महासागर के ऊपरी तटवर्ती क्षेत्र, मेक्सिको ग्वाटेमाला,

सरहदी क्षेत्र के निकट, मिले अति सुंदर मृद्‌भांड, जो आरंभिक उत्तर मध्य-काल में बने थे। ये भांड यहां से सुदरवर्ती प्रदेशों को भेजे जाते थे। इन भांडो में विशेष प्रकार की चमक, स्थानीय मिट्टी की प्राकृतिक विशेषता के कारण रही होगी।

pluteus प्राकारिका

प्राचीन रोम के भवनों में, स्तंभों के मध्य पृथक्करण के लिए बनी छोटी दीवार।

point वेधनी

पुरापाषाणकालीन चकमक उपकरण, जिसके आगे का सिरा नुकीला होता है। वेधनी में शल्कीकरण एक या दोनों ओर होता रहा है।

pointed oblate नुकीला कायांग लघ्वक्ष

प्रागैतिहासिक लघ्वक्ष उपकरण, जिसमें शल्कीकरण एक ही ओर होता है। इस उपकरण में वर्गाकार वटिकाश्म के एक अंत के दोनों किनारों में एकपक्षीय शल्कीकरण इस विधि से किया जाता था कि वह नोकदार बन जाता है। इस उपकरण का आकार ऐश्यूली हस्तकुठार से मिलता-जुलता है।

polished stone implement ओपयुक्त पाषाण-उपकरण, पालिशदार पाषाण-उपकरण

पालिश हुए प्रागैतिहासिक उपकरण। उपकरण-निर्माण की चार प्रविधियों में प्रथम शल्कन, द्वितीय टंकाई (pecking) और तृतीय घर्षण के बाद पालिश का स्थान अंतिम है। घर्षणोत्तर पालिश से उपकरणों में ओप या चमक उत्पन्न होती है। अब तक प्राप्त उपकरणों में पूरी तरह चमकीले और पालिशदार उपकरण बहुत कम मिले हैं। अधिकतर चमकीलापन कार्यांगों तक मिला है। चमक लाने की प्रविधि के बारे में अभी कुछ कहना कठिन है। सन् 1,947 में व्हीलर महाशय ने, ब्रह्मगिरी के उत्खनन में पालिशयुक्त प्रस्तर कुल्हाड़ी संस्कृति की खोज निकाला। सन् 1,947 के उपरांत दक्षिण भारत में हुए उत्खनन-कार्यों से, ओपयुक्त प्रस्तर कुल्हाड़ीवाली संस्कृति के विषय में महत्वपूर्ण सूचना-सामग्री प्राप्त हुई। भारत में, इस संस्कृति की महत्वपूर्ण देन लाल धरातल पर बने काले चित्र तथा हल्के पीले तथा लाल धरातल पर बने बैंगनी चित्र हैं।

pollen analysis पराग-विश्लेषण

पुराकालीन परागकणों के विवरणादि का विस्तृत विवेचन, जिसका

उद्देश्य, पराग-कणों का सूक्ष्मदर्शीय निश्चयन कर तत्कालीन जलवायु का ज्ञान प्राप्त करना होता है। विशिष्ट परिस्थितियों में, पराग अश्मीभूत हो जाते हैं और उनके विश्लेषण से जलवायु संबंधी परिवर्त्तनों का ज्ञान होता है। पुराजलवायुविज्ञानी यह ज्ञात करता है कि कौन सी वनस्पति किस क्षेत्र में और किस युग में विद्यमान रही। इस आधार पर वह प्राप्त परागों का काल निर्धारित कर सकता है। इन परागों के साथ, प्राप्त वस्तुओं का काल-निर्धारण वस्तुतः परागों के काल निर्धारण के आधार पर निश्चित किया जाता है।

पराग-विश्लेषण के क्षेत्र में, यूरोप और ब्रिटेन में बहुत अधिक अनुसंधान हुए हैं। इस आधार पर प्रागैतिहासिक कांस्ययुगीन एवं लौहयुगीन जलवायु को विभिन्न कालों मे विभाजित किया गया है।

polychrome — **बहुवर्ण, बहुरंगी**

(अ) अनेक रंगोंवाला; अनेक रंगों से युक्त बहुरंगी चित्र बनाने की प्रक्रिया से संबंधित।

(आ) (यूनानी पुरातत्व) चित्रकला से संबधित, विशेषकर भांड-चित्रण में किया गया अनेक रंगों का प्रयोग। छठी शताब्दी ई० पू० के एटिक के बहुरंगी भांड-चित्र बहुरंगी कला के सर्वोत्कृष्ट उदाहरण हैं।

(इ) प्रागैतिहासिक ईजियन मृद्भांडों में भी अनेक रंगों का प्रयोग होता था। दो या दो से अधिक रंगों के प्रयोग को 'बहुवर्ण' या 'बहुरंगी' प्रयोग कहा जाता है। भारतीय शिलागृहों, अजंता, एलोरा तथा बाघ आदि में बहुवर्णी चित्र प्राप्त हुए हैं।

Polynesian — **पालीनेशियाई, मलयक**

(अ) पालीनेशिया, उसकी भाषा, उसके निवासी और वहां के स्थान आदि से संबंधित।

(आ) पालीनेशिया में रहनेवाले भूरे वर्ण के लोग। पालिनेशिया के निवासियों की भाषा का आस्ट्रोनेशियाई भाषाओं से काफी साम्य है।

(इ) मलय-पालीनेशी वर्ग की सुदूर-प्राची भाषा, जिसके अंतर्गत माओरी, ताहिती, सेमोई, हवाई तथा ईस्टर द्वीप की भाषाएं परिगणित की जाती है।

pommel **1. मूठ की घुंडी**

तलवार पकड़ने के लिए छोर पर बनी एक गोलाकार आकृति। प्रायः यह अलंकरण के लिए बनी होती है।

2. कलश की घुंडी

किसी मंदिर, स्तंभ, गुंबद, बल्ली के ऊपरी भाग पर अलंकरण के लिए बनी कंदुकाकार रचना।

porcelain **चीनी मिट्टी, पोर्सिलेन**

वर्त्तन और मूर्त्तियां बनाने के काम आनेवाली उत्तम प्रकार की मिट्टी, जो अपनी चमक, कठोरता, सुंदरता एवं पारभासिता के लिए प्राचीन काल से प्रसिद्ध है। सर्वप्रथम चीन में, इसका प्रयोग (206 ई०पू०) हुआ, इसीलिए इसे चीनी मिट्टी कहा जाता है। इस प्रकार की मिट्टी के बने भांड कठोर और मृदुल दोनों प्रकार के होते हैं, जिसका कारण निर्माण-प्रविधि में प्रयुक्त तापमान तथा मूल मिट्टी में मिलाई गई वस्तुएं होती हैं। इस मिट्टी का मुख्य संघटक केओलिन है।

port hole stone **गवाक्ष-पत्थर, छिद्रित पत्थर**

(अ) दुर्ग-प्राचीर में बना प्राकार-छिद्र, मोखा या इसी प्रकार की कोई संरचना, जिसमें से प्राचीनकाल में तीर आदि फेंके जाते थे।

(आ) वह पाषाण पट्ट, जिसमें वृत्ताकार या चौकोर छिद्र बना हो। पाषाण-निर्मित महापाषाणों के तुंब के प्रवेश-मार्ग पर रखे प्रस्तरों पर भीतर पहुंचने के लिए बड़ा-सा मोखा या छिद्र बनाया जाता है। कभी-कभी दो अलग-अलग पाषाण खंडों के छोरों को काट कर यह मोखा बनाया जाता था। विश्व के अनेक देशों के गृह-तुंबों के प्रवेश-मार्ग इस प्रकार के गवाक्ष पत्थरों से बने हैं।

post-mold **स्थूणावशेष**

स्थूण या बल्ली का अवशिष्ट भाग; पुरातात्विक उत्खननों में भवनों के ध्वस्त हो जाने पर, उनके काष्ठ-स्तंभों का विघटित रूप अवशिष्ट छाप के रूप में भूमि में मिलता है। पाटलीपुत्र के उत्खनन में, चंद्रगुप्त मौर्य कालीन स्थूणावशेषों से तत्कालीन सभ्यता और नगर-योजना का ज्ञान होता है।

potassium-argon dating **पोटेशियम आर्गन काल-निर्धारण**

पुरातात्विक उत्खनन से प्राप्त वस्तुओं की तिथि निर्धारित करने की ज्ञानिक प्रणाली, जो कार्बन 14 प्रणाली के समान है। यह हजारों वर्ष पूर्ववर्ती

संस्कृतियों का काल निर्धारित करने मे बहुत सहायक हुई है। इस प्रविधि में आइसोटोप पोटेशियम 40 का प्रयोग होता है, जिसका विघटन आरगन गैस में होता है। के40/ए40 (K^{40}/A^{40}) का विघटन ज्ञात दर (known rate) के अनुसार होता है। इसका आधा जीवनकाल 1,330 सहस्र वर्ष है। इसे आधार मान कर तिथि का पता लगाया जाता है। एवरडन महाशय ने, इस तिथि-निर्धारण प्रक्रिया में महत्त्वपूर्ण संशोधन किए। इस विधि के द्वारा ओल्डुआई (Olduvai), टांगानिका संस्कृति की प्रथम स्तर की तिथि का निर्धारण हुआ। यह विधि बहुत प्राचीन वस्तुओं के कालानुक्रम-निर्धारण के लिए बहुत उपयोगी है।

pot rest भांड-आधार

वर्त्तन के नीचे का वह पेंदा या भाग, जिस पर वह टिका रहता है।

pot sherd ठीकरा, भांड-खंड

(1) मिट्टी के टूटे-फूटे वर्त्तनों के टुकड़े।

(2) पुरातात्त्विक उत्खननों में प्राप्त मिट्टी के वर्त्तनों के टुकड़े। उत्खननों में इन ठीकरों का बहुत महत्त्व है। ये तत्कालीन जीवन, खान-पान, रहन-सहन आदि का लखा-जोखा अपने में समेटे रहते हैं। रंगीन तथा चित्रित ठीकरे भी मिले हैं। पुरातत्ववेत्ता के महत्त्वपूर्ण कार्यों में, इन ठीकरों को जोड़ना, इन्हें सुधारना, पैक करना, इनका संग्रह तथा इनका रासायनिक उपचार करना या करवाना ही नहीं, वरन् इनके प्राप्ति-स्तर का विस्तृत ब्यौरा रखना भी सम्मिलित है।

potter's wheel चाक, कुंभकार-चक्र

मंडलाकार वह पत्थर, जिससे कुम्हार वर्त्तन आदि बनाता है। यह अपनी धुरी पर घूमता रहता है। कुम्हार मिट्टी के लोंदे को इस पर रख कर वर्त्तनों के आकार-प्रकार में यथेच्छ परिवर्त्तन करता है। लगभग 3,400 ई०पू० में, मेसोपोटामिया में चाक का प्रचलन मिलता है। लगभग 2,400 ई० पू० में मिनोआई लोगों द्वारा इसका प्रचार यूरोप में हुआ। कुछ संस्कृतियों में इससे पूर्व भी ईसा पूर्व सातवी सहस्राब्दी में वर्त्तनों के निर्माण में चाक का प्रयोग मिलता है। चाक के प्रयोग से विश्व में मृद्भाडों के क्षेत्र में नवीन युग का समारंभ हुआ।

संस्कृत में चाक को 'कुलालचक्र' की संज्ञा दी गई है।

pottery — **मृद्भांड, मिट्टी के बने बर्त्तन**

मृद्भांडों का प्रयोग प्रागैतिहासिक काल से होता आ रहा है। 10,000 ई०पू० से 2,000 ई०पू० का काल, मृद्भांडों के प्रयोग का प्रारंभिक काल माना गया है। इसका समारंभ नवपाषाण काल में हुआ था। सर्वप्रथम खाद्य-भांडों का प्रयोग हुआ। 6,500 ई०पू० में, सुमेरवासीयों ने मिट्टी के बर्त्तन बनाए, जिन्हें धूप मे सुखाया जाता था। मिस्र में, इनका प्रयोग 4,510–2,475 ई० पू० मे होने लगा था। सिंधु घाटी तथा तत्कालीन अन्य भारतीय स्थलों, जैसे लोथल और काली बंगा आदि में मृद्भांड बहुतायत में मिले हैं। इनका काल-निर्धारण 2,500 ई०पू० में हुआ है। आमरी, नाल, कुल्ली, क्वेटा, रामाघुंडई आदि स्थानों से पूर्व हड़प्पाकालीन बर्त्तन मिले ह। पुरातत्व मे मृद्भांडों का विशेष महत्त्व है।

pre-civilized man — **प्राक्सभ्य मानव**

सभ्य होने की स्थिति से पहले का मानव।

prehistorian — **प्रागितिहासविद्, प्रागितिहासज्ञ**

प्रागैतिहासिक पुरातत्व का वह विशेषज्ञ, जिसने प्राक् मानव के उपकरणों शैलाश्रयों, मृद्भांडों, नर-कंकालों तथा प्राप्त अन्य अवशेषादि का अध्ययन या विश्लेषण किया हो।

prehistoric — **प्रागैतिहासिक**

लिखित इतिहास के आरंभ होने से पहले की प्रावस्था से संबंधित या इतिहासपूर्व काल का।

prehistoric archaeology — **प्रागैतिहासिक पुरातत्व**

मानव के लिखित इतिहास से पूर्ववर्ती स्थिति और अवस्था आदि का व्यवस्थित अध्ययन। इसके अंतर्गत तत्कालीन प्रयुक्त पाषाण-उपकरणों मृद्भांडों, जीवाश्मों, नर कंकालों आदि का विस्तृत अध्ययन किया जाता है। प्रागितिहास अपनी पद्धति के लिए, पुरातत्व पर आश्रित है तथा वैज्ञानिक अध्ययन के लिए भूविज्ञान, जीवाश्म-विज्ञान, नृविज्ञान, भौतिकी तथा रसायन विज्ञान विषयक प्रविधियों आदि पर निर्भर करता है।

prehistory — **प्रागितिहास**

इतिहास के पूर्ववर्ती काल का व्यवस्थित विवरण;

मानविकी के अंतर्गत परिगणित नया विषय, जिसे स्वतंत्र विषय के रूप में मान्यता उन्नीसवीं शताब्दी ई० के उत्तरार्ध में, यूरोप के प्रायः सभी देशों में मिलने लगी। प्रागितिहास (प्राक्-इतिहास) शब्द का प्रयोग, मानव के उस आदि काल के इतिहास के अर्थ में किया जाता है, जब मानव ने अपनी पाशविक वृत्तियों का परित्याग किया और सभ्यता के क्षेत्र में पदार्पण किया। इस काल की पांच विशेषताएं हैं (1) आखेट जीवन, (2) अस्थाई निवास, (3) कृषि-अज्ञानता, (4) धातु-अनभिज्ञता, तथा (5) लिपि का अभाव प्राचीन साक्षर समाज का इतिहास प्रागितिहास के क्षेत्र में नहीं आता।

pre-literate culture — प्राक्साक्षर संस्कृति

लेखन-कला के विकास-पूर्व की संस्कृति।

prelithic — प्राक् पाषाण

पुरापाषाण काल से पूर्ववर्ती, मानव-संस्कृति के विकास की प्रावस्था से संबंधित।

preman — प्राक् मानव

वह काल्पनिक आद्य मानव (प्राइमेट), जिसे मनुष्य का निकटतम पूर्वज माना जाता है।

primary flaking — प्राथमिक शल्कन

उपकरण-निर्माण की प्रथम प्रावस्था। इसमें उपकरण के रूप में परिवर्तनीय पत्थर के खंड को पत्थर हथौड़े से प्रहार कर वांछित आकार-प्रकार दिया जाता था।

primitive — आदिम

बहुत प्राचीन, अविकसित, प्राक्सभ्य और बिल्कुल सीधे-सादे ढंग का।

primitive man — आदिम मानव

प्रागैतिहासिक मानव या प्राचीन मानव; नव-पाषाण युगीन मानव; असभ्य, प्राक्-सभ्य आदिम जाति का मनुष्य।

probing method — शलाका जांच-प्रणाली, छड़ प्रवेश विधि

किसी पुरातात्त्विक महत्त्व के स्थल पर उत्खनन करने से पूर्व, सर्वेक्षण के रूप में भूमिस्थ दीवारों, फर्शों तथा तल-शिला आदि का पूर्वज्ञान प्राप्त के लिए बिना खुदे निक्षेपों में एक T आकार की धातु की छड़ को

भूमि में प्रविष्ट कर जांच करने की प्रविधि, जिससे यह ज्ञात होता है कि भूगर्भ में कोई भवन या अन्य पुरातात्विक ठोस सामग्री दबी है या नहीं। इस प्रविधि को पुरातत्त्व में शलाका जांच-प्रणाली कहते हैं।

profuse retouch — प्रभूत परिष्करण, प्रभूत अनुशोधन, प्रभूत अनुशल्कन

प्रागैतिहासिक काल में, पाषाण-उपकरणों की धार को तीक्ष्ण अथवा कुंठित (blunt) करने के लिए किया गया बहुत अधिक शल्कीकरण। उत्तर पाषाण-काल में, उपकरणों में परिष्करण काफी बड़ी मात्रा में मिलता है। परिष्करण का प्रयोग धार तेज करने के लिए ही नहीं, वरन् पुराने खंडित कार्यांग को फिर से नया रूप देने के लिए भी होता था। प्रभूत परिष्करण के लिए आघात तथा दाब प्रविधि का प्रयोग किया जाता था।

promiscuous excavation — क्रमहीन उत्खनन, अक्रमिक उत्खनन

बिना किसी पूर्व योजना के की गई अव्यवस्थित खुदाई।

propylaeum — सिंहद्वार, मुख्य द्वार

किसी भवन, देवालय, किले इत्यादि का मुख्य विशाल द्वार। इसे सदर फाटक भी कहा जाता है।

protecting coating — संरक्षी विलेपन

किसी पुरातात्विक वस्तु के क्षय को रोकने के लिए उस पर किया गया रासायनिक लेप।

prothyron (=prothyrum) — द्वार मंडप, मुख्य द्वार

किसी भवन का मुख्य प्रवेश-द्वार या मंडप।

proto historic archaeology — आद्य ऐतिहासिक पुरातत्त्व

पुरातत्त्व शास्त्र की वह शाखा, जिसके अंतर्गत, प्रागितिहास तथा ऐतिहासिक काल के मध्यवर्ती काल का व्यवस्थित अध्ययन किया जाता है।

protohistory — आद्यइतिहास

प्रागैतिहासिक काल एवं ऐतिहासिक काल के बीच की कड़ी। इस काल में दोनों ही कालों की विशेषताएं समाहित होती हैं। हड़प्पा एवं मोहनजोदड़ो

की प्रसिद्ध सभ्यताएं आद्य इतिहास कालीन सभ्यताए हैं। इस काल की निम्नलिखित पांच विशेषताएं हैं :— (1) कृषि का विधिवत् ज्ञान, (2) व्यवस्थित जीवन, (3) स्थायी निवास, (4) धातु ज्ञान और (5) लिपि ज्ञान।

आद्य ऐतिहासिक काल में, वे सभी वस्तुएं एवं विशिष्टताएं मिलती हैं, जो ऐतिहासिक सभ्यताओं में विद्यमान हैं। फिर भी इसे पूरी तरह न तो प्रागितिहास कहा जा सकता है और न इतिहास ही।

proto homo — आद्य होमो

मानव का वर्तमान स्वरूप से पूर्ववर्ती रूप; उष:कालीन मानव।

proto lithic — आद्य पाषाणयुगीन

उस प्राचीनतम काल का या उससे संबंधित, जिसमें पत्थर का किसी-न-किसी रूप में प्रयोग करना मनुष्य ने सीखा था।

protoma — (पशु) आग्रीव अलंकरण

प्राचीन वास्तुकला के अंतर्गत, अलंकरण के लिए बनाई गई किसी पशु की आकंठ आकृति। इस प्रकार की तक्षित आकृति स्थापत्य संरचना की सजावट के लिए बनाई जाती है।

proton magnetometer — प्रोटोन चुंबकमापी

किसी भूभाग के चुंबकीय क्षेत्र के घनत्व-मापन का यंत्र। इस यंत्र का प्रयोग भूविज्ञान तथा पुरातत्त्व में होता है।

prototype — आद्य प्ररूप ; आद्य रूप

आरंभिक मूल रूप; वह अपरिष्कृत, प्रकृत और मूल रूप, जिससे प्रतिकृति बनाई जाती है।

provenance — मूल स्रोत, प्राप्ति-स्थल

वह स्थल या क्षेत्र विशेष, जहां से प्राचीन वस्तु की प्राप्ति हुई हो।

pseudepigraph — 1. छद्म लेख, जाली लेख

वह लेख या अभिलेख, जिसमें उसके वास्तविक लेखक की जगह मिथ्या लेखक का नाम दिया या आरोपित किया गया हो।

झूठा अभिलेख, जैसे भारत में गया का जाली ताम्रपट्ट अभिलेख।

2. क्षेपक, प्रक्षिप्त लेख

ग्रंथ आदि में जोड़ा गया वह अंश, जो उसके मूल कर्ता द्वारा संरचित न हो और बाद में सम्मिलित किया या मिला दिया गया हो ।

public inscription **सार्वजनिक उत्कीर्ण लेख**

शिला, ताम्रपत्र आदि पर तक्षित लेख, जो प्रजा अनुपालन या जनता की सूचना के लिए किसी ऐसे सार्वजनिक स्थल पर स्थापित किया गया हो, जहां सब लोग उसे देख-पढ़ सकें । अशोक के अभिलेख इसी श्रेणी के हैं ।

punch marked coin **आहत सिक्का**

प्राचीनतम भारतीय सिक्के, जिन पर धार्मिक तथा भौगोलिक चित्र या मुद्रा अंकित है। प्राचीन साहित्य में, इन्हें धरण, पुराण, कार्षापण (पालि में कहापण) कहा गया है । इन पर ठप्पों द्वारा एक ओर प्रायः पांच चिह्न तथा दूसरी ओर दो या तीन चिह्न अंकित किए मिले हैं । चांदी और तांबे में ढले ये सिक्के अनेक आकारों में मिले हैं । प्राप्त आहत सिक्कों का समय, ईसवी पूर्व चौथी सदी से लेकर लगभग ईसवी तीसरी सदी तक है । सबसे प्राचीन अभिलिखित आहत सिक्का विदिशा में मिला है, जिस पर सातवाहन शासक सातकर्णी का नाम ब्राह्मी लिपि में अंकित है ।

ईसा पूर्व की शताब्दियों में आहत सिक्के बनाने की तीन रीतियां प्रचलित थीं—(1) धातु के पत्तर काट कर सिक्के बनाना, (2) सांचे में ढाल कर सिक्के बनाना तथा, (3) ठप्पे में चिह्न लगाकर सिक्का बनाना । तक्षशिला एरण और विदिशा में हुए उत्खननों में विभिन्न आकार-प्रकार तथा तौल के आहत सिक्के मिले हैं ।

purgatory hammer **परगेटरी हथौड़ा**

प्रागैतिहासिक काल का पत्थर का बना हथौड़ा, जिसे शव के साथ गाड़ा जाता था । इसके संबंध में तत्कालीन विश्वास यह था कि मृतात्मा इस हथौड़े की सहायता से शोधन-गृह (purgatory) के द्वार खटखटाती थी ।

putto **नग्न शिशु**

शिशु की नग्न आकृति । इतालवी पुनर्जागरण काल में, इस प्रकार की अनेक मूर्तियों के साथ विपुल मात्रा में चित्र बने । भारतीय मूर्तिकला में शिशु कृष्ण को इस रूप में दर्शाया गया है ।

Pygmy people पिग्मी जन, वामन प्रजाति

(अ) विषुवत रेखीय अफ्रीका के नीग्रोटो प्रजाति के बौने लोग, जो डेढ मीटर से कम लंबे होते है । इनका रंग लगभग नीग्रो लोगो जैसा होता है । इनकी अपनी कोई विशिष्ट भाषा नही है । मलनेशिया तथा मलाया द्वीप समूह के नीग्रोटो तथा इनमे काफी साम्य है ।

(आ) दक्षिण–पूर्वी एशिया के अंडमान या फिलीपाइन्स द्वीपों के नीग्रीटो लोग, जिनका क़द छोटा होता है ।

(इ) छोटे कद के बौने लोग ।

pyramid पिरामिड

प्राचीन मिस्री लोगों द्वारा फराहो शासको के शवाधान के लिए निर्मित बहुभुजी, पाषाण-निर्मित विशाल संरचना । इसका आधार वर्गाकार और पार्श्व त्रिकोणाकार है । सर्वप्राचीन ज्ञात पिरामिड तृतीय राजवंश के प्रथम राजा जोसर ने, सक्करा (Saqqara) मे, लगभग 2,800 ई०पू० में बनवाया था । अंतिम पिरामिड (300 ई०पू०) सूडान के मेरो (Meroe) नामक स्थान में इथियोपियाई शासकों ने बनवाया । यह माना जाता है कि कच्ची ईंटों से बने मस्तवा तुब से, इन्होंने पिरामिड बनाने की प्रेरणा ग्रहण की । सबसे प्रसिद्ध और विशाल पिरामिड गीज़ा का भव्य पिरामिड है । इसके किनारे की एक भुजा लगभग 231.4 मीटर लंबी और पिरामिड की ऊंचाई 146.6 मीटर है । इसमें लगभग 25 लाख पाषाण खंड लगे है, जिनमें प्रत्येक का भार ढाई टन के लगभग है । पिरामिड-अध्ययन के क्षेत्र में, फ्लिंडर्स पेट्री का नाम विशेष उल्लेखनीय है ।

pyramidal gateway tower गोपुर

(1) प्राचीन भारतीय मंदिरों के बाहर बना विशाल द्वार । दक्षिण भारतीय मंदिरों में इस प्रकार की संरचनाएं मिलती हैं । इन द्वारों में मूर्तिया और अलंकरणात्मक आकृतिया बनी हुई है, जो कला के श्रेष्ठ उदाहरण हैं ।

(2) नगर या किले के द्वार पर बनी पिरामिड जैसी संरचना ।

pyramidion छोटा पिरामिड, लघु पिरामिड, स्तूपिका

लघु आकार का पिरामिड, जैसे सूचिस्तंभ के ऊपर की संरचना ।

pyramidologist — **पिरामिड-विशेषज्ञ**

वह व्यक्ति, जिसने पिरामिडों के विषय मे, व्यवस्थित ढंग से विशेष अध्ययन कर ज्ञानार्जन किया हो और जो उनके इतिहास, उनकी निर्माण-प्रक्रिया स्थापत्यात्मक विशिष्टता आदि का ज्ञाता हो ।

pyramid texts — **पिरामिड लेख**

मिस्र के प्राचीन राजवंश के पांच पिरामिडों की दीवारों पर उत्कीर्ण-लेख, जो तत्कालीन मिस्रवासियो के धार्मिक विश्वासों और आस्थाओं आदि के परिचायक हैं। आगे चल कर, इस प्रकार के लेख 'प्रेत-पुस्तक' तथा 'शवपेटिका-लेख' के रूप में प्रचलित रहे । इन अभिलेखों का उद्देश्य मृत्यु के बाद दूसरी दुनिया में मृतक की यात्रा को सुखद बनाना रहा ।

pyriform jar — **तुंबी-रूप पात्र, नाशपाती रूपी जार**

नाशपाती फल के आकार जैसा वर्त्तन, जिसकी गर्दन कुछ लंबी और नीचे का भाग गोलाकार होता है ।

Python — **पाइथन**

यूनानी देवशास्त्र में वर्णित, विशाल अजगर, जो जलप्रलय के बाद कीचड़ से उत्पन्न हुआ माना जाता था। एक प्राचीन कथा के अनुसार यह पारनेसस पर्वत पर रहता था, जहां अपोलो ने इसका वध किया ।

भारतीय देवशास्त्र में, कालीय नाग की कथा पाइथन नाग से मिलती-जुलती है । वृन्दावन में, यमुना नदी की दह में, कालीय नाग के रहने और कृष्ण द्वारा इसका वध किए जाने की कथा प्रसिद्ध है ।

pyxis — **पेटिका**

(अ) प्रायश: बेलनाकार ढक्कनदार मंजूषा । प्राचीन यूनान, रोम और भारत आदि में इस प्रकार के पात्र प्रसाधन-सामग्री रखने के काम में लाए जाते थे।

(आ) बहुमूल्य सामग्री रखने की पेटिका ।

Q

quadrant excavation चतुष्कोणीय उत्खनन

टीलों के उत्खनन की विशिष्ट प्रविधि, जिसमें टीले को दो डोरियों के सहारे चार भागो मे विभक्त किया जाता है। तदुपरांत विपरीत चतुर्थांशों को एक के बाद एक इस प्रकार खोदा जाता है कि टीले के आरपार दोनो दिशाओ में अनुप्रस्थ काट बन सके। प्रत्येक चतुर्थांश के बीच में, .4572 मीटर से .9144 मीटर चौड़ी मेड़ (baulk) बनाई जाती है। इस प्रकार उत्खनन में, रिकार्ड करना बहुत सरल होता है। प्रत्येक चतुर्थांश में दिग्बिंदु से संख्या या अंक लिखे जाते हैं। रिकार्ड करने के लिए बराबर दूरी पर खूंटियां लगाई जाती हैं।

quadrant method चतुरस्र-प्रणाली

प्राचीन ऐतिहासिक स्थलों के उत्खनन की प्रविधि, जिसमें किसी बरो, वृत्ताकार कुटिया या इसी प्रकार की किसी गोलाकार रचना की खुदाई की जाती है।

quarrel (=quarry) 1. प्रस्तर खनि

वह खान, जहा से पत्थर खोद कर निकाला जाता हो; पत्थर की खान।

2. काचर्माण

मुख्यत: विकर्ण रूप में जड़ा समकोणाकार काच।

quartz बिल्लौर, स्फटिक, क्वार्ट्ज

उपकरण तथा मनके आदि बनाने के काम आनेवाला पत्थर। इसकी अनेक किस्में मिलती है, जो रंग और चमक में अलग-अलग होती हैं। पिंडरूप (एगेट, ब्लडस्टोन, केल्सेडोनी, जेस्पर, आदि) या क्रिस्टल

(एमिथिइस्ट, सिट्रिन आदि) रूप में मिलता है। भारत मे, देव मूर्त्तियां और श्रीयंत्र आदि स्फटिक से भी बनते थे।

Quaternary period **चतुर्थक काल**

अंतिम भू-वैज्ञानिक काल। मानव का प्रादुर्भाव इसी युग में हुआ। इस काल को दो भागों, अत्यंतनूतन युग तथा नूतनतम युग के रूप में विभाजित किया जाता है। नूतनतम युग के अंत में प्राज्ञ मानव (homo-sapiens) उत्पन्न हुआ।

R

race **प्रजाति**

(अ) व्यक्ति समुदाय, जो आनुवंशिकी या रक्त से परस्पर संबंधित हों और जिनका पूर्वज और उद्गम-स्रोत एक हो।

(आ) मानव जाति का उपविभाजन, जो उन शारीरिक विशेषताओं तथा बनावट के आधार पर किया जाता है, जो उन्हें जन्म से ही विरासत के रूप में मिली हैं, जैसे—नीग्रो प्रजाति, मंगोल प्रजाति आदि।

raciology **प्रजाति-विज्ञान**

मानव जातियों और प्रजातियों का अध्ययनपरक वह विज्ञान, जिसके अंतर्गत विभिन्न नस्लों की शारीरिक विशेषताओं, जैसे; वर्ण, रक्त-वर्ग शिरस्य सूचकांक, केश, अस्थि आदि का व्यवस्थित अध्ययन किया जाता है।

radio-active dating **रेडियो-सक्रिय काल-निर्धारण**

काल-निर्धारण की वह वैज्ञानिक प्रविधि, जिसका आधार रेडियो सक्रियता का परिमाण होता है। कार्बन 14, वस्तुतः कार्बन 12 का वह रेडियो-सक्रिय आइसोटोप है, जो वायु-मंडल में अंतरिक्ष-विकिरण द्वारा नाइट्रोजन14

से उत्पन्न होता है। जैविक पदार्थ की मृत्यु के उपरांत, ये आइसोटोप कार्बन डाईआक्साइड के रूप में कार्बन का विनिमय करना समाप्त कर देते हैं और कार्बन 14 का संचय धीरे-धीरे कम हो जाता है। यह परिवर्तन कुछ इस प्रकार होता है कि लगभग 5,600 वर्षों के उपरांत, कार्बन 14 मूल मात्रा का आधा रह जाता है। कार्बन 14 तथा कार्बन 12 की मात्रा का परिमाण प्रयोगशाला में निश्चित कर, उसके आधार पर, जैविक पदार्थ की मृत्यु से अद्यतन काल तक गणना की जाती है।

सर्वप्रथम सन् 1,946 ई० में एफ० डब्ल्यू० लिब्बी ने, इस प्रविधि का प्रतिपादन किया। इस प्रविधि में चार प्रकार की अशुद्धियों की संभावना है–(1) सांख्यिकी-क्रियात्मक अशुद्धि, (2) सी 14 के नमूनों के प्राप्ति-स्तर संबंधी अशुद्धता, (3) प्रयोगशाला तथा मापकीय त्रुटि और (4) समय-समय पर कार्बन 14 की मात्रा पर वायुमंडलीय विकिरण का प्रभाव।

radio-activity method — **रेडियो-सक्रियता-विधि, रेडियो सक्रियता-प्रणाली**

पुरातात्त्विक अवशेषों की तिथि निर्धारित करने की एक वैज्ञानिक प्रणाली. अन्यत्र दे० radio-active dating, carbon dating.

rail coping — **मुंडेर, उष्णीष**

किसी वेदिका या रेलिंग का सबसे ऊपरी भाग।

railing pillar — **वेदिका-स्तंभ**

वह घेरा या बाड़, जिसमें दीवार के रूप में, थोड़ी-थोड़ी दूर पर स्तंभ बने हों। इन्हें सूची-स्तंभों से जोड़ा जाता है।

random ashlar — **विषम अनगढ़ पाषाण**

बिना तराशा गया और अपने मूल रूप में टेढ़ा-मेढ़ा पत्थर।

random excavation — **यादृच्छ उत्खनन**

अव्यवस्थित और अनियमित रूप से की गई खुदाई। इस प्रकार की खुदाई से पुरातात्त्विक सामग्रियों को क्षति पहुंचने के साथ-साथ उत्खनित स्थल भी क्षतिग्रस्त होता है।

recumbent image — **शयन मूर्त्ति, प्रतिशयन मूर्त्ति**

वह मूर्त्ति जो विश्राम, लेटे रहने या सोने की मुद्रा में हो। भारतीय मूर्त्तिकला में विष्णु को शेषनाग की शैय्या पर लेटे हुए (शयन मुद्रा में) दिखाया गया है। इसे 'शेषशायी' मुद्रा कहा जाता है।

red ochre — **गेरू**

रंगने के काम में लाई जानेवाली लाल रंग की खनिज मिट्टी ।

red-on-red technique — **लाल पर लाल रंग की प्रविधि**

आद्य ऐतिहासिक काल मे, लाल रंग के मिट्टी के वर्त्तनों पर लाल रंग से अलकरण करने का तरीका ।

red polished ware — **लाल ओपवाले बर्त्तन**

वे वर्त्तन, जिन पर लाल रंग का पूर्ण या आंशिक लेपन किया जाता था ।

red slipped pottery — **लाल लेपवाले वर्त्तन**

आद्य ऐतिहासिक काल के वे मिट्टी के वर्त्तन, जिन पर पकाने के पूर्व लाल रंग का लेप किया जाता था । वर्त्तन वन जाने के उपरांत उसे लाल रंग के गाढ़े घोल में डुवो दिया जाता था । इससे मृद्भांड पर लाल रंग की पतली तह चढ़ जाती थी । घोल के सूख जाने के उपरांत पात्र को आग में पकाया जाता था । इसके दो लाभ थे । प्रथम भाडों की सुंदरता बढ जाती थी । दूसरे, इससे वे अधिक जल-सहरोधी (watertight) बन जाते थे ।

red washed ware — **लाल रंग के क्षालित बर्त्तन**

लाल रंग के घोल में डुवो कर बने बर्त्तन । लाल रंग का घोल बना कर, उसमें मिट्टी के पात्र की बाहरी सतह को डुबो कर निकाल लिया जाता था और फिर उसे सुखा कर पका लिया जाता था ।

refuge deposit — **कूड़ा-निक्षेप, अवकर निक्षेप**

वह स्थान, जहां पर घर का कूड़ा-करकट आदि फेंका जाता है । प्राचीन उत्खननों में, इन कूड़ा-निक्षेपों के अध्ययन से तत्कालीन संस्कृति को जानने में बहुमूल्य सामग्री प्राप्त होती है । दैनंदिन प्रयोग में आनेवाली अनेक वस्तुएं, जैसे ठीकरे, अनाज, खिलौने, अस्थियां, गुठलियां तथा अलंकरण आदि में प्रयुक्त मनके, मोती आदि वस्तुएं कूड़ा-निक्षेपों में मिलती हैं, जिनसे तत्कालीन सभ्यता एवं संस्कृति के बारे में ज्ञान प्राप्त किया जाता है ।

regilding — **पुनः पीला मुलम्मा करना, पुनः हेमरंजन करना**

सस्ती धातुओं पर रासायनिक प्रविधि से बहुमूल्य पीले रंग की धातु, सोने का वर्क या पीले रंग का लेप पुनः लगाना, जिससे वह वस्तु देखने में सुंदर और आकर्षक प्रतीत हो ।

reglet पट्टी

एक चपटी और सकरी सज्जा पट्टी, जिसे संधि-आवरण और विभिन्न भागों को विभाजित करने आदि के लिए बनाया जाता है। ये अंतर्ग्रथित गांठ या जालीदार अलंकरण के काम आती हैं।

regular point नियमित वेधनी

प्रागैतिहासिक पाषाण-उपकरण का प्रकार। इस प्रकार के उपकरण लंबे नुकीले होते हैं, जो पतले फलक-शल्कों पर बनाए जाते हैं। ये उपकरण 'Λ' आकार के होते हैं। उपकरण की धार बनाने के लिए, कभी एक भुजा और कभी दोनों भुजाओं के छोरों को परिष्कृत किया जाता है।

reisner work रंगीन काष्ठ-पच्चीकारी

अलग-अलग रंगों की लकड़ी को, अलंकरण हेतु उत्खचित करने या जड़ने का काम।

relative chronology सापेक्ष कालानुक्रम

उन पुरातात्त्विक उत्खननों में, जिनकी निश्चित तिथि के बारे में ठोस सामग्री (जैसे अभिलेख, सिक्के आदि) उपलब्ध न हों, पुरातत्ववेत्ता प्रमाणों के अभाव में विभिन्न स्रोतों, जैसे, स्तरीकरण, प्ररूपविद्या (typological method) सहसंबंधीकरण प्रणाली, फ्लोरीन परीक्षण पद्धति, समुद्रीय जल-तल परिवर्तन, पराग-विश्लेषण, जीवाश्म-साक्ष्य, वृक्ष-वलय विश्लेषण आदि अनेक प्रविधियों से प्राप्त सूचनाओं को एकत्रित कर सापेक्ष कालानुक्रम प्रस्तुत करता है।

relic 1. पुरावशेष

प्राचीन काल के स्मारकों, भवनों, वस्तुओं आदि के अवशेष; भग्नावशेष।

2. देहावशेष

किसी महापुरुष के शरीर के अवशेष, जिन्हें प्राय: मंजूषा में सुरक्षित रखा जाता था। भारत में, इस प्रकार के अवशेष सांची, पिपरहवा आदि स्थानों में मिले हैं। इन देहावशेषों को मंजूषा में रखकर किसी धार्मिक स्मारक के अंदर सुरक्षित रखने की प्रथा थी।

relic casket अवशेष मंजूषा, धातु-मंजूषा

वह पिटारी या डिब्बा, जिसमें किसी महात्मा के धातु अवशेष दिन प्रति-दिन के काम में आनेवाली वस्तुएं आदि आराधना या श्रद्धा-समर्पण

के लिए सुरक्षित रखी जाती हैं। बौद्ध धर्म में बुद्ध और प्रसिद्ध भिक्षुओं के देहावशेषों को सुंदर मंजूषा मे रखकर उनके ऊपर स्तूप-निर्माण किया गया था।

relic chamber **अवशेष-कक्ष, धातु-गर्भ**

वह स्थान, जहां पर अन्य महापुरुषों, महात्माओं आदि की अस्थियां, दांत अथवा अन्य भौतिक अवशेष सुरक्षित रीति से रखे गए हों। बौद्धों ने, अवशेषों को सुरक्षित रखने के लिए एक विशेष प्रकार की संरचना 'स्तूप' का निर्माण किया, जिन्हें 'धातु-स्तूप' कहा जाता था।

relic receptacle **अवशेष पात्र**

किसी महापुरुष के धातु-अवशेषों को सुरक्षित रखने का छोटा बर्तन। बौद्ध धर्म में इन धातु अवशेषों को स्तूपों में सुरक्षित रीति से रखा जाता था।

relic stupa **धातु-स्तूप**

वह स्तूप, जिसमें भगवान बुद्ध या अन्य किसी महात्मा के देहावशेष सुरक्षित रखे हों। भारत के धातु-स्तूपों में, सांची तथा सारनाथ के स्तूप विशेष उल्लेखनीय हैं।

relief **उद्भृति, उभार**

अपनी पृष्ठभूमि से ऊपर की ओर उठान।

मूर्तियों में, आकृति के मुख, वक्ष, हस्त, उदर आदि के धरातल से बाहर की ओर निकलने की अवस्था।

मूर्ति को उभारदार बनाने के लिए मूर्तिकार द्वारा हथौड़े और छैनी का प्रयोग किया जाता है।

उभारदार आकृतियां तीन प्रकार से उद्भृत होती हैं। (1) उच्च उद्भृत (2) मध्य उद्भृत तथा (3) निम्न उद्भृत। प्राचीन काल में बने उद्भृत शिलापट्ट आदि मिले हैं। इस प्रकार की उभारदार आकृतियां लकड़ी, हाथी-दांत, पत्थर और धातुओं से बनी मिली हैं।

relief image **उद्भृत प्रतिमा**

किसी धरातल को उकेर, उभार या तक्षित कर बनाई गई मूर्ति।

relievo sculpture **उद्भृत मूर्ति**

उकेर, उभार या तक्षण कर बनाई गई मूर्ति।

16—387 C. H. D. (ND)/77

religious art **धार्मिक कला**

मंदिर, मस्जिद, गिरजा, गुरुद्वारा, स्तूप आदि धार्मिक संरचनाओं के निर्माण, अलंकरण आदि का प्रतिनिधित्व करनेवाली कला। प्राचीन काल से, उपासना-अर्चना, पूजा-साधना, सिजदा-नमाज आदि धार्मिक क्रियाओं को करने के स्थानों को आकर्षक, सुंदर और सुविधाजनक बनाने का प्रयत्न होता रहा है। अन्य देशों की तरह भारत में भी धर्म ग्रंथों तथा वास्तुशास्त्रीय ग्रंथों मे, धार्मिक संरचनाओं के निर्माण संबंधी निश्चित नियमों का प्रावधान रहा है और उन्हीं के अनुसार धार्मिक भवनों का निर्माण और अलंकरण हुआ है।

religious structure **धार्मिक संरचना**

किसी धर्म से संबंधित भवन, स्मारक या देवालय।

reliquary **पुरावशेष-मंजूषा, अस्थि-मंजूषा**

वह छोटी पेटी या ढक्कनदार पात्र, जिसमें किसी महापुरुष के देहावशेष (अस्थि, केश इत्यादि) या उनके द्वारा प्रयुक्त वस्तु (वस्त्र, पादुका, माला आदि) को प्रदर्शन के लिए सुरक्षित रखा गया हो।

Remedello Culture **रेमिडेलो संस्कृति**

उत्तरी इटली स्थित पो घाटी की ताम्रकालीन संस्कृति। सन् 1,885–86 ई० में हुए उत्खनन में, यहां पर 117 तुंब प्राप्त हुए, जिनमें तांबे की सपाट कुठारें, त्रिभुजाकार कटारें तथा फरसे आदि मिले। इन तुंबों में मृद्भांडों के अवशेष बहुत कम मात्रा में मिले हैं और जो मिले है, वे एक ही प्रकार के नही हैं। रेमिडेलो संस्कृति का काल लगभग 2,000 ई० पू० आंका गया है।

remnant **अवशेष, अवशिष्ट**

किसी प्राचीन वस्तु का क्षय या विघटन होने के बाद बचा अंश या भाग।

renovation **नवीकरण, नवीयन, जीर्णोद्धार, पुनरुद्धार**

किसी वस्तु को यथासंभव मूल रूप प्रदान करना।

जीर्णोद्धार; या पुनरुद्धार से तात्पर्य है, किसी प्राचीन मंदिर, भवन, कूप, तड़ाग आदि की मरम्मत कर, उसे फिर से स्थापित करना। स्मारकों के जीर्णोद्धार का कार्य, पुरातत्व में बहुत महत्त्वपूर्ण है। इसके अंतर्गत मूल संरचना के

प्रामाणिक अवशेषों को सुरक्षित रखते हुए, इस प्रकार मरम्मत की जाती है कि वह यथासाध्य मूल जैसी प्रतीत हो। पुरातत्व में, प्राचीन भवनों आदि के पुनर्निर्माण का न्यूनतम विधान है। भारत में ताजमहल, बीजापुर का गोल गुंबद, कुतुब मीनार, अजंता की गुफाओं आदि अनेक महत्त्वपूर्ण स्मारकों को ह्रास से बचाने के लिए समय-समय पर उनका पुनरद्धार किया जाता रहा है।

replica **प्रतिकृति**

किसी मूल चित्र, मूर्ति, अलंकरण वस्तु आदि के आकार-प्रकार से मिलती हुई, ठीक उसी प्रकार बनी या बनाई गई, मूल कृति के समान दूसरी कृति। इस प्रकार की प्रतिरूप कृति की उपयोगिता मूल कृति की तरह ही होती है। सामान्यतया ठप्पे द्वारा या सांचे में ढाल कर, मूल कृति का प्रतिरूप तैयार किया जाता है। दुर्लभ कला-कृतियों, जैसे, मूर्ति, सिक्के, अलंकरण पट्ट आदि की प्रतिकृतियां, अध्ययन या अलंकरण के लिए रखी जाती हैं।

repousse (=embossing) **ठप्पे का काम, पश्चोद्भृत**

चांदी, सोने अथवा कांसा आदि धातु की बनी चादरों के पृष्ट भाग पर हथौड़े से प्रहार कर आकृति उभारना या उद्भृत आकृति का रूपांकन करना। यह तकनीक, भारत में बहुत प्राचीन काल से प्रचलित है। इसकी पुष्टि पुरातात्त्विक उत्खनन में प्राप्त नमूनों से होती है। भारत में, नल वंश की स्वर्ण मुद्राएं इसी विधि से बनी।

reredos **पृष्ठावरण**

(1) किसी वेदी के पीछे की ओर बनी विभाजक दीवार या ओट लगा पर्दा।

(2) प्राचीन भवनों के विशाल कक्षों के मध्य में बनी अंगीठी का पिछला भाग। यह धूमनाल के ठीक नीचे बना होता था।

(3) प्राचीन कवच के पीछे का पट्ट।

rescue excavation **उद्धार उत्खनन**

विनष्ट हो जाने की आशंकित स्थिति में, किसी पुरातात्त्विक निधि को सुरक्षित रखने के प्रयोजन से की गई खुदाई। आजकल जनसंख्यावृद्धि, जल और खाद्य समस्याओं आदि को सुलझाने के लिए बांध बनाने और नहरों आदि की व्यवस्था करनी होती है। कभी-कभी इनके क्षेत्र में प्राचीन अवशेष, स्मारक या क्षेत्र आ जाते हैं, जिन्हें पुरातत्ववेत्ता कम-से-कम समय मे तात्कालिक उत्खनन द्वारा बचाने की सुव्यवस्था करते हैं।

उद्धार उत्खनन का सबसे महत्त्वपूर्ण नमूना मिस्र स्थित नूबिया के स्मारक हैं, जिन्हें आस्वान बांध बनने के परिणामस्वरूप जलमग्न होने से बचाया गया। भारतवर्ष में, नागार्जुनकोंडा के प्रसिद्ध बौद्ध स्थान की रक्षा उद्धार-उत्खनन द्वारा की गई और उसे कृष्णा नदी के ऊपर बने बांध में जलमग्न होने से बचाया गया।

restoration — पुनरुद्धार, जीर्णोद्धार

किसी प्राचीन भवन या वास्तु संरचना की, फिर से की गई मरम्मत।

किसी टूटी-फूटी इमारत का और अधिक ह्रास, विनाश और विघटन से रोकने के लिए किया गया प्रयास।

पुनरुद्धार कार्यों में इस बात पर विशेष ध्यान दिया जाता है कि मरम्मत करते समय भवन का मौलिक रूप और सौंदर्य यथासाध्य अप्रभावित रहे।

restriking (of coin) — (सिक्के का) पुनर्मुद्रांकन

किसी सिक्के या मोहर पर दुबारा ठप्पांकन। प्राचीन काल में विजेता, शासक, विजित शासक द्वारा प्रवर्तित सिक्कों या मोहरों पर अपनी शासकीय मोहर पुनः अंकित करा देता था। सातवाहन शासक गौतमिपुत्र सातकर्णि ने, क्षहरात शासक नहपान के सिक्कों को अपनी शासकीय मुद्रा से पुनर्मुद्रांकित किया। कुषाणों के अनेक सिक्कों पर यौधेयगण ने अपनी मुहर अंकित की।

retouch — 1. अनुशल्कन

प्रागैतिहासिक काल में, प्रस्तर उपकरण बनाते समय किया गया वह पुनः शल्कीकरण (flaking), जिसके द्वारा उपकरण के कार्यांग की धार को तेज अथवा उसके किसी भाग विशेष की धार को कुंठित (blunt) किया जाता है।

2. परिष्करण, अनुशोधन

प्राचीन चित्रों तथा मूर्त्तियों आदि को सुधार द्वारा मूल रूप में लाने का कार्य।

retouching technique — 1. अनुशोधन प्रविधि, अनुशल्कन-प्रविधि

प्रागैतिहासिक पाषाण-उपकरण-निर्माण में अनुशोधन तकनीक द्वारा उपकरण के कार्यांग की धार को तेज अथवा उसके किसी भाग विशेष की धार को कुंठित किए जाने की तकनीक। यह प्रविधि उपकरण-निर्माण की विकास अवस्था की द्योतक है। इस प्रविधि के तीन उद्देश्य थे:— (1) कार्यांग

निर्माण (2) उसकी धार तेज करना (3) उपकरण की भुजाओं की तीक्ष्णता को कुंठित करना। मध्य पूर्व पाषाण काल में, उपकरण पर अनुशोधन करने की प्रविधि पर्याप्त विकसित हो चुकी थी।

2. परिष्करण प्रविधि

मूर्तियों, चित्रों आदि को मूल रूप में लाने के लिए प्रयुक्त प्रविधि।

revetment wall — **पुश्ता, प्रतिधारक भित्ति**

ईंट, पत्थर, मिट्टी आदि से बनी सुरक्षात्मक दीवार, जो पानी की बाढ़, भू-स्खलन आदि को रोकने के लिए बनाई जाती थी। प्राचीन दुर्गों, मंदिरों, नगरों आदि की रक्षा के लिए ऐसी संरचना के निर्माण का विधान प्रचलित रहा है।

rhombus — **चौकोर आकृति**

यूनानी कला, विशेषकर यूनानी मृद्भांडों में हीरे के आकार का अलंकरण, जो चौकोर आकार का होता है। इसके परस्पर विपरीत दोनों पार्श्व समानांतर होते हैं। इनसे दो अधिक कोण तथा दो न्यून कोणीय रचना बन जाती है।

rhyton — **शृंगपात्र, राइटोन**

प्राचीन रोम और यूनान में तरल-पदार्थों को सुरक्षित रखने का हत्थेदार पात्र। इसके आधार भाग में, किसी पशु-पक्षी, स्त्री या मिथक-प्राणी का मुख-भाग बना होता था। इसके मुख में एक अंतस्थ टोंटीनुमा छिद्र बना होता था, जिसमें से तरल पदार्थ बाहर की ओर सुगमता से निकलता था।

ribbed ware — **कमरखी भांड**

व बर्तन, जिनमें कमरख फल की तरह उभरी हुई फांकें अलंकरण के लिए बनी हों।

rifle — **धूसर रंग, भूरा रंग**

एक प्रकार का मटमैला रंग, जिसकी आभा कुछ-कुछ हरी-पीली हो। सामान्यतः धूल में सनी या भूरे रंग की वस्तु को, 'धूसर' रंग की वस्तु कहा जाता है।

rim — **अंवठ, कोर, किनारा**

गोलाकार पात्रों का उठा या मुड़ा हुआ किनारा। उत्खननों के परिणाम स्वरूप, इस प्रकार के प्राचीन कोरदार बर्तन काफी संख्या में मिले हैं।

rinceau — पट्ट-अलंकरण

पत्र-पुष्पों, लता-वल्लरियों आदि की लहरियादार आकृति से युक्त वर्तनि या अन्य इसी प्रकार के प्राकृतिक रूपों की प्रतिकृति, जिसे किसी पटिया, तख्ती, वस्त्र आदि पर सज्जार्थ बनाया गया हो।

ring foot (pottery) — वलयपाद, पेंदी

मद्भांड आदि का निचला भाग, जो प्रायः गोल होता है।

ringlet — 1. कुंडल

(1) छोटा वृत्त

(2) छोटा छल्ला; गोल बनावट का वह गहना, जिसे कानों में पहना जाता है।

2. केशकुंडलिका

बालों का घुंघराला गुच्छा; घुंघराली लट।

प्राचीन भारतीय कला में कर्ण-कुंडल तथा कुंचित केश प्रायः चित्रित हुए हैं।

ring stone — वलय-प्रस्तर

(1) वृत्ताकार प्रागैतिहासिक पाषाण-उपकरण, जिसके मध्य भाग में एक बड़ा छिद्र बना होता था। इसे समतल करने के उपरांत घिसा जाता था। कुछ वलय प्रस्तरों पर पालिश के अवशेष चिह्न मिले हैं। इस उपकरण के संबंध में विद्वानों का अनुमान है कि इसे भार देने के लिए हथौड़े अथवा गदा के रूप में प्रयुक्त किया जाता था। इसके बीच में बने छिद्र में कदाचित लकड़ी का बेंट फंसाया जाता था। ये वलय-प्रस्तर, नाशपाती, बिंब, तारक अथवा अंडे की आकृतिवाले बने मिले हैं। हड़प्पा संस्कृति में, इस प्रकार के वलय-प्रस्तर मिले हैं, जिन्हें प्राणी-उत्पत्ति का प्रतीक मानते हैं।

(2) किसी मेहराब के मुख भाग में लगा प्रस्तर या फन्नी।

ring well (=brick well) — इष्टिका कूप, वलय कूप

मिट्टी के पके वृत्तों की ऐसी संरचना, जिसमें मिट्टी के चलयों को इस प्रकार फंसाया जाता था कि कूप सदृश आकृति बन जाती थी। निवास-स्थान के गंदे पानी की निकासी के लिए प्रायः इस प्रकार के वलय कूपों को बनाया जाता था। भारत के विभिन्न प्राचीन स्थलों में, ईसा पूर्व तीसरी शताब्दी से इनका प्रयोग मिला है। कहीं-कहीं कूड़ा-निक्षेप हेतु वलय कूप उपयोग में लाए जाते थे।

riparian civilization — अनुनद सभ्यता, तटवर्त्ती सभ्यता

नदी-तट पर विकसित हुई सभ्यता। विश्व की अधिकांश सभ्यताएं नदी तटों पर पुष्पित और पल्लवित हुईं। गंगा-यमुना, नील, सिंधु तथा दजला-फरात नदियों के तटों पर विश्व की सर्वोत्कृष्ट सभ्यताओं ने जन्म लिया।

ripple marks — ऊर्मि-चिह्न

नदी या सरोवर तट पर बालू में तरंगों द्वारा निर्मित समानांतर उभारदार चिह्न।

river section — नदी-अनुप्रस्थ

नदी द्वारा काट गए कगार। प्राचीन सापेक्षिक काल-निर्धारण में इसका विशेष महत्त्व है। नदी-अनुप्रस्थ से तटवर्त्ती जीवन संबंधी ज्ञान होता है। नदी-अनुप्रस्थ में विभिन्न कालों के जमाव स्पष्टतः दृष्टिगोचर होते हैं। इन जमावों को भूमि के रंग एवं स्तर के आधार पर एक-दूसरे से विभक्त किया जा सकता है, क्योंकि इन जमावों का क्रम नदी के विभिन्न कालों में होता है। ये जमाव तीन प्रकार के होते हैं— (1) गोलाश्म निक्षेप, (2) बजरी निक्षेप (gravel deposit) एवं (3) गाद निक्षेप (silt deposit) नदी-अनुप्रस्थ में प्राप्त निक्षेपों में मिले पत्थरों के आकार-प्रकार, उनके कोण और घर्षण की दशादिशा या अवस्था का अध्ययन कर तत्कालीन नदी-जीवन संबंधी महत्त्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

rock cut architecture — शिलावास्तु, शैलकृत वास्तु

चट्टानों को काट कर बनाए गए भवन या मंदिर। विशाल शिलाओं को काट-छांट कर इन्हें बनाया जाता था। मिस्र देश में, अबू-सिम्बेल, उत्तरी अरेबिया में पिट्रा तथा भारत में कार्ला, भाजा, अजंता की गुफाएं, एलोरा का कैलाश मंदिर तथा मामल्लपुरम् के रथ-मंदिर और मानव-निर्मित शैलकृत गुफाएं वस्तुतः गुफा वास्तुकला के सर्वोत्कृष्ट नमूने हैं।

rock cut edict — शिलोत्कीर्ण राजादेश, शिलोत्कीर्ण धर्मादेश

शासन द्वारा शिलाओं पर उत्कीर्ण अभिलेख। सम्राट अशोक ने अपने शिलालेखों में उत्कीर्णित लेखों को 'धर्म-लिपि' (धम्मलिपि) बताया।

rock inscription — शिलालेख

किसी शिला या पत्थर पर खोदकर लिखा गया अभिलेख; शिलोत्कीर्ण लेख।

rock painting **शैल-चित्र, शिला-चित्र**

प्राकृतिक गुफाओं या मानव-निर्मित शिला-आवासों की दीवारों पर बने चित्र। प्रागैतिहासिक काल से शैल-चित्रों का निर्माण होता आ रहा है। भारतवर्ष में, आदिम शिला-गृह चित्र मध्यप्रदेश के अनक स्थ ो आदमगढ़, आबचद, भीमबटका, पचमढ़ी आदि में बहुलता से मिले है। ये आद्य ऐतिहासिक चित्र अजंता, बाघ, एलोरा आदि के शिला-चित्रों से भिन्न हैं। इन चित्रों में अनेक प्राकृतिक रंगों का प्र ोग हुआ है और इनसे तत्कालीन मानव-जीवन की झाकी मिलती है।

rock shelter **शैलाश्रय, शिलाश्रय**

शिलाओं के नीचे या उनके बीच में प्राकृतिक रूप से बना आश्रयस्थल। शलाश्रय गुफा की तरह गहरा नही होता, पर अनेक शैलाश्रयों के वितान काफी बड़े मिले है, जिनमें पर्याप्त बड़ी संख्या में मनुष्य निवास करते होंगे। प्रागैतिहासिक मानवों तथा उनके द्वारा प्रयुक्त अनेक वस्तुओं के अवशेष शैलाश्रयों में मिले हैं।

roll and fillet molding **कुंडल पट्टी सज्जा**

कुंडल की तरह गोल और उसके बाद पट्टी की आकृति की पुनरावृत्ति से युक्त अलंकरण।

Roman architecture **रोमन स्थापत्य**

रोम साम्राज्य कालीन वह वास्तुकला, जो इटली, यूरोप, उत्तरी अफ्रीका तथा पश्चिम एशिया के देशों में अब भी विद्यमान है और जिसका काल 146 ई० पू० से 365 ई० तक रहा। इस युग ी स्थापत्य कला मे ज्वालामुखी कंकरीट, ईंट, पत्थर तथा संगमरमर का प्रयोग हुआ है।

रोमन लोगों ने, यूनानी-धरणिक शैली (trabeated Greek style) तथा एट्रस्कनी मेहराबदार संरचनाओं को सम्मिलित कर एक नवीन शैली को जन्म दिया। उनकी वास्तुकलात्मक संरचनाएं जल-सेतु, सार्वजनिक स्नानागार, प्राचीर, पुल तथा समाधि-मंडप के रूप में आज भी विद्यमान है।

Romanesque style **रोम प्रभावित कला**

रोम की कला से प्रभावित वास्तुकला या कलाशैली।

rosace (=rose=rosette) **वलयाकार अलंकरण**

(अ) किसी कक्ष की अतश्छद (ceiling) के मध्य में बना अलंकरण ।

(आ) भवनों को सज्जित करने के लिए बनी वृत्ताकार अलंकृत संरचना, जो गुलाब के पुष्प के समान अंकित होती है । भारत में, इस प्रकार का अलंकरण गुप्तकालीन मंदिरों में कमलाकृति के रूप में मिला है ।

Rosetta stone **रोजिटा-पाषाण**

अगस्त, सन् 1,799 ई० में, फ्रांसीसी सैन्य टुकड़ी द्वारा मिस्र की नील नदी के पश्चिमी डेल्टे में राशीद (Rashid) के निकटवर्त्ती क्षेत्र में मिला एक काला बेसाल्ट पत्थर । सन् 1,812 ई० मे, रोजिटा पाषाण की दूसरी प्रति डा० थोमस यंग को प्राप्त हुई । इस पत्थर पर द्विभाषी लेख अंकित है, जिसके आधार पर चेम्पोलियन ने मिस्री चित्रलिपि का उद्बोधन किया । यह पट्ट लगभग 1.14 मीटर लंबा, .7112 मीटर चौड़ा और .2794 मीटर गहरा है। यह चित्रलिपि, डिमोटिक तथा यूनानी भाषाओं मे अंकित है । ब्रिटिश संग्रहालय मे रोजिटा पाषाण सुरक्षित है ।

rosette **1. फुल्लिका, पाटल**

पुष्पाकृति अलंकरण, जो प्रायः कमल तथा अन्य पुष्पों जैसा अंकित होता है । भारत में, प्राचीन वेदिकाओं में इस प्रकार का अलंकरण बहुलता से मिलता है ।

2. गुच्छा

वह वृत्ताकार अलंकरण, जिसके बीच मे पत्तियों के गुच्छे बने हों। प्राचीन भवनों मे, अलंकरण के लिए इस प्रकार की संरचनाएं बनाई जाती थी ।

Rossen Danubian settlers **रोसन डेन्यूबवासी**

मध्य जर्मनी में स्थित रोसन-डेन्यूब क्षेत्र के निवासी । रोसन मध्य जर्मनी में मर्सबुर्ग के निकट एक प्रागैतिहासिक कब्रिस्तान है । इसके प्ररूप-स्थल उत्तरी बोहेमिया, सेक्सो-थूरिंजिया, बवेरिया, राइन के क्षेत्र, स्विटजरलैंड और पूर्वी फ्रांस में मिले हैं जो परवर्त्ती डेन्यूबी संस्कृति कालीन हैं । इन संस्कृतियों के जनक रोसन-डेन्यूब क्षेत्र में बसनेवाले लोग थे । इन लोगों द्वारा विकसित संस्कृति का काल 3,500 ई० पू० माना गया है ।

rostrocarinate tool — **चंचुमुखी औजार, चंचुमुखी उपकरण**

एक प्रकार के अपशल्कित प्रागैतिहासिक चकमक उपकरण, जिनका आकार बाज की चंचु के समान नुकीला होता है। इस प्रकार के उपकरण पूर्वी इंग्लैंड में मिले हैं, जो अतिनूतन (Pliocene) युग के माने जाते हैं।

भारत में, इस प्रकार के उपकरण लाल बलुए पत्थर के बने मिले है।

roulette — **दांतेदार चक्र**

कच्ची मिट्टी के बर्तनों पर दांतेदार अलंकरण के लिए प्रयुक्त वह चक्र जिसमें अंकुर के रूप मे निकले कंगूरे पैने होते हैं। इस चक्राकार उपकरण से कच्ची मिट्टी के बने पात्रादि पर छोटी-छोटी 'डैश' के आकार की रेखाएं बन जाती थी। बर्तनों की सजावट की यह तकनीक अनेक देशों में प्रचलित रही है। भारत में, इस प्रकार की तकनीक का प्रयोग बहुत मात्रा में हुआ है।

rouletted decoration — **चक्रिल अलंकरण, रूलेट अलंकरण**

भांडों, शिलापट्टों या मूर्त्तियों आदि में बनाया गया दांतेदार अलंकरण।

rouletted ware — **चक्रिल अलंकरणयुक्त भांड, रूलेट भांड**

वह भांड, जिस पर, दांतेदार उपकरण के द्वारा डैश (रेखा) के आकार जैसी छोटी-छोटी रेखाएं उसे अलकृत करने के लिए अंकित की गई हो।

भारत में चक्रिल अलंकरण वाले बर्तन बहुतायत में मिले है।

round barrow — **गोल स्तूप**

एक या एक से अधिक शवाधानों के ऊपर ईंट आदि से बना गोलाकार टीला या ढूह। विशेषकर बौद्धों द्वारा बुद्ध के अवशेष-चिह्न या देहावशेषों को रखने के लिए गोल स्तूप बनाए जाते थे।

गोल स्तूप के चारों ओर प्रायः खाई भी बनी होती थी और शवादि को ताबूत मे रखकर टीले में गाड़ दिया जाता था।

ब्रिटेन मे मिले अधिकतर मिट्टी के गोल स्तूप कांस्ययुगीन हैं। उत्खनित स्तूपों में, रोमन, आंग्ल-सैक्सन तथा वाइकिंग कालों के गोल स्तूप भी मिले है।

rounded scraper — **वर्तुल क्षुरक, वर्तुल क्षुरणी, वर्तुल खुरचनी, गोलाकार खुरचनी**

पुरा पाषाणयुगीन प्रमुख उपकरण, जो गोल आकार के शल्क या क्रोड पर बने थे। इस प्रकार के उपकरणों की कार्यकारी धार प्रायः उपकरण की आधी से

अधिक परिधि में बनी होती है। उपकरण की धार बनाने के लिए शल्कीकरण एक या दोनों पृष्ठभागों में किया जाता था। अब तक प्राप्त हुए उपकरणों की कार्यकारी धार सामान्यत: अवतलाकार है।

royal tomb **शाही मक़बरा**

बादशाह, राजा आदि की कब्र पर बना विशाल स्मारक, जिसे बहुधा उसके उत्तराधिकारी उसकी स्मृति बनाए रखने के लिए बनवाते थे। शाही मकबरों के सर्वाधिक उल्लेखनीय अवशेष मिस्र में मिले हैं, जो तत्कालीन वास्तुकला एवं अलंकरण कला का श्रेष्ठ नमूना भी हैं।

प्राचीन भारत में, मृत शासकों की स्मृति-रक्षार्थ 'देवकुल' बनाए जाते थे जिनमें उनकी मूर्तियां स्थापित की जाती थीं। मथुरा में, कुषाण शासकों का देवकुल मिला है और उसमें सुरक्षित अभिलिखित प्रतिमाएं तत्कालीन कला और संस्कृति को प्रकट करती हैं।

ruins **भग्नावशेष, ध्वंसावशेष, खंडहर**

किसी प्राचीन नगर, भवन, घर, वस्तुओं आदि के टूटे-फूटे अवशिष्ट भाग। पुरातात्विक उत्खनन में मिले भग्नावशेषों से प्राचीन सभ्यता और संस्कृति विषयक बहुमूल्य सूचना-सामग्री प्राप्त होती है।

Rupar culture **रोपड़ संस्कृति**

पंजाब के रोपड़ नामक स्थान की आद्य ऐतिहासिक संस्कृति। इस संस्कृति के अब तक प्राप्त प्राचीनतम चित्रित भांड उत्तरवर्ती हड़प्पा संस्कृति के हैं, जिनका काल 2,000 ई० पू० 1,600 ई० पू० माना गया है। इसके पश्चवर्ती काल में चित्रित धूसर मृद्भांड बने। उसके बाद (600-200 ई० पू०) में बनीं अन्य वस्तुओं के साथ लोहे और तांबे की वस्तुएं भी मिली हैं।

russet **रोहित**

लाल भूरा या पीला भूरा रंग, लाल रंग। भारतीय प्राचीन चित्रकला में, इस रोहित वर्ण का प्रयोग बहुलता से हुआ है।

russet coated pottery **भूरा लेपित मृद्भांड**

मिट्टी के बने प्राचीन बर्तन, जिनमें पीला-भूरा, लाल-भूरा, या कत्थई रंग का लेप लगाया गया हो। भारत में, इस प्रकार के मृद्भांड कांस्य युगीन मिले हैं, जो चाक पर बनाकर आवे में पकाए गए थे। इन मृद्भांडों पर रेखा

और विंदुओं का अलंकरण किया गया है। इन कांस्ययुगीन वर्त्तनों पर चित्रकारी काले रंग में की गई है।

S

Sabazius — **सेबेजियस**

थ्रेस और फ्रिजिया का देवता, जो यूनानी द्यूस और डायोनिसस के अंशतः समान था। इस देवता की पूजा एथेंस में, पांचवीं शताब्दी ई० पू० में प्रारंभ हुई। रोम में भी उसकी पूजा होने लगी। द्वितीय शताब्दी में संपूर्ण इटली में इसकी पूजा होती थी। मूल रूप में, यह कृषिदेवता था और इसका प्रतीक सर्प था। जब इसे द्यूस और जुपिटर के समतुल्य माना जाता था, तब इसका प्रतीक चिह्न वज्र था।

Sabines — **सेबाइन लोग**

मध्य इटली के वे प्राचीन लोग, जो मुख्यतः उत्तर तथा उत्तर-पूर्वी रोम की पहाड़ियों में निवास करते थे। ये लोग सेविलियाई, अम्ब्रियाई तथा आस्कन लोगों से संबंधित थे। कहा जाता है कि ये इन्हीं की संतान थे। 290 ई० पू० में इन लोगों को रोमवासियों ने पराजित किया। आगे चल कर, ये रोम के प्रसिद्ध जाति-समूह के जनक बने। रीट (Reate) सेबाइन लोगों का प्रसिद्ध नगर था। ऐसा अनुमान है कि ये लोग सेमनाइट लोगों के उत्तराधिकारी थे।

Sacae (=Sakas) — **शक**

(अ) मध्य एशिया के आक्सस (आमू दरिया) तथा जक्सरतस (Jaxartes) (आधु० सर दरिया) नदी के मुहाने पर रहनेवाले प्राचीन यायावर लोग। शक लोगों का उल्लेख प्राचीन भारतीय साहित्य में प्रचुर रूप से मिलता है। ईसवी पूर्व दूसरी सदी में, उत्तर-पश्चिमी भारत के कुछ क्षेत्रों पर इनका अधिकार रहा।

(आ) भारतीय पुराणों के अनुसार, शक जाति की उत्पत्ति सूर्यवंशी नरेश नरिष्यंत से हुई, किंतु पश्चवर्ती युग में इसे म्लेच्छों में गिना जाने लगा।

शक संवत् :—शक राजा शालिवाहन द्वारा प्रवर्तित संवत्, जिसका आरंभ ईसा के 78 वर्ष पश्चात् हुआ था।

sacellum **लघु मंदिर**

(1) प्राचीन रोम का छोटा मंदिर ।

(2) किसी देवी-देवता को समर्पित, बिना छतवाला, किंतु चारों ओर से घिरा स्थान ।

sacrarium **1. पूजा-गृह**

प्राचीन रोम में, किसी निजी भवन या मंदिर का वह स्थान, जहां पर पवित्र वस्तु रखी जाती है ।

2. गर्भ-गृह

(अ) किसी गिरजाघर का मुख्य या पवित्रतम भाग ।

(आ) किसी पुण्यात्मा, द्वारा धार्मिक कार्यों के संपादन के लिए बनाया गया छोटा-सा भवन ।

3. पाषाण-द्रोणी

धार्मिक वास्तुकला के अंतर्गत, युखेरिस्त (अंतिम भोज) संस्कार के बाद, चषक को धोने के लिए बनी पत्थर या संगमरमर की हौदी ।

sacrificial altar **1. बलिवेदी**

वह ऊंचा उठा हुआ मंच या चबूतरा, जिस पर देवी-देवताओं को प्रसन्न करने के लिए पूजन-सामग्री का अर्पण या देवार्पण के उद्देश्य से किसी पशु आदि का वध किया जाता था । भारतीय यज्ञ-विधान में अन्न की भी आहुति दी जाती थी ।

2. यज्ञवेदी

हवन-पूजन, अनुष्ठान आदि करने के लिए बनी वेदिका । किसी मंदिर या प्रासाद के प्रांगण में धरातल से कुछ, ऊपर उठ कर बना चतुष्कोणीय स्थान, जहां यज्ञ किया जाता है ।

sacrificial post **यज्ञ-स्तंभ, यूप-स्तंभ**

यज्ञ-स्थल का वह खंभा, जिससे बलियोग्य पशु को बांधा जाता है ।

भारत में, लौरिया नंदनगढ़, मथुरा, नांदसा, कोटा आदि में, इस प्रकार के यूप-स्तंभ मिले हैं । इनमें से अनेक पर ब्राह्मी लिपि के लेख अंकित हैं ।

गुप्त सम्राट् समुद्रगुप्त और कुमार गुप्त प्रथम की स्वर्ण-मुद्राओं पर ऐसे अश्वमेध यूप के चित्र अंकित हैं, जिसके समीप अश्व बंधा दिखाया गया है।

saddle back quern **अवतल चक्की, अवतल अम्मी (मलयालम)**

विशालकाय चौकोर या आयताकार प्रस्तर, जिसके ऊपर का तल थोड़ा-बहुत नतोदर तथा घिसा हुआ होता है। पुरातत्वज्ञों के अनुसार इसका उपयोग अन्न पीसने के लिए किया जाता था। इस चक्की में, छोटे प्रस्तर को चौकोर पत्थर के अदर बार-बार घुमाकर अनाज पीसा जाता था। पत्थर जितना अधिक कड़ा होता था, चक्की उतनी ही अच्छी और दृढ़ होती थी।

अवतल चक्की का आकार काठी (saddle) की तरह होता था। लौह युग में घूमनेवाली चक्की का आविष्कार हो चुका था। डा० सांकलिया ने इन चक्कियों के जिन तीन प्रकारों का उल्लेख किया है, वे हैं :—(1) गोलाकार अवतल चक्की (2) लंबवत् अवतल चक्की, (3) गोलाकार और लंबवत् दोनों प्रकार की अवतल चक्की।

salvage archaeology **उद्धारक पुरातत्व**

विनष्ट होने की आशंकावाले पुरातात्त्विक स्थल या कलात्मक उपकरणादि को विध्वंस से बचाने के उद्देश्य से किया गया पुनरुद्धारक कार्य। यह उद्धारक कार्य पुरातत्व का आधार और आधेय है।

उद्धारक पुरातत्व की उपलब्धि का सर्वोत्कृष्ट उदाहरण, मिस्र में नूबिया के स्मारक हैं, जो आस्वान-बांध के बनने के कारण जलमग्न हो पूर्णतः विनष्ट हो जाते, यदि उन्हें उपयुक्त समय पर संयुक्त राष्ट्र संघीय सहायता से, सुरक्षित रूप में अन्यत्र न ले जाया जाता। भारत में, उद्धारक पुरातत्वीय उपलब्धि की कोटि में, नागार्जुनकोंडा के स्मारक हैं। पुराने कुओं, नदियों, तालाबों आदि में फेंकी गई प्राचीन मूर्तियों का उद्धार इसी कोटि में परिगणित किया जाता है।

salvaging of antiquities **पुरावशेषों का उद्धार**

किसी पुरातात्त्विक स्थल के समस्त पुराने अवशेषों को विनष्ट होने से बचाने के लिए किया गया कार्य।

salvaging operation **निस्तारण अभियान**

प्राचीन टीलों में संचित पुरातात्त्विक महत्व की सामग्री को नष्ट, क्षरित या जलमग्न होने से बचाने का कार्य।

Samaritans **सामरी लोग**

समरिया के निवासी या आदिवासी लोग। इजराइली ही नहीं, मेसोपोटामिया और एलेमाइट के लोग भी उनके पूर्वज थे।

Samarra pottery **समरा मृद्भांड**

उत्तरी इराक़ में, अब्बासी खलीफाओं की राजधानी के निकट स्थित और उत्खनित गर्त्त के ठीक नीचे मिले, छठी सहस्राब्दि के रंगीन मृद्भांड। समरा मृद्भांड के उपरांत हसूना मृद्भांड मिले, जो उनकी अपेक्षा विकसित और सुघड़ थे। इन वर्त्तनों पर मछली, पशु तथा मानवों की सुंदर आकृतियां अंकित है। इनके किनारों पर ज्यामितिक अलंकरण और आकृतियां भी बनी हैं। इस प्रकार के वर्त्तन ऊपरी मेसोपोटामिया में भी मिले हैं।

Samian ware **सेमियाई भांड**

दक्षिण और मध्य गाल तथा मोसेल (Moselle) घाटी में मिले वे विशिष्ट मृद्भाड, जो पहली से तीसरी शताब्दि ई० में बनाए गए थे। ये भांड इतालवी इरिटाइन भांड के प्रतिरूप है। इन मृद्भांडो का रंग लाल और चमकीला है। इन पर सांचे या ठप्पे की क्रिया द्वारा अलंकरण हुआ मिलता है।

Samnites **सेम्नाइट लोग**

(अ) प्राचीन काल में, मध्य इटली में संघटित राष्ट्रों का संघट्ट (confederacy), जो रोमनों के विरुद्ध वीरतापूर्वक संघर्ष कर सका। इस संघट्ट ने, एपिनाइन पर्वतमाला के दोनों ओर स्थित क्षेत्रों पर अधिकार कर लिया था। मूल रूप में, यह सेमनाइट लोगों का उपनिवेश था, जिनका मुख्य व्यवसाय खेती और पशुपालन करना था। धीरे-धीरे इन्होंने अपने उपनिवेशों का विस्तार करना प्रारंभ किया। सेमनाइट लोगों तथा रोमवासियों से संघर्ष, 343 ई० पू० से 290 ई० पूर्व तक चलता रहा। 82 ई० में, रोमन राजमर्मज्ञ सुल्ला ने, सेमनाइट लोगों को परास्त कर उनके राज्य को अपने राज्य में आत्मसात कर लिया।

(आ) ग्लेडिएटर लोगों का एक वर्ग। ये लोग लंबे आकार की ढालें धारण करते थे।

(इ) दक्षिण मध्य इटली के प्राचीन लोग। ये सेबाइन लोगों की उपशाखा से संबद्ध थे।

Samoan culture — सेमोआई संस्कृति

सेमोआ के निवासी, जो पोलिनिशिया के प्राचीनतम वासी माने जाते थे सेमोआई संस्कृति के लोग अपनी स्वच्छता, बुद्धिमत्ता एवं गरिमा के लिए प्रसिद्ध थे। इनकी भाषा पोलिनिशिया की मूल भाषा रही थी।

sanctum — गर्भ-गृह

मंदिर के मध्य या छोर में स्थित वह स्थान, जिसमें प्रतिमा स्थापित हो। यह मंदिर का पवित्रतम भाग होता है।

sanctum sanctorum — 1. पवित्रतम स्थल

अन्य स्थानों की अपेक्षा सबसे पवित्र स्थान।

2. गर्भ-गृह

किसी मंदिर का मध्यवर्त्ती या उसके छोर पर स्थित वह स्थल, जिसमें मूर्त्ति स्थापित हो।

sand gravel soil — बलुई कंकरीली मिट्टी

बालू और कंकड़ों से युक्त मिट्टी।

Sandia — सेंदिया गुहा

संयुक्त राज्य अमरीका के न्यू मेक्सिको राज्य में स्थित सेंदिया गुफा। इसमें प्राप्त विशिष्ट उपकरण चूलदार और बिना नालीदार, प्रक्षेप्य वेधनी है, जिसमें केवल एक ओर स्कंध बना होता है। इसका काल 12,000-8,000 ई० पूर्व माना गया है।

sandstone — बालुकाश्म, बलुआ पत्थर

अवसादी शैल का (sedimentary rock) एक प्रकार, जो बालू और स्फटिक (क्वार्ट्ज) से बना होता है। यह सामान्यतः लाल, पीला, भूरा या हल्के श्वेत रंग का होता है।

Santa Marta urn — सेंटा मार्टा कलश

उत्तर पश्चिमी अर्जेन्टीना में विकसित 1,000 ई० के बाद की संस्कृति, जिसकी महत्वपूर्ण विशेषता वहां प्राप्त हुए शवाधान कलश है। इनमें अनेक रंगों के ज्यामितिक अलंकरण तथा कलात्मक मुख बने हैं।

sapphire — नीलम

नीले रंग का प्रसिद्ध बहुमूल्य रत्न। प्राचीन साहित्य में इसे नीलमणि कहा गया है। नीलम से बने हुए मनके प्राचीन स्थलों से प्राप्त हुए हैं।

sarcophagus **पाषाण शव-पेटिका, प्रस्तर ताबूत**

पत्थरों या पकी मिट्टी से बनी वह पेटी, जिसमें शव रखा जाता था।

प्राचीन यूनानियों द्वारा शव-पेटी बनाने के लिए प्रयुक्त चूनापत्थर, जिसमें रखा शव कुछ सप्ताह में गल जाता था। इसे 'एशियाई प्रस्तर' या 'लेपिस एसिअस' भी नाम दिया गया है। कहा जाता है कि प्राचीन लाइसिया नगर के एक्सोस स्थान में यह पत्थर मिलता था।

किसी खुले स्थान पर या तुंब में स्थापित विशाल ताबूत। प्राचीन मिस्री लोग ममी को पाषाण पेटियों में सुरक्षित रीति से रखते थे।

कालांतर में, शव-पेटिकाएं संगमरमर, मिट्टी, सीसे, लकड़ी, पोर्फिरी इत्यादि की बनाई जाने लगी। इन शव-पेटिकाओं में मनुष्य के संपूर्ण शरीर को रख कर दफ़नाया जाता था। यूनानी और रोमन काल की शव-पेटिकाओं में, देव-कथाओं के चित्र बने मिले हैं, जो तत्कालीन कला के उत्कृष्ट उदाहरण हैं। दक्षिणी भारत में, पकी मिट्टी की पशु-आकृतियों में बने ताबूत भी मिले हैं जिनके भीतर शव रख कर दफनाया जाता था। शव-पेटिका के भीतर या बाहर मृतक व्यक्ति की प्रिय वस्तुएं भी रखी जाती थीं।

Sargonid period **सारगोनिद काल**

असीरिया के उस शक्तिशाली राजवंश का काल, जिसकी स्थापना सरगन द्वितीय (722-705 ई० पू०) ने की थी। इस वंश में, सेनाचेरिब इसरहद्दन तथा असुरबनीपाल सरीखे प्रतिभाशाली और वीर शासक हुए। सरगन द्वितीय के उत्तराधिकारी सेनाचेरिब (705-680 ई० पू०) ने बेबिलोन नगर को नष्ट-भ्रष्ट कर दिया था, पर निनेवेह नगर में, उसने निर्माण-कार्य भी करवाया। यह वंश 607 ई० पू० तक चलता रहा।

Satyr **1. सेटर**

यूनानी पौराणिक कथाओं में वर्णित अर्ध देवता, जो बेकस (Bacchus) तथा डायोनिसस के अनुचर के रूप में प्रदर्शित किया जाता था। इसका रूप बहुत ही भद्दा और अरुचिकर था। बकरे के जैसे नुकीले लंबे कान, सींग और पूंछ, इसकी आकृति की विशेषता थे। इसे मद्यप और दुराचारी अर्ध देवता माना गया है। यूनानी मृद्भांडों पर बनी इसकी आकृति प्राचीन कला का श्रेष्ठ उदाहरण है।

17—387 C.H.D.(ND)/77

2. नराश्व किन्नर

भारतीय कला में, चित्रांकित नराश्वों या किन्नरों को विविध मुद्राओं और रूपों में अंकित किया गया है। इनका आधा शरीर घोड़े का और शेष आधा शरीर स्त्री या पुरुष के रूप में बना होता था। स्त्री, आकृति को किन्नरी कहा गया है। भारतीय पौराणिक साहित्य में, किन्नर को गायक तथा द्रुतगामी माना गया है।

sauce boat — **नौकाकार पात्र, डोंगा**

एक प्रकार की तश्तरी, जो आकार में नौका की तरह बनी होती थी। यह एक ओर ऊपर की तरफ उठी और आकार में लंबी होती थी तथा दूसरी ओर इसे पकड़ने का हत्था इसमें बना होता था।

Sauveterrean — **सौवेतेरिए**

फ्रांस तथा यूरोप के निकटवर्ती क्षेत्रों की प्रारंभिक मध्य पाषाणकालीन सौवेतेरिए, संस्कृति, जिसके ज्यामितिक आकार में बने उपकरण बहुत बड़ी संख्या में मिले हैं।

Scalpturatum opus — **रंगीन उत्खचित संगमरमर**

फ़र्श या दीवारों में जड़ा हुआ रंगीन संगमरमर, जिसका प्रयोग इटली में, 147 एवं 130 ई० पू० के मध्य होता रहा।

scarab — **गुबरैला ताबीज, श्रृंगाकार ताबीज**

वह ताबीज, जिस पर गोबर या अन्य मल-भोजी कीट की आकृति बनी हो। गुबरैले कीट की आकृति को प्राचीन मिस्री लोग सूर्य की प्रेरक शक्ति मानते थे। इसकी आकृति मध्य-राजवंशीयकाल मे, आभूषणों, कलात्मक वस्तुओं तथा मुद्राओं पर अंकित की जाती थी। विभिन्न पत्थरों और प्रकाचित वस्तुओं (faience) पर गुबरैले कीटों की आकृतियां बनी मिली हैं, जिसके नीचे चित्रलिपि में लेख भी उत्कीर्णित हैं। गुबरैले की आकृति को लंबाकार बना और छिद्रित कर अंगूठी, ताबीज और मनके रूप में भी प्रयुक्त किया जाता था।

scarlet ware — **लोहित भांड**

दक्षिण-पश्चिमी ईरान की दियाला घाटी में मिले प्रसिद्ध प्राचीन मृद्भांड, जिनका काल लगभग 2,900-2,370 ई० पू० आंका गया है। ये मृद्भांड मेसोपोटामिया के, आरंभिक राजवंशीयकालीन अवशेषों में भी मिले हैं। लोहित मृद्भांडों का उद्गम जेमदेत नस्र मृद्भांडो से माना गया है। इन मृद्भांडो पर, काले रंग की पृष्ठभूमि में भूरे रंग की आकृतियां बनी हैं, जिनमें

मनुष्यों के अतिरिक्त पशुओं और पक्षियों की आकृतियां भी हैं। इन पात्रों पर अनेक प्रकार के अभिकल्प बनाए गए हैं, जो तत्कालीन मृद्भांड कला के सुंदर नमूने हैं।

scauper — **उत्कीर्णक**

लकड़ी पर तक्षण-कार्य करने के लिए बना एक चपटा उपकरण, जिसकी धार वक्राकार होती है।

scena — **परिधान-कक्ष**

प्राचीन यूनानी रंगमंचों का वह पिछला भाग, जहां पर अभिनेता अपने वस्त्र बदलते थे।

भारत में, इसे 'नेपथ्य' की संज्ञा दी जाती है। यह रंगमंच के परदे के पीछे स्थित वह स्थान होता है, जहां पर नटों या अभिनेताओं की वेशरचना की जाती है।

scimitar — **खड्ग, तलवार, शमशीर**

तलवार से मिलता-जुलता एक अस्त्र, जिसका फलक (blade) उत्तल पार्श्व में वक्राकार होता है। इसका प्रयोग मुख्यतः मुसलमान, विशेषकर अरब और फारस के लोग करते थे। मथुरा में प्राप्त, कनिष्क की मूर्ति को, म्यान में रखे खड्ग को पकड़े, अंकित किया गया है।

scraper — **खुरचनी, क्षुरक, रांपी**

एक प्रकार का प्रागैतिहासिक उपकरण, जिसे अपखंडित कर चकमक पत्थर से बनाया जाता था। इसकी कार्यकारी धार अर्धवृत्ताकार होती थी। 'स्क्रेपर' का प्रयोग प्रायः काष्ठ-कर्म अथवा चमड़े को उधेड़ने के काम में किया जाता था

scratch plough — **नखर हल, आखुर हल**

प्राचीनतम हल, जिसका उद्गम और विकास कुदाल से हुआ। इस हल से मिट्टी को थोड़ासा कुरेदा तो जा सकता था, किंतु उसे पलटा नहीं जा सकता था। दक्षिण-पश्चिमी यूरोप के नवपाषाण-कालीन कुछ स्मारकों के नीचे इस प्रकार के हल द्वारा बने निशान मिले हैं।

scroll — **1. कुंडल, कुंडली**

(1) अलंकरण के लिए प्रयुक्त किसी भी प्रकार की गोलाकार संरचना।

(2) कान में पहनने की बाली; गोल बनावट का गहना, जिसे कनफटे कानों में पहना जाता है। इसे कुंडल कहा जाता है।

2. घुंडी

आयोनी, कारिंथी तथा सम्मिश्र स्तंभ-शीर्ष का मंडलाकार भाग। ऊपरी छोर पर बनी गोल आकार या नोकदार गांठ जैसी संरचना।

3. पत्रावलि

(1) पत्तों की कतारवाली या पत्र पंक्ति युक्त संरचना।

(2) पत्तों की पंक्तियोंवाला गोलाकार चित्रण।

(3) पत्रावलि का चक्रिल अलंकरण।

प्राचीन भारतीय कला में, पत्रावलि और पत्रावलि, अलंकरण का प्रयोग बहुधा मिलता है।

scroll moulding कुंडलित सज्जापट्टी

किसी भवन या कलाकृति को सजाने या अलंकृत करने के लिए बनी गोलाकार संरचना।

scroll work पत्रावलि-बेलबूटा

अलंकरण, साज-सज्जा या सजावट के रूप में प्रयुक्त मंडलाकार संरचना जिसके बीच में फल-पत्तियां बनी होती हैं।

sculp 1. तक्षण क्रिया

लकड़ी पत्थर आदि को छील, काट, तराश या उकेर कर मूर्तियां आदि बनाना।

2. शिलातक्षण

शिला को उकेरना।

sculpstone सुतक्षणीय शिला

काटने, तराशने, उकेरने और तक्षण कार्य करने के लिए उपयुक्त पत्थर की पटिया। इस प्रकार की शिला, मूर्त्ति-निर्माण के लिए उपयुक्त होती है।

तक्षण कर्म के लिए सामान्यतया सर्वाधिक दृढ़ पत्थर का प्रयोग इसलिए किया जाता है कि छेनी का प्रयोग करते समय वह अपेक्षा या आवश्यकता से अधिक विखंडित न हो। मूर्त्ति-निर्माण के लिए ग्रेनाइट, बालुकाश्म, संगमरमर आदि का प्रयोग होता रहा है।

sculptor **मूर्तिकार**

मूर्ति बनानेवाला शिल्पी। प्राचीन शिल्पियों के नाम बहुत बड़ी संख्या में प्राचीन कलाकृतियों पर अंकित मिले हैं।

sculptural canon **मूर्तिकला अभिनियम**

विभिन्न प्रकार की मूर्तियों, विशेषकर धार्मिक मूर्तियों के निर्माण विषयक सिद्धांत। प्राचीन मिस्रियों ने भी मूर्तियों के अनुपात के संबंध में नियम बनाए थे। प्राचीन यूनान में, छठी शताब्दी ई० पू० में शारीरिक अवयवों के अनुपात निश्चित कर दिए गए थे। इस संबंध में आर्गोस (450-420 ई० पू०) ने सर्वप्रथम प्रयास किया था। विट्रूवियस ने मूर्तियों के शारीरिक अनुपात को पुन: स्थापित किया।

अनेक प्राचीन भारतीय ग्रंथों में, मूर्तियों के शारीरिक अनुपात, मुद्राओं, वाहनों, इत्यादि का विशद वर्णन मिलता है। प्रतिमा-मानविज्ञान संबंधी प्राचीनतम दिनांकित ग्रंथ उपलब्ध नहीं हैं। 'वैखानसागम' में प्रतिमा-मानविज्ञान के छह ढंग मान (अनुपात), प्रमाण (चौडाई), उन्मान, परिणाम, उपमान (भीतरी भागों की नाप) तथा लंबमान बताए गए हैं। भारतीय मूर्तिकला के मानक-ग्रंथों में 'मानसार', 'शिल्परत्न', 'मयमतम', 'अपराजित पृच्छा" समरांगण सूत्रधार' आदि उल्लेखनीय हैं।

sculptural wealth **मूर्ति-संपदा**

प्राचीन सभ्यताओं से संबंधित अवशेषों में प्राप्त मूर्तियां, जो देश विशेष के प्राचीन कला-वैभव का प्रमाण होती हैं। इस प्रकार की मूर्तियों के बहुमूल्य संग्रह अनेक देशों की कला-वीथियों की शोभा बढ़ा रहे हैं।

भारतवर्ष की गंधार, मथुरा, अमरावती और खजुराहो शैली की अनगिनत मूर्तियां भारतीय कला की बहूमूल्य निधि हैं।

sculpture **1. मूर्तिकला**

प्रतिमा गढ़ने की कला;

लकड़ी, पत्थर, धातु इत्यादि को काट, उकेर या तक्षित कर, किसी व्यक्ति, देवी-देवता आदि की प्रतिकृति या काल्पनिक आकृति बनाने की प्रयोगात्मक विधा।

2. मूर्ति

लकड़ी, हाथीदांत, मिट्टी, पत्थर या धातु को तक्षित कर बनाई गई आकृति।

sculptured figure **तक्षित आकृति**

लकड़ी, पत्थर या धातु को काट, तराश, उकेर या खोद कर बनाई गई मूर्ति या अलंकरणात्मक रूपाकृति ।

scythe **दरांती**

(1) घास-फूस, फसल इत्यादि को काटने का एक औजार, जिसका फलक लंबा और वक्राकार होता है । इसकी धार तीक्ष्ण होती है।

(2) प्राचीन काल में, दरांती के आकार का एक फलक, जो युद्ध-रथों में प्रयुक्त होता था ।

Scythian people **शक जन**

हेरोडोटस द्वारा उल्लिखित वे प्राचीन यायावर जन, जिन्होंने सिमिरियाई लोगों को यूरेशिया के घास के मैदानों से निकाल बाहर कर दिया था । ये लोग वोल्गा नदी के पश्चिम में, काला सागर के उत्तर तथा अराल समुद्र के पूर्व में रहते थे । आगे चलकर इनका संपर्क यूनान से हुआ । सातवी शताब्दी ई० पू० में, इन्होंने पश्चिम एशियाई क्षेत्रों को पद दलित किया । कला के क्षेत्र में इनका पर्याप्त योगदान रहा । शक कला ने यूरोप की केल्टीय कला तथा ईरान के निकटवर्ती प्रदेश की कला को प्रभावित किया ।

यूह-ची जाति के लोगों ने शक लोगों को पराजित किया और परास्त होकर ये दोनों शाखाओं में विभक्त हो गए । एक शाखा, शक-मुरंड, कश्मीर और पंजाब के मैदानों में बस गई । दूसरी शाखा ने, बैक्ट्रिया पर अधिकार कर लिया । लगभग द्वितीय शताब्दी ई० पू० के अवसानकाल में यूह-ची लोगों से पराजित हो ये भारत आ पहुंचे । भारत में, पहला शक शासक मोअ था, जिसके इन प्रचालित सिक्के मिले हैं । शकों ने भारत के,, भीतर अनेक प्रदेशों में अपने राज्य स्थापित किए। इनके मुख्य तीन केंद्रों में तक्षशिला, मथुरा और उज्जयिनी की गणना की जाती है । शक शासकों ने, 'क्षत्रप' और 'महाक्षत्रप' की उपाधियां धारण कीं । अंतिम शक-क्षत्रप रूद्रसिंह तृतीय था, जिसे चंद्रगुप्त द्वितीय ने चौथी शताब्दी के अंतिम वर्षों में पराजित किया ।

seal **मोहर, मुहर, मुद्रा**

किसी वस्तु पर विशिष्ट चिह्न या नाम आदि अंकित करने का ठप्पा । यह धातु पत्थर, पकी मिट्टी तथा हाथीदांत का बना होता था । हड़प्पा संस्कृति के स्थलों से पत्थर और पकी मिट्टी से बनी लगभग 700 से अधिक मुद्राएं मिली हैं । इनमें लिपि और आकृतियां अंकित है ।

ठप्पा बनाने के लिए किसी उत्कीर्णित पत्थर या मनके आदि को किसी नरम मिट्टी की तरह मोटी तह पर दबा कर उसका प्रतिरूप सांचा बना लिया जाता था। सूखने और आग में पका कर दृढ़ बनाने के उपरांत ठप्पा लगाकर अन्य वस्तुओं को प्रामाणिकता प्रदान की जाती थी। सब से प्राचीन मुद्राएं चपटी होती थी, जिन्हें मिट्टी से मुद्रांकित किया जाता था। बाद में, ये बेलनाकार बनी। सब प्राचीन मुहरों के अलंकरण ज्यामितिक रूपों मे मिले हैं।

प्राचीन भारत में, शासकों तथा श्रेणियों, नगरों और ग्रामों की अपनी अपनी स्वतंत्र मुद्राएं होती थीं।

अब तक प्राप्त मुद्राओं के आधार पर मुहरों को मोटे रूप से निम्न भागों विभक्त किया जा सकता है :—

—सुमेरी बेलनाकार मुद्रा, मिस्री गुबरेलाकार तावीज, बटन-मुद्रा, मुहर की अंगूठी, मनका-मुद्रा, खानेदार मुद्रा, प्रिज्मेटिक मुद्रा (prismatic seal), वातामाकार-मुद्रा।

sealing — **1. मुद्रांकन**

किसी सांचे या ठप्पे आदि की सहायता से चिह्न आदि अंकित करने का काम।

इस प्रकार अंकित की गई वस्तु को मुद्रांकित वस्तु कहा जाता है।

2. प्रतिमुद्रा

किसी अंगूठी या मोहर से ली या लगाई गई छाप।

seal stone — **मुद्रा-पाषाण**

वह उत्कीर्णित मुहर, जिससे किसी अन्य वस्तु पर छाप लगाई जाती है। इसका प्रयोग पात्रों में अलंकरण करने के लिए भी किया जाता था।

seated image — **आसीन मूर्त्ति**

वह मूर्त्ति, जो बैठी हुई मुद्रा में हो।

भारतीय प्राचीन मूर्त्तियां प्रायः पद्मासन मुद्रा में बैठी मिली हैं।

secondary burial — **द्वितीयक शवाधान**

प्राथमिक शवाधान स्मारक के उपांत में बनाया या जोड़ा गया दूसरा शवाधान। प्राथमिक शवाधान वे हैं, जिनके शवाधान-स्मारक (जैसे, बैरो

आदि) बनाए जाते थे। इनके साथ या समीप ही दूसरे शवाधानों को बाद में बनाया या जोड़ दिया जाता था। इन्हें द्वितीयक शवाधान कहा जाता था। ये प्रायः टीले के उपांत में जोड़ दिए जाते थे।

द्वितीयक शवाधान शब्द का प्रयोग उस प्राचीन प्रथा के लिए भी किया जाता है, जिसके अंतर्गत मृत्यु के उपरांत शव को खुला छोड़ दिया जाता था। जब मृत शरीर का मांस और चर्म आदि कुछ समय में गल, सड़ जाता और केवल अस्थियां शेष रह जाती तो उन्हें अस्थि-पात्र में रखा जाता था। अस्थियों को अस्थि-पात्र में रखने की अवस्था को द्वितीयक शवाधान कहा जाता है। ताम्राश्म और महा पाषाण युगीन भारतीय संस्कृति में, इस प्रकार के शवाधानों के अनेक उदाहरण मिले हैं।

secondary flaking — द्वितीयक शल्कन

परिष्करण या चिकना बनाने के लिए किसी अपखंडित प्रस्तर-उपकरण में किया गया द्वितीयक शल्कन। प्राथमिक शल्कन में, जो कमी रह जाती थी, उसे द्वितीयक शल्कन से पूरा किया जाता था। इस शल्कन-प्रक्रिया के अंतर्गत पाषाण-उपकरण से शल्क निकाल उभरी रेखाओं (ridges) को नियमित संघात द्वारा समतल किया जाता था। प्राचीन काल में, संभवतः इसके लिए बेलनाकार अथवा हल्के हथौड़े का प्रयोग किया जाता था।

secondary working — द्वितीयक शल्कन

अन्यत्र दे० secondary flaking

section — काट

स्तरांकन प्रकट करने के लिए खड़ी खुदाई में पुरातात्त्विक अवशेषों को उजागर करने के लिए की गई काट।

section drawing — काट-आरेखण, काट-चित्रांकन

पुरातात्त्विक उत्खनन में उपलब्ध काट के स्तरांकन का आरेख तैयार करना। उत्खनन का सम्यक विवरण रखने के लिए यह उपयोगी है। इसका उपयोग विभिन्न खदानों या उत्खनित स्थलों के समन्वित अध्ययन के लिए भी किया जाता है।

sedimentary rock — अवसादी शैल, तलछटी शैल

ये परतदार चट्टानें भूगर्भीय इतिहास के वे पृष्ठ हैं, जिनकी सहायता से जीवन के विकास का अध्ययन किया जाता है। इन तलछटी चट्टानों का

निर्माण आग्नेय चट्टानों के क्षरण से होता है। निर्माण कणों की तलहटी में क्रमशः जमाव के कारण अवसादी शैलों के स्तर धीरे-धीरे बनते रहते हैं। नदी, नाले, सागर, वायु, हिम आदि में क्षरित कण धीरे-धीरे जमते हैं और कालांतर में अनेकानेक परतोंवाली चट्टानों के रूप में बदल जाते हैं। अवसादी शैलों में प्रायः ऊर्मि-चिह्न (ripple mark), पंक-दरार और जीवाश्म मिलते हैं।

अवसादी चट्टानें अनेक प्रकार की होती हैं। उदाहरणस्वरूप, बालू द्वारा निर्मित चट्टानों से बलुआ पत्थर, पथरीली मिट्टी तथा बजरी के बीच चिकनी मिट्टी आने से संगुटिकाश्म (conglomerate rock) बनता है।

segment excavation **वर्गीय उत्खनन**

उत्खनन की प्रणाली विशेष, जिसके अंतर्गत किसी टीले (earthwork) को वर्गों में विभाजित कर उसकी खुदाई क्रमशः ऊपर से नीचे की ओर की जाती है। इस प्रकार के वर्ग-विभाजित उत्खनन का उद्देश्य खुदाई-क्षेत्र के प्रत्येक वर्ग का विस्तृत विवरण रखना होता है।

Selena (=Selene) **सेलेना, सेलेनी**

प्राचीन यूनानी कथाओं में वर्णित चंद्रमा की देवी, जो टिटान हाइपेरियोन और थिया की पुत्री कही जाती थी। इसे अनिंद्य सुंदरी के रूप में, अनेक स्थलों पर चित्रित किया गया है। प्राचीन यूनान में नव चंद्र और पूर्ण चंद्र के पर्वों पर इस देवी की उपासना की जाती थी।

Semite **शामी, सेमाइट**

काकेशियाई प्रजाति के वे प्राचीन लोग, जिनके अंतर्गत मुख्यतः यहूदी, अरब, बेबीलोनी, असीरियाई फोनिशियाई और दक्षिण-पश्चिमी एशियाई अनेक वर्ग परिगणित किए जाते हैं। फोनिशियाई लोगों ने, अपनी सामी भाषा को भूमध्य-सागरीय क्षेत्र के एक बहुत बड़े विस्तृत भाग में प्रचलित और प्रसारित किया। शामी भाषाओं में, अरबी और हिब्रू सर्वाधिक प्रसिद्ध विद्यमान भाषाएं हैं।

Senones **सेनोनीज**

गॉल प्रदेश के वे प्राचीन लोग, जो एड्रियाटिक और एपिनाइन क्षेत्रों में निवास करते थे। रोमवासियों ने, लगभग 283 ई० पू० में इन्हें परास्त कर इनकी भूमि से निकाल बाहर दिया। इनका एक दूसरा वर्ग सीजर के शासन काल में मध्य गॉल में रहता था। 52 ई०पू० में हुए एक विद्रोह में, सेनोनीज लोगों ने सीजर का विरोध किया था।

Senonian Epoch **सेनोनी युग**

यूरोपीय ऊपरी क्रिटेशस कल्प (Upper Cretaceous epoch) का एक उप-विभाग या उससे संबंधित युग । क्रिटेशस कल्प का समय 7,00,00,000 से 13,50,00,000 वर्ष पूर्व माना जाता है । इस सेनोनी युग में विशाल सरीसृप लुप्त हो गए थे । आधुनिक कीटों का उद्‌भव और विकास इसी युग में हुआ ।

separate grave culture **पृथक् शवाधान संस्कृति**

वह प्राचीन संस्कृति, जिसके अंतर्गत प्रत्येक मृत व्यक्ति के लिए अलग-अलग कब्रें बनाने की रीति प्रचलित रही ।

septal stones **पट-पाषाण**

किसी शवाधान को दो खानों में विभाजित करने के लिए उस पर रखी पत्थर की पटिया । अन्यत्र दे० court cairn

sepulchre **1. मक़बरा, समाधि**

मृतक को गाड़ने या दफनाने का स्थान; वह इमारत, जिसमें क़ब्र बनी हो।

साधुओं आदि के शवों को जिस स्थान में गाड़ा जाता है, उसे 'समाधि' कहते हैं ।

2. चर्च-वेदी

(अ) मध्यकालीन गिरजाघरों में बना एक प्रकार का तुंब, जिसमे वेदी-क्रूस को 'गुड़-फ्राइडे' से 'इस्टर संडे' पर्वो के बीच स्थापित किया जाता था ।

(आ) कुछ गिरजाघरों मे चांसेल के उत्तर में बना एक छिछला ताक, जिसमें पवित्र वस्तुएं रखी जाती थीं ।

Sequani **सिक्वनी**

उत्तरी गॉल प्रदेश के वे प्राचीन निवासी, जो एडुइ (Aedui) के पूर्व स्थित क्षेत्र में रहते थे । वहां से वे अन्य स्थानों को गए । इन्होंने एरियोविस्टस तथा जर्मनों को राइन के पार आमंत्रित किया । इन्होंने 58 ई०पू० में हेलवेशी (Helvetti) लोगों को, अपने क्षेत्र में से गुजर जाने के लिए मार्ग दिया था और 52 ई० पू० में उनके साथ मिलकर सीजर के विरुद्ध विद्रोह किया था ।

Serapeum — **सीरेपिअम**

सीरेपिस देवता को समर्पित मंदिर। सीरेपिस देव-कल्पना में, ओसाइरस और एपिस की संयुक्त विशेषताएं मिलती हैं। टॉलेमी वंशीय शासनकाल में, इस देवता का बहुत अधिक महत्व और सम्मान था। सबसे प्रसिद्ध सीरेपिया मेम्फिस में स्थित था, जिसमें पवित्र एपिस वृषभों को दफनाया गया था।

Serapis — **सीरापिस**

प्राचीन मिस्री देवता, जिसकी आराधना का आरंभ टॉलेमी राजाओं के शासनकाल में, यूनान में हुआ। वहां से इसकी उपासना का प्रचार रोम में हुआ। कहा जाता है कि मृत एपिस वृषभ ही सीरापिस देवता था। यूनानी और मिस्री पूजा-परंपरा का यह सम्मिलित और समन्वित रूप था।

Sesklo style — **सेस्क्लो शैली**

पांचवी सहस्राब्दि ई० पू० में बने मध्य नवपाषाणकालीन प्रसिद्ध मृद्भांड जो महाद्वीपीय यूनान के बहुत बड़े भाग में मिले हैं। थेसेली (Thessaly) में वोलोस (Volos) के निकट सेस्क्लो. नव-पाषाणकालीन बस्ती है, जहां मिले मृद्भांडों के आधार पर सेस्क्लो शैली का नामकरण हुआ। इन मृद्भांडों के टेढ़े-मेढ़े घुमावदार प्रतिरूपों पर सुंदर श्वेत लेप के ऊपर लाल रंग के ज्यामितिक अलंकरण बने हैं, जिनसे इन मृद्भांडों का कला-सौष्टव प्रकट होता है।

Seven wonders (of Ancient World) — **(प्राचीन विश्व के) सात आश्चर्य**

प्राचीन विश्व के सात आश्चर्यों में परिगणित अद्भुत वस्तुएं हैं:—

(1) बेबीलोन के तलोद्यान (2) मिस्र के पिरामिड (3) इफेसस में स्थित डियाना का मंदिर (4) एथेंस स्थित जूपिटर की मूर्त्ति (5) रोड्स की महामूर्त्ति (6) हेलिकारनेसस का मक़बरा तथा (7) एलेक्जेंड्रिया का प्रकाश-स्तंभ।

उक्त अद्भुत संरचनाएं प्राचीन विश्व की सर्जनात्मक क्षमता और सौंदर्यबोध के साकार प्रमाण हैं।

Sgraffito — **अभिरेखण, ग्राफितो**

मृत्तिका कला में पलस्तर तथा काचित (glaze) धरातल इत्यादि की सतह को खुरच कर अलंकृत करने की प्रविधि। इस अभिरेखन विधि से अलग-अलग रंगों का धरातल उभर आता था। इस प्रकार का अलंकरण मृद्भांडो पर किया जाता था।

shadow mark

छाया-चिह्न

योजनाबद्ध पुरातात्त्विक अन्वेषण में, वैमानिक छाया-चित्रण का महत्त्वपूर्ण स्थान है। इन छाया-चिह्नों से नए पुरातात्त्विक स्थलों का अनुमान तो होता ही है, इनके आधार पर ज्ञात प्राचीन स्थलों का व्यवस्थित अध्ययन भी किया जा सकता है। जब सूर्य आकाश में नीचे की ओर होता है और टीले, प्राचीन नालियों, तटबंधों के पीछे होते हैं, तब वनस्पति से ढके हुए इन भवनों से एक विशेष प्रकार की छाया उद्भासित होती है। विमान से चित्रित इस छाया का सूक्ष्म अध्ययन कर प्राचीन स्थलों का पता लगाया जा सकता है। वैज्ञानिक छाया-चित्रण के आधार पर ही रोमन और मय लोगों की मार्ग-योजना का ज्ञान प्राप्त किया जा सका है।

shaft

1. शरदंड

भाले या तीर आदि की नोक को फंसाने का लंबा डंडा।

2. स्तंभ दंड

आधार और स्तंभ-शीर्ष के बीच का भाग।

shaft grave

गर्त्त क़ब्र

एक प्रकार का शवाधान, जिसमें मृत शरीर को एक गहरे संकरे गड्डे में दफना दिया जाता था। विश्व के अनेक भागों में इस प्रकार की प्रागैतिहासिक क़ब्रों के अवशेष मिले हैं। प्राप्त गर्त्त-क़ब्रों में, माइसीनिया की क़ब्रें विशेष रुप से उल्लेखनीय है। इस प्रकार की क़ब्रों के अवशेष विभिन्न कालों से संबंधित मिले हैं।

shaft hole axe

दंडविवर कुठार

वह प्रागैतिहासिक उपकरण, जिसमें डंडे को फंसाने के लिए छिद्र बना होता था। यह पत्थर या धातु का बना कुठार होता था। उपकरण दंड के अग्रभाग में कुठार को फंसाया जाता था और दंड पकड़ कर उससे प्रहार किया जाता था।

shaft straightener

शर-ऋजुक, बाण-ऋजुक

नवपाषाणकाल में, बाणों के दंड को सीधा करने की एक युक्ति, जिसके अंतर्गत बाण में टेढ़े-मेढ़े दंड को अस्थि या शृंग में बने सूराख के अंदर डाल या फंसा कर आग के सेंक से नम्य बना कर सीधा किया जाता था। बांसों को सीधा करने के लिए आज भी यह प्रक्रिया प्रचलित है।

Shaft tomb — **तुंब, गर्त्त-क़ब्र**

गहरे गड्ढे के रूप में बना वह शवाधान, जिसके पार्श्व उदग्र (vertical) होते थे। गर्त्त के सबसे नीचे के भाग में क़ब्र बनी होती थी। क़ब्र के रूप में बनी खाई प्रायः आयताकार होती थी। काफी गहरे तल में पाषाण-पट्ट रखकर क़ब्र को आच्छादित कर, ऊपर मिट्टी से पाट दिया जाता था। माइसीनियां में गर्त्त के पार्श्व में, एक-सवा मीटर की ऊंचाई तक रोड़ी भर दी जाती थी। प्रत्येक गर्त्त-तुंब में दो से चार शव रखे जाते थे, जो केवल शासक वर्ग के लोगों के होते थे।

shale — **मृदा प्रस्तर, सेलखड़ी**

चिकनी मिट्टी, पंक अथवा गाद (silt) के संघटन (composition) से बना सहज विदल्य शैल।

प्राचीन काल में, वर्तन आदि बनाने के काम आनेवाला चिकना और मुलायम स्तरित पत्थर; इसके खनिज आधारभूत निक्षेपण काल से ही अपरिवर्तित रहते हैं।

shell — **शंख**

समुद्र में पैदा होनेवाले बड़े आकार के समुद्री घोंघे का ऊपरी आवरण या खोल, जो फूंक मार कर बजाने के काम में आता है। यह पत्थर-सा कठोर, चिकना और सामान्यतः सफेद रंग का होता है। इसके ऊपरी पार्श्व भाग में एक छिद्र बना होता है, जिसमें मुंह से हवा फूंकने से नीचे से गर्जन के साथ आवाज निकलती है। इसका निचला भाग कर्णवत् होता है। अति प्राचीन काल से शंखों का प्रयोग होता आ रहा है। बड़े शंखों से कंगन आदि आभूषण भी काटकर बनाए जाते थे। शंखों के खंडों को जड़ कर अलंकरण हेतु प्रयुक्त किया जाता था। पूजन, युद्ध आदि अनेक अवसरों पर शंख को बजाया जाता रहा है।

भारत में, शंख को पवित्र और शुभ माना जाता है। चित्रकला, स्थापत्य-कला तथा वाद्यादि में शंख का महत्त्वपूर्ण स्थान रहा है।

shell inlay(ing) — **शंख पच्ची (कारी)**

(1) अलंकरण के लिए शंख के खंडों को सजावटी किसी पात्र या तल विशेष में जड़ने का काम।

(2) शंख को अधिक सुंदर और आकर्षक बनाने के लिए उस की बाहरी सतह को खोद कर अन्य आकर्षक रंगों या द्रव्यों का इस प्रकार जमाव करना कि वे परस्पर अंग और अंगी प्रतीत हों।

shelter — शरण, शिलाश्रय, गुहाश्रय, दरी

वे स्थान, जहां पर प्रागैतिहासिक मानव वर्षा, गर्मी-सर्दी तथा जंगली जानवरों से अपनी रक्षा के लिए रहा करते थे, जैसे प्राकृतिक गुफा या कंदरा आदि। गुहाओं और शिलाश्रयों में, उनके द्वारा प्रयुक्त उपकरण, खाद्य सामग्री के अवशेष तथा अन्य अनेक वस्तुएं मिली हैं, जिनसे तत्कालीन जीवन के विषय में महत्त्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होती है।

Shepherd king — मेषपाल-नृप

मिस्र के बारहवें और सोलहवें राजवंश कालीन रेगिस्तानी यायावर जिन्होंने मिस्र में बलात् प्रवेश किया। ये पश्चिम एशियाई लोग थे, जिन्होंने शिथिल राज्यमंडल बनाया था। यद्यपि इन्हें प्रायः 'मेषपाल नृप' कहा गया है, पर सही अर्थ में इन्हे 'विदेशी राजा' (Princes of Foreign Lands) के नाम से संबोधित किया गया। इनके शिविर-स्थल यहूदिया टीले (Tell-el-Yehudiya) का उत्खनन किया गया। लगभग 1,640 से 1,580 ई०पू० तक अवेरिस से संपूर्ण नील घाटी तक इनका शासन रहा। 1,580 ई०पू० में, अहमिज प्रथम (Aahmes I) ने इन्हें खदेड़ कर भगा दिया। इन्होंने घोड़े, रथ, खड़े करघे आदि का प्रचलन शुरू किया। इन्हें 'हिक्सस नृप' भी कहा गया है।

sherd — ठीकरा

मिट्टी के टूटे-फूटे बर्तनों के टुकड़े। प्रागैतिहासिक और प्राचीन इतिहास के क्रमबद्ध अध्ययन के लिए, उत्खननों में प्राप्त पुरातात्त्विक ठीकरों का विशेष महत्त्व है। प्रत्येक काल के मृद्भांडों की अपनी-अपनी विशेषताएं होती हैं। पुरातत्त्ववेत्ता मृद्भांडों और ठीकरों की धुलाई, उनका अंकन, वर्गीकरण, संग्रह उनकी थैलाबंदी और उन्हे पैक करने आदि की व्यवस्था करता है और अपने अध्ययन आधार पर संबंधित संस्कृति का काल-निर्धारण करता है।

Shield — ढाल

लकड़ी, कठोर चमड़ा, धातु आदि से बना रक्षात्मक साधन। प्राचीन काल में ढाले कछुए के ऊपरी भाग और गेंडे के सख्त चमड़े से बनती थी और बाद में लोहे आदि से। सामान्यतया योद्धा इसे बाएं हाथ में धारण करते थे। अनेक आकार-प्रकार की ढालें सीधी-सादी और अलंकृत मिली हैं। उत्तर-पश्चिमी यूरोप में हुए उत्खननों में कांस्य युगीन और लौह कालीन सुंदर ढालें मिली हैं। किसको मे लकड़ी से बनी अलंकृत ढाले भी मिली हैं।

short blade industry **लघु फलक-उद्योग**

प्रागैतिहासिक काल में बहुतायात से बने, अपेक्षाकृत चौड़े, मोटे तथा छोटे आकार के फलक-उपकरण, जिनके आधार पर इस प्रकार के उद्योग-स्थल निर्धारित किए जा सके। लघु फलक-उपकरणों की लंबाई प्रायः उनकी चौड़ाई से अधिक है और इनकी भुजाएं समानांतर हैं। ये फलक-उपकरण, क्वार्ट्ज फ्लिण्ट तथा चर्ट आदि से बनाए जाते थे।

shoulder **स्कंध**

मिट्टी आदि से बने बर्तन का वह ऊपरी भाग, जो उस की अंवठ या ग्रीवा के भाग को उसके मुख्य भाग से जोड़ता है।

shovel **खनित्र, बेलचा**

पुरातात्विक उत्खननों में, मिट्टी को उखाड़ने और खोदने के काम में आनेवाला उपकरण। इसका फाल चौड़ा और आगे की ओर से धारदार होता है। इसे पकड़ने के लिए इसमें एक लंबा दंड लगा होता है। खनित्र अनेक आकार-प्रकार के बने होते हैं।

Siboi **शिवि जन**

वीर जनजाति विशेष के लोग, जो सिकंदर के काल में उस 'रचना' दोआब क्षेत्र के निवासी थे, जो आधुनिक झंग जिले में स्थित है। ये लोग चर्म वस्त्र धारण करते थे और इनका मुख्य हथियार गदा था। सिकंदर के आक्रमण का इन्होंने डटकर सामना किया था।

शिवि जनों का अपना स्वतंत्र गणराज्य था। इनकी मुद्राओं पर शिवि जनपद का नाम अंकित था। इनके सिक्के अधिकतर चित्तौड़ की निकटवर्ती प्राचीन मध्यमिका नगरी के समीप मिले हैं।

sickle **हंसिया, दरांती**

अति प्राचीन धारदार उपकरण, जो घास-फूस, वनस्पति और फसल आदि काटने के काम आता था। प्रागैतिहासिक काल में, इसे चकमक पत्थरों से बनाया जाता था और इसकी मूठ लकड़ी या हड्डी की बनी होती थी। फिलिस्तीन की नतूफी संस्कृति में इसके अवशेष मिले हैं।

पश्चवर्ती युग में हंसिए, कांसे और लोहे की धातुओं से बनने लगे। और लौह काल में इनका रूप निश्चित हो गया।

side chopper **पार्श्व खंडक, टोंका, गंडासा**

मोवियस के अनुसार, "विशाल रूक्ष स्क्रेपर और क्रोड़ पर बने-बड़े आकार के स्क्रेपरों को 'चापर' कहा जाता है।" पार्श्व खंडक या पार्श्व चापर में कार्यांग केवल किनारे की ओर बना होता है।

siderography **अयस् उत्कीर्णन, लोहाश्म उत्कीर्णन**

लोहे पर उत्कीर्ण करने की कला या प्रक्रिया।

side-scraper **पार्श्व क्षुरक, पार्श्व क्षुरणी, पार्श्व खुरचनी**

प्रागैतिहासिक पाषाण-उपकरण क्षुरक या खुरचनी का एक प्रकार। इस प्रकार का उपकरण प्रायः मोटे शल्क (flake) या क्रोड की लंबी भुजा पर हुए परिष्करण से बनते थे। इस उपकरण की कार्यकारी धार पार्श्व में होती है। इसलिए इसे पार्श्व क्षुरक कहा जाता है।

sigil **1. मुद्रा**

किसी वस्तु या द्रव्यादि पर चिह्न, प्रतीक या नाम आदि अंकित करने की ठोस वस्तु। यह प्रायः किसी कठोर लकड़ी, पत्थर या धातु से बनती थी। हाथी दांत और मिट्टी की बनी मुद्राएं भी मिली हैं।

मुद्राओं का प्रयोग, विश्व के अनेक भागों में, आद्यैतिहासिक काल से होता आ रहा है।

2. जादू-चिह्न

आकृति या मूर्त्ति, विशेषकर ऐसी खगोलीय आकृति, जिसे जादू-टोने की प्रक्रिया में, नक्षत्रों की शक्ति से युक्त माना जाता है।

sigillate **मुद्रांकित**

(अ) मुद्रा-चिह्न से युक्त सामग्री या वस्तु।

(आ) ठप्पे लगाकर अलंकृत किया हुआ (मृद्भांड आदि)।

sigillography **मुहर विद्या**

मुहरों के उद्भव, विकास, प्रयोग-व्यवहार, आकार-प्रकार, उनकी निर्माण-प्रक्रिया, अलंकरणात्मक उपयोगिता तथा आधिकारिक महत्ता आदि के व्यवस्थित विवेचन से युक्त ज्ञान-सामग्री।

silhouette **छायाकृति**

ऐसा रेखा-चित्र या किसी आकृति का वह प्रतिरूप, जिसमें मूल रूप विशेष की बाह्य-रेखाओं को अंकित किया जाता है । मानव-छायाकृति में, उसका बाहरी आकार तो अंकित कर दिया जाता है, पर केश, नासिका, मुख, ओष्ट, नख इत्यादि नही बनाए जाते हैं । प्रागैतिहासिक गुफाओं एवं कंदराओं में मानवों और पशुओं के अनेक छाया-चित्र बने मिले हैं ।

silica **बालू, सिकता, सिलिका**

सिकता या बालू, सिलिका का ही अशुद्ध रूप है । सिलिका को, बढ़िया श्वेत चूर्ण और कोलाइडी रूप में परिवर्तित किया जा सकता है ।

Silures **सिल्यूरी जन**

प्राचीन काल में, दक्षिणी वेल्स के एक विस्तृत क्षेत्र के निवासी केल्ट लोग । इन्होंने रोम के लोगों का कड़ा प्रतिरोध किया । अंततः सन् 80 ई० में, उन पर रोम के लोगों का आधिपत्य स्थापित हो गया और सिल्यूरी लोगों की राजधानी वेन्टा सिल्यूरम (venta silurum) रोम-सभ्यता का केंद्र बन गई । सिल्यूरी लोगों के केश छोटे, काले और घुंघराले थे । इनका संबंध संभवतः आईबेरियाई प्रजाति से रहा होगा ।

Simeon **सिमिअन**

इज़राइल के प्राचीन क़बीलों में से एक कबीला या इसके परंपरागत पूर्वज । सिमिअन कबीले के लोगों का जूडा के दक्षिणी छोर पर आधिपत्य था ।

Sinanthropus (=Peking man) **चीनी मानव, पेकिंग मानव, सिनेन्थ्रोपस**

चीन में, पेकिंग नगर से 61 किलोमीटर दूर चोउ-कोउ-तिएन नामक गुफा मे प्राप्त अवशेषों के आधार पर अन्वेषित और प्रतिपादित चीनी मानव, जिसे 'पेकिंग मानव' भी कहा जाता था । इसकी खोज सन् 1,929 ई० में डब्लू० सी० पेई नामक चीनी विद्वान ने की। इन मानव के चालीस अस्थि पंजर, सन् 1,937 ई० में खोज कर निकाले गए । यह अनुमान किया जाता है कि इस मानव का मस्तिष्क-कोष 1,075 धन सेंटीमीटर क्षेत्र में व्याप्त था । यह तथ्य भी ज्ञात हो चुका है कि पेकिंग मानव अग्नि तथा पाषाण-उपकरणों के प्रयोग से परिचित था ।

site card **स्थल-कार्ड, स्थल-पत्रक**

पुरातात्विक उत्खनन में प्राप्त हुई वस्तुओं के वैज्ञानिक अध्ययन के लिए वस्तु तथा प्राप्ति-स्थल का मोटे कागज या कार्ड पर रखा गया विवरण, जिसमें

क्रम से स्थल, स्तर, प्राप्त वस्तु, क्रमसंख्या, दिनांक, विवरण, सामग्री, माप तथा आरेख-चित्र विषयक सूचना उल्लिखित की जाती है। उत्खनन के पूर्ण हो जाने पर पुरातत्त्ववेत्ता और इतिहासकार इस विवरण के आधार पर विवेच्य वस्तु का विस्तृत और व्यवस्थित विवेचन करते हैं।

skeuomorphic pattern — **पात्र- उपकरण अलंकरण**

उपकरण या भांड की आकृति से युक्त एक प्रकार का डिजाइन या अभिकल्प।

skewer — **शलाका, सींख, सींक**

धातु की बनी पिन, लोहे आदि की बनी लंबी सलाई या केश-चिमटी।

slab grave — **शिलापट्ट-समाधि, शिलाच्छादित समाधि**

एक प्रकार की प्रागैतिहासिक क़ब्र, जिसमें मृतक को गाड़ने के निमित्त बने गर्त्त के ऊपर ढकने के लिए पाषाण-खंड रखे जाते थे।

slag — **1. धातुमल**

गलाने पर निकला हुआ धातु का मैल।

2. स्लैग

ज्वालामुखी से निकला सुषिर लावा।

sling — **गोफना, स्लिंग**

प्रागैतिहासिक काल से प्रयुक्त प्राचीन उपकरण। यह छींके की तरह बना एक प्रकार का जाल होता था, जिसमें पत्थर और ढेले आदि को रख और वेग से घुमाकर प्रहार करने के लिए फेंका जाता था इसे ढेलवांस भी कहा जाता है।

sling ball — **गोफन-गोली**

ढेलवांस में प्रहार के लिए रखी गोली या पत्थर का टुकड़ा। प्राचीन काल में, मिट्टी को गोलाकार बना कर आग में पकाया जाता था, फिर पकी गोली का प्रयोग ढेलवांस में किया जाता था।

sling stone — **गोफन पत्थर**

पत्थर के छोटे टुकड़े या गुटिकाश्म, जिन्हें गोफन या ढेलवांस में रख कर फेंका जाता था।

slip — **मृदा-लेप, चिकनी मिट्टी का घोल**

वर्त्तनों के ऊपर चिकनी मिट्टी का लेप। मिट्टी के वर्त्तनों को आग में पकाने से पूर्व, उन पर मिट्टी के घोल का लेप किया जाता था। इसके दो उद्देश्य होते थे। पहला भांड की खुरदरी सतह को रंगना तथा अलंकृत करना। दूसरा, वर्त्तन को अधिक जलसह बनाना। प्रागैतिहासिक काल से इस प्रविधि का प्रयोग वर्त्तनों को अलंकृत करने के लिए होता रहा है।

slipped pottery — **लेपित मृद्भांड**

वे मिट्टी के वर्त्तन, जिन्हें अलंकृत करने और अधिक जलसह बनाने के लिए, चिकनी मिट्टी के पतले लेप से लेपित किया जाता था।

socket — **कोटर, साकेट**

वह खोखला भाग या छिद्र, जिसमें किसी दूसरी वस्तु के भाग को अटकाया जाता है। सामान्यतः इसका एक सिरा अवरुद्ध या बंद रहता है।

sod — **तृणमृदा**

घास-फूस, जड़ी-बूटी, वनस्पति आदि के जमा होने से बना मिट्टी का स्तर।

Sohan industry — **सोन उद्योग**

पंजाब और उत्तर-पश्चिमी भारत का वटिकाश्म उपकरण या चॉपर उपकरण उद्योग। पूर्व-सोन उद्योग को, प्रो० डी० टेरा ने, भारत का सबसे आदिम उपकरण उद्योग माना है। द्वितीय अंतर्हिमानी युग में, आरंभिक सोन उद्योग पनपा, जिसके अंतर्गत वटिकाश्म उपकरण, स्क्रेपर तथा शल्क (flake) आदि बने, जो क्लेक्टोनी तथा लवाल्वाई (Levalloisian) उपकरणों के समान थे। तृतीय हिमयुग में, उत्तर सोन उद्योग के उपकरण भी मिलते हैं, जिनमें दो तरह के (1) सादे तथा (2) परिष्कृत शल्क है।

Solomon's seal (=David's shield) — **1. सुलेमान की मुहर; स्वस्ति यंत्र**

एक प्रकार का रहस्यमय प्रतीकात्मक चिह्न, जो सीधे और उल्टे त्रिकोण को एक दूसरे पर अंतर्ग्रथित कर बनता था। यंत्र में नीचेवाला त्रिकोण गहरे रंग में बना तथा ऊपरवाला सादा होता था। इसका प्रयोग व्याधियों के विरुद्ध रक्षा के लिए कवच के रूप में किया जाता था।

2. सुलेमानी अंगूठी

प्राचीन लोक-कथाओं मे वर्णित चमत्कारी अंगूठी, जिसमें जड़ी मणि के माध्यम से सुलेमान दूर-दूर स्थित स्थानों और व्यक्तियों को देखा करता था।

Solutrean culture — **सोल्यूत्री संस्कृति**

पूर्व पुरापाषाणयुगीन उद्योग, जिसका नामकरण फ्रांस के प्रसिद्ध स्थान 'सोल्यूत्र' पर हुआ। मग्दाली उद्योग इससे पूर्ववर्ती उद्योग था।

सोल्यूत्री सस्कृति के विकास की तीन प्रावस्थाएं मानी जाती हैं। पूर्व सोल्यूत्री काल में, पाषाण-उपकरण फलक रूप में बने थे और उनका ऊपरी भाग ही तक्षित होता था। मध्य सोल्यूत्री काल के विशिष्ट रूप से पतले फलक, लारेल पत्ती के समान और भाले जैसे मिले हैं। ये प्राय: 50.8 मिलिमीटर से ·3048 मीटर तक आकार के होते थे। उत्तर सोल्यूत्री स्तरों में प्राप्त उपकरण, विलो पत्ती के आकार से मिलते-जुलते हैं। इस संस्कृति की गुहा-कला के भी अवशेष मिले ह, जिनमें उभरी कला-कृतियां पर्याप्त प्रसिद्ध हैं।

sondage — **1. तलावगाहन**

भूतल के नीचे के स्तरों का अनुक्रम ज्ञात करने के लिए गहरी खाई खोद कर किया गया व्यवस्थित उत्खनन-कार्य। यह प्रविधि उस स्थिति में बहुत उपयोगी होती है, जब सही स्तरीय-तकनीक का प्रयोग तथा सही ढंग से स्तरांकन किया गया हो।

2. टोह

भूमिगत स्तरों का ज्ञान प्राप्त करने के लिए किया गया आरंभिक खोज कार्य।

spatula — **प्रलेपनी**

चौड़े और पतले फलकवाली, सामान्यत: अस्थि की बनी छुरी जैसी वस्तु, जिसे मृद्भांडों की पालिश करने, रंगों को फैलाने आदि अनेक कार्यों में प्रयुक्त किया जाता था।

spear — **1. बल्लम, नेजा**

प्राचीन काल से प्रचलित अस्त्र विशेष, जिसका दंड लंबा तथा अगला भाग लकड़ी का बना और नुकीला होता है। युद्ध और आखेट के समय प्राय: इसका प्रयोग किया जाता था।

प्रागैतिहासिक काल में, पत्थर के बने भाले के फल का आकार सामान्यत: पत्ती के आकार जैसा होता था। कांस्य युग म कांसे के बने अनेक प्रकार के भाले बनते थे। लोहे का आविष्कार होने के बाद बल्लम, नेजे आदि लोहे के बनने लगे।

2. शूल

नुकीला भाग;

काल में प्रचलित मृत्यु-दंड देने का एक औजार।

speleology **गुहा-विद्या**

गुफाओं की रचना, उनके प्रकार, विकास आदि का व्यवस्थित ज्ञान करानेवाली विद्या।

speos **शैल मंदिर, शिला मंदिर**

(अ) प्राचीन मिस्र का गुफा मंदिर।

(आ) किसी चट्टान को काटकर बनाया गया गुफा जैसा मंदिर या इसी प्रकार की अन्य संरचना।

sphinx **स्फ़िक्स**

प्राचीन मिस्र की वे विशालकाय आकृतियां, जिनका धड़ शेर का, सिर मानव और कहीं-कहीं मेंढे का भी बना माना जाता था। विशालतम स्फ़िक्स मूर्ति मिस्र में गाजा स्थित पिरामिड है, जो 52.4256 मीटर लंबी और 20.1168 मीटर ऊंची है। स्फ़िक्स की आकृतियां, प्राचीन असीरिया, फोनिशिया तथा यूनान में हुए उत्खननों में मिली हैं। मिस्री लोग इन आकृतियों को तुंब-स्थलों और देवालयों का रक्षक मानते थे।

sphragistics **मुहरशास्त्र**

मुद्राओं और उनसे संबद्ध इतिहास, काल, वैशिष्ट्य, प्रतीक-चिह्न आदि क्रमबद्ध और वैज्ञानिक अध्ययन संबंधी विद्या।

spoke shave **1. गोल रंदा, गोल खुरचनी**

दोनों ओर दो मुठियोंवाला आरा, जिसे छीलने के काम में लाया जाता है। छोटे व्यास की घुमावदार वस्तुओं पर इससे रंदा किया जाता है।

2. छीलन

समतल बनाने के लिए गोल खुरचनी द्वारा किया गया कार्य।

square method **वर्ग-रीति, वर्ग-प्रणाली**

पुरातात्त्विक उत्खनन की एक मुख्य प्रविधि, जिसके अंतर्गत उत्खननक्षेत्र को अंकन तथा निरीक्षण के लिए पृथक-पृथक वर्गों में विभक्त किया जाता है। बाद में, इन वर्गों को क्रमशः खोदा जाता है। सामान्यतः तीन मीटर के वर्ग में लगभग .6096 मीटर चौड़ी पगडंडी का स्थान छोड़ कर शेष क्षेत्र को उत्खनित किया जाता है। खूंटियां गाड़े हुए वर्ग, प्रायः अंकन और निरीक्षण के आधार पर बनाए जाते हैं; जिनका उपयोग उत्खनन कार्येतर प्रलेखन के लिए किया जाता है। इस प्रकार की खूंटियों से विभक्त वर्ग एक दिशा (जैसे पूर्व से पश्चिम) में अक्षरों

में और दूसरी दिशा (जैसे उत्तर से दक्षिण में) संख्याओं से नामांकित किए जाते हैं, जैसे—क 1, क 2त और क 3।

stadial phase **स्टेडियल प्रावस्था, हिमावर्तन प्रावस्था**

वह प्रावस्था, जिसके अंतर्गत हिमावर्तन काल मे, तापमान न्यूनतम होने के साथ-साथ चारों ओर हिम का विस्तार भी हो जाता था। हिमावर्तन काल मे, तापमान में, जलवायुगत उतार-चढाव होते थे। उस क्षेत्र विशेष को, जहा तापमान न्यूनतम और चारों ओर हिम का विस्तार हो जाता था, हिमावर्तनी प्रावस्था का क्षेत्र कहा जाता है। प्रत्येक हिमावर्तन प्रावस्था अंतः हिमावर्तन कालों में होती थी।

stage **चरण**

(अ) किसी काल के अनेक उपविभागो मे से एक।

(आ) किसी काल विशेष के विकास के गौण-उपविभाग।

(इ) भू-स्तर शृंखलाओं का गौण उपविभाजन।

statuary **1. मूर्तिकार**

मुर्ति-शिल्पी; मूर्त्ति गढ़ने या बनानेवाला कारीगर।

2. मूर्तिकला

प्रतिमा बनाने या गढनेवाली विद्या; बुत बनाने का हुनर।

3. मूर्त्ति-संग्रह, मूर्त्ति समूह

मूर्त्तियों को स्थान विशेष में सुरक्षित रखने के लिए की गई व्यवस्था।

statue **मूर्ति, प्रतिमा**

मिट्टी, धातु, पत्थर, अस्थि, काष्ठ आदि ठोस पदार्थ से बनी तक्षित या प्रतिरूपित आकृति।

statue menhir **मूर्ति एकाश्म**

स्तंभ जैसा लंबा-चौड़ा और वर्गाकार पत्थर का खंड, जिसमें मानव-आकृति खोदकर प्रायः बनाई जाती थी। एक ही विशाल प्रस्तर खंड से बनी इस प्रकार की मूर्तियां यूरोप के अनेक क्षेत्रों से मिली है, जिनको उत्तर नवपाषाण कालीन और आरंभिक धातु युगीन माना जाता है। एकाश्म प्रस्तर से बनी इन मूर्तियों को वस्त्र एवं शस्त्रास्त्र धारण किए दिखाया गया है। मूर्ति

एकाश्म स्मारक, मुख्यतः इटली, कोर्सिका और दक्षिण-पश्चिमी फ्रांस में प्राप्त हुए हैं।

भारत में, इस प्रकार की प्रतिमाएं वस्त्र, आवरण तथा आयुध सहित प्रचुर मात्रा में मिली हैं।

statuette — **मूर्तिका, लघु प्रतिमा**

छोटे आकार की प्रतिमा, जो काय-परिमाण (life size) की अपेक्षा लघु होती है।

stele — **शिलापट्ट, उत्कीर्ण शिलापट्ट**

शिला-खंड या पाषाण-स्तंभ, जिसे प्रायः यूनानी लोग शवाधान-प्रस्तर के रूप में प्रयुक्त करते थे। कभी-कभी इन शिलापट्टों पर आकृतियां, लेखादि अंकित किए जाते थे। इन्हें चित्रित भी किया जाता था। एथेंस के हेगेसो (Hegeso) नामक स्थान में प्राप्त उत्कीर्ण शवाधान शिलापट्ट कला का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।

भारत में, इस प्रकार के शिलापट्ट मौर्य युग से ही विविध रूपों में मिले हैं। साहित्य में, इन्हें 'शिलापट्ट' और 'आयागपट्ट' कहा गया है। चित्तौड़ के समीप, नगरी नामक स्थान में प्राप्त हुए मौर्यकालीन शिलालेख को 'पूजा शिला' की संज्ञा दी गई है।

step flaking — **सोपान-शल्कन**

प्रागैतिहासिक काल मे, उपकरणो को अधिक सुडौल तथा उनके कार्यांगों को अधिक तीक्ष्ण बनाने के लिए प्रयुक्त अनेक विधियों में अपेक्षाकृत अधिक विकसित प्रविधि, जिसके अंतर्गत उपकरण से छोटे-छोटे शल्क इस प्रकार निकाले जाते थे कि उपकरणों की आकृति सीढ़ीनुमा हो जाती थी। ये शल्क इस प्रकार निकाले जाते थे कि एक शल्क के शंकु का गड्ढा दूसरे शल्क का आघात-मंच (striking platform) बन जाता था और इससे बनी आकृति सीढ़ीनुमा होती थी।

step flaking technique — **सोपानपद शल्कन प्रविधि**

प्रागैतिहासिक मानव द्वारा प्रयुक्त तकनीक, जिस का प्रयोग उपकरणो को अधिक विकसित तथा सुडौल बनाने के लिए किया जाता था। इसके द्वारा उपकरण के कार्यांग को अधिक नुकीला बनाया जाता था। असमांग प्रस्तरों पर

यह प्रविधि अधिक कारगर होती थी। इसमें पत्थर से छोटे आकार के शल्क इस प्रकार निकाले जाते थे कि एक के शंकु का गड्ढा दूसरे शल्क का आघात मंच बन जाता था। इस शल्कन-प्रक्रिया के परिणामस्वरूप सोपान ी तरह आकृति बन जाने के कारण इसे सोपानपद शल्कन प्रविधि कहा गया।

steppe phase **स्टेपी प्रावस्था**

मानव-सभ्यता के विकास की वह अवस्था, जिसमें पूर्वी यूरोप से एशिया के मध्य भाग तक फैले विस्तृत घास के मैदानों में रहनेवाले यायावर लोग पशुओं को घास चराया करते थे। जहां-जहां हरियाली और घास की अधिकता होती, वहा-वहां ये लोग अपने-अपने पशुओं के झुंडों सहित पहुंच जाते थे। पश्चवर्ती युग में, ये यायावर लोग पशुचारण अवस्था से निकलकर निकटवर्त्ती स्थानों में स्थायी रूप से बस गए और इन्होंने कृषि करना सीख लिया। मानव-सभ्यता के विकास में, स्टेपी प्रावस्था का पर्याप्त योगदान रहा है।

step pyramid **सोपान-पिरामिड**

मिस्र के सक्करा (Saqqara) नामक स्थान में, मेमफिस के निकट बना सीढीनुमा विशाल स्मारक, जो आधुनिक नगर कैरो से लगभग 32 किलोमीटर दक्षिण की ओर स्थित है। इसका निर्माण मिस्र के तृतीय राजवंश के प्रथम शासक जोसर (लगभग 2,800 ई० पू०) ने करवाया था। इस पिरामिड के उत्तरी छोर में, शवाधि-स्थल (mortuary temple) एवं एक छोटा-सा आवृत्त-कक्ष बना हुआ है, जिसमें जोसर की चूना पत्थर की आसीन मूर्ति मिली है। यह पिरामिड स्थानीय नुमुलाइटिक चूने-पत्थर से बनाया गया था, जिसमें तूरा की खानों के स्निग्ध श्वेत चूने-पत्थर को बाहर से लगाया गया है। उपलब्ध स्मारकों में यह प्राचीनतम स्मारक है।

sterile ground **बंजर जमीन, अनुवर भूमि**

वह भूमि, जिसमें रेह अधिक होने या अन्य किसी कारण से उपज न होती हो। इस प्रकार की ऊसर भूमि खेती के लिए अनुपयुक्त होती है, किंतु पुरातात्त्विक उत्खनन की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण हो सकती है।

sterile layer **अनुर्वरता-स्तर, आवास चिह्न विहीन स्तर**

पुरातात्त्विक उत्खनन में मिला वह स्तर, जिसमें मानव-आवास का चिह्न न हो।

stile **खड़ी पट्टी**

(1) किसी बाड़ या दीवार पर चढ़ने या उस पर से उतरने के लिए बनी सीढ़ी। उत्खनित खदानों में, चढ़ने-उतरने के लिए इस प्रकार की सीढ़ियां बनाई जाती हैं।

(2) किसी दिल्लेदार दरवाजे के जड़ाव के लिए बनी छड़।

stirrup **रकाब, पादाधार, पदाधान**

अश्वारोहण में प्रयुक्त लोहे का बना और नीचे की ओर लटकता पायदान, जिसमें पैर फंसा कर घोड़े पर चढ़ने और उससे उतरने तथा सवारी करने में सहूलियत होती है। मथुरा कला में, अश्वारोहिणी युवती का रकाबयुक्त चित्रण संभवतः सबसे प्राचीन है। यह चित्र अमरीका के बोस्टन संग्रहालय में सुरक्षित है।

stone age **प्रस्तर युग**

मानव-संस्कृति के विकास की वह दीर्घावधि, जिसमें मनुष्य पत्थर, लकड़ी तथा हड्डी के उपकरणों, अस्त्रों आदि का प्रयोग-व्यवहार करता था। इस युग को मुख्यतः तीन भागों में विभाजित किया जाता है; (1) पुरापाषाण काल (2) मध्यपाषाण काल (3) उत्तर नवपाषाण काल। सबसे प्राचीन ज्ञात पाषाण उपकरणों को उषः पाषाण उपकरण (eoliths) कहते हैं। प्रस्तर युग का विकास विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग समय में हुआ। इस युग के उपरांत कांस्य युग का सूत्रपात हुआ।

stone circle **प्रस्तर वृत्त**

अनेक लंबे एवं खड़े पाषाण-खंडों की सहायता से बनी वह गोलाकार संरचना, जिसे आदिम या प्राचीन मानव धार्मिक कार्यों के लिए बनाते थे। प्रस्तर वृत्त के सबसे प्रसिद्ध उदाहरण इंग्लैंड के एविबरी तथा स्टोनहेंज स्मारक हैं। इस प्रकार के खड़े पत्थरों को किसी टीले, डोलमेन या अन्य किसी संरचना के चारों ओर गोलाकार घेरे के रूप में स्थापित किया जाता था। यूरोप में ये प्रायः कांस्ययुगीन हैं। इस प्रकार के स्मारक बनाने की प्रथा प्रागैतिहासिक यूरोपीय ब्रिटिश द्वीप-समूह तक ही सीमित थी। दक्षिण भारत के महाश्म स्मारकों में भी प्रस्तर वृत्त की संरचना मिलती है। इनका निर्माण भारत में नवाश्म युग से मिलता है।

stone collar **प्रस्तर हंसली**

मेक्सिको, वेस्ट इन्डीज और विशेषकर प्यूरटो-रिको में मिला विशाल पत्थर का बना छल्ला । प्रस्तर हंसली का औसत भार 24 किलो होता है। कभी-कभी इन छल्लों पर व्याघ्र, सर्प तथा अनेक प्रतीक-चिह्न अंकित मिलते हैं। प्राप्त नमूनों का आकार प्राय: खुली घुड़नाल जैसा है । किसी-किसी हंसली का मुंह बंद भी मिला है ।

stone dressing **प्रस्तर-तक्षण, संग तराशी**

पाषाण खंडों को छेनी-हथौड़े आदि से काट-छांट कर गढ़ने, समतल बनाने और तक्षित करने का कार्य ।

stone engraving **शिला-तक्षण, प्रस्तर-तक्षण**

पत्थर या शिला को खोदकर मूर्ति-आकृति बनाने या उस पर तक्षण कर लेख अंकित करने का कार्य ।

Stonehenge **स्टोनहेंज**

इंग्लैंड के विल्ट शायर स्थित प्रागैतिहासिक महापाषाण स्मारक, जो वास्तुकला की दृष्टि से अद्भुत है। एक ही स्थल पर तीन विभिन्न कालों में बने ये स्मारक खड़े और गाड़े गए ऐसे पत्थरों का समूह है, जिनके ऊपर क्षैतिजिक स्थिति में एक पत्थर रखा गया था । आरंभ में, इस स्मारक में, दो समकेंद्रिक वृत्त बने थे, जिसमें छोटे प्रस्तरों की दो पंक्तियां थीं तथा मध्य में बलुआ पत्थर का खंड रखा था। इन स्मारकों का उद्देश्य धार्मिक कार्यों का संपादन करना था।

स्टोनहेंज की प्रथम प्रावस्था का काल, नवपाषाणकालीन गौण मृद्भांडों के आधार पर 1,900-1,700 ई० पू० माना गया है। द्वितीय प्रावस्था का काल, चंचुकार मृद्भांड के आधार पर, 1,700-1,550 ई० पू० माना जाता है। तृतीय प्रावस्था का काल 1,500-1,400 ई० पू० माना गया है ।

stone implement **प्रस्तर उपकरण**

मनुष्य द्वारा बनाए गए पत्थर के औजार। अनुमान है कि इनके बनने से पूर्व, लकड़ी और हड्डियों से उपकरण बनते रहे होंगे । पत्थरों के बने उपकरणों में, सबसे प्राचीन उपकरण वटिकाश्म है, जिनसे हस्तकुठार-संस्कृति विकसित हुई । संपूर्ण प्रस्तर उपकरणों को प्राय: तीन प्रमुख उद्योगों में विभाजित किया जाता है :—

(1) वटिकाश्म उद्योग (2) क्रोड उद्योग तथा (3) शल्क उपकरण

उद्योग। इन औजारों में लघु पाषाण उपकरणों का महत्त्वपूर्ण स्थान है। ये दो वर्गों में विभाजित हैं—(1) अज्यामितिक तथा (2) ज्यामितिक उपकरण। इनके निर्माण के लिए विभिन्न पाषाण कालों में, अलग-अलग प्रकार की तकनीकों का प्रयोग किया गया। प्रस्तर उपकरण-निर्माण के तीन प्रमुख काल हैं—पुरापाषाण काल, मध्यपाषाण काल तथा नवपाषाण काल।

stone inscriptions **शिलालेख**

वह तक्षित और आधिकारिक आज्ञा, आदेश, उपदेश या संदेश, जो पत्थर की पटिया पर अंकित हों। कहीं-कहीं इन शिलालेखों में शासकीय उपलब्धियों, सैनिक विजयों और प्रमुख घटनाओं का भी उल्लेख मिलता है। पत्थरों पर लेख उत्कीर्ण करने की प्रथा विश्व के अनेक भागों में प्राचीन काल से चली आ रही है। यही कारण है कि प्राचीन इतिहास को जानने के लिए शिलालेख महत्त्वपूर्ण साधन माने जाते हैं। प्राचीन भारत के सैकड़ों शिलालेखों से तत्कालीन इतिहास के संबंध में महत्त्वपूर्ण सूचना-सामग्री समय-समय पर प्राप्त हुई है।

storage bin **बखार**

प्राचीन काल से प्रचलित रहा एक प्रकार का भंडार-केंद्र, जिसमें खाद्यान्न आदि को संगृहित और सुरक्षित रखा जाता है। यह एक बड़े गोल घेरे या विशाल आकार के पात्र के रूप में बना होता था।

storage jar **संचय घट, संचयी घट**

वह भांड या बर्तन, जिसमें वस्तुएं इकट्ठी कर रखी जाती हैं, विशेषकर अन्न या तरल पदार्थों को सुरक्षित रखने का बड़ा और चौड़ा घड़ा। प्राचीन काल के बने विशाल आकार के मिट्टी के बर्तन खुदाई में मिले हैं।

stratification **स्तरण**

एक परत पर दूसरी परत होने की अवस्था, स्तरित होने की प्रक्रिया, स्तरों या परतों में होना।

stratified excavation **स्तरित उत्खनन**

पुरातात्त्विक उत्खनन में, भू-स्तरों के उत्खनन का वह तरीका, जिसमें भूमि की सतहों अथवा स्तरों को क्रमबद्ध रीति से खोदा जाता है। इस उत्खनन का मूल सिद्धांत यह है कि पृथ्वी के धरातल के नीचे, यदि कोई उथल-पुथल नहीं हुई हो तो निम्नतम स्तर प्राचीनतम होता है और ऊपर के स्तर पर प्राप्त वस्तु, निम्न स्तर पर प्राप्त वस्तु की अपेक्षा पश्चवर्ती काल

की होगी। स्तरों के उत्खनन के समय पुरातत्त्ववेत्ता को काफी सजग रहना पड़ता है।

stratigraphical evidence — स्तर-प्रमाण

पुरातात्त्विक उत्खनन में, भूमि की विभिन्न परतों से प्राप्त प्रमाण, जिसके आधार पर स्थल का काल, विकास-क्रम आदि का अनुमान लगाया जाता है।

stratigraphical sequence — स्तर-अनुक्रम

भूमि के नीचे दूसरी परत का होना; स्तरों का अनुक्रम।

stratigraphic method — स्तर-विधि, स्तर-निर्धारण-विधि

पुरातात्त्विक उत्खनन में प्रयुक्त वह विधि, जिसके अंतर्गत स्तरीकरण-निर्धारण द्वारा विभिन्न सभ्यताओं के विकास-क्रम का ज्ञान प्राप्त होता है। इसके अनुसार, यदि पृथ्वी के धरातल के नीचे किसी प्रकार की उथल-पुथल नहीं हुई हो तो निम्नतम स्तर पर प्राप्त वस्तु सबसे प्राचीन और ऊपर के स्तर में प्राप्त वस्तु अपेक्षाकृत नवीन होगी। जब किसी स्तर में सिक्के, अभिलेख या किसी काल विशेष के विशिष्ट मृद्भांड आदि मिलते हैं तो उनसे काल-निर्धारण में बहुत अधिक सहायता मिलती है।

stratigraphic pit — स्तरित गर्त

पुरातात्त्विक उत्खनन में, स्तरों के मध्य आनेवाले गर्त्त, जो एक या अनेक स्तरों के कटाव से बने होते हैं। गर्त्त में प्राप्त वस्तुओं का समय गहराई के आधार पर निर्धारित किया जा सकता है। सामान्यतया गर्त्त विशेष का संबंध, उस स्तर विशेष से होता है, जिसकी परत इसे ढकती है। ढकनेवाले स्तर के साथ-ही-साथ गर्त्त के तल तक विद्यमान संपूर्ण सामग्री अलग कर दी जाती है और उसके बाद उत्खनन-कार्य जारी रखा जाता है।

stratigraphic record — स्तर-अभिलेख

पुरातात्त्विक उत्खनन-कार्य में भूमि की परतों के विवरण, स्तरों के रंग, उनकी गहराई, प्राप्त-वस्तु, मिट्टी आदि की रासायनिक विशेषताओं आदि का लिखित विवरण। उत्खनन के उपरांत, इनके आधार पर पुरातत्त्वशास्त्री और इतिहासकार विस्तृत अध्ययन करते हैं। खुदाई के बाद, स्थल अनुक्रम के नष्ट हो जाने के बाद भी स्तर की वास्तविक स्थिति का विवरण स्तर-अभिलेखन से लिपिबद्ध रहता है।

stratigraphy — **1. स्तरिकी, स्तर-क्रम विज्ञान**

वह व्यवस्थित ज्ञान या प्रायोगिक विज्ञान, जिसके अंतर्गत शिला के स्तरों और मिट्टी की विभिन्न परतों या सतहों को उभार और उनकी व्याख्या कर प्रत्येक स्तर का काल-निर्धारित किया जाता है।

2. स्तर-विन्यास

अनुक्रम या स्थिति को ध्यान में रखते हुए स्तरों या सतहों की क्रमिक व्याख्या।

stratum — **स्तर**

पुरातात्त्विक उत्खनन में प्राप्त स्तर

striae (=stria) — **धारियां**

किसी कुड्य-स्तंभ, स्तंभ, वर्त्तन या मृण्मूर्त्ति आदि पर बनी खड़ी पट्टी या पट्टियां।

strigil (=foot rubber) — **झांवा, झामक**

पैर की एड़ियों या शरीर के किसी भाग में जमे मैल को रगड़कर उतारने के लिए बना या बनाया गया मिट्टी, पत्थर, धातु, हाथीदांत इत्यादि का छोटा खंड। भारतवर्ष में, प्राचीन काल से जली हुई ईंटों तथा पकी मिट्टी के झांवों से रगड़-रगड़ कर पैर साफ करने का प्रचलन रहा है। प्राचीन यूनान और रोम में भी झामक का प्रयोग होता था। सिंधु सभ्यता के केंद्रों, मथुरा, कौशाम्बी आदि में ऐसे झामक मिले हैं, जिनमें से कुछ पर मानव, पशु-पक्षी आदि की आकर्षक आकृतियां अंकित हैं।

striking platform — **प्रहार-पट्ट, आघात-मंच**

किसी प्रस्तर के क्रोड का वह भाग, जिसके ऊपर आघात कर शल्क या फलक निकाले जाते हैं। आघात-स्थल अकृत्रिम तथा कृत्रिम दो प्रकार के होते हैं। अकृत्रिम आघात-स्थल अनगढ़ होते हैं। प्राचीन काल में, फलकित आघात-स्थल को गढ़ कर चौरस बनाया जाता था। इस प्रकार के आघात-स्थल ल्वालवाई उद्योगों में बनाए जाते थे। आघात-स्थल का निर्माण भी एक या अधिक शल्कों को निकाल कर किया जाता था।

striking tool — **आघात औजार, आघात उपकरण**

प्रागैतिहासिक काल में प्रयुक्त पत्थर के वे औजार, जिनसे दूसरे उपकरण बनाने के लिए पाषाण खंडों पर प्रहार किया जाता था। इस प्रकार के उपकरणों में हथौड़े की परिगणना की जा सकती है।

string grid **रज्जु-जालक**

क्षेत्रीय उत्खनन में प्रयुक्त प्रविधि विशेष, जिसके अंतर्गत रज्जु की सहायता से संपूर्ण क्षेत्र को अनेक वर्गों में इस प्रकार बांट दिया जाता है कि वर्गों का जाल जैसा बन जाए। अन्यत्र दे० grid.

strip method **पट्टी पद्धति**

किसी बृहत क्षेत्रीय उत्खनन में पर्यवेक्षण के लिए बनाया गया अभिकल्प या खाका। इसके अंतर्गत पहले लंबी खदान खोदने के उपरांत उसकी मिट्टी को समीपवर्त्ती खाई में सीधे फेंक दिया जाता है। इसी तरह यह क्रम चलता रहता है।

इस पद्धति का सबसे बड़ा दोष यह है कि अध्ययन के लिए काटी गई अनुदैर्ध्य (longitudinal) मूल पत्ते सदैव के लिए विलुप्त हो जाती हैं और फिर स्थल को समग्र रूप से नहीं देखा जा सकता। नई प्रविधियों के प्रचलन के बाद अब यह प्रविधि प्रयोग में नहीं आती।

stucco **1. गच, गारा**

चूने-सुर्खी को कूटकर बनाई हुई पक्की फर्श या दीवारों पर गारे से किया गया लेप या पलस्तर।

2. गचकारी

चूने-सुर्खी से बनाई गई वह लेप-सामग्री जो, दीवारों और फर्श पर, पलस्तर करने के काम में लाई जाती है। आधुनिक भवनों में पलस्तर के लिए सीमेंट, बालू और चूने का प्रयोग किया जाता है। मसाले में पानी डाल और गारा बना कर उसे कन्नी की सहायता से लगाया जाता है।

stucco figure **चूने की बनी मूर्ति**

चूने के मिश्रण से बनी मूर्ति। गांधार कला में इस प्रकार बनी मूर्तियां विशेष उल्लेखनीय हैं।

submarine archaeology **समुद्रगर्भीय पुरातत्व**

नदी या समुद्र के तल के नीचे दबी प्राचीन वस्तुओं की खोज और उत्खनन से संबंधित विज्ञान। इस विज्ञान के क्रमिक विकास के साथ-साथ आधुनिक युग में समुद्रगर्भीय पुरातत्व के क्षेत्र में अनेक प्रविधियों का प्रयोग हुआ है। इस प्रकार का खोज-कार्य भूमध्यसागरीय क्षेत्र में, श्रेण्य पोतावशेषों के संबंध में किया गया और समुद्री व्यापार के संबंध में पर्याप्त महत्वपूर्ण सूचना-

सामग्री प्राप्त हुई । समुद्रगर्भीय खोज में प्रागैतिहासिक एवं माइसिनियाई जहाजों के ध्वंसावशेष मिले हैं ।

substratum **1. अधिष्ठान**

किसी वस्तु के प्राप्त होने का वह स्थान, जहां वह किसी अन्य वस्तु के नीचे दबी पड़ी हो ।

2. अधःस्तर

भूमि की वह परत, जो दूसरी परत के नीचे स्थित हो ।

sub-triangular point **उपत्रिकोणात्मक वेधनी**

पाषाण-वेधनी का प्रागैतिहासिक प्रकार । यह उपकरण आकार में तिरछा और कुंठित पार्श्वांत फलक जैसा होता है । यह अधिक संकरा होता है । इसके दोनों ओर बनी लंबी भुजाएं कार्यकारी धार की ओर अधिक चौड़ी तथा तिरछी कुंटित होती हैं । इस वेधनी के कुंदे के सिरे खंडित होते हैं । खंडित भाग से बहुत ही छोटी भुजा बनती है । यह भुजा उपत्रिकोण की तरह की आकृति बनाती है ।

Sumerian **सुमेरी**

(1) सुमर के निवासी । प्राचीन मेसोपोटामिया के दक्षिणी छोर पर स्थित सुमेर, विश्व की एक प्राचीनतम सभ्यता का केंद्रस्थल है । इसके उद्भव का इतिहास अज्ञात है । इसकी बस्तियों के अवशेष पांचवी सहस्राब्दी ई० पू० के इरिडू (Eridu) में मिले हैं । तृतीय सहस्राब्दी ई० पू० में, सुमेर देश बारह नगर-राज्यों में विभक्त था । सुमेरी लोगों ने कीलाक्षर लिपि और छह इकाइयों पर आधारित गणित-प्रणाली को विकसित किया । अनेक भवनों के निर्माण के साथ-साथ इन्होंने कला, साहित्य और धर्मशास्त्र में विशेष प्रगति की ।

(2) सुमेरवासियों की योगात्मक भाषा सुमेरी, जो मूलतः फरात नदी की निचली घाटी में प्रचलित थी । कीलाक्षर लिपि में लिखी इस भाषा के अकीरी सुमेरी शब्द का प्रयोग उन्नीसवीं शताब्दी से प्रचलित हुआ । यह भाषा असीरी-बेबीलोनी भाषा से अलग थी ।

Sumerian culture **सुमेरी संस्कृति**

प्राचीन सुमेर की आद्यैतिहासिक संस्कृति, जिसने भौतिक तथा सांस्कृतिक क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की थी । अन्यत्र दे० Sumerian.

sun-disc — रश्मि-मंडल

सूर्य देवता का प्रतीक वृत्त, जिसमें सूर्य की किरणों को निकलते हुए दिखाया जाता है। यूरोपीय कांस्य युगीन इस प्रकार की रचनाएं कांसे के अलावा सोने से बनी भी मिली है। मिस्र में यह प्रतीक-चिह्न, रा और यूरेनस के लिए प्रयुक्त हुआ है। दक्षिण-पश्चिमी एशिया में असुर-देव और अहुर-मज्द के प्रतीक रूप में, रश्मि-मंडल का प्रयोग किया गया था।

भारतीय मूर्ति कला में, मूर्तियो क पीछे भामंडल का रूप भी रश्मि-मंडल है। सती-स्तंभो आदि पर सूर्य के रश्मि-मंडल का अंकन मिलता है। भारतीय आहत मुद्राओं तथा पांचाल जनपद की मुद्राओं पर सूर्य का भी मंडल प्रदर्शित किया गया है।

superimposed building — अध्यारोपित भवन

किसी भवन के ढह जाने के उपरांत उसके अवशेषों पर निर्मित भवन।

superimposition — अध्यारोपण

प्रारंभिक स्तर के ऊपर एक या अनेक स्तरों का जमाव। भारत के प्राचीन शिलागृहों तथा परवर्त्ती चित्रकला में, इस प्रकार के अध्यारोपण के उदाहरण मिले हैं।

surface indication — धरातल-संकेत

किसी क्षेत्र विशेष की भूमि की ऊपरी संरचना पर दृष्टिगोचर संकेत या चिह्न, जिनके आधार पर किसी प्राचीन स्थल को खोजने में सहायता मिलती है। सामान्यतया भू-स्तर की ऊपरी रचना, यथा—वनस्पति छाया, मृदा-चिह्न तथा छाया-चिह्न इत्यादि द्वारा भूमि के नीचे की स्थिति का अनुमान किया जाता है। यदि किसी भूमि के नीचे कोई इमारत दबी हो तो उसके ऊपरी भाग पर वनस्पति अपेक्षाकृत कम होती है। सूर्य के मंद प्रकाश में, धरातल के लिए गए चित्रों में भी धरातल-संकेत मिलते हैं। मृद्भांडों, मूर्तियों, सिक्कों, शिला-लेख आदि में भी धरातल-संकेत मिलते हैं।

surface inspection (method) — पृष्ठ-निरीक्षण (प्रणाली), तल-निरीक्षण (प्रणाली)

किसी पुरातात्विक स्थल की खोज करने के लिए भूमि के धरातल का अध्ययन। इसके लिए वनस्पति, छाया, मृदा-चिह्न, छाया-चिह्न आदि का अध्ययन कर स्थानीय पुरानुमान किया जाता है। कभी-कभी भूमि के अंदर आघातक [illegible] द्वारा भूगर्भ की आंतरिक स्थितियों का ज्ञान प्राप्त किया जाता है।

Swanscombe man **स्वान्सकोंबे मानव**

इंग्लैंड के केंट क्षेत्र में, स्वान्सकोंबे स्थान में मिले प्राज्ञ-मानव (homo-sapiens) से मिलते-जुलते करोटि (skull) के अवशेष, जिन्हें मास्टर्न नामक विद्वान ने, सन् 1,935 ई० में, द्वितीय अंतर्हिमयुगीन स्तरों में खोज निकाला। प्राप्त कपाल किसी ऐसी स्त्री का है, जिसकी आयु लगभग बीस वर्ष की रही होगी। अनेक विद्वानों का यह मत है कि यह खोपड़ी नियंडरथल मानव से कुछ-कुछ मिलती-जुलती है।

Swastika symbol **स्वस्तिक प्रतीक**

अति प्राचीन काल से प्रयुक्त मंगल चिह्न, जिसे आज भी शुभ अवसरों पर, दीवारों, मूर्त्तियों आदि पर अंकित किया जाता है। अलंकरण के लिए भी इस चिह्न का यत्र-तत्र प्रयोग हुआ है। यूनानी क्रूस की आकृति इस जैसी है, अंतर केवल इतना है कि यूनानी क्रूस के बाहुओं के छोर समकोण में मुड़े रहते थे। धार्मिक चिह्न के रूप में, स्वस्तिक का प्रचलन भारत, फारस, जर्मन, चीन, जापान तथा उत्तरी तथा दक्षिणी अमरीका आदि अनेक देशों में रहा है। आज भी यह चिह्न अनेक देशों में सुख-समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। यूरोपीय देशों में, इस प्रतीक के कांस्य युगीन अवशेष मिले हैं।

भारत में, आद्यैतिहासिक काल से इस चिह्न का प्रयोग चित्रकला, मूर्त्तिकला के अतिरिक्त सिक्कों, मुहरों आदि के निर्माण में मिला है। भारत तथा अन्य अनेक देशों में, स्वस्तिक का प्रयोग दक्षिणावर्त्त और वामवर्त्त दोनों रूपों में मिलता है।

swinging blow technique **दोलाघात प्रविधि**

प्रागैतिहासिक पाषाण उपकरण निर्माण की अनुमानित तकनीक, जिसका सर्वप्रथम उल्लेख फ्रांसीसी पुरातत्त्ववेत्ता श्रायल ने किया। इस तकनीक के अंतर्गत प्रागैतिहासिक मानव पत्थरों को तोड़ने के लिए, एक भारी पत्थर को डोर या तांत से बांध कर, उसे पत्थर की निहाई पर झूले की तरह टकराता था। बार-बार निहाई से टकराने पर पत्थर विखंडित हो जाता था। इस पद्धति की जटिलता के कारण लीके महोदय ने, इसके प्रयोग किए जाने पर संदेह व्यक्त किया है। इस पद्धति से मनचाहे शल्क निकालना वस्तुतः दुरुह कार्य है।

sword **खड्ग, असि, शमशीर, तलवार**

अति प्राचीन काल से प्रयुक्त, विशेषतः लोहे से बना, लंबा तेज धारदार हथियार। इसे पकड़ने के लिए इसमें एक ओर मूठ बनी होती है। भारतीय

चित्रकला व मूर्तिकला में विभिन्न आकार-प्रकार क खड्गों, तलवारों आदि का निरूपण हुआ है। उत्खननों में प्राप्त आयुधों में भी तलवारों आदि के विवध रूप मिले हैं।

syncretic form सम्मिश्र रूप, संश्लिष्ट रूप, सम्मजित रूप

दो या अधिक संप्रदायों के आराध्य-देवों का समेकित समन्वित रूप, यथा --हरिहर, हिरण्य-गर्भ, योगनारायण, अर्धनारीश्वर आदि।

syncretistic icon संश्लिष्ट-मूर्त्ति, सम्मिश्र मूर्त्ति, संहति मूर्ति

विभिन्न धर्मो एव संप्रदायों मे पारस्परिक सद्भाव तथा सामंजस्य स्थापित करने के उद्देश्य से विभिन्न संप्रदायों की देव-प्रतिमाओं का संश्लिष्ट रूप, जैसे—वैष्णव और शैव संप्रदायों में एकता स्थापित करने के लिए हरिहर की एकीकृत मूर्त्ति, शैव और शाक्त संप्रदायों का एकीकृत रूप अर्धनारीश्वर मूर्त्ति। हिंदुओं और बौद्धों में धर्मगत पारस्परिक विद्वेष निवारण के लिए शिवलोकेश्वर रूप और बुद्ध विष्णु का योगनारायण रूप मिलता है।

syrinx सुरंग-तुंब

प्राचीन मिस्री मकबरों में, शिलाओं को काटकर बनाया गया एक प्रकार का संकीर्ण गलियारा, जिसमें से ऊपर बने तुंब में प्रवेश किया जाता था।

T

table-stone (=dolmen) महापाषाण स्मारक, डोलमेन

विशाल पत्थरों से बने प्रागैतिहासिक समाधि-स्मारक, जिनमें एक या अधिक बड़ी और खड़ी शिलाओं पर दूसरी शिला छत्र की तरह टिकी होती थी।

tablet 1. पट्ट, तख्ती, सिल्ली

प्राय: लघु आकार का समतल पट्ट, पाषाण-खंड या छोटी सिल्ली, जिस पर लेख या आकृति तक्षित हो। इस प्रकार की पट्टी, पत्थर, मिट्टी या किसी धातु की बनी होती है।

भरहुत तथा सांची में अधिलिखित पट्टिकाएं बहुत अधिक संख्या में मिली हैं।

2. टिकिया

उत्खनन में प्राप्त मिट्टी की बनी लघु टिकियां, जो रेखांकित या चित्रित हों।

Tablet of homage **आयाग-पट्ट**

जैन धर्म में, पूजा-अर्चा के लिए प्रयुक्त प्रायः वर्गाकार या आयताकार शिलापट्ट, जिसके मध्य में तीर्थंकर की लघु प्रतिमा बनी होती है और प्रतिमा के चारों ओर अनेक मांगलिक प्रतीक और अलंकरण भी बने होते हैं। मथुरा में प्राप्त हुए अनेक आयाग-पट्टों पर ब्राह्मी लेख मिले है।

परवर्ती आयाग-पट्टों पर चौबीस तीर्थंकरों की प्रतिमाएं, जिन्हें 'चौबीसी, की संज्ञा दी जाती है, मिलती है।

table tomb **पटल-समाधि, पटलाकार समाधि**

प्राचीन रोम के भूगर्भित शवाधानों में बना आयताकार प्रस्तर तावूत जिसे दीवारों के नीचे इस प्रकार बनाया जाता था कि कब्र ऊपर से आच्छादित भी की जा सके।

tabulatum **दारुकर्म, काष्ठकर्म**

प्राचीन रोम में, लकड़ी की बनी फर्श, आभ्यंतरिक दीवार, अंतश्छद, वारजा या इसी प्रकार की अन्य बहिर्गत संरचना के लिए प्रयुक्त शब्द।

tachymeter **उत्सेधमापी, टैकीमीटर**

पुरातात्त्विक सर्वेक्षण में प्रयुक्त उपकरण विशेष, जिसके द्वारा दूरी, दिशा, ऊंचाई और स्थिति आदि विषयक ज्ञान प्राप्त किया जाता है।

tang **चूल, टैंग**

भाले या तीर जैसे धारदार उपकरण के ठीक नीचे बना संकरा भाग, जिसमें दंड को फंसाने के लिए छिद्र बना होता था। अनेक प्राचीन भाले और बाणाग्र इस प्रकार के मिले हैं। क्षुरिकाएं भी इसी प्रकार बनी मिली है, जिनको पकड़ने के लिए उनमें मूठ बनी होती थी।

tankard **पानपात्र**

मूलत. पानी लाने-ले जाने के लिए बना नांद की तरह का एक बर्तन। आगे चलकर यह एक बड़े आकार के प्याले के रूप में बनाया जाने लगा, जिसमें रखकर तरल पदार्थ को पिया जाता था। पकड़ने के लिए इसमें हत्था और पेय पदार्थ को ढकने के लिए कब्जेदार ढक्कन बना होता था।

tapestry **चित्रपट**

हाथ से बुना मोटा कपड़ा, जिसकी बनावट में, विभिन्न आकृतियां, लता बेलबूटे आदि बने हों। प्राचीन काल से ही इस प्रकार के वस्त्र का प्रयोग पर्दे बनाने और फर्नीचरों को मढ़ने के काम में किया जाता था। भारत म, मंदिरों की दीवारों पर बुने हुए वस्त्र के चित्रित पर्दों को लगाया जाता था। पुस्तकों को सुरक्षित रखने के लिए मोटे वस्त्र के बस्ते भी बनाए जाते थे।

Tardenosian culture **तार्देनोजी संस्कृति**

दक्षिण-पश्चिमी तार्देनोएज नामक स्थल के उत्खनन के परिणामस्वरूप ज्ञात हुई प्रागैतिहासिक संस्कृति, जो स्पेन, फ्रांस, बेल्जियम, ब्रिटेन, दक्षिणी एवं मध्य जर्मनी, पोलेंड तथा रूस में भी प्रचलित रही है। इस मध्यपाषाणकालीन संस्कृति का आरंभ काल 6,000 ई० पू० माना जाता है। इस संस्कृति के प्रमुख उपकरणों में, अनेक समलंबी बाणाग्र, चकमक के छोटे-छोटे शल्क तथा लघु पाषाण उपकरण है।

प्राप्त सामग्री के आधार पर कहा जा सकता है कि इस संस्कृति के लोग आखेटक होने के साथ-साथ कंदमूल-फल खाकर भी जीवन-निर्वाह करते थे। इन्होंने पशु-पालन भी आरंभ कर दिया था।

Tasian beakers **तासी बीकर, चंचुआकार प्याला**

चिड़िया की चोच के आकार जैसे कोनेवाले प्याले, जिन्हें बडेरियाई संस्कृति से पूर्ववर्ती मिस्र के ताम्रपाषाणकालीन युग का माना जाता है।

पूर्व राजवंशकालीन ताम्रपाषाण संस्कृति, जिसका उद्गम-स्थान देर तासा (Deir Tasa) था, चंचुआकार प्यालों के लिए प्रसिद्ध है। ये प्याले प्रागैतिहासिक कला के श्रेष्ठ उदाहरण हैं।

Tasian civilization **तासी सभ्यता**

मिस्र की पूर्व राजवंशीय ताम्रपाषाण कालीन सभ्यता, जिसका नामकरण ऊपरी मिस्र के एक स्थान देर-तासा के आधार पर हुआ। तासी सभ्यता वस्तुतः बडेरियाई संस्कृति का स्थानीय रूप है।

taxonomy **वर्गिकी, वर्गीकरण-विज्ञान**

वस्तुओं को अलग-अलग श्रेणियों में विभाजित करने विषयक सिद्धांत। पुरातात्त्विक उत्खननों में प्राप्त अलग-अलग प्रकार के उपकरणों, मृद्भांडों

तथा अन्य वस्तुओं को उनके काल, आकार-प्रकार आदि के आधार पर इस प्रकार अलग-अलग वर्गों में विभाजित कर दिया जाता है, कि उनका व्यवस्थित अध्ययन किया जा सके।

tectiform **तंबूरूप**

प्रागैतिहासिक मानवों द्वारा गुफाओं की दीवारों पर तंबूनुमा पर्ण-शालाओं की आकृति। इन चित्रों से यह ज्ञात होता है कि पाषाणकालीन मानव ने, तंबूओं का बनाना सीख लिया था।

tectonic disturbances **विवर्तनिक विक्षोभ**

भूमि की पर्पटी (crust) की संरचना में भूचाल, विस्फोट आदि से उत्पन्न स्तर-क्रम में गड़बड़ी।

telamon **नराकृति-स्तंभ**

प्राचीन यूरोपीय भवनों में प्रयुक्त एक प्रकार का स्तंभ या कुड्य स्तंभ, जिसमें पुरुष की आकृति तक्षित हो।

भारतीय स्थापत्य कला में, पुरुषों और स्त्रियों की आकृतियां स्तंभों पर उत्कीर्णित मिली हैं। राजिम के प्राचीन मंदिरों के नराकृति-स्तंभ उल्लेखनीय हैं।

temenos **मंदिर-प्रांगण**

वह पवित्र घेरा या बाड़ा, जिसमें यूनानी मंदिर बना होता था।

tempera **समारंजन, टेंपरा, डिस्टेंपर**

रंगने की प्रविधि विशेष, जिसमें तेल के स्थान पर ऐल्बूमिनी के माध्यम का प्रयोग किया जाता था। इसके लिए अंडे का सफेद एवं पीला भाग, अंजीर का दूध, शहद तथा गोंद के मिश्रित लेप का प्रयोग अन्य सामग्रियों के साथ चित्रणार्थ बनाए गए धरातल की सतह पर किया जाता था। इस प्रकार की प्रविधि का प्रयोग प्राचीन भित्तिचित्रों में मिलता है।

अजंता और बाघ के चित्रों में समारंजन शैली का प्रयोग किया गया है।

tempered sword **पानी चढ़ी तलवार**

वह तलवार, जिस पर रासायनिक प्रक्रिया द्वारा सोने, चांदी आदि का मुलम्मा किया गया हो।

temple — **मंदिर**

वह भवन या स्थान, जहां पर पूजा-अर्चा के लिए, किसी देवी-देवता या अवतार आदि की मूर्ति, उसके पवित्र प्रतीक, चिह्न या अवशेष स्थापित हो।

temporal art — **ऐहिक कला**

पारलौकिक, धार्मिक या आध्यात्मिक कला से भिन्न, भौतिक उद्देश्यों, स्थितियों या पदार्थों का प्रतिरूपण करनेवाली कला।

teocalli — **पिरामिडाकार मंदिर**

प्राचीन मैक्सिको में विशेष प्रकार के मंदिर, जो खंडित पिरामिडाकार टीलें के ऊपरी भाग में बने होते थे।

तेनोचितितलान में, अजटेक विशाल मंदिर को 'तियोकेली' नाम दिया गया है।

terminal flat base — **अंतस्थ समतल उपकरण**

समतल या चौरस पाषाण-उपकरण, जिसका आकार प्रायः अंडाकार, कार्यांग सीधा, किंतु उत्तल होता है। अंतस्थ समतल उपकरण का एक सिरा भग्न होता है।

terp — **टीला**

फिजियाई और जर्मन लोगों द्वारा उत्तरी हालैंड एवं जर्मनी के तटवर्ती क्षेत्रों में बनाए गए वे कृत्रिम टीले, जिनमें प्राचीन बस्तियों के अवशेष मिले हैं। इन टीलों के उत्खनन में, मिट्टी तथा धातु के बर्तनों के अतिरिक्त लकड़ी तथा चमड़े की बनी वस्तुओं के अवशेष भी मिले हैं, जो तत्कालीन सभ्यता के परिचायक हैं।

terracotta — **1. पकी मिट्टी, पक्व मृत्तिका**

आग में पकी मिट्टी।

2. मृण्मूर्ति

मिट्टी की बनी मूर्ति, जो आग में पकी हो।

terracotta figure — **मृण्मूर्ति**

मिट्टी की बनी मूर्ति, जिसे आग में रख कर पक्का रूप दिया जाता था। भारत और अनेक प्राचीन देशों में, पकी मिट्टी की बनी मानव तथा पशु-पक्षियों की मूर्तियां मिली हैं। भूमध्य सागरीय क्षेत्र और सिंधु घाटी की सभ्यता में कुछ ऐसी नारी प्रतिमाएं भी मिली हैं, जिन्हें मातृ देवी कहा जाता है।

मौर्य-काल से लेकर गुप्त काल तक बनी बहुसंख्यक मृण्मूर्त्तियों को देखने से ज्ञात होता है कि इनमें से कुछ पूजा के लिए देवमूर्त्तियों के रूप में बनी होंगी और कुछ अलंकरण अथवा मनोविनोद के लिए ।

मिट्टी की बनी मूर्त्तियां पीले या लाल रंग से रंगी मिली हैं । मथुरा, राजघाट, कौशांबी, बक्सर आदि स्थानों से विविध रंगों में चित्रित मृण्मूर्त्तियां मिली हैं । अहिच्छत्र से प्राप्त गंगा, शिवपार्वती की मृण्मूर्त्तियां कलात्मक और उत्कृष्ट हैं ।

Terramara culture — **जलस्थल संस्कृति, टेरामारा संस्कृति**

बोलोग्ना और परमा के मध्यवर्त्ती कांस्ययुगीन टीलों के लिए प्रयुक्त स्थानीय शब्द 'टेरामारा' जल-स्थलीय संस्कृति का प्रतीक है । इटली की पो घाटी में स्थित, टेरामारा बहुत समय तक कूड़ेकर्कटों के निक्षेप-स्थल के रूप में प्रयुक्त होता रहा । निक्षेप-स्थल से प्राप्त हुए अवशेषों के आधार पर यह माना गया है कि इस जलस्थल-संस्कृति के जनक द्वितीय सहस्राब्दि (मध्य कांस्य-युग) में डेन्यूब क्षेत्र से इटली को गए, जहां उन्होंने कलश-शवाधान प्रथा का आरंभ किया । इनके कांस्य (निर्मित) पंखाकार कुठार, दोधारी चाकू आदि कांस्य कला के उत्कृष्ठ उदाहरण हैं । इस संस्कृति ने, अपनी पूर्वावस्था में, पिनी संस्कृति को प्रभावित किया था ।

Terra Sigillate — **टेरा सिगिलेट, आकृतियों से अलंकृत पात्र**

(अ) दक्षिण और मध्य गाल तथा मोसेल (Masselle) घाटी में प्राप्त हुए पहली से तीसरी शताब्दी ई० में बने मृद्भांड । इन में ठप्पे की सहायता से अलंकरण किया जाता था । इन्हें सेमियाई भांड कहा जाता है । मिट्टी के ये बर्त्तन लाल रंग के बने होते थे और इनका धरातल चमकीला होता था ।

(आ) रोमन साम्राज्य के काफी विस्तृत क्षेत्र में प्रचलित लाल रंग के काचित (glazed) मृद्भाण्ड, जिनमें अलंकरण के लिए अनेक प्रकार की आकृतियां बनी होती थीं ।

terrazzo — **टेराज़ो, मणिकुट्टिम**

संगमरमर तथा अन्य पत्थरों के छोटे-छोटे खंडों को, किसी आसंजक द्रव्य में मिलाकर बनाया गया एक प्रकार का फर्श । यह उल्लेख्य है कि फर्श पर गारे के जम जाने के उपरांत चमक लाने के लिए फर्श को घिसा जाता था ।

terrestrial deposit

स्थलीय निक्षेप

भूमि पर वायु, समुद्र, नदी, सरोवर आदि के प्रवाह द्वारा बने अवसादी (sedimentary) निक्षेप।

tessera (=tessara)

1. कुट्टिम गुटिका, कुट्टिम-खंडक

संगमरमर, कांच इत्यादि का एक वर्गाकार खंड, जिसका प्रयोग दीवार तथा फर्श आदि को अलंकृत करने के लिए किया जाता था।

2. पांसा

प्राचीन रोम में प्रयुक्त हाथीदांत, हड्डी, काष्ठ आदि की छोटी और चौकोर घनाकृति, जिसका प्रयोग जुए का पासा बनाने में किया जाता था। संस्कृत में, इन्हें 'अक्ष' की संज्ञा दी गई है। इनके चार पार्श्वों पर वृत्ताकार चिह्न अंकित होते थे।

test digging

परीक्षणोत्खनन, परीक्षणार्थ उत्खनन, जांच-खुदाई

किसी पुरातात्त्विक उत्खनन की प्रारंभिक स्थिति में, जांच के तौर पर खदान या गर्त्त खोदना। इस खुदाई से भूमि के नीचे स्थित प्राचीन अवशेषों का पता लगाया जाता है। इस प्रकार का उत्खनन किसी स्थल विशेष की विस्तृत जानकारी से पूर्व परीक्षण के रूप में किया जाता है।

test pit (=trial trench)

परीक्षणगर्त्त, जांच गर्त

वह गड्ढा, जिसे किसी पुरातात्त्विक स्थल का पता लगाने के लिए खोदा गया हो। परीक्षणाधीन क्षेत्रों में, स्थान-स्थान पर इस प्रकार की खुदाई कर प्राचीन स्थलों का पता लगाया जाता है।

tetrapylon

चतुर्द्वारी

चार प्रवेश-द्वारों से युक्त वास्तुकलात्मक संरचना।

theodolite

थियोडोलाइट, सर्वेक्षण-यंत्र

भू-स्थल के क्षैतिजाकार और कभी-कभी लंबवत् कोणों को मापने के लिए प्रयुक्त उपकरण विशेष, जिसमें दूरबीन के साथ एक घूमनेवाला तल तथा क्षैतिज कोणों को नापनेवाला 'वर्नियर' लगा रहता है। इसमें आमतौर पर एक क्षैतिज दिक्सूचक यंत्र भी लगा रहता है। इस यंत्र का प्रयोग पुरातात्त्विक सर्वेक्षण में विशेष महत्त्वपूर्ण है।

therlomorphic god — पशुरूप देव

पशु-देव; पशुओं की आकृतियों में बने देव; यथा, विष्णु का अवतार पशुवराह, नृसिंह आदि ।

thermae (=thermal) — जन-स्नानागार

प्राचीन रोमन लोगों द्वारा जनता के लिए बनाए गए स्नानगृह, जिनमें गर्म पानी की भी व्यवस्था होती थी । इस प्रकार के सार्वजनिक भवनों, का निर्माण अग्रिप्पा (63 ई० पू०–12 ई० पू०) के काल से आरंभ हुआ । इस प्रकार की सबसे बृहदाकार संरचना रोम में बनी, जो आज भग्नावस्था में है । कराकल्ला का जन-स्नानागार (Thermae of Caracalla) सबसे महत्त्वपूर्ण प्राप्त अवशेष है ।

भारत में, राजगृह तथा बद्रीनाथ आदि स्थानों में गर्म पानी से युक्त जन-स्नानागार विद्यमान हैं ।

thermoluminescence — ताप-संदीप्ति

प्राचीन वस्तुओं (ठीकरों आदि) के काल-निर्धारण की एक प्रविधि । इसके अंतर्गत आग में पकाए मृद्भांड आदि ताप-संदीप्ति का माप (thermoluminescent glow) कर उनके काल का निर्धारण किया जाता है । परीक्षणों से यह ज्ञात हुआ है कि ताप-संदीप्ति द्वारा काल-निर्धारण उन्हीं मृद्भांडों के संबंध में सही उतरता है, जिनमें आग में पकाए जाने के बाद कोई परिवर्तन नहीं हुआ हो । अधिकतर मृद्भांडों में रासायनिक परिवर्तन होने से यह प्रविधि अधिक कारगर नहीं होती । इस प्रविधि का प्रयोग प्राचीन मृद्भांडों के रूप में प्रतिपादित या प्रयुक्त, आधुनिक जाली मृद्भांडों का पता लगाने के लिए किया जा सकता है । सन् 1,960 ई० में पुरातात्त्विक सामग्रियों के कालनिर्धारण के लिए केनेडी और नोफ ने, इस प्रविधि का उल्लेख किया था ।

Thesion (=Theseum) — थिस्यूज का मंदिर

एथेन्स में, एगोरा के निकट उस वीर राजा थिसियस को समर्पित मंदिर, जिसका वध लाकोमेडिज ने किया । 469 ई०पू० में, उसकी अस्थियों को एथेन्स लाकर यह मंदिर बनाया गया । इसकी दीवारों पर प्रसिद्ध चित्र बने हैं । संकट के समय इसका प्रयोग शरण-स्थल के रूप में होता था । नवीनतम शोधों के परिणाम स्वरूप, अब यह सिद्ध हो चुका है कि यह मंदिर हिफेस्टस देवता को समर्पित था ।

thole — **देवकोष्ठ**

किसी मंदिर या भवन में, देवता विशेष को समर्पित आला या ताक। भारत में, देवगढ़, भीतर गाव (उ०प्र०), खजुराहो, ग्वालियर आदि के प्राचीन मंदिरों में इस प्रकार के देवकोष्ठ विद्यमान हैं।

tholos tomb — **गोल समाधि**

गोल आकार के मकबरों के लिए प्रयुक्त शब्द। पत्थर के ये भवन मधुमक्खी के छत्ते की तरह बने होते थे। इनकी छतों में टोड़ेदार (corbelling) संरचना बनी होती थी।

गोल समाधि का प्रयोग विशेषतया वृत्ताकार शवाधान के लिए होता था, इस प्रकार के शवाधान लगभग 1,580–1,100 ई० पू० में समस्त माइसिनी काल में प्रचलित थे। तुंबाकार समाधियां वास्तव में शाही समाधियां थी। इन समाधियों के उद्भव का इतिहास अज्ञात है। अभी तक केवल यूनान में ही इस प्रकार की बीस समाधियां उत्खनित की गई हैं। 'एट्रियस का खजाना' तथा 'मिनयास का खजाना' प्रसिद्ध गोल समाधियां हैं।

three-age system — **त्रियुग-व्यवस्था**

वह व्यवस्था, जिसमें संपूर्ण प्रागैतिहासिक अध्ययन सामग्री को तीन भागों में विभाजित किया गया। प्रागैतिहास के इन तीन भागों को (1) पाषाण युग, (2) कांस्य युग एवं (3) लौह युग कहा जाता है। त्रियुग-व्यवस्था शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग सी० थोम्सन (1,816–1,819) ने किया था।

अब अकेले पाषाण युग को ही विस्तृत अध्ययन के लिए तीन भागों में विभक्त किया जाता है–(1) पुरा पाषाण काल, (2) मध्य पाषाण काल और (3) नवपाषाणकाल। इन्हें भी निम्न, मध्य तथा उच्च तीन भागों में विभाजित किया जाता है। इन विभाजनों से प्रागैतिहासिक संस्कृतियों के अध्ययन में बहुत सहायता मिलती है।

इन विभाजनों को, कालक्रम के अनुसार एक श्रेणी में नहीं रखा जा सकता। विश्व के कुछ देशों में, ऐसी संस्कृतियां आज भी विद्यमान हैं, जो पुरापाषाणकालीन अवस्था में हैं। विश्व के कुछ क्षेत्रों की संस्कृतियां ऐसी भी हैं, जिन्होंने पाषाण काल से लौह युग में पदार्पण किया है।

Thule culture — **थ्यूल संस्कृति**

ग्रीनलैंड के केपयार्क नामक स्थान के निकट प्राप्त प्राचीन एस्किमो संस्कृति। आगे चलकर उत्तरी ध्रुव के विस्तृत क्षेत्र में इस का प्रसार हुआ। इस

संस्कृति के लोग सील, वेलरस और ह्वेल मछलियों का शिकार करते थे। 'प्राचीन बेरिंग समुद्र युग' से इस संस्कृति की समानता बहुत अधिक है, जिससे अनुमानतः इस संस्कृति की उत्पत्ति हुई। थ्यूल संस्कृति की कलात्मक सामग्रियां इस युग की वस्तुओं की तरह होने पर भी अपेक्षाकृत कम परिष्कृत हैं। यह संस्कृति 1,000 ई० के आसपास विकसित हुई। एस्किमो संस्कृति के विकास में इस संस्कृति ने महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की।

thumb-nail scraper **अंगुष्ठ-नख खुरचनी, अंगुष्ठ नख क्षुरक**

प्रागैतिहासिक पाषाण-उपकरण, क्षुरक या खुरचनी का एक प्रकार। यह अति लघु आकार के बने और अंगूठे के नाखून जैसे होते हैं। इनकी कार्यकारी धार प्रायः उत्तल (convex) होती है। कभी-कभी इन्हें उत्तल क्षुरक या उत्तल खुरचनी के नाम से भी जाना जाता है।

tiger slayer coin **व्याघ्र-निहंता मुद्रा**

समुद्रगुप्त द्वारा प्रवर्त्तित स्वर्ण-मुद्रा, जिसमें राजा धनुष-बाण लिए व्याघ्र-वध करते हुए प्रदर्शित किया गया है। बाएं हाथ के नीचे राजा का नाम समुद्रगुप्त और सिक्के के पृष्ठ भाग पर मकर पर खड़ी गंगा देवी की आकृति है और मुद्रा-लेख 'व्याघ्र पराक्रम' उत्कीर्णित है। बयाना में मिले खजाने मे इस प्रकार के अनेक सिक्के मिले हैं। कला की दृष्टि से ये सिक्के उत्कृष्ट कोटि के हैं।

Tjandi **चंडी, पाषाण-मंदिर**

प्रस्तर का बना प्राचीन मंदिर।

Tjuringa (=sacred stone=Churinga) **चुरिंगा**

मध्य आस्ट्रेलिया में प्रचलित प्रथा के अनुसार, गुप्त स्थानों में रखा गया वह छोटा पत्थर, जिसमे अनेक प्रकार की रेखाएं बनाई जाती थी। इसे व्यक्ति की आत्मा का प्रतीक माना जाता था।

tomb **मक़बरा, समाधि, तुंब**

वह इमारत, जिसमें मृत व्यक्ति को दफनाया गया हो। मृत व्यक्ति की स्मृति में, प्राचीन काल से, मजार या क़ब्र बनाने की प्रथा प्रचलित रही है। राजा-महाराजाओं, सभासदों, राजपरिवार के सदस्यों, संतों तथा महापुरुषो आदि की मृत्यु के उपरांत उनके देहावशेषो पर विशाल स्मारक निर्मित किए जाते रहे हैं। विश्व के अनेक प्राचीन प्रसिद्ध स्मारक मक़बरों के रूप में आज भी विद्यमान है।

tomb-robbery papyri तुंब दस्युता-वृत्त

थिब्ज़ के पश्चिमी किनारे पर स्थित शाही तुंबों तथा दूसरे पवित्र स्थलों की चोरी के संबंध में बीसवे राजवंश के अंतिम काल में 1,100 ई०पू० के आस-पास पेपीरस कागज पर हाईरेटिक शैली में लिखी गई एक सरकारी रिपोर्ट। विगत काल मे हुई तुंबों की लूट का तो इसमें विस्तृत उल्लेख है ही, चोरों को पकड़ने के लिए उठाए गए कारगर कदमों का इसमें वर्णन किया गया है। प्राचीन मिस्र की तत्कालीन विधि-प्रक्रिया की जानकारी इस वृत्त से मिलती है।

tool औजार, उपकरण

बड़े या छोटे आकार के वे उपस्कर या औज़ार, जिनकी सहायता से अन्य वस्तुएं हाथ से बनाई जाती है। इन औजारों के अंतर्गत खेती के उपकरण, अस्त्र-शस्त्र आदि परिगणित किए जाते है। उत्खननों में प्राप्त अनेक प्रकार के प्रागैतिहासिक उपकरण भौतिक सभ्यता के विकास को उजागर करते है।

tope स्तूप

मिट्टी या पत्थर का वह गोलाकार टीला या भवन, जिसमे भगवान बुद्ध या किसी बौद्ध महात्मा के दांत, केश, अस्थि, आदि स्मृति चिह्नों को सुरक्षित रखा गया हो।

torc (=torque) कंठा, ग्रैवेयक, हंसली

प्राचीन काल से प्रचलित, गले में पहना जानेवाला गोल आकार का आभूषण प्राचीन बर्बर गॉल, जर्मन तथा ब्रिटन लोग इन्हे गले में धारण करते थे। भारतवर्ष में भी प्राचीन काल से आज तक इस प्रकार के आभूषणों का प्रयोग होता चला आ रहा है। ईसवा पूर्व लगभग 200 वर्ष से भारतीय मूर्तिकला में भी इन आभूषणों का प्रयोग मिलता है।

torii तोरण-द्वार

जापान के शितो मंदिर का प्रवेश-मार्ग, जिसे दो खड़े स्तंभों पर उष्णीष स्थापित कर बनाया गया था। भारत में, इस प्रकार के तोरण-द्वार सांची, भरहुत आदि में मिले हैं।

torsade रज्जु-सज्जा

एक प्रकार की सज्जा-पट्टी, जिसमें वलयित रस्सी की आकृति अलंकरण या शोभा के लिए बनाई जाती है।

torso **कबंधमूर्ति, धड़**

वह मानव-मूर्त्ति, जिसमें गले के नीचे से लेकर कमर तक का भाग ही बना हो, विशेषकर वे मूर्त्तियां, जिनका ऊपरी भाग ही बना हो और सर और कमर के नीचे के अंग खंडित हों, यथा बिना सिर की धड़ मूर्त्ति ।

हड़प्पा में, इस प्रकार का बिना सिर-पैर का धड़ मिला है, जो नृत्य मुद्रा में है ।

tortoise amulet **कच्छप तावीज**

कछुए के आकार जैसा बना, गले या बांह में बांधने का तावीज़, जो अनिष्ट निवारण हेतु धारण किया जाता था ।

प्राचीन भारतीय कला में, यह अलंकरण विशेष रूप में मिला है । कच्छप आकार के तावीज़ विभिन्न पत्थरों में बने मिले हैं ।

tortoise core **कच्छप क्रोड**

वह क्रोड, जिससे ल्वाल्वाई शल्क निकाले गए हों । इसमें क्रोड के एक ओर कछुए के उदर के आकार का एक शल्क-चिह्न बना होता है । इसमें क्रोड के चारों ओर, किनारे से केंद्र की ओर अभिमुख कृत्रिम आघात-स्थल के प्रमाण मिलते हैं ।

tourelle **1. छोटी मीनार**

धरातल से बहुत ऊंची ऊपर उठी वास्तु-संरचना । इसकी योजना वर्गाकार या वृत्ताकार होती है । यह अपनी परिधि की तुलना में काफी ऊंची बनी होती है ।

2. बुर्जी

मीनार के ऊपरी भाग को बुर्जी कहा जाता है । इसमें बैठने और खड़े होकर देखने के लिए थोड़ा-सा स्थान होता है ।

tournette **भ्रमि, चक्री, चाक**

क्षैतिजाकार घूमने वाला चाक की तरह का, वह पट्टा, जिस पर किसी मृद्भांड को रंगने के लिए रखा जाता था ।

tower **मीनार, बुर्ज**

ऊंची स्तंभाकार वास्तुरचना;

वह घुंडी के आकार की धरातल से पर्याप्त ऊपर ऊंची उठी गोल या पहल-दार संरचना, जो अपनी परिधि के अनुपात की अपेक्षा बहुत ऊंची हो । यह अलग

से भी बनी हो सकती है, (जैसे, कुतुब मीनार) और यह किसी भवन या किले आदि की दीवारों में उठी, उसका एक भाग भी हो सकती है, जैसे किलों की बुर्जियां या चर्च का घंटाघर।

Tower of Babel — **बाबुल की मीनार**

शीनार देश के प्राचीन नगर बाबुल स्थित ऐतिहासिक और विशाल मीनार। कहा जाता है कि स्वर्ग में पहुंचने के लिए इस मीनार को बनाया गया था।

tranchet — **टांकी, ट्रांशे**

नवपाषाणकालीन स्थलों से प्राप्त पत्थर का बना छेनी जैसा उपकरण, जिसकी कार्यकारी धार सीधी व तीक्ष्ण होती थी। उपकरण की मुख्य धुरी में से समकोण स्थिति में शल्क निकाल कर इसे बनाया जाता था।

transitional period — **संक्रमण काल**

ऐतिहासिक विकास की वह प्रावस्था, जो स्वतः नवीन रूप ग्रहण कर रही हो। भारतीय इतिहास में, संक्रमण काल का उदाहरण कुषाण काल तथा गुप्तकाल का मध्यवर्त्ती काल है, जिसमें धार्मिक, सामाजिक तथा कलात्मक विकास के क्षेत्र में पूर्ववर्ती संस्कृतियों की मिली-जुली छाप मिलती है।

trapezoid — **समलंबाभ उपकरण**

चार भुजाओंवाला प्रागैतिहासिक पाषाण-उपकरण, जिसकी दो भुजाएं समानांतर होती हैं। इन भुजाओं को मिलानेवाली छोटी भुजा समकोण बनाती है और दूसरी तिर्यक भुजा कुंठित होती है। इस उपकरण की सबसे लंबी भुजा अपरिष्कृत होती है।

tree-ring analysis — **वृक्ष-वलय विश्लेषण**

किसी वृक्ष के तने में विद्यमान वृत्तों के आधार पर किया गया तिथि निर्धारण; इस पद्धति के अंतर्गत वृक्ष के तनों के वलयों अथवा उनके रेशों के वार्षिक विकास का व्यवस्थित अध्ययन के लिए वृक्षों का हरा-भरा रहना आवश्यक नहीं है। प्राचीन भवनों में प्रयुक्त लट्ठों के [illegible] की गणना कर लट्ठों के रूप में प्रयुक्त वृक्षों की तिथि निर्धारित [illegible] है। व्यवहार में, तिथि-निर्धारण हेतु वृक्ष-[illegible] कठिनाइयां उत्पन्न होती हैं। यदि उस [illegible] लट्ठा प्राप्त हुआ है तो वृक्ष-वल[illegible]

काल-निर्धारण में बहुत सहायता मिलती है।

अन्यत्र दे० dendro-chronology

tree ring chronology **वृक्ष-वलय तथिकी**

वृक्ष-वलयों के व्यवस्थित अध्ययन और विश्लेषण द्वारा निर्धारित कालानुक्रम जो वलय-रेशों के क्रमिक विकास पर आधारित होता है। विश्व के उन देशों में, जहां जलवायु में परिवर्तन नियमित और सहज रूप मे होते ह, वृक्षों का विकास भी तदनुसार नियमित रूप से होता है। अब यह सिद्ध हो गया है कि समान जलवायु में उत्पन्न वृक्षों के वलय एक जैसे होते हैं। वृक्षों की आयु के बढ़ने के साथ-साथ उसके वलय की मोटाई सूक्ष्मतर होती जाती है। एक ही समय में काटे गए वृक्षों के वलयों की तुलना अपेक्षाकृत अधिक पुराने अन्य वृक्ष-वलयों से किए जाने पर, तिथि-निर्धारण में त्रुटि की सभावना नही रहती। सन् 1,929 ई०में, इस पद्धति का पुरातत्त्व मे सर्व प्रथम उपयोग ए०इ० डगलस ने किया था। इस पद्धति का प्रयोग इंग्लैण्ड, मध्य-यूरोप तथा स्कंडेनेविया में बृहत् स्तर पर किया गया था। नए वृक्षों के वललों का पुराने वृक्षों से संबंध स्थापित किया जाता है। इस विश्लेषण के लिए वृक्ष का हरा-भरा होना आवश्यक नही है। पुराने घरों में लगे लट्ठों इत्यादि के वलयों की गणना से भी तिथि निर्धारण किया जाता है। व्यावहारिक रूप में तिथि-निर्धारण प्रक्रिया मे अनेक कठिनाइयां है।

trenching tool **खनित्र उपकरण**

भूमि को खोदने के काम में प्रयुक्त औजार।

trench method **खाई-विधि, खदान विधि**

किसी पुरातात्त्विक स्थल का सांस्कृतिक विकास क्रम निर्धारण करने के लिए प्रयुक्त प्रविधि। इस प्रविधि का आरंभ वैज्ञानिक रीति से उत्खनन करने की प्रविधि से पहले हुआ था। इस खदान-विधि के अंतर्गत किसी भवन या उसकी दीवारों के चतुर्दिक स्थल को निरावृत्त करने के लिए खदानें बनाई जाती थी। अब इस पद्धति को, पूर्वापेक्षा पर्याप्त परिष्कृत कर दिया गया है। इस पद्धति से किसी स्थल विशेष का ज्ञान काफी शीघ्र लग जाता है। खदान की लंबाई और उसकी आनुपातिक चौड़ाई सामान्यतया उत्खननीय क्षेत्र के विस्तार पर निर्भर करती है।

यह प्रविधि पर्यवेक्षण पद्धति का एक मात्र साधन नही, पर यह आजकल पुरातात्त्विक उत्खनन में साध्य अवश्य है।

से भी बनी हो सकती है, (जैसे, कुतुब मीनार) और यह किसी भवन या किले आदि की दीवारों में उठी, उसका एक भाग भी हो सकती है, जैसे किलों की बुर्जियां या चर्च का घंटाघर।

Tower of Babel **बाबुल की मीनार**

शीनार देश के प्राचीन नगर बाबुल स्थित ऐतिहासिक और विशाल मीनार। कहा जाता है कि स्वर्ग में पहुंचने के लिए इस मीनार को बनाया गया था।

tranchet **टाको, ट्रांशे**

नवपाषाणकालीन स्थलों से प्राप्त पत्थर का बना छेनी जैसा उपकरण, जिसकी कार्यकारी धार सीधी व तीक्ष्ण होती थी। उपकरण की मुख्य धुरी में से समकोण स्थिति में शल्क निकाल कर इसे बनाया जाता था।

transitional period **संक्रमण काल**

ऐतिहासिक विकास की वह अवस्था, जो स्वतः नवीन रूप ग्रहण कर रही हो। भारतीय इतिहास में, संक्रमण काल का उदाहरण कुषाण काल तथा गुप्तकाल का मध्यवर्ती काल है, जिसमें धार्मिक, सामाजिक तथा कलात्मक विकास के क्षेत्र में पूर्ववर्ती संस्कृतियों की मिली-जुली छाप मिलती है।

trapezoid **समलंबाभ उपकरण**

चार भुजाओंवाला प्रागैतिहासिक पाषाण-उपकरण, जिसकी दो भुजाएं समानांतर होती हैं। इन भुजाओं को मिलानेवाली छोटी भुजा समकोण बनाती है और दूसरी तिर्यक भुजा कुंठित होती है। इस उपकरण की सबसे लंबी भुजा अपरिष्कृत होती है।

tree-ring analysis **वृक्ष-वलय विश्लेषण**

किसी वृक्ष के तने में विद्यमान वृत्तों के आधार पर किया गया तिथि निर्धारण; इस पद्धति के अंतर्गत वृक्ष के तनों के वलयों अथवा उनके रेशों के वार्षिक विकास का व्यवस्थित अध्ययन के लिए वृक्षों का हरा-भरा रहना आवश्यक नहीं है। प्राचीन भवनों में प्रयुक्त लट्ठों के वलयों की गणना कर लट्ठों के रूप में प्रयुक्त वृक्षों की तिथि निर्धारित की जा सकती है। व्यवहार में, तिथि-निर्धारण हेतु वृक्ष-वलय के विश्लेषण में अनेक कठिनाइयां उत्पन्न होती हैं। यदि उस स्तर की तिथि ज्ञात हो, जिसमें वह लट्ठा प्राप्त हुआ है तो वृक्ष-वलय के विश्लेषण तथा उसके

काल-निर्धारण में बहुत सहायता मिलती है।

अन्यत्र दे० dendro-chronology

tree ring chronology **वृक्ष-वलय तथिकी**

वृक्ष-वलयों के व्यवस्थित अध्ययन और विश्लेषण द्वारा निर्धारित कालानुक्रम जो वलय-रेशों के क्रमिक विकास पर आधारित होता है। विश्व के उन देशों में, जहां जलवायु में परिवर्तन नियमित और सहज रूप में होते है, वृक्षों का विकास भी तदनुसार नियमित रूप से होता है। अब यह सिद्ध हो गया है कि समान जलवायु में उत्पन्न वृक्षों के वलय एक जैसे होते हैं। वृक्षों की आयु के बढ़ने के साथ-साथ उसके वलय की मोटाई सूक्ष्मतर होती जाती है। एक ही समय में काटे गए वृक्षों के वलयों की तुलना अपेक्षाकृत अधिक पुराने अन्य वृक्ष-वलयो से किए जाने पर, तिथि-निर्धारण में त्रुटि की संभावना नही रहती। सन् 1,929 ई०में, इस पद्धति का पुरातत्व में सर्व प्रथम उपयोग ए०इ० डगलस ने किया था। इस पद्धति का प्रयोग इंग्लैण्ड, मध्य-यूरोप तथा स्कैंडेनेविया में बृहत् स्तर पर किया गया था। नए वृक्षों के वललों का पुराने वृक्षों से संबंध स्थापित किया जाता है। इस विश्लेषण के लिए वृक्ष का हरा-भरा होना आवश्यक नही है। पुराने घरों में लगे लट्ठों इत्यादि के वलयों की गणना से भी तिथि निर्धारण किया जाता है। व्यावहारिक रूप मे तिथि-निर्धारण प्रक्रिया में अनेक कठिनाइयां हैं।

trenching tool **खनित्र उपकरण**

भूमि को खोदने के काम में प्रयुक्त औजार।

trench method **खाई-विधि, खदान विधि**

किसी पुरातात्त्विक स्थल का सांस्कृतिक विकास क्रम निर्धारण करने के लिए प्रयुक्त प्रविधि। इस प्रविधि का आरंभ वैज्ञानिक रीति से उत्खनन करने की प्रविधि से पहले हुआ था। इस खदान-विधि के अंतर्गत किसी भवन या उसकी दीवारों के चतुर्दिक स्थल को निरावृत्त करने के लिए खदाने बनाई जाती थीं। अब इस पद्धति को, पूर्वापेक्षा पर्याप्त परिष्कृत कर दिया गया है। इस पद्धति से किसी स्थल विशेष का ज्ञान काफी शीघ्र लग जाता है। खदान की लंबाई और उसकी आनुपातिक चौड़ाई सामान्यतया उत्खननीय क्षेत्र के विस्तार पर निर्भर करती है।

यह प्रविधि पर्यवेक्षण पद्धति का एक मात्र साधन नही, पर यह आजकल पुरातात्त्विक उत्खनन में साध्य अवश्य है।

trepanning (=trephinning) **कपाल-शल्यकर्म**

किसी जीवित व्यक्ति के कपाल में छिद्र का बनाया जाना। नवपाषाण काल में पत्थर के चाकू से कपाल में छिद्र करने की प्रथा प्रचलित थी। इसका उद्देश्य संभवतः ट्यूमर, उन्माद, सिरदर्द आदि की चिकित्सा करना रहा होगा। बहुत से छिद्रित कपाल विशेषतः नवपाषाणकालीन फ्रांस तथा पूर्व कोलम्बियाई पेरु के हैं।

trial trenching **परीक्षणार्थ खदान-उत्खनन, परीक्षण खाई-खोदना**

क्षेत्रीय उत्खनन में, प्राथमिक परीक्षण या जांच के तौर पर दबी हुई सामग्री का पता लगाने के लिए खाइयों को खोदना। परीक्षणार्थ उत्खनन के परिणाम-स्वरूप यह आवश्यक नहीं कि खुदाई में कुछ प्राप्त हो ही जाए। व्हीलर के अनुसार, अत्यन्त सामान्य होने के कारण, परीक्षण-खाइयों के आधार पर कदाचित ही किसी तथ्य या सत्य को सिद्ध किया जा सकता है। क्षेत्र उत्खनन में, परीक्षण के रूप में प्रारंभिक रूप से खाइयां खोदने की प्रविधि उत्खनन के ध्येय को बहुधा सिद्ध करने में सक्षम होती है।

अन्यत्र दे० trench method

triangular handaxe **त्रिभुजाकार हस्तकुठार**

प्रागैतिहासिक पाषाण हस्तकुठारों का एक प्रकार, जिसकी तीन भुजाओं में दो भुजाएं बड़ी तथा एक भुजा छोटी होती है। इसमें वाह्यक भी विद्यमान रहता है। इस उपकरण का आकार त्रिकोण जैसा होता है।

triangular point **त्रिकोणाकार वेधनी**

एक प्रकार की प्रागैतिहासिक पाषाण-वेधनी, जिसकी दो भुजाएं अपेक्षाकृत लंबी तथा तीसरी भुजा तिरछी होती है। इस उपकरण का प्रयोग वेधन या छेद करने के लिए किया जाता था।

triangulation **त्रिभुजन**

पुरातात्त्विक उत्खनन में प्रयुक्त सर्वेक्षण-प्रविधि, जिसके द्वारा किसी स्थल का विवरण अभिलिखित रखा जाता है। इसमें किसी दो ज्ञात बिंदुओं से त्रिभुज के तीसरे बिंदु को अंकित किया जाता है, जहां किसी खदान या वर्ग के पार्श्व में अभिलेखन के लिए 'अंकन खूंटी' का प्रयोग किया जाता है। इस प्रविधि द्वारा भूमि में, त्रिभुजों की संख्या बढ़ाकर कितने ही बिंदुओं को निर्दिष्ट किया जा सकता है।

trident **त्रिशूल**

वह प्राचीन अस्त्र, जिसके सिरे पर तीन नोकदार फल बने होते हैं। प्राचीन काल से प्रतीक के रूप में इस अस्त्र का प्रयोग होता आ रहा है। भारत में, त्रिशूल को शिव का और रोम में सीडोन (Posedion) या नेपच्यून का अस्त्र माना गया है।

प्राचीन भारतीय मूर्तिकला और मुद्राओं में, त्रिशूल के अंकन प्र ूर रूप में मिले हैं। शिव की प्रतिमाओं म, एक हाथ में त्रिशूल दिखाया जाता रहा है।

trilithon (=trilith) **त्रिपाषाणी**

त्रिपाषाण तोरण

वह संरचना, जिसमें दो स्तंभाकार रूप में खड़े पत्थरों पर धरण या उष्णीष रखा हो,—उदाहरणार्थ 'स्टोनहेंज'।

अन्यत्र दे० torsade.

trim **1. कर्त्तन, कतरना**

काटना-छांटना, अनावश्यक या बेडौल भाग को अलग करना।

किसी उपकरण के अनावश्यक और बेडौल भाग को शल्कित कर अलग करना। प्रागैतिहासिक काल में, पाषाण-उपकरणों को बनाने के लिए आघात-पद्धति से उनके क्रोड से छोटे-छोटे शल्क निकाले जाते थे।

भारतीय मुद्राशास्त्र में, आहत मुद्राओं के निर्माण में कर्त्तन पद्धति का प्रयोग होता था।

2. संवारना

किसी वस्तु को ऐसा रूप देना कि देखने में आकर्षक या सुंदर प्रतीत हो।

tripod **त्रिपाद, त्रिपदी, तिपाई**

तीन पायों के आधार पर खड़ी टिकटी। प्राचीन यूनान में, इस प्रकारकी तिपाई के ऊपर डेल्फी के मंदिर की पुजारिन बैठ कर देववाणी का पाठ किया करती थी।

भारत में प्राप्त हिंद-यूनानी शासक अपोलोडोटस के सिक्कों पर 'त्रिपाद' चिह्न अंकित है।

triquetra **1. त्रिकोणाकृति, त्रिभुज**

प्राचीन भारतीय मुद्राओं और सिक्कों पर अंकित प्रतीक त्रिकोण।

20—337 C.H.D.(ND)/77

2. त्रिकोण अलंकरण

तीनों कोनों से युक्त अंतर्ग्रथित त्रिभुजाकार अलंकरण ।

Triton — ट्रीटन

यूनानी मिथकविद्या में वर्णित वह समुद्री अर्ध देवता, जिसका निचला भाग मछली जैसा और ऊपर का भाग मानव जैसा बना था । इसका प्रमुख प्रतीक शंख था । यह पोसीडोन और एम्फिट्राइट की संतान कहा गया है । प्राचीन यूनानी कला में, इस देवता का अनेक स्थलों पर चित्रण हुआ है ।

भारतीय कला में, इस जैसा प्रतीक मत्स्य-कन्या (mermaid) है, जिसकी विभिन्न आकृतियां मथुरा और अमरावती आदि में प्राप्त शिला-पट्टों पर अंकित मिली हैं ।

tropaeum — कीर्तिस्तंभ, विजयस्मारक

किसी महत्वपूर्ण विजय की स्मृति में बनी ऊंची और लंबी इमारत ।

किसी की कीर्ति को स्थायी रूप देने के लिए स्थापित स्तंभ ।

प्राचीन यूनान में, युद्ध में हथियाए गए अस्त्र-शस्त्र आदि, जिन्हें प्राचीन रोम में 'ट्राफी' कहा जाता था ।

वह स्थायी भवन, जिसे आयुध, ढाल तथा समुद्री पोतों के अग्र भाग आदि से अलंकृत किया जाता था ।

भारत में, इस प्रकार के कीर्ति-स्तंभों के उदाहरण, प्रयाग में समुद्रगुप्त का प्रशस्ति-स्तंभ, मंदसोर में यशोधर्मन के कीर्ति-स्तंभ तथा चितौड़ में राणा कुंभा का कीर्ति-स्तंभ हैं ।

trumpet — तूर्य, तुरही

फूंककर बजाया जानेवाला एक प्रकार का वाद्य यंत्र, जो आकार में लंबा होता है ।

सांची, भरहुत आदि की कला में तूर्य के सुन्दर उदाहरण मिले हैं ।

runnion celt — ट्रनियन सेल्ट

किसी प्रस्तर या धातु का बना वह प्राचीन उपकरण, जिसके पार्श्व में बाहर की ओर निकली मूठें बनी होती हैं, जिनमें बेंट फंसाया जाता है ।

tumulus — स्तूप

(1) गौतम बुद्ध या किसी बौद्ध महात्मा की अस्थि, भस्मावशेष, दांत, केश आदि को भूमिस्थ कर, उन पर बनी संरचना । जैन धर्म में भी इस प्रकार की स्तूप संरचना का विधान रहा है ।

(2) प्राचीन काल में, किसी क़ब्र या शवाधान के ऊपर बनाया गया मिट्टी, पत्थर आदि का ऊंचा ढूह ।

turf cut figure भू-खचित आकृति

भूमि को काट अथवा खोद कर बनाई गई आकृति ।

turn table pottery चक्र निर्मित मृद्भांड, चाक पर बने मृद्भांड

वे मिट्टी के बर्त्तन, जिन्हें कील पर घूमनेवाले चक्राकार पत्थर पर रखकर बनाया जाता था। धीमी गति से चलनेवाले चक्रों का प्रयोग हाथ से बनाए गए भांड़ों के 'ओष्ठों' को बनाने के लिए किया जाता था।

turtle-back-tortoise core कच्छप-पृष्ठ

प्रागैतिहासिक अंडाकार वह उपकरण, जो कछुए की पीठ के सदृश बना होता है । इस उपकरण के बनाने में क्रोड की परिधि (periphery) से केंद्र की ओर प्रारंभिक शल्कन इस प्रकार किया जाता है कि अवशिष्ट क्रोड कच्छप-पृष्ठ की तरह बन जाता है । इस प्रक्रिया में एक भाग (face) समतल (plane) तथा दूसरा भाग गुंबदनुमा बन जाता है ।

ल्वाल्वाई प्रकार के शल्क निकाले गए क्रोड को भी कच्छप क्रोड कहा जाता है। सामान्यतया कच्छप-क्रोड से एक बार में एक ही प्रमुख शल्क निकाला जा सकता है ।

typological dating प्ररूपित काल-निर्धारण

सापेक्ष तिथि-निर्धारण की वह प्रणाली, जिसके अंतर्गत एक ही प्रकार की तकनीकी अवस्था और स्वरूप की वस्तुएं एक ही काल की मानी जाती हैं । इस प्रणाली का महत्व विभिन्न स्तरों के अनुक्रमों को जानने के उपरांत बढ़ जाता है। यह माना गया है कि वस्तुओं के विकास और निर्माण का एक निश्चित क्रम होता है । किसी काल विशेष के उपकरणों और मृद्भांडों में सामान्यतः कुछ विशेषताएं निहित होती हैं । विभिन्न उत्खनित सभ्यताओं में प्राप्त मृद्भांडों का अध्ययन कर, उनमें पारस्परिक संबंध निर्धारित और निश्चित किया जाता है। सामान्यतः वे वस्तुएं, जो धरातल की सतह से प्राप्त होती है, उनका अध्ययन उनके प्रकारों के आधार पर किया जाता है । एक ही आकार-प्रकार की वस्तुएं सामान्यतः एक ही काल की मानी जाती हैं । जहां पर एक ही स्तर में, विभिन्न प्रकार के उपकरण या मृद्भांड मिलते हैं, वहां प्ररूप-प्रणाली का सहारा लेना पड़ता है । प्ररूप-प्रणाली कालनिर्धारण प्रक्रम में बहुत अधिक सहायक नही होती परंतु पुष्टिकरण के लिए इसका प्रयोग होता है ।

typological seriation **प्रकारात्मक कालानुक्रम**

किसी प्राचीन स्थल के उत्खनन में प्राप्त विभिन्न वस्तुओं, जैसे उपकरण, मृद्भांड आदि को उनकी किस्म, उनके आकार-प्रकार, अलंकरण, पॉलिश आदि के आधार पर वर्गित या विभाजित कर, उनके विकास की विभिन्न अवस्थाओं या कालों को निचित करना। एक ही आकार-प्रकार की वस्तुओं को एक ही वर्ग या श्रेणी में रखा जाता ह और इनका क्रमिक अध्ययन कर प्रकारात्मक काल निर्धारित किया जाता है।

typology **प्ररूप-विज्ञान**

वह विज्ञान, जिसके अंतर्गत उपकरणों के आकार-प्रकार का व्यवस्थित अध्ययन किया जाता है। इसके दो उद्देश्य होते हैं। पहला वर्गीकरण तथा दूसरा विभिन्न प्रकार के उपकरणों की तुलना, जिससे उनके पारस्परिक संबंध का ज्ञान होता है। एक ही प्रकार के उपकरणों, जैसे छुरे, कुठार, मृद्भांड आदि को उनके आकार, अभिकल्प आदि के आधार पर एक ही वर्ग या श्रेणी में रखा जाता है और प्राप्त वस्तुओं का वर्ग निर्धारित कर, विवेच्य वस्तु का कालानुक्रम इस विज्ञान के माध्यम से निश्चित किया जाता है। इसके माध्यम से वस्तुओं के आकार-प्रकार और अलंकरण आदि में हुए क्रमिक परिवर्तनों का ज्ञान प्राप्त किया जाता है।

U

Ubaid culture **उबेद संस्कृति**

प्रसिद्ध प्रागैतिहासिक संस्कृति। बसरा से 160 किलोमीटर दूर उर नामक स्थान से साढ़े छह किलोमीटर की दूरी पर स्थित अल–उबेद नामक घोट-से टील के उत्खनन से ज्ञात हुई संस्कृति। इस टीले से प्राप्त वस्तुओं का निर्माण 4000 ई०पू० में हुआ था।

अल उबेद टीले का उत्खनन, सन् 1,919 में हाल, तथा सन् 1,923–24 ई०में, लियोनार्ड वूली नाम के पुरातत्ववेत्ताओं ने कराया था। इस टीले से प्राप्त

वस्तुओं जैसी वस्तुएं दक्षिणी मेसोपोटामिया के अनेक स्थलों से भी मिली हैं। अनुमान किया जाता है कि इस संस्कृति के जनकों का, संपूर्ण मेसोपोटामिया पर आधिपत्य रहा होगा। इस संस्कृति की विशिष्टता आग में पके पीले तथा अलंकृत मृद्भांड है, जिस पर काले और भूरे रंग की चित्रकारी हुई है। ऐसा प्रतीत होता है कि हलाफ संस्कृति को, इस संस्कृति ने पराभूत कर उसका स्थान ले लिया था। उबेद जन द्वारा बनाए गए अनेक प्रकार के उपकरण, ताम्र-मूर्त्तियां तथा मंदिर आदि मिले हैं। अन्य स्थलों से प्राप्त वस्तुओं के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला जा चुका है कि उबेद जन का दूर दूर के देशों से व्यापारिक और सांस्कृतिक संबंध था।

Umbrella stone — **छत्रपाषाण, कुडई कल्लू (मलयालम)**

छतरीनुमा महापाषाण स्मारकों का एक प्रकार, जो शीर्ष प्रस्तर, कुडई-कल्लु या कुडकल्लू कहलाता है। ये क़ब्र के ऊपर रखे हुए छतरीनुमा प्रस्तर खंड होते हैं। इस महापाषाण-स्मारक में टोपीकल्लू की तरह का उदग्र अनुवृत्त आधार नहीं होता। यह एकाश्म स्मारक गुंबदाकार होता है। शीर्ष-प्रस्तर सीधे भूमि पर टिका रहता है। बाद में, इन्हीं के अनुकरण पर बौद्ध स्तूपों तथा बुद्ध प्रतिमाओं के ऊपर छत्रों का निर्माण हुआ ऐसा कतिपय विद्वानों का मत है। ऐसे छत्र मथुरा, सारनाथ तथा सांची आदि में मिले हैं।

Umbrian people — **अंब्री जन, अंब्रीयाई जन**

प्राचीन इटली के एक क्षेत्र अंब्रिया के निवासी, जो इट्रूरिया के पूर्व तथा पाइसनम के पश्चिमी इलाके में रहते थे। 308 ई० पू० में हुए द्वितीय सेमनाइट युद्ध में, ये लोग रोमनों द्वारा पराजित हुए। तृतीय सेमनाइट युद्ध के उपरांत इन लोगों का शनैः शनैः रोमनीकरण हो गया।

Umiak — **(एस्किमो) चर्म नौका, उमियाक**

एस्किमों लोगों द्वारा प्रयुक्त नाव, जिसमे लकड़ी के ढांचे के ऊपर चमड़ा चढ़ाया जाता था। चौड़ी पतवारों की सहायता से इसे खेया जाता था।

unbaked clay — **कच्ची मिट्टी**

आवे में न पकी मिट्टी। कच्ची मिट्टी की ईंटों का प्रयोग आद्यैतिहासिक और ऐतिहासिक अनेक इमारतों में मिला है।

unbaked clay figure — **मृण्मूर्त्ति, मृत्तिका मूर्त्ति**

आग में न पकाई गई अर्थात् कच्ची मिट्टी से बनाई गई मूर्त्ति। अनेक स्थलों पर हुए उत्खननों में कच्ची मिट्टी की बनी मूर्त्तियां मिली है।

uncial — बृहदक्षर लिपि

तीसरी शताब्दी ई०पू० से दसवी शताब्दी ई० तक प्रचलित रही, बड़े-बड़े अक्षरोंवाली लिखावट विशेष, जो अंग्रेजी के बड़े अक्षरों (capital letters) से बहुत कुछ मिलती है। इस लेखन-प्रणाली मे, कुछ अक्षर गोल तथा वक्राकार होते है। इस लिपि में लिखी प्राचीन पांडुलिपियां और अनेक शिलालेख भी मिले हैं।

Undecipherable inscription — अपाठ्य उत्कीर्ण लेख, अनुद्वाच्य उत्कीर्ण लेख

वे शिलालेख या अभिलेख, जिनका वाचन न किया जा सका हो। सिंधु घाटी सभ्यता की लिपि में लिखे शिला-पट्ट इसी श्रेणी के हैं, जिन्हें वर्षों के अथक परिश्रम के बावजूद अभी तक पढ़ा नहीं जा सका है।

under coat — निचली, परत

एक लेप के नीचे दूसरा लेप।

underwater archaeology — अधोजल पुरातत्व

समुद्र, तालाब या नदी के जल के नीचे दबे, प्राचीन अवशेषों और वस्तुओं का पता लगाने तथा उनका वैज्ञानिक अध्ययन करने विषयक शास्त्र। जल के नीचे जमा वस्तुओं की खोज में, खजानों की खोज करनेवाले लोगों ने, महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। भूमध्यसागर प्राचीन काल से व्यापार के लिए प्रसिद्ध रहा है। यहां पर प्राचीन जलयानों के ध्वंसावशेष जल में दबे पड़े हैं। सागर का जल छिछला होने के कारण इनका सरलता से पता लगाया जा सकता है। पुरातत्व-वेत्ताओं ने, अधोजल पुरातत्व के महत्त्व को समझा। आधुनिक वैज्ञानिक माध्यमों से समुद्र की तलहटी में, सर्वेक्षण एवं खोज कार्य किए जा रहे है और नई-नई तकनीकों का प्रयोग हो रहा है। भूमध्यसागर में, श्रेण्यकालीन पोत-ध्वंसावशेषों से पुराने जल मार्गो, पोतों आदि के बारे में महत्वपूर्ण सूचना सामग्री मिली है।

underworld deity — पाताल देव

देवकथाओं अथवा पुराणों में वर्णित वे देवी-देवता, जिनका निवास-स्थान भूमि के नीचे 'पाताल लोक' में माना जाता है। पृथ्वी के नीचे सात लोक बताए गए हैं, जिनमें पाताल-लोक सबसे नीचे का लोक माना जाता है और इसके निवासियों को पाताल देव कहा जाता है।

Unetice culture **यूनेटिस संस्कृति**

कांस्य उपकरणों तथा उनके विभिन्न आकार-प्रकारों के लिए प्रसिद्ध संस्कृति। यूनेटिस सभ्यता मूलतः बोहेमिया और मोराविया के निकटवर्ती क्षेत्रों में विकसित हुई। यह प्रारंभिक कांस्ययुगीन सभ्यता थी। इस सभ्यता के लोगों ने पहले तांबे और बाद में कांस्य धातु का प्रयोग किया। यूनेटिस सभ्यता-संस्कृति का प्रसार आगे चल कर हंगेरी, उत्तरी आस्ट्रिया से लेकर ववेरिया और स्विटजरलेंड तक हो गया। इस संस्कृति के मुख्य धातु-उपकरण, हंसली, केश-चिमटी, अन्य प्रकार की पिनें, कोरदार कुठार तथा फरसा आदि हैं।

यूनेटिस संस्कृति के इतिहास को तीन कालों में विभक्त किया जाता है। प्रारंभिक प्रावस्था (लगभग 1,900-1,800 ई० पू०), श्रेण्य (क्लासिकी) काल (लगभग 1,800-1,600 ई० पू० तथा उत्तर काल (लगभग 1,600 -1,500 ई० पू०)। इस संस्कृति के क्षेत्रीय प्रकार और प्ररूप यूरोपीय अनेक स्थानों में मिलते हैं। विशेष प्रकार के भांड भी इस संस्कृति की विशेषता हैं।

unicorn **एकशृंगी**

(अ) एक सींग वाला घोड़ या गडे जैसे आकार का काल्पनिक पशु।

(आ) शेर जैसी पूंछ तथा बकरे जैसी दाढ़ी के साथ चित्रित इस कल्पित जीव का चित्रांकन चित्रों और ढालों आदि शस्त्रास्त्रों पर किया जाता था।

भारत में, सिंधु घाटी की मोहरों पर इस प्रकार के काल्पनिक पशुओं का मनोरम चित्रांकन किया गया है। वैदिक साहित्य में भी इस प्रकार के कल्पित पशु का उल्लेख मिलता है।

unifaced **एकमुखी**

(अ) वह वस्तु, जिसके केवल एक ओर अभिकल्प बना हुआ हो, जैसे एक ही पृष्ठ पर बने अभिकल्पवाले सिक्के।

(आ) एकमुखी उपकरण; एकल फलकित वह पाषाण-उपकरण, जिस पर एक ओर, तराश या उत्कीर्ण कर, आकृति बनाई गई हो। दूसरी ओर से यह अनगढ़ होने के कारण इसे एकल फलकित कहते हैं। एकमुखी शिवलिंग इसी कोटि के होते हैं।

(इ) एकपृष्ठीय; एक ही पृष्ठवाला।

uniface tool एकमुखी औज़ार, एकमुखी उपकरण

वह उपकरण, जिसके केवल एक ओर धार बनी हो; एकधारी उपकरण ।

uni-lateral flat base एकपक्षीय समतल उपकरण

समतल उपकरणों का एक प्रकार । एक पार्श्वीय उपकरण, भंडाकार गुटिकाश्म के समानांतर दिशा में भग्न होता है तथा इसके एक पार्श्व से अनियंत्रित शल्कीकरण प्रविधि से शल्क निकाले जाते हैं ।

uni-lateral nucleates एक पार्श्वीय केंद्रक

एक भुजा में कार्यांगवाला उपकरण ।

अन्यत्र दे० Nucleates.

upper arm प्रबाहु, ऊपरली बाहु

चार या इससे अधिक हाथोंवाली मूर्ति के सबसे ऊपरी हाथ । विष्णु शिव और गणेश आदि की अनेक प्रतिमाओं में दो से अधिक हाथ मिले हैं ।

u pper palaeolithic age उत्तर पुरापाषाण काल

पुरापाषाण काल का अंतिम चरण, जिसमें प्राज्ञ मानव ने फलक और तक्षणी उद्योग के प्रवर्त्तन के साथ गुहा-उपयोग भी सीख लिया था ।

सामान्यतः पुरापाषाण काल को, तीन उप-विभागों—प्रारंभिक, मध्य तथा उत्तर के रूप में विभाजित किया गया है । उत्तर पुरापाषाण काल पाषाण काल की तीसरी और सबसे बाद की प्रावस्था मानी जाती है । कुछ देशों मे, यह अनुमानतः 38,000 ई० पू० से प्रारंभ हुई मानी जाती है ।

upper register उपरि चित्र-पट्टिका, उपरि शिला-पट्ट

किसी शिला-पट्ट या चित्र-फलक का उपरी भाग । प्राचीन भारतीय चित्रकला में, विभिन्न लोकप्रिय कथाओं को आलेखित करने के लिए पूरी सतह को अनेक पट्टियों में विभाजित कर दिया जाता है । कथाओं और उपकथाओं को विषय-क्रमानुसार पट्टियों में आलेखित कर दिया जाता है । इस प्रकार का आलेखन भरहुत, सांची, मथुरा, अजंता आदि में मिला है ।

Upturned (rim) उद्वर्त्तो (अंवठ)

वर्त्तन का ऊपर की ओर मुड़ा हुआ किनारा । इसे संस्कृत में 'ओष्ठ' कहा गया है ।

urban civilization **नगर-सभ्यता**

किसी नगर के निवासी नागरिकों की सभ्यता ।

किसी देश, राष्ट्र या जाति के मनुष्यों की वह बस्ती, जिसमे बहुत बड़ी जनसंख्या निवास करती हो, नगर कही जाती थी । इसमें सब तरह के लोग ही नहीं रहते थे, वरन् बाजार, देवालय, निवास-गृह, मनोरंजन स्थल आदि बने होते थे । पुरातात्विक उत्खनन में प्राप्त नगरों के अवशेषों से तत्कालीन सभ्यता का ज्ञान होता है । विश्व के अनेक भागों में, भूतल में दबे नगरों से प्राचीन नगर-सभ्यताओं का पता चला है ।

urn **कलश**

मिट्टी, पत्थर या धातु का बना काफी गहराईवाला बर्तन, जिसका प्रयोग, आद्यैतिहासिक काल से होता आ रहा है । इसका मुख भाग चौड़ा और नीचे का भाग गमने के अनुरूप कम चौड़ा होता था । इसका प्रयोग अनाज, तरल पदार्थ तथा भस्मावशेष आदि को सुरक्षित रखने के काम में किया जाता था । विश्व के अनेक देशों में हुई खुदाइयों में भस्म-कलश मिले हैं, जो विभिन्न आकार-प्रकारों के हैं ।

urn burial **कलश-शवाधान**

शवों को गाड़ने की प्राचीन रीति, जिसके अतर्गत मृत व्यक्ति या उसके देहावशेषों को, मिट्टी, पत्थर या धातु के कलशों में रख कर भूमि के अंदर गाड़ दिया जाता था । इस प्रकार के भूमिस्थ शवाधानों के अवशेष विभिन्न उत्खनित क्षेत्रों से प्राप्त हुए हैं ।

urn field **कलश-क्षेत्र**

वह प्राचीन कब्रिस्तान, जहां पर मिट्टी के वर्तनों में मृत व्यक्ति या उसके भस्मावशेषों को भूमि में गाड़ दिया जाता था । यूरोपीय कांस्ययुगीन संस्कृतियों में, मुर्दों को गाड़ने की इस प्रकार की प्रथा का काफी प्रचलन था । इस प्रथा का प्रचलन द्वितीय सहस्राब्दि में हंगरी की किसापोस्तग संस्कृति तथा रोमानिया की सिरना संस्कृति में भी मिला है । उत्तरी इटली म मिले कलश-क्षेत्र, टेरामारा लोगों द्वारा इसी काल में बनाए गए थे ।

urn people **भस्म कलश जन**

इंगलैंड की कांस्ययुगीन संस्कृति के वे लोग, जो अपने मृतकों के शरीर एवं उनके भस्मावशेषों को, विशाल कलशों म रख कर भूमि के

नीचे दबाते या गाड़ देते थे। थोमस ब्राउन (1,605-82 ई०) ने, इस प्रकार के कलशों की खोज कर उनका विवरण अपने ग्रंथ में प्रस्तुत किया था।

शवों या भस्मावशेषों को कलशों में रख कर गाड़ने की प्रथा आद्यैतिहासिक युग से अनेक देशों में प्रचलित रही है।

Uruk culture **उरु संस्कृति**

सुमेर के प्रसिद्ध नगर-राज्य उरु की संस्कृति, जो वर्तमान उर से 56 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम की ओर स्थित था। लगभग 2,100 ई० पू० मे, उरु के तृतीय राजवंश के काल में, उस नगर का स्थान गौण हो गया। सन् 1,931 ई० म हुए उत्खननों से सुमेर संस्कृति के तीनों कालों अथवा तीनों संस्कृतियों का पता चला, जो क्रमशः अल-उबैद, उरु (Uruk) और जेमदेत नस्र कहलाती हैं। यह सन् 1,912 ई० में उरु का उत्खनन प्रारंभ हुआ था।

उसमें नीचे के स्तर में मिली आद्यैतिहासिक संस्कृति, सुमेर संस्कृति से बहुत कुछ साम्य रखती है। उरु लोगों ने, सर्वप्रथम चाक का ही प्रयोग नहीं किया, वरन सुंदर आकार के अनेकानेक बर्तन बनाए। तत्कालीन बड़े-बड़े विशाल भवनों में सर्वप्रसिद्ध 'श्वेत मंदिर' था, जो एक ऊंची जगती पर बना था। यहां पर अनेक प्रकार की उत्कीर्णित मुहरें मिली हैं। राजवंशीय कालों में, उरु राजनीतिक शक्ति तथा धार्मिक क्रियाकलापों का केंद्र रहा। उरु के प्रमुख पुरातात्त्विक अवशेष एन्ना का मंदिर, कुछ पुरालेख और जिगुरात हैं।

ushabti **उशेबती**

ममी के साथ समाधि में रखी जानेवाली मूर्ति। इस प्रकार की मूर्तियों में, बहुधा 'प्रेत-पुस्तक' (Book of the Dead) के अंश उत्कीर्ण किए जाते थे। ये मूर्तियां लकड़ी तथा पत्थर की बनी और प्रायः 101 मि० मी० से 228.6 मि० मी० तक लंबी होती थी। मिस्री तुंबों में, इस प्रकार की मूर्तियां बहुत बड़ी संख्या में मिली हैं। यह धारणा उन दिनों प्रचलित थी कि समाधिस्थ की गई मूर्तियां मृत व्यक्ति के अनुचर के रूप में सेवा करेंगी।

मिस्र के 'नव-राजवंश' काल की बनी, बहुत सुंदर उशेबती मूर्तियां मिली हैं, जिनमें मृत व्यक्ति का नाम भी अंकित होता था। इन

मूर्त्तियों को मृतक के शरीर के साथ रखने का कार्य उनके निकट संबंधी या अनुचर करते थे। इन मूर्त्तियों का सर्वप्रथम प्रयोग संभवत: 2,280-2,082 ई०पू० में हुआ होगा।

V

Vandal — वेंडेल

जर्मनी की वेंडेल नामक प्राचीन जाति, जिसने चौथी और पांचवीं शताब्दी ई० में, गॉल, स्पेन, रोम एवं उत्तरी अफ्रीका में लूटमार की और इन देशों की कलाकृतियों को अपार क्षति पहुंचाई। इस जाति के लोग प्राचीन काल में, बाल्टिक सागर के दक्षिण में विस्टुला और ओडर नदियों के मध्यवर्ती क्षेत्र में रहते थे। वेंडेल लोगों के द्वारा उत्तरी अफ्रीका के विशाल साम्राज्य को, सन् 534 ई० में बेलिसेरिएस ने समाप्त किया था।

vandalism — कला-विध्वंस, कला-ध्वंस

किसी देश या स्थान के ऐतिहासिक स्मारकों और वहां की कलात्मक वस्तुओं के विनाश, जलाने, तोड़ने या नष्ट करने का कार्य।

vaporarium — वाष्प-स्नानागार, भाप-स्नानघर

प्राचीन रोम के स्नानगृहों का वह भाग, जहां पर नहाने के लिए गर्म पानी की व्यवस्था होती थी।

vardastuga — काष्ठ-कक्ष

स्वीडन में, लट्ठों से बने एक कमरेवाले भवन, जो अमरीका के प्रारंभिक स्वीडनी भवनों का संभवत: आद्य रूप हो सकते हैं।

Varella — देगोडा, देवमंदिर, वरेला

पिरामिड मंदिर; मीनार की आकृति से मिलता-जुलता मंदिर।

Varve Chronology — अनुवर्षस्तरी तैथिकी

पुरातात्त्विक काल-निर्धारण की प्रविधि विशेष, जिसके प्रवर्त्तक वेरन जेरार्ड द गीर थे। अनुवर्षस्तर भू-पर्पटी के इस प्रकार के युग्मित जमाव

है, जिनमें एक पर्त्त बालू की तथा दूसरी पर्त्त चिकनी मिट्टी और चूना-पत्थर तथा चर्ट प्रस्तर के चूरे के क्रम से प्रतिवर्ष जमती रहती हैं। पर्त्तों का यह जमाव प्राकृतिक परिवर्तन के कारण प्रतिवर्ष होता है। इन युग्मित जमावों की गणना कर यह अनुमान लगाया जाता है कि इस विवेचनाधीन जमाव होने में कितने वर्ष लगे होंगे।

इस प्रकार के जमावजन्य अवसादन उन स्थलों में होते हैं, जहां पर वर्फ की नदियां बहती हैं। ये नदियां अपने जल के साथ पत्थरों के घर्षण से उत्पन्न बजरी, बालू तथा बहुत महीन चिकनी मिट्टी बहाकर ले आती हैं। अवसादन-प्रक्रिया में, भारी सामग्री पहले जमती है और तभी बाद में इस तैथिकी में आंतरिक साक्ष्य जैसे पीट तथा जैव अवसाद के वानस्पतिक अवशेषों का भी सहारा लिया जाता है। अनुवर्षस्तरों की गणना एक दुरूह कार्य है, क्योंकि ये सब स्तरों में एक जैसे नहीं होते। यही नहीं, प्राप्त सामग्री के मूल स्थान का पता लगाना भी पर्याप्त दुरूह कार्य है। पुरातात्त्विक काल-निर्धारण में, इस प्रविधि का महत्त्व सीमित है, परंतु भूवैज्ञानिक काल-निर्धारण में इसे काफी महत्त्वपूर्ण माना जाता है।

vegetation shadow — **वनस्पति-छाया**

भूगर्भ में दबे पुरातात्त्विक स्थलों का पता लगाने की एक प्रविधि किसी टीले या उस स्थान पर, जिसके नीचे कोई इमारत आदि दबी हो, वनस्पति की उपज और बढ़ोत्तरी बहुत कम होती है। विशेषकर यदि कोई फसल आदि उस क्षेत्र में लगी हो तो उसकी बाढ़ ही नहीं मारी जाएगी, बल्कि वह बहुत जल्दी पीली पड़ जाएगी। जहां पर भूमि के नीचे की सतह ठोस नहीं होगी, वहां वनस्पति का विकास सामान्य रूप में होगा। इस प्रविधि के प्रणेता ओ० जी० एस० क्रॉफोर्ड और मेजर एलेन हैं। इसका सर्वप्रथम प्रयोग सन् 1,906 ई० में हुआ।

veneer — **1. काष्ठ परत**

किसी लकड़ी, फर्नीचर या दीवार पर अलंकरण या सजावट के लिए अच्छी लकड़ी की परत चढ़ाना।

2. बाह्य परत, बाह्यावरण

किसी दीवार को सजाने या उसकी सुंदरता बढ़ाने के लिए उस पर किसी सामग्री का आवरण बाहरी ओर चढ़ाना।

ventral surface **अधर तल, अधस्तल**

किसी वस्तु के ऊपरी तल के नीचे का भाग ।

Venus **वीनस, सौंदर्य-देवी**

प्राचीन इटली और रोम की सौंदर्य, उपवन एवं सरोवर की अधिष्ठात्री देवी। यूनानी देवी एफ्रोडाइट से इसकी बहुत अधिक साम्यता थी । 217 ई० पू० में, वीनस का एक विशाल मंदिर रोम में स्थापित किया गया था । वीनस की विशाल मूर्त्ति लूव्र संग्रहालय में प्रदर्शन हेतु रखी है ।

Vermilion **सिंदूर**

ईंगुर को पीस कर बनाया गया चमकीला लाल रंग का चूर्ण, जिसे सरलता से जल में घोला जा सकता है ।

प्राचीन काल से सिंदूरी रंग का प्रयोग चित्रकार आदि करते आ रहे हैं ।

अनादि काल से, सिंदूर का प्रयोग सौभाग्यवती हिंदू स्त्रियां मांग में भर कर करती रही हैं । सौभाग्यवती स्त्रियों को, चित्रांकन में, उनकी मांग को लाल रंग से अंकित किया जाता है ।

vertical digging **खड़ी खुदाई, लंबमान खुदाई**

किसी पुरातात्त्विक स्थल का कूप की तरह ठीक नीचे की ओर गहराई में खोदा जाना । इसका उद्देश्य सीमित क्षेत्र मे पुरातात्त्विक स्थल के सांस्कृतिक अनुक्रम का पता लगाना होता है। खड़ी खुदाई के द्वारा ही सिंधु घाटी की तलहटी में नीचे दबे सात स्तरों का पता लगा था, जिनके आधार पर यह ज्ञात हो सका कि वहां स्थित नगर सात बार बना और उजड़ा था ।

Vertical excavation **लंबमान उत्खनन, उदग्र उत्खनन, खड़ी खुदाई**

जब किसी पुरातात्त्विक स्थल में प्राप्त सभ्यताओं का क्रम मात्र जानना होता है, तब एक ऐसा गड्ढा खोदा जाता है, जो टीले के सबसे ऊंचे स्थान पर स्थित होता है । इसका आकार सामान्यतया 20 या

30 मीटर लंबा और 5 या 10 मीटर चौड़ा होता है। गड्ढे का मुख उत्तर से दक्षिण या पूर्व से पश्चिम की ओर होता है । लकड़ी की खूंटियां एक-एक मीटर की दूरी पर लगा दी जाती हैं। खूंटी में 1, 2, 3, 4 संख्याओं का क्रमश: अंकन होता है और दूसरी ओर 1', 2', 3', 4', इत्यादि लिखा जाता ह । (') चिह्न लगाने से माप करने में सुविधा होती ह । इस प्रविधि से खड़ी और सीधी खुदाई की जाती है तथा परतो का अनावरण क्रमानुसार हो पाता है। प्राप्त मकानों, दीवारों इत्यादि के चित्र ले लिए जाते हैं। इससे संपूर्ण सभ्यता का आदि से अंत तक क्रमिक ज्ञान हो पाता है। खड़ी खुदाई से सभ्यताओं का क्रम ज्ञात होत है ।

अन्यत्र दे० vertical digging.

Vescica piscis — **मत्स्याकार, अंडाकार**

रेखीय आकृति, जो दो चापों के बीच समान त्रिज्या पर बनी हो। इसमें प्रत्येक चाप मध्य से होता हुआ जाता है, जिस पर दूसरा चाप बनाया जाता है ।

Vestibule — **अर्धमंडप, अंतराली**

किसी प्राचीन मंदिर या भवन में प्रवेश करने का भाग।

अब यह शब्द किसी भवन के अंत: भाग और बाहरी द्वार के बीच स्थित प्रवेश-मार्ग के लिए प्रयुक्त किया जाता है ।

vestige — **अवशेष**

वह, जो उपयोग, उपभोग, विनाश, क्षरण या भ्रंश आदि के उपरांत बचा रह गया हो, जैसे प्राचीन भवनों, स्मारकों या सभ्यताओं के अवशेष ।

vignette — **विसरित चित्र; लघु चित्र**

(अ) मूलत: अंगूर की बेल की आकृतिवाला अलंकरण। इसमें पत्ते-पत्तियां, फल के साथ बनाई जाती थी।

एक प्रकार का छोटे आकार का अलंकरण ।

(आ) किसी पांडुलिपि या पुस्तक के मुखपृष्ठ पर, या उसके अंत में अथवा किसी अध्याय के आरंभ या अंत में बने छोटे आकार का चित्र या अलंकरण ।

visorium **दर्शक-वीथी**

प्राचीन रोम और यूनान में, रंगभूमि का वह भाग, जहा पर दशकों के बैठने की व्यवस्था रहती थी ।

रंग-मंडप का दर्शक कक्ष । इस प्रकार की संरचना सरगुजा जिले के रामगढ़ तथा नागार्जुनीकोंडा में मिली है ।

vital sanctorium **पवित्र स्थल**

किसी मंदिर या भवन का वह भाग, जहा पर देवमूर्त्ति स्थापित हो; देवस्थान ।

vitreous slip **काच-लेप, चमकदार लेप**

विशेप प्रकार के मिट्टी के वर्त्तनों के ऊपर लगाए गए गाढ़े व गीले लेप की तरह, जिसके सूखने और वर्त्तन के आग में पकाए जाने पर वह काफी चमकदार और चिकनी हो जाती है । प्राचीन सभ्यताओं में, इस प्रकार के काच-लेपयुक्त मिट्टी के वर्त्तन खुदाई में मिले है ।

Vitruvian **विट्रूवी**

आगस्टसकालीन प्रसिद्ध वास्तुकार; मार्क्स विट्रूवियस पोलियो (प्रथम शताब्दी ई० पू०) का उससे संबधित । प्राचीन रोमन वास्तुकला को विट्रूवियस ने, बहुत अधिक प्रभावित किया था । उसने दस खंडों में वास्तुकला पर एक वृहत् ग्रंथ भी लिखा था।

vitruvian scroll **कुंडलित पत्रालंकरण**

किसी संरचना की सजावट के लिए फूल और पत्तियों की बेलदार सजावट, जो लच्छेदार एवं लहरदार भी होती है । प्राचीन वास्तुकला में, इस प्रकार के अलंकरण भवनों और दीवारों में बहुत अधिक पाए गए है।

vomitorium (=vomitory) **प्रवेश द्वार**

प्राचीन रोम की रंगशाला का वह अग्र भाग, जहां से रंगशाला के अंदर प्रवेश किया जाता था ।

Vulcan **अग्नि देवता, वल्केन, वल्केनस**

रोमन देवशास्त्र में वर्णित अग्नि देवता, जिसकी पूजा का आरंभ, सेवाईन राजा टाइटस टेसस ने किया था । हस्तकला एवं धातुविज्ञान के संरक्षक और यूनानी देवता हिफेस्टस से इसका बहुत अधिक साम्य है ।

W

wainscot काष्ठास्तरण

भीतरी दीवार में लकड़ी का अस्तर लगा होना या काष्ठालंकरण।

waistband कटिबंध, मेखला

कमर में बांधने का एक लंबा वस्त्र, फीता या पेटी। प्राचीन काल से ही विश्व के अनेक भागों में कमर को बांधने की प्रथा प्रचलित रही है। प्राचीन भारतीय मूर्तिकला में, इस प्रकार का कटिबंध स्त्रियों तथा पुरुषों द्वारा प्रयुक्त होते थे। अलंकरण के लिए मेखला में क्षुद्र घंटियां भी लगाई जाती थीं। कटिबंध को आजकल कमरबंद कहा जाता है।

waist-girdle मेखला, करधनी

कमर में पहनने का सोने या चांदी की लड़ों का बना प्राचीन आभूषण। प्राचीन भारतीय मूर्तियों से इस आभूषण के प्रयोग का ज्ञान होता है।

waivelined pottery लहरियादार मृद्‌भांड

वे मिट्टी के बर्त्तन, जिनमें अलंकरण के लिए तरंगाकार रेखाएं बनाई जाती थीं।

weathering अपक्षयण

किसी इमारत या भवन इत्यादि के रंग-रूप, आकार-प्रकार उसकी बनावट आदि में जलवायु-परिवर्त्तन, धूप तथा समय के प्रभाव के परिणामस्वरूप हुआ क्षय या विघटन। इस विघटन की स्थिति से इमारत की प्राचीनता का अनुभव किया जाता है।

weet-weet वीट-वीट

आस्ट्रेलिया के आदिम-वासियों का एक उपकरण या खिलौना। इसका भार दो औंस और लंबाई लगभग ·6099 मीटर होती है।

well preserved site **सुरक्षित स्थल**

वह प्राचीन स्थल, स्मारक, इमारत या स्थान, जो प्राचीन सांस्कृतिक संपदा के रूप में अपने मूल रूप में सुरक्षित हो।

Wessex culture **वेसेक्स संस्कृति**

दक्षिणी इंग्लैंड के प्रारंभिक कांस्य युग की संस्कृति, जिसका ज्ञान भूगर्भ में दबे और उत्खनन के परिणामस्वरूप अनावृत हुए लगभग 100 शवाधानों से हुआ है। इस संस्कृति की तीन प्रावस्थाएं हैं, जिनका काल 1,650 ई० पू० से 1,400 ई० पू० तक माना जाता है। इस सभ्यता के लोग तांबे तथा कांसे के उपकरणों का प्रयोग करते थे। इन लोगों का निकटवर्ती अनेक देशों से व्यापारिक संबंध रहा होगा, क्योंकि शव-पेटिकाओं में दूसरे स्थानों की अनेक वस्तुएं रखी मिली हैं।

wheel **चक्र, पहिया**

गोल आकार की ऐसी वस्तु, जो अपनी धुरी पर घूमती हो अथवा घूमने के लिए बनी हो, जैसे—मिट्टी के बर्तनों को बनाने के काम में प्रयुक्त चाक, किसी गाड़ी का पहिया या आटा पीसने की चक्की।

प्राचीन मानव के द्वारा आविष्कृत प्रमुख वस्तुओं में चाक भी एक था। कहा जाता है कि लगभग 3,400 ई० पू० में, मेसोपोतामिया में, मिट्टी के बर्तन बनाने के चाक का अन्वेषण हो चुका था। उर के शाही ध्वज में चाक की आकृति अंकित की गई थी।

चाक प्राय: ठोस होते थे और एक ही लकड़ी के बने होते थे। मिस्र में इनका प्रयोग हिक्सास (लगभग 1,640-1,570 ई० पू०) लोगों ने किया था। पहिए के अन्वेषण के फलस्वरूप हल्के और कम भारवाले युद्ध-रथों का आविष्कार हुआ। यह माना जाता है कि चाक और पहिए का प्रयोग सिंधु नदी की घाटी में पल्लवित सभ्यता में हो चुका था। मिनोआई, चीन की अन्यांग तथा अन्य अनेक सभ्यताओं में भी चाक एवं चक्र का प्रयोग मिलता है

चक्र का प्रयोग प्राचीन काल से यातायात तथा मृद्भांड बनाने के लिए किया जाता रहा है। सबसे प्राचीन गाड़ी, दो पहिए की बनी थी जिसमें पशु जोते जाते थे। मूर्तिकला में, भगवान् विष्णु का प्रतीक चक्र रहा है। सम्राट् अशोक के स्तंभों के सबसे ऊपरी भाग में चक्र का अंकन मिला है, जिसे भगवान् बुद्ध का धर्म-चक्र माना जाता है।

whinger — कटार, खंजर

लघु आकार की तलवार। सामान्यतः एक बालिश्त लंबा एक प्रकार का तिकोना और दुधारा हथियार, जो छोटी तलवार जैसा होता है।

White Indian — गौर इंडियन (अमरीकी)

कूनान नस्ल की एक इंडियन जाति, जो पहले पनामा जल-डमरूमध्य क्षेत्र के एक बहुत बड़े भाग में निवास करती थी। ये लोग आज भी यहां के अनेक ग्रामों में निवास करते हैं।

willow leaf point — *विलो पत्राकार वेधनी*

लगभग अंडाकार नोकदार या त्रिकोणाकार छोटी नोंकवाला प्रागैतिहासिक उपकरण। इस उपकरण की पूरी सतह पर धीरे-धीरे प्रहार कर छोटे-छोटे शल्क निकाले जाते थे। इस उपकरण को सोल्यूत्री काल में आविष्कृत माना जाता है। विलो वृक्ष या झाड़ी की पत्तियों से इसका आकार काफी मिलता है, कदाचित इसीलिए इसे विलो पत्राकार वेधनी कहा जाता है।

X

xanthoderm — पीतचर्म, पीत त्वक्

उन प्रजातियों में से एक, जिनकी त्वचा का रंग पीला हो, यथा मंगोल प्रजाति।

xoanon — तक्षित मूर्ति

प्राचीन यूनान में लकड़ी को तराश कर बनाई गई मूर्ति।

X-ray Crystallographic method — एक्स-किरण क्रिस्टल संरचनात्मक प्रणाली

वह रासायनिक प्रविधि, जिसके अंतर्गत पुरातत्ववेत्ता हड्डियों में स्थित क्लोरीन, यूरेनियम और नाइट्रोजन तत्त्वों का विश्लेषण, इन तत्त्वों के

परिणाम-भेदों और उत्खनित वस्तु के तुलनात्मक काल-निर्धारण के आधार पर कर सकता है। यह विश्लेषण इस तथ्य पर आधारित है कि भर्गभित अस्थियां भूमि में स्रावित जल से फ्लोरीन और यूरेनियम धीरे-धीरे ग्रहण करती हैं। फ्लोरीन की मात्रा का ज्ञान रासायनिक प्रणाली या ऐक्स-किरण क्रिस्टल संरचनात्मक प्रणाली से किया जाता है। मेकोनेल ने, अस्थियों की आयु निश्चित करने के लिए इस प्रविधि को संदेहास्पद बताया है। अब किसी भी सामग्री की रेडियो-सक्रियता से यूरेनियम की मात्रा का पता लगाया जा सकता है।

Y

Yamato culture **यामातो संस्कृति**

जापान के वे निवासी, जो आद्य-ऐतिहासिक काल में जापान की मुख्य भूमि में प्रविष्ट हुए थे। ये यामातो, अल्पाइन प्रजाति की विशेषताओं से युक्त थे। इनकी संस्कृति के अवशेष जापान में प्राप्त हुए हैं।

Yayoi culture **यायोई संस्कृति**

कांस्य और लौह युगीन जापान की संस्कृति, जिसके अवशेष सन् 1,884 ई० में, सर्वप्रथम तोक्यो के यायोई नामक स्थान में प्राप्त हुए। प्राप्त लाल रंग के मृद्भांडों में प्रायः अलंकरण नहीं किया गया है, पर कुछ पात्रों में खड़ा उत्कीर्णन तथा कंकत-अलंकरण मिलता है।

इस संस्कृति को प्रागैतिहासिक कोरियाई और चीनी संस्कृतियों ने प्रभावित किया। यह संस्कृति जापान में जोमोन संस्कृति के उपरांत लगभग 250 ई० पू० में विकसित हुई। इस संस्कृति के लोग अपने मृतकों को विशालकाय कलशों में गाड़ते थे। ये लोग चावल की खेती भी करते थे।

Z

Zababa **जबाबा**

सुमेर का युद्ध देवता।

Zapotec **सापोतेक**

मेक्सिको के ओक्सका के प्राचीन निवासी। इनका प्रमुख निवास क्षेत्र, ओक्सका की घाटी थी, जिसमें सबसे महत्त्वपूर्ण मोंट एल्बन का स्थान था। यह संस्कृति मय एवं नाहुआ संस्कृतियों से बहुत अधिक प्रभावित हुई। ये लोग युद्धप्रिय थे। इन्होंने अज्तेक आक्रमण के विरुद्ध अपनी रक्षा की। लगभग 300 ई० में, इन्होंने एक विशिष्ट सापोतेक संस्कृति की नींव डाली। लगभग 14 ई० में, इनके बहुत बड़े क्षेत्र में मिक्सतेक लोगों ने अधिकार कर लिया। इनकी संस्कृति अत्यधिक उन्नत थी। सापोतेक भाषा मेक्सिको के प्रसिद्ध भाषायी परिवार में से एक भाषा है। ये लोग कर्मकांडीय संस्कृति के जनक थे। इन्होंने एक पंचांग का आविष्कार किया और लेखन की एक विशिष्ट शैली या प्रणाली भी प्रवर्तित की।

Zend-Avesta **जेंद-अवेस्ता**

प्राचीन पारसी धर्म की पवित्र पुस्तकें। इसका परिष्कृत रूप आज भी पारसियों में प्रचलित है। प्राचीन ईरानी भाषा में लिखित अवेस्ता के चार मुख्य विभाग हैं।

Zephyrus **जेफिरस**

यूनानी देव-शास्त्र में पछुआ हवा का मानवीकृत रूप। इसे एसट्रेयस या इओलस का पुत्र माना गया है। यह उन दो असाधारण अश्वों का पिता भी माना जाता है, जिन्हें एकीलीज अपने साथ ट्रोजन युद्ध में ले गया था।

Zew **देवपति, जूस**

प्रसिद्ध यूनानी देवता, जो देवताओं और मानवों का पिता माना जाता था। यह सर्वोच्च ओलंपियाई देवता था।

जूस आकाश का देवता कहा जाता है। यह अनेक शिशु-देवताओं, अर्ध देवताओं और वीरों का पिता माना गया है। इसको अनगिनत उपाधियां मिली हैं। बाज और ओक इसे सर्वाधिक प्रिय थे। जूस की उपासना होमर के समय में सारे यूनान में प्रचलित थी। इसकी अनेक मूर्त्तियां और चित्रित आकृतियां प्राचीन यूनान में मिली हैं। भारतीय गांधार कला तथा हिंद-यूनानी शक-पहलव सिक्कों पर इस देवता की प्रतिमा मिली है। भारतीय देवराज इंद्र की तरह इसका मुख्य आयुध वज्र था।

Zhob culture **जोब संस्कृति**

उत्तरी बिलोचिस्तान की ताम्रपाषाणकालीन संस्कृति। इसके प्राप्त मृद्भांडों में लाल लेप के ऊपर काले और लाल रंग में बने चित्र मिले हैं। भांडों पर क्षैतिजाकार पट्टियां भी बनी हैं। अनेक आकार-प्रकारों में बने मृद् भांड इस संस्कृति की विशेषता है। इन प्राप्त अवशेषों के आधार पर कहा जा सकता है कि तत्कालीन भवन कच्ची ईंटों से बने होते थे। इस संस्कृति की तिथि चौथी से तीसरी सहस्राब्दी ई० पू० मानी गई है। इस संस्कृति में तांबे का प्रयोग काफी कम मात्रा में मिलता है। जोब के प्रसिद्ध स्थलों में रानाघुंडई विशेष उल्लेखनीय है।

Ziggurat (=staged tower) **जिगुरेट**

बेबिलोनिया का सशिखर मंदिर; बेबिलोनिया के लोगों द्वारा बनाए गए विशाल पिरामिडाकार मंदिर, जिन्हें मूलतः सुमेरवासियों ने बनवाया था। ये आयत रूप में सोपानाकार मंदिर थे। इसमें सोपान बाहर की ओर बने होते थे। यह पिरामिडाकार संरचना ऊपर की ओर छोटी और नीचे की ओर सोपानाकार रूप में चौड़ी होती थी। पूजा-स्थल इसके शीर्ष भाग में स्थित होता था। सर्वोत्कृष्ट जिगुरेट के अवशेष उर, बेबिलोन तथा एलाम में मिले हैं। एलाम का चोगा जंबिल जिगुरेट काफी अच्छी स्थिति में विद्यमान है।

Zinjanthropus **जिन्जैन्थ्रोपस, जिंज मानव**

ओल्डुवाई सतह में प्राप्त आस्ट्रेलोपिथिकस प्रजाति का आरंभिक मानव, जिसके जबड़े बड़े विशाल थे। यह मानव एक लाख पचहत्तर हजार वर्ष पूर्ववर्ती माना जाता है।

Zlota pottery **ज्लोटा भांड**

नवपाषाणकाल के ताम्रयुगीन क़ब्रिस्तान ज्लोटा में मिले मृद्भांड। ज्लोटा दक्षिणी पोलैंड के सेंडोमार्यज (Sandomierz) नामक स्थान में स्थित है। उत्खनित शवाधानों में अनेक प्रकार के मिट्टी के बर्त्तन मिले हैं, जिनमें रज्जु अलंकरण भी अंकित हैं। इन मृद्भांडों से यह पता चलता है कि बाड़ेन संस्कृति से इनका संपर्क रहा होगा।

हिंदी-अंग्रेजी शब्दानुक्रमणिका

अंकन खूंटी	plotting stake
अंकन शंकु	plotting stake
अंगकोर	Angkor
अंगुष्ठ-नख क्षुरक	thumb-nail scraper
अंगुष्ठ-नख खुरचनी	thumb-nail scraper
अंड-लांगल सज्जा-पट्टी	egg and anchor ornament
अंड-वल्क पोर्सिलेन	egg shell porcelain
अंड-शर सज्जा	egg and dart design
अंडस्कंध	boss
अंडाकार	oval shaped, vescica piscis
अंडाकार हस्तकुठार	ovate hand-axe
अंडाभ उपकरण	ovoid tool
अंडालंकरण	echinus
अंडिल	oval shaped
अंतः एजेंसी पुरातात्त्विक भ्रंशोद्धार कार्यक्रम	inter-agency archaeological salvage programme
अंतर्देवालय	penetralia
अंतर्निर्मित धान्य-कोष्ठ	built in storage bin
अंतराली	vestibule
अंतर्हिमनदीय	interglacial
अंतर्हिमानी	interglacial
अंतर्हिमावर्त्ती	interglacial
अंतस्थ क्षुरक	end scraper
अंतस्थ खुरचनी	end scraper

अंतस्थ समतल उपकरण	terminal flat base
अंतिम कोट	intonaco
अंतिम लेप	intonaco
अंत्य खुरचनी	end scraper
अंध गुहा	cave true
अंब्री जन	Umbrian people
अंब्रीयाई जन	Umbrian people
अट्टालिका	palazzo
अभ्रकी	micaceous
अमर। पक्षी	phoenix
अरुणाभ मृद्भांड	peach loom
अलंकृत तोरण	pai-loo
अलंकृत रकाबी	patera
अल्पनूतन युग	oligocene epoch
अंवठ	rim
अकाचित भांड	doki
अकीक	agate
अक्का जन	Akka tribe
अक्कादी	Akkadian
अक्कादी जन	Akkadian people
अक्कादी मूर्त्तिकला	Akkadian sculpture
अक्रमिक उत्खनन	promiscuous excavation
अखाड़ा	amphitheatre
अगल्मा	agalma
अग्नि कुंड	fire pit
अग्नि देवता	Hephaestus, Vulcan
अघटित पाषाण	cabochon
अजीलियायी संस्कृति	Azilian culture

अज़ीली संस्कृति	Azilian culture
अतलांतीय मानव	Atlanthropus
अतिनूतन युग	Pliocene epoch
अतरी	Aterian
अत्यंत नूतन युग	Pleistocene epoch
अदाह् भांड	green ware
अध: तापक कक्ष	hypocaust
अध: स्तर	substratum
अधर तल	ventral surface
अधस्तल	ventral surface
अधिष्ठान	substratum
अधोजल पुरातत्व	underwater archaeology
अधोभूमिक	hypogeum
अधोमुखी माप	downward measurement
अधो लेप	engobe
अध्यारोपण	superimposition
अध्यारोपित भवन	superimposed building
अनंकित	anepigraphic
अनगढ़ पत्थर	cabochon
अनासाज़ी	Anasazi
अनियमित वेधनी	irregular point
अनुद्वाच्य उत्कीर्ण लेख	undecipherable inscription
अनुनद सभ्यता	riparian civilization
अनुपुरापाषाणकालीन संस्कृति	Epipalaeolithic culture
अनुर्वर भूमि	sterile ground
अनुर्वरता-स्तर	sterile layer
अनुवर्षस्तरी तैथिकी	varve chronology
अनुशल्कन	retouch

अनुशल्कन-प्रविधि	retouching technique
अनुशोधन	retouch
अनुशोधन-प्रविधि	retouching technique
अपक्षयण	weathering
अपखंड	chip
अपखंडन-प्रविधि	chipping technique
अपघर्षक	abrader (=abraser)
अपघर्षित्र	abrader (=abraser)
अपरदन	erosion
अपशकुन-निवारक	apotropaic
अपाठ्य उत्कीर्ण लेख	undecipherable inscription
अप्रत्यक्ष आघात प्रविधि	indirect percussion techniq
अबखासी जन	Abkhasian people
अबू सिम्बल	Abu Simbel
अबेवीली	Abbevillian
अभय-मुद्रा	gesture of protection
अभिघट्य मृत्तिका	fictile
अभिरेखण	graffitti, graffito
अभिलेख	inscription
अभ्यंग कक्ष	conisterium, alipterion
अमराती जन	Amratian people
अमराती लघु मूर्त्ति	Amratian figurine
अमरीकी इंडियन	American Indian Amerindian
अमूदी	Amudian
अमेरिंडियन	Amerindian
अयस् उत्कीर्णन	siderography
अरघट्ट	bucket wheel
अरिबेलस	aryballus

अर्धचंद्र फलक	crescent blade
अर्धचंद्र रंगमंडप	cavea
अर्धचंद्राकार	lunate, lunulae
अर्धचंद्राकार वेधनी	crescentic point
अर्धनारीश्वर मूर्ति	androgynous image
अर्धमंडप	vestibule
अलंकृत	figury
अल-आर्गर संस्कृति	El Argar culture
अल-उबेद जन	Al Ubaid folk
अलमेरिया	Almeria
अलिखित	anepigraphic
अल्तामिरा	Altamira
अवकर निक्षेप	refuge deposit
अवकर स्थान	garbage dump
अवतल अश्मी	saddle back quern
अवतल क्षुरक	concave scraper
अवतल खुरचनी	concave scraper
अवतल चक्की	saddle back quern
अवतलोत्तल	concavo convex
अवतुंब	catacomb
अवसादी शैल	sedimentary rock
अवशिष्ट	remnant
अवशेष	vestige, remnant
अवशेष कक्ष	relic chamber
अवशेष पात्र	fertory, relic receptacle
अवशेष मंजूषा	relic casket
अविचारित तिथि-निर्धारण	off-hand dating
अश्मोत्कीर्णन	lapidary

असि	sword
अस्तूरियायी संस्कृति	Asturian culture
अस्त्र अवक्षेपी	catapult
अस्थायी रेखा	cribbing
अस्थि-पात्र	ossuary
अस्थि-भस्माधान	cremation burial
अहरेंसवर्ग संस्कृति	Ahrensburg culture
अहाड़ संस्कृति	Ahar culture
अहुरमज्द	Ormazd
आंवा	Kiln
आंशिक स्वर्ण-रंजित	parcel gilt
आइनू जन	Ainu people
आइबेरियायी मानव	Iberian man
आकाचित भांड	enamelled ware
आकस्मिक खोज	chance discovery
आकाशी पर्यवेक्षण	aerial supervision
आकृति पाषाण	figure stone
आकृतियों से अलंकृत पात्र	terra sigillate
आखुरहल	scratch plough
आग में पकी मिट्टी	terracotta
आगार्न पोटैशियम काल-निर्धारण	Argon Potassium dating
आग्नेय शैल	igneous rock
आग्रीव अलंकरण,	protoma
आघात उपकरण	striking tool
आघात औज़ार	striking tool
आघात कंद	bulb of percussion
आघात प्रविधि	hammering technique
आघात मंच	striking platform

आघात-रीति	percussion method
आघात शल्कन	percussion flaking
ऑटोनी कला	Ottonian art
आडिन देवता	Odin
आदि काल	Archaic period
आदि पाषाणयुगीन	archaeolithic
आदिम	primitive
आदिम मानव	primitive man
आदिवासी कुटीर	gunyah
आद्य ऐतिहासिक पुरातत्व	proto historic archaeology
आद्य पाषाणयुगीन	protolithic
आद्य प्ररूप	prototype
आद्य रूप	prototype
आद्य होमो	proto homo
आधार	base
आधार-तल	foundation level
आधार-निक्षेप	foundation deposit
ऑनिक्स	Onyx
आपत्तिकालिक शवदाह	catastrophic cremation
ऑब्सीडी	obsidian
ऑब्सीडी जलयोजन काल-निर्धारण	obsidian hydration dating
आभासी दीवार	ghost wall
आभूषण	lunulae
आमरी नाल संस्कृति	Amri Nal Culture
आयाग-पट्ट	tablet of homage
आयोनी	Ionian
आरिगनेशी मानव	Aurignacian man
ऑरेनी उद्योग	Oranian industry

आर्य सभ्यता	Aryan civilization
आला	bench nook
ऑलिगोसीन युग	Oligocene epoch
ऑल्तेनी संस्कृति	Oltenian culture
आवासगृह	habitacle
आवास चिह्न विहीन स्तर	sterile layer
आवास तल	floor level
आसीन मूर्ति	seated image
आहत सिक्का	punch-marked coin
आहनन-प्रविधि	hammering technique
आहार-संग्रहण अवस्था	food-collecting stage
इकधारी तलवार	back-sword
इकधारी फलक	backed blade
इकोटोबा	ekotoba
इगोरी भांड	Egorai ware
इत्रदानी	alabastrum
इरेक्थियम	Erechtheum
इलाम संस्कृति	Elam culture
इष्टिका कूप,	ring well
ईंट मेहराबी समाधि	brick vaulted tomb
ईजियन कलश	Aegean vase
ईजियन संस्कृति	Aegean culture
ईजिस	Aegis
ईहामृग	achech, Chimaera
उकड़ू बैठी मूर्ति	manaio
उच्चित्र	glyph
उठान	boss
उत्कीर्तित अलंकरण	incised decoration

उत्कीर्ण अंकन	intaglio
उत्कीर्ण अभिलेख	epigraph
उत्कीर्ण अलंकरण	incised decoration
उत्कीर्णक	graver, scauper
उत्कीर्ण चित्रकारी	intaglio
उत्कीर्ण प्रतिमा	'graven' image
उत्कीर्ण मुद्रा	engraved seal
उत्कीर्ण मूर्त्ति	'graven' image
उत्कीर्ण शिलापट्ट	stele
उत्कुटिकासन	manaia
उत्खनक	excavator
उत्खनन	*dig, excavation*
उत्खनन-क्षेत्र	excavation area
उत्खनन-रेखा	excavation line
उत्खनन-स्थल	excavation site
उत्खनित सामग्री	excavated material
उत्खनित स्थल	excavated site
उत्तर पुरापाषाण काल	upper palaeolithic age
उत्तरी काले ओपदार मृद्भांड	Northern black polished ware
उत्तल	convex
उत्तल किनारेवाला	convex-sided
उत्तल पार्श्व	convex-sided
उत्तल लघु अक्ष	convex oblate
उत्तल (कार्यागि) लब्वक्ष	convex oblate
उद्धारक पुरातत्त्व	salvage archaeology
उत्सेध	elevation
उत्सेधमापी	*tachymeter*
उदग्र उत्खनन	vertical excavation

उद्धार उत्खनन	rescue excavation
उद्भृत	empaistic
उद्भृत पट्टिका	banderole, bannerol
उद्भृत प्रतिमा	relief image
उद्भृत मूर्ति	relievo sculpture
उद्भृति	relief
उद्योग	industry
उद्वर्ती	upturned
उद्वाचन	decipher
उन्नतोद्दर	convex
उन्मत्त मद्यप	bacchanalian
उपकरण	tool
उपत्रिकोणात्मक वेधनी	sub triangular point
उपरि चित्र-पट्टिका	upper register
उपरि बाहु	upper arm
उपरि शिला-पट्ट	upper register
उपांताश्म	kerb
उपास्य मूर्ति	devotional image
उबेद संस्कृति	Ubāid culture
उभयावतल	concave
उभरी आकृतियुक्त अस्थि फलक	bossed bone
उभार	boss, relief
उभारदार पट्टिका	banderole
उमियाक	Umiak
उरः अलंकरण	pectoral ornaments
उरू संस्कृति	Uruk culture
उर्वर क्षेत्र	fertile crescent
उर्वर चाप	fertile crescent

उशेवती	Ushabti
उष: पाषाण उपकरण	eolithic tool
उष्णीष	rail coping
ऊंचाई	elevation
ऊर्ध्व मार्ग	aven
ऊर्मि-चिह्न	ripple marks
एंक	Ankh
एंफोरा	amphora
एकपक्षीय समतल उपकरण	uni-lateral flat base
एक पार्श्वीय केंद्रक	uni-lateral nucleates
एकमुखी	unifaced
एकमुखी उपकरण	uniface tool
एकमुखी औजार	uniface tool
एकशृंगी	unicorn
एकांतर शल्कन	alternate flaking
एकांतर शल्कन-प्रविधि	alternative flaking technique (= 'S' Twist)
एकाश्म	monolith
एकीकरण काल	integration period
एक्रोपोलिस	acropolis
एगेट	agate
एटलांथ्रोपस	Atlanthropus
एट्रूरियायी	Etruscan
एट्रूरियावासी	Etruscan
एट्रूरिया संबंधी	Etruscan
एर्तेबोले संस्कृति	Ertebolle culture
एथिना देवी का मंदिर	Erechtheum
एपिनायी संस्कृति	Apennine culture

एपिस	Apis
एफलू मानव	Afalou man
एमर गेहूं	Emmer wheat
एमोरित जन	Amorites
एरिटाइन मृद्भांड	Arretine ware
एल्पाइन नस्ल	Alpine race
एल्पाइन प्रजाति	Alpine race
एस्किमो उमियाक	Eskimo umiak
एस्किमो जन	Eskimo people
एस्कोस	askos
ऐंबर	amber
ऐक्स किरण संरचनात्मक प्रणाली	X-ray Crystallographic method
ऐक्रोलिथ	acrolith
ऐलाबास्टर	Alabaster
ऐल्पीय मानव	Alpine man
ऐश्यूली (संस्कृति)	Acheulean (culture)
ऐहिक कला	temporal art
ओडर संस्कृति	Oder culture
ओडियन	Odeon
ओथिन	Othin
ओपयुक्त पाषाण उपकरण	polished stone implement
ओल्डवी संस्कृति	Oldowan culture
ओल्मेक	Olmec
ओसाइरिस	Osiris
ओसेट जन	Osset people
औजार	tool
औदी	audi
औरिग्नेशी	Aurignacian (culture)

कंटीली अस्थि	barbed bone
कंटीली हड्डी	barbed bone
कंठहार	necklace
कंठा	necklet, torc
कंठदार अवठ	collared rim
कंदरा	grotto
कंदाकार	bulbous
ककुद अलकरण	bossed ornamentation
कगरदार	ledged
कगरीदार	ledged
कच्चा भांड	green ware
कच्ची ईंट	adobe, dobe, mud brick
कच्ची मिट्टी	unbaked clay
कच्छप क्रोड	tortoise core
कच्छप तावीज	tortoise amulet
कच्छप-पृष्ठ	turtle-back
कटार	whinger
कटिबंध	waistband
कटिहस्त मुद्रा	akimbo
कटोरा	bowl
कटोरा-ढक्कन	dish lid
कटोरा-स्तूप	bowl-barrow
कड़ाह	cauldron
कतरना	trim
कतरना उपकरण	chopping tool
कपाल-शल्यकर्म	trepanning
कपि मानव	pithecanthropus man
कबंधमूर्त्ति	torso

क़ब्र	grave, mausoleum
क़ब्र-लुंठन	grave plundering
क़ब्र-लूटना	grave plundering
क़ब्रिस्तान	burial ground, burial place, burial yard, cemetery, necropolis
कम उभरे	embossed in low relief
कमख्वाब अभिकल्प	brocade design
कमख्वाब शैली	brocade style
कमरखी	carinated
कमरखी भांड	ribbed ware
कमान	bow
करघा	loom
करधनी	waist-girdle
करनोम	kernos
कर्ण-कुंडल	ear pendant
कर्णभूषण	ear ornament
कर्तन	trim
कर्तित मृद्भांड	excised pottery
कर्मशाला	opera del duomo
कलश	urn
कलश की घुंडी	pommel
कलश-क्षेत्र	urn field, jar burial people
कलश-शवाधान	urn burial
कलशिका	ampulla
कलाकृति	curio
कलात्मक निधि	art treasure
कला-ध्वंस	vandalism
कला-विध्वंस	vandalism

कहरुवा मनका	amber bead
कांसे के उपकरण	bronze tools
कांस्य उपकरण	bronze tools
कांस्यकृति	bronze figure
कांस्यन	bronzing
कांस्य मंजूषा	An
कांस्य मूर्त्ति	bronze figure
कांस्यरूपण	bronzing
कांस्यरोपण	bronzing
कांस्य संस्कृति	bronze culture
काकुल	lock ring
काच-लेप	vitreous slip
काचन	glaze
काट	section
काट-आरेख	section drawing
काट-चित्रांकन	section drawing
कार्टरियम	cauterium
काठ-कोयला पहचान	charcoal identification
कार्यांतरित शैल	metamorphic rock
कार्प जिह्वा तलवार	carp's tongue sword
काबीरी	Cabiri
कार्बन तिथि निर्धारण	carbon dating
काल-दोष	anachronism
काल-दोषयुक्त	anachronistic
काल-निर्धारण	dating
काल-प्रतिनिर्धारण	cross dating
काल-भ्रम संबंधी	anachronistic
कालानुक्रम	chronology

कालानुक्रम बोध	chronological sequence
कालिक विदर	age cracks
कालीवंगा	Kalibangan
काष्ठ-अश्म मूर्ति	acrolith
काष्ठ-कक्ष	vardastuga
काष्ठ-कर्म	tabulatum
काष्ठ परत	veneer
काष्ठ प्राचीर	*palisade*
काष्ठ बीकर	Kero
काष्ठास्तरण	wainscot
किंपुरुष	centaur
किचिन मिडन	Kitchen midden
किनारा	edge, rim
किन्नर	Satyr
किवा	Kiva
कीट अलंकरण	maggot decoration
कीपाकार बीकर	funnel beaker
कीर्तिस्तंभ	*tropaeum*
कीलमुख	boss
कीलाकार	cuneiform
कीलाकार लेख-पट्टी	cuneiform tablet
कीलाक्षर	cuneiform
कीलाक्षर वर्ण	arrow headed characters
कीलाक्षरी पाठ	cuneiform text
क्रीट माइसीनी सभ्यता	Minoan Mycenean civilization
क्रीट सभ्यता	Minoan civilization
कुंडल	*ringlet, scroll*
कुंडल पट्टी मज्जा	roll and fillet molding

कुंडलिन चित्रपट	makimono
कुंडलित पत्रालंकरण	vitruvian scroll
कुंडलित मज्जापट्टी	scroll moulding
कुंडली	scroll
कुंत	lance
कुंताग्र	lancehead
कुंभकार-चक्र	potter's wheel
कुकुतानी संस्कृति	Cucutani culture
कुट्टिम खंडक	tessera
कुट्टिम गुटिका	tessera
कुठार	axe
कुठार-सान	axe-grinder
कुठार-हथौ ा	axe hammer
कुठाराग्र	axe-head
कुठारावरण	axe sheath
कुठाली	crucible
कुडई कल्लू	Umbralla stone
कुदाल	mattock
कुदाल कृषि	hoe agriculture
कुदाली	pick
कुदृष्टि-निवारक	apotropaic imagery
कुप्पी	lecythus
कुल्ली	Kulli
कुल्हाड़ी-हत्था	fasces
कूड़ा-करकट	midden
कूड़ा-निक्षेप	refuge deposit
कूदप्वां	coup-de-poing
कूबन संस्कृति	Kuban culture

कृंतित किनारा	chamfered corner
कृपक समुदाय	agricultural communit
कृषि अवस्था	agricultural stage
कृषिजीवी समुदाय	agricultural communit
केंद्रक	nucleates
केओलिन	kaolin
केटाकोंब	catacomb
केनानवासी	Canaanites
केनेनाइट	Canaanites
केरो	Kero
केश-कुंडल	lock ring
केशकुंडलिका	ringlet
केश-चिमटी	bodkin,
	hair ring, hair net
केशपाश	lock ring
केशबंध	hair net
कैंथरस	cantharus
कैंप	camp
कैनोपस	Canopus
कैंपग्नी	Campignian
कैल्डेई	Chaldaei
कैविया	cavea
कैसाइट	Kassites
कैस्ट्रो	castro
कैस्पी उद्योग	Caspean industry
कैस्पी द्वार	Caspiae portae
कोटर	socket
क्रोड	core

क्रोड उपकरण उद्योग	core tool industry
क्रोड तथा शल्क संस्कृतियां	core and flake cultures
क्रोड संस्कृति	core culture
कोण-तक्षणी	angle burin
कोणमापी	goniometer
कोपिलकाक	copilcoc
कोप्रोलाइट	coprolite
कोर	edge, rim
कोलोसियम	colosseum
कोष्ठ-मक़बरा	chamber tomb
कोष्ठ-शवागार	chamber tomb
क्लासिक काल	classic period
क्वार्ट्ज	quartz
क्लैक्टोनी	Clactonian
क्लैक्टोनी प्रविधि	Clacton technique
क्रमहीन उत्खनन	promiscuous excavation
क्रीट संस्कृति	Cretan culture
क्रूस-प्रभामंडल	cross nimbus
क्रेटर	crater
क्रोमलेक	cromleck
क्षुरक	scraper
क्षेत्र-अनावरण	area exposure
क्षेत्र-अभिलेखन	field recording
क्षेत्र-उत्खनक	field excavator
क्षेत्र-पुरातत्त्व	field archaeology
क्षेत्र-प्रणाली	area method
क्षेपक	pseudepigraph
क्षितिज	horizon

क्षैतिज स्तर-विन्यास	horizontal stratigraphy
खंड	insulae
खंडक	chopper
खडहर	ruins
खडा	glaive
खंती	digging stick
खगोलीय काल-निर्धारण	astronomical dating
खचन कार्य	inlay work
खचित कर्म	marquetry
खचित शिल्प	marquetry
खड़ी खुदाई	vertical digging, vertical excavatio
खड़ी पट्टी	stile
खड्ग	glaive, scimitar, sword
खड्ड	crater
खड्डी	loom
खदान विधि	trench method
खनक	ditcher
खनन-यष्टि	digging stick
खननी	digging stick
खनित्र	hack, shovel
खनित्र उपकरण	trenching tool
खांचेदार अलंकरण	grooved operation
खांचेदार क्षुरणी	notch scraper
खांचेदार खुरचनी	notch scraper
खांचेदार फलक	notched blade
खाडा	broad sword
खाई	ditch, moat
खाद्य-निषेध	food taboo

खाद्य भांड संस्कृति	food vessel culture
खाद्योत्पादन अवस्था	food producing stage
खुदाई	dig, excavation
खुदाई-क्षेत्र	excavation area
खुदी मुहर	engraved seal
खुरचनी	scraper
खोंसनी	*dibble*
गंगा घाटी निधियां	Gangetic hoards
गंठीला	bulbous
गडासा	chopper, side scraper
गच	*stucco*
गचकारी	stucco
गढ़बंदी	earth work
गढ़ी हुई मूर्त्ति	'graven' images
गतका	*back-sword*
गदा	mace
गदाशीर्ष	mace-head
गमला	bronteum
गर्जन-कक्ष	shaft grave
गर्त्त-कब्र	shaft tomb
गर्त्त-तुब	shaft tomb
गर्जियाई	Ger-zean
गर्त्त-पंजिका	pit register
गर्भ-गृह	adytum, naos, penetralia, sacrarium, sanctum, sanctum sanctorum
गलियारा	alure
गवाक्ष-पत्थर	port-hole stone
गांठदार	bulbous
गांधारकला	Greco-Buddhist art

गोताखोर	diver
गोपुर	pyramidal gateway tower
गोफन	bolas
गोफन-अवक्षेपक	catapult
गोफन-गोली	pellet, sling ball
गोफन पत्थर	sling stone
गोफना	sling
गोमुख	bukranium
गोमेद	agate
गोर्गन-मुख	gorgoneion
गोल ऐंफोरा	globular amphora
गोल खुरचनी	spoke shave
गोल दुर्ग	martelo tower
गोल दुहत्थी सुराही	globular amphora
गोल पेंदा	disc-base
गोल रंदा	spoke shave
गोल समाधि	tholas tomb
गोल स्तूप	round barrow
गोला	ovolo
गोलाकार खुरचनी	rounded scraper
गोली	pellet
गोर-इंडियन	White-Indian
ग्रिक्वा जन	Grigua people
ग्रिमाल्डी मानव	Grimaldi man
ग्रिमाल्डी गुहा	Grimaldi cave
ग्रीवालंकरण	pectoral ornaments
ग्रेवेती संस्कृति	Gravettian Culture
ग्रैवेयक	necklet

घंटाकार वरो	bell barrow
घंटाकार मृद्भांड	*bell* beaker
घंटाकार स्तूप	bell barrow
घंटाशीर्ष	bell capital
घनाकृति	block figure
घर्षक उपकरण	griding tool
घर्षित उपकरण	ground tool
घर्षित पत्थर	ground flat
घिसा पत्थर	ground flat
घुंडी	scroll
घुड़दौड़ का मैदान	hippodrome
घूरा	garbage dump,
	kitchen midden
चंचुआकार प्याला	Tasian beakers
चंचुमुखी उपकरण	rostrocarinate tool
चंचुमुखी औजार	rostocarinate tool
चंडी	Candi, Tjandi
चंदोवा	ciborium
चंब	dipper
चकमक कुठारी	hache
चकमक प्रक्षेप्य	flint projectile
चक्की पाट	grinding stone
चक्र	*disc, discus, whell*
चक्र निर्मित	turn table pottery
चक्राकार उपकरण	discoid
चक्राभ	discoid
चक्रिका	disc
चक्रिल अलंकरण	rouletted decoration

चक्रिल अलंकरणयुक्त भांड	rouletted ware
चक्रिल उपकरण	discoid
चक्री	tournette
चतुरंग प्रणाली	checkboard method
चतुररू-प्रणाली	quadrant method
चतुर्थक काल	quaternary period
चतुर्द्वारी	tetrapylon
चतुष्कोणीय उत्खनन	quadrant excavation
चमक	glaze
चमकदार लेप	vitreous slip
चय विधि	masonry
चरण	stage
चर्च-वेदी	sepulchre
चर्म नौका	Umiak
चल-समाधि	feretory
चषक	feretory, bowl, chalice, ciborium, crater, cup, goblet
चषक-चिह्न	Cupmarks
चांसेल	chancel
चांसलेड प्रजाति	Chancelade race
चाक	potter's wheel, tournette
चाक पर बने मृद्भांड	turn table pottery
चॉपर	chopper
चॉपर उपकरण संस्कृति	chopper tool culture
चारकोल-अभिनिर्धारण	charcoal identification
चिकनी मिट्टी	clay
चिकनी मिट्टी का घोल	slip
चित्रक	figurer
चित्र कुट्टिम	mosaic

चित्रपट	tapestry
चित्रफलक	medallion
चित्रलिपि	hieroglyphics, pictography
चित्रलेख	pictograph
चित्रलेखन	pictography
चित्रित	figury
चित्रोपकरण	cauterium
चिनाई	masonry
चिप्पड़	chip
चिरशव	mummy
चीनी मानव	Sinanthropus
चीनी मिट्टी	porcelain
चूने की बनी मूर्त्ति	stucco figure
चूरिंगा	Tjuringa
चूल	tang
चेड्डर मानव	Cheddar man
चैत्य	cenotaph
चैसी संस्कृति	Chasey culture
चौकोर आकृति	rhombus
छड़ प्रवेश विधि	probing method
छतरी	cenotaph, parasol
छत्ताकार गृह	beehive shaped house
छत्ताकार मंदिर	beehive shrine
छत्ताकार मक़बरा	beehive tomb
छत्र	ciborium, parasol
छत्रपाषाण	umbrella stone
छदिमा लगना	patination



जन-स्नानागार	thermae
जबाबा	Zababa
जलदुर्ग	crannog
जलपात्र	cantharus
जल-प्रलय पूर्व	antediluvian
जलस्थल संस्कृति	Terramara culture
जांच -खुदाई	test digging
जांच-गर्त्त	test pit
जांच-पट्टी	check strip
जादू-चिह्न	sigil
जार्जियाई जन	Georgian people
जाल	lattice
जालक	lattice
जालक-अभिन्यास	grid layout
जालक पद्धति	grid system
जाल-दंडिका	cancelli
जाल-निमज्जक	net sinker
जाल-शलाका	cancelli
जाली	lattice
जाली लेख	pseudepigraph
जावा मानव	Java-man
जिंज मानव	Zinjanthropus
जिगुरेट	Ziggurat
जिन्जैन्थ्रोपस्	Zinjanthropus
जिम्नेजियन	gymnasium
जिम्नोपीडिया	gymno-paiedia
जीर्णोद्धार	renovation
जीवाश्म	fossil

जीवाश्म-मानव	fossil man
जीवाश्म-विज्ञान	palaeontology
जीवाश्म साक्ष्य	fossil evidence
जीवाश्मीय पद्धति	palaeontological method
जीवित जीवाश्म	living fossil
जीवित फासिल	living fossil
जूस	Zeus
जेंद-अवेस्ता	Zend-Avesta
जेट	jet
जेड	jade
जेनस	Janus
जेफिरस	Zephyrus
जोब संस्कृति	Zhob culture
जोर्वे संस्कृति	Jorwe culture
ज्यामितिक अलंकरण	geometric ornament
ज्यामितिक कला	geometrical art
ज्यामितीय आकृति	geometric form
ज्लोटा भांड	Zlota pottery
झांगर संस्कृति	Jhangar culture
झांवा	flesh rubber, strigil
झामक	flesh rubber, strigil
झारी	ewer
झीलघर	lake dwelling, palafitte
झील-निवास	palafitte
झूकर संस्कृति	Jhukar culture
टंकन-प्रविधि	pecking technique
टांकी	graver, tranchet
टिकिया	tablet

टिकुली अलंकरण	finger tip ornament
टीला	cairn, mound, terp
टेंपरा	tempera
टेराजो	terrazzo
टेरामारा संस्कृति	Terramara culture
टेरा सिगिलेट	Terra sigillate
टैंग	tang
टोंका	chopper, side chopper
टोड़ा अलंकरण	bracket ornament
टोपीकल	hat-stone
ट्रनियन सल्ट	trunnion celt
ट्रांशे	trenchet
ट्रीटन	Triton
ठप्पांकित अलंकरण	impressed decoration
ठप्पांकित मुद्रा	die-struck coin
ठप्पे का काम	repousse
ठीकरा	crock, potsherd, sherd
डर्क	dirk
डाइक	dyke
डाउसिंग	dowsing
डॉलमेन	dolmen
डॉलमेन मूर्त्ति	dolmen deity
डिपर	dipper
डिमोटिक	demotic
डिस्टेंपर	tempera
डूरिंगटन प्राचीर	Durrington wall
डेनजेंट	Danzantes
डेन्यूबी संस्कृति	Danubian culture

डोंगा	sauce boat
डोरियन	Dorians
डोलमेन	druids altar, table-stone
ढक्कनदार कलश	canopic jar, canopic vase
ढक्कनदार वर्त्तन	canopus
ढाल	shield
ढोलाकार वर्त्तन	pithos
तंबूरूप	tectiform
तकिया	cross bar
तक्षण क्रिया	sculp
तक्षित आकृति	carved figure, sculptured figure
तक्षित मूर्ति	xoanon
तख्ती	tablet
तगाड़ी	hod
तटवर्ती सभ्यता	riparian civilization
तराशना	dress
तराशा हुआ	dressed
तर्जनी मुद्रा	index finger pose
तलचिह्न	bench mark
तल-चिह्न प्रणाली	bench method
तलछटी शैल	sedimentary rock
तल-निरीक्षण (प्रणाली)	surface inspection (method)
तल पट्टिका	lower register
तलवार	glaive, scimitar, sword
तलावगाहन	sondage
तलोद्यान	Hanging Garden
तवा	griddle
तसला	hod

तांबूलाकृति अभिप्राय	heart shaped motif
ताप संदीप्ति	thermoluminescence
ताबीज	amulet
ताबीजी मुद्रा	amulet seal
ताबीजी मुहर	amulet seal
ताबूत	cist, coffin
ताबूत-ढांचा	hearse
ताबूत वृत्त	cist circle
ताबूत शवाधान	cist burial
ताबूती क़ब्र	box grave
ताम्रपत्र लेख	copper plate inscription
ताम्र-पाषाण युग	chalcolithic age
ताम्र-प्रस्तर युग	aeneolithic period
ताम्र युग	copper age
ताम्र-संचय	copper hoards
ताम्राश्म नव पाषाण संस्कृति	Chalcolithic neolithic culture
ताम्राश्म युग	chalcolithic age
तार्देनोज़ी संस्कृति	Taradenosian culture
तालमान	Iconometry
तासी बीकर	Tasian beakers
तासी सभ्यता	Tasian civilization
तिथि-निर्धारण	dating
तिपाई	tripod
तिर्यक अनुशोधित वेधनी	obliquely retouched point
तुंब	tomb
तुंब दस्युता वृत्त	tomb-robbery papyri
तुंब मार्ग	dromos
तुंबिका	ampulla

तुंबी-रूप पात्र	pyriform jar
तुरही	lur, trumpet
तूर्य	trumpet, lur
तृणमणि	amber
तृणमणि मनका	amber bead
तृणमृदा	sod
तैथिकी	chronology
तैल-द्रोणी	apothecary jar
तैलाभ्यंग कक्ष	alipterion
तोरण-द्वार	torii
त्रिकोण अलंकरण	triquetra
त्रिकोण शीर्ष-पट्ट	aetiaioi
त्रिकोणाकार वेधनी	triangular point
त्रिकोणाकृति	triquetra
त्रिपदी	tripod
त्रिपाद	tripod
त्रिपाषाण तोरण	trilithon
त्रिपाषाणी	trilithon
त्रिभुज	triquetra
त्रिभुजन	triangulation
त्रिभुजाकार हस्तकुठार	triangular handaxe
त्रियुग व्यवस्था	three-age system
त्रिशूल	trident
थियोडोलाइट	theodolite
थिस्यूज का मंदिर	thesion
थ्यूल संस्कृति	Thule culture
दंड-विवर कुठार	shaft hole axe
दंतुर पृष्ठ शल्क	creasted ridge flake

दग्धालंकृत टाइल	encaustic tile
दफन	burial
दफनाना	inhumation, interment
दबा हुआ (भीतर की ओर) भाग	bench nook
दरांती	scythe, sickle
दरी	shelter
दर्शक-कक्ष	cuneus
दर्शक-वीथी	visorium
दर्शन कक्ष	cercis
दस्ता	haft, handle
दस्ताना	*cestus*
दांतेदार चक्र	roulette
दान-अभिलेख	donatory record
दानपत्र	donatory record
दानव-तुंब	giantes tomb
दान संबंधी लेख	*donative inscription*
दारुकर्म	tabulatum
दाह कलश	cremation urn
दीप चपक	cresset
दीप-मंडित पात्र	kernos
दीपस्तंभ	candelbrum
दुसिंगी तलवार	antennal sword
दुसिंगी मूठ	antenne shaped hilt
दुहत्थी सुराही	amphora
देग	*cauldron*
देवकोष्ठ	thole
देवपति	Zeus
देवमंदिर	Varella

नग्न नराकृति	Danzantes
नग्न मनुष्याकृति	Danzantes
नग्न शिशु	putto
नजरौटा प्रतिमावली	apotropaic imagery
नड्गल	menhir
नतुफी संस्कृति	Natufian culture
नदी-अनुप्रस्थ	river section
नरत्वारोपण	anthropomorphism
नरवृषभ	Minotaur
नर-व्याल	androsphinx
नराकृति-स्तंभ	telamon
नराश्म	anthropolite, anthropolith
नराश्व	satyr
नराश्व किन्नर	centaur
नव चंद्राकार	lunate
नवपाषाण उपकरण	neolith implement
नवपाषाण युग	Neolithic age
नवीकरण	renovation
नवीयन	renovation
नाओस	naos
नाट्यमंच	episcenium
नॉर्डिक प्रजाति	Nordic race
नॉर्डिक संस्कृति	Nordic culture
नाशपाती रूपी जार	pyriform jar
नाशपात्याकार हस्तकुठार	pear-shaped handaxe
नासाकार खुरचनी	nose scraper
निकुंज गृह	nymphaeum
निघाति प्रविधि	anvil technique

निचली परत	under coat
निधरणाकार क्षुरक	keeled scraper
निधरणाकार खुरचनी	keeled scraper
निधि	hoard
निप्रवण (T) फलक	battered backed blade
निमज्जक	diver
निम्न उद्भृत	low relief
निम्नोत्कीण	bas relief, diaglyph
निम्नोद्भृत अलंकरण	anaglyph
नियंत्रण गर्त्त	control pit
नियमित वेधनी	regular point
निरपेक्ष कालानुक्रम	absolute chronology
निदेश-चिह्न	bench mark
निलंब उद्यान	hanging garden
निस्तारण अभियान	salvaging operation
निहाई तकनीक	anvil technique
नींव	foundation
नींव तल	foundation level
नीग्रीटो जन	Negrito people
नीलम	sapphire
नुकीला कायाग लघ्वक्ष	pointed oblate
नुकीला हस्तकुठार	Lanceolate handaxe
नूतन जीवयुग	Cainozoic
नआंडरथल मानव	Neanderthal man
नेजा	leister, spear
नोमोस	nomos
नोविज़ संस्कृति	Knoviz culture
नौकाकार पात्र	sauce boat

नौका-शवाधान	boat burial
नौ कुठार संस्कृति	Boat axe culture
नौतली	carinated
नौ शवाधान	boat burial
पंक्तिबंधन	alignment
पंखदार चक्र	feroher
पंचकोण तारा	pentacle
पंचांग-विज्ञान	calendrics
पकी मिट्टी	grog
पकी मिट्टी	terracotta
पके भांड	heat treated pottery, grog
पक्व मृत्तिका	terracotta
पक्षी, नौका तथा सूर्य मण्डल प्रतीक	bird, boat and disc motif
पच्चीकारी	inlay work, marquetry, mosa pietra dura work
पटचित्र	ekotoba
पट-पाषाण	septal stones
पट्ट	tablet
पट्ट-अलंकरण	rincean
पट्टी	reglet
पट्टी पद्धति	strip method
पटल-समाधि	table tomb
पतेरा	patera
पत्रावलि	scroll
पत्रावलि-बेलबूटा	scroll work
पदांकित प्रस्तर	ichnolite
पदाति धनुर्धर	foot archer
पदाधान	stirrup
पनसाल	bubble level

पपुआ-जन	Papuan people
परगेटरी हथौड़ा	purgatory hammer
परिखा	moat
पर्गेमास	pergamus
परत	layer
परतें जमना	incrustation
परदा	mask
परशु	halberd, battle-axe
पराग-विश्लेषण	pollen analysis
परिधान कक्ष	apothesis, scena
परिधीय केंद्रक	peripheral nucleates
परिवृत्त कंकाल	enclosed skeleton
परिष्करण	retouch
परिष्करण-प्रविधि	retouching technique
परिस्तंभ	peristyle
परीक्षण खाई खोदना	trial trenching
परीक्षण-गर्त्त	test pit
परीक्षणार्थ उत्खनन	test digging
परीक्षणार्थ खदान-उत्खनन	trial trenching
परीक्षणोत्खनन	*test digging*
पर्ण-शर अलंकरण	leaf and dart ornament
पर्पटीयन	incrustation
पवित्रतम स्थल	sanctum sanctorum
पवित्र पाषाण	baetulus, omphalos
पवित्र प्रतीक	hierogram
पवित्र स्थल	vital sanctorium
पशुरूप देव	theriomorphic god
पश्च हस्त	back hands



पाषाण वाष्प स्नानागर	labrum
पाषाण वृत्त	peristalith
पाषाण शव पेटिका	sarcophagus
पाषाण संस्कृति	lithic culture
पाषाण स्नान-कुंड	labrum
पांडु भांड संस्कृति	buff ware culture
पांडुर	Ochre
पांडु लेप	buff slip
पासा	tessera
पिग्मी जन	Pygmy people
पिछली हिमावर्त्तनीय अवस्था	late glacial phase
पिथास	pithos
पिथास शवाधान	pithos burial
पिथिकैंथ्रोपस मानव	pithecanthropus man
पिरामिड	pyramid
पिरामिड-युग	age of pyramids
पिरामिड लेख	pyramid texts
पिरामिड-विशेषज्ञ	pyramidologist
पिरामिडाकार मंदिर	teocalli
पिल्टडाउन मानव	Piltdown man
पीठ	altar, base
पीत चर्म	xanthoderm
पीत त्वक्	xanthoderm
पीतल युग	brass age
पुनः पीला मुलम्मा करना	regilding
पुनः हेमरंजन	regilding
पुनरुद्धार	renovation, restoration
पुनर्मुद्रांकन	restriking

पुरालेख	epigraph
पुरालेखवेत्ता	epigraphist
पुरालेखीय स्मारक	epigraphic monument
पुरावशेष	antiquity, relic
पुरावशेष निर्यात नियंत्रण अधिनियम, 1947	Antiquities Export Control Act, 1947.
पुरावशेष मंजूषा	reliquary
पुरावशेष-विधि	antiquity law
पुरावशेषों का उद्धार	salvaging of antiquities
पुरावस्तु	antique, antiquity
पुरावस्तु संग्राहक	antiquary
पुराविद्	antiquary
पुरासंग्रहालय	antiquarium
पुरासामग्री	antiquities
पुश्ता	revetment wall
पुष्प-श्रोणी	chalice
पुष्प-पात्र	chalice
पूजागृह	aedes, sacrarium
पूर्व दिनांक	ante date
पूर्व दिनांकित करना	ante date
पूर्व पाषाणकालीन (संस्कृति)	Aurignacian (culture)
पूर्व पाषाण युगीन (संस्कृति)	Aurignacian (culture)
पृष्ठ-निरीक्षण (प्रणाली).	surface inspection (method)
पृष्ठ मुख	dorsal face
पृष्ठ हस्त	back hands
पृष्ठाकार उपकरण	facetted tool
पृष्ठाकार औजार	facetted tool
पृष्ठावरण	reredos

पेंदी	ring foot
पेंकिग मानव	Sinanthropus
पेटिका	pyxis
पेटिकाकार शवाधान	box grave
पेटी	ark
पेपाइरस	papyrus
पेलिपसेस्ट	palimpsest
पेषणी	muller
पैगोडा	pagoda
पेटिनीकरण	patination
पैदल धनुर्धर	foot archer
पैलेडिओन	palladion
पोटेशियम आँर्गन काल-निर्धारण	potassium-argon dating
पोर्सिलेन	flambe
पौरातनिक	antiquarian
प्रकाचित मृद्भांड	faience
प्रकारात्मक कालानुक्रम	typological seriation
प्रकीर्ण पालिश	flambe
प्रक्षिप्त लेख	pseudepigraph
प्रजाति	race
प्रजाति विज्ञान	raciology
प्रतिकाय टीला	effigy mound
प्रतिकृति	replica
प्रतितट	berm
प्रतिधारक भित्ति	revetment wall
प्रतिमा	icon
प्रतिमापूजा	idolatry
प्रतिमा मान-विज्ञान	iconometry

प्रवेश द्वार	vomitorium
प्रवेश शवाधान	entrance grave
प्रमाधन	dress
प्रसाधित मुख	dressed face
प्रस्तर उपकरण	stone implement
प्रस्तर खनि	quarrel
प्रस्तर तक्षण	stone dressing, stone engraving
प्रस्तर युग	stone age
प्रस्तर-वृत्त	peristalith, stone circle
प्रस्तर हंसली	stone collar
प्रहार पट्ट	striking platform
प्रांगण संगोरा	court cairn
प्राकारिका	pluteus
प्राक् पाषाण	prelithic
प्राक् मानव	preman
प्राक्सभ्य मानव	pre-civilized man
प्राक्साक्षर संस्कृति	pre-literate culture
प्राख्यापन अस्थि	oracle bone
प्रागितिहासज्ञ	prehistorian
प्रागितिहासविद्	prehistorian
प्रागैतिहास	prehistory
प्रागैतिहासिक	prehistorian
प्रागैतिहासिक पुरातत्व	prehistoric archaeology
प्राचीन	antique
प्राचीन काल	antiquity
प्राचीनत्व	antiquity
प्राचीर अट्ट	motte
प्राणि-अश्मविज्ञान	palaeo-zoology

फूलदान	flower vase
फ़ेदरमेसर	Federmesser
फ़ेरो	pharaoh
फेरोन	pharaoh
फेरोहर	feroher
फेल्सपार	feldspar
फ़ीजियाई	Phyrygian
फ्लोरीन काल-निर्धारण	flourine dating
फ्लास्क	flask
बंजर ज़मीन	sterile ground
बक्साकार क़ब्र	box grave
बखार	storage bin
बटन-मुद्रा	button seal
बटिकाश्म उपकरण	pebble tool
बटिकाश्म उपकरण-उद्योग	pebble tool industry
बटिकाश्म औजार	pebble tool
बटिकाश्म क्षुरक	pebble scraper
बटिकाश्म खुरचनी	pebble scraper
बट्टा	muller
बड़ा चमचा	dipper
बड़ा बर्छा	pilum
बर्छा	glaive
बर्बर	barbarian, barbaric
बर्बर बनाना	barbarization
बर्बर संस्कृति	barbaric culture
बर्बरीकरण	barbarization
बर्बरीय	barbaric
बलिदान-स्थान	golgotha

बलिवेदी	sacrificial altar
बलुआ पत्थर	sandstone
बलुई कंकरीली मिट्टी	sand gravel soil
बल्लम	spear
बसारबी संस्कृति	Basarabi culture
बसूला	adze
बहिर्मुखी संघात प्रविधि	outward blow technique
बहुप्राचीर दुर्ग	multivallate fort
बहुमूल्य कलाकृति	art treasure
बहुरंगी	polychrome
बहुवर्ण	polychrome
बाक्खुस	Bacchus
बाडेन संस्कृति	Baden culture
बाडेरी संस्कृति	Badarian culture
बाण ऋजुक	arrow straighteners, shaft straightner
बाणमुख	cuneiform
बाणाग्र	arrowhead (= arrow point)
बादामनुमा हस्तकुठार	almond shaped handaxe
बाबुल की मीनार	Tower of Babel
बाल व्यायाम महोत्सव	gymnopaedia
बालुकाश्म	sandstone
बालू	silica
बाह्य परत	veneer
बाह्य आवरण	veneer
बिंब	disc
बिंबाभ	discoid
बिंबाकार स्तूप	disc barrow
[illegible]	apotropaic imagery

बिल्लौर	quartz
बिसस	byssus
बीकर जन	beaker people
बीकर संस्कृति	Beaker culture
बीजलेखवाचन	decipher
बुक्क संस्कृति	Bukk culture
बुदबुदाकार	bulbous
बुदबुद तलनिर्धारक	bubble level
बुर्ज	nuraghe, tower
बुर्जी	tourelle
बुशमेन	Bushman
बशे	bouche
बसिंग	bosing
बृहतकाय प्रतिमा	colossal statue
बृहत् जिगुरेट	Great Ziggurat
बृहत्पाषाण प्राचीर	Cyclopean defensive wall
बृहदक्षर लिपि	Uncial
बेंच प्रणाली	bench method
बेंट	haft
बेलचा	shovel
बेलन खंड सज्जापट्टी	billet moulding
बेलनाकार मुद्रा	cylinder seal
बेलबूटाकारी	arabesque
बेलबूटे का काम	arabesque
बेस	Bes
बैंकरमिक	Bandkermik
बैकेनेलिया	bacchanalia
बोयन	boian

ब्रह्मगिरि संस्कृति	Brahmagiri culture
ब्लीपर	bleeper
ब्लेमीस	Blemmys
भंडार	ewery
भग्नावशेप	ruins
भट्टा	kiln
भराई	badigeon
भराव	backfill, fill
भवन-निर्माण विपयक मूर्तिकला	architectural sculpture
भस्म-कलश	cinerary urn
भस्म-पात्र	cinerary urn
भस्म-स्तूप	cinder mound
भांड-आधार	pot rest
भांड खंड	potsherd
भांड चिति	bung
भांडागार	ewery
भामंडल	nimb, nimbus
भारतीय आय वास्तुकला	Indo Aryan Architecture
भारतीय विद्या	Indology
भारोपीय भापा-समूह	Indo European languages
भाला	lance
भालाकार हस्तकुठार	lanceolate handaxe
भालाग्र	lancehead
भावचित्र	ideogram
भावलिपि	ideographic script
भाप-स्नानघर	vaporarium
भित्ति-आरेख	graffitti
भित्ति-चित्रकला	mural art

माउएर मानव	Mauer man
माओरी	Maori
मातृ देवी	Divine Mother, mother goddess
मानव-संग्रहालय	Musee del homme
मानवाकृति	anthropomorph
मापशास्त्र	metrology
माया काल	Mayan era
माया पंचांग	Mayan calendar
माया सभ्यता	Mayan civilization
मार्शवित्स संस्कृति	Marschwitz culture
मालिशखाना	conisterium
मिकोकी हस्तकुठार	Micoquian handaxe
मिट्टी	clay
मिट्टी का तावूत	larnax
मिट्टी का वर्तन	crock
मिट्टी की पट्टिका	ostrace
मिट्टी के बने वर्तन	pottery
मिडलैंड मानव	Midland man
मितानी राज्य	Mitannian Kingdom
मिथ्रास	Mithras
मिनियाई भांड	Minyan ware
मिनोअन सभ्यता	Minoan civilization
मिनोटार	Minotaur
मिन्व्रेस कला	Minbres art
मिश्र कांस्य	albronze
मिश्र धातु	alloy
मिश्र नवपाषाण संस्कृति	mixoneolithic culture
मिस्री पेपाइरस	Egyptian Papyrus

मूर्त्तिकला अभिनियम	sculptural canon
मूर्त्तिका	figurine, statuette
मूर्त्तिकार	sculptor, statuary
मूर्त्ति ताक	habitacle
मूर्त्ति-निर्माण कला	iconoplastic art
मूर्त्तिपूजा	idolatry
मूर्त्तिविद्या	iconography
मूर्त्तिशास्त्र	iconology
मूर्त्ति-संग्रह	statuary
मूर्त्ति-संपदा	sculptural wealth
मूर्त्ति-समूह	statuary
मूल गोलाश्म	parent boulder
मूल निवासी	native
मूल स्रोत	provenance
मूलावशेपी	palimpsest
मूषा	crucible
मृणमुद्रा	clay seal
मृण मुहर	clay stamp
मृणमूर्त्ति	terracotta, terracotta figure, unbaked clay figure
मृत संस्कृति	dead culture
मृतस्कंध	pise
मृत्तिका	clay
मृत्तिका कला	ceramic
मृत्तिका-फलक	clay tablet
मृत्तिका मूर्त्ति	unbaked clay figure
मृदापट्ट	ostrace, ostracon
मृदा पात्र	crock

मृदा प्रस्तर	shale
मृदा-लेप	slip
मृदावैज्ञानिक विश्लेषण	pedological analysis
मृद्-फलक	clay tablet
मृद्-बेलन	haniwa
मृद्भांड	ceramic, pottery
मृद्भांड-विश्लेषण	ceramic analysis
मृद्लेखपट्ट	ostrace, ostracon
मेंड	balk
मेंहदी पत्रालंकरण	myrtle decoration
मेखला	waist-band, waist-girdle
मेगोसी	Magosian
मेग्लेमोसाई संस्कृति	Maglemosian culture
मेडेलियन	medallion
मेषपाल नृप	shepherd king
मेष व्याल	criosphinx·
मोंडसे अल्थीम संस्कृति	Mondse Altheim culture
मेओलिका मृद्भांड	Maiolica ware
मैगारोन	Megaron
मैनहिर	menhir
मैमथ	mammoth
मेसोपोटामियाई सभ्यता	Mesopotamian civilization
मैस्विनी उद्योग	Mesvinian industry
मोआबी	Moabite
मोआबी पत्थर	Moabite stone
मोआबी प्रस्तर पट्ट	Moabite stone
मोखा	crenel, ovlet
मोर्चा लगा सिक्का	patinated coin

मोस्तारी उपकरण	Mousterian tools
मोस्तारी प्रविधि	Mousterian technique
मोस्तारी संस्कृति	Mousterian culture
मोहर विद्या	sigillography
म्यान की मूंट	chape
म्यूरस गैलीकस	murus gallicus
यज्ञ-कुंड	altar
यज्ञ-वेदी	fire altar, sacrificial altar
यज्ञ-स्तंभ	sacrificial post
यदृच्छ स्तर-पद्धति	arbitrary level system
यादृच्छ उत्खनन	random excavation
यामातो संस्कृति	Yamato culture
यायोई संस्कृति	Yayoi culture
युद्ध-कुठार	battle-axe
यूनानी	Hellenic
यूनानी कला	Hellenic art
यूनानी बौद्ध कला	Greco-Buddhist art
यूनानी मूर्तिकला	Greek-sculpture
यूनानी सभ्यता	Hellenic civilization
यूनानी स्थापत्य	Greak architecture
यूनेटिस संस्कृति	Unetice culture
यूप स्तंभ	sacrificial post
रंगपट्टिका	palette
रंगभूमि	amphitheatre
रंगमंडप	hippodrome
रंगलेपी	cestrum
रंगवाट	amphitheatre
रंगशाला	episcenium

रंगीन उत्खचित संगमरमर	scalpturatum opus
रंगीन काष्ठ पच्चीकारी	reisner work
रंध्रक	borer
रंभा	cross bar
रकाब	stirrup
रकाबी	paten, patera
रज्जु अलंकरण	cord ornament
रज्जु जालक	string grid
रज्जु-सज्जा	torsade
रथ	chariot
रश्मि-मंडल	sun-disc
रहट	bucket wheel
रापी	scraper
राइटोन	rhyton
राक्षसी मुखालंकरण	gorgoneion
राजगीरी	masonry
राजभवन और रनिवास	hall and bower
राष्ट्रीय अवशेष	national relics
राष्ट्रीय स्मारक	national monument
रूढ़ाकृति	block figure
रूलेट अलंकरण	rouletted decoration
रूलेट भांड	rouletted ware
रेडियो-सक्रिय काल-निर्धारण	radio-active dating
रेडियो सक्रियता-प्रणाली	radio-activity method
रेडियो सक्रियता-विधि	radio-activity method
रेमिडेलो संस्कृति	Remedello culture
रोजिटा-पाषाण	Rosetta stone
रोपड़ संस्कृति	Rupar culture

रोमन स्थापत्य	Roman architecture
रोम प्रभावित कला-शैली	Romanseque style
रोसन डेन्यूबवासी	Rossen Danubian settlers
रोहित	russet
रौजा	mausoleum
लंगर अलंकरण	anchor ornament
लंबक	pendant
लंब वेरो	long barrow
लंबमान उत्खनन	vertical excavation
लंबमान खुदाई	vertical digging
लंबा स्तूप	long barrow
लघु उपकरण	pigmy implement
लघु औजार	pigmy implement
लघु चकमक	pigmy flint
लघु चित्र	miniature paintings, vignette
लघु पिरामिड	pyramidion
लघु प्रतिमा	statuette
लघु फलक उद्योग	short blade industry
लघु मंदिर	sacellum
लघु मूर्त्ति	figurine
लघ्वक्ष उपकरण	oblates
लटकन	pendant
लटकन तावीज	bulla
लटकन लड़ी	pendant chain
लवंग ग्रंथि	clove hitch
लहरियादार मृद्भांड	waivelined pottery
लांगल अलंकरण	anchor ornament
लाक्षा कर्म	lacquer

लाख का काम	lacquer
लाजवर्द मणि	lapis lazuli
ला तेन	La Tene
लारेल पत्र-उपकरण	laurel leaf implement
लार्नी संस्कृति	Larnian culture
लाल ओपवाले वर्त्तन	red polished ware
लाल पर लाल रंग की प्रविधि	red-on-red technique
लाल रंग के क्षालित वर्त्तन	red washed ware
लाल लेपवाले वर्त्तन	red slipped pottery
लिंग-प्रतीक	phallic emblem
लिंगोपासना	phallic worship
लिंचेट	lynchet
लिगूरी मानव	Ligurian man
ली	li
लुंबी	pendant
लुनूली	lunulae
लुप्त संस्कृति	dead culture
लूनेट	lunate
लूर	lur
लेकिथोस	lecythus
लकोनिकम	laconicum
लेपित मृदभाड	slipped pottery
लेब्रम	labrum
लेसिथस	lecythus
लोएस	loess
लोढ़ा	muller
लोथल	Lothal
लोसित्स संस्कृति	Lausitz culture

लोहित भांड	scarlet ware
लौंगिया गाठ	clove hitch
लौह-टोप	helmet
लौह युग	Iron age
ल्वाल्वाई प्रविधि	Levalloisian technique
ल्वाल्वाई संस्कृति	Levalloisian culture
वंशीय संस्कृति	dynastic culture
वक्र आर्ड	crook ard
वक्र कुदाली	crook ard
वक्र शलाका-मुद्रा	bent-bar coin
वनस्पति-छाया	vegetation shadow
वप्र	agger, earth work
वर्ग-जालक पद्धति	checkboard method
वर्ग-प्रणाली	square method
वर्ग रीति	square method
वर्गिकी	taxonomy
वर्गीकरण विज्ञान	taxonomy
वर्गीय उत्खनन	segment excavation
वर्णकता	pigmentation
वर्णकुट्टिम	mosaic
वर्णमाला	alphabet
वर्तुल क्षुरक	rounded scraper
वर्तुल क्षुरणी	rounded scraper
वर्तुल खुरचनी	rounded scraper
वर्तुलाकार	billet
वलय कूप	ring well
वलयपाद	ring foot
वलय-प्रस्तर	ring stone

वलयाकार अलंकरण	rosace
वल्केन	vulcan
वस्तु-पत्रक	object card
वहनीय वेदी	acerra
वामन प्रजाति	pygmy people
वायवी फोटोग्राफी	air photography
वायवीय पर्यवेक्षण	aerial supervision
वाष्प-स्नानागार	vaporarium
वास-स्तर	habitation level
विजयस्मारक	tropaeum
विट्रूवी	Vitruvian
विडाल मानव	feline monster
वितर्क मुद्रा	discussion pose
विदारक खुरचनी	cleaver scraper
विदारक स्क्रेपर	cleaver scraper
विदारणी	cleaver
विपाती शवाधान	catastrophic burial
विभाजन पट्टी	balk
विमान-वीक्षण	aerial reconnaissance
विरोधी उत्संस्करण	antagonistic acculturation
विरोधी परसंस्कृति-ग्रहण	antagonistic acculturation
विलुप्त कड़ी	missing link
विलो पत्राकार वेधनी	Willow leaf point
विवर्तनिक विक्षोभ	tectonic disturbances
विशाल मूर्ति	colossal statue
विशाल स्नानागार	great bath
विषम अनगढ़ पाषाण	random ashler
विसरित चित्र	vignette

विस्तृत उत्खनन	extensive excavation
वीट-वीट	weet-weet
वीथी	alure
वीनस	Venus
वृक्ष-कालानुक्रमिकी	dendrochronology
वृक्षवलय-कालानुक्रमिकी	dendrochronology
वृक्ष-वलय तैथिकी	tree-ring chronology
वृक्ष-वलय विश्लेषण	tree-ring analysis
वृत्ताकार गवाक्ष	oculus
वृत्ताकार प्रभामंडल	circular nimbus
वृत्ताकार प्रभावली	circular nimbus
वृत्ताकार मंदिर	monopteron, monopteros
वृत्ताकार मोखा	oculus
वृषभ-मानव	bucentaur
वेदिका	balustrade
वेदिका-स्तंभ	railing pillar
वेदी	altar
वेदी-आवरण	palliotto
वेधक	borer
वेधक क्षुरणी	borer-scraper
वेधक खुरचनी	borer-scraper
वेधनी	point
वेम	loom
वेसेक्स संस्कृति	Wessex culture
वैंडल	Vandal
वैवाहिक कटिबंध	cestus
वैवाहिक मेखला	cestus
व्याघ्र-निहंता मुद्रा	tiger slayer coin

व्यायामशाला	gymnasium
व्यायामाध्यक्ष	gymnasarch
शंख	conch-shell, shell
शंख-पच्चीकारी	shell inlay (ing)
शक	sacae (=Sakas)
शक जन	Scythian people
शतपदी मंदिर	hecatompedon
शतमेय	hecatomb
शमशीर	scimitar, sword
शयन-मूर्त्ति	recumbent image
शर-ऋंजुक	shaft straightener
शरण	shelter
शरदंड	shaft
शरदंडाग्र	fore shafts
शलाका	skewer
शलाका जांच-प्रणाली	probing method
शल्क	flake
शल्क उपकरण उद्योग	flake tool industry
शल्कन	flaking
शव टीला	barrow
शवगृह	mortuary house
शवपेटिका	coffin
शव पेटिका लेख	coffin text
शवयान	hearse
शव-स्तूप	burial mound
शवागार	mortuary house
शवागार-लुंठन	grave plundering
शवाधान	burial, inhumation, inter

शवाधान-कक्ष	burial chamber
शवाधान-कलश	burial jar, burial urn
शवाधान-कोष्ठ	burial vault
शवाधान-गर्त्त	burial pit
शवाधान-निक्षेप	burial deposit
शवाधान-पात्र	burial urn
शवाधान-प्रथा	burial custom
शवाधान-प्रांगण	burial yard, burial ground
शवाधान-भूमि	burial place
शवाधान मृद्भांड	burial pottery
शवाधान-रिवाज	burial custom
शवाधान-रीति	burial practice
शवाधान-संस्कार	burial rites
शवाधान-स्तूप	burial tumulous
शवाधान-स्मारक	burial memorial
शवाधानी	larnax
शवाधि	grave
शवाधि-सूचक	grave-markers
शवाधि-स्थल	golgotha, necropolis
शवोपासना	funerary cult
शांकव घट	hill figure
शामी	Semite
शाही मक़बरा	royal tomb
शिरस्त्राण	helmet
शिरोवस्त्र	headcovering
शिलाकूट	cairn
शिलाकूट-वृत्त	cairn circle
शिला-चित्र	rock painting

शैतलपिरोनी उद्योग	Chatelperronian industry
शैतलपिरोनी संस्कृति	Chatelperronian culture
शैल	shale
शैलकृत वास्तु	rock cut architecture
शैल-चित्र	rock painting
शैल-मंदिर	speos
शैलाश्रय	rock shelter
श्येन-मुख	Hieracosphinx
श्येन-व्याल	Hieracosphinx
संक्रमण-काल	transitional period
संगतराशी	stone dressing
संगीत-कक्ष	odeon
संगोरा	cairn
संगोरा वृत्त	cairn circle
संग्रहाध्यक्ष	curator
संग्रहालय	museum, opera del duomo
संग्रहालय विज्ञान	museology
संचय घट	storage jar
संचयी घट	storage jar
संदर्भ चिह्न	bench mark
संदिया गुहा	Sandia
संदूकची	ark
संरक्षी विलेपन	protecting coating
संवारना	trim
संश्लिष्ट मूर्ति	syncretistic icon
संश्लिष्ट रूप	syncretic form
संहति मूर्ति	syncretistic icon
सजावट का काम	applique work

सपक्ष अश्व	pegasus
सपक्ष बिंब	feroher
सपक्ष सिंह	griffin
सब्बल	cross bar
सभ्यता की शैशव-स्थली	cradle land of civilization
समतलीय उपकरण	flat base tool
समन्तांत हस्तकुठार	pebble-butted handaxe
समरा मृद्भांड	Samarra pottery
समलंबाभ उपकरण	trapezoid
समस्थानिक	homotaxial
समाकलन काल	integration period
समाधि	barrow, grave, feretory, sepulchre, tomb
समाधि-उपस्कर	grave goods
समाधि-कोष्ठ	loculus
समाधि-गर्त्त	grave pit
समाधि-ध्वज	bannerol
समाधि-लेख	epitaph
समाधि-लुंठन	grave plundering
समाधि-शिला	ledger
समान अंतरावस्था	homostadial
समानांतर खाई	parallel trench
समारंजन	tempera
समुद्रगर्भीय पुरातत्त्व	submarine archaeology
समुद्भृत अलंकरण	embossed ornament
समुद्भृत आकृति	embossed figure
समुह शवाधान	group burial
सम्मिजित रूप	syncretic form

सम्मिश्र मूर्त्ति	syncretistic icon
सम्मिश्र रूप	syncretic form
सरथ शवाधान	chariot burial
सरोवर वास	lake dwelling
सरोवर वास-स्थान	lake dwelling
सर्पदंड	caduceus
सहगान यशोमंदिर	choragic monument
सांस्कृतिक प्ररूप	culture types
सांस्कृतिक लक्षण	cultural content
साइक्लेडी कला	Cycladic art
साकेट	socket
सात आश्चर्य (प्राचीन विश्व के)	seven wonders (of the ancient world)
सान पत्थर	grinding stone
सापेक्ष कालानुक्रम	relative chronology
सामरी लोग	Samaritans
सामूहिक तुंब	collective tomb
सामूहिक शवाधान	collective tomb, group burial
सारगोनिद काल	Sargonid period
सार्वजनिक स्नानागार	balnea
सावन-भादों	nymphaeum
सार्वजनिक उत्कीर्ण लेख	public inscription
साहुल	plumb
सिंदूर	vermilion
सिंधु संस्कृति	Indus culture
सिंहद्वार	propylaeum
सिंहपक्षी	achech

सिकता	silica
सिक्का	coin
सिक्का निधि	coin hoard
सिक्का शास्त्र	numismatics
सिक्नी	Sequani
सिनेन्थ्रोपस	Sinanthropus
सिमिअन	Simeon
सिमेरी	Cimmerian
सिल	metate
सिलिका	silica
सिल्यूरी जन	Silures
सिल्ली	tablet
सींक	skewer
सींस	skewer
सीरेपिअम	Serapeum
सीसा भांड	plumbate ware
सुआ	bodkin
सुगंधिकूपी	alabastrum
सुतक्षणीय शिला	sculpstone
सुमेरी	Sumerian
सुमेरी संस्कृति	*Sumerian culture*
सुरंग क़ब्र	passage grave
सुरंग तुंब	syrinx
सुरक्षित स्थल	well preserved site
सुरापात्र	flagon, oenochoe
सुराही	aryballus, flask, olpe
सुलेमान की मुहर	Solomon's seal
सुलेमानी	Onyx

सुलेमानी अंगूठी	Solomon's seal
सूक्ष्म जीवाश्मिकी	micro palaeontology
सूक्ष्म तक्षणी	micro burin
सूक्ष्म नवाश्म संस्कृति	micro neolithic culture
सूक्ष्म पाषाण	microlith
सक्ष्म व्यूरीन	micro burin
सूक्ष्माश्म	microlith
सूची	cross bar
सूची-स्तंभ	obelisk
सूर्य-संतति	Children of the Sun
सेंटा मार्टा कलश	Santa Marta Urn
सेटर	Satyr
सेतुमार्ग परिखा	causewayed ditch
सेतुमार्ग शिविर	causewayed camp
सेनोनीज़	Senones
सेनोनी युग	Senonian epoch
सेबाइन लोग	Sabines
सेबेज़ियस	Sabazius
सेमाइट	Semite
सेमियाई भांड	Semian ware
सेमोआई संस्कृति	Samoan culture
सेम्नाइट लोग	Samnites
सेरापिस	Serapis
सेलखड़ी	alabaster
सेलेना	Selena
सेस्क्लो शैली	Sesklo style
सैस्ट्रम	cestrum
सैन्य बल	fyrd

सोन उद्योग	Sohan industry
सोपान-कगार	lynchet
सोपानवत शल्कन प्रविधि	step flaking technique
सोपान-पिरामिड	step pyramid
सोपान-शल्कन	step flaking
सोल्यूत्री संस्कृति	Solutrean culture
सौंदर्य-देवी	Venus
सौफुटा मंदिर	hecatompedon
सौर-पाषाण संस्कृति	heliolithic culture
सौवेतेरिए	Sauveterrean
स्कंध	shoulder
स्टेडियल प्रावस्था	stadial phase
स्टेपी प्रावस्था	steppe phase
स्टोनहेंज	Stonehenge
स्तंभ-दंड	shaft
स्तंभ-लेख	pillar edict
स्तर	layer, stratum
स्तर-अनुक्रम	stratigraphical sequence
स्तर-अभिलेख	stratigraphic record
स्तर-क्रम विज्ञान	stratigraphy
स्तरण	stratification
स्तर-निर्धारण विधि	stratigraphic method
स्तर-प्रमाण	stratigraphical evidence
स्तर-बंधनी	level tag
स्तर-विधि	stratigraphic method
स्तर-विन्यास	stratigraphy
स्तरापनयन	peeling

स्तरिकी	stratigraphy
स्तरित उत्खनन	stratified excavation
स्तरित गर्त्त	stratigraphic pit
स्तूप	pagoda, tope, tumul
स्तूपिका	pyramidion
स्थण्डिल	altar
स्थल-कार्ड	site card
स्थल-पत्रक	site card
स्थलीय निक्षेप	terrestrial deposit
स्थानपूरक अलंकरण	filling motif
स्थानिक संस्कृति	localised culture
स्थापत्य विषयक मूर्तिकला	architectural sculpture
स्थिर घन प्रविधि	block on block technique
स्थूणावशेष	post-mold
स्नानागार	caldarium
स्पेनी मूर	Hispano Moresque
स्फटिक	quartz
स्फिंक्स	sphinx
स्मारक	barrow, memorial, monument
स्मारक-समाधि	cenotaph
स्मृति-लेख	epitaph
स्लैग	slag
स्वतः स्थित प्रतिमा	free standing image
स्वप्न देवता	Morpheus
स्वस्तिक	fylfot
स्वस्तिक प्रतीक	Swastika symbol
स्वस्ति-यंत्र	Solomon's seal
स्वान्सकोंबे मानव	Swanscombe man

हंसली	torc
हंसिया	sickle
हड़प्पा संस्कृति	Harappa culture
हत्था	handle
हत्थेदार प्याला	handle bowl
हथौरी	Hathori
हथौरी स्तंभ	Hathori column
हनीवा	haniwa
हमाम कक्ष	Caldarium
हमुराबी संहिता	Code of Hammurabi
हेंज स्मारक	Henge monument
हेड्रियन की दीवार	Hadrian's wall
हेब-शेद	heb-sed
हरित कांस्य	aerugo
हरित पाषाण	Callais
हरित्-ताम्र	aerugo
हरित प्रस्तर कुठार	green stone axe
हरिताश्म	jade
हल	plough
हल कृषि	plow agriculture
हेलाडिक संस्कृति	Helladic culture
हेलिकारनेसस	Halicarnassus
हेलिकारनेसस का मकबरा	Mausoleum of Halicarnassus
हवन-कुंड	altar
हस्तकुठार	handaxe
हस्तकुठार खुरचनी	hand axe-scraper
हस्तकुठार स्क्रेपर	hand axe-scraper
हस्तकृति	artifact (=artefact)

हस्त-मुद्रा	hand pose
हस्तिनापुर सांस्कृतिक अनुक्रम	Hastinapur cultural sequence
हाइरेटिक	hieratic
हाल्स्टाट युग	Hallstatt epoch
हाल्स्टाट सभ्यता	Hallstatt civilization
हाशे	hache
हिक्सस	Hyksos
हित्ती चित्रलिपि	hieroglyphic Hittite
हिप्पोड्रोम	hippodrome
हिम युग	ice age
हिमानी युग मानव	diluvial man
हिमावर्त्तन प्रावस्था	stadial phase
हिल फीगर	hill figure
हीराकृति	lozenge pattern
हीलिया	heliaea
हीलियोलिथिक संस्कृति	Heliolithic culture
हूनबेड	hunebed
हूरी	Hurri
हृदयाकार अभिप्राय	heart shaped motif
होर्गेन संस्कृति	Horgen culture

भा०स०/मु०ना०–वि–2–387 सी. एच. डी. (एन. डी.)77—18-7-79—1100